

विदेह VIDEHA

विदेह आन्दोलन (अंक १-४४०)

Videha Movement (Issues 1-440)

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड ३ / ५ · Volume 3 of 5

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | www.videha.co.in

विदेह ई-लर्निङ्ग: <https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm>

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

विषय-सूची / Contents

१. VIDEHA_001_440 | विदेह १-४४० विस्तृत अध्ययन क्विज | 10135 प्रश्न
प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।

२५०० प्रश्न

In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.

खण्ड ५२७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १८४ : लजबिजी आ अकाल

१. अंक १८४मे 'लजबिजी' कोन रचनाकारक लघुकथा-संग्रह रूपमे देल अछि?
 - (A) जगदीश प्रसाद मण्डल
 - (B) राजदेव मण्डल
 - (C) राम विलास साहु
 - (D) नन्द विलास राय
२. 'लजबिजी' संग्रहक समर्पण कोन गोष्ठीसँ जुड़ल अछि?
 - (A) सगर राति दीप जरयक नारी-केंद्रित गोष्ठी
 - (B) छैठ घाटक पूजा
 - (C) विद्यालयी खेल
 - (D) नगरक बाजार
३. 'लजबिजी'क कथा-सूचीमे पहिल कथा कोन शीर्षकसँ आरम्भ होइत अछि?
 - (A) अकाल
 - (B) ठकुआएल भुसवा
 - (C) पंचैती
 - (D) जल भँवर
४. 'अकाल' कथाक आरम्भमे सुगापटीवाली माथपर की नेने अबैत अछि?
 - (A) दस-बारहटा छिट्टा-पथियाक गेंठ
 - (B) सोनाक हार
 - (C) लालटेन
 - (D) नदीक नाव
५. 'अकाल'मे बौकी दीदी आ सुगापटीवालीक संबंध कोना देखाइत अछि?
 - (A) नियमित गप-सप्प आ अपनापनक
 - (B) राजा-प्रजा
 - (C) केवल दुकानदार-ग्राहक
 - (D) शत्रुता
६. बौकी दीदी सुगापटीवालीक मुँह देखि की भाँपैत छथि?
 - (A) ओ कोनो विपत्ति वा बेधा मे अछि
 - (B) ओ नाचक तैयारीमे अछि
 - (C) ओ राजाज्ञा नेने अछि
 - (D) ओ स्कूल परीक्षामे सफल भेल
७. 'अकाल'मे सुगापटीवाली कहैत अछि जे लोक केकर सोग बेसी नै सहि सकैत?
 - (A) धनक सोग
 - (B) गीतक सोग
 - (C) रंगक सोग
 - (D) खेलक सोग
८. सुगापटीवालीक छिट्टा-पथिया बनाबयक श्रम कोन आर्थिक आशासँ जुड़ल छल?
 - (A) मास-दिनक रोजगार आ किछु बचत
 - (B) राजदरबारक पद
 - (C) विद्यालयी पुरस्कार
 - (D) नदी-पार यात्रा

९. 'अकाल'मे 'अकाल' केवल अन्नक अभाव नहि, कोन अभावक संकेत बनैत अछि?

- (A) रोजगार-बाजार टूटि जाएब
- (B) गीत समाप्त
- (C) नदी सुखाएब मात्र
- (D) परीक्षा रोकाएब

१०. 'अकाल' कथाक सामाजिक केंद्र कोन अछि?

- (A) गरीब श्रमिक स्त्रीक श्रम, विपत्ति आ अपनापन
- (B) राजकीय युद्ध
- (C) दूर समुद्री व्यापार
- (D) केवल प्रेमगीत

खण्ड ५२८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १८४ : लजबिजीक कथा-जगत

११. 'लजबिजी'क कथा-सूचीमे 'अकाल'क अतिरिक्त कोन शीर्षक भेटैत अछि?

- (A) उझट बात
- (B) मदन अमर
- (C) स्कूलक खिचड़ी
- (D) भगवाने भरोसे

१२. 'लजबिजी' सूचीमे ऋण-संबंधी संकेत देनिहार कोन शीर्षक अछि?

- (A) कर्जखौक
- (B) निर्मलीक निर्मलता
- (C) कागज-कलम
- (D) पाखलो

१३. 'लजबिजी'क कथा-सूचीमे स्त्री-केंद्रित घरेलू स्मृति जगाबय वाला कोन शीर्षक अछि?

- (A) रेहना चाची
- (B) जाल
- (C) चोर-सिपाही
- (D) रूसल बौआ

१४. 'लजबिजी'मे बुजुर्ग स्त्री-पात्रक संकेत देनिहार शीर्षक कोन अछि?

- (A) बुधनी दादी
- (B) बरसा
- (C) गीता
- (D) ललिता

१५. 'लजबिजी'क कथा-सूचीमे प्रश्नवाचक भाव वाला शीर्षक कोन अछि?

- (A) अउतरित प्रश्न
- (B) ठकुआएल भुसवा
- (C) जल भँवर
- (D) कागज-कलम

१६. 'लजबिजी' सूचीमे स्मृति-संबंधी शीर्षक कोन अछि?

- (A) सजल स्मृति
- (B) पंचैती
- (C) जाल
- (D) नदीक किनार

१७. 'लजबिजी'क कथा-सूचीमे घास-संबंधी प्रतीकात्मक शीर्षक कोन अछि?

- (A) एक मुठी घास
- (B) भैयारी हक
- (C) कागज-कलम
- (D) मदन अमर

१८. 'लजबिजी'मे 'करिछौं हँ मुँह' शीर्षक कोन तरहक लोक-जीवन संकेत देत अछि?

- (A) चेहरा, जाति-रंग, सामाजिक दृष्टि वा लोक-व्यवहारक
- (B) रेलवे स्टेशनक
- (C) राजमहलक
- (D) समुद्रयात्राक

१९. 'लजबिजी'क कथा-सूची समग्र रूपेँ कोन संसार बनबैत अछि?

- (A) गाम, अभाव, स्मृति, स्त्री-जीवन आ सामाजिक संबंध
- (B) केवल युद्ध
- (C) केवल समुद्र
- (D) केवल विज्ञान-प्रयोग

२०. अंक १८४मे 'लजबिजी'क उपलब्ध आरम्भिक प्रस्तुति पाठककेँ कोन विधा-पहचान दैत अछि?

- (A) लघुकथा-संग्रह
- (B) केवल नाटक
- (C) केवल शब्द-सूची
- (D) चित्र-संग्रह

खण्ड ५२९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १८५ : गामक शकल-सूरत आ ठकुआएल भुसवा

२१. अंक १८५मे 'गामक शकल-सूरत' कोन रचनाकारक लघुकथा-संग्रह रूपमे देल अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (B) राजदेव मण्डल
- (C) राम विलास साहु
- (D) पल्लवी मण्डल

२२. 'गामक शकल-सूरत'क कथा-सूचीमे पहिल शीर्षक कोन अछि?

- (A) ठकुआएल भुसवा
- (B) अकाल
- (C) पंचैती
- (D) जल भँवर

२३. 'ठकुआएल भुसवा'क आरम्भ कोन पर्व-स्थलपर होइत अछि?

- (A) छैठ-परमेशरीक घाट
- (B) दुर्गापूजाक मेला
- (C) धनेसरक आँगन
- (D) नदीक नाव

२४. 'ठकुआएल भुसवा'मे घाटपर बाल-बोधसँ सियान-चेतन धरि केकर आशा जगैत अछि?

- (A) पावैनक पाबन परसाद
- (B) नव किताब
- (C) राजकीय आदेश
- (D) पंचायतक दंड

२५. 'ठकुआएल भुसवा'मे सजल डालीमे कोन-कोन परसाद-सामग्रीक संसार देखाइत अछि?

- (A) सूप-डगरा, खीरा, सजमैन, नारिकेल, केरा आ कुशियार
- (B) तलवार आ ढाल
- (C) रेल टिकट
- (D) कागज-कलम मात्र

२६. भुसवा कथामे ककर सामने अपन उपेक्षा अनुभव करैत अछि?

- (A) ठकुआक सामने
- (B) राजेसरक सामने
- (C) गीताक सामने
- (D) सुगापटीवालीक सामने

२७. भुसवा अपन पुरखा दिस तकैत कोन बात सोचैत अछि?

- (A) सिरजनमे भेद-कुभेद नै भेल
- (B) केवल ठकुआ जन्मल
- (C) ओ राजकुमार अछि
- (D) ओ नदीमे डुबल

२८. ठकुआ भुसवा पर कोन आरोप/तिरस्कार करैत अछि?

- (A) बाप-दादा जकाँ गुड़कैत रहबाक
- (B) नदी पार करबाक
- (C) गीत गाबबाक
- (D) कथा लिखबाक

२९. 'ठकुआएल भुसवा'मे खाद्य-वस्तुसभ केना पात्रवत् बनैत अछि?

- (A) भुसवा आ ठकुआ संवाद/मान-अपमान अनुभव करैत अछि
- (B) ओ सभ केवल सूची बनि रहैत अछि
- (C) ओ सभ सैनिक बनैत अछि
- (D) ओ सभ नदी होइत अछि

३०. 'ठकुआएल भुसवा'क प्रतीकात्मक केंद्र की अछि?

- (A) पावैनक पवित्रता भीतर असमान मान-सम्मानक आलोचना
- (B) केवल पकवानक विधि
- (C) राजनीतिक चुनाव
- (D) विद्यालयी परीक्षा

खण्ड ५३० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १८५ : गामक शकल-सूरतक कथा-सूची आ ग्रामीण प्रतीक

३१. 'गामक शकल-सूरत'क कथा-सूचीमे जल-सुविधा वा ग्राम-ढाँचासँ जुड़ल शीर्षक कोन अछि?

- (A) चापाकलक पाइप
- (B) कागज-कलम
- (C) जल भँवर
- (D) पंचैती

३२. 'गामक शकल-सूरत'क कथा-सूचीमे लेखन/शिक्षा-संबंधी संकेत देनिहार शीर्षक कोन अछि?

- (A) कलम हानि कऽ
- (B) ठकुआएल भुसवा
- (C) अकाल
- (D) जाल

३३. 'गामक शकल-सूरत' सूचीमे मारल-पीटल/अपमानित जीवनक संकेत देनिहार शीर्षक कोन अछि?

- (A) लतियाएल जिनगी
- (B) कागज-कलम
- (C) पंचैती
- (D) लाज

३४. 'गामक शकल-सूरत' शीर्षक स्वयं कोन प्रकारक कथा-लक्ष्य सूचित करैत अछि?

- (A) गामक बदलैत चेहरा आ सामाजिक यथार्थ
- (B) केवल राजमहल
- (C) समुद्र-यात्रा
- (D) शब्दकोश

३५. सूचीमे पावन-संबंधी शीर्षक कोन अछि?

- (A) जितिया पावन
- (B) जल भँवर
- (C) कागज-कलम
- (D) जाल

३६. 'सुखाएल सूरत' शीर्षक कोन भाव-संसारक संकेत दैत अछि?

- (A) अभाव, सुखापन आ सामाजिक पीड़ा
- (B) पूर्ण ऐश्वर्य
- (C) नदीक बाढ़ि मात्र
- (D) केवल गीत

३७. 'भैयारी हक' शीर्षक कोन सामाजिक सम्बन्धक प्रश्न उठबैत बुझाईत अछि?

- (A) भाइ-भाइ/साझेदारी आ अधिकार
- (B) केवल मेला
- (C) केवल नदी
- (D) केवल गजल

३८. 'गामक शकल-सूरत'क कथा-सूचीमे पर्व, जल, शिक्षा, अधिकार आ अभाव — ई सभ मिलि कोन व्यापक फलक बनबैत अछि?

- (A) ग्रामीण समाजक बहुविध यथार्थ
- (B) दरबारी मनोरंजन
- (C) विदेशी युद्ध
- (D) खेल प्रतियोगिता

३९. अंक १८५मे 'कथाक सत्तरि' उपशीर्षक कोन तरहक रचना-क्रम सूचित करैत अछि?

- (A) लघुकथासभक क्रमबद्ध संचयन
- (B) केवल गीतक ताल
- (C) नाटकक दृश्य मात्र
- (D) पत्र-सूची

४०. अंक १८५क समग्र उपलब्ध आरम्भिक सामग्री कोन साहित्यिक दिशा देखबैत अछि?

- (A) ग्रामीण जीवनक प्रतीकात्मक आ सामाजिक लघुकथा
- (B) केवल प्रशासनिक सूचना
- (C) केवल यात्रा विवरण
- (D) केवल ज्योतिष

खण्ड ५३१ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १८६ : फलहारक अनुक्रम आ जाम कथा

४१. अंक १८६ मे मुख्य रूपे कोन लघुकथा-संग्रह देल गेल अछि?

- (A) फलहार
- (B) गामक शकल-सूरत
- (C) कथा कुसुम
- (D) सखारी-पेटारी

४२. 'फलहार'क अनुक्रममे पहिल कथा कोन अछि?

- (A) जाम
- (B) गण्डा
- (C) फलहार
- (D) भोरक झगड़ा

४३. 'जाम' कथामे गुणोसर काका कोन अवस्थाक बाद थैली नेने बेटासँ बात करैत छथि?

- (A) महाविद्यालयसँ सेवा-निवृत्ति पछाति
- (B) बिआहक दिन
- (C) तीर्थयात्रासँ लौटि
- (D) गाम छोड़बाक पहिने

४४. 'जाम'मे गुणोसर काका जेठ बेटासँ मुख्यतः की कहैत छथि?

- (A) धएल-धरल धन बेटा सभ अपन लऽ लिअ
- (B) गामक खेत बेचि दिअ
- (C) घर छोड़ि विदेश चलू
- (D) संगीत-सभा आयोजित करू

४५. 'जाम'मे सुधीर पिताक धन लेबाक विषयमे कोन भाव प्रकट करैत अछि?

- (A) पिताक कमाइ पिताक इच्छानुसार खर्च होअय
- (B) पूरा धन ओ अपने लेत
- (C) धन केँ बैंकमे बंद करबाक चाही
- (D) धनसँ चुनाव लड़बाक चाही

४६. 'जाम'मे छोट बेटा रणधीरक उत्तर कोन प्रकारक अछि?

- (A) भैया आ बाबूक विचारक संग चलबाक
- (B) पितासँ झगड़ा करबाक
- (C) धन तुरन्त माँगबाक
- (D) गामक घर बेचबाक

४७. 'जाम'मे गुणोसर काका ककरा-सभकेँ इंजीनियर बनौलनि?

- (A) दूनु बेटाकेँ
- (B) दूनु पोताकेँ
- (C) गामक शिक्षककेँ
- (D) अपन छोट भाइकेँ

४८. 'जाम' कथामे "बुढ़ाड़ी" केना बुझाओल गेल अछि?

- (A) मनक रोग वा मानसिक बोझ रूपे
- (B) केवल देहक बल रूपे
- (C) खेलक नियम रूपे
- (D) राजनीतिक पद रूपे

४९. 'जाम'मे अढ़ाई लाख जमा भेटबाक बात कोन प्रसंगसँ जुड़ैत अछि?

- (A) सेवानिवृत्ति पछाति संचित धनक चिन्ता
- (B) कन्यादानक खर्च
- (C) नाटक मण्डलीक पारिश्रमिक
- (D) धानक बिक्री

५०. 'जाम' कथाक मूल तनाव कोन अछि?

- (A) संचित धन, उत्तरदायित्व आ बुढ़ापाक नैतिक निर्णय
- (B) राजदरबारक षड्यंत्र
- (C) विद्यालयी परीक्षा
- (D) नदी-बाढ़िक प्राकृतिक वर्णन

खण्ड ५३२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १८६ : गण्डा, पशु-रूपक आ फलहार

५१. 'फलहार'क अनुक्रममे 'जाम'क बाद कोन कथा आबैत अछि?

- (A) गण्डा
- (B) भोरक झगड़ा
- (C) कथा लेखन क्रम
- (D) फलहार

५२. 'गण्डा' कथामे करिया भाय कतेक समय पछाति कथाकारसँ भेटैत छथि?

- (A) तीन साल पछाति
- (B) दस दिन पछाति
- (C) एक मास पछाति
- (D) बीस बरख पछाति

५३. 'गण्डा'मे करिया भायक "सभ गण्डा भेल जाइए" कथन कोन प्रश्नक उत्तरमे अछि?

- (A) अण्डा सभक हाल-चालक प्रश्न
- (B) पोथी छपाइ खर्चक प्रश्न
- (C) गामक पोखरिक प्रश्न
- (D) छठि-गीतक प्रश्न

५४. 'गण्डा'मे करिया भाय ककर चालक रूपमे कार्यरत छथि?

- (A) कम्पनी मालिकक गाड़ी
- (B) विद्यालयक बस
- (C) मन्दिरक रथ
- (D) नौका

५५. 'फलहार' संग्रहक अनुक्रममे कोन शीर्षक पशु-रूपक दिस संकेत करैत अछि?

- (A) हाथी आ मूस
- (B) कागज-कलम
- (C) सगर राति
- (D) टच बुड

५६. 'हाथी आ मूस' शीर्षकमे मुख्य विरोधाभास कोन आधारपर बनैत अछि?

- (A) आकार आ शक्ति-संतुलन
- (B) परीक्षा आ अंक
- (C) नदी आ पुल
- (D) गीत आ नृत्य

५७. 'मुसरी आ घोड़ा' शीर्षक कथासूचीमे कोन प्रवृत्ति जारी रखैत अछि?

- (A) पशु-पात्र द्वारा मानवीय व्यवहारक संकेत
- (B) शुद्ध व्याकरण चर्चा
- (C) समाचार-सूची
- (D) रेडियो-नाटक

५८. 'फलहार' कथामे रुक्मिणी केकरा फलहारक बेर लगबाक बात कहैत अछि?

- (A) माएकें
- (B) गुरुजीकें
- (C) प्रधानाध्यापककें
- (D) सिपाहीकें

५९. 'फलहार' कथाक आरम्भमे दिनक कोन समयक वर्णन अछि?

- (A) चारि बजेक समय
- (B) मध्यरात्रि
- (C) भिनसरका पहर
- (D) दुपहरिया ठीक बारह बजे

६०. 'फलहार' संग्रहक अनुक्रममे कथाक बाद विशेष विचार-खंड कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) कथा लेखन क्रम
- (B) मैथिली वर्णमाला
- (C) अंबर
- (D) सिक्की शिल्प-कला

खण्ड ५३३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १८७ : कथा तिलजुगा आ पोथी-लोकार्पण

६१. अंक १८७क पूनम मण्डल रिपोर्ट कोन गोष्ठीसँ जुड़ल अछि?

- (A) सगर राति दीप जरयक ८७म गोष्ठी
- (B) हाइकू कार्यशाला
- (C) बाल नाटक उत्सव
- (D) कवि सम्मेलन मात्र

६२. ८७म सगर राति दीप जरय गोष्ठीक विशेष नाम की देल गेल छल?

- (A) कथा तिलजुगा
- (B) कथा गंगा
- (C) कथा कोसी
- (D) कथा कमला

६३. अंक १८७क रिपोर्ट अनुसार गोष्ठी कोन शहर/स्थानमे भेल?

- (A) निर्मली
- (B) भागलपुर
- (C) काशी
- (D) दिल्ली

६४. कथा तिलजुगा गोष्ठीमे लोकार्पित पाँच पोथीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक कोन संग्रह छल?

- (A) गुड़ा-खुदीक रोटी
- (B) रेहनपर रघू
- (C) अंबर
- (D) बहुरूपिया प्रदेश

६५. कथा तिलजुगा गोष्ठीमे 'फलहार' कोन विधाक पोथी रूपे आयल?

- (A) लघुकथा संग्रह
- (B) दीर्घ कविता
- (C) यात्रा-वृत्तान्त
- (D) व्याकरण-पोथी

६६. गोष्ठीमे राजदेव मण्डलक कोन पोथी लोकार्पित भेल?

- (A) जाल
- (B) कथा कुसुम
- (C) अंबर
- (D) क्षणप्रभा

६७. ८७म गोष्ठीक कथा-सत्रमे कथा-पाठ कतेक पालीमे विभक्त छल?

- (A) सात पालीमे
- (B) दू पालीमे
- (C) बारह पालीमे
- (D) एके पालीमे

६८. ८७म गोष्ठीक कथा-सत्रमे कतेक कथा-पाठ भेल?

- (A) पच्चीस गोट
- (B) तीन गोट
- (C) सात गोट
- (D) सौ गोट

६९. अगिला गोष्ठी लेल अन्तमे कोन स्थानक निर्णय भेल?

- (A) डखराम
- (B) रामेश्वरम्
- (C) नोएडा
- (D) आनन्दपुरा

७०. कथा तिलजुगा रिपोर्टक महत्त्व कोन बातमे अछि?

- (A) लोकार्पण, कथा-पाठ आ अगिला गोष्ठीक सामूहिक निर्णय एके संग देखबामे
- (B) केवल विज्ञापन छपबामे
- (C) केवल फोटो-कैप्शन देबामे
- (D) कोनो कथा चर्चा नै करबामे

खण्ड ५३४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १८७ : कथा, व्यंग्य निबन्ध आ विहनि कथा-सूची

७१. अंक १८७क गद्य भागमे जगदीश प्रसाद मण्डलक कतेक लघुकथा देल गेल अछि?

- (A) दू टा
- (B) दस टा
- (C) एक टा
- (D) बीस टा

७२. अंक १८७मे आशीष अनचिन्हारक कोन व्यंग्य निबन्ध देल अछि?

- (A) मेक इन मिथिला भाग-२
- (B) गामक चौबटिया पर
- (C) अंबर
- (D) बोर्ड परीक्षा

७३. अंक १८७मे योगेन्द्र पाठक “वियोगी”क कतेक विहनि कथा देल अछि?

- (A) दू टा
- (B) एक टा
- (C) छह टा
- (D) पचास टा

७४. अंक १८७क पद्य भागमे संजय झा कोन उपनामसँ सूचीबद्ध छथि?

- (A) नागदह
- (B) विदेह
- (C) डखरामी
- (D) वियोगी

७५. अंक १८७क पद्य-सूचीमे ओम प्रकाश ककरा रूपे आयल छथि?

- (A) कवि/पद्यकार
- (B) उपन्यासकार मात्र
- (C) रिपोर्टर मात्र
- (D) अनुवादक मात्र

७६. अंक १८७मे महेश डखरामी कोन खण्डमे सूचीबद्ध छथि?

- (A) पद्य खण्ड
- (B) रिपोर्ट खण्ड
- (C) पोथी-लोकार्पण खण्ड
- (D) बाल नाटक खण्ड

७७. ८६म दीप सरग राति जरल रिपोर्टमे लोकार्पित जगदीश प्रसाद मण्डलक पोथीमे कोन नाम अछि?

- (A) पसेनाक धरम
- (B) अंबर
- (C) रेहनपर रघू
- (D) क्षणप्रभा

७८. ८६म गोष्ठी ककर संयोजकत्वमे सफल भेल कहि रिपोर्ट देल अछि?

- (A) राजदेव मण्डल ‘रमण’
- (B) प्रणव झा
- (C) सुमनजी
- (D) गुणेशर काका

७९. ८६म गोष्ठीक कथा-पाठ सूचीमे पल्लवी कुमारीक कोन कथा शीर्षक भेटैत अछि?

- (A) चोरविद्या
- (B) असली हीरा
- (C) रेहनपर रघू
- (D) मैथिली वर्णमाला

८०. ८६म गोष्ठीक सूचीमे “गंगा नहाएब” कोन प्रवृत्तिक अंतर्गत अछि?

- (A) कथा-पाठ
- (B) पुरस्कार-सूची
- (C) सामान्य सूचना
- (D) गीत-संग्रह

खण्ड ५३५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १८८ : कथा गंगा, जाम आ गोष्ठी परम्परा

८१. अंक १८८क उमेश मण्डल रिपोर्ट कोन शीर्षक/गोष्ठी धुरीपर आधारित अछि?

- (A) सगर राति दीप जरल
- (B) मिथिलाक इतिहास
- (C) रेहनपर रग्घू
- (D) फलहारक अनुक्रम

८२. अंक १८८मे “सगर राति दीप जरय” केँ कोन तरहक मंच रूपे व्याख्यायित कएल गेल अछि?

- (A) मैथिली भाषा-साहित्यक विचार-विमर्शक मंच
- (B) खेल प्रतियोगिताक मंच
- (C) व्यापार मेळाक मंच
- (D) विद्यालयी परीक्षा केन्द्र

८३. रिपोर्ट अनुसार “सगर राति दीप जरय”क आयोजन सामान्यतः कोन अंतरालपर होइत रहल?

- (A) प्रायः तीन मासक अंतरालपर
- (B) प्रतिदिन
- (C) दस बरखमे एक बेर
- (D) केवल परीक्षा समय

८४. अंक १८८क ८५म गोष्ठी कोन शहरसँ सम्बद्ध बताओल गेल?

- (A) भागलपुर
- (B) निर्मली
- (C) नोएडा
- (D) रुचौल

८५. ८४म गोष्ठीक समापन सम्बन्धी उल्लेखमे अगिला आयोजन लेल कोन स्थान सर्वसम्मत भेल?

- (A) भागलपुर
- (B) लकसेना
- (C) फुलपरास
- (D) दिल्ली

८६. अंक १८८क गद्य-सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक कोन लघुकथा पुनः सूचीबद्ध अछि?

- (A) जाम
- (B) लजबिजी
- (C) अंबर
- (D) भौंट

८७. ‘जाम’ शीर्षक कथामे केंद्रक प्रश्न कोन दिशामे चलैत अछि?

- (A) धन, बुढ़ापा आ पारिवारिक दायित्व
- (B) संगीत रियाज
- (C) नदी यात्रा
- (D) पत्रकारिता प्रशिक्षण

८८. अंक १८८मे कथा-गोष्ठी रिपोर्ट साहित्यिक परम्पराक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) पाठ, समीक्षा आ अगिला आयोजनक सतत क्रम
- (B) केवल सरकारी आदेश
- (C) केवल विज्ञापन
- (D) केवल जन्मपत्री

८९. अंक १८८क कथा-गोष्ठी रिपोर्टक “कथा गंगा” नाम कोन विधाक सामूहिक प्रवाहक संकेत अछि?

- (A) कथा-साहित्य
- (B) गणित-शास्त्र
- (C) व्यापार-लेखा
- (D) खेलकूद

९०. अंक १८८क रिपोर्ट मे साहित्यकार सभक सहभागिता कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) मैथिली कथा-संस्कृतिक सामुदायिक अभ्यास
- (B) व्यक्तिगत डायरी लेखन मात्र
- (C) नाम-सूची संग्रह
- (D) केवल फोटो प्रदर्शनी

खण्ड ५३६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १८८ : बेलहाबालीके जितिया, रौदी आ सिक्की शिल्प

९१. अंक १८८मे विन्देश्वर ठाकुरक विहनि कथा कोन शीर्षकसँ सूचीबद्ध अछि?

- (A) बेलहाबालीके जितिया
- (B) पंचैती
- (C) अंबर
- (D) लजबिजी

९२. “बेलहाबालीके जितिया” शीर्षक कोन सांस्कृतिक प्रसंगक संकेत दैत अछि?

- (A) जितिया पर्व आ लोकजीवन
- (B) औद्योगिक प्रशिक्षण
- (C) रेलवे परीक्षा
- (D) विदेशी व्यापार

९३. अंक १८८मे अब्दुर रज्जाकक गद्य-रचना जोड़ीमे कोन शीर्षक अछि?

- (A) गामक चौबटिया पर
- (B) रेहनपर रगधू
- (C) मैथिली वर्णमाला
- (D) कथा लेखन क्रम

९४. “गामक चौबटिया पर” शीर्षक कोन सामाजिक स्थानक संकेत करैत अछि?

- (A) गामक साझा चौक/बैठकी-जगह
- (B) विद्यालयक प्रयोगशाला
- (C) शहरक हवाई अड्डा
- (D) राजमहलक भीतरी कोठरी

९५. “रौदी परल अछि” शीर्षक ककरा दिस संकेत करैत अछि?

- (A) सूखा/वर्षा-अभाव आ ग्रामीण संकट
- (B) समुद्री यात्रा
- (C) कम्प्यूटर कोड
- (D) नृत्य समारोह

९६. अंक १८८क पद्य भागमे संतोष कुमार झाक कोन कविता/विषय देल अछि?

- (A) सिक्की शिल्प-कला
- (B) अंबर
- (C) मदन अमर
- (D) फलहार

९७. “सिक्की शिल्प-कला” शीर्षक कोन कलात्मक परम्परासँ जुड़ैत अछि?

- (A) मिथिलाक लोकशिल्प
- (B) सैनिक प्रशिक्षण
- (C) कृषि-कर
- (D) अदालत

९८. अंक १८८मे प्रणव झाक पद्य शीर्षक कोन अछि?

- (A) अकांड तांडव
- (B) बोर्ड परीक्षा
- (C) अंबर
- (D) गण्डा

९९. अंक १८८मे प्रणव झाक बाल-कविता कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) बोर्ड परीक्षा
- (B) सिक्की शिल्प-कला
- (C) खैर, छोड़ू
- (D) मोन विकल

१००. अंक १८८क सामग्री-संरचना ककर संग गद्य-पद्य-बाल खण्ड केँ जोड़ैत अछि?

- (A) गोष्ठी-रिपोर्ट, कथा, लोककला आ बाल-परीक्षा अनुभव
- (B) केवल पुरस्कार सूची
- (C) केवल सामान्य सूचना
- (D) केवल फोटो

खण्ड ५३७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १८९ : अरविन्द ठाकुर विशेषांकक संरचना

१०१. अंक १८९ कोन रचनाकारक विशेषांक अछि?

- (A) अरविन्द ठाकुर
- (B) प्रणव झा
- (C) सुमनजी
- (D) गुणोत्तर काका

१०२. अंक १८९मे अरविन्द ठाकुरजी संग साक्षात्कार ककर द्वारा सूचीबद्ध अछि?

- (A) मुन्नाजी द्वारा
- (B) प्रणव झा द्वारा
- (C) विनीत उत्पल द्वारा
- (D) रुक्मिणी द्वारा

१०३. अंक १८९क आलोचना खण्डमे “बहुरूपिया रचनामे” शीर्षक ककर लेख रूपे सूचीबद्ध अछि?

- (A) ओमप्रकाश झा
- (B) रजनीश कुमार तिवारी
- (C) लक्ष्मणझा सागर
- (D) गौरीशंकर साह

१०४. “अन्हारक विरोधमे : एक दृष्टि” शीर्षक आलोचना ककर नामसँ देल अछि?

- (A) डा. योगानन्द झा
- (B) संतोष कुमार झा
- (C) रामेश्वरम्
- (D) सुमनजी

१०५. “बहुरुपिया प्रदेश मे : एक दृष्टि” शीर्षक ककर लेख रूपे सूचीबद्ध अछि?

- (A) राम चैतन्य धीरज
- (B) राम विलास साहु
- (C) राजदेव मण्डल
- (D) संजय नागदह

१०६. “अरविन्दजीक आजाद गजल” शीर्षक आलोचना ककर नामसँ जुड़ल अछि?

- (A) जगदीश चन्द्र ठाकुर “अनिल”
- (B) सुमनजी
- (C) शशिधर कुमार
- (D) करिया भाय

१०७. अंक १८९क संस्मरण खण्डमे “अद्वितीय छथि हमर अरविन्द बाबा” ककर रचना अछि?

- (A) रजनीश कुमार तिवारी (मुन्ना)
- (B) ओमप्रकाश झा
- (C) विनीत उत्पल
- (D) रुक्मिणी

१०८. संस्मरण खण्डमे “हाली-हाली बहथु कोसी” ककर नामसँ अछि?

- (A) शैलेन्द्र आनंद
- (B) डा. योगानन्द झा
- (C) प्रणव झा
- (D) गौरीशंकर साह

१०९. “हमरामे अहाँ, अहाँमे हम” शीर्षक संस्मरण ककर नामसँ सूचीबद्ध अछि?

- (A) अजित आजाद
- (B) गणेश मैथिल
- (C) करिया भाय
- (D) सुमनजी

११०. अंक १८९क विशेषांक-संरचना की करैत अछि?

- (A) साक्षात्कार, आलोचना, संस्मरण, आत्मकथा, लेख आ पद्य सभ समेटैत अछि
- (B) केवल एकटा कविता छापैत अछि
- (C) केवल समाचार-सूची देत अछि
- (D) केवल अनुवादक परिचय देत अछि

खण्ड ५३८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १८९ : अन्हारक विरोध, संस्कृति-विमर्श आ रचना-दृष्टि

१११. अरविन्द ठाकुरक मैथिली पोथी-सूचीमे कोन कविता-संग्रह रूपे देल अछि?

- (A) परती टूटि रहल अछि
- (B) रेहनपर रगधू
- (C) अंबर
- (D) फलहार

११२. अरविन्द ठाकुरक पोथी-सूचीमे कोन लघुकथा-संग्रह रूपे देल अछि?

- (A) अन्हारक विरोध मे
- (B) सिक्की शिल्प-कला
- (C) बोर्ड परीक्षा
- (D) रेहनपर रगधू

११३. अरविन्द ठाकुरक पोथी-सूचीमे कोन गजल-संग्रह रूपे देल अछि?

- (A) बहुरुपिया प्रदेश मे
- (B) गामक शकल-सूरत
- (C) मैथिली वर्णमाला
- (D) जाम

११४. अन्तोन चेखवक उद्धृत विचारक धुरी कोन अछि?

- (A) स्वतंत्र लेखक बनल रहबाक आकांक्षा
- (B) सरकारी नौकरीक नियम
- (C) विद्यालयी उपस्थिति
- (D) व्यापारिक लाभ

११५. “अन्हारक विरोध मे”क विवेचना कोन वृत्ति पर बल दैत अछि?

- (A) झूठ, ढोंग आ क्रूरतासँ मुक्त स्वतंत्रता
- (B) केवल छन्द-गणना
- (C) केवल भोज-विवरण
- (D) केवल पत्ता-पत्नी संवाद

११६. “अन्हारक विरोधमे” कथा-संग्रहमे कोन शीर्षक सूचीबद्ध अछि?

- (A) पियासल पानि
- (B) बोर्ड परीक्षा
- (C) अंबर
- (D) गामक चौबटिया पर

११७. “अन्हारक विरोधमे” कथा-संग्रहक कथासूचीमे “ढाँचा-1992” ककर संकेत दैत अछि?

- (A) समय-समाजक राजनीतिक/सामाजिक विद्रूपता
- (B) बालगीतक वर्णमाला
- (C) फलाहारक विधि
- (D) सिक्की रंगाई

११८. “मिथिलाक संस्कृति : किछु अप्रिय बिन्दु” मे लेखक ककर आलोचनात्मक जाँच जरूरी मानैत छथि?

- (A) वर्ण-वर्ग-जाति व्यवस्थाक त्रण
- (B) केवल माछ-मखानक प्रशंसा
- (C) केवल पागक रंग
- (D) केवल पर्यटन-सूची

११९. “मिथिलाक संस्कृति” अंशमे “वैचारिक शल्य-चिकित्सा” कहबामे कोन भाव अछि?

- (A) संस्कृतिक रोग-दोषक निर्भीक चीड़-फाड़
- (B) शारीरिक ऑपरेशनक अस्पताल-सूची
- (C) संगीतक रियाज
- (D) विद्यालयी रिपोर्ट

१२०. अंक १८९क बालानां कृते भागमे अरविन्द ठाकुरक कोन शीर्षक सूचीबद्ध अछि?

- (A) टिमटिम
- (B) अंबर
- (C) फलहार
- (D) बेलहाबालीके जितिया

खण्ड ५३९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १९० : गामक शकल-सूरत समीक्षा, अंबर आ रेहनपर रगधू

१२१. अंक १९०क गद्य-सूचीमे डॉ. शशिधर कुमार “विदेह”क कोन समीक्षा देल अछि?

- (A) गामक शकल सूरत — पोथी समीक्षा
- (B) अन्हारक विरोधमे
- (C) बेलहाबालीके जितिया
- (D) सिक्की शिल्प-कला

१२२. अंक १९०मे प्रणव झाक लघुकथा कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) अंबर
- (B) रेहनपर रगधू
- (C) गण्डा
- (D) जाम

१२३. ‘अंबर’ कथामे सुमनजी कहाँ पढ़ैत छात्र रूपे देखाइत छथि?

- (A) नोयडा क इंजीनियरिंग कॉलेज
- (B) संस्कृत महाविद्यालय
- (C) गामक प्राथमिक पाठशाला
- (D) मन्दिर पाठशाला

१२४. ‘अंबर’मे छुट्टी स्वीकृति-संदेश पढ़िते सुमनजीक मन केना भऽ जाइत अछि?

- (A) खुशीसँ मयूर सन नाच लगैत अछि
- (B) भय सँ पत्थर भऽ जाइत अछि
- (C) पूर्ण उदास रहैत अछि
- (D) कथा छोड़ि दैत अछि

१२५. ‘अंबर’मे सुमनजी गाम जाएबाक इच्छाक मुख्य प्रसंग की अछि?

- (A) दुर्गापूजा पर घर जाएब
- (B) नौकरी साक्षात्कार
- (C) अदालतक तारीख
- (D) मेला-व्यापार

१२६. ‘अंबर’मे अंबर नामक पात्र सुमनजी केँ कोन रूपमे देखाइत अछि?

- (A) फुकना-पिपही बेचैत श्यामवर्णीय लम्बा युवक
- (B) कंपनी मालिक
- (C) विद्यालय प्रधान
- (D) मन्दिर पुजारी

१२७. ‘अंबर’मे अंबर सुमनजीक अतीतक कोन सम्बन्ध रखैत अछि?

- (A) स्कूलमे संग पढ़ल पुरान साथी
- (B) ससुरालक मालिक
- (C) बैंक अधिकारी
- (D) दुकानक ग्राहक मात्र

१२८. ‘अंबर’क भावधुरी कोन अछि?

- (A) सफलता, स्मृति आ वर्गीय ग्लानि
- (B) राजनीतिक मतदान
- (C) किसान-ऋण
- (D) भोजन-विधि

१२९. अंक १९०मे “रेहनपर रग्घू” ककर रचना बताओल गेल अछि?

- (A) श्री काशीनाथ सिंह
- (B) प्रणव झा
- (C) संतोष कुमार झा
- (D) गुणेशर काका

१३०. “रेहनपर रग्घू”क मैथिली अनुवाद ककर नामसँ देल अछि?

- (A) विनीत उत्पल
- (B) सुमनजी
- (C) रुक्मिणी
- (D) करिया भाय

खण्ड ५४० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १९० : लघुकथा, पद्य आ बालानां कृते

१३१. अंक १९०क गद्य-सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक सामग्री कोन रूपमे देल अछि?

- (A) किछु लघुकथा
- (B) गजल-व्याकरण
- (C) दीर्घ-नाटक
- (D) यात्रा-वृत्तान्त

१३२. अंक १९०मे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा-समूहमे “गण्डा” कोन अर्थ-क्षेत्र खोलैत अछि?

- (A) लोक-बोलचाल आ सामाजिक अवलोकन
- (B) परीक्षा-परिणाम
- (C) राजदरबार
- (D) वर्णमाला पाठ

१३३. “हाथी आ मूस” प्रसंगमे हाथी-मूस संवादक मूल प्रवृत्ति की अछि?

- (A) शक्ति, आकार आ सामाजिक रोबक रूपकात्मक टकराहट
- (B) कक्षा-परीक्षा
- (C) गीतक सुरताल
- (D) समुद्री यात्रा

१३४. “फलहार” कथामे उपास आ बाल-कन्या संसार कोन पात्रक माध्यमे आयल अछि?

- (A) रुक्मिणी
- (B) सुमनजी
- (C) रग्घू
- (D) अरविन्द बाबा

१३५. अंक १९०क पद्य भागमे डा. ज़ियाउर रहमान जाफ़रीक कोन विधा देल अछि?

- (A) गजल
- (B) क्षणिका
- (C) बाल कविता
- (D) लघुकथा

१३६. अंक १९०मे डॉ. शशिधर कुमार “विदेह”क पद्य सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) किछु कविता
- (B) किछु लघुकथा
- (C) रेहनपर रग्घू अनुवाद
- (D) सगर राति रिपोर्ट

१३७. अंक १९०मे गौरीशंकर साहक पद्य-विधा कोन अछि?

- (A) क्षणिका
- (B) दीर्घ उपन्यास
- (C) रिपोर्ट
- (D) पोथी समीक्षा

१३८. अंक १९०क बालानां कृते खण्डमे शशिधर कुमार “विदेह”क कोन कविता देल अछि?

- (A) मैथिली वर्णमाला
- (B) अंबर
- (C) गामक शकल-सूरत
- (D) रेहनपर रघू

१३९. “मैथिली वर्णमाला” बाल कविता कोन उद्देश्यक संकेत अछि?

- (A) बालक केँ भाषा-अक्षर परिचय देब
- (B) जमीनी मुकदमा चलाउब
- (C) अंतरराष्ट्रीय व्यापार
- (D) समीक्षा-लेखन मात्र

१४०. अंक १९०क कुल संरचना कोन संतुलन बनबैत अछि?

- (A) पोथी-समीक्षा, लघुकथा, अनुवाद, पद्य आ बाल-साहित्य
- (B) केवल दफ्तरी आदेश
- (C) केवल पृष्ठ-सूची
- (D) केवल चित्र विवरण

खण्ड ५४१ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १९१ : जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिल विशेषांकक आत्मकथा-संस्मरण

१४१. अंक १९१ मुख्य रूपे कोन रचनाकारक विशेषांक रूपे बनल अछि?

- (A) जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’
- (B) अरविन्द ठाकुर
- (C) राजदेव मण्डल
- (D) ललन कुमार कामत

१४२. अंक १९१क आत्मकथा-संस्मरण खण्डमे पहिल शीर्षक कोन अछि?

- (A) आत्मकथासँ पहिने किछु दुटप्पी
- (B) कोरांटी
- (C) अरविन्दजीक आजाद गजल
- (D) बाल मुकुंद पाठकक संस्मरण

१४३. “हमर तीर्थयात्रा” शीर्षकमे अनिलजीक साहित्यिक यात्रा कोन दू छोरक बीच बताओल गेल अछि?

- (A) गीतसँ गजल धरि
- (B) नाटकसँ उपन्यास धरि
- (C) कथा-सँ यात्रा-वृत्तान्त धरि
- (D) बालकवितासँ विज्ञानकथा धरि

१४४. “आँखिमे चित्र हो मैथिली केर” अंक १९१मे कोन विधाक रूपमे सूचित अछि?

- (A) आत्मकथा
- (B) लघुकथा
- (C) बालगीत
- (D) व्यंग्य निबंध

१४५. “एकटा छलाह ननू कका” अंक १९१मे कोन खण्डमे राखल गेल अछि?

- (A) आत्मकथा-संस्मरण खण्ड
- (B) बालानां कृते
- (C) गजल-समालोचना
- (D) पत्राचार खण्ड

१४६. अंक १९१मे मुन्नाजी द्वारा अनिलजी सँ लेल सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) साक्षात्कार
- (B) बालकविता
- (C) छन्द-पाठ
- (D) राजनीतिक प्रस्ताव

१४७. अंक १९१क आत्मकथा-संस्मरण खण्डक सामूहिक धुरी की अछि?

- (A) लेखकक जीवन-स्मृति आ साहित्यिक रूपान्तरण
- (B) केवल कृषि-बाज़ार
- (C) केवल विद्यालयी परीक्षा
- (D) फोटो-सूची

१४८. अनिलजीक विशेषांकमे “गीत गंगा” आ “गजल गंगा”क उल्लेख कोन कारणे महत्वपूर्ण अछि?

- (A) ई अनिलजीक गीत-गजल लेखनक प्रमुख पोथी/धारा दिस संकेत करैत अछि
- (B) ई केवल चित्रकला खण्ड अछि
- (C) ई मात्र समाचार-सूची अछि
- (D) ई बालविज्ञान प्रयोगशाला अछि

१४९. अंक १९१मे आत्मकथा-संस्मरणक बाद मुख्य साहित्यिक खण्ड कोन अछि?

- (A) साक्षात्कार आ समालोचना
- (B) खेल-कूद समाचार
- (C) व्यापार विज्ञापन
- (D) भोजन-विधि

१५०. अंक १९१क विशेषांक-संरचना कोन बात देखबैत अछि?

- (A) एक लेखकक जीवन, कृति, समीक्षा, पत्राचार आ बाल-साहित्य केँ एकत्र करब
- (B) केवल एक कविता छापब
- (C) केवल दफ्तर सूचना देब
- (D) केवल चित्र प्रकाशित करब

खण्ड ५४२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १९१ : अनिल विशेषांकक समालोचना, रचना आ बाल-साहित्य

१५१. अंक १९१मे कामिनी ककर कृति पर “गीत-गंगा” शीर्षकसँ लिखल गेल अछि?

- (A) जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’
- (B) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (C) राजदेव मण्डल
- (D) रतन झा

१५२. “गजल गंगा” पर समालोचनात्मक लेख ककर नामसँ देल अछि?

- (A) जगदानन्द झा ‘मनु’
- (B) रवि भूषण पाठक
- (C) अब्दुर रज्जाक
- (D) उमेश मण्डल

१५३. “मैथिल अडना : तोरा अंगनामे” पर लेख ककर नामसँ अछि?

- (A) डॉ. अजीत मिश्र
- (B) बाल मुकुंद पाठक
- (C) गंगा नन्द झा
- (D) विन्देश्वर ठाकुर

१५४. “कवि अनिलजीक आंतरिक परिचिति : गीत गंगा” शीर्षक कोन लेखकीय दृष्टि दिस संकेत करैत अछि?

- (A) कवि व्यक्तित्व आ गीत-संग्रहक भीतरक भाव-परिचय
- (B) केवल व्याकरण नियम
- (C) केवल यात्रा खर्च
- (D) केवल चित्र-विवरण

१५५. अंक १९१मे “गीत-गंगा मे सब किछु अछि” शीर्षक ककर नामसँ आयल अछि?

- (A) छत्रानंद सिंह झा
- (B) डॉ. विद्यानाथ झा
- (C) दिलीप कुमार साह
- (D) मुन्नाजी

१५६. “गीतगंगामे अनिल” शीर्षक कोन लेखकक नामसँ सम्बद्ध अछि?

- (A) केदार कानन
- (B) रमेश
- (C) किशन कारीगर
- (D) राजदेव मण्डल

१५७. अंक १९१मे “प्रतिबद्ध साहित्यकारक अप्रतिबद्ध गजल” ककर रचना अछि?

- (A) जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’
- (B) कामिनी कामायनी
- (C) गौरीशंकर साह
- (D) संजय झा

१५८. “कोरांटी” अंक १९१मे कोन विधाक रूपमे राखल गेल अछि?

- (A) एकांकी
- (B) यात्रा-वृत्तान्त
- (C) गीत-संग्रह
- (D) बालविज्ञान कथा

१५९. अंक १९१मे पत्राचार खण्ड ककर नामसँ जुड़ल अछि?

- (A) जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’
- (B) राम विलास साहु
- (C) डॉ. विद्यानाथ झा
- (D) राजदेव मण्डल

१६०. बालानां कृते खण्डमे अनिलजीक सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) किछु बाल कविता
- (B) एकटा विज्ञान रिपोर्ट
- (C) दूटा उपन्यास
- (D) दसटा समीक्षा

खण्ड ५४३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १९२ : डेंगू, ठूठ गाछ आ समकालीन उपन्यास

१६१. अंक १९२क गद्य-सूचीमे डॉ. विद्यानाथ झाक लेख कोन विषय पर अछि?

- (A) डेंगू बीमारीक भयावह परिदृश्य
- (B) गीत-गंगा समीक्षा
- (C) कोरांटी एकांकी
- (D) सेल्फी प्रेम कथा

१६२. अंक १९२मे “ठूठ गाछ” कोन विधाक रूपमे देल गेल अछि?

- (A) उपन्यास
- (B) बालगजल
- (C) एकांकी
- (D) गीत

१६३. “ठूठ गाछ”क लेखक ककरा रूपमे सूचीबद्ध छथि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (B) डॉ. विद्यानाथ झा
- (C) रतन झा
- (D) कामिनी कामायनी

१६४. अंक १९२मे जगदीश प्रसाद मण्डलक दूटा लघुकथा कोन नामसँ देल अछि?

- (A) निनिया देवीक आराधना / खसैत गाछ
- (B) अवाक / खटहा आम
- (C) सेल्फी / भागमंती
- (D) अंबर / रेहनपर रगधू

१६५. “मैथिलीक किछु समकालीन उपन्यासक विविध स्वरूप” ककर लेख अछि?

- (A) रतन झा
- (B) उमेश मण्डल
- (C) कामिनी कामायनी
- (D) दिलीप कुमार साह

१६६. अंक १९२क गद्य भागमे “भागमंती” कोन लेखक/लेखिकाक लघुकथा रूपे सूचीबद्ध अछि?

- (A) कामिनी कामायनी
- (B) ललन कुमार कामत
- (C) राजदेव मण्डल
- (D) विन्देश्वर ठाकुर

१६७. ललन कुमार कामत अंक १९२मे कोन प्रकारक सामग्रीसँ सम्बद्ध छथि?

- (A) किछु विहनि आ लघु कथा
- (B) डेंगू चिकित्सा लेख
- (C) केवल चारिपतिया
- (D) कोरांटी एकांकी

१६८. अंक १९२मे राजदेव मण्डलक “जल भँवर” कोन रूपमे अछि?

- (A) उपन्यास
- (B) छन्द-कविता
- (C) बालगीत
- (D) पत्राचार

१६९. उमेश मण्डलक “मुड़नक मुर” अंक १९२मे कोन विधा रूपे आयल अछि?

- (A) एकटा विहैन कथा
- (B) यात्रा-वृत्तान्त
- (C) गीत-संग्रह समीक्षा
- (D) वैद्यकीय लेख

१७०. अंक १९२क गद्य-संरचना कोन संतुलन बनबैत अछि?

- (A) स्वास्थ्य-लेख, उपन्यास, लघुकथा, समकालीन उपन्यास-विमर्श आ व्यंग्य
- (B) केवल बालगीत
- (C) केवल पत्राचार
- (D) केवल चित्र-प्रदर्शनी

खण्ड ५४४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १९२ : ब्रम्हपिशाच, पद्य आ बाल विज्ञान कथा

१७१. अंक १९२मे “ब्रम्हपिशाच” कोन विधाक रूपमे देल अछि?

- (A) व्यंग्य
- (B) बालकविता
- (C) उपन्यास
- (D) साक्षात्कार

१७२. “ब्रम्हपिशाच” अंक १९२मे ककर नामसँ सूचीबद्ध अछि?

- (A) आशीष अनचिन्हार
- (B) राजदेव मण्डल
- (C) डॉ. विद्यानाथ झा
- (D) जगदानन्द झा मनु

१७३. अंक १९२क पद्य भागमे आशीष अनचिन्हारक सामग्री की अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) एकटा उपन्यास
- (C) डेंगू लेख
- (D) भूकम्प कथा

१७४. अंक १९२मे डॉ. शशिधर कुमार “विदेह”क पद्य-सूचीमे कोन शीर्षक सभ अछि?

- (A) ई की भेल, छठि गीत, लेखकक जिनगीक छन्द
- (B) ठूठ गाछ, खसैत गाछ
- (C) भागमंती, मुड़नक मुर
- (D) सेल्फी, अवाक

१७५. अंक १९२मे असरफ राइनक पद्य सामग्री कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) परदेशी मनक भावना
- (B) अंबर
- (C) अवाक
- (D) कोरांटी

१७६. अंक १९२मे पल्लवी मण्डलक पद्य शीर्षक की अछि?

- (A) अपन नजैरिद दुनियाँ
- (B) नोरक उफनैत समुद्र
- (C) ताजीवन हमर नहि
- (D) सेयाम रेयापक स्वर्णिम अतीत

१७७. अंक १९२क बालानां कृते खण्डमे आशीष अनचिन्हारक सामग्री कोन अछि?

- (A) बाल गजल
- (B) विज्ञान कथा
- (C) समकालीन उपन्यास समीक्षा
- (D) यात्रा-वृत्तान्त

१७८. “भूकम्प” अंक १९२मे कोन विधाक बाल सामग्री रूपे सूचित अछि?

- (A) बाल विज्ञान कथा
- (B) बाल गजल
- (C) दोहा
- (D) व्यंग्य निबंध

१७९. “भूकम्प” बाल विज्ञान कथा ककरा सभक नामसँ देल अछि?

- (A) डॉ. शशिधर कुमार “विदेह” तथा श्रीमति सुप्रिया/बेबी कुमारी
- (B) जगदीश प्रसाद मण्डल मात्र
- (C) किशन कारीगर मात्र
- (D) रतन झा

१८०. अंक १९२क बाल खण्डक विशेषता की अछि?

- (A) बाल गजल आ विज्ञानकथा दुनूकें जगह देब
- (B) केवल दफ्तर सूचना देब
- (C) केवल चिकित्सा शब्दावली
- (D) केवल चित्रकथा

खण्ड ५४५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १९३ : संपादकीय बहस, बिहैन कथा आ ठूठ गाछ

१८१. अंक १९३क संपादकीयमे कोन संस्था/विभागक मैथिली पक्ष पर तीखा प्रश्न उठाओल गेल अछि?

- (A) साहित्य अकादेमीक मैथिली विभाग
- (B) विद्यालय परीक्षा बोर्ड
- (C) खेती सहकारी समिति
- (D) यात्रा समिति

१८२. अंक १९३क संपादकीयमे अकादेमीक विरुद्ध कोन दू साहित्यिक धुरी ठाढ़ बताओल गेल?

- (A) सगर राति दीप जरय आ समानांतर साहित्य अकादेमी पुरस्कार
- (B) बालानां कृते आ भूकम्प
- (C) गीत-गंगा आ गजल-गंगा
- (D) फलहार आ जाम

१८३. अंक १९३क गद्य भागमे राम विलास साहुक सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) किछु बिहैन / लघु कथा
- (B) एकटा दीर्घ उपन्यास
- (C) गजल संग्रह समीक्षा
- (D) यात्रा-वृत्तान्त

१८४. अंक १९३मे “ठूठ गाछ” पुनः ककर उपन्यास रूपे छपल अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (B) राजदेव मण्डल
- (C) डॉ. विद्यानाथ झा
- (D) अब्दुर रज्जाक

१८५. अंक १९३मे “जँ महात्मा गाँधी आइ-काल्हि मिथिलामे जन्मल रहतथि” कोन विधाक रूपे सूचित अछि?

- (A) व्यंग्य निबंध
- (B) बालकविता
- (C) प्रेम विहनि कथा
- (D) संस्मरण

१८६. “जँ महात्मा गाँधी आइ-काल्हि मिथिलामे जन्मल रहतथि” ककर रचना अछि?

- (A) आशीष अनचिन्हार
- (B) राम विलास साहु
- (C) विजयनाथ झा
- (D) नन्द विलास राय

१८७. अंक १९३मे “एगच्छा आमक गाछ” ककर लघुकथा रूपे अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (B) कामिनी कामायनी
- (C) किशन कारीगर
- (D) मुन्नाजी

१८८. अंक १९३क गद्य-संयोजनमे प्रमुख दोहराव/निरन्तरता कोन अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक ठूठ गाछ उपन्यासक क्रमिक प्रकाशन
- (B) केवल एक बालगीत
- (C) केवल चित्र समाचार
- (D) केवल यात्रा-वृत्तान्त

१८९. अंक १९३क संपादकीय स्वर कोन प्रकारक अछि?

- (A) संस्थागत साहित्यिक सत्ता पर आलोचनात्मक
- (B) पूर्णतः उत्सव-रिपोर्ट मात्र
- (C) बाल-क्रीड़ा केन्द्रित
- (D) चिकित्सा-पुस्तिका मात्र

१९०. अंक १९३क गद्य भाग कोन प्रकारक विविधता रखैत अछि?

- (A) बिहैन/लघुकथा, उपन्यास, व्यंग्य निबंध आ लघुकथा
- (B) केवल गजल
- (C) केवल वैज्ञानिक लेख
- (D) केवल पत्राचार

खण्ड ५४६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १९३ : पद्य, वञ्चित धार आ बाल कविता

१९१. अंक १९३क पद्य भागमे आशीष अनचिन्हारक कतेक गजल देल अछि?

- (A) दू टा
- (B) चारि टा
- (C) एगारह टा
- (D) एकटा नहि

१९२. अंक १९३मे डॉ. शशिधर कुमार “विदेह”क पद्य-सामग्री कतेक कविता रूपे सूचित अछि?

- (A) छह टा कविता
- (B) दूटा गीत
- (C) एकटा गजल
- (D) एगारह चरिपतिया

१९३. “वञ्चित धार” अंक १९३मे ककर पद्य सामग्री रूपे अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (B) जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’
- (C) विजयनाथ झा
- (D) गंगानंद झा

१९४. अंक १९३मे जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’क कतेक गजल सूचीबद्ध अछि?

- (A) दू टा
- (B) छह टा
- (C) एकटा
- (D) एगारह टा

१९५. अंक १९३मे विजयनाथ झाक सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) तीन टा कविता
- (B) एकटा उपन्यास
- (C) बाल विज्ञान कथा
- (D) साक्षात्कार

१९६. अंक १९३क बालानां कृते खण्डमे आशीष अनचिन्हारक सामग्री कोन अछि?

- (A) बाल गजल
- (B) व्यंग्य निबंध
- (C) ठूठ गाछ
- (D) वञ्चित धार

१९७. अंक १९३मे डॉ. शशिधर कुमार “विदेह”क बाल सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) छह टा बाल कविता
- (B) दूटा उपन्यास
- (C) एकटा यात्रा-वृत्तान्त
- (D) किछु पत्राचार

१९८. “वञ्चित धार” शीर्षक कोन सामाजिक भावभूमि दिस संकेत करैत अछि?

- (A) वंचित समुदाय/अनुभवक प्रवाह
- (B) केवल उत्सव गीत
- (C) राजदरबारक भोज
- (D) भाषा-तकनीक सूचना

१९९. अंक १९३क पद्य-खण्डक खासियत की अछि?

- (A) गजल, कविता, सामाजिक कविता आ बाल कविताक बहुविध उपस्थिति
- (B) केवल एकांकी
- (C) केवल स्वास्थ्य लेख
- (D) केवल आलोचना

२००. अंक १९३मे गद्य आ पद्यक मेल कोन बात देखबैत अछि?

- (A) सामाजिक आलोचना आ रचनात्मक विविधता साथ-साथ चलैत अछि
- (B) संपूर्ण अंक केवल विज्ञापन अछि
- (C) केवल तालिका अछि
- (D) केवल चित्रकला अछि

खण्ड ५४७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १९४ : अवाक, ठूठ गाछ आ खटहा आम

२०१. अंक १९४क गद्य भागमे राजदेव मण्डलक लघुकथा कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) अवाक
- (B) खटहा आम
- (C) ठूठ गाछ
- (D) इस्कूल जाइत छी हम

२०२. “अवाक” शीर्षकक भावार्थ कोन अनुभव दिस संकेत करैत अछि?

- (A) हैरानी/स्तब्धता
- (B) नृत्य प्रशिक्षण
- (C) छठि गीत
- (D) वर्णमाला पाठ

२०३. अंक १९४मे “ठूठ गाछ” फेर कोन लेखकक उपन्यास रूपे जारी अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (B) राजदेव मण्डल
- (C) कामिनी कामायनी
- (D) किशन कारीगर

२०४. “खटहा आम” अंक १९४मे कोन विधाक रूपमे देल अछि?

- (A) लघुकथा
- (B) उपन्यास
- (C) गजल
- (D) बालगीत

२०५. अंक १९४क गद्य भागमे जगदीश प्रसाद मण्डलक कतेक अलग शीर्षक प्रमुख अछि?

- (A) दू — ठूठ गाछ आ खटहा आम
- (B) चारि — केवल गजल
- (C) एक — इस्कूल जाइत छी हम
- (D) तीन — यात्रा-वृत्तान्त

२०६. अंक १९४मे संपादकीय बाद श्रद्धांजलि कोन मैथिली लघुकथाकार लेल अछि?

- (A) राजमोहन झा
- (B) गुणेशर काका
- (C) सुमनजी
- (D) रुक्मिणी

२०७. अंक १९४क संपादकीयमे प्रबोध साहित्य सम्मान ककरा देल गेल कहि बधाइ देल गेल?

- (A) केदार नाथ चौधरी
- (B) रवि भूषण पाठक
- (C) किशन कारीगर
- (D) उमेश मण्डल

२०८. अंक १९४क गद्य-संरचना कोन रूपे अपेक्षाकृत संक्षिप्त अछि?

- (A) तीन प्रमुख गद्य शीर्षक — अवाक, ठूठ गाछ, खटहा आम
- (B) बीस उपन्यास
- (C) केवल बालगीत
- (D) केवल यात्रावृत्त

२०९. “ठूठ गाछ” अंक १९२-१९४मे लगातार देखाएब कोन बात सूचित करैत अछि?

- (A) क्रमिक उपन्यास प्रकाशन
- (B) एक बारक विज्ञापन
- (C) केवल गीत-संग्रह
- (D) बालविज्ञान श्रृंखला

२१०. अंक १९४मे राजदेव मण्डल आ जगदीश प्रसाद मण्डल दुनू किएक महत्वपूर्ण छथि?

- (A) दूनू गद्य-रचनाक प्रमुख योगदानकर्ता छथि
- (B) दूनू बालानां कृते मात्र
- (C) दूनू फोटो-कलाकार मात्र
- (D) दूनू केवल संपादक

खण्ड ५४८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १९४ : पद्य आ बालानां कृते

२११. अंक १९४क पद्य भागमे गंगानंद झाक शीर्षक कोन अछि?

- (A) नोरक उफनैत समुद्र सँ
- (B) अंकोरवट मंदिर
- (C) ताजीवन हमर नहि
- (D) इस्कूल जाइत छी हम

२१२. अंक १९४मे आशीष अनचिन्हारक पद्य सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) गजल
- (B) तीनटा कविता
- (C) बाल विज्ञान कथा
- (D) यात्रा-वृत्तान्त

२१३. अंक १९४मे जगदानंद झा मनु कोन विधासँ सूचीबद्ध छथि?

- (A) गजल
- (B) उपन्यास
- (C) संस्मरण
- (D) बाल कथा

२१४. कामिनी कामायनीक “अंकोरवट मंदिर” अंक १९४मे कोन खण्डमे अछि?

- (A) पद्य खण्ड
- (B) गद्य खण्ड
- (C) बाल विज्ञान खण्ड
- (D) संपादकीय मात्र

२१५. दिलीप कुमार साहक अंक १९४मे कतेक कविता देल अछि?

- (A) तीनटा कविता
- (B) एकटा उपन्यास
- (C) दूटा प्रेम कथा
- (D) एगारह चरिपतिया

२१६. अंक १९४मे नन्द विलास राय कतेक कविता सहित सूचीबद्ध छथि?

- (A) दूटा कविता
- (B) चारि गजल
- (C) एकटा नाटक
- (D) छह बाल कविता

२१७. “ताजीवन हमर नहि” अंक १९४मे ककर शीर्षक अछि?

- (A) रमेश
- (B) गंगानंद झा
- (C) किशन कारीगर
- (D) विन्देश्वर ठाकुर

२१८. अंक १९४मे जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’क कतेक गजल देल अछि?

- (A) चारि टा
- (B) दू टा
- (C) एगारह टा
- (D) एकटा नहि

२१९. अंक १९४क बालानां कृते खण्डमे किशन कारीगरक शीर्षक कोन अछि?

- (A) इस्कूल जाइत छी हम
- (B) अवाक
- (C) खटहा आम
- (D) नोरक उफनैत समुद्र सँ

२२०. अंक १९४क बालानां कृते खण्डमे ककर बाल गजल सेहो अछि?

- (A) आशीष अनचिन्हार
- (B) राजदेव मण्डल
- (C) गंगानंद झा
- (D) रमेश

खण्ड ५४९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १९५ : प्रेम बिहैन, राजनैतिक बिहैन आ यात्रा-वृत्तान्त

२२१. अंक १९५क गद्य भागमे अब्दुर रज्जाकक प्रेम बिहैन कथा कतेक देल अछि?

- (A) दू टा
- (B) एगारह टा
- (C) एकटा नहि
- (D) छह टा

२२२. अंक १९५मे अब्दुर रज्जाकक राजनैतिक बिहैन कथा कतेक अछि?

- (A) एक टा
- (B) दू टा
- (C) चारि टा
- (D) एगारह टा

२२३. “सेयाम रेयापक स्वर्णिम अतीत” अंक १९५मे कोन विधा रूपे अछि?

- (A) यात्रा-वृत्तान्त
- (B) लघुकथा
- (C) बालगजल
- (D) समीक्षा मात्र

२२४. “सेयाम रेयापक स्वर्णिम अतीत” ककर रचना अछि?

- (A) कामिनी कामायनी
- (B) अब्दुर रज्जाक
- (C) मुन्नाजी
- (D) विन्देश्वर ठाकुर

२२५. “गाम के अधिकारी तोहे बड़का भैया हो” अंक १९५मे कोन विधा रूपे सूचीबद्ध अछि?

- (A) आलोचना
- (B) प्रेम विहनि कथा
- (C) गीत
- (D) बाल कविता

२२६. अंक १९५मे विन्देश्वर ठाकुरक गद्य सामग्री कोन प्रकारक अछि?

- (A) एकटा राजनैतिक विहनि कथा आ एकटा प्रेम विहनि कथा
- (B) टूटा यात्रा-वृत्तान्त
- (C) छह बालकविता
- (D) एकटा स्वास्थ्य लेख

२२७. अंक १९५मे मुन्नाजीक प्रेम विहनि कथा कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) सेल्फी
- (B) अवाक
- (C) ठूठ गाछ
- (D) अंकोरवट मंदिर

२२८. अंक १९५क गद्य खण्डमे प्रेम आ राजनीति कोन रूपमे संग-संग उपस्थित अछि?

- (A) प्रेम बिहैन, राजनैतिक बिहैन आ आलोचना/यात्रा-वृत्तान्तक मेल
- (B) केवल उपन्यास
- (C) केवल बालकविता
- (D) केवल संपादकीय

२२९. अंक १९५मे “सेल्फी” शीर्षक कोन आधुनिक सांस्कृतिक संकेत लैत अछि?

- (A) डिजिटल/आधुनिक आत्म-छवि प्रसंग
- (B) पुराना तीर्थ-यात्रा मात्र
- (C) खेती-पानी विवाद
- (D) छठि गीत

२३०. अंक १९५क गद्य-रचना-सूची कोन बात देखबैत अछि?

- (A) विहनि कथा, यात्रा-वृत्तान्त आ आलोचना एके अंकमे संकलित अछि
- (B) केवल एक कविक बालगीत अछि
- (C) केवल पोथी-सूची अछि
- (D) केवल साक्षात्कार अछि

खण्ड ५५० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १९५ : गीत, चरिपतिया, गजल आ बाल-साहित्य

२३१. अंक १९५क पद्य भागमे डॉ. शशिधर कुमार “विदेह”क कतेक गीत अछि?

- (A) दू टा गीत
- (B) एगारह चरिपतिया
- (C) तीनटा कविता
- (D) चारि गजल

२३२. अंक १९५मे दिलीप कुमार साहक सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) एक टा कविता
- (B) टूटा गीत
- (C) एगारह चरिपतिया
- (D) एकटा यात्रा-वृत्तान्त

२३३. अंक १९५मे अब्दुर रज्जाकक पद्य सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) एगारह टा चरिपतिया
- (B) चारि टा गजल
- (C) दूटा बाल विज्ञान कथा
- (D) एकटा उपन्यास

२३४. अंक १९५मे विन्देश्वर ठाकुर पद्य भागमे कोन विधासँ छथि?

- (A) एकटा गजल
- (B) एकटा यात्रा-वृत्तान्त
- (C) दूटा गीत
- (D) छह बाल कविता

२३५. अंक १९५मे जगदीश चन्द्र ठाकुर 'अनिल'क कतेक गजल देल अछि?

- (A) चारि टा
- (B) दूटा
- (C) एगारह टा
- (D) एकटा नहि

२३६. अंक १९५क बालानां कृते खण्डमे आशीष अनचिन्हारक सामग्री की अछि?

- (A) बाल गजल
- (B) सेल्फी कथा
- (C) यात्रा-वृत्तान्त
- (D) राजनैतिक बिहैन कथा

२३७. अंक १९५मे डॉ. शशिधर कुमार "विदेह"क बाल सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) किछु बाल कविता
- (B) एगारह चरिपतिया
- (C) दूटा प्रेम कथा
- (D) एकटा आलोचना

२३८. चरिपतिया शब्द अंक १९५मे कोन कविक नामसँ सम्बद्ध अछि?

- (A) अब्दुर रज्जाक
- (B) दिलीप कुमार साह
- (C) कामिनी कामायनी
- (D) मुन्नाजी

२३९. अंक १९५क पद्य खण्ड कोन बहुविधता रखैत अछि?

- (A) गीत, कविता, चरिपतिया आ गजल
- (B) केवल उपन्यास
- (C) केवल संपादकीय
- (D) केवल स्वास्थ्य लेख

२४०. अंक १९५क समग्र रचना-संरचना कोन संतुलन बनबैत अछि?

- (A) प्रेम/राजनीतिक विहानि कथा, यात्रा-वृत्तान्त, आलोचना, पद्य आ बाल साहित्य
- (B) केवल विज्ञापन सामग्री
- (C) केवल फोटो-विवरण
- (D) केवल तालिका

खण्ड ५५१ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १९६ : विहनि कथा परिदृश्य आ गद्य-सूची

२४१. अंक १९६क संपादकीयमे विहनि कथाक विश्व परिदृश्य कोन संदर्भसँ खोलल गेल अछि?

- (A) अति-लघुकथा, फ्लैश फिक्शन आ लेखक-स्वतंत्रताक बहससँ
- (B) केवल छापाखाना खर्चसँ
- (C) एकटा खेल-प्रतियोगितासँ
- (D) चित्रकला प्रदर्शनीसँ

२४२. लिडिया डेविसक लेखनकें अंक १९६क संपादकीयमे कोना देखाओल गेल अछि?

- (A) वर्गीकरणक कठोर सीमा नै मानएवाली स्वतंत्र लेखनी
- (B) केवल पारम्परिक उपन्यास-लेखन
- (C) शुद्ध नाटक-लेखन
- (D) केवल लोकगीत-संग्रह

२४३. अंक १९६मे गद्य कविता आ कथा संबंधी लिडिया डेविसक दृष्टि कोन बातपर जोर दैत अछि?

- (A) कथाक वर्गीकरण कवितासँ अधिक लचकदार भऽ सकैत अछि
- (B) कथा केवल दीर्घ उपन्यास होइत अछि
- (C) गद्य कविता साहित्य नै अछि
- (D) विहनि कथा केवल लोककथा अछि

२४४. अंक १९६क संपादकीयमे हेमिंग्वेक छह-शब्दक कथाक उल्लेख कोन कारणसँ अछि?

- (A) अति-संक्षिप्त कथामे आरम्भ, मध्य आ अन्तक सम्भावना देखाबए लेल
- (B) एकटा गीतक छन्द बुझाबए लेल
- (C) गजल-काफिया बुझाबए लेल
- (D) केवल भाषापाक लेल

२४५. अंक १९६मे मैथिलीक विहनि कथाकें कोन रूपमे चिन्हार कएल गेल?

- (A) सीड स्टोरी सन स्थापित होइत गेल नव वर्गीकरण
- (B) केवल हास्य-चित्र
- (C) केवल इतिहास-तालिका
- (D) केवल पुरस्कार-सूची

२४६. अंक १९६क गद्य-सूचीमे कामिनी कामायनीक रचनाक शीर्षक की अछि?

- (A) नोम्पेह
- (B) अवाक
- (C) दोस आ दोसक चालि
- (D) रमानंद रेणु के मन पाड़ैत

२४७. अंक १९६मे जगदीश प्रसाद मण्डल कोन गद्य-विधासँ सूचीबद्ध छथि?

- (A) दूटा लघु कथा
- (B) चारि गजल
- (C) बाल कविता
- (D) यात्रा-वृत्तान्त

२४८. अंक १९६मे मुन्ना जीक प्रेम विहनि कथाक शीर्षक की अछि?

- (A) बखरा
- (B) नोम्पेह
- (C) अवाक
- (D) खटहा आम

२४९. अंक १९६मे मुन्ना जीक दोसर विहनि कथाक शीर्षक की अछि?

- (A) करोट
- (B) सभ्य लोक
- (C) फलनमा
- (D) मातृवत परदारेषु

२५०. अंक १९६मे अनिल झाक व्यंग्यक शीर्षक की अछि?

- (A) अनटोटल गप्प
- (B) एगो सपना
- (C) जिनगीके गीत
- (D) नैतिकता आ इमान

खण्ड ५५२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १९६ : पद्य, गजल आ नैतिकता

२५१. अंक १९६क पद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हार कोन विधासँ उपस्थित छथि?

- (A) गजल
- (B) विहनि कथा
- (C) नाटक
- (D) यात्रा-वृत्तान्त

२५२. अंक १९६मे मुन्ना जी पद्य खण्डमे कोन रूपमे छथि?

- (A) गजल
- (B) लघुकथा
- (C) संपादकीय
- (D) बाल निबन्ध

२५३. अंक १९६मे नन्द विलास राय केर पद्य शीर्षक की अछि?

- (A) नैतिकता आ इमान
- (B) नोम्पेह
- (C) अनटोटल गप्प
- (D) करोट

२५४. अंक १९६मे जगदीश चन्द्र ठाकुर 'अनिल'क कतेक गजल सूचीबद्ध अछि?

- (A) ४टा गजल
- (B) १टा कथा
- (C) २टा नाटक
- (D) ७टा गीत

२५५. अंक १९६क पद्य खण्डक मुख्य प्रकृति की अछि?

- (A) गजल आ नैतिकता-केन्द्रित पद्यक संगति
- (B) केवल अनुवाद-निबन्ध
- (C) केवल नाटक-संवाद
- (D) केवल शोध-सूची

२५६. अंक १९६मे गद्य आ पद्य मिलि कोन संपादकीय रुचि देखबैत अछि?

- (A) लघु गद्य-विधा आ गजल दुनू पर ध्यान
- (B) केवल खेल समाचार
- (C) केवल चित्र-सूची
- (D) केवल प्रशासनिक आदेश

२५७. अंक १९६क अनुक्रममे “बखरा” कोन विधा रूपमे आयल अछि?

- (A) प्रेम विहनि कथा
- (B) गजल
- (C) बाल कविता
- (D) साक्षात्कार

२५८. अंक १९६क अनुक्रममे “करोट” कोन विधा रूपमे आयल अछि?

- (A) विहनि कथा
- (B) गीत
- (C) निबन्ध
- (D) संस्मरण

२५९. अंक १९६मे “अनटोटल गप्प”क विधागत परिचय की अछि?

- (A) व्यंग्य
- (B) बाल कविता
- (C) दोहा
- (D) समीक्षा

२६०. अंक १९६क साहित्यिक संतुलनक सही कथन कोन अछि?

- (A) गद्य-सूचीमे लघु कथा/विहनि कथा/व्यंग्य आ पद्यमे गजल सभ अछि
- (B) अंकमे केवल एकटा रिपोर्ट अछि
- (C) अंकमे केवल फोटो-कैप्शन अछि
- (D) अंकमे केवल विज्ञापन अछि

खण्ड ५५३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १९७ : अवाक, व्यंग्य आ विहनि कथा

२६१. अंक १९७मे राजदेव मण्डलक लघुकथाक शीर्षक की अछि?

- (A) अवाक
- (B) नोम्पेह
- (C) बखरा
- (D) जल भँवर

२६२. अंक १९७मे रविभूषण पाठकक व्यंग्यक शीर्षक की अछि?

- (A) फलनमा.. चिलनमा... ठेकनमा
- (B) सभ्य लोक
- (C) बाबाक लोटा
- (D) जाति

२६३. अंक १९७मे “सभ्य लोक” कोन विधा रूपमे देल अछि?

- (A) व्यंग्य निबंध
- (B) बाल कविता
- (C) गजल
- (D) प्रेम कथा

२६४. अंक १९७मे उमेश मण्डलक रिपोर्ट/सूचना-सदृश सामग्री की अछि?

- (A) ८८म कथा-साहित्य गोष्ठी डखराममे सम्पन्न भेल
- (B) रमानंद रेणु के मन पाड़ैत
- (C) नोम्पेह
- (D) मातृवत परदारेषु

२६५. अंक १९७मे अखिलेश कुमारक सामग्री कोन विषयसँ सम्बद्ध अछि?

- (A) बाबू भोला लालदासक जयंती
- (B) नैतिकता आ इमान
- (C) गंगा-ब्रिज
- (D) असली हीरा

२६६. अंक १९७मे राम विलास साहुक विहनि कथाक शीर्षक की अछि?

- (A) जाति
- (B) पकधरम
- (C) बाबाक लोटा
- (D) अवाक

२६७. अंक १९७मे लक्ष्मी दासक विहनि कथाक शीर्षक की अछि?

- (A) पकधरम
- (B) जाति
- (C) बाबाक लोटा
- (D) सभ्य लोक

२६८. अंक १९७मे ललन कुमार कामतक विहनि कथाक शीर्षक की अछि?

- (A) बाबाक लोटा
- (B) पकधरम
- (C) अवाक
- (D) फलनमा

२६९. अंक १९७क गद्य खण्डमे कोन जोड़ी व्यंग्यसँ सम्बद्ध अछि?

- (A) रविभूषण पाठक आ आशीष अनचिन्हार
- (B) नन्द विलास राय आ मुन्ना जी
- (C) जगदीश चन्द्र ठाकुर आ ओमप्रकाश झा
- (D) डॉ. शशिधर आ सृजन शेखर

२७०. अंक १९७क गद्य-संरचना कोन मिश्रण देखबैत अछि?

- (A) लघुकथा, व्यंग्य, गोष्ठी-सूचना, जयंती-रिपोर्ट आ विहनि कथा
- (B) केवल गजल-संग्रह
- (C) केवल बाल कविता
- (D) केवल यात्रा-वर्णन

खण्ड ५५४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १९७ : गीत, गजल आ बाल कविता

२७१. अंक १९७मे सृजन शेखरक गीतक शीर्षक की अछि?

- (A) एगो सपना
- (B) जिनगीके गीत
- (C) चारिटा गजल
- (D) गजल

२७२. अंक १९७मे गंगानन्द झा सृजनक गीतक शीर्षक की अछि?

- (A) जिनगीके गीत
- (B) एगो सपना
- (C) जाति
- (D) बाबाक लोटा

२७३. अंक १९७मे जगदीश चन्द्र ठाकुर 'अनिल' कोन पद्य-विधासँ छथि?

- (A) चारिटा गजल
- (B) एकटा लघुकथा
- (C) एकटा व्यंग्य
- (D) बाल निबन्ध

२७४. अंक १९७मे ओमप्रकाश झाक पद्य सामग्री की अछि?

- (A) गजल
- (B) गीत एगो सपना
- (C) बाल कविता
- (D) विहनि कथा जाति

२७५. अंक १९७क बालानां कृते खण्डमे ककर बाल कविता देल अछि?

- (A) डॉ॰ शशिधर कुमार "विदेह"
- (B) राजदेव मण्डल
- (C) रविभूषण पाठक
- (D) उमेश मण्डल

२७६. अंक १९७क पद्य खण्डमे "एगो सपना" कोन विधा अछि?

- (A) गीत
- (B) व्यंग्य
- (C) समीक्षा
- (D) लघुकथा

२७७. अंक १९७मे "जिनगीके गीत" शीर्षक ककर नामसँ अछि?

- (A) गंगानन्द झा सृजन
- (B) ललन कुमार कामत
- (C) राम विलास साहु
- (D) अखिलेश कुमार

२७८. अंक १९७क पद्य-सूचीमे गीत आ गजल कोना उपस्थित अछि?

- (A) दू गीतक संग गजल-रचना सभ
- (B) केवल एकटा नाटक
- (C) केवल इतिहास लेख
- (D) केवल बाल-कथा

२७९. अंक १९७क समग्र अनुक्रममे बाल साहित्यक अलग उपस्थिति कोन रूपमे अछि?

- (A) बालानां कृते — किछु बाल कविता
- (B) केवल पुरस्कार-सूची
- (C) संपादकीय footnote
- (D) चित्र-कैप्शन

२८०. अंक १९७क साहित्यिक रूपरेखा कोन सही अछि?

- (A) गद्य-विविधताक बाद गीत, गजल आ बाल कविता
- (B) केवल स्वास्थ्य-विषयक लेख
- (C) केवल एक उपन्यास
- (D) केवल सम्मान-तालिका

खण्ड ५५५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १९८ : गद्य, मौसम आ विहनि कथा

२८१. अंक १९८मे रवि भूषण पाठकक लघु कथा/व्यंग्यक शीर्षक की अछि?

- (A) दोस यौ दोस
- (B) मातृवत परदारेषु
- (C) बाबाक लोटा
- (D) हमर गाम

२८२. अंक १९८मे ओम प्रकाश झाक विहनि कथाक शीर्षक की अछि?

- (A) मातृवत परदारेषु
- (B) दोस यौ दोस
- (C) रंग रास
- (D) बाबाक लोटा

२८३. अंक १९८मे अब्दुर रज्जाक लेख/रचनाक विषय कोन अछि?

- (A) कतारक मौसम आ बिन मौसमक वर्षा
- (B) नोम्पेह नगर
- (C) रमानंद रेणु स्मरण
- (D) अवाक लघुकथा

२८४. अंक १९८क किछु विहनि कथा खण्डमे राम विलास साहुक शीर्षक की अछि?

- (A) जाति
- (B) पकधरम
- (C) बाबाक लोटा
- (D) मातृवत परदारेषु

२८५. अंक १९८मे लक्ष्मी दासक विहनि कथाक शीर्षक की अछि?

- (A) पकधरम
- (B) जाति
- (C) बाबाक लोटा
- (D) दोस यौ दोस

२८६. अंक १९८मे ललन कुमार कामतक विहनि कथाक शीर्षक की अछि?

- (A) बाबाक लोटा
- (B) दोस यौ दोस
- (C) मातृवत परदारेषु
- (D) रंग रास

२८७. अंक १९८मे श्रद्धांजलि-सूचना ककर संदर्भमे अछि?

- (A) अणिमा सिंह
- (B) रमानंद रेणु
- (C) राजनन्दन लाल दास
- (D) केदार कानन

२८८. अंक १९८मे अणिमा सिंहक मैथिली-काज कोन क्षेत्रसँ जोड़ल गेल अछि?

- (A) लोकगीत आ नेना-भूटका लोक साहित्य
- (B) सैनिक संस्मरण
- (C) केवल विज्ञान लेख
- (D) भूमि-अर्जन रिपोर्ट

२८९. अंक १९८क गद्य खण्ड कोन विषय-विविधता रखैत अछि?

- (A) व्यंग्य, विहनि कथा, प्रवासी मौसम-अनुभव आ किछु विहनि कथा
- (B) केवल रंगमंच-सूची
- (C) केवल खेल-वृत्तान्त
- (D) केवल पुस्तक-कीमत

२९०. अंक १९८क “मातृवत परदारेषु” कोन लेखकसँ जुड़ल अछि?

- (A) ओम प्रकाश झा
- (B) रवि भूषण पाठक
- (C) महेश डखरामी
- (D) डॉ. शशिधर

खण्ड ५५६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १९८ : पद्य, हमर गाम आ बाल कविता

२९१. अंक १९८मे सृजन शेखर ‘अज्ञेय’क पद्य शीर्षक की अछि?

- (A) हमर गाम
- (B) रंग रास
- (C) चारि टा गजल
- (D) किछु बाल कविता

२९२. अंक १९८मे महेश डखरामीक पद्य शीर्षक की अछि?

- (A) रंग रास
- (B) हमर गाम
- (C) मातृवत परदारेषु
- (D) दोस यौ दोस

२९३. अंक १९८मे जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’क पद्य सामग्री की अछि?

- (A) चारि टा गजल
- (B) एकटा लघुकथा
- (C) एकटा स्वास्थ्य लेख
- (D) दूटा संस्मरण

२९४. अंक १९८मे ओम प्रकाश झा पद्य खण्डमे कोन रूपमे छथि?

- (A) गजल
- (B) बाल कविता
- (C) गद्य कविता मात्र
- (D) साक्षात्कार

२९५. अंक १९८क बालानां कृते खण्डमे ककर बाल कविता अछि?

- (A) डॉ॰ शशिधर कुमार “विदेह”
- (B) सृजन शेखर
- (C) रवि भूषण पाठक
- (D) अब्दुर रज्जाक

२९६. अंक १९८मे “हमर गाम” कोन खण्डमे अछि?

- (A) पद्य खण्ड
- (B) गद्य-संपादकीय
- (C) बाल विज्ञान कथा
- (D) साक्षात्कार खण्ड

२९७. अंक १९८मे “रंग रास” शीर्षक कोन लेखकक नामसँ अछि?

- (A) महेश डखरामी
- (B) ओम प्रकाश झा
- (C) लक्ष्मी दास
- (D) राम विलास साहु

२९८. अंक १९८क पद्य खण्डमे गजल-परम्पराक उपस्थिति कोन रूपमे अछि?

- (A) अनिलजीक चारि गजल आ ओम प्रकाश झाक गजल
- (B) केवल एकटा दोहा
- (C) केवल बाल गीत
- (D) केवल नाटक-संवाद

२९९. अंक १९८क बाल-साहित्य उपस्थिति कोन संकेत दैत अछि?

- (A) मुख्य पद्य-सूचीसँ अलग बालानां कृते खण्ड बनल अछि
- (B) बाल सामग्री हटाओल गेल अछि
- (C) केवल फोटो-गैलरी अछि
- (D) केवल पता-सूची अछि

३००. अंक १९८क पद्य संरचना कोन सही अछि?

- (A) ग्राम-विषय, रंग-विषय, गजल आ बाल कविता सभक संगति
- (B) केवल प्रशासकीय सूचना
- (C) केवल पुरातत्व लेख
- (D) केवल पत्राचार

खण्ड ५५७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १९९ : गद्य, दोहा आ विहनि कथा

३०१. अंक १९९मे रवि भूषण पाठकक रचनाक शीर्षक की अछि?

- (A) दोस आ दोसक चालि प्रकृति बेमेय
- (B) विछोहक नोर
- (C) अशुभ इच्छा
- (D) कतारमे साँझक चौपारि

३०२. अंक १९९मे ओम प्रकाश झाक विहनि कथाक शीर्षक की अछि?

- (A) विछोहक नोर
- (B) अशुभ इच्छा
- (C) दोस आ दोसक चालि
- (D) किछु कविता

३०३. अंक १९९मे अब्दुर रज्जाक दोहा-सम्बद्ध सामग्री कोन अछि?

- (A) कतारमे साँझक चौपारिपर आठम मासक बैसार सम्पन्न
- (B) हमर गाम
- (C) अवाक
- (D) बाबाक लोटा

३०४. अंक १९९मे सृजन शेखर ‘अज्ञेय’क विहनि कथाक शीर्षक की अछि?

- (A) अशुभ इच्छा
- (B) विछोहक नोर
- (C) दोस आ दोसक चालि
- (D) नैतिकता आ इमान

३०५. अंक १९९क गद्य खण्डमे “विछोहक नोर” कोन विधा रूपमे अछि?

- (A) विहनि कथा
- (B) दोहा-रिपोर्ट
- (C) गीत
- (D) संस्मरण

३०६. अंक १९९क “अशुभ इच्छा” कोन विधा अछि?

- (A) विहनि कथा
- (B) गजल
- (C) बाल कविता
- (D) संपादकीय नोट

३०७. अंक १९९मे “कतारमे साँझक चौपारि” कोन प्रवासी परिवेश सूचित करैत अछि?

- (A) कतार-आधारित सामुदायिक साहित्यिक बैठक
- (B) मिथिला चित्रकला प्रदर्शनी
- (C) स्कूल परीक्षा
- (D) नाट्य-महोत्सव मंचन

३०८. अंक १९९क गद्य-सूचीमे प्रमुख लघु-विधा की अछि?

- (A) विहनि कथा
- (B) दीर्घ उपन्यास
- (C) महाकाव्य
- (D) नाटक-माला

३०९. अंक १९९क आरम्भिक संपादकीयमे श्रद्धांजलि ककर संदर्भमे अछि?

- (A) अणिमा सिंह
- (B) लिडिया डेविस
- (C) फेलिक्स फेनिअन
- (D) डेनियल पिंग

३१०. अंक १९९क गद्य खण्ड कोन मिश्रण रखैत अछि?

- (A) व्यंग्यात्मक शीर्षक, विहनि कथा, दोहा-बैसार आ अशुभ इच्छा सन कथा
- (B) केवल बाल कविता
- (C) केवल पुरस्कार सूची
- (D) केवल पुस्तक-विक्रय

खण्ड ५५८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक १९९ : कविता, गजल आ बाल कविता

३११. अंक १९९मे सृजन शेखर ‘अज्ञेय’ पद्य खण्डमे कोन रूपमे उपस्थित छथि?

- (A) किछु कविता
- (B) विहनि कथा मात्र
- (C) दोहा-रिपोर्ट मात्र
- (D) बाल निबन्ध

३१२. अंक १९९मे किछु कविताक लेखक-सूचीमे के सभ छथि?

- (A) बिनीता झा, विकास झा आ मुन्नाजी
- (B) राजदेव मण्डल, ललन कामत आ लक्ष्मी दास
- (C) केदार कानन, राम लोचन ठाकुर आ नबो मिश्र
- (D) डॉ. शशिधर मात्र

३१३. अंक १९९मे जगदीश चन्द्र ठाकुर 'अनिल'क कतेक गजल अछि?

- (A) चारि टा गजल
- (B) एकटा गीत
- (C) दूटा निबन्ध
- (D) एगारह चरिपतिया

३१४. अंक १९९मे किछु गजल खण्डमे के सभ लेखक छथि?

- (A) अशरफ राईन, अब्दुर रज्जाक आ नीरज कर्ण
- (B) सृजन शेखर मात्र
- (C) रवि भूषण पाठक मात्र
- (D) राजदेव मण्डल आ लक्ष्मी दास

३१५. अंक १९९क बालानां कृते खण्डमे ककर बाल कविता अछि?

- (A) डॉ॰ शशिधर कुमार "विदेह"
- (B) अशरफ राईन
- (C) ओम प्रकाश झा
- (D) विकास झा

३१६. अंक १९९क पद्य खण्डमे गजल-विविधता कोना देखाइत अछि?

- (A) अनिलजीक चारि गजल आ अलग "किछु गजल" लेखक-समूह
- (B) केवल एक गीत
- (C) केवल नाटक-संवाद
- (D) केवल कथा-पाठ

३१७. अंक १९९मे "किछु कविता" खण्ड कोन बात सूचित करैत अछि?

- (A) एकाधिक कविक कविता एक संग राखल गेल अछि
- (B) केवल एक उपन्यास अछि
- (C) केवल बाल विज्ञान कथा अछि
- (D) केवल संपादकीय आदेश अछि

३१८. अंक १९९क पद्य-संरचना कोन सही अछि?

- (A) कविता, गजल आ बाल कविता सभक पृथक उपस्थिति
- (B) केवल गद्य-समीक्षा
- (C) केवल स्वास्थ्य लेख
- (D) केवल यात्रा-वृत्तान्त

३१९. अंक १९९मे अब्दुर रज्जाक कोन दू खण्डमे नाम सहित देखाइत छथि?

- (A) दोहा-बैसार आ गजल
- (B) बाल कविता आ नाटक
- (C) उपन्यास आ संस्मरण
- (D) संपादकीय आ स्वास्थ्य लेख

३२०. अंक १९९क बाल साहित्य उपस्थिति कोन खण्डमे अछि?

- (A) बालानां कृते
- (B) संपादकीय संदेश
- (C) गद्य २.१
- (D) दोहा-बैसार

खण्ड ५५९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २०० : सम्मानित कृति-समीक्षा आ मोटीवेशन-विमर्श

३२१. अंक २००क संपादकीयमे विशेष आरम्भ कोन विषयसँ भेल?

- (A) विदेह सम्मानसँ सम्मानित कृति आ कृतिकारक समीक्षाक प्रारम्भ
- (B) केवल पुरान अंक डाउनलोड
- (C) एकटा खेल-कूद समाचार
- (D) सिनेमा गीत-सूची

३२२. अंक २००क संपादकीयमे आन्तरिक मोटीवेशनकेँ कोन रूपमे देखाओल गेल?

- (A) साहित्यिक उद्देश्यसँ प्रेरित सृजन-शक्ति
- (B) केवल बाहरी पुरस्कारक लोभ
- (C) केवल दण्डक भय
- (D) मुद्रण-यंत्रक तकनीक

३२३. अंक २००मे मोटीवेशन १.० केना चिन्हित अछि?

- (A) अस्तित्व रक्षा आधारित पहिल मानव ऑपरेटिंग सिस्टम
- (B) रचनात्मक स्वायत्तताक आधुनिक रूप
- (C) केवल पुरस्कार-व्यवस्था
- (D) केवल बाल-कविता पद्धति

३२४. अंक २००मे मोटीवेशन २.०क आधार की कहल गेल?

- (A) बाहरी पुरस्कार आ प्रतारणापर आधारित व्यवस्था
- (B) केवल आत्म-संतोष
- (C) केवल स्वायत्तता
- (D) केवल मास्टरी

३२५. अंक २००मे मोटीवेशन ३.०क तीन तत्व की-की देल गेल?

- (A) स्वायत्तता, मास्टरी आ उद्देश्य
- (B) भाषा, लिपि आ छन्द मात्र
- (C) गीत, गजल आ दोहा
- (D) गाम, शहर आ नदी

३२६. अंक २००मे “रामक ‘अम्बरा’” समीक्षा ककर नामसँ सूचीबद्ध अछि?

- (A) जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’
- (B) विनीत उत्पल
- (C) मुन्नाजी
- (D) नबो नारायण मिश्र

३२७. अंक २००मे “नव दिशाक कथा” कोन कृतिसँ सम्बद्ध अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मंडलक “गामक जिनगी”
- (B) देवीजी बाल निबन्ध
- (C) अनचिन्हार आखर
- (D) मोहन दास

३२८. अंक २००मे “मैथिली गजलक संसारमे ‘अनचिन्हार आखर’” ककर रचना-समीक्षा अछि?

- (A) जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’
- (B) मुन्नाजी
- (C) केदार कानन
- (D) राम लोचन ठाकुर

३२९. अंक २००मे “अधिकार लेल छटपटाइत मोहन दास” ककर नामसँ अछि?

- (A) मुन्नाजी
- (B) विनीत उत्पल
- (C) नबो नारायण मिश्र
- (D) योगेन्द्र पाठक

३३०. अंक २००मे “धीया-पुता लेल प्रेरक अछि देवीजी” कोन खण्डक भावना देखबैत अछि?

- (A) बाल/प्रेरक साहित्यक मूल्यांकन
- (B) केवल राजनीतिक व्यंग्य
- (C) केवल मौसम लेख
- (D) केवल यात्रा-वृत्तान्त

खण्ड ५६० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २०० : संस्मरण, व्यक्तित्व-चित्र आ रेणु-स्मरण

३३१. अंक २००मे नबो नारायण मिश्रक लेख कोन व्यक्तित्वपर अछि?

- (A) युगपुरुष श्री राजनंदन लाल दास
- (B) रमानंद रेणु मात्र
- (C) केदार कानन
- (D) जगदीश प्रसाद मंडल

३३२. अंक २००मे केदार काननक “हमर सबहक पंडितजी” कोन प्रकारक रचना-संकेत दैत अछि?

- (A) व्यक्तित्व-स्मरण/संस्मरण
- (B) बाल कविता
- (C) विहनि कथा
- (D) गजल

३३३. अंक २००मे योगेन्द्र पाठक “वियोगी”क लेखक शीर्षक की अछि?

- (A) एकसरुआ सिपाही
- (B) हमर सबहक पंडितजी
- (C) रमानंद रेणु के मन पाड़ैत
- (D) सहज आ मिलनसार छलाह रेणुजी

३३४. अंक २००मे राम लोचन ठाकुरक लेख कोन स्मरणसँ सम्बद्ध अछि?

- (A) रमानंद रेणु के मन पाड़ैत
- (B) युगपुरुष राजनंदन लाल दास
- (C) अनचिन्हार आखर
- (D) गामक जिनगी

३३५. अंक २००मे केदार काननक रेणु-स्मरणक शीर्षक की अछि?

- (A) सहज आ मिलनसार छलाह रेणुजी
- (B) एकसरुआ सिपाही
- (C) रामक अम्बरा
- (D) धीया-पुता लेल प्रेरक अछि देवीजी

३३६. अंक २००क संस्मरण-समूह कोन भावभूमि बनबैत अछि?

- (A) सम्मानित व्यक्तित्व सभक स्मरण आ मूल्यांकन
- (B) केवल स्वास्थ्य-निर्देश
- (C) केवल विज्ञापन
- (D) केवल भूगोल-तालिका

३३७. अंक २००मे “युगपुरुष” विशेषण ककर संग जुड़ल अछि?

- (A) श्री राजनंदन लाल दास
- (B) मोहन दास
- (C) देवीजी
- (D) पद्मा नदीक ब्राम्हण

३३८. अंक २००मे रेणुजी पर कतेक शीर्षक अनुक्रममे देखाइत अछि?

- (A) दू शीर्षक
- (B) एकहु नहि
- (C) सात शीर्षक
- (D) केवल एक बाल कविता

३३९. अंक २००मे समीक्षा आ संस्मरणक सम्मिलित उद्देश्य कोन बुझाइत अछि?

- (A) सम्मानित कृति आ साहित्यकारक ऐतिहासिक मूल्यांकन
- (B) केवल दैनंदिन समाचार
- (C) केवल बाल खेल
- (D) केवल तकनीकी निर्देश

३४०. अंक २००क समग्र विशेषता की अछि?

- (A) २००म अंकमे सम्मानित कृति-समीक्षा आ व्यक्तित्व-स्मरणक विशेष संयोजन
- (B) केवल एकटा गजल अंक
- (C) केवल प्रवास-वृत्तान्त
- (D) केवल स्वास्थ्य विशेषांक

खण्ड ५६१ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २०१ : मन्त्रद्रष्टा ऋष्यशृङ्गक सांस्कृतिक प्रसंग

३४१. विदेह अंक २०१ मे मुख्य अनूदित कृति कोन विषयसँ सम्बद्ध अछि?

- (A) मन्त्रद्रष्टा ऋष्यशृङ्ग
- (B) कथा गंगा
- (C) जल भँवर
- (D) गामक शकल-सूरत

३४२. ‘मन्त्रद्रष्टा ऋष्यशृङ्ग’ क मैथिली अनुवादक रूपमे के उल्लेखित छथि?

- (A) विनीत उत्पल
- (B) राजदेव मण्डल
- (C) राम सोगारथ यादव
- (D) नारायण मधुशाला

३४३. ऋष्यशृङ्ग-विषयक कृति मूलतः के लिखलनि?

- (A) हरिशंकर श्रीवास्तव ‘शलभ’
- (B) विनीत उत्पल
- (C) श्रीगोपाल पंडित
- (D) जगदीश प्रसाद मण्डल

३४४. अंक २०१क ऋष्यशृङ्ग-कृति मे संपादक रूपमे कोन नाम आवैत अछि?

- (A) श्रीगोपाल पंडित
- (B) राजनन्दन लाल दास
- (C) मायानाथ झा
- (D) आनन्द कुमार झा

३४५. अंक २०१क संपादकीय कोशी अंचलक संस्कृति के मुख्यतः केकर देन मानैत अछि?

- (A) विश्वामित्र आ ऋष्यशृङ्ग सन वैज्ञानिक तपस्वी ऋषि सभक
- (B) केवल राजा-महाराजा सभक
- (C) केवल नगर-बाजारक
- (D) केवल आधुनिक संस्थाक

३४६. ऋष्यशृङ्ग प्रसंगमे सिंहेश्वर स्थानक महत्त्व कोन रूपमे आएल अछि?

- (A) कोशी अंचलक महान सांस्कृतिक पीठक रूपमे
- (B) केवल बाजारक रूपमे
- (C) केवल विद्यालयक रूपमे
- (D) नाट्य-मंचक रूपमे

३४७. अंक २०१क संपादकीय ऋष्यशृङ्गक जीवनमे कोन विशेषता रेखांकित करैत अछि?

- (A) अनार्य आ आर्य संस्कृतिक समन्वय
- (B) केवल राजदरबारी वैभव
- (C) केवल युद्धकथा
- (D) केवल हास्य-विनोद

३४८. ऋष्यशृङ्गक जीवनवृत्त केना-केना ग्रंथमे संकेत रूपमे भेटैत कहल गेल अछि?

- (A) रामायण, महाभारत, भागवत, पुराण आ उत्तररामचरित
- (B) केवल आधुनिक उपन्यासमे
- (C) केवल बाल कवितामे
- (D) केवल समाचार-पत्रमे

३४९. अंक २०१ मे ऋष्यशृङ्ग आश्रमक सांस्कृतिक कार्य केना देखाओल गेल अछि?

- (A) शांति-मंत्र बिछेनिहार केन्द्रक रूपमे
- (B) व्यापारिक मेला मात्र
- (C) राजनीतिक सभा मात्र
- (D) विद्यालयी परीक्षा-केन्द्र मात्र

३५०. ऋष्यशृङ्ग-विषयक पोथीक आवश्यकता अंक २०१ मे किएक रेखांकित अछि?

- (A) कारण सम्पूर्ण जीवनक वृत्तात्मक अध्ययनक अभाव छल
- (B) कारण केवल गीत-संग्रह चाही छल
- (C) कारण बालकथा कम छल
- (D) कारण गजल कम छल

खण्ड ५६२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २०१ : ऋष्यशृङ्ग, प्रकृति आ आश्रम-परम्परा

३५१. अंक २०१ मे 'ऋष्यशृङ्गक मूर्ति कतए अछि?' प्रश्नक उत्तरक भाव की अछि?

- (A) पहाड़, गाछ, पाथर आ प्रकृति स्वयं ऋष्यशृङ्गक उपस्थिति सन अछि
- (B) केवल मन्दिरक मूर्ति गनल गेल अछि
- (C) उत्तर देल नहि गेल
- (D) केवल राजमहल बताओल गेल

३५२. ऋष्यशृङ्ग प्रसंगमे निझरिणीक जलक कोन विशेषता बताओल गेल अछि?

- (A) गर्मीमे शीतल आ ठारमे गरम
- (B) सदैव खार
- (C) सदैव दूध सन
- (D) सदैव सूखल

३५३. राजा दशरथसँ जुड़ल कोन किंवदन्ती ऋष्यशृङ्ग-क्षेत्रमे आएल अछि?

- (A) ओ अपन चारू बेटाक मुड़न एतए करेलनि
- (B) ओ युद्ध घोषित केलनि
- (C) ओ नगर छोड़लनि
- (D) ओ उपन्यास लिखलनि

३५४. ऋष्यशृङ्गक पिताक नाम स्रोतमे कोन रूपमे आबैत अछि?

- (A) विभाण्डक
- (B) लोमपाद
- (C) कर्ण
- (D) गोपाल

३५५. ऋष्यशृङ्गक सम्बन्ध 'कौशिकी तीर' सँ कोना जोड़ल गेल अछि?

- (A) जन्म/वास-परम्परा आ क्षेत्रीय दायित्वसँ
- (B) केवल समुद्री यात्रा सँ
- (C) केवल नगर-मेला सँ
- (D) केवल व्यंग्य-कथा सँ

३५६. ऋष्यशृङ्गक आरम्भिक जीवनक वर्णनमे प्रकृतिक कोन भूमिका अछि?

- (A) वन्य प्रकृतिसँ एकाकार जीवन
- (B) नगरक कृत्रिम जीवन
- (C) कारखानाक जीवन
- (D) रेलगाड़ी यात्रा मात्र

३५७. ऋष्यशृङ्ग प्रसंगमे पर्जन्य-सूक्तक स्मरण कोन भावसँ जुड़ल अछि?

- (A) वृष्टि आ ऋषि-आवाहनक भावसँ
- (B) हास्य-व्यंग्यसँ
- (C) व्यापारिक सौदासँ
- (D) बाल-खेलसँ

३५८. अंक २०१ मे ऋष्यशृङ्ग आश्रम लग कोन प्रकारक भग्न मूर्ति भेटबाक उल्लेख अछि?

- (A) वैष्णव आ बौद्ध मूर्ति
- (B) केवल आधुनिक फोटो
- (C) केवल धातु सिक्का
- (D) केवल पेंटिंग

३५९. ऋष्यशृङ्ग पर्वतमाला आ आश्रमक वर्णन कोन तरहक लेखन बनैत अछि?

- (A) इतिहास, किंवदन्ती आ क्षेत्रीय भूगोलक मिश्रित गवेषणा
- (B) केवल प्रेम-पत्र
- (C) केवल खेल-विवरण
- (D) केवल विज्ञापन

३६०. अंक २०१क ऋष्यशृङ्ग-कथा कोशी अंचलक प्रति कोन दृष्टि बनबैत अछि?

- (A) प्राचीन सांस्कृतिक चेतनाक केन्द्रक रूपमे
- (B) निरर्थक मरुभूमि रूपमे
- (C) केवल व्यापारिक नगर रूपमे
- (D) केवल आधुनिक क्लब रूपमे

खण्ड ५६३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २०२ : रेहन पर रघू — आरम्भ, रघुनाथ आ प्रकृति

३६१. अंक २०२ मे साहित्य अकादेमी-पुरस्कृत हिन्दी कहानीक मैथिली अनुवाद कोन अछि?

- (A) रेहन पर रघू
- (B) मन्त्रद्रष्टा ऋष्यशृङ्ग
- (C) जन्म दैत अछि माँ बाप
- (D) सपना सपने अछि

३६२. 'रेहन पर रघू' क मैथिली अनुवादक के छथि?

- (A) विनीत उत्पल
- (B) अब्दुर रज्जाक
- (C) घनश्याम घनेरो
- (D) मलय नाथ मिश्र

३६३. 'रेहन पर रघू' क लेखक के छथि?

- (A) काशीनाथ सिंह
- (B) हरिशंकर श्रीवास्तव 'शलभ'
- (C) प्रयास प्रेमी मैथिल
- (D) राम सोगारथ यादव

३६४. कहानीक आरम्भमे कोन आकस्मिक दृश्य आबैत अछि?

- (A) बिर्रो, पाइन आ अन्हारक मौसम
- (B) शांत सभा
- (C) विद्यालयक पुरस्कार
- (D) बाजारक मेला

३६५. 'रेहन पर रघू' मे बूढ़ पात्रक नाम की अछि?

- (A) रघुनाथ
- (B) संजय
- (C) धनंजय
- (D) सक्सेना

३६६. बिर्रो-पाइन देख रघुनाथ केँ कोन पुरान स्मृति मोन पड़ैत अछि?

- (A) स्कूलसँ घुरैत नेना-दिनक आन्ही-पाइन
- (B) बियाहक बाजा
- (C) शहरक नौकरी
- (D) दुकानक हिसाब

३६७. रघुनाथक मौसम-दर्शन कोन भाव पैदा करैत अछि?

- (A) धरतीक वैभव केँ आँखि आ चमड़ीमे समेटबाक इच्छा
- (B) केवल घर बेचबाक इच्छा
- (C) केवल यात्रा स्थगित करबाक इच्छा
- (D) केवल सोइ रहबाक इच्छा

३६८. कहानीमे रघुनाथक परिवारक नामसूचीमे के आबैत छथि?

- (A) शीला आ बाल-बच्चा
- (B) केवल राजा-रानी
- (C) केवल गुरु-शिष्य
- (D) केवल सैनिक

३६९. रघुनाथक जीवन-चिन्ता मुख्यतः कोन बातसँ जुड़ल अछि?

- (A) बाल-बच्चाक भविष्य आ सुखसँ
- (B) सिर्फ राजसत्ता सँ
- (C) केवल युद्धक विजय सँ
- (D) केवल खेलक परिणाम सँ

३७०. अंक २०२ मे पल्लवी मण्डलक कौन शीर्षकक लेख/रचना सेहो सूचीबद्ध अछि?

- (A) दृष्टिकोण
- (B) कथा गंगा
- (C) कौशिकी सम्मान
- (D) सुजनी शिल्प

खण्ड ५६४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २०२ : रेहन पर रघू — परिवार, संजय आ सामाजिक गणित

३७१. 'रेहन पर रघू' मे संजयक पेशागत आकांक्षा कोन रूपमे आएल अछि?

- (A) सॉफ्टवेयर इन्जीनियर बनब
- (B) कवि-सम्मेलन चलायब
- (C) खेती करब मात्र
- (D) राजा बनब

३७२. संजयक कथा-पथ मे अमेरिका कोन रूपमे आबैत अछि?

- (A) नौकरी/कंपनीक अनुबंधसँ जुड़ल विदेश-यात्रा
- (B) तीर्थस्थान
- (C) गामक पोखरि
- (D) विद्यालयक नाम

३७३. सोनल कोन परिवारसँ जुड़ल पात्र छथि?

- (A) प्रोफेसर सक्सेनाक बेटी
- (B) रघुनाथक माय
- (C) धनंजयक गुरु
- (D) गामक मुखिया

३७४. सोनलक शैक्षिक परिचय मे की विशेष बताओल अछि?

- (A) प्रथम श्रेणी, पात्रता परीक्षा आ दर्शनशास्त्रसँ पीएच.डी.
- (B) केवल निरक्षरता
- (C) केवल खेलक प्रमाणपत्र
- (D) केवल संगीत परीक्षा

३७५. प्रिन्सिपल रघुनाथक सक्सेनाक प्रस्तावक अर्थ की बुझबैत छथि?

- (A) बेटी नहि, बेटा खरीदबाक चाल
- (B) साधारण दान
- (C) विद्यालयी खेल
- (D) कविता-पाठ

३७६. धनंजय रघुनाथक घर कोन वस्तु लऽ कऽ अबैत अछि?

- (A) ब्रीफकेस
- (B) वीणा
- (C) हल
- (D) सिक्की पंखा

३७७. ब्रीफकेस प्रसंग रघुनाथक मनोदशा केना देखबैत अछि?

- (A) चुप्पी, उदासी आ असहज स्वीकार
- (B) उत्सवपूर्ण नाच
- (C) निस्संकोच हँसी
- (D) राजकीय घोषणा

३७८. संजय-सोनल सम्बन्धमे प्रेमक साथ की चलैत देखाओल अछि?

- (A) गुणा-भाग आ सामाजिक गणना
- (B) पूर्णतः लोकगीत मात्र
- (C) केवल बाल-खेल
- (D) केवल जंगल-जीवन

३७९. रघुनाथक 'छोट परिवार, सुखी परिवार' प्रसंग किएक विडम्बनात्मक अछि?

- (A) छोट परिवार भेलो पर रघुनाथ सुखी नहि छथि
- (B) कारण परिवार नै अछि
- (C) कारण सभ पात्र राजा छथि
- (D) कारण मौसम सदिखन साफ अछि

३८०. 'रेहन पर रघू' मे मुख्य सामाजिक तनाव कोन अछि?

- (A) परिवार, शिक्षा, विवाह आ उपभोक्तावादी गणितक टकराव
- (B) केवल वन्य पशुक संघर्ष
- (C) केवल बालगीत
- (D) केवल ऋतु-वर्णन

खण्ड ५६५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २०३ : नाटक, करम आ विहनि कथा-सूची

३८१. अंक २०३ मे प्रयास प्रेमी मैथिलक नाटकक शीर्षक की अछि?

- (A) जन्म दैत अछि माँ बाप करम तऽ अपनेही
- (B) रेहन पर रघू
- (C) फलहार
- (D) त्रिवेणीक रंग

३८२. 'जन्म दैत अछि माँ बाप करम तऽ अपनेही' क केन्द्रीय विचार की अछि?

- (A) जन्म माता-पिता देथि, मुदा करम अपने फल दैत अछि
- (B) धन मात्र सब किछु अछि
- (C) प्रकृति निरर्थक अछि
- (D) भाषा अनावश्यक अछि

३८३. नाटकक आरम्भिक परिवारमे राजा केँ कतेक बेटी छथि?

- (A) चारि
- (B) दू
- (C) एक
- (D) आठ

३८४. नाटकमे चारि बेटीमे पहिल नाम कोन अछि?

- (A) दिक्षा
- (B) सोनल
- (C) शीला
- (D) सुगापटीवाली

३८५. रास्तामे बेटीसभक सामना केकरासँ होइत अछि?

- (A) भूखसँ तड़पैत अपाहिज व्यक्तिसँ
- (B) राजदरबारी कविसँ
- (C) विद्यालयी मास्टरसँ
- (D) घोड़ा बेचैनिहारसँ

३८६. दिक्षाक प्रारम्भिक व्यवहार अपाहिज व्यक्तिप्रति कोन रूपमे देखाओल अछि?

- (A) कठोर आ असंवेदनशील
- (B) करुणामय आ सेवा-भावी
- (C) निरपेक्ष मौन
- (D) बाल-सुलभ खेल

३८७. अंक २०३ मे जगदीश प्रसाद मण्डलक योगदान कोन रूपमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) दूटा लघुकथा
- (B) दूटा उपन्यास
- (C) चारि नाटक
- (D) केवल गीत

३८८. अंक २०३ मे राजदेव मण्डलक रचना-सूची कोन रूपमे अछि?

- (A) एकटा लघुकथा आ एकटा विहनि कथा
- (B) केवल बालगीत
- (C) केवल समालोचना
- (D) तीन उपन्यास

३८९. अंक २०३ मे सत्यनारायण झाक विहनि कथा कोन शीर्षकसँ सूचीबद्ध अछि?

- (A) सुटिया
- (B) अवाक
- (C) ठूठ गाछ
- (D) जल भँवर

३९०. अंक २०३क संपादकीय मे कुन युवा सामाजिक संगठनक धरातलीय काजक प्रशंसा संकेतित अछि?

- (A) मिथिला स्टुडेण्ट यूनियन
- (B) केवल राजदरबार
- (C) केवल संगीत मंडली
- (D) केवल खेल समिति

खण्ड ५६६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २०३ : पद्य, अनुवाद आ बालानां कृते

३९१. अंक २०३ मे नवेंदु कुमार झाक लेख कोन व्यापक विषयसँ जुड़ल अछि?

- (A) गामक प्रभाव आ वैश्विक प्रभावक चर्चा
- (B) केवल ऋतु गीत
- (C) केवल पशु-कथा
- (D) केवल पाककला

३९२. अंक २०३ मे कौशिकी सम्मान समारोहक आयोजनक चर्चा के लिखलनि?

- (A) उमेश मण्डल
- (B) प्रयास प्रेमी
- (C) संतोष चतुर्वेदी
- (D) राजेश मोहन

३९३. रवि भूषण पाठकक व्यंग्यक शीर्षक कोन अछि?

- (A) दोस्ती केर जिनगी मे झड़बैर काल
- (B) मन्त्रद्रष्टा ऋष्यशृङ्ग
- (C) रेहन पर रघू
- (D) सपना सपने अछि

३९४. रामसोगारथ यादवक पद्य योगदान अंक २०३ मे कोना सूचीबद्ध अछि?

- (A) चारिटा गजल आ एकटा कविता
- (B) एकटा उपन्यास
- (C) दूटा नाटक
- (D) केवल बालकथा

३९५. संतोष चतुर्वेदीजीक दूटा हिन्दी कविता मैथिलीमे के अनुवाद केलनि?

- (A) आशीष अनचिन्हार
- (B) विनीत उत्पल
- (C) राजदेव मण्डल
- (D) मलय नाथ मिश्र

३९६. अंक २०३ मे दिनेश रसियाक पद्य योगदान कोन विधामे अछि?

- (A) गजल
- (B) उपन्यास
- (C) साक्षात्कार
- (D) इतिहास-ग्रंथ

३९७. सुकोसित शिशिरक रचना अंक २०३ मे कोन रूपमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) कविता
- (B) नाटक
- (C) गद्य-साक्षात्कार
- (D) पुरस्कार-सूची

३९८. सृजन शेखर 'अज्ञेय' अंक २०३ मे की देलनि?

- (A) दूटा कविता
- (B) एकटा उपन्यास
- (C) चारि साक्षात्कार
- (D) केवल अनुवाद-पुरस्कार

३९९. मंगलेश डबरालक सातटा कविता मैथिलीमे के अनुवाद केलनि?

- (A) विनीत उत्पल
- (B) अब्दुर रज्जाक
- (C) घनश्याम घनेरो
- (D) प्रयास प्रेमी

४००. अंक २०३क बालानां कृते भागमे कोन लेखकक सचित्र बाल कविता अछि?

- (A) डॉ. शशिधर कुमार
- (B) काशीनाथ सिंह
- (C) राजनन्दन लाल दास
- (D) परमेश्वर कापड़ि

खण्ड ५६७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २०४ : विहनि कथा, जानकी नवमी आ तुलनात्मक विवेचन

४०१. अंक २०४ मे घनश्याम घनेरो केर योगदान कोन रूपमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) किछु विहनि कथा
- (B) एकटा महाकाव्य
- (C) संगीत-नाटक
- (D) यात्रा-वृत्तान्त

४०२. अंक २०४ मे जानकी नवमी अवसरक परिचर्चा-संगोष्ठी सामग्रीक ट्रांसस्क्रिप्ट आ अनुवाद के करैत छथि?

- (A) विनीत उत्पल
- (B) रामलोचन ठाकुर
- (C) संतोष कुमार झा
- (D) विद्याचन्द्र झा

४०३. जानकी नवमी परिचर्चा कोन संस्थागत प्रसंगसँ जुड़ल अछि?

- (A) गांधी दर्शन एवं स्मृति समितिक तत्वावधान
- (B) केवल खेल मैदान
- (C) केवल विद्यालय परीक्षा
- (D) केवल बाजार उद्घाटन

४०४. विद्याचन्द्र झा 'बमबम' अंक २०४ मे कोन प्रकारक रचना देलनि?

- (A) किछु प्रेम विहनि कथा आ किछु विहनि कथा
- (B) केवल युद्ध-कथा
- (C) केवल अनुवाद पुरस्कार-सूची
- (D) केवल चित्रकला

४०५. अंक २०४ मे मुन्नाजी ककर तुलनात्मक विवेचन करैत छथि?

- (A) लघुकथा आ विहनि कथा
- (B) गजल आ गीत
- (C) नाटक आ महाकाव्य
- (D) चित्रकला आ संगीत

४०६. राजीव कर्ण अंक २०४ मे कोन विधासँ उपस्थित छथि?

- (A) किछु विहनि कथा
- (B) भक्ति-गजल मात्र
- (C) अभिनय-निर्देशन
- (D) यात्रा-संस्मरण

४०७. राम सोगारथ यादवक अंक २०४क बिहनि कथा कोन शीर्षकसँ सूचीबद्ध अछि?

- (A) सपना सपने अछि
- (B) जल भँवर
- (C) अवाक
- (D) फलहार

४०८. नारायण मधुशाला अंक २०४ मे कतेक बिहनि कथा देलनि?

- (A) दूटा
- (B) दसटा
- (C) एक्कीसटा
- (D) कोनो नहि

४०९. मलय नाथ मिश्र अंक २०४ में कोन रूपमें सूचीबद्ध छथि?

- (A) २ टा बीहैन कथा
- (B) एकटा उपन्यास
- (C) केवल पुरस्कार-वक्तव्य
- (D) केवल बाल-चित्र

४१०. अब्दुर रज्जाक अंक २०४ में कोन गद्य-विधासँ आएल छथि?

- (A) २ टा बिहैन कथा
- (B) महाकाव्य
- (C) शोध-प्रबंध
- (D) बाल-नाटक

खण्ड ५६८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २०४ : विशेषांक-योजना, पद्य आ शिल्प

४११. अंक २०४क संपादकीय में हालमें प्रकाशित विशेषांक किनकापर निकलि चुकल कहल गेल अछि?

- (A) अरविन्द ठाकुर आ जगदीश चंद्र ठाकुर 'अनिल'
- (B) केवल रामसोगारथ यादव
- (C) केवल डॉ. शशिधर कुमार
- (D) केवल काशीनाथ सिंह

४१२. अंक २०४क संपादकीय आगूक विशेषांकक सम्भावित नाममें किनका सभक उल्लेख करैत अछि?

- (A) परमेश्वर कापड़ि, वीरेन्द्र मल्लिक आ कमला चौधरी
- (B) केवल संजय-सोनल
- (C) केवल ऋष्यशृङ्ग-विभाण्डक
- (D) केवल लिडिया डेविस

४१३. संपादकीय अनुसार जीवित साहित्यकारक विशेषांकक एक मापदंड की छल?

- (A) एकटा ६०-७० वा बेसी सालक आ दोसर ४०-५० सालक साहित्यकार
- (B) केवल बालकवि
- (C) केवल अनुवादक
- (D) केवल पत्रकार

४१४. अंक २०४ पद्य-भागमें प्रयास प्रेमीक योगदान कोन रूपमें अछि?

- (A) किछु कविता आ किछु गजल
- (B) एकटा अनुवाद-उपन्यास
- (C) केवल साक्षात्कार
- (D) केवल बाल-निबंध

४१५. अब्दुर रज्जाक अंक २०४क पद्य भागमें कोन विधासँ उपस्थित छथि?

- (A) कता आ गजल
- (B) केवल नाटक
- (C) केवल शोध-लेख
- (D) केवल यात्रा-वृत्तान्त

४१६. राम सोगारथ यादव अंक २०४ में कोन-कोन पद्य रूपमें आएल छथि?

- (A) कविता, गीत आ गजल
- (B) केवल उपन्यास
- (C) केवल साक्षात्कार
- (D) केवल रिपोर्ट

४१७. अंक २०४ मे दिनेश रसिया आ अशरफ राईन कोन विधामे सूचीबद्ध छथि?

- (A) गजल
- (B) उपन्यास
- (C) लघु नाटक
- (D) इतिहास

४१८. नारायण मधुशाला अंक २०४ पद्य-भागमे कोन रूपमे उपस्थित छथि?

- (A) गीत
- (B) समालोचना
- (C) संवाद-नाटक
- (D) अनुवाद-पुरस्कार

४१९. संतोष कुमार झाक अंक २०४क रचना कोन शिल्प-विषयसँ जुड़ल अछि?

- (A) सुजनी शिल्प
- (B) सिक्की शिल्प
- (C) मिट्टी कला
- (D) मूर्तिकला

४२०. ज्योति चौधरीक अंक २०४क रचना शीर्षक कोन अछि?

- (A) हम छी क्षोभित
- (B) सपना सपने अछि
- (C) अवाक
- (D) रेहन पर रघू

खण्ड ५६९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २०५ : विदेह सम्मान-सूची आ पद्य

४२१. अंक २०५क गद्य भाग मुख्यतः कोन सामग्रीसँ बनल अछि?

- (A) विदेह सम्मान १ सँ ४
- (B) रेहन पर रघू अनुवाद
- (C) मन्त्रद्रष्टा ऋष्यशृङ्ग
- (D) पंचैती नाटक

४२२. अंक २०५ पद्य भागमे जगदीश चन्द्र ठाकुर 'अनिल' कतेक गजलसँ उपस्थित छथि?

- (A) दूटा
- (B) एकटा
- (C) बारहटा
- (D) कोनो नहि

४२३. अंक २०५ मे आशीष अनचिन्हारक कतेक गजल सूचीबद्ध अछि?

- (A) २ टा
- (B) ५ टा
- (C) १ टा
- (D) १० टा

४२४. जगदानन्द झा 'मनु' अंक २०५ मे कोन रूपमे आएल छथि?

- (A) २ टा गजल
- (B) एकटा नाटक
- (C) बाल विज्ञान कथा
- (D) अनुवाद-संपादन

४२५. राजेश मोहनक अंक २०५क लेख केकर जन्मदिवससँ जुड़ल अछि?

- (A) यात्रीजी
- (B) ऋष्यशृङ्ग
- (C) रघुनाथ
- (D) सोनल

४२६. अंक २०५क बालानां कृते भागमे केकर सचित्र बाल कविता अछि?

- (A) डॉ. शशिधर कुमार
- (B) राजेश मोहन
- (C) जगदानन्द झा 'मनु'
- (D) विनीत उत्पल

४२७. विदेह समानान्तर साहित्य अकादेमी फेलो पुरस्कार २०१० मे के समग्र योगदान लेल सूचीबद्ध छथि?

- (A) श्री गोविन्द झा
- (B) श्री रमानन्द रेणु
- (C) आनन्द कुमार झा
- (D) रामलोचन ठाकुर

४२८. विदेह समानान्तर साहित्य अकादेमी फेलो पुरस्कार २०११ मे के समग्र योगदान लेल सूचीबद्ध छथि?

- (A) श्री रमानन्द रेणु
- (B) श्री गोविन्द झा
- (C) मायानाथ झा
- (D) ज्योति सुनीत चौधरी

४२९. २०११ मूल पुरस्कार कोन कृति लेल श्री जगदीश प्रसाद मण्डल केँ सूचीबद्ध अछि?

- (A) गामक जिनगी
- (B) तरेगन
- (C) अर्चिस
- (D) ययाति

४३०. २०११ बाल साहित्य पुरस्कारमे ले. क. मायानाथ झाक कोन कृति सूचीबद्ध अछि?

- (A) जकर नारी चतुर होइ
- (B) कलह
- (C) अम्बरा
- (D) मोहनदास

खण्ड ५७० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २०५ : विदेह भाषा सम्मानक श्रेणी आ कृति-सूत्र

४३१. २०११ युवा पुरस्कार कोन नाटक लेल आनन्द कुमार झाक नामसँ सूचीबद्ध अछि?

- (A) कलह
- (B) अर्चिस
- (C) ययाति
- (D) मोहनदास

४३२. २०१२ अनुवाद पुरस्कारमे रामलोचन ठाकुर कोन बांग्ला उपन्यासक मैथिली अनुवाद लेल सूचीबद्ध छथि?

- (A) पद्मानदीक माझी
- (B) मोहनदास
- (C) ययाति
- (D) अम्बरा

४३३. २०१२ फेलो पुरस्कारमे समग्र योगदान लेल के सूचीबद्ध छथि?

- (A) श्री राजनन्दन लाल दास
- (B) श्री गोविन्द झा
- (C) श्री रमानन्द रेणु
- (D) नरेश कुमार विकल

४३४. २०१२ बाल साहित्य पुरस्कारमे जगदीश प्रसाद मण्डलक कोन बाल प्रेरक विहनि कथा संग्रह सूचीबद्ध अछि?

- (A) तरेगन
- (B) गामक जिनगी
- (C) कलह
- (D) अम्बरा

४३५. २०१२ मूल पुरस्कारमे राजदेव मण्डलक कोन कविता-संग्रह सूचीबद्ध अछि?

- (A) अम्बरा
- (B) अर्चिस
- (C) ययाति
- (D) मोहनदास

४३६. २०१२ युवा पुरस्कारमे ज्योति सुनीत चौधरीक कोन कविता-संग्रह सूचीबद्ध अछि?

- (A) अर्चिस
- (B) तरेगन
- (C) गामक जिनगी
- (D) पद्मानदीक माझी

४३७. २०१३ अनुवाद पुरस्कारमे नरेश कुमार विकलक कोन अनुवाद-कृति सूचीबद्ध अछि?

- (A) ययाति
- (B) मोहनदास
- (C) अम्बरा
- (D) कलह

४३८. २०१४ अनुवाद पुरस्कारमे विनीत उत्पल कोन हिन्दी उपन्यासक मैथिली अनुवाद लेल सूचीबद्ध छथि?

- (A) मोहनदास
- (B) पद्मानदीक माझी
- (C) ययाति
- (D) तरेगन

४३९. अंक २०५क सम्मान-सूची मैथिली साहित्यक इतिहासलेखनमे कोन उपयोग राखैत अछि?

- (A) रचना, लेखक आ विधा-आधारित सम्मान-स्मृति एक ठाम राखैत अछि
- (B) केवल मौसम-विवरण दैत अछि
- (C) केवल खेल-तालिका बनबैत अछि
- (D) केवल पाक-विधि लिखैत अछि

४४०. अंक २०५क पद्य-सूची आ सम्मान-सूची मिलि कोन व्यापक रूप दैत अछि?

- (A) सम्मान, गजल, जनचेतना आ बाल-साहित्यक मिश्रित अंक
- (B) केवल एक उपन्यासक अंक
- (C) केवल विज्ञान-कथा अंक
- (D) केवल चित्रकला-सूची

खण्ड ५७१ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २०६ : बिहनि कथा आ कथा-सूची

४४१. अंक २०६ मे नीरज कर्णक दूटा बिहनि कथा कोन शीर्षकसँ सूचीबद्ध अछि?

- (A) नोर आ फादर्स डे
- (B) कोढ़िया आ चक्षु भोजन
- (C) सामंत आ सुरसा
- (D) अवाक आ ठूठ गाछ

४४२. अंक २०६ मे राजीव कर्णक बीहनि कथा कोन शीर्षकसँ देल गेल अछि?

- (A) जमाना
- (B) नफासी
- (C) बहिंगा
- (D) भोलानाथ बाबा

४४३. अंक २०६ मे मुन्ना जीक बीहनि कथा-युग्म कोन अछि?

- (A) झोल आ पटकनिया
- (B) नोर आ फादर्स डे
- (C) कन्हा भँट्टा आ कलंक
- (D) गुलेती दास आ जिगेसा

४४४. अंक २०६ मे घनश्याम घनेरो कोन बीहनि कथा सँ उपस्थित छथि?

- (A) नफासी
- (B) बहिंगा
- (C) जमाना
- (D) सामंत

४४५. अंक २०६क गद्य खण्डक मुख्य स्वरूप की अछि?

- (A) बिहनि/बीहनि कथा-केंद्रित खण्ड
- (B) एकटा पूरा उपन्यास मात्र
- (C) केवल नाटक-समीक्षा
- (D) केवल लोकगीत-अध्ययन

४४६. 'फादर्स डे' शीर्षक अंक २०६ मे कोन लेखकक कथा-युग्ममे आबैत अछि?

- (A) नीरज कर्ण
- (B) राजीव कर्ण
- (C) मुन्ना जी
- (D) घनश्याम घनेरो

४४७. 'पटकनिया' अंक २०६ मे कोन रचनाकारक कथा-सूचीसँ जुड़ल अछि?

- (A) मुन्ना जी
- (B) राजीव कर्ण
- (C) नीरज कर्ण
- (D) प्रयास प्रेमी मैथिल

४४८. अंक २०६क 'नोर' शीर्षक कोन विधामे सूचीबद्ध अछि?

- (A) बिहनि कथा
- (B) गजल
- (C) बाल कविता
- (D) समालोचना

४४९. अंक २०६ मे 'नफासी' कोन खण्डमे आएल अछि?

- (A) गद्य/बीहनि कथा खण्ड
- (B) बालानां कृते
- (C) सम्मान-सूची
- (D) लोकगीत-अध्ययन

४५०. अंक २०६क कथा-सूची मैथिली लघु-विधाक कोन पक्षकें देखबैत अछि?

- (A) अल्प आकारक बीहनि/बिहनि कथा-केंद्रित प्रयोग
- (B) दीर्घ महाकाव्य मात्र
- (C) चित्रकला-प्रदर्शनी मात्र
- (D) नाटक-प्रदर्शन रिपोर्ट मात्र

खण्ड ५७२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २०६ : पद्य, गजल आ बाल-पाठ

४५१. अंक २०६क पद्य खण्डमे जगदीश चन्द्र ठाकुर 'अनिल' कतेक गजलसँ उपस्थित छथि?

- (A) दूटा गजल
- (B) एकटा कथा
- (C) तीनटा नाटक
- (D) एकटा उपन्यास

४५२. अंक २०६ मे आशीष अनचिन्हारक योगदान कोन विधामे अछि?

- (A) गजल
- (B) दीर्घ कथा
- (C) लोकगीत-शोध
- (D) बाल-नाटक

४५३. जगदानन्द झा 'मनु' अंक २०६ मे कोन रूपमे सूचीबद्ध छथि?

- (A) गजल
- (B) सम्पादकीय
- (C) भोजन-विन्यास लेख
- (D) कथा-उपन्यास

४५४. प्रयास प्रेमी मैथिल अंक २०६ मे कोन विधा-युग्मसँ उपस्थित छथि?

- (A) किछु कविता आ गजल
- (B) केवल शोध-लेख
- (C) केवल यात्रा-वृत्तान्त
- (D) केवल बाल नाटक

४५५. अंक २०६क बालानां कृते भागमे राजेश मोहनक बाल कविता कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) भादवक अन्हरिया
- (B) मैट्रिकक तैय्यारी
- (C) भूकम्प
- (D) कृष्ण छठिहारक पद

४५६. अंक २०६क पद्य-सूचीमे गजल विधाक उपस्थिति कोना देखाइत अछि?

- (A) अनेक कविक गजल एकसंग सूचीबद्ध अछि
- (B) गजल पूर्णतः अनुपस्थित अछि
- (C) केवल नाटक अछि
- (D) केवल गद्य-साक्षात्कार अछि

४५७. 'भादवक अन्हरिया' कोन पाठक-वर्गक खण्डमे राखल गेल अछि?

- (A) बालानां कृते
- (B) सम्पादकीय
- (C) सम्मान-सूची
- (D) दीर्घ कथा

४५८. अंक २०६ मे पद्य खण्डक आरम्भ किनक गजलसँ होइत अछि?

- (A) जगदीश चन्द्र ठाकुर 'अनिल'
- (B) नीरज कर्ण
- (C) राजीव कर्ण
- (D) घनश्याम घनेरो

४५९. अंक २०६क रचना-संयोजनमे गद्य आ पद्यक संतुलन कोना बनल अछि?

- (A) गद्य मे कथा, पद्य मे गजल/कविता, अंत मे बाल कविता
- (B) केवल पुरस्कार-सूची
- (C) केवल वैज्ञानिक लेख
- (D) केवल चित्रकला

४६०. अंक २०६ मे 'नोर'सँ 'भादवक अन्हरिया' धरि सामग्रीक विस्तार की देखबैत अछि?

- (A) बिहनि कथा सँ बाल कविता धरि विधागत विस्तार
- (B) केवल एक लेखकक आत्मकथा
- (C) केवल भोजन-विन्यास
- (D) केवल ऐतिहासिक मानचित्र

खण्ड ५७३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २०७ : बिहनि कथा-सूत्र

४६१. अंक २०७ मे मलयनाथ मण्डनक बिहनि कथा कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) कोढ़िया
- (B) चक्षु भोजन
- (C) बहिंगा
- (D) जमाना

४६२. राजीव कर्ण अंक २०७ मे कोन बीहनि कथा लऽ कऽ आएल छथि?

- (A) चक्षु भोजन
- (B) कोढ़िया
- (C) बहिंगा
- (D) नफासी

४६३. अंक २०७ मे मुन्ना जीक बीहनि कथा कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) बहिंगा
- (B) झोल
- (C) पटकनिया
- (D) सामंत

४६४. घनश्याम घनेरो अंक २०७ मे कोन बीहनि कथा दैत छथि?

- (A) जमाना
- (B) नफासी
- (C) फादर्स डे
- (D) कोठा वाली

४६५. अंक २०७क गद्य खण्डक चारि प्रमुख शीर्षक कोन समूह बनबैत अछि?

- (A) कोढ़िया, चक्षु भोजन, बहिंगा, जमाना
- (B) सामंत, बौंस, कलंक, दुरकाल
- (C) गुलेती दास, जिगेसा, जल भंवर, फाटू हे धरती
- (D) नोर, फादर्स डे, झोल, पटकनिया

४६६. 'चक्षु भोजन' शीर्षक कोन लेखकसँ सम्बद्ध अछि?

- (A) राजीव कर्ण
- (B) मलयनाथ मण्डन
- (C) मुन्ना जी
- (D) घनश्याम घनेरो

४६७. 'बहिंगा' अंक २०७ मे कोन लघु-विधा रूपमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) बीहनि कथा
- (B) गजल
- (C) बाल कविता
- (D) लोक इतिहास

४६८. अंक २०७ मे 'जमाना' ककर रचना अछि?

- (A) घनश्याम घनेरो
- (B) राजीव कर्ण
- (C) मलयनाथ मण्डन
- (D) रवि भूषण पाठक

४६९. अंक २०७क कथा-सूचीमे कोन लेखक आ शीर्षक सही जोड़ी अछि?

- (A) मलयनाथ मण्डन — कोढ़िया
- (B) राजीव कर्ण — भादवक अन्हरिया
- (C) मुन्ना जी — नफासी
- (D) घनश्याम घनेरो — चक्षु भोजन

४७०. अंक २०७क गद्य-सूची अंक २०६सँ कोन समान विधागत रुझान देखबैत अछि?

- (A) बिहनि/बीहनि कथा पर केन्द्रितता
- (B) महाकाव्य मात्र
- (C) नाट्य-महोत्सव मात्र
- (D) व्याकरण-प्रबंध मात्र

खण्ड ५७४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २०७ : पद्य आ बाल कविता

४७१. अंक २०७क पद्य खण्डमे मनोज झा मुक्ति केर रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) प्रकृतिसँ अनुनय
- (B) भादवक अन्हरिया
- (C) कृष्ण छठिहारक पद
- (D) अवाक

४७२. अंक २०७ मे आशीष अनचिन्हार कतेक गजलसँ उपस्थित छथि?

- (A) २ टा गजल
- (B) ५ टा गजल
- (C) एकटा उपन्यास
- (D) किछु बाल कविता

४७३. संतोष कुमार झाक अंक २०७क रचना शीर्षक कोन अछि?

- (A) अथर्व
- (B) प्रकृतिसँ अनुनय
- (C) मुसहर डोम आ चमार
- (D) किछु बाल कविता

४७४. अब्दुर रज्जाक राइन अंक २०७ मे कोन शीर्षकसँ उपस्थित छथि?

- (A) मुसहर डोम आ चमार
- (B) कृष्ण छठिहारक पद
- (C) नोर
- (D) सामंत

४७५. अंक २०७क बालानां कृते भागमे रवि भूषण पाठक की दैत छथि?

- (A) किछु बाल कविता
- (B) दीर्घ उपन्यास
- (C) लोक इतिहास
- (D) सम्पादकीय नोट

४७६. अंक २०७क पद्य भागमे प्रकृति-विषयक संकेत कोन शीर्षकमे स्पष्ट अछि?

- (A) प्रकृतिसँ अनुनय
- (B) चक्षु भोजन
- (C) कोढ़िया
- (D) बहिंगा

४७७. अंक २०७ मे सामाजिक समुदाय-सूचक शीर्षक कोन अछि?

- (A) मुसहर डोम आ चमार
- (B) अथर्व
- (C) भादवक अन्हरिया
- (D) नफासी

४७८. अंक २०७क साहित्यिक संरचना कोना बनल अछि?

- (A) चारि कथा, चारि पद्य-प्रविष्टि, आ बाल कविता
- (B) केवल सम्मान-सूची
- (C) केवल साक्षात्कार
- (D) केवल यात्रा-वृत्तान्त

४७९. अंक २०७ मे 'अथर्व' कोन खण्डमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) पद्य
- (B) गद्य
- (C) पुरस्कार-सूची
- (D) भोजन-विन्यास

४८०. अंक २०७क बाल कविता खण्ड कोन लेखकक नामसँ जुड़ल अछि?

- (A) रवि भूषण पाठक
- (B) मलयनाथ मण्डन
- (C) राजीव कर्ण
- (D) घनश्याम घनेरो

खण्ड ५७५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २०८ : आलेख, लघुकथा आ लोक इतिहास

४८१. अंक २०८ मे आशीष अनचिन्हारक आलेख कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) संशोधन केर मतलब विनाश नै होइ छै
- (B) मैथिली लोकगीतमे भोजनक विन्यास
- (C) फाटू हे धरती
- (D) विहनि कथाक विश्व परिदृश्य

४८२. रवि भूषण पाठक अंक २०८ मे कोन लघु कथा देलनि?

- (A) फसाद आ आनंद
- (B) कोढ़िया
- (C) चक्षु भोजन
- (D) सामंत

४८३. डॉ. कैलाश कुमार मिश्र अंक २०८ मे सौराठक सोमनाथक तुलना कोन स्थलसँ करैत छथि?

- (A) सौराष्ट्रक सोमनाथ
- (B) सिंहेश्वर
- (C) जनकपुर
- (D) काठमाण्डू

४८४. 'सौराठक सोमनाथ आ सौराष्ट्रक सोमनाथमे समानता' लेख कोन दृष्टिकोणसँ सूचीबद्ध अछि?

- (A) लोक इतिहासक परिप्रेक्ष्य
- (B) बाल विज्ञान कथा
- (C) गजल व्याकरण
- (D) नाट्य अभिनय

४८५. अंक २०८ मे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक दीर्घ कथा कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) परिस्थिति लेखिका
- (B) जल भँवर
- (C) बिसवासघात
- (D) रेहन पर रघू

४८६. राजेश वर्मा 'भवादित्य' अंक २०८ मे कोन विधासँ सूचीबद्ध छथि?

- (A) बीहनि कथा
- (B) महाकाव्य
- (C) संगीत-नाटक
- (D) अनुवाद पुरस्कार

४८७. अंक २०८क गद्य खण्डमे कोन संयोजन अछि?

- (A) भाषिक संशोधन, लघुकथा, लोक इतिहास, दीर्घ कथा आ बीहनि कथा
- (B) केवल बाल कविता
- (C) केवल सम्मान-सूची
- (D) केवल खाद्य-सूची

४८८. 'संशोधन केर मतलब विनाश नै होइ छै' शीर्षक कोन बहसक संकेत दैत अछि?

- (A) भाषा/पाठ-संशोधनक रचनात्मक अर्थ
- (B) मौसम-रिपोर्ट
- (C) भोजनक थारी
- (D) चित्रकला बिक्री

४८९. अंक २०८ मे 'फसाद आ आनंद' कोन खण्डमे अछि?

- (A) गद्य—लघु कथा
- (B) पद्य—गजल
- (C) बालानां कृते
- (D) सम्मान-परिशिष्ट

४९०. अंक २०८क लोक-इतिहास आलेख मिथिला आ भारतक कोन दू सांस्कृतिक स्थलकेँ जोड़ैत अछि?

- (A) सौराठ आ सौराष्ट्र
- (B) दरभंगा आ दिल्ली
- (C) कटिहार आ कतार
- (D) नेपाल आ नोम्वेह

खण्ड ५७६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २०८ : पद्य, दहेज-विमर्श आ बाल गजल

४९१. अंक २०८क पद्य खण्डमे रवि भूषण पाठकक कतेक कविता सूचीबद्ध अछि?

- (A) ९ टा कविता
- (B) २ टा गजल
- (C) एकटा दीर्घ कथा
- (D) चारि लघुकथा

४९२. रौशन कुमार झा 'गोविन्द' अंक २०८ मे कोन शीर्षकसँ उपस्थित छथि?

- (A) कसैया दहेज
- (B) प्रकृतिसँ अनुनय
- (C) भादवक अन्हरिया
- (D) सामंत

४९३. अंक २०८ मे आशीष अनचिन्हार कतेक गजलसँ पद्य-भागमे छथि?

- (A) २ टा गजल
- (B) ९ टा कविता
- (C) ५ टा गजल
- (D) किछु बाल कविता

४९४. रामसोगारथ यादव अंक २०८ मे कतेक कविता दैत छथि?

- (A) ३ टा कविता
- (B) ९ टा कविता
- (C) दूटा गजल
- (D) एकटा नाटक

४९५. जगदीश चन्द्र ठाकुर 'अनिल' अंक २०८ मे कतेक गजलसँ उपस्थित छथि?

- (A) २ टा गजल
- (B) ५ टा गजल
- (C) एकटा बीहनि कथा
- (D) किछु बाल कविता

४९६. अंक २०८क बालानां कृते खण्डमे आशीष अनचिन्हारक कोन बाल-विधा अछि?

- (A) बाल गजल
- (B) बाल नाटक
- (C) बाल उपन्यास
- (D) चित्र कथा

४९७. 'कसैया दहेज' शीर्षक कोन सामाजिक विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) दहेजक कठोर/क्रूर रूप
- (B) बाल खेल
- (C) मौसमक वर्णन
- (D) भोजनक विन्यास

४९८. अंक २०८क पद्य-भागमे कविता आ गजल दुनू कोना उपस्थित अछि?

- (A) रवि भूषण/रामसोगारथक कविता आ आशीष/अनिलक गजल
- (B) केवल गद्य लेख
- (C) केवल पुरस्कृत सूची
- (D) केवल लोक इतिहास

४९९. अंक २०८ मे बाल गजल कोन लेखकसँ सम्बद्ध अछि?

- (A) आशीष अनचिन्हार
- (B) रौशन कुमार झा 'गोविन्द'
- (C) रामसोगारथ यादव
- (D) डॉ. कैलाश कुमार मिश्र

५००. अंक २०८क साहित्यिक रचना-सूचीमे दहेज-विरोधी स्वर कोन शीर्षकमे सर्वाधिक स्पष्ट अछि?

- (A) कसैया दहेज
- (B) परिस्थिति लेखिका
- (C) सौराठक सोमनाथ
- (D) भादवक अन्हरिया

खण्ड ५७७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २०९ : कविता-टिप्पणी आ गद्य-विस्तार

५०१. अंक २०९क गद्य सूचीमे कामिनीजीक कतेक कविता आ ओइपर टिप्पणी देल गेल अछि?

- (A) पाँच टा कविता आ मधुकान्त जीक टिप्पणी
- (B) दूटा गजल आ एकटा बाल कथा
- (C) चारि लघुकथा मात्र
- (D) एकटा उपन्यास मात्र

५०२. कामिनीजीक कविता पर टिप्पणी करबाक लेल के आमंत्रित छलाह?

- (A) मधुकान्त झा
- (B) राजदेव मण्डल
- (C) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (D) डॉ. कैलाश कुमार मिश्र

५०३. जगदीश प्रसाद मण्डल अंक २०९ मे कतेक लघु कथा देलनि?

- (A) २ टा लघु कथा
- (B) ५ टा कविता
- (C) ९ टा कविता
- (D) एकटा दीर्घ कथा

५०४. जगदीश प्रसाद मण्डलक अंक २०९क दू लघुकथा कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) गुलेती दास आ जिगेसा
- (B) सामंत आ सुरसा
- (C) कोठा वाली आ बॉस
- (D) कोढ़िया आ चक्षु भोजन

५०५. अंक २०९ मे राजदेव मण्डल कोन दीर्घ रचनासँ उपस्थित छथि?

- (A) जल भंवर (उपन्यास)
- (B) कसैया दहेज
- (C) भादवक अन्हरिया
- (D) फादर्स डे

५०६. डॉ. कैलाश कुमार मिश्र अंक २०९ मे सीता-वेदना विषयक कोन लेख दैत छथि?

- (A) फाटू हे धरती : सीता दाई केर वेदना
- (B) मैथिली लोकगीतमे भोजनक विन्यास
- (C) विहनि कथाक विश्व परिदृश्य
- (D) मोटिवेशन ३.०

५०७. अंक २०९ मे जगदानन्द झा 'मनु' गद्य भागमे कोन विधासँ छथि?

- (A) दूटा बीहनि कथा
- (B) दीर्घ उपन्यास
- (C) भोजन-विन्यास
- (D) लोक इतिहास

५०८. अंक २०९क संपादकीय प्रोजेक्टक मुख्य शर्त की बतबैत अछि?

- (A) रचना आ टिप्पणी दूनू आवश्यक
- (B) केवल विज्ञापन आवश्यक
- (C) केवल पुरस्कार-सूची आवश्यक
- (D) केवल चित्र चाही

५०९. अंक २०९ मे कामिनीजीक सामग्री कोन नव प्रोजेक्टसँ जुड़ल अछि?

- (A) रचनाकर्मिकें रचना आ टिप्पणी सहित प्रस्तुत करबाक प्रोजेक्ट
- (B) बाल खेल प्रतियोगिता
- (C) मिथिला पेंटिंग नीलामी
- (D) संगीत परीक्षा

५१०. अंक २०९क गद्य-सूचीमे कविता-टिप्पणी, लघुकथा, उपन्यास आ सीता-वेदना—ई सभ मिलि कोन रूप बनबैत अछि?

- (A) बहुविध गद्य/समालोचनात्मक अंक
- (B) केवल बाल कविता अंक
- (C) केवल सम्मान-सूची अंक
- (D) केवल नाटक अंक

खण्ड ५७८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २०९ : पद्य, गजल आ बाल-पाठ

५११. अंक २०९क पद्य भागमे जगदानन्द झा 'मनु' कतेक गजलसँ उपस्थित छथि?

- (A) २ टा गजल
- (B) ३ टा गजल
- (C) ५ टा गजल
- (D) एकटा बाल कथा

५१२. अंक २०९ मे आशीष अनचिन्हारक पद्य योगदान कोन रूपमे अछि?

- (A) एकटा गजल
- (B) तीनटा कविता
- (C) एकटा उपन्यास
- (D) लोक इतिहास

५१३. बाबा बैद्यनाथ अंक २०९ मे कोन विधासँ सूचीबद्ध छथि?

- (A) आजाद गजल
- (B) लघुकथा
- (C) लोकगीत अध्ययन
- (D) बाल नाटक

५१४. जगदीश प्रसाद मण्डल अंक २०९ मे पद्य खण्डमे कोन रूपमे छथि?

- (A) किछु कविता
- (B) दूटा बीहनि कथा
- (C) भोजन-विन्यास लेख
- (D) एकटा नाटक

५१५. जगदीश चन्द्र ठाकुर 'अनिल' अंक २०९ मे कतेक गजल दैत छथि?

- (A) ३ टा गजल
- (B) २ टा गजल
- (C) ५ टा गजल
- (D) एकटा लघुकथा

५१६. अंक २०९क बालानां कृते भागमे बाबा बैद्यनाथक रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) बाबा-पोताक सिनेह
- (B) भादवक अन्हरिया
- (C) किछु बाल कविता
- (D) मैथिली वर्णमाला

५१७. अंक २०९ मे 'आजाद गजल' कोन रचनाकारसँ सम्बद्ध अछि?

- (A) बाबा बैद्यनाथ
- (B) जगदानन्द झा 'मनु'
- (C) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (D) राजदेव मण्डल

५१८. अंक २०९क पद्य-सूचीमे गजल-विविधता कोना देखाइत अछि?

- (A) मनु, आशीष, बाबा बैद्यनाथ आ अनिल—अनेक गजलकार उपस्थित
- (B) गजल कतहु नहि
- (C) केवल बाल कथा अछि
- (D) केवल लोक इतिहास अछि

५१९. अंक २०९ मे बाल-पाठक सामग्री कोन सम्बन्ध-भावपर केन्द्रित शीर्षक लैत अछि?

- (A) बाबा-पोताक सिनेह
- (B) फाटू हे धरती
- (C) जल भंवर
- (D) गुलेती दास

५२०. अंक २०९क पद्य भाग गद्य भागसँ कोना अलग अछि?

- (A) एतय गजल आ कविता प्रधान अछि
- (B) एतय केवल उपन्यास अछि
- (C) एतय केवल सम्मान-सूची अछि
- (D) एतय केवल भोजनक लेख अछि

खण्ड ५७९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २१० : लोकगीत, भोजन आ लघुकथा

५२१. अंक २१० मे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक लेख कोन विषयपर अछि?

- (A) मैथिली लोकगीतमे भोजनक विन्यास
- (B) सौराठक सोमनाथ आ सौराष्ट्रक सोमनाथ
- (C) विहनि कथाक विश्व परिदृश्य
- (D) संशोधन केर मतलब विनाश नै होइ छै

५२२. जगदीश प्रसाद मण्डल अंक २१० मे कतेक लघुकथा देलनि?

- (A) ४ टा लघुकथा
- (B) २ टा गजल
- (C) एकटा उपन्यास
- (D) ९ टा कविता

५२३. जगदीश प्रसाद मण्डलक अंक २१०क लघुकथा-समूहमे कोन शीर्षक अछि?

- (A) कन्हा भँट्टा
- (B) चक्षु भोजन
- (C) बहिँगा
- (D) फसाद आ आनंद

५२४. अंक २१० मे 'भोलानाथ बाबा' कोन लेखकक लघुकथा-समूहसँ जुड़ल अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (B) ओम प्रकाश
- (C) मुन्नाजी
- (D) राजेश मोहन

५२५. अंक २१० मे 'दुरकाल' आ 'कलंक' कोन खण्डक शीर्षक अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा
- (B) ओम प्रकाशक बीहनि कथा
- (C) बाल कविता
- (D) गजल

५२६. अंक २१०क 'मैथिली लोकगीतमे भोजनक विन्यास' लेख मैथिली लोकसंस्कृतिक कोन आयामकेँ जोड़ैत अछि?

- (A) गीत आ भोजन-संस्कार
- (B) नाटक आ अभिनय
- (C) चित्रकला आ रंग
- (D) पुरस्कार-सूची

५२७. अंक २१०क गद्य भागमे कोन शीर्षक भोजन-संस्कृतिक अध्ययनक रूपमे अछि?

- (A) मैथिली लोकगीतमे भोजनक विन्यास
- (B) कोठा वाली
- (C) बाँस
- (D) जस जस सुरसा बदनु बढ़ाबा

५२८. अंक २१० मे 'कलंक' शीर्षक कोन विधा-समूहमे अछि?

- (A) लघुकथा
- (B) गजल
- (C) बाल कविता
- (D) लोकगीत लेख

५२९. अंक २१०क गद्य सूचीमे कथा-रचना कोन प्रकारें व्यवस्थित अछि?

- (A) लेखक-वार लघुकथा/बीहनि कथा समूह
- (B) केवल वर्णमाला पाठ
- (C) केवल सम्मान-सूची
- (D) केवल गीत-संग्रह

५३०. अंक २१० मे गद्य खण्डक आरम्भ कोन विषयक आलेखसँ होइत अछि?

- (A) लोकगीतमे भोजनक विन्यास
- (B) भादवक अन्हरिया
- (C) आजाद गजल
- (D) बालानां कृते

खण्ड ५८० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २१० : बीहनि कथा, पद्य आ बाल कविता

५३१. ओम प्रकाश अंक २१० मे कोन दू बीहनि कथा दैत छथि?

- (A) सामंत आ जस जस सुरसा बदन बड़ाबा
- (B) कोठा वाली आ बॉस
- (C) कन्हा भँटा आ दुरकाल
- (D) नोर आ फादर्स डे

५३२. मुन्नाजी अंक २१० मे कोन दू बीहनिकथा दैत छथि?

- (A) कोठा वाली आ बॉस
- (B) सामंत आ सुरसा
- (C) गुलेती दास आ जिगेसा
- (D) कोढ़िया आ बहिंगा

५३३. अंक २१० मे आशीष अनचिन्हारक पद्य योगदान कोन रूपमे अछि?

- (A) २ टा गजल
- (B) ५ टा गजल
- (C) किछु बाल कविता
- (D) लोकगीत-अध्ययन

५३४. राजेश मोहन अंक २१० मे कोन पद्य शीर्षकसँ उपस्थित छथि?

- (A) कृष्ण छठिहारक पद
- (B) भादवक अन्हरिया
- (C) मुसहर डोम आ चमार
- (D) प्रकृतिसँ अनुनय

५३५. अब्दुर रज्जाक अंक २१० मे कोन विधामे सूचीबद्ध छथि?

- (A) गजल
- (B) लघुकथा
- (C) लोकगीत लेख
- (D) बाल विज्ञान कथा

५३६. जगदीश चन्द्र ठाकुर 'अनिल' अंक २१० मे कतेक गजल दैत छथि?

- (A) ५ टा गजल
- (B) २ टा गजल
- (C) ३ टा गजल
- (D) एकटा कथा

५३७. अंक २१०क बालानां कृते भागमे डॉ. शशिधर कुमारक योगदान कोन रूपमे अछि?

- (A) किछु बाल कविता
- (B) एकटा उपन्यास
- (C) सम्मान-सूची
- (D) सौराठक इतिहास

५३८. 'जस जस सुरसा बदन बढाबा' शीर्षक कोन लेखकक बीहनि कथा-सूचीमे अछि?

- (A) ओम प्रकाश
- (B) मुन्नाजी
- (C) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (D) राजेश मोहन

५३९. 'कोठा वाली' आ 'बॉस' अंक २१० मे कोन खण्डसँ सम्बद्ध अछि?

- (A) मुन्नाजीक बीहनिकथा
- (B) राजेश मोहनक पद
- (C) आशीषक गजल
- (D) डॉ. मिश्रक लेख

५४०. अंक २१०क पद्य आ बाल खण्ड मिलि कोन रूप बनबैत अछि?

- (A) गजल, पद, आ बाल कविता सहित बहुस्तरीय पद्य-संसार
- (B) केवल भोजनक लेख
- (C) केवल चारि लघुकथा
- (D) केवल विशेषांक-सूची

खण्ड ५८१ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २११ : लोकगीतमे कौआ आ विशेषांक योजना

५४१. अंक २११क गद्य-सूचीमे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक लेख कोन विषयपर अछि?

- (A) मैथिली लोकगीतमे कौआ सम्बाहक
- (B) सुग्गा आ श्रृंगार
- (C) छागरक बलिप्रदान
- (D) मैथिली संस्कृति केर अवयव

५४२. "कौआ सम्बाहक" शीर्षकमे कौआक भूमिका मुख्य रूपेँ कोन रूपमे संकेतित अछि?

- (A) संदेश पहुँचेनिहार लोक-पक्षी
- (B) खेतीक औजार
- (C) राजनीतिक पदाधिकारी
- (D) ग्राम-देवता मात्र

५४३. अंक २११क संपादकीयमे आगू किन साहित्यकार सभपर विशेषांकक योजना कहल गेल?

- (A) परमेश्वर कापड़ि, वीरेन्द्र मल्लिक आ कमला चौधरी
- (B) केवल एकटा फिल्मी गायक
- (C) सामा-चकेबा कलाकार मात्र
- (D) बाल कविता लेखक मात्र

५४४. अंक २११मे विशेषांक चयनक आधारक रूपमे कोन बात स्पष्ट भेल?

- (A) पाठकक सुझाव माँगल गेल छल
- (B) केवल सरकारी आदेश आयल छल
- (C) चित्रकला प्रतियोगिता भेल छल
- (D) पुरस्कार-सूची मात्र छपल छल

५४५. अंक २११क गद्य-सूचीमे सत्य नारायण झाक रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) प्रजातंत्र एकटा मजाक
- (B) कुमार साहेब
- (C) मुड़ियाएल घर
- (D) नव-आशा

५४६. “प्रजातंत्र एकटा मजाक” शीर्षक कोन प्रकारक स्वरक संकेत दैत अछि?

- (A) राजनीतिक-व्यंग्यात्मक स्वर
- (B) बाल-लोरीक स्वर
- (C) केवल भक्ति-गीत
- (D) वनस्पति-विज्ञानक स्वर

५४७. अंक २११मे उमेश मण्डलक ऐतिहासिक सामग्री कोन शीर्षकसँ देल गेल?

- (A) सगर राति दीप जरय
- (B) सेल्फी
- (C) ठूठ गाछ
- (D) गुलेती दास

५४८. अंक २११मे उमेश मण्डल आ पुनम मण्डलक संयुक्त सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) समाद — सगर राति दीप जरय
- (B) बाल कविता — अलर-बलर
- (C) गजल — आजाद
- (D) नाटक — कलह

५४९. अंक २११मे “सगर राति दीप जरय” केना दू रूपमे उपस्थित अछि?

- (A) इतिहास आ समाद दुनू रूपमे
- (B) केवल बाल कविता रूपमे
- (C) केवल उपन्यास रूपमे
- (D) केवल गीत-समीक्षा रूपमे

५५०. अंक २११क गद्य भागक समग्र स्वर कोन दिसि झुकल अछि?

- (A) लोकगीत, राजनीति, इतिहास आ समादक मिश्रण
- (B) केवल पाक-व्यंजन
- (C) केवल गणित-पाठ
- (D) केवल शब्दकोश

खण्ड ५८२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २११ : पद्य, अनुवाद आ बाल कविता

५५१. अंक २११क पद्य-भागमे आशीष अनचिन्हारक सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) २ टा गजल
- (B) उपन्यासक तेसर संस्करण
- (C) केवल आलेख
- (D) लोकगीतक शोध-लेख

५५२. अंक २११मे वीरू सोनकरक हिंदी कविता सभ कोन रूपमे प्रस्तुत अछि?

- (A) मैथिली अनुवाद रूपमे
- (B) संस्कृत नाटक रूपमे
- (C) अंग्रेजी समाचार रूपमे
- (D) केवल फोटो-कैप्शन रूपमे

५५३. वीरू सोनकरक कविताक अनुवादक रूपमे अंक २११मे किनक नाम आएल अछि?

- (A) आशीष अनचिन्हार
- (B) प्रणव कुमार झा
- (C) सत्य नारायण झा
- (D) कैलाश कुमार मिश्र

५५४. अंक २११मे बाबा बैद्यनाथक रचना कोन पद्य-प्रकारमे अछि?

- (A) आजाद गजल
- (B) लघुकथा
- (C) लोक-संस्कृति आलेख
- (D) संस्मरण

५५५. अंक २११मे जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिलक पद्य सामग्री कोन अछि?

- (A) गजल
- (B) उपन्यास
- (C) नाटक
- (D) शोध-प्रबंध

५५६. अंक २११क बालानां कृते खण्डमे प्रणव कुमार झाक रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) अलर-बलर
- (B) ऊद या ऊदबिलाड़ि
- (C) इस्कूल जाइत छी हम
- (D) आजाद बाल गजल

५५७. “अलर-बलर” केना वर्गीकृत अछि?

- (A) बालानां कृतेक सामग्री
- (B) राजनीतिक संपादकीय
- (C) उपन्यास-समीक्षा
- (D) संगीत एलबम समीक्षा

५५८. अंक २११क पद्य-भागक खास विशेषता की अछि?

- (A) मूल गजल, अनुवादित कविता आ बाल कविताक संगम
- (B) केवल कानून-सूची
- (C) केवल वंशावली
- (D) केवल चित्र-सूची

५५९. अंक २११मे हिंदीसँ मैथिली रूपांतरण कोन सामग्रीसँ जुड़ल अछि?

- (A) तीन टा कविता
- (B) एकटा उपन्यास
- (C) ग्राम-इतिहास
- (D) बाल-नाटक

५६०. अंक २११क कविता-संसारमे अनुवादक उपस्थिति कोन संकेत दैत अछि?

- (A) भाषा-पार काव्य-संवाद
- (B) केवल सरकारी सूचना
- (C) केवल खेल-कूद
- (D) केवल विज्ञापन

खण्ड ५८३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २१२ : सुग्गा, मुड़ियाएल घर आ बाबा लालदास

५६१. अंक २१२क गद्य-सूचीमे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक लेख कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) सुग्गा आ श्रृंगार : मैथिली लोकगीतक परिदृश्य मे
- (B) मैथिली लोकगीतमे कौआ सम्बाहक
- (C) छागरक बलिप्रदानपर चिन्तन
- (D) मैथिली संस्कृति केर अवयव

५६२. “सुग्गा आ श्रृंगार” लेख लोकगीतक कोन पक्षकेँ प्रमुख बनबैत अछि?

- (A) श्रृंगारिक-सांस्कृतिक प्रतीक
- (B) केवल युद्धक कथा
- (C) केवल बाजारक दर
- (D) केवल ज्योतिष

५६३. अंक २१२मे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघु कथा कोन अछि?

- (A) मुड़ियाएल घर
- (B) कुमार साहेब
- (C) नव-आशा
- (D) रेहन पर रघू

५६४. “मुड़ियाएल घर” कोन विधामे सूचित अछि?

- (A) लघु कथा
- (B) बाल गजल
- (C) संगीत-समीक्षा
- (D) उपन्यास

५६५. अंक २१२मे चन्दना दत्तक आलेख कोन विषयपर अछि?

- (A) बाबा लालदास
- (B) कौआ सम्बाहक
- (C) कुमार साहेब
- (D) सामा-चकेबा

५६६. अंक २१२मे अंकुरक सामग्री कोन लेखक/संग्रहसँ जुड़ल अछि?

- (A) राम विलास साहुक लघु कथा संग्रह
- (B) बाबा बैद्यनाथक गजल
- (C) भरथरी-गोपीचंद परम्परा
- (D) लोकगीतमे भोजन

५६७. अंक २१२क संपादकीयमे विदेहक दसम बर्षमे प्रवेश कोन अवसरक रूपमे कहल गेल?

- (A) गीत-संगीतक एलबम-समीक्षा प्रकाशित करबाक निर्णय
- (B) केवल चित्रकला प्रतियोगिता
- (C) केवल शब्दकोश प्रकाशन
- (D) केवल यात्रा-वर्णन

५६८. अंक २१२मे संगीत-समीक्षासँ जुड़ल आग्रहमे कोन पक्ष सभक चर्चा चाहल गेल?

- (A) भाव, तकनीक, शब्द-चयन, संपादन आ विपणन पक्ष
- (B) केवल जन्मतिथि
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) केवल फोटो आकार

५६९. अंक २१२क गद्य-भागक मुख्य संरचना कोन अछि?

- (A) लोकगीत-आलेख, लघुकथा, व्यक्तित्व-आलेख आ कथा-संग्रह-परिचय
- (B) केवल बाल खेल
- (C) केवल वित्तीय तालिका
- (D) केवल पंजी-नामावली

५७०. अंक २१२मे श्रद्धांजलि-स्वर कोन प्रसंगसँ जुड़ल अछि?

- (A) चन्द्रभानु सिंहक निधन
- (B) सामा-चकेबाक आरम्भ
- (C) गीत-एलबमक विमोचन मात्र
- (D) कौआ सम्बाहक लेख

खण्ड ५८४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २१२ : पद्य, समय आ ऊदबिलाड़ि

५७१. अंक २१२मे आशीष अनचिन्हारक पद्य सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) २ टा गजल
- (B) सुग्गा-लेख
- (C) लघुकथा-संग्रह
- (D) बाल उपन्यास

५७२. अंक २१२मे ओम प्रकाशक रचना कोन विधामे अछि?

- (A) गजल
- (B) लघुकथा
- (C) आलेख
- (D) बाल कथा

५७३. अंक २१२मे बाबा बैद्यनाथक रचना केना चिन्हित अछि?

- (A) आजाद गजल
- (B) समय कविता
- (C) बाबा लालदास आलेख
- (D) ऊदबिलाड़ि कथा

५७४. अंक २१२मे जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिलक पद्य सामग्री कोन अछि?

- (A) गजल
- (B) लघु कथा
- (C) संगीत समीक्षा
- (D) लोकगीत आलेख

५७५. अंक २१२मे पल्लवी मण्डलक रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) समय
- (B) अलर-बलर
- (C) मुड़ियाएल घर
- (D) प्रजातंत्र एकटा मजाक

५७६. अंक २१२क बालानां कृतेमे डॉ. शशिधर कुमारक बाल कविता कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) ऊद या ऊदबिलाड़ि
- (B) अलर-बलर
- (C) इस्कूल
- (D) चिता

५७७. “ऊद या ऊदबिलाड़ि” शीर्षक बाल कविता कोन प्रकृतिकेँ बाल-पाठमे अनैत अछि?

- (A) जनावर/प्रकृति जगत
- (B) केवल राजनीति
- (C) केवल संगीत समीक्षा
- (D) केवल पुरस्कार-सूची

५७८. अंक २१२क पद्य-भागमे गजलकार सभक उपस्थिति कोन बात देखबैत अछि?

- (A) गजल विधाक निरंतरता
- (B) केवल लोक-नाटक
- (C) केवल विज्ञानक प्रयोगशाला
- (D) केवल व्याकरण तालिका

५७९. पल्लवी मण्डलक “समय” कोन खण्डमे आबैत अछि?

- (A) पद्य खण्ड
- (B) संपादकीय संदेश
- (C) गद्यक लोकगीत-लेख
- (D) पुरान अंक डाउनलोड सूचना

५८०. अंक २१२क अंतिम रचनात्मक संतुलन कोन प्रकारक अछि?

- (A) गद्य, गजल, कविता आ बाल कविताक संतुलन
- (B) केवल एकटा सरकारी सूचना
- (C) केवल वंश-तालिका
- (D) केवल चित्र-प्रदर्शनी

खण्ड ५८५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २१३ : छागरक बलि, नव-आशा आ युक्ति-शक्ति

५८१. अंक २१३क गद्य-सूचीमे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक लेख कोन विषयपर अछि?

- (A) छागरक बलिप्रदानपर चिन्तन : परम्परामे परिवर्तनक औचित्य
- (B) सुग्गा आ श्रृंगार
- (C) मैथिली लोकगीतमे कौआ सम्बाहक
- (D) मैथिली लोकगीतमे भोजन

५८२. “छागरक बलिप्रदानपर चिन्तन” कोन प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) परम्परामे परिवर्तनक औचित्य
- (B) बाल खेलक नियम
- (C) गीत एलबमक विपणन मात्र
- (D) ग्रामक भूगोल मात्र

५८३. अंक २१३मे प्रणव कुमार झाक लघु कथा कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) नव-आशा
- (B) मुड़ियाएल घर
- (C) कुमार साहेब
- (D) झोल

५८४. “नव-आशा” शीर्षक कोन भावक संकेत दैत अछि?

- (A) नव उम्मीद
- (B) केवल पराजय
- (C) केवल दंड
- (D) केवल भूगोल

५८५. अंक २१३मे मनोज कुमार मंडलक “किछु बीहनि कथा” कोन विधाकेँ प्रतिनिधित्व करैत अछि?

- (A) अति लघु/बीहनि कथा
- (B) दीर्घ महाकाव्य
- (C) संगीत-आलोचना
- (D) चित्र-एल्बम

५८६. अंक २१३मे मनोज कुमार मंडलक “युक्ति शक्ति” कोन रूपमे सूचित अछि?

- (A) लघु कथा
- (B) लोकगीत-शोध
- (C) बाल गजल
- (D) संपादकीय संदेश

५८७. अंक २१३क गद्य भागमे परम्परा, आशा आ युक्तिक संग कोन विधात्मक विस्तार अछि?

- (A) लेख, लघुकथा आ बीहनि कथा
- (B) केवल दोहा
- (C) केवल यात्रा-वृत्तांत
- (D) केवल सम्मान-सूची

५८८. अंक २१३मे परम्परागत बलि-विषयक लेख आ लघुकथाक संगति कोन संकेत दैत अछि?

- (A) सामाजिक विचार आ रचनात्मक कथा साथ-साथ चलैत अछि
- (B) केवल खेल समाचार
- (C) केवल वाणिज्य
- (D) केवल गणना

५८९. “युक्ति शक्ति” शीर्षकमे कोन मानसिक गुणक प्रमुखता अछि?

- (A) तर्क आ उपाय
- (B) केवल शारीरिक बल
- (C) केवल भोजन
- (D) केवल निद्रा

५९०. अंक २१३क गद्य-सूची कोन प्रकारक मैथिली गद्य-विकास देखबैत अछि?

- (A) चिन्तनात्मक लेखसँ लघुकथा धरि
- (B) केवल बाल कविता
- (C) केवल गीत-संग्रह
- (D) केवल विज्ञापन

खण्ड ५८६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २१३ : गजल, कविता आ बाल कविता

५९१. अंक २१३क पद्य-भागमे आशीष अनचिन्हारक रचना कोन रूपमे अछि?

- (A) ३ टा गजल
- (B) ३ टा बाल कथा
- (C) छागरक बलि लेख
- (D) नव-आशा लघु कथा

५९२. अंक २१३मे ओम प्रकाशक पद्य-विधा कोन अछि?

- (A) गजल
- (B) बाल कविता
- (C) लोकगीत लेख
- (D) लघु कथा

५९३. अंक २१३मे मनोज कुमार मंडलक पद्य सामग्री कोन-कोन रूपमे अछि?
- (A) किछु गजल आ किछु कविता
(B) केवल लोक-लेख
(C) केवल उपन्यास
(D) केवल समीक्षा
५९४. अंक २१३क बालानां कृते खण्डमे मनोज कुमार मंडलक योगदान कोन अछि?
- (A) ३ टा बाल कविता
(B) सुग्गा-आलेख
(C) कुमार साहेब कथा
(D) गामक जिनगी
५९५. अंक २१३मे एके लेखक मनोज कुमार मंडल किन-किन खण्डमे देखाइत छथि?
- (A) गद्य, पद्य आ बाल खण्ड
(B) केवल संपादकीय
(C) केवल डाउनलोड सूचना
(D) केवल संगीत समीक्षा
५९६. अंक २१३क पद्य संसारमे गजल विधा केना मजबूत होइत अछि?
- (A) तीन अलग-अलग नामसँ गजल सामग्री आबैत अछि
(B) गजल पूर्णतः अनुपस्थित अछि
(C) केवल बाल कथा अछि
(D) केवल लोकगीत-लेख अछि
५९७. “किछु कविता” शीर्षक कोन प्रकारक संग्रहात्मक प्रस्तुति सूचित करैत अछि?
- (A) एकाधिक कविताक समूह
(B) एकटा मात्र उपन्यास
(C) केवल लेख-सूची
(D) केवल पुरस्कार
५९८. अंक २१३क बाल कविता खण्ड कोन लेखकसँ सम्बद्ध अछि?
- (A) मनोज कुमार मंडल
(B) सत्य नारायण झा
(C) चन्दना दत्त
(D) कैलाश कुमार मिश्र
५९९. अंक २१३क रचनात्मक क्रममे गद्यसँ बाल साहित्य धरि कोन बात देखाइत अछि?
- (A) एक अंकमे विविध पाठक-वर्गक सामग्री
(B) केवल वयस्क राजनीति
(C) केवल वाणिज्य
(D) केवल चित्रकथा
६००. अंक २१३क पद्य-भागक मूल पहचान की अछि?
- (A) गजल आ कविताक बहुल उपस्थिति
(B) फोटो-कैप्शनक बहुलता
(C) वैज्ञानिक तालिकाक बहुलता
(D) कानूनी दस्तावेज मात्र

खण्ड ५८७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २१४ : संस्कृति, कुमार साहेब आ बीहनि कथा

६०१. अंक २१४क गद्य-सूचीमे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक लेख कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) मैथिली संस्कृति केर अवयव
- (B) छागरक बलिप्रदानपर चिन्तन
- (C) सुग्गा आ श्रृंगार
- (D) कौआ सम्बाहक

६०२. “मैथिली संस्कृति केर अवयव” शीर्षक कोन दिशाक अध्ययन सूचित करैत अछि?

- (A) सांस्कृतिक घटक/तत्त्व
- (B) केवल लघुकथा पात्र
- (C) केवल गीत-एलबम
- (D) केवल बाल पहेली

६०३. अंक २१४मे सत्य नारायण झाक लघुकथा कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) कुमार साहेब
- (B) प्रजातंत्र एकटा मजाक
- (C) नव-आशा
- (D) मुड़ियाएल घर

६०४. “कुमार साहेब” कोन विधामे सूचीबद्ध अछि?

- (A) लघुकथा
- (B) गीत
- (C) बाल गजल
- (D) सांस्कृतिक लेख

६०५. अंक २१४मे मनोज कुमार मंडलक गद्य सामग्री कोन विधासँ जुड़ल अछि?

- (A) किछु बीहनि कथा
- (B) गीत-समीक्षा
- (C) सामा गीत
- (D) इतिहास

६०६. अंक २१४मे जगदीश प्रसाद मंडलक “गामक जिनगी” कोन रूपमे छपल अछि?

- (A) लघु कथा संग्रह — चारिम संस्करण
- (B) बाल कविता
- (C) लोकगीत लेख
- (D) गजल

६०७. अंक २१४क संपादकीयमे बीहनि कथा लेल कोन अंग्रेजी तुल्यता उल्लेखित अछि?

- (A) सीड स्टोरी / फ्लैश फिक्शन / वेरी शॉर्ट स्टोरी
- (B) लॉन्ग एपिक मात्र
- (C) न्यूज रिपोर्ट मात्र
- (D) ड्रामा स्क्रिप्ट मात्र

६०८. संपादकीयक अनुसार बीहनि कथा आ अति लघु कथा संबंधी बहस कोन धारासँ जुड़ल अछि?

- (A) मैथिली साहित्यक समीक्षाशास्त्र आ नामकरण-विमर्श
- (B) केवल बैंकिंग नियम
- (C) केवल खेल प्रतियोगिता
- (D) केवल पाक-व्यंजन

६०९. अंक २१४क गद्य भागमे संस्कृति-लेख आ कथा-संग्रहक साथ कोन संतुलन अछि?

- (A) सांस्कृतिक विवेचन आ कथात्मक लघुरूप
- (B) केवल चित्रकला
- (C) केवल कानून-पत्र
- (D) केवल ई-मेल

६१०. “गामक जिनगी” शीर्षक कोन जीवन-क्षेत्रकेँ साहित्यिक केन्द्रमे अनैत अछि?

- (A) ग्राम्य जीवन
- (B) विदेशी दरबार
- (C) केवल नगर-बाजार
- (D) केवल समुद्री युद्ध

खण्ड ५८८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २१४ : सामा-चकेबा, गजल आ बाल कविता

६११. अंक २१४क पद्य-भागमे आशीष अनचिन्हारक सामग्री कोन अछि?

- (A) ३ टा गजल
- (B) कुमार साहेब
- (C) मैथिली संस्कृति केर अवयव
- (D) गामक जिनगी

६१२. अंक २१४मे विन्देश्वर ठाकुरक पद्य रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) सामा
- (B) सामा-चकेबा
- (C) कुमार साहेब
- (D) नव-आशा

६१३. अंक २१४मे संतोष कुमार झाक रचना कोन लोक-पर्व शीर्षकसँ जुड़ल अछि?

- (A) सामा-चकेबा
- (B) सुग्गा आ श्रृंगार
- (C) अलर-बलर
- (D) ऊदबिलाड़ि

६१४. अंक २१४मे मनोज कुमार मंडलक पद्य-विधा कोन अछि?

- (A) गजल
- (B) सांस्कृतिक लेख
- (C) उपन्यास
- (D) समाद

६१५. अंक २१४क बालानां कृतेमे मनोज कुमार मंडलक योगदान की अछि?

- (A) २ टा बाल कविता
- (B) लोकगीतमे कौआ
- (C) बाबा लालदास आलेख
- (D) संगीत एलबम समीक्षा

६१६. अंक २१४क पद्य-भागमे सामा आ सामा-चकेबा शीर्षक कोन सांस्कृतिक क्षेत्रसँ जुड़ैत अछि?

- (A) मिथिलाक लोक-पर्व परम्परा
- (B) केवल आधुनिक बैंकिंग
- (C) केवल औद्योगिक मशीन
- (D) केवल समुद्री यात्रा

६१७. अंक २१४मे गजल आ लोक-पर्व कविताक संगति कोन देखबैत अछि?

- (A) आधुनिक पद्य-विधा आ लोक-सांस्कृतिक स्मृतिक संगम
- (B) केवल पुरान सूचना
- (C) केवल विज्ञान-तालिका
- (D) केवल फोन-सूची

६१८. “सामा” शीर्षक पद्य-वस्तु कोन सांस्कृतिक स्मृति जगबैत अछि?

- (A) सामा-चकेबा पर्वक स्मृति
- (B) केवल चुनाव
- (C) केवल बरसातक विज्ञान
- (D) केवल नाटक मंच

६१९. अंक २१४क बाल कविता खण्ड कोन लेखकक नामसँ आवैत अछि?

- (A) मनोज कुमार मंडल
- (B) कैलाश कुमार मिश्र
- (C) सत्य नारायण झा
- (D) विन्देश्वर ठाकुर मात्र

६२०. अंक २१४क रचनात्मक विस्तार कोन सूत्रमे समाहित कएल जा सकैत अछि?

- (A) संस्कृति, ग्राम्य कथा, लोक-पर्व आ बाल साहित्य
- (B) केवल व्यापार विज्ञापन
- (C) केवल खेल समाचार
- (D) केवल सूचीपत्र

खण्ड ५८९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २१५ : नाथ-जोगी परम्परा आ तीन उपन्यास

६२१. अंक २१५क गद्य-सूचीमे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक लेख कोन विषयपर अछि?

- (A) मैथिली लोक परम्परामे नाथ जोगी राजा भरथरी आ गोपीचंद
- (B) मैथिली संस्कृति केर अवयव
- (C) छागरक बलिप्रदान
- (D) सुग्गा आ श्रृंगार

६२२. नाथ जोगी, राजा भरथरी आ गोपीचंद विषयक लेख कोन सांस्कृतिक धरातलपर अछि?

- (A) लोक परम्परा
- (B) केवल खेल-कूद
- (C) केवल गणित
- (D) केवल बाजार-विज्ञापन

६२३. अंक २१५मे जगदीश प्रसाद मंडलक “जिनगीक जीत” कोन रूपमे अछि?

- (A) उपन्यास — तेसर संस्करण
- (B) बाल गजल
- (C) लोकगीत लेख
- (D) गजल

६२४. अंक २१५मे “उत्थान-पतन” कोन लेखकक उपन्यास रूपमे देल अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मंडल
- (B) बाबा बैद्यनाथ
- (C) ओम प्रकाश
- (D) प्रणव कुमार झा

६२५. अंक २१५मे “मौलाइल गाछक फूल” कोन विधामे अछि?

- (A) उपन्यास — तेसर संस्करण
- (B) बाल कविता
- (C) लघुकथा
- (D) गजल

६२६. अंक २१५मे जगदीश प्रसाद मंडलक कतय उपन्यास शीर्षक गद्य-सूचीमे एक संग अछि?

- (A) तीन
- (B) एक
- (C) दू
- (D) छह

६२७. तीन उपन्यासक तेसर संस्करणक उल्लेख कोन बात देखबैत अछि?

- (A) रचना-संसारक पुनर्पाठ आ स्थायी पाठकीयता
- (B) केवल अप्रकाशित पांडुलिपि
- (C) केवल बाल खेल
- (D) केवल सूची-त्रुटि

६२८. “जिनगीक जीत” शीर्षकमे कोन जीवन-दृष्टि प्रबल अछि?

- (A) जीवन-संघर्षमे विजयक भाव
- (B) पूर्ण निराशा मात्र
- (C) केवल व्यंग्य-नाम
- (D) केवल भूगोल

६२९. “उत्थान-पतन” शीर्षक कोन द्वंद्वक संकेत दैत अछि?

- (A) चढ़ाव-उतार
- (B) केवल स्थिरता
- (C) केवल बाल-खेल
- (D) केवल पर्व-गीत

६३०. “मौलाइल गाछक फूल” शीर्षक कोन बिम्बक उपयोग करैत अछि?

- (A) गाछ आ फूलक प्रकृतिपरक बिम्ब
- (B) धातु-मशीन
- (C) समुद्री जहाज
- (D) राजकोष

खण्ड ५९० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २१५ : गजल, सामाजिक कविता आ बाल गजल

६३१. अंक २१५मे आशीष अनचिन्हारक पद्य सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) ३ टा गजल
- (B) नाथ जोगी आलेख
- (C) तीन उपन्यास
- (D) बाल कथा संग्रह

६३२. अंक २१५मे जगदीश चंद्र ठाकुरक पद्य सामग्री कोन रूपमे देल अछि?

- (A) गजल
- (B) उपन्यास
- (C) लोक-परम्परा आलेख
- (D) बाल कथा

६३३. अंक २१५मे लालदेव कामतक कविता कोन शीर्षकसँ सूचित अछि?

- (A) उर्फ नाम
- (B) सामा
- (C) समय
- (D) नव-आशा

६३४. राम प्रीत पासवानक कविता कोन शीर्षकसँ अंक २१५मे अछि?

- (A) भूतक बाप पिशाच उर्फ आशारामक जोड
- (B) ऊद या ऊदबिलाड़ि
- (C) सामा-चकेबा
- (D) अलर-बलर

६३५. अंक २१५मे किशन कारीगरक कविता कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) इस्कूल
- (B) कुमार साहेब
- (C) मुड़ियाएल घर
- (D) कौआ सम्बाहक

६३६. “इस्कूल” शीर्षक कविता कोन सामाजिक/शैक्षिक क्षेत्रक संकेत दैत अछि?

- (A) विद्यालय/शिक्षा
- (B) केवल जंगल-शिकार
- (C) केवल राजदरबार
- (D) केवल समुद्री व्यापार

६३७. अंक २१५क बालानां कृतेमे बाबा बैद्यनाथक सामग्री कोन अछि?

- (A) आजाद बाल गजल
- (B) लोक-परम्परा लेख
- (C) उपन्यास
- (D) लघुकथा

६३८. आजाद बाल गजल कोन बातक उदाहरण अछि?

- (A) गजल-विधाक बाल साहित्य दिसि विस्तार
- (B) केवल शोध-लेख
- (C) केवल संपादकीय सूचना
- (D) केवल उपन्यास संस्करण

६३९. अंक २१५क पद्य खण्डमे गजल, कविता आ बाल गजल मिलि कोन प्रकारक विविधता बनबैत अछि?

- (A) वयस्क पद्यसँ बाल पद्य धरि विस्तार
- (B) केवल गद्य-लेख
- (C) केवल पुरस्कार-सूची
- (D) केवल संग्रहालय सूचना

६४०. अंक २१५क रचनात्मक समापन कोन दिसि संकेत करैत अछि?

- (A) लोक-परम्परा, उपन्यास, गजल, सामाजिक कविता आ बाल गजल
- (B) केवल डाउनलोड सूचना
- (C) केवल प्रशासनिक पत्र
- (D) केवल भाषा-व्याकरण

खण्ड ५९१ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २१६ : मंडोवर, जीवन-मरण आ जीवन-संघर्ष

६४१. अंक २१६मे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक लेख कोन विषयपर अछि?

- (A) राजस्थान केर मंडोवरमे रावण आ मंदोदरीक विवाह
- (B) मैथिली लोकगीतमे कौआ सम्बाहक
- (C) छागरक बलिप्रदानपर चिन्तन
- (D) मैथिली लोकगीतमे भोजन

६४२. मंडोवर-विषयक लेखक उपशीर्षक कोन बातपर बल दैत अछि?

- (A) लोक इतिहास केर मूर्त आ अमूर्त प्रमाण
- (B) केवल बाल कविता
- (C) केवल गजल-विधान
- (D) केवल गीत-एलबम समीक्षा

६४३. अंक २१६मे जगदीश प्रसाद मंडलक “जीवन-मरण” कोन विधामे अछि?

- (A) उपन्यास — तेसर संस्करण
- (B) बाल कविता
- (C) गजल
- (D) लोकगीत आलेख

६४४. अंक २१६मे “जीवन-संघर्ष” कोन लेखकक कृति रूपमे अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मंडल
- (B) डॉ. कैलाश कुमार मिश्र
- (C) सुशान्त झा
- (D) राजेश मोहन झा गुंजन

६४५. “जीवन-मरण” आ “जीवन-संघर्ष” शीर्षक सभमे कोन सामान्य जीवन-दृष्टि अछि?

- (A) अस्तित्व आ संघर्षक प्रश्न
- (B) केवल पाक-शास्त्र
- (C) केवल यात्रा-सूची
- (D) केवल खेलकूद

६४६. अंक २१६मे “नै धाड़ैए” कोन रूपमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) बाल उपन्यास — तेसर संस्करण
- (B) राजस्थान इतिहास लेख
- (C) तीन गजल
- (D) बाल कविता मात्र

६४७. अंक २१६मे एके लेखकक कतेक गद्य-कृति तेसर संस्करण रूपमे आयल अछि?

- (A) तीन
- (B) एक
- (C) दस
- (D) कोनो नहि

६४८. “नै धाड़ैए” शीर्षक कोन पाठक-वर्गक साहित्यसँ जुड़ल अछि?

- (A) बाल पाठक-वर्ग
- (B) केवल शोधार्थी
- (C) केवल गजल-पाठक
- (D) केवल इतिहासकार

६४९. अंक २१६क गद्य-भागमे इतिहास आ उपन्यासक संगति कोन बतबैत अछि?

- (A) लोक-इतिहास आ कथात्मक रचना दुनू उपस्थित अछि
- (B) केवल पुरान अंक-सूचना अछि
- (C) केवल फोटो-सूची अछि
- (D) केवल पुरस्कार-सूची अछि

६५०. अंक २१६मे तेसर संस्करणक पुनरावृत्ति कोन बात सूचित करैत अछि?

- (A) पूर्व प्रकाशित कृतिसभक पुनर्प्रस्तुति/स्थायी पाठकीयता
- (B) केवल प्रथम प्रकाशन
- (C) केवल समाचार
- (D) केवल विज्ञापन

खण्ड ५९२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २१६ : नेनपन, गजल आ बाल कविता

६५१. अंक २१६मे सुशान्त झाक “अवलोकित” कोन विधामे अछि?

- (A) कविता — नेनपन
- (B) उपन्यास
- (C) लोक-इतिहास लेख
- (D) बाल उपन्यास

६५२. “नेनपन” शीर्षक कोन जीवन-अवस्थाक बिम्ब अनैत अछि?

- (A) बाल्यावस्था
- (B) वृद्धावस्था मात्र
- (C) राजनीतिक पद
- (D) कृषि-औजार

६५३. अंक २१६मे आशीष अनचिन्हारक पद्य सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) ३ टा गजल
- (B) मंडोवर लेख
- (C) बाल उपन्यास
- (D) जीवन-मरण उपन्यास

६५४. राजेश मोहन झा “गुंजन”क रचना कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) बिनु राधाक ब्रज
- (B) नेनपन
- (C) नै धाड़ैए
- (D) जीवन-संघर्ष

६५५. “बिनु राधाक ब्रज” शीर्षक कोन सांस्कृतिक-सांकेतिक संसार खोलैत अछि?

- (A) राधा-ब्रजक कृष्ण-परम्परा
- (B) राजस्थानक मंडोवर
- (C) विद्यालयक पाठ
- (D) बाल विज्ञान

६५६. अंक २१६मे अब्दुर रज्जाक पद्य सामग्री कोन विधामे अछि?

- (A) गजल
- (B) उपन्यास
- (C) बाल उपन्यास
- (D) इतिहास आलेख

६५७. अंक २१६क बालानां कृते खण्डमे डॉ. शशिधर कुमारक योगदान की अछि?

- (A) ३ टा बाल कविता
- (B) तीन उपन्यास
- (C) मंडोवर लेख
- (D) गीत-एलबम समीक्षा

६५८. अंक २१६मे पद्य आ बाल साहित्यक संबंध कोन रूपमे बनल अछि?

- (A) नेनपन-कविता, गजल आ बाल कविताक सह-अस्तित्व
- (B) केवल गद्य-लेख
- (C) केवल सूची-पत्र
- (D) केवल डाउनलोड सूचना

६५९. अंक २१६मे गजल-विधाक उपस्थिति किन-किन नामसँ स्पष्ट अछि?

- (A) आशीष अनचिन्हार आ अब्दुर रज्जाक
- (B) केवल डॉ. कैलाश कुमार मिश्र
- (C) केवल जगदीश प्रसाद मंडल
- (D) केवल सुशान्त झा

६६०. अंक २१६क पद्य-भागक समग्र स्वर कोन अछि?

- (A) बाल-स्मृति, भक्ति-संकेत आ गजल-विविधता
- (B) केवल इतिहासक तालिका
- (C) केवल नाटक-मंचन
- (D) केवल राजकीय आदेश

खण्ड ५९३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २१७ : मैथिली गीत-संगीत विशेष

६६१. अंक २१७मे दिनेश यादवक लेख कोन विषयपर अछि?

- (A) नेपाल मे मैथिली गीत-संगीतक अवस्था
- (B) मंडोवरमे रावणक विवाह
- (C) वरिष्ठ नागरिक
- (D) कुक्कुर बीहनि कथा

६६२. अंक २१७क संपादकीयक अनुसार ई अंक कोन व्यापक फोकस लैत अछि?

- (A) मैथिली सी.डी./एलबम आ गीत-संगीत समीक्षा
- (B) केवल उपन्यास संस्करण
- (C) केवल बाल कविता
- (D) केवल लोक-इतिहास

६६३. प्रदीप पुष्पक सामग्री कोन शीर्षकसँ सूचीबद्ध अछि?

- (A) सिनेहिया : जगाक टीस हृदयमे केहेन कठोर भेलौं
- (B) वन्दनाक स्वरूप
- (C) अवलोकिता
- (D) बाल्यकाल

६६४. योगेन्द्र पाठक “वियोगी”क लेख कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) वन्दनाक स्वरूप
- (B) नेपाल मे मैथिली गीत-संगीतक अवस्था
- (C) अरिपन
- (D) मैथिलीमे बाल सी.डी. अलबमक अभाव

६६५. अंक २१७मे चंद्रेशक सामग्री कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) अरिपन
- (B) सिनेहिया
- (C) विवाह गीत
- (D) सुन्दरकाण्डक एलबम

६६६. अंक २१७मे इरा मल्लिकक लेख कोन गायिकाक विवाह गीतसँ जुड़ल अछि?

- (A) शारदा सिन्हा
- (B) लता मंगेशकर
- (C) आशा भोसले
- (D) कविता कृष्णमूर्ति

६६७. मनीष झा बौआभाइक लेख कोन दृष्टिकोणसँ मैथिली गीत-संगीत देखैत अछि?

- (A) वर्तमान मैथिली गीत-संगीत हमरा नजरिसँ
- (B) केवल पुरातत्व प्रमाण
- (C) केवल बाल उपन्यास
- (D) केवल खेतिहर कथा

६६८. अंक २१७मे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक लेख कोन प्रयोगक चर्चा करैत अछि?

- (A) मैथिली लोक गीतमे प्रोफेसर चण्डेश्वर झाक सी.डी./डी.वी.डी. केर प्रयोग
- (B) छागर बलिप्रदान
- (C) कौआ सम्बाहक
- (D) सुग्गा श्रृंगार

६६९. अंक २१७मे गजेन्द्र ठाकुरक लेख कोन विषयपर अछि?

- (A) मैथिली सी.डी. एलबम
- (B) जीवन-मरण उपन्यास
- (C) कुक्कुर बीहनि कथा
- (D) सतभैया पोखैर

६७०. अंक २१७मे गीत-संगीत खण्डक महत्त्व की अछि?

- (A) मैथिली साहित्यिक पत्रिकामे संगीत-एलबम समीक्षाक व्यवस्थित प्रवेश
- (B) केवल अंक-संख्या घोषणा
- (C) केवल डाउनलोड निर्देश
- (D) केवल चित्र-संग्रह

खण्ड ५९४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २१७ : सुन्दरकाण्ड आ बाल सी.डी.

६७१. अंक २१७मे जगदीश चंद्र ठाकुर अनिलक लेख कोन कृतिसँ जुड़ल अछि?

- (A) महाकवि चन्दा झा कृत रामायणक सुन्दरकाण्डक एलबम
- (B) सुग्गा आ श्रृंगार
- (C) नै धाड़ैए
- (D) राईत इजोरिया

६७२. सुन्दरकाण्डक एलबम-विषयक लेख कोन साहित्यिक-संगीतिक संगम देखबैत अछि?

- (A) रामायणक पाठ आ ऑडियो/एलबम माध्यम
- (B) केवल बाल कविता
- (C) केवल लघुकथा
- (D) केवल राजनीति

६७३. अंक २१७क बालानां कृते खण्डमे गजेन्द्र ठाकुरक लेख कोन विषयपर अछि?

- (A) मैथिलीमे बाल सी.डी. अल्बमक सर्वथा अभाव
- (B) मंडोवर लोक-इतिहास
- (C) वन्दनाक स्वरूप
- (D) कुक्कुर बीहनि कथा

६७४. “बाल सी.डी. अल्बमक सर्वथा अभाव” शीर्षक कोन कमी दिस संकेत करैत अछि?

- (A) बाल-गीत/बाल-ऑडियो सामग्रीक अभाव
- (B) उपन्यासक अभाव
- (C) लोकइतिहासक अभाव
- (D) गजलकारक अभाव

६७५. अंक २१७क संपादकीयमे गीत-संगीत समीक्षा लेल कोन-कोन पक्षक विवेचन अपेक्षित अछि?

- (A) भाव, तकनीक, शब्द-चयन, संपादन आ विपणन
- (B) केवल फोटो आकार
- (C) केवल जन्मवर्ष
- (D) केवल सूची क्रम

६७६. अंक २१७मे मैथिली गीत-संगीतक भौगोलिक विस्तार कोन लेखसँ देखाइत अछि?

- (A) नेपालमे मैथिली गीत-संगीतक अवस्था
- (B) अरिपन
- (C) वन्दनाक स्वरूप
- (D) सिनेहिया

६७७. शारदा सिन्हाजीक विवाह गीत पर लेख कोन सांस्कृतिक पक्षकें सामने आनैत अछि?

- (A) विवाह-गीत परम्परा
- (B) बाल विज्ञान
- (C) उपन्यास संस्करण
- (D) राजस्थान इतिहास

६७८. “अरिपन” शीर्षक कोन सांस्कृतिक-कला रूपक स्मरण करबैत अछि?

- (A) मिथिलाक पारंपरिक रेखांकन/अनुष्ठानिक कला
- (B) केवल सीडी व्यापार
- (C) केवल बाल खेल
- (D) केवल राजनैतिक निबंध

६७९. अंक २१७क सामग्रीमे सी.डी., डी.वी.डी. आ एलबम शब्दक आवृत्ति कोन माध्यमपर जोर दैत अछि?

- (A) ऑडियो-दृश्य रेकर्डिंग माध्यम
- (B) केवल पांडुलिपि
- (C) केवल मौखिक पंचायत
- (D) केवल पत्राचार

६८०. अंक २१७क बाल खण्ड सामान्य बाल कविता न भऽ कोन खास प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) बालक लेल मैथिली ऑडियो सामग्रीक अभाव
- (B) बालक चुनाव अधिकार
- (C) बालक खेती कार्य
- (D) बालक पुरातत्व अध्ययन

खण्ड ५९५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २१८ : अनुवाद, पंहिबा आ वरिष्ठ नागरिक

६८१. अंक २१८मे वन्दना अवस्थी दुबेजीक हिन्दी कथा कोन रूपमे देल अछि?

- (A) आशीष अनचिन्हार द्वारा मैथिली अनुवाद
- (B) मूल गजल
- (C) बाल उपन्यास
- (D) गीत-समीक्षा

६८२. अंक २१८क संपादकीयमे “आमंत्रित रचनापर आमंत्रित आलोचकक टिप्पणी” शृंखला कोन चरणमे प्रवेश करैत अछि?

- (A) दोसर भाग
- (B) प्रथम अंक
- (C) अंतिम भाग
- (D) पुरस्कार-सूची

६८३. एहि शृंखलाक दोसर भागमे किनक रचना आमंत्रित कहल गेल?

- (A) नीलमाधव चौधरी
- (B) जगदीश प्रसाद मंडल
- (C) दिनेश यादव
- (D) शारदा सिन्हा

६८४. अंक २१८मे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक लेख कोन ऐतिहासिक व्यक्तित्व/प्रदेशसँ जुड़ल अछि?

- (A) महाराजा पंहिबा : मणिपुर केर गरीब नवाज
- (B) रावण-मंदोदरी मंडोवर
- (C) कौआ सम्बाहक
- (D) नाथ-जोगी परम्परा

६८५. “महाराजा पंहिबा” लेख कोन प्रकारक ऐतिहासिक-सांस्कृतिक विमर्श दिस संकेत करैत अछि?

- (A) मणिपुरक शासक आ सांस्कृतिक स्मृति
- (B) केवल बाल कविता
- (C) केवल गजल
- (D) केवल सीडी समीक्षा

६८६. अंक २१८मे रवीन्द्र नारायण मिश्रक गद्य रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) वरिष्ठ नागरिक
- (B) बाल्यकाल
- (C) सोंगर
- (D) कुक्कुर

६८७. “वरिष्ठ नागरिक” शीर्षक कोन सामाजिक वर्गक प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) बुजुर्ग/वृद्ध नागरिक
- (B) बालक मात्र
- (C) सैनिक मात्र
- (D) किसान-मजदूर मात्र

६८८. अंक २१८मे बीहनि कथा “ठरल सीरक...” मूलतः कोन भाषासँ रूपान्तरित अछि?

- (A) हिन्दीसँ मैथिली
- (B) अंग्रेजीसँ मैथिली
- (C) संस्कृतसँ मैथिली
- (D) बंगालीसँ मैथिली

६८९. “ठरल सीरक...” क मैथिली रूपान्तरण के केलनि?

- (A) मुन्नाजी
- (B) आशीष अनचिन्हार
- (C) डॉ. कैलाश कुमार मिश्र
- (D) रतन कुमार लाल दास

६९०. अंक २१८क गद्य-भागक मुख्य विविधता कोन अछि?

- (A) अनुवाद, इतिहास, सामाजिक लेख आ बीहनि कथा
- (B) केवल बाल खेल
- (C) केवल गीत-एलबम
- (D) केवल डाउनलोड लिंक

खण्ड ५९६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २१८ : गजल, राईत इजोरिया आ कोईली

६९१. अंक २१८मे आशीष अनचिन्हारक पद्य सामग्री कोन अछि?

- (A) ३ टा गजल
- (B) वरिष्ठ नागरिक
- (C) महाराजा पंहिबा
- (D) ठरल सीरक

६९२. अंक २१८मे डा. जियाउर रहमान जाफरक सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) आजाद गजल
- (B) बाल कविता
- (C) अनुवादित कथा
- (D) इतिहास आलेख

६९३. अंक २१८मे डॉ. शशिधर कुमार “विदेह”क पद्य योगदान की अछि?

- (A) ६ टा कविता
- (B) १ टा उपन्यास
- (C) २ टा आलेख
- (D) सीडी समीक्षा

६९४. अंक २१८मे बाबा बैद्यनाथजीक पद्य रचना कोन रूपमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) आजाद गजल
- (B) अनुवादित कथा
- (C) वरिष्ठ नागरिक
- (D) कोईली

६९५. प्रणव कुमारक कविता कोन शीर्षकसँ अंक २१८मे अछि?

- (A) राईत इजोरिया ताइक रहल अछि
- (B) कोईली बाजी रहल अई
- (C) नेनपन
- (D) बिनु राधाक ब्रज

६९६. “राईत इजोरिया ताइक रहल अछि” शीर्षक कोन वातावरणक बिम्ब बनबैत अछि?

- (A) राति आ चाननी/इजोरिया
- (B) मरुभूमि मात्र
- (C) विद्यालयक घंटी
- (D) बाजारक कोलाहल

६९७. अंक २१८क बालानां कृतेमे रतन कुमार लाल दासक रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) कोईली बाजी रहल अई
- (B) राईत इजोरिया
- (C) वरिष्ठ नागरिक
- (D) महाराजा पंहिबा

६९८. “कोईली बाजी रहल अई” बाल कविता कोन प्रकृति-बिम्बसँ जुड़ैत अछि?

- (A) कोकिल/पक्षी-स्वर
- (B) राजदरबार
- (C) सीडी दुकान
- (D) बीहनि कथा

६९९. अंक २१८मे डॉ. शशिधर कुमारक बाल योगदान की अछि?

- (A) ७ टा बाल कविता
- (B) तीन गजल
- (C) एक उपन्यास
- (D) एक इतिहास लेख

७००. अंक २१८क पद्य-भाग कोन संतुलन बनबैत अछि?

- (A) गजल, आजाद गजल, कविता आ बाल कविता
- (B) केवल गद्य-संपादकीय
- (C) केवल पुरस्कार
- (D) केवल तकनीकी सूचना

खण्ड ५९७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २१९ : बीहनि कथा आ मैथिलानी विमर्श

७०१. अंक २१९मे जवाहर लाल कश्यपक बीहनि कथा कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) कुक्कुर
- (B) सोंगर
- (C) निर्वहन
- (D) चहकल विचार

७०२. राजेश वर्मा “भवादित्य”क बीहनि कथा कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) सोंगर
- (B) कुक्कुर
- (C) निरुत्तर
- (D) नोटबन्दी

७०३. अंक २१९मे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक लेख कोन प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) मैथिलानी पर विमर्शक अधिकारी के?
- (B) महाराजा पंहिबा के?
- (C) सुग्गा आ श्रृंगार की?
- (D) मंडोवर कतय?

७०४. “मैथिलानी पर विमर्श क अधिकारी के?” शीर्षक कोन बौद्धिक प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) नारी/मैथिलानी-विमर्शक अधिकार आ दृष्टिकोण
- (B) केवल बाल कविता
- (C) केवल मौसम
- (D) केवल पशु कथा

७०५. अंक २१९मे मुन्नाजी कतेक बीहनि कथा संग उपस्थित छथि?

- (A) ४ टा
- (B) १ टा
- (C) ७ टा
- (D) १० टा

७०६. मुन्नाजीक चार बीहनि कथाक शीर्षक समूहमे कोन-कोन अछि?

- (A) विधान, फसाद!, निवहता, हुव्वा
- (B) कुक्कुर, सोंगर, निर्वहन, निरुत्तर
- (C) नै धाड़ैए, जीवन-मरण, जीवन-संघर्ष, नेनपन
- (D) कोईली, राईत, इजोरिया, बाल्यकाल

७०७. अंक २१९मे कल्पना झाक दू बीहनि कथाक शीर्षक की अछि?

- (A) निर्वहन आ निरुत्तर
- (B) विधान आ फसाद
- (C) कुक्कुर आ सोंगर
- (D) साँठ गाँठ आ नोटबन्दी

७०८. अभिलाष ठाकुरक दू बीहनि कथा कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) साँठ गाँठ आ नोटबन्दी
- (B) कुक्कुर आ सोंगर
- (C) विधान आ निवहता
- (D) नेनपन आ ब्रज

७०९. अंक २१९क गद्य भागमे बीहनि कथा कतेक लेखकक माध्यमसँ विस्तृत भेल अछि?

- (A) कई लेखकक माध्यमसँ
- (B) केवल एकटा लेखकसँ
- (C) कोनो लेखक नहि
- (D) केवल गजलकारसँ

७१०. अंक २१९मे “नोटबन्दी” शीर्षक कोन समकालीन सामाजिक-आर्थिक प्रसंग दिस संकेत करैत अछि?

- (A) नोटबन्दी/मुद्रा-संकट
- (B) बाल्यकाल स्मृति
- (C) लोकगीत
- (D) मंडोवर विवाह

खण्ड ५९८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २१९ : गजल, वंदना आ बाल कविता

७११. अंक २१९मे आशीष अनचिन्हारक पद्य सामग्री कोन अछि?

- (A) ३ टा गजल
- (B) मैथिलानी विमर्श
- (C) कुक्कुर बीहनि कथा
- (D) वरिष्ठ नागरिक

७१२. अंक २१९मे अशोक कुमार सहनीक रचना कोन विधामे अछि?

- (A) गजल
- (B) बीहनि कथा
- (C) आलेख
- (D) बाल कथा

७१३. अंक २१९मे डॉ. शशिधर कुमार “विदेह”क पद्य योगदान की अछि?

- (A) ४ टा कविता
- (B) ७ टा बाल कविता
- (C) महाराजा पंढिबा लेख
- (D) तीन उपन्यास

७१४. राजेश मोहन झा “गुंजन”क रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) सरस्वती वंदना
- (B) बिनु राधाक ब्रज
- (C) वसंत गीत
- (D) सिनेहिया

७१५. “सरस्वती वंदना” कोन सांस्कृतिक-धार्मिक स्वरक संकेत दैत अछि?

- (A) विद्या आ वाणी देवीक स्तुति
- (B) केवल आर्थिक रिपोर्ट
- (C) केवल राजनैतिक लेख
- (D) केवल पशु कथा

७१६. अंक २१९क बालानां कृतेमे डॉ. शशिधर कुमारक योगदान की अछि?

- (A) २ टा बाल कविता
- (B) ४ टा बीहनि कथा
- (C) गजल-संग्रह
- (D) इतिहास-लेख

७१७. अंक २१९क पद्य खण्डमे गजल आ वंदना एक संग आबि कोन विस्तार बनबैत अछि?

- (A) आधुनिक गजल आ स्तुतिपरक कविता दुनू
- (B) केवल गद्य-कथा
- (C) केवल बाल विज्ञान
- (D) केवल संपादकीय

७१८. अंक २१९क रचनाक्रममे गद्यक बाद कोन प्रमुख पद्य-विधा बहुल अछि?

- (A) गजल
- (B) महाकाव्य
- (C) नाटक
- (D) यात्रा-वृत्तांत

७१९. अंक २१९मे बाल कविताक स्थान कोन बात देखबैत अछि?

- (A) बाल साहित्यक निरंतर उपस्थिति
- (B) बाल साहित्यक पूर्ण अभाव
- (C) केवल वयस्क राजनीति
- (D) केवल प्रशस्ति

७२०. अंक २१९क समग्र संरचना कोन प्रकारक अछि?

- (A) बीहनि कथा, विमर्श, गजल, वंदना आ बाल कविता
- (B) केवल गीत-एलबम
- (C) केवल उपन्यास संस्करण
- (D) केवल पुरस्कार

खण्ड ५९९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २२० : सतभैंया पोखैर आ कथा-संसार

७२१. अंक २२०मे जगदीश प्रसाद मण्डलक “सतभैंया पोखैर” कोन रूपमे देल अछि?

- (A) तेसर संस्करणसँ सात टा लघु कथा
- (B) गजल-संग्रह
- (C) लोकगीत आलेख
- (D) बाल गीत एलबम

७२२. “सतभैंया पोखैर” शीर्षक कोन ग्रामीण/प्राकृतिक बिम्ब अनैत अछि?

- (A) पोखरि/जलाशयक बिम्ब
- (B) समुद्री जहाज
- (C) धातु कारखाना
- (D) शहरी मॉल

७२३. अंक २२०मे जगदीश प्रसाद मण्डलक अलग लघु कथा कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) चहकल विचार
- (B) कुक्कुर
- (C) सोंगर
- (D) नेनपन

७२४. “चहकल विचार” शीर्षक कोन मानसिक/विचारात्मक गति सूचित करैत अछि?

- (A) उत्साहित/उछलैत विचार
- (B) पूर्ण मौन
- (C) केवल बाल-लोरी
- (D) केवल इतिहास-तिथि

७२५. अंक २२०मे रवीन्द्र नारायण मिश्रक रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) बाल्यकाल
- (B) वरिष्ठ नागरिक
- (C) कुक्कुर
- (D) सिनेहिया

७२६. “बाल्यकाल” शीर्षक कोन संस्मरणात्मक सम्भावना खोलैत अछि?

- (A) नेनपन/बाल स्मृति
- (B) केवल राजनीति
- (C) केवल व्यापार
- (D) केवल लोकगीत समीक्षा

७२७. अंक २२०मे बी. एन. लाल दासक मैथिली कहानी कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) चिचड़ी वाली भौजी
- (B) बाल्यकाल
- (C) सतभैंया पोखैर
- (D) वैलेंटाइन स्पेशल

७२८. “चिचड़ी वाली भौजी” शीर्षक कोन सामाजिक-घरेलू परिवेशक संकेत दैत अछि?

- (A) गृहस्थ/गाम-परिवेश
- (B) राजदरबार
- (C) समुद्री युद्ध
- (D) खगोल विज्ञान

७२९. अंक २२०क संपादकीयमे अगिला विशेषांक कोन विषयपर होएबाक नेयार कहल गेल?

- (A) नेपालक वर्तमान मैथिली साहित्य
- (B) राजस्थानक मंडोवर
- (C) बाल सीडी अभाव
- (D) मैथिलानी विमर्श

७३०. नेपाल-विषयक विशेषांकक संयोजक रूपमे किनक नाम देल गेल?

- (A) दिनेश यादव
- (B) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (C) रवीन्द्र नारायण मिश्र
- (D) प्रदीप पुष्प

खण्ड ६०० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २२० : सुखल मन तरसल आँखि, गजल आ बाल कविता

७३१. अंक २२०मे मुन्नी कामतक “सुखल मन तरसल आँखि” कोन रूपमे देल अछि?

- (A) काव्य संग्रहक दोसर संस्करण
- (B) लघुकथा
- (C) लोकगीत-लेख
- (D) बाल सीडी समीक्षा

७३२. “सुखल मन तरसल आँखि” शीर्षक कोन भावात्मक स्थिति बनबैत अछि?

- (A) अभाव, तृष्णा आ भावुक प्रतीक्षा
- (B) केवल हास्य
- (C) केवल युद्ध
- (D) केवल गणना

७३३. अंक २२०मे प्रदीप पुष्पक गजल सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) वैलेंटाइन स्पेशल सहित २ टा गजल
- (B) सतभैंया पोखैर
- (C) बाल्यकाल
- (D) नेपाल विशेषांक

७३४. वैलेंटाइन स्पेशल गजल शीर्षक कोन भावधाराक संकेत दैत अछि?

- (A) प्रेम/स्नेहक आधुनिक प्रसंग
- (B) लोक इतिहास
- (C) बाल विज्ञान
- (D) नोटबन्दी कथा

७३५. अंक २२०मे आशीष अनचिन्हारक पद्य योगदान कोन अछि?

- (A) ३ टा गजल
- (B) सात लघु कथा
- (C) बाल्यकाल
- (D) चिचड़ी वाली भौजी

७३६. राजेश मोहन झा “गुंजन”क पद्य रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) वसंत गीत
- (B) सरस्वती वंदना
- (C) बिनु राधाक ब्रज
- (D) राईत इजोरिया

७३७. “वसंत गीत” कोन ऋतु-सांस्कृतिक भावकें पद्यमे अनैत अछि?

- (A) वसंत ऋतु आ नव-उल्लास
- (B) शीतकालक अंधकार मात्र
- (C) केवल राजनीति
- (D) केवल व्यापार

७३८. अंक २२०मे वृषेश चन्द्र लालक रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) तप?!
- (B) चहकल विचार
- (C) बाल्यकाल
- (D) वैलेंटाइन स्पेशल

७३९. अंक २२०क बालानां कृतेमे मुन्नी कामतक बाल कविताक शीर्षक समूह कोन अछि?

- (A) जतरा, अंकक मेल, बहिन
- (B) कुक्कुर, सोंगर, नोटबन्दी
- (C) नै धाड़ैए, जीवन-मरण, नेनपन
- (D) सिनेहिया, अरिपन, विवाह गीत

७४०. अंक २२०क रचनात्मक संतुलन कोन अछि?

- (A) लघु कथा, कहानी, काव्य-संग्रह, गजल, गीत आ बाल कविता
- (B) केवल डाउनलोड सूचना
- (C) केवल पुरस्कार-सूची
- (D) केवल वंशावली

खण्ड ६०१ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २२१ : सतभैंया पोखैर, जल भँमर आ क्रोध

७४१. अंक २२१मे जगदीश प्रसाद मण्डलक दूटा लघु कथाक संग कोन पुस्तकसँ १३ टा लघु कथा देल गेल अछि?

- (A) सतभैंया पोखैर
- (B) सीता-शील
- (C) अरजल जमीन
- (D) सदाचारक तावीज

७४२. अंक २२१मे “सतभैंया पोखैर” कोन संस्करणक रूपमे उल्लिखित अछि?

- (A) तेसर संस्करण
- (B) पहिल संस्करण
- (C) पाँचम संस्करण
- (D) अनुवाद संस्करण

७४३. “सतभैंया पोखैर” शीर्षक अंक २२१मे कोन कथा-परिवेशकें संकेत करैत अछि?

- (A) पोखैर आ ग्रामीण स्मृति
- (B) शहरी अदालत
- (C) समुद्री व्यापार
- (D) अंतरिक्ष यात्रा

७४४. अंक २२१मे राजदेव मण्डलक कोन उपन्यासक अगिला कड़ी देल गेल अछि?

- (A) जल भँमर
- (B) मोटीवेशन
- (C) सदाचारक तावीज
- (D) औझका डायरी

७४५. “जल भँवर” शीर्षकक मुख्य बिम्ब कोन अछि?

- (A) जल आ भँवरक अस्थिरता
- (B) बाग-बगीचा मात्र
- (C) विद्यालयक मैदान
- (D) गीत-संगीत मंच

७४६. अंक २२१मे रवीन्द्र नारायण मिश्रक गद्य रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) क्रोध
- (B) बाल्यकाल
- (C) संगम तीरे
- (D) रक्षिता

७४७. “क्रोध” शीर्षक कोन मनोवैज्ञानिक विषय दिस संकेत करैत अछि?

- (A) मानव-भाव आ प्रतिक्रिया
- (B) कृषि-तकनीक
- (C) देव-पूजा मात्र
- (D) कथा-संग्रह सूची

७४८. अंक २२१क गद्य भागमे कथा आ मनोवैज्ञानिक आलेखक संग कोन धारावाहिकता देखाइत अछि?

- (A) उपन्यासक अगिला कड़ी
- (B) केवल विज्ञापन
- (C) केवल पुरस्कार-सूची
- (D) केवल खेल समाचार

७४९. अंक २२१मे जगदीश प्रसाद मण्डलक रचना-संख्या कोना विस्तृत अछि?

- (A) दूटा स्वतंत्र लघु कथा आ पुस्तकसँ १३ लघु कथा
- (B) केवल एक गजल
- (C) केवल बाल कविता
- (D) कोनो कथा नहि

७५०. अंक २२१क गद्य-सूचीमे कथा, उपन्यास आ “क्रोध” एक संग आबि कोन रूप बनबैत अछि?

- (A) कथा-संसार आ चिंतन दुनूक संतुलन
- (B) केवल पद्य-संग्रह
- (C) केवल चित्र-सूची
- (D) केवल डाउनलोड सूचना

खण्ड ६०२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २२१ : दलित साहित्य, तमाकूल आ पद्य

७५१. अंक २२१मे डॉ. शिव कुमार प्रसादक आलेख कोन विषयपर अछि?

- (A) दलित साहित्यक आन साहित्यसँ फुटकेबाक प्रयोजन
- (B) मैथिली जोग गीत
- (C) सीता-शील विवेचना
- (D) मधुश्रावण पाबनि

७५२. “दलित साहित्यक आन साहित्यसँ फुटकेबाक प्रयोजन” शीर्षक कोन आलोचनात्मक प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) दलित साहित्यक विशिष्टता आ अलग दृष्टि
- (B) बाल कविता मात्र
- (C) विवाह गीतक ताल
- (D) खेलक नियम

७५३. अंक २२१मे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक लेख कोन सामाजिक-सांस्कृतिक समस्यापर अछि?

- (A) तमाकूल सँ बरबाद होइत मैथिल आ मैथिली संस्कृति
- (B) सीता-शीलक प्रेम
- (C) संगम तीरक यात्रा
- (D) वसंत गीत

७५४. “तमाकूल सँ बरबाद होइत मैथिल आ मैथिली संस्कृति” शीर्षक कोन बातकेँ रेखांकित करैत अछि?

- (A) नशा/तमाकू आ संस्कृति पर पड़ैत प्रभाव
- (B) केवल ऋतु गीत
- (C) केवल बाल खेल
- (D) केवल आकाश-विज्ञान

७५५. अंक २२१मे आशीष अनचिन्हारक पद्य सामग्रीमे की देल गेल अछि?

- (A) किछु जोगीरा आ ३ टा गजल
- (B) सतभैंया पोखैर
- (C) जल भँमर
- (D) रक्षिता

७५६. अंक २२१मे जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’ कोन पद्य-विधासँ उपस्थित छथि?

- (A) २ टा गजल
- (B) लघु कथा
- (C) उपन्यास
- (D) यात्रावृत्तांत

७५७. अंक २२१मे राजीव रंजन झाक पद्य योगदान की अछि?

- (A) २ टा गजल
- (B) तेरह लघु कथा
- (C) दलित साहित्य आलेख
- (D) तमाकूल लेख

७५८. महेश डखरामीक “महेश पद्यावली — अनुरोध” अंक २२१मे कोन खण्डमे अछि?

- (A) पद्य खण्ड
- (B) गद्य खण्ड
- (C) संपादकीय
- (D) बालानां कृते

७५९. प्रदीप पुष्पक अंक २२१क योगदान कोन रूपमे अछि?

- (A) २ टा गजल
- (B) १३ लघु कथा
- (C) सीता-शील विवेचना
- (D) भवादित्य लेख

७६०. पल्लवी मण्डलक “अपना ले अपनहि लड़ए पड़त” शीर्षक कोन भाव-सूत्र दैत अछि?

- (A) स्वावलम्बन/अपन संघर्ष
- (B) पूर्ण पराधीनता
- (C) केवल मौसम
- (D) केवल भोज्य-सूची

खण्ड ६०३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २२२ : सीता-शील, भवादित्य आ रक्षिता

७६१. अंक २२२मे डॉ. वीणा कर्णक आलेख कोन काव्यक विवेचना अछि?

- (A) सीता-शील
- (B) सतभैया पोखैर
- (C) मधुश्रावण
- (D) सदाचारक तावीज

७६२. “सीता-शील” क रचनाकार रूपमे सूचीमे के उल्लिखित छथि?

- (A) खड्गबल्लभ दास ‘स्वजन’
- (B) राजदेव मण्डल
- (C) नन्द विलास राय
- (D) राम विलास साहु

७६३. “सीता-शील” विवेचना कोन सांस्कृतिक आदर्शसँ जुड़ैत अछि?

- (A) सीता आ नारी-शीलक आदर्श
- (B) केवल धूम्रपान विरोध
- (C) कृषि कैलेंडर
- (D) बाल खेल

७६४. अंक २२२मे राजेश वर्मा “भवादित्य”क रचना कोन विधामे अछि?

- (A) बीहनि लेख
- (B) गजल
- (C) लघु नाटिका
- (D) बाल कविता

७६५. राजेश वर्मा “भवादित्य”क बीहनि लेखक उपशीर्षक की अछि?

- (A) वैशिष्ट्य
- (B) रक्षिता
- (C) प्रेम चालीसा
- (D) मोनक गीत

७६६. अंक २२२मे प्रणव झाक लघु कथा कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) रक्षिता
- (B) अरजल जमीन
- (C) सदाचारक तावीज
- (D) पुरुषक नहि विश्वासे

७६७. “रक्षिता” शीर्षक कोन कथा-संकेत दैत अछि?

- (A) रक्षा/संरक्षणक भावभूमि
- (B) तमाकू लेख
- (C) वसंत गीत
- (D) नेपाल विशेषांक

७६८. अंक २२२क गद्य-संरचनामे काव्य-विवेचना, बीहनि लेख आ लघु कथा एक संग आबि की बनबैत अछि?

- (A) आलोचना, सिद्धान्त आ कथा-विधाक संतुलन
- (B) केवल पद्य खण्ड
- (C) केवल बाल खण्ड
- (D) केवल सूचना-सूची

७६९. “भवदित्य”क लेख “वैशिष्ट्य” कोन विधाक गुणपर केन्द्रित अछि?

- (A) बीहनि लेख/लघु गद्यक गुण
- (B) गीत-एलबम
- (C) यात्रा-वृत्तांत
- (D) नाट्य मंचन

७७०. अंक २२२मे “सीता-शील” आ “रक्षिता” दुनू शीर्षक कोन भाव-क्षेत्र साझा करैत अछि?

- (A) नारी-चरित्र आ संरक्षण/शीलक क्षेत्र
- (B) केवल हास्य
- (C) केवल आर्थिक नीति
- (D) केवल पशु-कथा

खण्ड ६०४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २२२ : जोग गीत, प्रेम चालीसा आ गीत

७७१. अंक २२२मे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक लेख कोन लोक-सांस्कृतिक विषयपर अछि?

- (A) मैथिली जोग गीत मे प्रेम आ तंत्र केर प्रभाव
- (B) दलित साहित्यक प्रयोजन
- (C) संगम तीरे
- (D) क्रोध

७७२. “मैथिली जोग गीत मे प्रेम आ तंत्र केर प्रभाव” कोन दू तत्वकेँ जोड़ैत अछि?

- (A) प्रेम आ तंत्र
- (B) युद्ध आ व्यापार
- (C) बाल्यकाल आ विद्यालय
- (D) पुरस्कार आ सूची

७७३. अंक २२२मे आशीष अनचिन्हारक पद्य योगदान की अछि?

- (A) ३ टा गजल
- (B) रक्षिता लघु कथा
- (C) सीता-शील विवेचना
- (D) जोग गीत आलेख

७७४. जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’क अंक २२२क पद्य शीर्षक की अछि?

- (A) प्रेम चालीसा
- (B) मोनक गीत
- (C) फगुआ
- (D) जोगीरा

७७५. “प्रेम चालीसा” शीर्षक कोन भावक विस्तार सूचित करैत अछि?

- (A) प्रेमक स्तुति/क्रमबद्ध काव्य-विस्तार
- (B) तमाकू-विरोध
- (C) यात्रा-वृत्तान्त
- (D) बाल विज्ञान

७७६. अंक २२२मे राजीव रंजन झाक पद्य सामग्री कोन-कोन रूपमे अछि?

- (A) फगुआ मुक्तक, गजल आ जोगीरा
- (B) केवल लघु कथा
- (C) केवल आलोचना
- (D) केवल बाल विज्ञान

७७७. “फगुआ” शीर्षक कोन लोक-ऋतु उत्सवसँ जुड़ैत अछि?

- (A) होली/फगुआक लोक-उत्सव
- (B) दीपावली मात्र
- (C) जन्माष्टमी मात्र
- (D) खगोल विज्ञान

७७८. अंक २२२मे ओम प्रकाशक रचना कोन विधामे अछि?

- (A) गजल
- (B) सीता-शील विवेचना
- (C) बीहनि लेख
- (D) लघु कथा

७७९. सत्यनारायण झाक “मोनक गीत” कोन आन्तरिक भावकें प्रमुख करैत अछि?

- (A) मन/हृदयक भाव
- (B) कानूनी विवाद
- (C) कृषि-गणना
- (D) पुरस्कार-सूची

७८०. अंक २२२क पद्य भागमे गजल, फगुआ, जोगीरा आ मोनक गीत मिलि कोन विस्तार बनबैत अछि?

- (A) आधुनिक गजल आ लोक-गीत दुनू
- (B) केवल गद्य-विमर्श
- (C) केवल विज्ञापन
- (D) केवल बाल पाठ

खण्ड ६०५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २२३ : लघु कथा, मधुश्रावण आ विछोहक नोर

७८१. अंक २२३मे जगदीश प्रसाद मण्डलक कतेक लघु कथा देल अछि?

- (A) चारिटा
- (B) दूटा
- (C) तेरहटा
- (D) एकटा

७८२. अंक २२३मे राजदेव मण्डलक कतेक बीहनि कथा अछि?

- (A) दूटा
- (B) चारिटा
- (C) तेरहटा
- (D) सातटा

७८३. डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक अंक २२३क आलेख कोन पाबनिपर केन्द्रित अछि?

- (A) मधुश्रावण
- (B) जुड़िशीतल
- (C) फगुआ
- (D) वैलेंटाइन

७८४. “लोक वेद आ व्यवहारक पाबनि मधुश्रावण” शीर्षक कोन दृष्टि अपनबैत अछि?

- (A) मानवशास्त्रीय विवेचन
- (B) केवल बाल कविता
- (C) केवल गजल
- (D) केवल नाटक

७८५. “मधुश्रावण” लेखमे लोक, वेद आ व्यवहारक उल्लेख कोन बात देखबैत अछि?

- (A) पाबनिक बहुस्तरीय सांस्कृतिक आधार
- (B) केवल व्यक्तिगत डायरी
- (C) केवल बाजार-सूची
- (D) केवल पत्राचार

७८६. अंक २२३मे ओम प्रकाशक विहनि कथा कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) विछोहक नोर
- (B) रक्षिता
- (C) सोंगर
- (D) नै धाड़ैए

७८७. “विछोहक नोर” शीर्षक कोन भाव-संसार खोलैत अछि?

- (A) वियोग आ आँसुक भाव
- (B) केवल हास्य
- (C) केवल कृषि
- (D) केवल इतिहास-तिथि

७८८. गुफरान जीलानीक अंक २२३क रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) झमटबा गाछ
- (B) सदाचारक तावीज
- (C) अरजल जमीन
- (D) बाल्यकाल

७८९. “झमटबा गाछ” शीर्षक कोन बिम्ब पर आधारित अछि?

- (A) गाछ/प्रकृति-बिम्ब
- (B) रेल-यात्रा
- (C) राजनीतिक सभा
- (D) मोबाइल तकनीक

७९०. अंक २२३क गद्य भाग कोन-कोन स्वरकें एकत्र करैत अछि?

- (A) लघु कथा, बीहैन कथा, पाबनि-विवेचन आ विहनि कथा
- (B) केवल पद्य
- (C) केवल अनुवाद
- (D) केवल डाउनलोड सूचना

खण्ड ६०६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २२३ : कविता, रुबाइ आ संपादकीय शृंखला

७९१. अंक २२३मे आशीष अनचिन्हारक पद्य सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) कविता/रुबाइ
- (B) मधुश्रावण आलेख
- (C) दूटा बीहैन कथा
- (D) सीता-शील विवेचना

७९२. अंक २२३मे जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’क योगदान कोन पद्य-विधामे अछि?

- (A) २ टा गजल
- (B) चार लघु कथा
- (C) मधुश्रावण विवेचन
- (D) यात्रा-वृत्तांत

७९३. राजीव रंजन झा अंक २२३मे कतेक गजलसँ उपस्थित छथि?

- (A) ३टा गजल
- (B) १टा गजल
- (C) ७टा गजल
- (D) कोनो नहि

७९४. अंक २२३क संपादकीयमे “नेपालक वर्तमान मैथिली साहित्य” विशेषांकक उद्देश्य की कहल गेल?

- (A) नेपालक वर्तमान मैथिली साहित्यक मूल्यांकन
- (B) केवल पुरान अंक डाउनलोड
- (C) केवल पुरस्कार घोषणा
- (D) केवल बाल कविता

७९५. नेपाल-विषयक विशेषांकक संयोजक रूपमे अंक २२३मे किनक नाम अछि?

- (A) दिनेश यादव
- (B) नीलमाधव चौधरी
- (C) कैलाश कुमार मिश्र
- (D) जगदीश प्रसाद मण्डल

७९६. अंक २२३मे “आमंत्रित रचनापर आमंत्रित आलोचकक टिप्पणी” शृंखलाक दोसर भागमे कोन रचनाकार आमंत्रित कहल गेल?

- (A) नीलमाधव चौधरी
- (B) खड्गबल्लभ दास
- (C) राजदेव मण्डल
- (D) गुफरान जीलानी

७९७. नीलमाधव चौधरीक रचना पर टिप्पणी करबा लेल किनक आमंत्रणक उल्लेख अछि?

- (A) कैलाश कुमार मिश्र
- (B) दिनेश यादव
- (C) प्रदीप पुष्प
- (D) राजेश मोहन झा

७९८. अंक २२३क संपादकीय शृंखला कोन आलोचना-पद्धति दिस संकेत करैत अछि?

- (A) रचनाकारक रचना आ आलोचकक टिप्पणीक संवाद
- (B) केवल सूचना-सूची
- (C) केवल गीत-संग्रह
- (D) केवल बाल खेल

७९९. अंक २२३मे कविता/रुबाई आ गजल एक संग कोन पद्य-विविधता बनबैत अछि?

- (A) छोट काव्यरूप आ गजल दुनू
- (B) केवल नाटक
- (C) केवल उपन्यास
- (D) केवल यात्रा

८००. अंक २२३क समग्र रूपमे गद्यक मुख्य केन्द्र की अछि?

- (A) लघुकथा, बीहैन कथा, पाबनि-विवेचन आ विहनि कथा
- (B) केवल संगीत एलबम
- (C) केवल पुरस्कार-सूची
- (D) केवल बाल चित्र

खण्ड ६०७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २२४ : सीता दाई, औझका डायरी आ संगम तीरे

८०१. अंक २२४मे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक आलेख कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) मैथिलानी केर उपराग राम सं आ समाज सं : सीता दाई केर वेदना
- (B) मधुश्रावण मानवशास्त्रीय विवेचन
- (C) तमाकूल सँ बरबाद संस्कृति
- (D) मैथिली जोग गीत

८०२. “सीता दाई केर वेदना” शीर्षक कोन विमर्शक केन्द्रमे रखैत अछि?

- (A) मैथिलानी, राम आ समाजक संबंध
- (B) केवल बाल कविता
- (C) केवल गजल-छंद
- (D) केवल यात्रा-वृत्तांत

८०३. अंक २२४मे रवि भूषण पाठकक रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) औझका डायरी
- (B) संगम तीरे
- (C) अरजल जमीन
- (D) पुरुषक नहि विश्वासे

८०४. “औझका डायरी” शीर्षक कोन लेखकीय रूप दिस संकेत करैत अछि?

- (A) डायरी/दैनिक टिप्पणी
- (B) उपन्यासक कड़ी
- (C) लोकगीत विवेचना
- (D) बाल कविता

८०५. अंक २२४मे रवीन्द्र नारायण मिश्रक गद्य रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) संगम तीरे
- (B) क्रोध
- (C) बाल्यकाल
- (D) रक्षिता

८०६. “संगम तीरे” शीर्षक कोन स्थल-बिम्ब अनैत अछि?

- (A) नदी-संगमक तट
- (B) विद्यालयक कक्षा
- (C) राजमहल
- (D) कारखाना

८०७. अंक २२४मे आशीष अनचिन्हारक रचना कोन विषयसँ जुड़ल अछि?

- (A) प्रो. हरिमोहन झाजीक गजल
- (B) सीता दाईक वेदना
- (C) अरजल जमीन
- (D) बाल कविता

८०८. प्रो. हरिमोहन झाजीक गजल पर सामग्री कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) गजल-समालोचना/स्मरण
- (B) बाल-कहानी
- (C) सदाचार नाटिका
- (D) लोकगीतक नृत्य

८०९. अंक २२४क प्रारम्भिक गद्य भागमे सीता-विमर्श, डायरी आ संगम-लेखन मिलि कोन विविधता बनबैत अछि?

- (A) विमर्श, वैयक्तिक लेखन आ स्थल-संवेदना
- (B) केवल बाल कविता
- (C) केवल गीत-सूची
- (D) केवल पुरस्कार

८१०. “मैथिलानी केर उपराग राम सं आ समाज सं” शीर्षकमे “उपराग” कोन भाव सूचित करैत अछि?

- (A) आक्षेप/व्यथा/असंतोषक स्वर
- (B) पूर्ण उत्सव मात्र
- (C) खेलक नाम
- (D) वनस्पति विज्ञान

खण्ड ६०८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २२४ : लघुकथा, अरजल जमीन, जुड़िशीतल आ प्रवासी कविता

८११. अंक २२४क मैथिली लघुकथा खण्डमे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) पुरुषक नहि विश्वासे
- (B) अरजल जमीन
- (C) संगम तीरे
- (D) रक्षिता

८१२. “पुरुषक नहि विश्वासे” शीर्षक कोन सामाजिक सम्बन्धपर प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) पुरुष पर अविश्वास/लैंगिक सम्बन्ध
- (B) केवल मौसम
- (C) केवल नदी-तट
- (D) केवल बाल-खेल

८१३. अंक २२४मे प्रणव झाक लघुकथा कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) अरजल जमीन
- (B) रक्षिता
- (C) सदाचारक तावीज
- (D) झमटबा गाछ

८१४. “अरजल जमीन” शीर्षक कोन विषयक सम्भावना खोलैत अछि?

- (A) भूमि/स्वामित्व/अर्जनक सामाजिक प्रसंग
- (B) केवल गजल
- (C) केवल बालगीत
- (D) केवल गीत-एलबम

८१५. अंक २२४मे अमरनाथ मिश्रक पद्य रचना कोन पर्व/उत्सवसँ जुड़ल अछि?

- (A) जुड़िशीतल गीत
- (B) फगुआ मुक्तक
- (C) वसंत गीत
- (D) सरस्वती वंदना

८१६. “जुड़िशीतल-गीत” कोन मैथिल पर्व-संस्कृति दिस संकेत करैत अछि?

- (A) जुड़िशीतल पाबनि
- (B) विवाहक बारात मात्र
- (C) शिकार-उत्सव
- (D) कारखाना दिवस

८१७. अंक २२४मे राजेश मोहन झा “गुंजन”क रचना कोन विषयपर विशेष अछि?

- (A) ममताक अनुभूति — जूड़शीतल पर विशेष
- (B) प्रेम चालीसा
- (C) मधुश्रावण
- (D) नोटबन्दी

८१८. रश्मि किरण झाक अंक २२४क रचना कोन काव्यरूपमे अछि?

- (A) हाइकू
- (B) गजल
- (C) लघु नाटिका
- (D) यात्रा-वृत्तांत

८१९. अंक २२४क “VIDEHA FOR NON RESIDENTS” खण्डमे डॉ. शेफालिका वर्माक मैथिली कविता के अंग्रेजीमे अनुवाद केलनि?

- (A) डॉ. जया वर्मा
- (B) डॉ. वीणा कर्ण
- (C) रश्मि किरण झा
- (D) प्रणव झा

८२०. “WHERE ARE WE?” शीर्षकक प्रवासी खण्ड कोन पाठक-वर्गसँ संवाद करैत अछि?

- (A) गैर-निवासी/प्रवासी पाठक
- (B) केवल बाल पाठक
- (C) केवल ग्रामसभा
- (D) केवल लघुकथा लेखक

खण्ड ६०९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २२५ : बीहैन कथा, निबन्ध, यात्रा आ सदाचारक तावीज

८२१. अंक २२५मे राजदेव मण्डलक कतेक बीहैन कथा देल अछि?

- (A) दूटा
- (B) चारिटा
- (C) तेरहटा
- (D) एकटा

८२२. अंक २२५मे रवीन्द्र नारायण मिश्रक सामग्री कोना वर्णित अछि?

- (A) २ टा निबन्ध आ एकटा यात्रा-वृत्तान्त
- (B) केवल गजल
- (C) केवल बाल कविता
- (D) केवल नाटक

८२३. रवीन्द्र नारायण मिश्रक निबन्धमे “क्रोध” शीर्षक कोन भावपर विचार करैत अछि?

- (A) मनुष्यक क्रोध आ ओकर कारण
- (B) जुड़िशीतल गीत
- (C) प्रेम चालीसा
- (D) बाल कविता

८२४. “क्रोध” निबन्धक आरम्भिक भाव अनुसार मनुष्य कोन प्रकारक प्राणी कहल गेल?

- (A) भावुक प्राणी
- (B) केवल यांत्रिक प्राणी
- (C) निर्जीव वस्तु
- (D) केवल देवता

८२५. अंक २२५मे नन्द विलास राय कतेक लघु कथा संग उपस्थित छथि?

- (A) दूटा
- (B) तीनटा
- (C) चारिटा
- (D) तेरहटा

८२६. अंक २२५मे जगदीश प्रसाद मण्डलक कतेक लघु कथा अछि?

- (A) तीन गोटा
- (B) दूटा
- (C) तेरहटा
- (D) एकटा

८२७. अंक २२५मे प्रणव झाक मैथिली लघु नाटिका कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) सदाचारक तावीज
- (B) अरजल जमीन
- (C) रक्षिता
- (D) चहकल विचार

८२८. “सदाचारक तावीज” शीर्षक कोन नैतिक संकेत दैत अछि?

- (A) सदाचार/नीति केँ तावीज-सदृश मानब
- (B) केवल हँसी-मजाक
- (C) केवल जलाशय
- (D) केवल यात्रा

८२९. अंक २२५क गद्य भागमे नाटिका, कथा, निबन्ध आ यात्रा-वृत्तान्त एक संग आबि कोन विविधता बनबैत अछि?

- (A) गद्य-विधाक बहुविध विस्तार
- (B) केवल पद्य
- (C) केवल बालानां कृते
- (D) केवल अनुवाद

८३०. अंक २२५मे “यात्रा-वृत्तान्त” कोन लेखकीय अनुभवक संकेत दैत अछि?

- (A) यात्राक प्रत्यक्ष अनुभव/वर्णन
- (B) केवल कल्पित छंद
- (C) केवल पुरस्कार-सूची
- (D) केवल बालगीत

खण्ड ६१० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २२५ : गजल, राम विलास साहुक कविता आ बालानां कृते

८३१. अंक २२५मे आशीष अनचिन्हारक पद्य योगदान की अछि?

- (A) २ टा गजल
- (B) सदाचारक तावीज
- (C) दूटा बीहैन कथा
- (D) क्रोध निबन्ध

८३२. अंक २२५मे राम विलास साहुक योगदान कोन रूपमे वर्णित अछि?

- (A) दू दर्जन कविता
- (B) तीन गजल
- (C) एक यात्रा-वृत्तान्त
- (D) दूटा बीहैन कथा

८३३. “दू दर्जन कविता” उल्लेख कोन बात देखबैत अछि?

- (A) कविताक पर्याप्त संख्या/समृद्ध पद्य उपस्थिति
- (B) केवल एक पंक्ति
- (C) केवल संपादकीय
- (D) केवल नाटक

८३४. अंक २२५मे जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’ कोन विधासँ उपस्थित छथि?

- (A) गजल
- (B) यात्रा-वृत्तान्त
- (C) लघु नाटिका
- (D) निबन्ध

८३५. अंक २२५मे राजीव रंजन झाक पद्य योगदान की अछि?

- (A) गजल
- (B) सदाचारक तावीज
- (C) तीन लघु कथा
- (D) क्रोध निबन्ध

८३६. अंक २२५क पद्य खण्डमे गजलकारक उपस्थिति कोन बात देखबैत अछि?

- (A) गजल-विधाक निरंतरता
- (B) गजल-विधाक अभाव
- (C) केवल कथा प्रधानता
- (D) केवल आलोचना

८३७. अंक २२५क बालानां कृतेमे डॉ. शशिधर कुमार “विदेह”क योगदान कोना देल अछि?

- (A) ४ टा सचित्र बाल कविता
- (B) दूटा बीहैन कथा
- (C) क्रोध निबन्ध
- (D) प्रेम चालीसा

८३८. “सचित्र बाल कविता” कहबासँ कोन बात स्पष्ट होइत अछि?

- (A) बाल कवितामे चित्रात्मक प्रस्तुति सेहो अछि
- (B) केवल गद्य-लेख
- (C) केवल आलोचना
- (D) केवल यात्रा-वृत्तान्त

८३९. अंक २२५क पद्य आ बाल खण्ड मिलि कोन पाठक-विस्तार बनबैत अछि?

- (A) वयस्क काव्य-पाठक आ बाल पाठक दुनू
- (B) केवल शोधकर्ता
- (C) केवल गजलकार
- (D) केवल प्रवासी पाठक

८४०. अंक २२५क समग्र रचनाक्रम कोन संतुलन बनबैत अछि?

- (A) कथा-निबन्ध-नाटिका-पद्य-बाल कविता
- (B) केवल पुरस्कार
- (C) केवल डाउनलोड सूचना
- (D) केवल पुरान अंक

खण्ड ६११ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २२६ : रबीन्द्र नारायण मिश्र, आजाद आ मकर संक्रान्ति

८४१. अंक २२६क आरम्भिक सूचीमे मुख्य रचनाकार कोन छथि?

- (A) रबीन्द्र नारायण मिश्र
- (B) नीलमाधव चौधरी
- (C) प्रणव झा
- (D) कमलेश प्रमेन्द्र

८४२. अंक २२६मे रबीन्द्र नारायण मिश्रक रचनासूचीमे “आजादक अन्त्येष्टि” संग कोन पावनि-विषयक रचना अछि?

- (A) मकर संक्रान्ति
- (B) जुड़िशीतल
- (C) दशहरा
- (D) छठि

८४३. “आजादक अन्त्येष्टि” रचनामे चन्द्रशेखर आजादक मृत्यु कोन स्थान-संदर्भसँ जोड़ल गेल अछि?

- (A) इलाहाबादक एलफ्रेड पार्क
- (B) जनकपुरक जानकी मन्दिर
- (C) दरभंगाक राजमैदान
- (D) राँचीक टैगोर हिल

८४४. आजादक दाह-संस्कारक प्रसंगमे शिवनायक मिश्रकें सूचना के पठौलथि?

- (A) श्रीमती कमला नेहरू
- (B) ज्योतिन्द्रनाथ टैगोर
- (C) बृषेश चन्द्र लाल
- (D) राजेश मोहन झा

८४५. “आजादक अन्त्येष्टि”मे पद्मकान्त मालवीयक भूमिका कोन रूपमे आबैत अछि?

- (A) घटनाक प्रत्यक्ष साक्षी आ संस्कार-व्यवस्था सँ जुड़ल व्यक्ति
- (B) गजलकार
- (C) बालगीतकार
- (D) भोजपुरिया गायक

८४६. रचनामे पुरुषोत्तम दास टंडन आजादक सम्मानक विषयमे कोन भाव रखैत छथि?

- (A) आजाद महान देशभक्त छलाह, हुनक सम्मान आवश्यक
- (B) आजादक चर्चा रोकबाक चाही
- (C) जुलूस पूर्णतः अनावश्यक
- (D) समाजकें मौन रहबाक चाही

८४७. मकर संक्रान्ति लेखमे ई पावनि सूर्यक कोन राशि-प्रवेशक संग जोड़ल अछि?

- (A) मकर राशि
- (B) कर्क राशि
- (C) सिंह राशि
- (D) मीन राशि

८४८. मकर संक्रान्ति लेखमे तमिलनाडुमे एहि पावनिक कोन नाम कहल गेल अछि?

- (A) पोंगल
- (B) भोगाली विहू
- (C) तिला सकराँति
- (D) गंगासागर

८४९. मकर संक्रान्ति लेखमे मिथिलांचलक स्थानीय नाम कोन देल अछि?

- (A) तिला सकराँति
- (B) मोहरावादी हिल
- (C) सगर राति
- (D) बुद्धिचौ

८५०. मकर संक्रान्ति लेखक समापनमे एहि पर्वक मुख्य ध्येय कोना उभरैत अछि?

- (A) लोक-वेदक सुख बढ़य, ई मंगलकामना
- (B) केवल राजनीतिक विरोध
- (C) केवल नगर-यात्रा
- (D) केवल दहेज-विरोध

खण्ड ६१२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २२६ : राँची चारि दसक बाद आ गामक बात

८५१. अंक २२६क सूचीमे “राँची चारि दसक बाद” कोन रचनाकारक रचना अछि?

- (A) रबीन्द्र नारायण मिश्र
- (B) आशीष अनचिन्हार
- (C) डॉ. कैलाश कुमार मिश्र
- (D) प्रणव झा

८५२. “राँची चारि दसक बाद”मे लेखक पहिल बेर राँची कोन प्रयोजनसँ गेल छलाह?

- (A) दूरभाष निरीक्षक पदक प्रशिक्षण
- (B) गजल सम्मेलन
- (C) बालगीत पाठ
- (D) चित्रकला प्रदर्शनी

८५३. राँची-संस्मरणमे लेखक आरम्भमे कोन संस्थान/स्थानमे रहलाक उल्लेख करैत छथि?

- (A) योगदा सत्संग मठ
- (B) सौराठ सभा
- (C) गंगासागर मेला
- (D) अभ्युदय प्रेस

८५४. राँची-संस्मरणमे शुभद्र बाबूक स्वभाव कोन बातसँ झलकैत अछि?

- (A) सहयोगी, स्वाध्यायशील आ अनुशासनप्रिय
- (B) केवल हास्यप्रधान
- (C) केवल व्यापारी
- (D) राजनीतिक वक्ता मात्र

८५५. राँची-संस्मरणमे प्रशिक्षण-जीवनक कोन दुखद घटना लेखककेँ कचोटैत रहल?

- (A) अंगेठी सँ कार्बनमोनोक्साइड कारण एक प्रशिक्षक मृत्यु
- (B) कविता-पाठ स्थगित भेल
- (C) बालगीत छूटि गेल
- (D) गजल-संग्रह हराएल

८५६. राँचीक कौंके स्थित मानसिक चिकित्सालय देखबाक बाद लेखक कोन भाव व्यक्त करैत छथि?

- (A) मानसिक स्वास्थ्यक महत्त्व आ करुणा
- (B) मेला-उत्सवक उल्लास
- (C) दहेजक उत्सव
- (D) केवल खेलक गर्व

८५७. राँची-संस्मरणमे टैगोर हिलक ऐतिहासिक सम्बन्ध कोन व्यक्तित्वसँ जोड़ल अछि?

- (A) ज्योतिन्द्रनाथ टैगोर
- (B) चन्द्रशेखर आजाद
- (C) मुन्ना जी
- (D) राजदेव मण्डल

८५८. “राँची चारि दसक बाद”क मूल रचना-स्वर कोन अछि?

- (A) पुरान स्मृति आ बदलल नगरक तुलना
- (B) केवल बालगीत-संग्रह
- (C) केवल गजल-छन्दशास्त्र
- (D) केवल पुस्तक-सूची

८५९. अंक २२६क “गामक बात” शीर्षक कोन प्रकारक साहित्यिक संकेत दैत अछि?

- (A) ग्राम्य जीवन आ लोक अनुभवक चर्चा
- (B) समुद्री यात्रा
- (C) विज्ञान-कथा
- (D) नाट्य-संवाद मात्र

८६०. अंक २२६क चारू शीर्षक मिलि कोन विषय-विस्तार बनबैत अछि?

- (A) इतिहास-स्मरण, पावनि, शहर-संस्मरण आ गामक जीवन
- (B) केवल दहेज गीत
- (C) केवल एकटा बालगीत
- (D) केवल विज्ञापन-सूची

खण्ड ६१३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २२७ : नीलमाधव चौधरीक ढेर रास कविता

८६१. अंक २२७क आरम्भिक सूची मुख्यतः कोन रचनाकारक कविता-समूह पर केन्द्रित अछि?

- (A) नीलमाधव चौधरी
- (B) रबीन्द्र नारायण मिश्र
- (C) अब्दुर रज्जाक
- (D) बृषेश चन्द्र लाल

८६२. अंक २२७क सामग्री-संकेत “ढेर रास कविता” कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) एक रचनाकारक बहुविध कविताक विशेष प्रस्तुति
- (B) केवल एक सम्पादकीय नोट
- (C) केवल बालगीत
- (D) केवल कथा-क्रम

८६३. “हम त’ ठीक छी : सत्ते?” कविता मे केहन आत्मप्रश्न उठैत अछि?

- (A) समाजक बदलल नैतिकता आ अपन सुन्न पड़ल प्रतिरोध
- (B) केवल पावनिक भोजन
- (C) केवल बालक खेल
- (D) केवल नाटक मंचन

८६४. “हम त’ ठीक छी : सत्ते?”मे कवि “प्रगति” आ “अवनति”क बीच कोन तनाव देखबैत छथि?

- (A) बाहरी सशक्तता संग भीतरी असुरक्षा आ अपमान
- (B) पूजा-पद्धतिक क्रम
- (C) नवगीतक छन्द
- (D) बालगीतक तुक

८६५. “की ई प्रकृतिक नियम अछि?” कविता कोन बिम्बसँ आरम्भ होइत अछि?

- (A) गाछक रुग्णता आ नग्नता
- (B) पोखरिक माछ
- (C) धनक रूप
- (D) बुद्धिचौ

८६६. “की ई प्रकृतिक नियम अछि?”मे धूर्तता आ अधिकारक प्रसंग कोन अर्थ बनबैत अछि?

- (A) सामाजिक अन्याय आ अधिकारहीनताक आलोचना
- (B) केवल ऋतु-वर्णन
- (C) केवल चित्रकला-प्रशंसा
- (D) केवल दही-चूड़ा वर्णन

८६७. नीलमाधव चौधरीक कवितासमूहक “अपने अपन हंता” शीर्षक कोन भावदशा सूचित करैत अछि?

- (A) आत्मदंश, अस्वीकार आ लौटि अयबाक उम्मीद
- (B) खेलक नियम
- (C) पुस्तक समीक्षा
- (D) नदी-यात्रा

८६८. “अपने अपन हंता”मे “मिथिला क आन” पर लौटबाक स्वर कोन बात देखबैत अछि?

- (A) निज प्रदेश आ सम्मानक स्मृति
- (B) केवल शहर-बाजार
- (C) केवल धनरूप
- (D) केवल चिकित्सा-वर्णन

८६९. “आँचर तर सहेज” कविता कोन सामाजिक-राजनीतिक चिन्ता उठबैत अछि?

- (A) मिथिलाक उपेक्षा आ लोकनेतृत्वक विफलता
- (B) मकर संक्रान्तिक पकवान
- (C) बच्चाक पाठशाला मात्र
- (D) प्रेम चालीसा

८७०. “आजुक दिनचर्या” कविता मे घर-परिवारक कोन दृश्य उभरैत अछि?

- (A) बीमारी, स्कूल, भोजन, चाह आ घरेलू तनाव
- (B) युद्ध-संस्मरण
- (C) पुरस्कार-वितरण
- (D) लोकनृत्य-मेला

खण्ड ६१४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २२७ : सामाजिक आत्मालोचना, मिथिला-बोध आ दिनचर्या

८७१. अंक २२७मे नीलमाधव चौधरीक कविता-समूहक प्रमुख रचनात्मक बल कोन अछि?

- (A) सामाजिक आत्मालोचना आ निजी पीड़ाक संगम
- (B) केवल हास्य-व्यंग्य मंच
- (C) केवल भजन-सूची
- (D) केवल ऐतिहासिक दस्तावेज

८७२. “हम त’ ठीक छी : सत्ते?” कविता पाठकसँ कोन तरहक प्रश्न करबैत अछि?

- (A) हम सचमुच ठीक छी कि नै, एहि पर विचार
- (B) हम कोन पन्ना पर छी
- (C) कहाँ डाउनलोड करी
- (D) कतेक लिंक अछि

८७३. नीलमाधव चौधरीक कवितामे “अधिकार”क प्रसंग कोन अर्थमे अबैत अछि?

- (A) उचित अधिकार लेल लोकक संघर्ष आ लाचारी
- (B) बालगीतक लय मात्र
- (C) दहेजक रस्म
- (D) मेला-सूची

८७४. अंक २२७क कविता-संसारमे प्रेम आ अस्वीकार कोन शीर्षकक निकट देखाइत अछि?

- (A) अपने अपन हंता
- (B) गौरी चोरनी
- (C) बुद्धिचौ
- (D) सुखैत पोखैर

८७५. “आँचर तर सहेज”मे मिथिलाक उपेक्षा ककर द्वारा सेहो देखाओल गेल अछि?

- (A) मैथिले मिथिलाकेँ बिसरि गेल, एहि स्वरमे
- (B) केवल बाहरी लोक
- (C) केवल देवता
- (D) केवल बालक

८७६. नीलमाधव चौधरीक कवितामे लोक-जीवन आ राजनीति कोना जोड़ाइत अछि?

- (A) मिथिला, नेता, सभा, भोट आ लोकस्मृतिक बिम्बसँ
- (B) केवल वनस्पति-विज्ञानसँ
- (C) केवल गणितीय सूत्रसँ
- (D) केवल पाककला-सूचीसँ

८७७. “आजुक दिनचर्या”क घरक दृश्य कोन प्रकारक यथार्थवादी धरातल पर अछि?

- (A) छोट-छोट घरेलू उलझन आ आर्थिक/परिवारिक दबाव
- (B) राजदरबारक विलास
- (C) पर्वतारोहण
- (D) समुद्रयात्रा

८७८. अंक २२७क कविता-समूहमे शहर, समाज आ घरक बीच कोन सम्बन्ध बनैत अछि?

- (A) बाहरी समाजक विघटन घरक तनावमे सेहो उतरैत अछि
- (B) सभ कविता केवल प्रकृति-चित्रण अछि
- (C) सभ केवल पौराणिक कथा अछि
- (D) सभ केवल हास्य नाटक अछि

८७९. नीलमाधव चौधरीक एहि अंकक कविता-प्रस्तुति विदेहक कोन सम्पादकीय रूप देखबैत अछि?

- (A) एक रचनाकारक व्यापक काव्य-संसारकेँ स्थान देबाक प्रवृत्ति
- (B) केवल सूचना-पट्ट
- (C) केवल चित्र-फाइल
- (D) केवल डाउनलोड तालिका

८८०. अंक २२७क कवितासभ पढ़बाक समय कोन दृष्टि उपयुक्त अछि?

- (A) शीर्षक, बिम्ब, सामाजिक प्रश्न आ निजी स्वर सभकेँ जोड़ि पढ़ब
- (B) केवल नाम गिनब
- (C) केवल पन्ना खोजब
- (D) केवल लिंक गिनब

खण्ड ६१५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २२८ : गद्य, कथा आ आलोचनात्मक विमर्श

८८१. अंक २२८क गद्य खण्डमे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक लेख कोन विषय पर अछि?

- (A) गौरी चोरनी, गौरी डाईन आ गौरी छिनारि : मधुश्रावणी कथा केर द्वन्द
- (B) झोल
- (C) हमर पोती
- (D) जरल कपार

८८२. अंक २२८मे प्रणव झाक गद्य-योगदानक शीर्षक कोन अछि?

- (A) खिस्सा-सुखैत पोखैर प्यासल गाम
- (B) बुद्धिचौ
- (C) धन रूप आ गुण
- (D) मकर संक्रान्ति

८८३. अंक २२८मे जगदीश प्रसाद मण्डलक गद्य-योगदान केहन अछि?

- (A) छ: गोट लघु कथा
- (B) चारि गजल
- (C) दू बालगीत
- (D) एक नवगीत

८८४. अंक २२८मे आशीष अनचिन्हारक गद्य शीर्षक कोन अछि?

- (A) तीन टा बिंदु
- (B) झोल
- (C) आँचर तर सहेज
- (D) सदाचारक तावीज

८८५. अंक २२८क गद्य-संरचना कोन विविधता देखबैत अछि?

- (A) लोककथा/पर्व-विमर्श, खिस्सा, लघुकथा आ वैचारिक बिंदु
- (B) केवल बालगीत
- (C) केवल गजल
- (D) केवल सम्पादकीय

८८६. “गौरी चोरनी, गौरी डाईन आ गौरी छिनारि” शीर्षक कोन सांस्कृतिक पृष्ठभूमि सँ जुड़ल अछि?

- (A) मधुश्रावणी कथा
- (B) राँची प्रशिक्षण
- (C) दहेजक पसाही
- (D) शिव भजन

८८७. “सुखैत पोखैर प्यासल गाम” शीर्षक कोन प्रतीकात्मक तनाव बनबैत अछि?

- (A) जल-स्रोत सुखाएल आ गाम प्यासल — लोकजीवनक संकट
- (B) कविता-सम्मेलनक पुरस्कार
- (C) एकटा बालक खेल
- (D) इन्टरनेटक पहिल साइट

८८८. अंक २२८क गद्य खण्डमे लघुकथा कोन लेखकक नामसँ आयल अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (B) राजेश मोहन झा
- (C) कमलेश प्रमेन्द्र
- (D) बृषेश चन्द्र लाल

८८९. अंक २२८मे आशीष अनचिन्हारक “तीन टा बिंदु” कोन श्रेणीमे राखल गेल अछि?

- (A) गद्य
- (B) पद्य
- (C) बालानां कृते
- (D) चित्रकला

८९०. अंक २२८क गद्य खण्ड पढ़बाक मुख्य तरीका कोन होएत?

- (A) शीर्षक सभक सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ मिलाकए पढ़ब
- (B) केवल पन्ना संख्या देखब
- (C) केवल संपर्क सूचना पढ़ब
- (D) केवल बाहरी लिंक खोलब

खण्ड ६१६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २२८ : पद्य, गजल, कविता आ बाल कविता

८९१. अंक २२८क पद्य खण्डमे जगदीश चन्द्र ठाकुर “अनिल”क योगदान कोन अछि?

- (A) चारि टा गजल
- (B) छः गोट लघुकथा
- (C) दू टा बालगीत
- (D) एक खिस्सा

८९२. अंक २२८क पद्य खण्डमे आशीष अनचिन्हारक योगदान कोन अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) छः कथा
- (C) एक बालगीत
- (D) एक निबन्ध

८९३. अंक २२८मे राम विलास साहुक पद्य योगदान केहन अछि?

- (A) एक दर्जन कविता
- (B) एक बीहनि कथा
- (C) दू बालगीत
- (D) तीन टा बिंदु

८९४. अंक २२८मे डॉ. शशिधर कुमार “विदेह” पद्य खण्डमे कोन रूपे उपस्थित छथि?

- (A) दू गोट कविता
- (B) चारि गजल
- (C) छः कथा
- (D) एक समीक्षा

८९५. अंक २२८मे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक पद्य शीर्षक कोन अछि?

- (A) गामक कचोट
- (B) झोल
- (C) नवगीत
- (D) बुद्धिचौ

८९६. अंक २२८क पद्य खण्डमे गजलकारक जोड़ी कोन अछि?

- (A) जगदीश चन्द्र ठाकुर “अनिल” आ आशीष अनचिन्हार
- (B) प्रणव झा आ मुन्ना जी
- (C) अब्दुर रज्जाक आ राजदेव मण्डल
- (D) बृषेश चन्द्र लाल आ उमेश मण्डल

८९७. “गामक कचोट” शीर्षक कोन भावभूमि संकेत करैत अछि?

- (A) गामक पीड़ा आ स्मृतिजन्य चुभन
- (B) दहेजक हास्य
- (C) बालक खिलौना
- (D) शहरक विज्ञापन

८९८. अंक २२८क बालानां कृते खण्डमे कोन रचनाकार छथि?

- (A) डॉ. शशिधर कुमार “विदेह”
- (B) नीलमाधव चौधरी
- (C) रबीन्द्र नारायण मिश्र
- (D) मुन्ना जी

८९९. अंक २२८मे पद्य आ बाल-कविता मिलि कोन पाठक-विस्तार बनबैत अछि?

- (A) वयस्क कविता-पाठक आ बाल पाठक दुनू
- (B) केवल शोध-प्रश्न
- (C) केवल नाट्य-मंच
- (D) केवल गद्य आलोचना

९००. अंक २२८क समग्र साहित्यिक संतुलन कोना देखाइत अछि?

- (A) गद्य, पद्य आ बाल-कविता तीनू स्तर उपस्थित
- (B) केवल एक कविक कविता
- (C) केवल राजनीतिक सूचना
- (D) केवल चित्रकला

खण्ड ६१७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २२९ : बीहनि कथा, आयोजन आ लोक-संगीत

९०१. अंक २२९क गद्य खण्डमे अब्दुर रज्जाकक योगदान कोन अछि?

- (A) बीहनि कथा
- (B) शिव भजन
- (C) चारि गजल
- (D) हमर पोती

९०२. अंक २२९मे राजदेव मण्डलक गद्य योगदान केहन अछि?

- (A) दू टा बीहनि कथा
- (B) एक नवगीत
- (C) चारि गजल
- (D) दू बालगीत

९०३. अंक २२९मे उमेश मण्डलक “सगर राति दीप जरय” सम्बन्धी लेख कोन विषय-सूचक अछि?

- (A) आयोजनक विवरण
- (B) बालगीत
- (C) गजल-संग्रह
- (D) मकर संक्रान्ति

९०४. अंक २२९मे उमेश मण्डलक दोसर गद्य विषय कोन अछि?

- (A) मिथिलाक लोक संगीत/लोक कला भगैत गबैय
- (B) धन रूप आ गुण
- (C) हमर पोती
- (D) आजादक अन्त्येष्टि

९०५. अंक २२९क गद्य खण्डमे बीहनि कथा कोन-कोन रचनाकारसँ जुड़ल अछि?

- (A) अब्दुर रज्जाक आ राजदेव मण्डल
- (B) आशीष अनचिन्हार आ कमलेश प्रमेन्द्र
- (C) राजेश मोहन झा आ प्रदीप पुष्प
- (D) बृषेश चन्द्र लाल आ नीलमाधव चौधरी

९०६. अंक २२९क गद्य-सूचीमे लोक-कला पक्ष कोन शीर्षकसँ प्रकट अछि?

- (A) मिथिलाक लोक संगीत/लोक कला भगैत गबैय
- (B) शिव भजन
- (C) जरल कपार
- (D) हम त ठीक छी

९०७. अंक २२९मे “सगर राति दीप जरय”क आयोजन-संदर्भ कोन बात देखबैत अछि?

- (A) साहित्यिक-सांस्कृतिक गतिविधिक निरंतरता
- (B) केवल एकल बालगीत
- (C) केवल पावनिक पकवान
- (D) केवल गुप्तचर-वृत्तान्त

९०८. अंक २२९क गद्य खण्डमे कथा आ लोक-संस्कृति कोना संग चलैत अछि?

- (A) बीहनि कथा संग आयोजन आ भगैत गबैयक लेख
- (B) केवल गणितीय प्रश्न
- (C) केवल विदेश यात्रा
- (D) केवल तकनीकी सूचना

९०९. अंक २२९क सूचीमे “बीहनि कथा”क आवृत्ति कोन बात सूचित करैत अछि?

- (A) लघु/बीज-आकारक कथा-विधाक सक्रिय उपस्थिति
- (B) नाटक-विधाक अभाव मात्र
- (C) केवल चित्रकला
- (D) केवल शोध-संदर्भ

९१०. अंक २२९क गद्य खण्डक समेकित स्वर कोन अछि?

- (A) लघुकथा, सांस्कृतिक आयोजन आ लोक परम्पराक मिश्रण
- (B) केवल एक कविक ढेर कविता
- (C) केवल शहर-संस्मरण
- (D) केवल बाल-चित्र

खण्ड ६१८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २२९ : गजल, शिव भजन, नवगीत आ बालगीत

९११. अंक २२९क पद्य खण्डमे जगदीश चन्द्र ठाकुर “अनिल”क योगदान कोन अछि?

- (A) चारि टा गजल
- (B) दू बीहनि कथा
- (C) बालगीत-हमर पोती
- (D) गामक कचोट

९१२. अंक २२९मे आशीष अनचिन्हारक पद्य योगदान कोन अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) नवगीत
- (C) शिव भजन
- (D) दू बालगीत

९१३. अंक २२९मे राजेश मोहन झा “गुंजन” कोन पद्य-विधा सँ उपस्थित छथि?

- (A) शिव भजन
- (B) गजल
- (C) बीहनि कथा
- (D) लोक कला लेख

९१४. अंक २२९मे राजेश वर्मा “भवादित्य”क योगदान कोन अछि?

- (A) नवगीत
- (B) चारि गजल
- (C) दू बालगीत
- (D) बिहैन कथा

९१५. अंक २२९क बालानां कृतेमे बृषेश चन्द्र लाल कोन रूपे उपस्थित छथि?

- (A) दू टा बालगीत
- (B) छः लघुकथा
- (C) मधुश्रावणी विमर्श
- (D) इन्टरनेट लेख

९१६. अंक २२९क पद्य खण्डमे गजल आ भजनक सह-अस्तित्व कोन बात देखबैत अछि?

- (A) धार्मिक, गेय आ आधुनिक पद्य-विधाक संगम
- (B) केवल गद्य-विमर्श
- (C) केवल कथा-लेखन
- (D) केवल आलोचना

९१७. अंक २२९मे गजलकारक संख्या-संकेत कोन अछि?

- (A) “अनिल” चारि गजल आ आशीष दू गजल
- (B) केवल एक गजल
- (C) दर्जन कविता मात्र
- (D) कोनो गजल नहि

९१८. अंक २२९क पद्य-विन्यासमे “नवगीत” कोन लेखकसँ जुड़ल अछि?

- (A) राजेश वर्मा “भवादित्य”
- (B) अब्दुर रज्जाक
- (C) राजदेव मण्डल
- (D) उमेश मण्डल

९१९. अंक २२९क बालगीत खण्ड कोन पाठक-वर्गकें समाहित करैत अछि?

- (A) बाल पाठक
- (B) केवल राजनैतिक लेखक
- (C) केवल आलोचक
- (D) केवल मंच-कलाकार

९२०. अंक २२९क समग्र पद्य-पक्ष कोना परिभाषित होइत अछि?

- (A) गजल, भजन, नवगीत आ बालगीतक बहुविध उपस्थिति
- (B) केवल एक निबन्ध
- (C) केवल डाउनलोड सूचना
- (D) केवल राँची-संस्मरण

खण्ड ६१९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २३० : इन्टरनेट उपस्थिति, बीहनि कथा आ लोक-कला

९२१. अंक २३०क गद्य खण्डमे आशीष अनचिन्हारक लेख कोन विषय पर अछि?

- (A) “कतेक रास बात” इन्टरनेटपर मैथिलीक पहिल उपस्थिति नै अछि
- (B) मकर संक्रान्ति
- (C) हमर पोती
- (D) चारि गजल

९२२. अंक २३०मे मुन्ना जीक बीहनि कथा कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) झोल
- (B) बुद्धिचौ
- (C) धन रूप आ गुण
- (D) आँचर तर सहेज

९२३. अंक २३०मे बृषेश चन्द्र लालक गद्य शीर्षक कोन अछि?

- (A) बुद्धिचौ
- (B) शिव भजन
- (C) जरल कपार
- (D) चारि गजल

९२४. अंक २३०मे उमेश मण्डलक लेख कोन लोक-विषयसँ जुड़ल अछि?

- (A) मिथिलाक लोक संगीत/लोक कला भगैत गबैया
- (B) दहेजक पसाही
- (C) हमर पोती
- (D) मकर राशि

९२५. अंक २३०क गद्य खण्डमे इन्टरनेट-विवेचना कोन लेखकसँ जुड़ल अछि?

- (A) आशीष अनचिन्हार
- (B) मुन्ना जी
- (C) प्रदीप पुष्प
- (D) कमलेश प्रमेन्द्र

९२६. “कतेक रास बात” सम्बन्धी लेखक शीर्षक कोन दाबीकँ प्रश्नांकित करैत अछि?

- (A) ओ मैथिलीक पहिल इन्टरनेट उपस्थिति नै अछि
- (B) ओ एकटा बालगीत अछि
- (C) ओ चारि गजल अछि
- (D) ओ शिव भजन अछि

९२७. अंक २३०मे बीहनि कथा विधा कोन लेखकसँ आवैत अछि?

- (A) मुन्ना जी
- (B) जगदीश चन्द्र ठाकुर “अनिल”
- (C) प्रदीप पुष्प
- (D) राजेश मोहन झा “गुंजन”

९२८. अंक २३०क गद्य-सूचीमे “बुद्धिचौ” कोन खण्डमे अछि?

- (A) गद्य
- (B) पद्य
- (C) बालानां कृते
- (D) सम्पादकीय मात्र

९२९. अंक २३०क गद्य खण्डक विषय-विस्तार कोन अछि?

- (A) इन्टरनेट इतिहास, बीहनि कथा, लोक-कला आ स्वतंत्र गद्य
- (B) केवल गजल-प्रस्तुति
- (C) केवल पर्व-वर्णन
- (D) केवल बालगीत

९३०. अंक २३०मे लोक-संगीत/लोक-कला सम्बन्धी शीर्षक अंक २२९सँ कोन सम्बन्ध बनबैत अछि?

- (A) भगैत गबैय विषयक क्रमिक/पुनरावृत्त रुचि
- (B) एकदम असम्बद्ध चित्र
- (C) केवल बालक खेल
- (D) केवल पावनिक भोजन

खण्ड ६२० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २३० : गजल, जरल कपार, दहेजक पसाही आ हमर पोती

९३१. अंक २३०क पद्य खण्डमे जगदीश चन्द्र ठाकुर “अनिल”क योगदान कोन अछि?

- (A) चारि टा गजल
- (B) दू बालगीत
- (C) एक बीहनि कथा
- (D) मिथिला लोककला लेख

९३२. अंक २३०मे कमलेश प्रमेन्द्रक पद्य शीर्षक कोन अछि?

- (A) जरल कपार
- (B) धन रूप आ गुण
- (C) हमर पोती
- (D) झोल

९३३. अंक २३०मे प्रदीप पुष्प कोन विधासँ उपस्थित छथि?

- (A) गजल
- (B) बीहनि कथा
- (C) बालगीत
- (D) लोककला लेख

९३४. अंक २३०मे राजेश मोहन झा “गुंजन”क पद्य शीर्षक कोन अछि?

- (A) धन रूप आ गुण (दहेजक पसाही)
- (B) गामक कचोट
- (C) खिस्सा-सुखैत पोखैर
- (D) बुद्धिचौ

९३५. “धन रूप आ गुण (दहेजक पसाही)” शीर्षक कोन सामाजिक मुद्दा संकेत करैत अछि?

- (A) दहेज-सम्बन्धी सामाजिक बुराई
- (B) मकर संक्रान्तिक स्नान
- (C) राँची प्रशिक्षण
- (D) बालक खेल

९३६. अंक २३०क बालानां कृतेमे बृषेश चन्द्र लालक बालगीत कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) हमर पोती
- (B) झोल
- (C) जरल कपार
- (D) शिव भजन

९३७. अंक २३०क पद्य खण्डमे गजलकारक रूपमे कोन-कोन नाम आवैत अछि?

- (A) जगदीश चन्द्र ठाकुर “अनिल” आ प्रदीप पुष्प
- (B) अब्दुर रज्जाक आ राजदेव मण्डल
- (C) मुन्ना जी आ बृषेश चन्द्र लाल
- (D) प्रणव झा आ डॉ. कैलाश कुमार मिश्र

९३८. अंक २३०मे पद्य-विविधता कोन रूपमे देखाइत अछि?

- (A) गजल, स्वतंत्र कविता, दहेज-विषयक गीत/पद्य आ बालगीत
- (B) केवल सम्पादकीय संदेश
- (C) केवल कथा-सूची
- (D) केवल पुरान अंक

९३९. “जरल कपार” शीर्षक कोन भावात्मक संकेत दैत अछि?

- (A) दुर्दशा/व्यथा अथवा तीख पीड़ाक बिम्ब
- (B) उत्सवी नाच
- (C) बालक लोरी मात्र
- (D) शहर यात्रा

९४०. अंक २३०क समग्र रचनाक्रम कोन संतुलन बनबैत अछि?

- (A) इन्टरनेट-विमर्श, बीहनि कथा, लोककला, गजल, सामाजिक पद्य आ बालगीत
- (B) केवल नेपाल विशेषांक
- (C) केवल राँची-संस्मरण
- (D) केवल विदेह सम्मान सूची

खण्ड ६२१ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २३१ : लघुकथा, आलेख, खिस्सा आ बीहनि कथा

९४१. अंक २३१क गद्य खण्डमे जगदीश प्रसाद मण्डलक कोन योगदान देल अछि?

- (A) चारिटा लघुकथा
- (B) सातटा पद्य-संग्रह
- (C) छहटा नाटक-संग्रह
- (D) दूटा बालगीत

९४२. अंक २३१मे रबिन्द्र नारायण मिश्रक रचना-समूह कोन रूपमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) चारिटा आलेख
- (B) दूटा एकांकी
- (C) तीनटा बीहनि-कथा संग्रह
- (D) एकटा बाल-गजल

९४३. प्रणव झाक “चक्रफाँस” अंक २३१मे कोन विधासँ सम्बद्ध अछि?

- (A) मैथिली खिस्सा
- (B) भक्ति-गीत
- (C) नाट्य-संग्रह
- (D) बाल-कविता

९४४. मिथिलेश कुमार सिन्हाक “माया” अंक २३१मे कोन विधा रूपे देल अछि?

- (A) बीहनि कथा
- (B) एकांकी
- (C) गजल
- (D) पद्य-संग्रह

९४५. “जेकर चुन तेकर पुन”क आरम्भ कोन पृष्ठभूमिसँ होइत अछि?

- (A) सेमी-सरकारी सहयोगसँ साहित्यिक कार्यक्रमक आयोजन
- (B) समुद्री यात्रा
- (C) राजमहलक युद्ध
- (D) बाल विद्यालयक खेल

९४६. “जेकर चुन तेकर पुन”मे राधेश्याम काका आ बदलू भायक प्रसंग कोन तरहक वातावरण बनबैत अछि?

- (A) मंचक गंभीरता बीच लोक-हास्य आ गप्प-सप्पक रंग
- (B) राजकीय युद्धक दृश्य
- (C) केवल धार्मिक अनुष्ठान
- (D) शुद्ध वैद्यकीय रिपोर्ट

९४७. रबिन्द्र नारायण मिश्रक “नवका पोखैर” कोन स्मृति-स्थलक इर्द-गिर्द चलैत अछि?

- (A) पंचमुखी महादेव मन्दिर आ गामक पोखैर
- (B) रेलवे स्टेशनक प्लेटफॉर्म
- (C) कोर्ट-कचहरी
- (D) शहरक होटल

९४८. “नवका पोखैर”मे वंगट काकाक भूमिका कोना उभरैत अछि?

- (A) पोखैर-मन्दिर परिसरक निस्वार्थ देख-रेख आ सफाई करनिहार
- (B) नाटकक खलनायक
- (C) बैंकक क्लर्क
- (D) विदेशी यात्री

९४९. रबिन्द्र नारायण मिश्रक “कानूनी आतंकवाद” कोन विषयक आलोचनात्मक लेख अछि?

- (A) दहेज/वैवाहिक विवादमे भारतीय दण्ड संहिताक ४९८ ‘ए’क दुरुपयोग
- (B) मकर संक्रान्तिक विधान
- (C) बाँस-बारीक खेती
- (D) गजल-छन्दक विधान

९५०. “चक्रफाँस”मे दीपकक जीवन-द्वन्द्व कोन रूपमे देखाइत अछि?

- (A) पुणेक नौकरी आ गाम-प्रदेशमे शिक्षक बनि सेवा करबाक सोचक बीच
- (B) माछ पकड़बाक प्रतियोगिता
- (C) राजदरबारक षड्यंत्र
- (D) केवल बाल-खेल

खण्ड ६२२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २३१ : गजल, जनप्रतिनिधि, हास्य आ बेटी

९५१. अंक २३१क पद्य खण्डमे आशीष अनचिन्हारक योगदान कोन अछि?

- (A) दूटा गजल
- (B) चारिटा आलेख
- (C) छहटा नाटक
- (D) तीनटा बीहनि कथा संग्रह

९५२. जगदीश चन्द्र ठाकुर “अनिल” अंक २३१मे कोन रूपे उपस्थित छथि?

- (A) चारि टा गजल
- (B) एकटा कानूनी आलेख
- (C) सातटा पद्य-संग्रह
- (D) दूटा एकांकी

९५३. प्रणव झाक “जनप्रतिनिधि” कोन भावभूमि पर आधारित अछि?

- (A) जनतासँ कटि गेल सत्ता-प्रतिनिधिक व्यंग्यात्मक आलोचना
- (B) बालक लोरी
- (C) जलढरीक भक्ति
- (D) कृषि-वैज्ञानिक लेख

९५४. “जनप्रतिनिधि”मे प्रतिनिधि अपन प्राथमिकता कोन रूपमे देखबैत अछि?

- (A) लोक-दुख छोड़ि अपन धन आ शक्ति बढ़ेबाक व्यस्तता
- (B) स्कूलक बालकक सेवा
- (C) मन्दिरक सफाई
- (D) पोखैर निर्माण

९५५. राजेश मोहन झा “गुंजन”क “काटि गेल जुट्टी” कोन रससँ सूचीबद्ध अछि?

- (A) हास्य रस
- (B) वीर रस
- (C) भक्ति रस
- (D) करुण महाकाव्य

९५६. “काटि गेल जुट्टी”मे बार-बार आबयबला चित्र कोन अछि?

- (A) साँप जेना जुट्टी काटि गेल चुड़ैल
- (B) पोखैरमे जलढरी
- (C) शिक्षकक भर्ती-पत्र
- (D) न्यायालयक आदेश

९५७. “काटि गेल जुट्टी”क टिप्पणी रचनाक उद्देश्य कोना स्पष्ट करैत अछि?

- (A) मनोरंजन मात्र, अन्धविश्वाससँ सम्बन्ध नहि
- (B) धार्मिक विधान स्थापित करब
- (C) कानूनी सलाह देब
- (D) इतिहास प्रमाणित करब

९५८. पल्लवी मण्डलक “बेटी” कोन सामाजिक प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) बेटीकेँ नहि पढ़ेबाक आ “लड़की” कहि घरमे रोकबाक आलोचना
- (B) मकर संक्रान्तिक पकवान
- (C) पोखैरक जलस्तर
- (D) कारखानाक वेतन

९५९. आशीष अनचिन्हारक गजल “छै सभ कियो असगर” कोन भावकेँ खोलैत अछि?

- (A) व्यक्तिक एकाकीपन आ अपने-अपने सहचर होयबाक भाव
- (B) केवल पावनिक उल्लास
- (C) न्यायालयक प्रक्रिया
- (D) लोकगीतक सूची

९६०. अंक २३१क पद्य-संयोजनक व्यापकता कोना देखाइत अछि?

- (A) गजल, राजनीतिक व्यंग्य, हास्य-कविता आ बेटी-विषयक कविता एकसंग अछि
- (B) केवल एकटा कथा अछि
- (C) केवल सरकारी विज्ञप्ति अछि
- (D) केवल यात्रा-वर्णन अछि

खण्ड ६२३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २३२ : लघुकथा, एकांकी आ सामाजिक रिपोर्ट

९६१. अंक २३२क गद्य खण्डमे जगदीश प्रसाद मण्डलक दूटा लघुकथा कोन-कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) कोढ़िया सरधुआ आ त्रिकालदर्शी
- (B) नवका पोखैर आ कानूनी आतंकवाद
- (C) पंचबटी आ स्वयंवर
- (D) सतबेध आ गीतांजलि

९६२. नन्द विलास राय अंक २३२मे कोन दूटा लघुकथा लऽ कऽ आबैत छथि?

- (A) हमर लॉटरी निकलल आ शिक्षाक अन्तिम उद्देश्य
- (B) काटि गेल जुट्टी आ बेटी
- (C) चक्रफाँस आ माया
- (D) झमेलिया बिआह आ मिथिलाक बेटी

९६३. बेचन ठाकुरजीक अंक २३२क एकांकी-दूअंक कोन अछि?

- (A) नीशा मुक्ति आ बरहम बाबा
- (B) जनप्रतिनिधि आ बेरोजगारी
- (C) तीन जेठ आ सतबेध
- (D) हमर पोती आ झोल

९६४. आशीष अनचिन्हारक अंक २३२क गद्य-लेख कोन संस्थागत विषय पर अछि?

- (A) मिथिला स्टूडेंट यूनियनक काजपर रिपोर्ट
- (B) पंचमुखी महादेवक जलढरी
- (C) भारतीय दण्ड संहिताक ४९८ 'ए'
- (D) रत्नाकर डकैतक कथा

९६५. कपिलेश्वर राउत अंक २३२मे कोन योगदान दैत छथि?

- (A) आधा दर्जन लघुकथा
- (B) चारिटा गजल
- (C) छहटा नाट्य-संग्रह
- (D) दूटा बालगीत

९६६. नारायण यादव अंक २३२मे कोन रूपे उपस्थित छथि?

- (A) चारिटा लघुकथा
- (B) एकटा रिपोर्ट
- (C) सातटा पद्य-संग्रह
- (D) एकटा हास्य-कविता

९६७. रबिन्द्र नारायण मिश्रक “पहिल नौकरी” कोन प्रकारक गद्य-संकेत दैत अछि?

- (A) निज अनुभव/संस्मरणक धरातल
- (B) बालगीतक छन्द
- (C) लघु-नाटकक मंच-संकेत
- (D) गजल-संग्रहक भूमिका

९६८. मिथिलेश कुमार सिन्हाक “आज़ादी” अंक २३२मे कोन विधासँ सम्बद्ध अछि?

- (A) बीहनि कथा
- (B) भक्ति-भजन
- (C) कानूनी आलेख
- (D) गीत-संग्रह

९६९. “नीशा मुक्ति” एकांकीक विषयक मूल सामाजिक केन्द्र कोन अछि?

- (A) नशा छोड़बाक अभियान आ जन-जागरूकता
- (B) पोखैरक निर्माण
- (C) कम्प्यूटर नौकरी
- (D) चित्रकला प्रशिक्षण

९७०. “बरहम बाबा” एकांकीमे कोन लोक-धार्मिक वातावरण उभरैत अछि?

- (A) बरहम बाबाक गहबर, पूजा आ लोकगीत
- (B) कार्यालयक वेतन-विवाद
- (C) रेल टिकट जाँच
- (D) विदेश यात्रा

खण्ड ६२४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २३२ : पद्य, बाल गजल आ कथात्मक विस्तार

९७१. अंक २३२क पद्य/बाल खण्डमे आशीष अनचिन्हारक योगदान कोन रूपमे देल अछि?

- (A) एकटा बाल गजल आ दूटा गजल
- (B) चारिटा आलेख
- (C) सातटा गीत-संग्रह
- (D) दूटा नाटक

९७२. जगदीश चन्द्र ठाकुर “अनिल” अंक २३२मे कोन पद्य-विधा लऽ कऽ छथि?

- (A) चारिटा गजल
- (B) बीहनि कथा संग्रह
- (C) कानूनी आलेख
- (D) एकांकी

९७३. अम्बिकेश कुमार मिश्रक अंक २३२क योगदान कोन अछि?

- (A) दूटा कविता
- (B) आधा दर्जन लघुकथा
- (C) दूटा एकांकी
- (D) छहटा नाटक-संग्रह

९७४. अंक २३२मे कथा-विधाक प्रधानता कोना देखाइत अछि?

- (A) अनेक लेखकक लघुकथा आ बीहनि कथा एकसंग देल अछि
- (B) केवल एकटा गीत अछि
- (C) केवल सम्पादकीय अछि
- (D) केवल चित्र-सूची अछि

९७५. “हमर लॉटरी निकलल” शीर्षक कोन भाव-संकेत दैत अछि?

- (A) अचानक लाभ/उत्साहक कथा-विन्यास
- (B) नशा-मुक्ति अभियान
- (C) महादेवक जलढरी
- (D) नाटक-संग्रहक प्रस्तावना

९७६. “शिक्षाक अन्तिम उद्देश्य” शीर्षक कोन विमर्श दिस पाठककें लऽ जाइत अछि?

- (A) शिक्षाक लक्ष्य आ मानवीय अर्थपर विचार
- (B) गजल-छन्दक गणना
- (C) पर्वक पकवान
- (D) पोखरिक सफाई

९७७. “पहिल नौकरी”मे नौकरी-संस्मरणक संग कोन जीवनानुभव जुड़ैत अछि?

- (A) नौकरी, यात्रा, परिवार आ गाम-घरक स्मृति
- (B) सिर्फ हास्य जुट्टी-काण्ड
- (C) सातटा पद्य-संग्रह
- (D) राजदरबारक युद्ध

९७८. मिथिला स्टूडेंट यूनियनक रिपोर्ट अंक २३२क गद्य-संसारमे कोन आधुनिकता जोड़ैत अछि?

- (A) संगठन, सामाजिक काम आ समकालीन सक्रियताक दस्तावेजी पक्ष
- (B) केवल पुराणक आख्यान
- (C) केवल बाल-तुकबन्दी
- (D) केवल पौराणिक नाट्य

९७९. अंक २३२मे एकांकी, लघुकथा, गजल आ कविता एकसंग राखल गेल अछि; एहि सँ कोन सम्पादकीय रूप उभरैत अछि?

- (A) विधा-विविधता आ बहु-स्वरक प्रस्तुति
- (B) केवल एक लेखकक विशेषांक
- (C) सिर्फ विज्ञापन-संग्रह
- (D) केवल बाल-पृष्ठ

९८०. अंक २३२क समग्र रचनाक्रम कोन पाठक-वर्गकें जोड़ैत अछि?

- (A) कथा-पाठक, नाटक-रुचिवान, गजल-पाठक आ बाल-पाठक
- (B) केवल कानूनविद
- (C) केवल चित्रकार
- (D) केवल वैज्ञानिक

खण्ड ६२५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २३३ : बीहनि कथा संग्रह आ सम्पादकीय सन्दर्भ

९८१. अंक २३३क मुख्य गद्य-प्रस्तुति कोन अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक तीनटा बीहनि कथा संग्रह
- (B) बेचन ठाकुरक दूटा एकांकी
- (C) रबिन्द्र नारायण मिश्रक चारि आलेख
- (D) आशीष अनचिन्हारक दू गजल

९८२. बीहनि कथा संग्रहक प्रस्तुति अंक २३३मे कोन विधाकें केन्द्रमे राखैत अछि?

- (A) संक्षिप्त, बीज-जकाँ कथा-विन्यास
- (B) दीर्घ महाकाव्य
- (C) पूर्ण-लम्बाई उपन्यास मात्र
- (D) केवल यात्रा-वर्णन

९८३. अंक २३३क सम्पादकीयमे कोन विशेषांकक तैयारीक बात दोहराओल गेल अछि?

- (A) नेपालक वर्तमान मैथिली साहित्य विषयक विशेषांक
- (B) नशा-मुक्ति विशेषांक
- (C) केवल बाल-गजल विशेषांक
- (D) कम्प्यूटर-प्रोग्राम विशेषांक

९८४. नेपालक वर्तमान मैथिली साहित्य विशेषांक लेल सम्पादकीय कोन सामग्री चाहैत अछि?

- (A) सभ विधाक आलोचना, समीक्षा आ समालोचना
- (B) केवल संपर्क-सूची
- (C) केवल खेलक समाचार
- (D) केवल चित्रक नाम

९८५. “आमंत्रित रचनापर आमंत्रित आलोचकक टिप्पणी” शृंखलाक दोसर भागमे कोन रचनाकार केन्द्रमे छथि?

- (A) नीलमाधव चौधरी
- (B) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (C) मिथिलेश कुमार सिन्हा
- (D) राजेश मोहन झा

९८६. ओहि शृंखलाक दोसर भागमे टिप्पणी लेल कोन आलोचक आमंत्रित छथि?

- (A) कैलाश कुमार मिश्र
- (B) बेचन ठाकुर
- (C) कपिलेश्वर राउत
- (D) पल्लवी मण्डल

९८७. सम्पादकीयमे “दूनु पायापर एकटा पूल” बनबाक आशा कोन सन्दर्भमे अछि?

- (A) भारत-नेपालक मैथिली साहित्यिक सेतु
- (B) पोखैर पर बाँसक पुल
- (C) नाटकक मंच-सज्जा
- (D) गजल छन्दक तालिका

९८८. अंक २३३मे “भालसरिक गाछ”क उल्लेख कोन ऐतिहासिक क्रमसँ जुड़ल अछि?

- (A) इन्टरनेटपर मैथिलीक उपस्थिति आ विदेह ई-पत्रिकाक यात्रा
- (B) कृषि-कीटनाशक लेख
- (C) दहेज-विवादक मुकदमा
- (D) नीशा-मुक्ति गीत

९८९. अंक २३३मे जगदीश प्रसाद मण्डलक संग्रह-प्रस्तुति कोन पाठकीय अवसर दैत अछि?

- (A) एके लेखकक बीहनि कथा-संसारकें समेकित रूपे पढ़बाक अवसर
- (B) केवल सम्पादकीय नोट पढ़बाक
- (C) सिर्फ गीत सुनबाक
- (D) केवल चित्र देखबाक

९९०. अंक २३३क स्वरूपक मुख्य विशेषता कोन अछि?

- (A) सम्पादकीय विमर्श संग एक लेखकक बीहनि कथा-संग्रहक केन्द्रित प्रस्तुति
- (B) केवल पद्य-संग्रह
- (C) केवल बालगीत-पृष्ठ
- (D) केवल नाटक मंचन

खण्ड ६२६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २३३ : बजान्ता-भुझन्ता आ बीहनि कथाक रूप

९९१. अंक २३३मे अंग्रेजी परिचयमे “बजान्ता-भुझन्ता” केहन पुस्तक रूपे सूचित अछि?

- (A) बीहनि कथाक संग्रह
- (B) एकांकी-संचयन
- (C) गजल-छन्दशास्त्र
- (D) कानूनी निबन्ध

९९२. “बजान्ता-भुझन्ता” शीर्षक कोन शैलीगत संकेत दैत अछि?

- (A) बोलचाल, लोक-लय आ परस्पर बुझबाक चंचलता
- (B) राजमहलक औपचारिक घोषणा
- (C) शुद्ध कानूनी धारा
- (D) केवल वैज्ञानिक सूत्र

१९३. बीहनि कथा-संग्रहमे अनेक छोट शीर्षकक उपस्थिति कोन बात बतबैत अछि?

- (A) लघु आकारमे अनेक जीवन-क्षण पकड़बाक प्रवृत्ति
- (B) केवल एक दीर्घ कथा
- (C) केवल गीत-तालिका
- (D) केवल यात्रा-दैनिकी

१९४. जगदीश प्रसाद मण्डलक बीहनि कथा-प्रस्तुति विदेहमे किएक महत्त्वपूर्ण देखाइत अछि?

- (A) मैथिली लघु-कथा/बीहनि कथा विधाक निरन्तर पोषण लेल
- (B) केवल पुस्तक-विक्रय सूचना लेल
- (C) केवल नृत्य-संगीत सूची लेल
- (D) केवल चित्रकला रंग-सूची लेल

१९५. बीहनि कथा नामक रूपक “बीहनि” शब्द कोन अर्थ-संकेत देत अछि?

- (A) छोट बीजमे पैघ कथा-संभावना
- (B) दीर्घ उपन्यासक खण्ड
- (C) नाटकक मंच-सज्जा
- (D) गीतक मात्रागणना

१९६. अंक २३३मे स्रोत-पाठक अनेक अंश पुरान मुद्रण/फॉन्टक छायाक रूपमे देखाइत अछि; एहि सँ कोन सम्पादकीय कार्य झलकैत अछि?

- (A) मुद्रित/संग्रहित सामग्रीकेँ ई-पत्रिकामे सुरक्षित करबाक प्रयत्न
- (B) केवल नई विज्ञापन बनाउ
- (C) केवल खेल-समाचार छापु
- (D) केवल मौसम सूचना राखु

१९७. अंक २३३मे कथा-संग्रह केन्द्रित प्रस्तुति पाठकसँ कोन प्रकारक पढ़ाइ चाहैत अछि?

- (A) छोट-छोट प्रसंगक अर्थ-सूत्र पकड़ि पढ़ब
- (B) केवल शीर्षक गिनब
- (C) पन्ना संख्या खोजब
- (D) संपर्क पता याद करब

१९८. अंक २३३क सम्पादकीय आ कथा-संग्रह मिलि कोन द्वि-स्वर बनबैत अछि?

- (A) साहित्यिक संस्थागत योजना आ रचनात्मक कथा-संसार
- (B) केवल नशा-मुक्ति नारा
- (C) केवल दहेज कानून चर्चा
- (D) केवल बाल-क्रीड़ा

१९९. जगदीश प्रसाद मण्डलक बीहनि कथा-संग्रहक प्रस्तुति कोन पाठकीय मूल्य देत अछि?

- (A) गाम-समाज, लोक-चरित्र आ सूक्ष्म अनुभवक झलक
- (B) केवल विदेशी नगरक पर्यटन
- (C) सिर्फ न्यायालयी आदेश
- (D) सिर्फ विज्ञान प्रयोग

१०००. अंक २३३क अगिला पाठ-क्रमक अपेक्षित निरन्तरता की अछि?

- (A) बीहनि कथा-संसारक विस्तृत पठन सँ आगूक अंकक संग्रह-विशेष प्रस्तुति दिस बढ़ब
- (B) सिर्फ पन्ना-गिनती
- (C) सिर्फ संपर्क-सूची
- (D) केवल विज्ञापन

खण्ड ६२७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २३४ : सातटा पद्य-संग्रह आ गीत-कविता

१००१. अंक २३४क मुख्य सामग्री कोन अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक सातटा पद्य-संग्रह
- (B) बेचन ठाकुरक दूटा एकांकी
- (C) नन्द विलास राय क दू लघुकथा
- (D) मिथिलेश कुमारक बीहनि कथा

१००२. “सुखायल पोखरिक जाइठ” कोन रूपे परिचित कराओल गेल अछि?

- (A) मैथिली गीतक संकलन
- (B) एकांकी-संचयन
- (C) कानूनी निबन्ध
- (D) लघुकथा संग्रह

१००३. “इन्द्रधनुषी अकास” कोन विधा-संकेत दैत अछि?

- (A) मैथिली कविताक संकलन
- (B) नाट्य-संग्रह
- (C) रिपोर्ट-संग्रह
- (D) कानून-पुस्तक

१००४. “तीन जेठ एगारहम माघ”क परिचय कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) मैथिली गीतक संकलन
- (B) नीशा-मुक्ति एकांकी
- (C) बीहनि कथा संग्रह
- (D) कथा-रिपोर्ट

१००५. “गीतांजलि” अंक २३४मे कोन व्यापक पद्य-परम्परासँ जुड़ल शीर्षक देखाइत अछि?

- (A) गीत/कविता-समर्पणक भाव
- (B) केवल अदालतक वाद
- (C) पोखैरक सर्वेक्षण
- (D) कम्प्यूटर नौकरी

१००६. “सतबेध”क परिचय कोन तरहक संग्रह रूपे देल अछि?

- (A) मैथिली कविता आ गीतक संकलन
- (B) सिर्फ नाटक मंच-सूची
- (C) कानूनी धारा-संग्रह
- (D) प्रशासनिक रिपोर्ट

१००७. अंक २३४मे पद्य-संग्रहक केन्द्रित प्रस्तुति कोन बात देखबैत अछि?

- (A) एक लेखकक गीत-कविता-विस्तारक संग्रह रूपमे सुरक्षित करब
- (B) केवल एक समाचार प्रकाशित करब
- (C) सिर्फ सम्पादकीय दोहराब
- (D) केवल बाल-पोस्टर बनाउ

१००८. “सुखायल पोखरिक जाइठ” शीर्षक कोन बिम्ब-क्षेत्र बनबैत अछि?

- (A) सूखल पोखैर, गामक जल-स्मृति आ लोकजीवन
- (B) विदेशी हवाई अड्डा
- (C) नशा-मुक्ति मानव-श्रृंखला
- (D) दहेजक पुलिस-प्रकरण

१००९. अंक २३४क पद्य-संग्रहसभमे गीत आ कविता दुनू रूपक उपस्थिति कोन बात सूचित करैत अछि?

- (A) लयात्मक गेयता आ मुक्त काव्यात्मकता दुनूक संगम
- (B) केवल नाटकक संवाद
- (C) केवल रिपोर्टिंग
- (D) केवल तकनीकी शब्दावली

१०१०. अंक २३४क सम्पादकीय पृष्ठभूमि आ पद्य-संग्रहक मुख्यांश मिलि कोन संरचना बनबैत अछि?

- (A) पत्रिकाक संस्थागत संवादक बाद विस्तृत काव्य-संग्रह प्रस्तुति
- (B) केवल कथा-विशेषांक
- (C) केवल बाल-गीत पृष्ठ
- (D) केवल कानूनी चर्चा

खण्ड ६२८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २३४ : इन्द्रधनुषी अकासक सामाजिक-बिम्ब

१०११. “इन्द्रधनुषी अकास”मे “रहस्सा चोर” शीर्षक कविता कोन तरहक सामाजिक-सांस्कृतिक बिम्ब बनबैत अछि?

- (A) भीतरक लोभ, छल आ मानवीय दुर्बलताक संकेत
- (B) केवल पुष्प-पूजा
- (C) नाटकक पात्र-सूची
- (D) सम्पादकीय घोषणा

१०१२. “बेरोजगारी” कविता कोन प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) रोजगारहीनता आ नेतृत्व/व्यवस्था पर कटाक्ष
- (B) सिर्फ पोखैरक जलस्तर
- (C) मकर संक्रान्ति
- (D) बालक लोरी

१०१३. “बेरोजगारी”मे “सब छी शुभचिन्तक देशक” जकाँ भाव कोन व्यंग्य बनबैत अछि?

- (A) बोलबला शुभचिन्ता आ वास्तविक बेरोजगार जीवनक अन्तर
- (B) मन्दिरक आरती
- (C) विवाहक गीत
- (D) नौकरी-पत्रक खुशी

१०१४. “मधुमाछी” कविता कोन प्राकृतिक बिम्बसँ सामाजिक अर्थ बनबैत अछि?

- (A) मधुमाछीक जोग, परिश्रम, संचय आ परिवार-संवेदना
- (B) सिर्फ दहेज कानून
- (C) सिर्फ रेल-यात्रा
- (D) सिर्फ चूड़ा-दही

१०१५. “मधुमाछी”मे “मधु”क छवि कोन अर्थक ओर लऽ जाइत अछि?

- (A) परिश्रमसँ बनल मधुर सामूहिक जीवन
- (B) युद्धक अस्त्र
- (C) अदालतक फैसला
- (D) कम्प्यूटर डाटा

१०१६. “जुआनी” कविता कोन अवस्थाक चित्रण करैत अछि?

- (A) युवा मनक रंग, जोश, स्मृति आ बेचैनी
- (B) वृद्धाश्रमक नियम
- (C) कानूनी शिकायत
- (D) पोखरिक मरम्मत

१०१७. “इन्द्रधनुषी अकास” शीर्षक अपने कोन रंग-बोधक प्रतीक रचैत अछि?

- (A) बहुरंगी अनुभव आ भाव-दृष्टिक आकाश
- (B) केवल एक रंगक शोक
- (C) केवल सरकारी नोटिस
- (D) केवल बही-खाता

१०१८. अंक २३४क पद्य-संग्रहमे प्रकृति आ समाज कोना मिलैत अछि?

- (A) पोखैर, अकास, मधुमाछी सन बिम्ब समाजक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि
- (B) प्रकृति पूर्णतः अनुपस्थित अछि
- (C) केवल शहरक दफ्तर अछि
- (D) केवल युद्ध वर्णन अछि

१०१९. “बेरोजगारी” आ “जुआनी”कें संग पढ़ला पर कोन पीढ़ीगत चिन्ता स्पष्ट होइत अछि?

- (A) युवाक भविष्य, रोजगार आ जीवन-दिशाक चिन्ता
- (B) केवल पुरान राजमहल
- (C) केवल नाटकक मंच
- (D) केवल भोजन-विधान

१०२०. अंक २३४क कवितासभक मुख्य पाठकीय प्रभाव कोन अछि?

- (A) लोकजीवन, प्रकृति, श्रम आ सामाजिक आलोचनाकें गीतात्मक भाषा देब
- (B) केवल तालिका पढ़ाउ
- (C) केवल सम्पर्क सूचना देब
- (D) सिर्फ विज्ञापन

खण्ड ६२९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २३५ : छहटा नाट्य-संग्रह

१०२१. अंक २३५क मुख्य सामग्री कोन अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक छहटा नाट्य-संग्रह
- (B) सातटा पद्य-संग्रह
- (C) तीनटा बीहनि कथा संग्रह
- (D) चारिटा गजल

१०२२. “पंचबटी”क परिचय कोन तरहक नाट्य-पुस्तक रूपे अछि?

- (A) एकांकी-संचयन
- (B) कानूनी निबन्ध
- (C) गीत-संग्रह
- (D) बीहनि कथा-संग्रह

१०२३. “कम्प्रोमाइज” कोन विधाक पुस्तक रूपे देल अछि?

- (A) मैथिली नाटक
- (B) मैथिली गजल-संग्रह
- (C) कानून-समीक्षा
- (D) बाल-गीत

१०२४. “झमेलिया बिआह” शीर्षक कोन सामाजिक प्रसंगक नाट्य-संकेत दैत अछि?

- (A) विवाह-संस्कारक उलझन आ हास्य/तनाव
- (B) जलढरीक पूजा
- (C) बी.सी.ए. नौकरी
- (D) पोखैरक निर्माण

१०२५. “मिथिलाक बेटी” कोन सामाजिक-सांस्कृतिक प्रश्नक दिस संकेत करैत अछि?

- (A) बेटीक स्थिति, सम्मान आ परिवार-समाजक दृष्टि
- (B) बेरोजगारी मात्र
- (C) नशा-मुक्ति मात्र
- (D) चक्रफाँसक नौकरी

१०२६. “स्वयंवर” नाटकक शीर्षक कोन परम्परागत कथा-भूमि खोलैत अछि?

- (A) चयन, विवाह आ सामाजिक निर्णयक प्रसंग
- (B) कानूनी गिरफ्तारी
- (C) गजल-छन्द
- (D) डाटा-प्रोसेसिंग

१०२७. “रत्नाकर डकैत” शीर्षक कोन कथा-ऊर्जा दैत अछि?

- (A) अपराध, परिवर्तन आ चरित्र-नाट्यक सम्भावना
- (B) पोखैर-सफाई
- (C) बाल-लोरी
- (D) कविता-संग्रह मात्र

१०२८. अंक २३५मे नाट्य-संग्रहक शृंखला कोन सम्पादकीय उद्देश्य देखबैत अछि?

- (A) मैथिली नाट्य-साहित्यकें संग्रहित आ उपलब्ध कराबय
- (B) केवल पद्य-संग्रह दोहराबय
- (C) सिर्फ सम्पर्क-सूची छापय
- (D) केवल चित्रकला दिखाबय

१०२९. पंचबटी आ पूर्ण नाटक शीर्षकसभक संग उपस्थिति कोन नाट्य-विविधता देखबैत अछि?

- (A) एकांकी आ दीर्घ नाट्य-रचना दुनू रूप
- (B) केवल गजल
- (C) केवल कानून-लेख
- (D) केवल बालकथा

१०३०. अंक २३५क नाट्य शीर्षकसभ मिलि कोन विषय-विस्तार बनबैत अछि?

- (A) सामाजिक समझौता, विवाह, बेटी, चयन आ अपराध-परिवर्तन
- (B) केवल मकर संक्रान्ति
- (C) केवल पोखैर आ जल
- (D) केवल गजल छन्द

खण्ड ६३० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २३५ : मैथिली रंगमंचक सामाजिक धरातल

१०३१. अंक २३५क नाट्य-संग्रहसभक प्रमुख लेखक कोन छथि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (B) नन्द विलास राय
- (C) रबिन्द्र नारायण मिश्र
- (D) पल्लवी मण्डल

१०३२. एकांकी-संचयन “पंचबटी” मैथिली रंगमंचकें कोन सुविधा दैत अछि?

- (A) छोट आकारक मंचनीय रचना सभक संग्रह
- (B) दीर्घ उपन्यासक पाठ
- (C) कानूनी धारा-व्याख्या
- (D) चित्रकला सूची

१०३३. “कम्प्रोमाइज” शीर्षक सामाजिक सम्बन्धक कोन स्थिति सूचित करैत अछि?

- (A) समझौता, समायोजन आ टकरावक समाधान
- (B) नदीक बाढ़ि
- (C) पोखरिक फूल
- (D) बालक खेल

१०३४. “झमेलिया बिआह” मैथिली समाजक कोन सार्वजनिक रस-क्षेत्रकें नाटक बनबैत अछि?

- (A) बिआहक सामाजिक रस, उलझन आ परिवारिक टकराव
- (B) कम्प्यूटर प्रशिक्षण
- (C) सम्पादकीय योजना
- (D) मधुमाछी पालन

१०३५. “मिथिलाक बेटी” शीर्षक रंगमंचपर कोन केन्द्र बनबैत अछि?

- (A) बेटीक अस्मिता आ समाजक व्यवहार
- (B) नशा-मुक्ति नारा मात्र
- (C) गजल प्रतियोगिता
- (D) बेरोजगारी कविता

१०३६. “स्वयंवर” नाटकमे परम्परा आ आधुनिक प्रश्नक मेल कोना सम्भव अछि?

- (A) विवाह-चयनक पुरान रूपक माध्यमे आजुक निर्णय-संकट देखब
- (B) केवल मौसम बताउ
- (C) केवल धारा-सूची पढ़ाउ
- (D) केवल पुस्तक-मूल्य लिखाउ

१०३७. “रत्नाकर डकैत”क रंग-संभावना कोन अछि?

- (A) अपराधी पात्रक टकराव, आत्मबोध आ परिवर्तनक नाट्य-यात्रा
- (B) केवल गीत-संग्रहक अनुक्रम
- (C) पोखैरक जलढरी
- (D) बाल गजल

१०३८. अंक २३५क नाट्य-संग्रह श्रृंखला विदेहक कोन दीर्घ परियोजना सँ जुड़ल देखाइत अछि?

- (A) मैथिली नाटक आ रंगमंच-साहित्यकें डिजिटल रूपे पाठक धरि पहुँचाबय
- (B) केवल मौसम रिपोर्ट देबय
- (C) केवल नौकरी सूचना देबय
- (D) सिर्फ विज्ञापन छापय

१०३९. छहटा नाट्य-संग्रह एकसंग देबाक पाठकीय लाभ की अछि?

- (A) एक लेखकक नाट्य-लेखनक विविध रूपक तुलनात्मक पढ़ाई
- (B) केवल एक शीर्षक याद करब
- (C) केवल पन्ना संख्या गिनब
- (D) सिर्फ संपर्क विवरण खोजब

१०४०. अंक २३५क समग्र महत्त्व कोना परिभाषित होइत अछि?

- (A) मैथिली रंगमंचक सामाजिक, पारिवारिक आ सांस्कृतिक विषयकें संग्रह-रूपे सामने आनब
- (B) केवल गीत-संग्रहक पुनरावृत्ति
- (C) केवल समाचार-सूची
- (D) केवल कानूनी सलाह

खण्ड ६३१ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २३६ : एकांकी-संग्रह, वीरांगना आ कल्याणी

१०४१. अंक २३६क मुख्य सामग्री कोन लेखकक एकांकी-संग्रहसभ पर केन्द्रित अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (B) नन्द विलास राय
- (C) रबिन्द्र नारायण मिश्र
- (D) आशीष अनचिन्हार

१०४२. “वीरांगना” पुस्तकक मुखपृष्ठ/परिचय ओकरा कोन विधा रूपे चिन्हित करैत अछि?

- (A) एकांकी
- (B) उपन्यास
- (C) गजल-संग्रह
- (D) दीर्घकथा

१०४३. “वीरांगना”क लेखक कोन छथि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (B) कैलाश कुमार मिश्र
- (C) दिनेश यादव
- (D) बेचन ठाकुर

१०४४. “वीरांगना”मे पुरुष पात्र-सूचीमे सोनामनकाका, चेथर आ जुंगेसर जकाँ नाम सभ कोन बात देखबैत अछि?

- (A) ग्राम्य समाजक बहु-पात्र उपस्थिति
- (B) केवल राजदरबारक पात्र
- (C) केवल बालकविताक पात्र
- (D) विदेशी यात्राक पात्र

१०४५. “वीरांगना”मे रूपनी, कुशेशरी आ कोशिला कोन पात्र-वर्गमे सूचीबद्ध छथि?

- (A) स्त्री पात्र
- (B) पुरुष पात्र
- (C) निरजीव प्रतीक
- (D) विदेशी अधिकारी

१०४६. “वीरांगना”क प्रथम दृश्य कोन संवाद-वातावरण सँ आरम्भ होइत देखाइत अछि?

- (A) सोनामनकाका आ चेथरक बातचीत
- (B) राजसभा केर घोषणा
- (C) विद्यालयक परीक्षा
- (D) अदालतक बहस

१०४७. “वीरांगना”मे समाजसँ बाहर रहबाक भय कोन पात्रक कथनमे उभरैत अछि?

- (A) सोनामनकाका
- (B) केवल प्रकाशक
- (C) कथाकारक आत्मकथ्य
- (D) शहरक अफसर

१०४८. “कल्याणी” शीर्षकक रचना अंक २३६मे कोन विधामे देल अछि?

- (A) एकांकी
- (B) समालोचना
- (C) पत्रकारिता रिपोर्ट
- (D) गजल

१०४९. “कल्याणी”मे खेती-बाड़ी, खाइ-पिबै आ गामक सुविधा पर संवाद कोन धरातल खोलैत अछि?

- (A) ग्राम्य जीवनक व्यवहारिक समस्या
- (B) केवल कल्पलोकक युद्ध
- (C) समुद्री व्यापार
- (D) शहरी फैशन

१०५०. वीरांगना आ कल्याणीकेँ संग पढ़ला पर अंक २३६क आरम्भिक नाट्य-स्वर की देखाइत अछि?

- (A) लोकजीवन, परिवार आ समाज-संरचना पर केन्द्रित एकांकी
- (B) सिर्फ पौराणिक स्तुति
- (C) केवल वैज्ञानिक विवरण
- (D) सिर्फ यात्रा-वर्णन

खण्ड ६३२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २३६ : समझौता, तामक तमघैल आ सामाजिक एकांकी

१०५१. अंक २३६मे “समझौता” शीर्षक कोन विधाक पुस्तक रूपे देखाइत अछि?

- (A) एकांकी
- (B) काव्य-संग्रह
- (C) शोध-प्रबन्ध
- (D) आत्मकथा

१०५२. “समझौता” शीर्षक स्वयं कोन नाटकीय स्थिति सूचित करैत अछि?

- (A) टकरावक बाद सम्बन्ध-संयोजन वा समाधान
- (B) एकल प्रकृति-वर्णन
- (C) व्याकरणक नियम
- (D) भौगोलिक सूची

१०५३. “समझौता”क अन्तिम अंशमे बच्चा आ परिवारक चर्चा कोन सामाजिक प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) परिवार, लालन-पालन आ जिम्मेदारी
- (B) केवल व्यापारक हिसाब
- (C) नाटकक मंच-सजावट
- (D) दूर देशक यात्रा

१०५४. “तामक तमघैल” शीर्षक अंक २३६मे कोन लेखकक अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (B) परमेश्वर कापड़ि
- (C) वीरेन्द्र मल्लिक
- (D) कमला चौधरी

१०५५. “तामक तमघैल”मे रागिणी, रविन्द्र, पीपरवाली, अनुराधा जकाँ पात्रसभ कोन वातावरण बनबैत अछि?

- (A) घरेलू-ग्राम्य सामाजिक संवादक वातावरण
- (B) राजमहल सैन्य वातावरण
- (C) विद्यालयक प्रयोगशाला
- (D) समुद्री बंदरगाह

१०५६. “तामक तमघैल”मे “कनियाँ” आ “बेटा-पुतोहु”क चर्चा कोन सामाजिक धरातल देखबैत अछि?

- (A) परिवारक भीतर सम्बन्ध, अधिकार आ अपेक्षा
- (B) केवल जंगलक शिकार
- (C) शास्त्रीय संगीतक राग
- (D) नदी-यात्रा

१०५७. अंक २३६क एकांकीसभमे पात्रक बोली कोन रूपक निकट अछि?

- (A) लोक-मैथिली संवाद
- (B) दरबारी संस्कृत-नाट्य
- (C) कार्यालयी अंग्रेजी
- (D) सूत्रात्मक गणित

१०५८. अंक २३६क पाँच एकांकी-संग्रहक सम्पादकीय महत्त्व की अछि?

- (A) मैथिली एकांकी साहित्यकें संग्रहित रूपे प्रस्तुत करब
- (B) केवल पुरस्कार-सूची छापब
- (C) सिर्फ चित्रकला दिखाबय
- (D) केवल संपर्क सूचना देब

१०५९. वीरांगना, कल्याणी, समझौता आ तामक तमघैल सन शीर्षकसभ मिलि कोन विषय-विस्तार बनबैत अछि?

- (A) नारी, परिवार, गाम, संघर्ष आ समाधान
- (B) केवल युद्ध-इतिहास
- (C) केवल पशु-पालन
- (D) केवल ऋतु-वर्णन

१०६०. अंक २३६क एकांकीसभक पाठकीय उपयोगिता कोन अछि?

- (A) मंचन योग्य संवादक संग सामाजिक प्रश्न पढ़बाक अवसर
- (B) सिर्फ शब्द-सूची याद करबाक साधन
- (C) केवल पन्ना-गणना
- (D) सिर्फ विज्ञापन

खण्ड ६३३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २३७ : उपन्यास-संग्रह आ ठूठ गाछ

१०६१. अंक २३७क मुख्य सामग्री कोन लेखकक उपन्यास-संग्रहसभ पर केन्द्रित अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (B) रमानन्द रेणु
- (C) गोविन्द झा
- (D) बेचन ठाकुर

१०६२. “ठूठ गाछ”क अंग्रेजी परिचय ओकरा कोन विधा रूपे बतबैत अछि?

- (A) मैथिली उपन्यास
- (B) एकांकी
- (C) लघुकथा-संग्रह
- (D) बालगीत

१०६३. “ठूठ गाछ”क शीर्षकमे ठूठ गाछ कोन प्रतीक-संभावना खोलैत अछि?

- (A) सूखल/कटल जीवन आ समाजक जड़ता
- (B) केवल फूलल बगान
- (C) समुद्रक लहर
- (D) दरबारक सोना

१०६४. “ठूठ गाछ”क अनुक्रममे अध्यायसभ कोना नामित अछि?

- (A) एक, दू, तीन सँ आगू क्रममे
- (B) ऋतु-नाम मात्र
- (C) राग-नाम मात्र
- (D) देश-नाम मात्र

१०६५. “ठूठ गाछ”क समर्पणमे प्रकृति-चित्र कोन तरहक भाव बनबैत अछि?

- (A) जिनगीक झंझावात आ नव बिहानीक आशा
- (B) केवल हास्य संवाद
- (C) गणना-पत्रक
- (D) युद्ध-घोषणा

१०६६. “ठूठ गाछ”क आरम्भिक भागमे गामक जन-जीवनक कोन संकेत भेटैत अछि?

- (A) खेती, पशु, गामक बाट आ लोकक दैनन्दिन जीवन
- (B) केवल महानगरीय दफ्तर
- (C) समुद्री जहाज
- (D) विदेशी विश्वविद्यालय

१०६७. “ठूठ गाछ”मे “गुलमोहर” आ “ठूठ” जकाँ बिम्ब कोन विरोधाभास बनबैत अछि?

- (A) जीवन-सौन्दर्य आ सूखल अस्तित्वक तनाव
- (B) पानी आ आगिक विज्ञान
- (C) सैनिक अनुशासन
- (D) व्यापार-कर

१०६८. अंक २३७मे उपन्यास-रचनाकें एकत्र राखबाक उद्देश्य कोन बुझाईत अछि?

- (A) दीर्घ कथात्मक लेखनकें पाठक धरि व्यवस्थित पहुँचाबय
- (B) केवल गीतक धुन देबय
- (C) चित्र-पहेली बनाबय
- (D) पत्र-पत्रिका विज्ञापन

१०६९. “ठूठ गाछ”क अध्याय-संरचना पाठककें कोन अनुभव दैत अछि?

- (A) दीर्घ कथा क्रमशः बढ़ैत देखबाक अनुभव
- (B) एक पंक्तिक सूक्ति मात्र
- (C) नाटकक दृश्य मात्र
- (D) कोश-सूची मात्र

१०७०. “ठूठ गाछ” अंक २३७क उपन्यास-परियोजनामे कोन आरम्भिक भूमिका निभबैत अछि?

- (A) पहिल उपन्यास रूपे सामाजिक-प्रकृतिक बिम्बक स्वर खोलैत अछि
- (B) अन्तिम परिशिष्ट मात्र
- (C) बाल खेलक सूची
- (D) कानूनी धारा

खण्ड ६३४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २३७ : जीवन-मरण आ उपन्यासक सामाजिक यथार्थ

१०७१. “जीवन-मरण” शीर्षकक पुस्तक अंक २३७मे कोन विधा-संदर्भमे देल अछि?

- (A) मैथिली उपन्यास
- (B) एकांकी-संचयन
- (C) बाल गजल
- (D) कानूनी लेख

१०७२. “जीवन-मरण” शीर्षक कोन मूल द्वन्द्वकें सामने आनैत अछि?

- (A) जीवनक जूझन आ मृत्यु-बोध
- (B) केवल ऋतु-वर्णन
- (C) गीतक आलाप
- (D) व्याकरण-पाठ

१०७३. “जीवन-मरण”क अनुक्रममे कतेक मुख्य भाग देखाइत अछि?

- (A) दू भाग
- (B) दस भाग
- (C) एक्के दृश्य
- (D) सत्रह गीत

१०७४. “जीवन-मरण”क संवाद/वर्णनमे गाँवक सामाजिक निर्णय आ मंगला सन प्रसंग कोन बात देखबैत अछि?

- (A) समुदाय, नैतिकता आ सामूहिक सोचक प्रश्न
- (B) केवल वन्य-जीव विज्ञान
- (C) मौसम समाचार
- (D) राजकीय आदेश

१०७५. “जीवन-मरण”मे गामक लोकक बहस कोन कथा-ऊर्जा पैदा करैत अछि?

- (A) समाजक भीतर मतभेद आ सुधारक सम्भावना
- (B) पूर्ण मौन आ निष्क्रियता
- (C) केवल खेलक नियम
- (D) समुद्री यात्रा

१०७६. “जीवन-मरण”मे सामूहिकता कोन वाक्य-भावसँ जुड़ैत अछि?

- (A) गामक लोक मिलि निर्णय लेबाक बात
- (B) एकान्त तपस्या मात्र
- (C) बाजारक मोलभाव मात्र
- (D) गणितीय प्रमाण

१०७७. “जीवन-मरण” आ “ठूठ गाछ” केँ संग देखला पर अंक २३७मे कोन गद्य-परिसर बनैत अछि?

- (A) ग्रामीण समाज, जीवन-संघर्ष आ नैतिक प्रश्नक उपन्यास संसार
- (B) केवल हास्य कविता संसार
- (C) केवल सरकारी सूचना
- (D) केवल भाषाविज्ञान सूची

१०७८. अंक २३७क उपन्यास-संग्रहसभमे अध्याय/भागक क्रमबद्धता कोन लाभ दैत अछि?

- (A) दीर्घ कथाक संरचना बुझबामे सहायता
- (B) केवल नाम-सूची पढ़ब
- (C) संगीत-ताल मापब
- (D) चित्र रंगब

१०७९. “जीवन-मरण”क कथाभूमि मे “गामक समाज” किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कथाक निर्णय, टकराव आ परिवर्तन सामूहिक जीवनसँ जुड़ल अछि
- (B) कथा केवल अकेल नायकक यात्रा अछि
- (C) कथा निर्जीव वस्तुक सूची अछि
- (D) कथा केवल खगोल-विज्ञान अछि

१०८०. अंक २३७क समग्र उपन्यास-स्वर की कहल जा सकैत अछि?

- (A) दीर्घ गद्यक माध्यमे लोकजीवनक संघर्ष आ आशा देखब
- (B) क्षणिक चुटकुला मात्र
- (C) सूचना-पत्र मात्र
- (D) तालिका-संग्रह मात्र

खण्ड ६३५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २३८ : दीर्घकथा-संग्रह शम्भुदास

१०८१. अंक २३८क मुख्य सामग्री कोन लेखक दीर्घकथा-संग्रह पर केन्द्रित अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (B) आनन्द कुमार झा
- (C) उमेश मण्डल
- (D) राजदेव मण्डल

१०८२. “शम्भुदास” पुस्तकक अंग्रेजी परिचय ओकरा कोन रूपे बतबैत अछि?

- (A) दीर्घ कथा-संग्रह
- (B) एकांकी
- (C) गजल-संग्रह
- (D) पत्रिका-सम्पादकीय

१०८३. “शम्भुदास”क कथाक-सूचीमे “दू शब्द” कोन स्थानिक भूमिका निभबैत अछि?

- (A) भूमिका/आरम्भिक वक्तव्य
- (B) अन्तिम कथा मात्र
- (C) नाटकक पात्र-सूची
- (D) गीतक छन्द

१०८४. “शम्भुदास” संग्रहमे “मड़इगार” कोन विधा-विस्तारक हिस्सा अछि?

- (A) दीर्घकथा-संग्रहक कथा
- (B) बालगीत
- (C) गजल
- (D) नाट्य-दृश्य

१०८५. “शम्भुदास” शीर्षक-कथा कोन संग्रहक नामो बनि गेल अछि?

- (A) शम्भुदास
- (B) ठूठ गाछ
- (C) भकमोड़
- (D) दोहरी हाक

१०८६. “शम्भुदास” संग्रहमे “फाँसी” शीर्षक कोन गम्भीर भाव-क्षेत्र खोलैत अछि?

- (A) दण्ड, अपराध, संकट वा मृत्यु-बोध
- (B) केवल हास्य-व्यंग्य
- (C) वर्षा-गीत
- (D) पशु-पालन

१०८७. “कथा लेखन क्रम” शीर्षक शम्भुदास संग्रहमे की सूचित करैत अछि?

- (A) लेखन-प्रक्रिया वा कथा-सूचीगत दस्तावेजी अंश
- (B) नाटकक संवाद मात्र
- (C) गजल-रदीफ
- (D) चित्र-सूची

१०८८. शम्भुदास संग्रहक कथासूचीमे पाँच प्रविष्टि देखाइत अछि; एहि सँ कोन बात बुझाइत अछि?

- (A) कम संख्या मुदा दीर्घ आकारक कथासभ
- (B) सैकड़ों सूक्ति मात्र
- (C) केवल चित्र पृष्ठ
- (D) अंकगणित अभ्यास

१०८९. “दू शब्द”मे लेखक आरम्भिक स्वर कोन बात करैत अछि?

- (A) पाठक सँ संवाद आ लेखनक भावभूमि
- (B) केवल मूल्य-सूची
- (C) कानूनी सूचना मात्र
- (D) रंग-मिलान

१०९०. अंक २३८मे दीर्घकथा पर जोर कोन साहित्यिक आवश्यकता देखबैत अछि?

- (A) मैथिलीमे मध्यम/दीर्घ कथात्मक गद्यक संरक्षण
- (B) केवल समाचार-पत्र कटिंग
- (C) सिर्फ पुरस्कार-सूची
- (D) केवल फोटो-संग्रह

खण्ड ६३६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २३८ : शम्भुदासक कथा-विस्तार आ लेखन-दृष्टि

१०९१. “शम्भुदास”क कथासूचीमे “दू शब्द”, “मड़इगार”, “शम्भुदास”, “फाँसी” आ “कथा लेखन क्रम” मिलि कोन रचना-रूप बनबैत अछि?

- (A) भूमिका, कथा आ लेखकीय दस्तावेजक मिश्रित संग्रह
- (B) केवल गीत-संग्रह
- (C) केवल नाटक-पात्रावली
- (D) सिर्फ शब्दकोश

१०९२. “मड़इगार” सन शीर्षक कोन सामाजिक-लोक बिम्बक संकेत दैत अछि?

- (A) ग्रामीण श्रम, देहाती पेशा वा लोकजीवन
- (B) राजकीय दरबार
- (C) अंतरिक्ष यात्रा
- (D) विदेशी फैशन

१०९३. “शम्भुदास” शीर्षकक पात्र/नाम कथा-संग्रहमे कोन भूमिका रखैत अछि?

- (A) केन्द्रीय कथा-चिह्न
- (B) सिर्फ प्रकाशकक नाम
- (C) मात्र पृष्ठ-संख्या
- (D) छन्द-नाम

१०९४. “फाँसी” जकाँ शीर्षक दीर्घकथामे कोन नाटकीय तीव्रता बढ़बैत अछि?

- (A) जीवन-मृत्यु, दोष-दण्ड आ नैतिक संकट
- (B) सिर्फ फूल-पात
- (C) बालक खेल
- (D) संगीत-ताल

१०९५. “कथा लेखन क्रम”क लम्बी सूची-जकाँ अंश लेखक कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) रचनाक्रम सुरक्षित राखबाक दस्तावेजी चेतना
- (B) कथा लुकाबय
- (C) केवल चित्र बनाबय
- (D) गजल गाबय

१०९६. दीर्घकथा-संग्रहमे भूमिका आ लेखन-क्रम जोड़बाक पाठकीय उपयोगिता की अछि?

- (A) कथा-पाठक रचनाक पृष्ठभूमि आ विकास दुनू बुझैत अछि
- (B) कथा पूर्णतः अदृश्य भऽ जाइत अछि
- (C) सिर्फ विज्ञापन बढ़ैत अछि
- (D) गीतक तुक टूटैत अछि

१०९७. अंक २३८क “शम्भुदास” संग्रहमे लोकजीवनक स्वर कोना बुझाईत अछि?

- (A) शीर्षकसभ समाज, श्रम, व्यक्ति आ नैतिक प्रश्नसँ जुड़ल अछि
- (B) शीर्षकसभ केवल खगोल-विज्ञान अछि
- (C) सिर्फ राजकीय फाइल अछि
- (D) केवल जलवायु-सूची

१०९८. “दीर्घकथा” आ “लघुकथा”मे अंक २३८क सन्दर्भमे मुख्य भिन्नता की अछि?

- (A) दीर्घकथा कथा-विश्वकें अधिक विस्तार दैत अछि
- (B) दीर्घकथा केवल दू शब्द होइत अछि
- (C) लघुकथा सदिखन उपन्यास होइत अछि
- (D) दूनों केवल गजल होइत अछि

१०९९. अंक २३८क कथा-संग्रह पाठककें की करबा लेल आमंत्रित करैत अछि?

- (A) कथा-संरचना, पात्र आ लेखकीय क्रमकें संग-संग पढ़ब
- (B) सिर्फ लिंक खोजब
- (C) केवल फोटो देखब
- (D) पन्ना-गणना करब

११००. शम्भुदास संग्रहक साहित्यिक महत्त्व कोना कहल जा सकैत अछि?

- (A) दीर्घकथा माध्यमे लोकजीवनक गम्भीर प्रश्नक विस्तार
- (B) सिर्फ छापाखानाक सूचना
- (C) केवल पुरस्कार सूची
- (D) केवल बाल-पहेली

खण्ड ६३७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २३९ : लघुकथा-संग्रह भकमोड़

११०१. अंक २३९क मुख्य सामग्री कोन विधाक संग्रह पर केन्द्रित अछि?

- (A) लघुकथा-संग्रह
- (B) उपन्यास-संग्रह
- (C) गजल-संग्रह
- (D) व्याकरण-ग्रन्थ

११०२. “भकमोड़” पुस्तकक अंग्रेजी परिचय ओकरा कोन रूपे चिन्हित करैत अछि?

- (A) Short Stories संग्रह
- (B) One-Act Play
- (C) Long Stories संग्रह
- (D) कविता-संग्रह

११०३. “भकमोड़”क कथाक-सूचीमे “मनमनियाँ” कोन स्थान पर देखाईत अछि?

- (A) पहिल कथा-शीर्षक
- (B) अन्तिम परिशिष्ट
- (C) प्रकाशकक नाम
- (D) गीतक राग

११०४. “एक घाघ जमीन” शीर्षक कोन सामाजिक-आर्थिक प्रश्न दिस संकेत करैत अछि?

- (A) जमीन, स्वामित्व आ जीविका
- (B) संगीतक सरगम
- (C) समुद्री यात्रा
- (D) बाल-खेल

११०५. “ओझरी” शीर्षक कोन प्रकारक कथात्मक संकेत दैत अछि?

- (A) उलझन, फँसाव वा सम्बन्धक जटिलता
- (B) पूर्ण समाधानक सूची
- (C) केवल मौसम
- (D) सैनिक पद

११०६. “केलवाड़ी” शीर्षक भकमोड़मे कोन लोक-स्थानिक धरातल खोलैत अछि?

- (A) बारी-बगान/ग्रामीण परिवेश
- (B) समुद्र-तट
- (C) राजधानीक संसद
- (D) हवाई अड्डा

११०७. “स्वरोजगार” शीर्षक कोन आधुनिक सामाजिक प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) अपन रोजी-रोजगार बनाबय
- (B) केवल पौराणिक पूजा
- (C) नदी-तैराकी
- (D) भक्ति-राग

११०८. “घूर” शीर्षक ग्रामीण जीवनक कोन वस्तु/प्रतीकसँ जुड़ल अछि?

- (A) घर-आँगनक राख/कूड़ा/ऊष्मा-संस्कृति
- (B) दरबारक सिंहासन
- (C) समुद्री जहाज
- (D) कारखाना-मशीन

११०९. “कनियाँ-पुतरा” शीर्षक कोन परिवारिक/लोकसांस्कृतिक संसारक संकेत दैत अछि?

- (A) स्त्री, विवाह, बच्चा आ घरेलू सम्बन्ध
- (B) केवल पहाड़-यात्रा
- (C) सिर्फ गणना
- (D) वैज्ञानिक प्रयोग

१११०. “भकमोड़” शीर्षकक समग्र संकेत की अछि?

- (A) जीवनक मोड़, भटकाव वा सामाजिक टेढ़ापन
- (B) केवल फूलक रंग
- (C) संगीतक स्वर
- (D) भूगोलक नक्शा

खण्ड ६३८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २३९ : भकमोड़क कथा-स्वर आ लोकजीवन

११११. “मनमनियाँ”क आरम्भिक स्वरमे औरल, निर्मली आ बस्ती-जकाँ उल्लेख कोन धरातल बनबैत अछि?

- (A) स्थानीय ग्रामीण/कस्बाई जीवन
- (B) विदेशी महानगर
- (C) दरबारी युद्ध
- (D) अंतरिक्ष-यात्रा

१११२. “मनमनियाँ”मे कथा-मंच आ गोष्ठी सन प्रसंग कोन बात देखबैत अछि?

- (A) साहित्यिक-सामुदायिक संवाद
- (B) केवल अकेल युद्ध
- (C) मौन साधना मात्र
- (D) व्यापारिक बोली

१११३. भकमोड़क कथासूचीमे सामाजिक आ घरेलू शीर्षक एकसंग रहबाक अर्थ की अछि?

- (A) लघुकथा लोकजीवनक छोट-छोट बिन्दु पकड़ैत अछि
- (B) लघुकथा केवल राजाज्ञा होइत अछि
- (C) लघुकथा गीतक मात्रा मात्र अछि
- (D) लघुकथा फोटो-ऐल्बम अछि

१११४. “गामक मुँह केर देखब” शीर्षक कोन लोक-दृष्टि खोलैत अछि?

- (A) गामक सामूहिक राय, लाज आ सामाजिक नजर
- (B) केवल प्राकृतिक दृश्य
- (C) मशीनक मरम्मत
- (D) विदेशी पाठशाला

१११५. “स्वरोजगार” आ “एक घाघ जमीन”कें संग पढ़ला पर कोन चिन्ता स्पष्ट होइत अछि?

- (A) जीविका, जमीन आ आत्मनिर्भरता
- (B) संगीतक आरोह-अवरोह
- (C) युद्धक रणनीति
- (D) प्रकृति-चित्र मात्र

१११६. “ओझरी” आ “भकमोड़”क भाव-संबंध कोना बुझाइत अछि?

- (A) दूनू जीवनक उलझल वा टेढ़ स्थितिक संकेत करैत अछि
- (B) दूनू केवल मौसमक नाम अछि
- (C) दूनू शुद्ध गणित अछि
- (D) दूनू ताल-वाद्य अछि

१११७. भकमोड़ संग्रहमे शीर्षकसभक भाषा कतेक नजदीक लोक-प्रयोगसँ अछि?

- (A) बहुत नजदीक, कारण शीर्षक लोकबोली आ गामक वस्तुसँ बनल अछि
- (B) पूर्णतः तकनीकी भाषा
- (C) विदेशी वैज्ञानिक शब्द
- (D) केवल शास्त्रीय सूत्र

१११८. अंक २३९मे लघुकथा-संग्रहक प्रस्तुति विदेहक कोन साहित्यिक ध्येय देखबैत अछि?

- (A) छोट आकारक कथा-विधाकें संग्रहित करि पाठक धरि पहुँचाबय
- (B) केवल चित्र प्रदर्शनी
- (C) गणित-परीक्षा
- (D) संगीत-अभ्यास

१११९. भकमोड़क कथासूचीमे परिवार, जमीन, रोजी, गाम आ बारी — एहि सभक मेल की बनबैत अछि?

- (A) ग्रामीण समाजक संपूर्ण लघु-चित्र
- (B) एकमात्र दरबारी कथा
- (C) सिर्फ बच्चों का खेल
- (D) मौसम तालिका

११२०. भकमोड़ संग्रहक साहित्यिक प्रभाव कोन प्रकारक अछि?

- (A) छोट शीर्षकसभ द्वारा व्यापक सामाजिक प्रश्न उठबैत अछि
- (B) केवल पृष्ठ-सूचना दैत अछि
- (C) सिर्फ प्रकाशकक सूचना
- (D) केवल रंग-संयोजन

खण्ड ६३९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २४० : दोहरी हाक कथा-संग्रह

११२१. अंक २४०क मुख्य सामग्री कोन विधा पर केन्द्रित अछि?

- (A) लघुकथा/कथा-संग्रह
- (B) एकांकी-संग्रह
- (C) गजल-समीक्षा
- (D) भाषा-व्याकरण

११२२. “दोहरी हाक” पुस्तकक अंग्रेजी परिचय ओकरा कोन रूपे बतबैत अछि?

- (A) Short Stories संग्रह
- (B) Long Stories संग्रह
- (C) One-Act Play
- (D) कविता-संग्रह

११२३. “दोहरी हाक”क आवरण पर कोन शीर्ष-विधा लिखल अछि?

- (A) कथा-संग्रह
- (B) गजल-संग्रह
- (C) नाटक
- (D) शोधपत्र

११२४. “दोहरी हाक”क समर्पण भावमे कोन धार्मिक/लोक-भक्ति स्वर प्रमुख अछि?

- (A) गाम-गाम देव-दुर्गाक स्मरण
- (B) केवल बाजारक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेल-घोषणा

११२५. “दोहरी हाक”क कथाक-सूचीमे “किछु मे फँसैर” कोन भाव-संकेत दैत अछि?

- (A) फँसल स्थिति वा जीवनक उलझन
- (B) पूर्ण विजय मात्र
- (C) केवल बगान-वर्णन
- (D) गणना-पत्रक

११२६. “महिस” शीर्षक कोन लोक-जीवनक पशु-बिम्बक संग जुड़ल अछि?

- (A) ग्राम्य पशुपालन आ आजीविका
- (B) राजदरबार
- (C) अंतरिक्षयान
- (D) संगीत-राग

११२७. “बेर परक सम्बन्ध” शीर्षक कोन सामाजिक प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) सम्बन्धक समय, दूरी आ सामाजिक स्थिति
- (B) केवल जलवायु
- (C) अक्षर-लेखन
- (D) चित्रकला रंग

११२८. “सड़क-कनक खेत” शीर्षक कोन विरोध/तनाव बनबैत अछि?

- (A) सड़क, जमीन आ खेतीक टकराव
- (B) गीतक राग
- (C) समुद्री तूफान
- (D) राजा-रानीक युद्ध

११२९. “पाइक इच्छा” शीर्षक कोन आर्थिक भाव जगबैत अछि?

- (A) पैसाक चाह, अभाव वा लोभ
- (B) केवल भक्तिगीत
- (C) वन-वर्णन
- (D) बालक्रीड़ा

११३०. “कथा लेखन क्रम” दोहरी हाकमे कोन बातक संकेत अछि?

- (A) लेखक अपन कथा-रचनाक क्रम दर्ज करैत छथि
- (B) नाटकक मंचसूची
- (C) गजल-रदीफ
- (D) पन्ना-त्रुटि

खण्ड ६४० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २४० : दोहरी हाकक कथा-दृष्टि आ सामाजिक संकेत

११३१. “दोहरी हाक” शीर्षकमे “हाक” शब्द कोन कथा-ध्वनि बनबैत अछि?

- (A) आवाज, पुकार आ सामुदायिक चेतावनी
- (B) पूर्ण मौन
- (C) चित्रकला रेखा
- (D) गणितीय संख्या

११३२. “दोहरी” शब्द शीर्षकमे कोन संकेत जोड़ैत अछि?

- (A) दूहरी आवाज, दोहराव वा द्वन्द्व
- (B) केवल एकरूपता
- (C) मौन तपस्या
- (D) रंगहीनता

११३३. “दोहरी हाक”क कथासूचीमे पशु, खेत, सड़क, पैसा आ सम्बन्धक शीर्षकसभ कोन संसार रचैत अछि?

- (A) ग्राम्य-सामाजिक जीवनक बहुआयामी संसार
- (B) सिर्फ दरबारक जीवन
- (C) केवल खगोल-विज्ञान
- (D) केवल गीत-ताल

११३४. “सड़क-कनक खेत” शीर्षक सामाजिक विकासक कोन समस्या देखबैत अछि?

- (A) सड़क निर्माण आ खेती-जमीनक सम्बन्ध
- (B) केवल भोजन-रीति
- (C) भक्ति-पूजा
- (D) नाट्य-आसन

११३५. “बेरूप” शीर्षक कोन कथा-संकेत दैत अछि?

- (A) रूप बदलल, पहचानक संकट वा अस्वाभाविक स्थिति
- (B) केवल फूलक नाम
- (C) संगीतक ताल
- (D) मौसमक सूचना

११३६. “महिस” आ “पाइक इच्छा”क संग पढ़ला पर कोन जीवन-यथार्थ उभरैत अछि?

- (A) पशुपालन, धन आ आजीविका
- (B) राजनीतिक भाषण मात्र
- (C) पुस्तक-मूल्य मात्र
- (D) बालक खेल मात्र

११३७. “किछु मे फँसैर” आ “बेर परक सम्बन्ध”मे कोन साझा भाव छैक?

- (A) सम्बन्ध आ जीवनक अटकाव/जटिलता
- (B) पूर्ण सरल समाधान
- (C) केवल उत्सव
- (D) संगीतक राग

११३८. दोहरी हाकक समर्पण भावमे “पाप-पुण्य”क उल्लेख कोन नैतिक धरातल बनबैत अछि?

- (A) लोक-धर्म, कर्म आ आत्म-समीक्षाक धरातल
- (B) केवल व्यापारिक करार
- (C) युद्ध-नीति
- (D) खेलक नियम

११३९. अंक २४०मे कथा-संग्रहक प्रस्तुति अधिल्ला अंक २३९सँ कोन निरन्तरता रखैत अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा/कथा-संग्रहक श्रृंखला जारी रहैत अछि
- (B) उपन्यास पूर्णतः छोड़ि नाटक मात्र अबैत अछि
- (C) गजल विशेषांक शुरू होइत अछि
- (D) चित्रकला-संग्रह मात्र बनैत अछि

११४०. “दोहरी हाक”क समग्र कथा-दृष्टि की कहल जा सकैत अछि?

- (A) लोकजीवनक पुकार, सामाजिक फँसाव आ आर्थिक-सांस्कृतिक प्रश्नक कथा-दृष्टि
- (B) सिर्फ संपर्क-सूचना
- (C) केवल छन्द-व्याख्या
- (D) अंकगणित तालिका

खण्ड ६४१ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २४१ : पसेनाक धरम आ फलहार

११४१. अंक २४१क मुख्य सामग्री कोन लेखकक तीनटा लघुकथा-संग्रह पर केन्द्रित अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (B) दिनेश यादव
- (C) नीलमाधव चौधरी
- (D) कैलाश कुमार मिश्र

११४२. “पसेनाक धरम” पुस्तकक विधा कोना चिन्हित अछि?

- (A) लघुकथा-संग्रह
- (B) एकांकी-संग्रह
- (C) उपन्यास
- (D) गीत-संग्रह

११४३. “पसेनाक धरम”क कथासूचीमे नहरकन्हा, बटकोही, हमर बाइहिनक विचार आ खागा चौबे सन शीर्षक सभ कोन संसार खोलैत अछि?

- (A) गाम, परिवार, लोक-विचार आ रोजक समाज
- (B) दरबारक युद्ध मात्र
- (C) समुद्री यात्रा मात्र
- (D) वैज्ञानिक प्रयोग मात्र

११४४. “पसेनाक धरम” शीर्षकक केन्द्रीय भाव कोन होइ सकैत अछि?

- (A) परिश्रम, पसीना आ नैतिक कमाइक मूल्य
- (B) बिना श्रमक वैभव
- (C) केवल राजसी शिकार
- (D) केवल ऋतु-सज्जा

११४५. “नहरकन्हा” सन शीर्षक अंक २४१मे कोन प्रकारक स्थानीयता जोड़ैत अछि?

- (A) गामक भू-दृश्य आ लोक-नामक निकटता
- (B) सिर्फ आकाशीय कल्पना
- (C) केवल महानगरीय दफ्तर
- (D) विदेशी व्यापार

११४६. “फलहार” पुस्तक अंक २४१मे कोन विधा-परम्पराक अंश अछि?

- (A) लघुकथा-संग्रह शृंखला
- (B) दीर्घ नाटक
- (C) शोध-ग्रन्थ
- (D) व्याकरण-पाठ

११४७. “फलहार”क कथासूचीमे जामा, गमछा, कुमनी आ थरुआ सन शीर्षक कोन वस्तु-लोककें सामने आनैत अछि?

- (A) घर-गामक रोजमर्रा वस्तु आ देहाती व्यवहार
- (B) केवल राजकीय वेशभूषा
- (C) केवल संगीत-वाद्य
- (D) केवल खगोल-विज्ञान

११४८. “फलहार” शीर्षकमे भोजन-संस्कृति कोन अर्थमे महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अन्न, बाँट-चाँट आ लोकरीतिक सामाजिक अर्थ
- (B) केवल सजावटी मेनू
- (C) केवल चिकित्सकीय नियम
- (D) केवल व्यापारिक सूची

११४९. “भोजक फेरा” सन शीर्षक कथा-दृष्टिमे कोन बात जोड़ैत अछि?

- (A) समारोह, सम्बन्ध आ सामाजिक लेन-देन
- (B) समुद्री युद्ध
- (C) अदालती कानून मात्र
- (D) चित्रकला रंग

११५०. “पसेनाक धरम” आ “फलहार”कें संग पढ़ला पर अंक २४१क स्वर की बुझाईत अछि?

- (A) श्रम, भोजन, घरक वस्तु आ लोक-व्यवहारक कथा-स्वर
- (B) केवल वीर-गाथा
- (C) केवल अमूर्त दार्शनिक सूत्र
- (D) केवल यात्रा-संस्मरण

खण्ड ६४२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २४१ : अपन-बिरान आ लोकसम्बन्ध

११५१. “अपन-बिरान” शीर्षक कोन मूल सामाजिक द्वन्द्वकें व्यक्त करैत अछि?

- (A) अपनापन आ परायापनक तनाव
- (B) जल आ आगिक विज्ञान
- (C) संगीतक ताल मात्र
- (D) राज्य-सीमा मात्र

११५२. “अपन-बिरान”क कथासूचीमे “नीक बोल” जकाँ शीर्षक कोन नैतिक संकेत दैत अछि?

- (A) बोली-बात आ व्यवहारक महत्त्व
- (B) केवल भोजन विधि
- (C) केवल युद्धक शस्त्र
- (D) केवल मौसम

११५३. “अपन-बिरान”मे शीर्षकसभक मेल कोन तरहक कथा-भूमि बनबैत अछि?

- (A) घर-समाज, मनुष्यक दूरी आ नजदीकीक भूमि
- (B) दरबारक राजवंशावली
- (C) केवल पशु-विज्ञान
- (D) समुद्री व्यापार

११५४. अंक २४१क तीनू संग्रहमे कथा आकार किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लघुकथा छोट प्रसंगसँ पैघ सामाजिक अर्थ निकालैत अछि
- (B) सिर्फ पृष्ठ बढ़ेबाक साधन अछि
- (C) केवल गीत गाबय लेल अछि
- (D) चित्र बनयबामे मात्र उपयोगी अछि

११५५. “पसेनाक धरम”सँ “अपन-बिरान” धरि शीर्षकक्रम कोन व्यापक चिन्ता देखबैत अछि?

- (A) श्रमसँ सम्बन्ध धरि लोकजीवनक नैतिकता
- (B) केवल युद्ध-इतिहास
- (C) सिर्फ पर्वत-यात्रा
- (D) कम्प्यूटर-प्रोग्राम

११५६. कथा-सूचीमे गामक साधारण शब्दक उपस्थिति कोन साहित्यिक प्रभाव बनबैत अछि?

- (A) लोकभाषा आ देहाती अनुभवक विश्वसनीयता
- (B) पूर्ण कृत्रिमता
- (C) केवल विदेशीपन
- (D) व्याकरणिक सूखा नियम

११५७. अंक २४१क संग्रहसभमे परिवारक उपस्थिति कोन रूपमे देखाइत अछि?

- (A) बहिन, घर, अपन-बिरान आ भोज-जकाँ सम्बन्धसूचक प्रसंगमे
- (B) केवल सेनापति-राजा रूपमे
- (C) केवल नदी-माप रूपमे
- (D) कोनो रूपमे नहि

११५८. लघुकथा-संग्रहक प्रस्तुति विदेहक कोन भूमिका देखबैत अछि?

- (A) मैथिली कथाकेँ डिजिटल पाठक धरि पहुँचाबय
- (B) सिर्फ पुरस्कार-गणना
- (C) केवल रंगीन आवरण दिखाबय
- (D) सिर्फ लिंक-सूची देबय

११५९. “खागा चौबे” सन नामधारी शीर्षक कोन कथा-स्वभाव दिस संकेत करैत अछि?

- (A) लोकचरित्र आ सम्भावित व्यंग्य
- (B) शुद्ध गणितीय सूत्र
- (C) अंतरिक्ष-यात्रा
- (D) औषधि-विज्ञान

११६०. अंक २४१क समग्र साहित्यिक जोड़ कोन अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा-लोकमे श्रम, भोजन, बोली आ सम्बन्धक विस्तार
- (B) केवल बालगीतक अंक
- (C) केवल विदेशी कथा अनुवाद
- (D) केवल चित्रकला आलेख

खण्ड ६४३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २४२ : बाल गोपाल आ गामक शक्ल-सूरत

११६१. अंक २४२मे सेहो मुख्य सामग्री कोन लेखकक तीनटा लघुकथा-संग्रह पर अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (B) गोविन्द झा
- (C) रमानन्द रेणु
- (D) कमला चौधरी

११६२. “बाल गोपाल” शीर्षक कोन जीवन-क्षेत्रकें कथा-केंद्र बनबैत अछि?

- (A) बाल-जीवन, परिवार आ संस्कार
- (B) सैनिक रणभूमि
- (C) समुद्री व्यापार
- (D) न्यायालयी दस्तावेज

११६३. “बाल गोपाल”क कथासूचीमे “सिद्धान्त”, “बेटा-पुतोहु” आ “भोजन” सन शीर्षक कोन विषय-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) मूल्य, परिवार आ भोजन-संस्कृति
- (B) केवल पशु-पक्षी सूची
- (C) केवल राज्य-कर
- (D) संगीतक राग

११६४. “बेटा-पुतोहु” शीर्षक कोन समाजशास्त्रीय प्रश्न उठा सकैत अछि?

- (A) घरक पीढ़ी, विवाहोत्तर सम्बन्ध आ अपेक्षा
- (B) केवल खेतक नाप
- (C) नदीक वेग
- (D) चित्रकला तकनीक

११६५. “गामक शक्ल-सूरत” शीर्षक कोन प्रकारक कथा-दृष्टि सूचित करैत अछि?

- (A) गामक बाहरी रूपक संग ओकर भीतरक सामाजिक हाल
- (B) केवल शहरक भवन-योजना
- (C) केवल विदेशी यात्रा
- (D) सिर्फ देवकथा

११६६. “गामक शक्ल-सूरत”क कथासूचीमे “सुखसागर सुखना” सन शीर्षक कोन शैलीक नजदीक अछि?

- (A) लोकनाम आ चरित्र-आधारित कथा
- (B) वैज्ञानिक सूत्र
- (C) गणितीय प्रमेय
- (D) समुद्री मानचित्र

११६७. “मकान” सन शीर्षक गामक कथा-संसारमे कोन प्रश्न जोड़ैत अछि?

- (A) घर, बसोबास, स्वामित्व आ प्रतिष्ठा
- (B) केवल पहाड़ारोहण
- (C) वन्य पशु-शिकार
- (D) संगीत-वाद्य

११६८. “गामक शक्ल-सूरत”मे शीर्षकसभक प्रकृति कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) गामक जीवन बहुस्तरीय अछि—घर, लोक, प्रतिष्ठा, संघर्ष
- (B) गाम पूर्णतः नीरस आ निर्विषय अछि
- (C) केवल मौसमक सूची अछि
- (D) केवल अक्षराभ्यास अछि

११६१. “बाल गोपाल” आ “गामक शक्ल-सूरत”कें संग पढ़ला पर कोन निरन्तरता भेटैत अछि?

- (A) बालक सँ पूरा गाम धरि सामाजिक जीवनक फैलाव
- (B) केवल एक युद्धक विस्तार
- (C) सिर्फ गीतक आरोह
- (D) केवल प्रशासनिक सूचना

११७०. अंक २४२क एहि दू संग्रहमे लोक-मैथिली शीर्षकसभ किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) शीर्षक अपने भाषा-संस्कृतिक निकटता सँ कथा-स्वर बनबैत अछि
- (B) शीर्षक अप्रासंगिक अछि
- (C) शीर्षक केवल पृष्ठ सजावट अछि
- (D) शीर्षक विदेशी शब्द-सूची अछि

खण्ड ६४४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २४२ : गुड़-खुद्दीक रोटी आ ग्राम्य स्वाद

११७१. “गुड़-खुद्दीक रोटी” शीर्षक कोन सामाजिक-सांस्कृतिक क्षेत्र खोलैत अछि?

- (A) ग्रामीण भोजन, अभाव आ स्नेहक स्वाद
- (B) केवल राजमहल भोज
- (C) समुद्री नमक व्यापार
- (D) अंतरिक्ष भोजन

११७२. “गुड़-खुद्दीक रोटी”क कथासूचीमे “उधरा हाल” सन शीर्षक कोन अनुभव सूचित करैत अछि?

- (A) कठिन जीवन-स्थिति वा उलझल हाल
- (B) पूर्ण विलासिता
- (C) केवल ऋतु-सौन्दर्य
- (D) संगीतक ताल

११७३. “दौलत मे रंग” जकाँ शीर्षक कोन कथ्यक संभावना खोलैत अछि?

- (A) धन आ चरित्रक सम्बन्ध पर व्यंग्य वा टिप्पणी
- (B) केवल फूलक रंग
- (C) नदीक बहाव
- (D) खेलक नियम

११७४. “गुड़-खुद्दीक रोटी”मे भोजनक साधारणता किएक साहित्यिक रूपे प्रभावी अछि?

- (A) साधारण भोजन सँ परिवार, अभाव आ प्रेमक पैघ अर्थ निकलैत अछि
- (B) भोजनक कोनो अर्थ नहि
- (C) ई केवल नुस्खा अछि
- (D) ई केवल मूल्य-सूची अछि

११७५. अंक २४२क तीन संग्रहमे “बाल”, “गाम” आ “रोटी” कोन त्रयी बनबैत अछि?

- (A) परिवार, ग्राम-समाज आ जीविका/भोजनक त्रयी
- (B) युद्ध, शस्त्र आ दरबारक त्रयी
- (C) वन, पर्वत आ समुद्रक त्रयी
- (D) अक्षर, संख्या आ सूत्रक त्रयी

११७६. “गुड़-खुद्दीक रोटी” शीर्षकमे “खुद्दी”क उपस्थिति कोन भाव बनबैत अछि?

- (A) साधन-सीमा आ गरीब जनक भोजन-संसार
- (B) अत्यधिक विलास
- (C) राजसी शिकार
- (D) यांत्रिक आधुनिकता

११७७. अंक २४२क लघुकथासभमे सामाजिक आलोचना कोना सम्भव अछि?

- (A) छोट घरेलू प्रसंगसँ पैघ व्यवस्था आ मूल्य पर टिप्पणी द्वारा
- (B) दीर्घ भाषण मात्र द्वारा
- (C) नक्शा बनाकर मात्र
- (D) गणित-प्रश्न द्वारा

११७८. “मकान” आ “रोटी” जकाँ शीर्षक संग-संग कोन मूल जरूरत देखबैत अछि?

- (A) आवास आ अन्न
- (B) संगीत आ नृत्य
- (C) सागर आ जहाज
- (D) खगोल आ ग्रह

११७९. गुड़, रोटी, बेटा-पुतोहु, मकान—ई सब शीर्षक मिलि कोन यथार्थ बनबैत अछि?

- (A) गृहस्थी आ गामक संघर्षपूर्ण यथार्थ
- (B) सिर्फ देवस्तुति
- (C) केवल विदेशी बाज़ार
- (D) अंतरिक्ष-अभियान

११८०. अंक २४२क समग्र कथा-स्वर की कहल जा सकैत अछि?

- (A) बाल-परिवार, गामक चेहरा आ साधारण भोजनक भीतर सामाजिक अर्थ खोजयवला स्वर
- (B) केवल शौर्य-गीतक स्वर
- (C) केवल प्रशासनिक आदेश
- (D) सिर्फ चित्रकला विवरण

खण्ड ६४५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २४३ : पतझर आ समरथाइक भूत

११८१. अंक २४३मे मुख्य रूपे कोन लेखकक तीनटा लघुकथा-संग्रह देल गेल अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (B) नन्द विलास राय
- (C) राजदेव मण्डल
- (D) ज्योति सुनीत चौधरी

११८२. “पतझर” शीर्षक कोन प्रतीकात्मक भाव जगबैत अछि?

- (A) झरैत पात, क्षय, बदलाव आ जीवनक ऋतु-बदलाव
- (B) सदैव हरियाली मात्र
- (C) केवल बाजारक भाव
- (D) समुद्री यात्रा

११८३. “पतझर”क कथासूचीमे “पाइक मोन” सन शीर्षक कोन प्रवृत्ति पर संकेत करैत अछि?

- (A) धन-लालसा वा आर्थिक मानसिकता
- (B) केवल पवन-दिशा
- (C) बाल-खेल
- (D) राजवंशावली

११८४. “पतझर”मे “बरसात” जकाँ शीर्षक पतझरक संग कोन विरोधाभास बनबैत अछि?

- (A) सूखल ऋतु आ भीजल ऋतु बीच जीवन-चक्र
- (B) एक्के रंगक दोहराव
- (C) केवल सैनिक अनुशासन
- (D) केवल धातु-विज्ञान

११८५. “समरथाइक भूत” शीर्षक कोन सामाजिक-व्यंग्यक संभावना खोलैत अछि?

- (A) सामर्थ्य, अन्धविश्वास आ भयक मिलन
- (B) केवल बालगीत
- (C) भूगोलक पाठ
- (D) औषधि-सूची

११८६. “समरथाइक भूत”क कथासूचीमे “खुजियासर” जकाँ शीर्षक कोन लोक-स्वाद दैत अछि?

- (A) स्थानीय शब्द आ लोक-चरित्रक स्वाद
- (B) पूर्ण शास्त्रीय संस्कृत शैली
- (C) केवल अंग्रेजी दफ्तर
- (D) समुद्री नक्शा

११८७. “जिन्नु” आ “भूत” सन शब्द सभ कथा मे कोन धरातल खोलैत अछि?

- (A) लोकविश्वास, भय आ हास्य-व्यंग्य
- (B) केवल गणितीय प्रमाण
- (C) यंत्र-विज्ञान
- (D) दरबारी विधान

११८८. “पतझर” आ “समरथाइक भूत”क मेल कोन कथा-दायरा बनबैत अछि?

- (A) प्रकृति-प्रतीकसँ लोकविश्वास आ सामाजिक व्यंग्य धरि
- (B) केवल युद्ध-नाटक
- (C) केवल यात्रा-वृत्त
- (D) संगीतक रागमाला

११८९. अंक २४३क शीर्षकसभमे आर्थिक, ऋतु आ लोकविश्वासक शब्द एकसंग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ग्रामीण जीवन अनेक स्तर पर चलैत अछि—धन, मौसम, विश्वास, सम्बन्ध
- (B) ग्रामीण जीवनमे कोनो विविधता नहि
- (C) सिर्फ धार्मिक पाठ अछि
- (D) केवल खेत-माप अछि

११९०. लघुकथाक दृष्टिसँ “भूत” शब्दक उपयोग कोना सामाजिक होइत अछि?

- (A) भयक बहाना सँ असली मनुष्य-व्यवहार पर चोट करैत अछि
- (B) केवल डराउना मनोरंजन बनैत अछि
- (C) गणना करैत अछि
- (D) नक्शा बनबैत अछि

खण्ड ६४६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २४३ : उकरू समय आ बदलैत जीवन

११९१. “उकरू समय” शीर्षक कोन अर्थ-संकेत दैत अछि?

- (A) ककरो विशेष काल, अवसर वा जीवन-अवस्था
- (B) केवल मौसम-तालिका
- (C) संगीतक स्वर
- (D) कानूनी धारा

११९२. “उकरू समय”क कथासूचीमे “उमेद” कोन भावकेँ सामने आनैत अछि?

- (A) आशा आ भविष्यक प्रतीक्षा
- (B) पूर्ण निराशा मात्र
- (C) राजकीय युद्ध
- (D) खेलक नियम

११९३. “बबुआ बहु” शीर्षक कोन सामाजिक सम्बन्धक कथा-संभावना बनबैत अछि?

- (A) परिवार, विवाह आ नव सम्बन्ध
- (B) केवल वन्य जीव
- (C) खगोल-विज्ञान
- (D) राजकोष

११९४. “उकरू समय”मे “भोगचल्ली अनुमान” सन शीर्षक कोन कथा-दिशा देत अछि?

- (A) अनुमान, उपभोग आ सामाजिक आडम्बरक व्यंग्य
- (B) केवल कृषि-उपकरण
- (C) समुद्री मछली
- (D) कम्प्यूटर कोड

११९५. अंक २४३क तीन संग्रहमे समय, ऋतु आ भूत—ई तीन शब्द कोन व्यापक मानवीय धरातल बनबैत अछि?

- (A) जीवनक बदलाव, स्मृति आ डर/विश्वास
- (B) केवल दरबारक अनुशासन
- (C) सिर्फ भोजन-विधान
- (D) यात्रा-सूची

११९६. “उमेद” आ “पतझर”कें संग देखला पर कोन भाव-संयोजन बनैत अछि?

- (A) क्षयक बीच आशा
- (B) पूर्ण विनाश
- (C) केवल हास्य
- (D) मात्र व्यापार

११९७. “समरथाइक भूत” आ “उकरू समय”मे लोकमानसक कोन पक्ष उभरैत अछि?

- (A) लोकक डर, भरोसा, अनुमान आ समय-बोध
- (B) केवल मशीनक बनावट
- (C) शुद्ध भूगोल
- (D) संगीतक लय

११९८. लघुकथा-संग्रहमे कथासूची देखिए पाठक की अनुमान लगा सकैत अछि?

- (A) विषय-विस्तार, लोक-शब्द आ सम्भावित सामाजिक प्रश्न
- (B) पूरा कथा बिना पढ़ने निष्कर्ष निश्चित
- (C) केवल असंबद्ध संख्या
- (D) मुद्रण-मूल्य मात्र

११९९. “उकरू समय” शीर्षकक सामाजिक पक्ष की अछि?

- (A) हर व्यक्ति वा समूहक समय बदलैत अछि, आ कथा ओहि बदलावकें पकड़ि सकैत अछि
- (B) समय स्थिर रहैत अछि
- (C) समयक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल घड़ीक माप अछि

१२००. अंक २४३क समग्र कथा-दृष्टि की कहल जा सकैत अछि?

- (A) ऋतु-बदलाव, लोकविश्वास, धन-मन आ समय-बोधक लघुकथा-दृष्टि
- (B) केवल औपचारिक सूचना
- (C) केवल बाल-क्रीड़ा
- (D) सिर्फ रंग-सज्जा

खण्ड ६४७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २४४ : मधुमाछी आ गामक जिनगी

१२०१. अंक २४४क मुख्य सामग्री ककर तीनटा लघुकथा-संग्रह पर केन्द्रित अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (B) मायानाथ झा
- (C) उमेश मण्डल
- (D) विनीत उत्पल

१२०२. “मधुमाछी” शीर्षक कोन प्रकृति-बिम्बक उपयोग करैत अछि?

- (A) माछी/मधुमक्खी जकाँ श्रम, मधुरता आ डँसबाक द्वैत
- (B) सिर्फ पत्थरक बिम्ब
- (C) केवल समंदर
- (D) राजसी मुकुट

१२०३. “मधुमाछी”क कथासूचीमे “बढैत गाछ” सन शीर्षक कोन भाव जगबैत अछि?

- (A) विकास, जड़ आ जीवन-विस्तार
- (B) पूर्ण सूखलपन मात्र
- (C) हथियारक चमक
- (D) व्यापारिक कर

१२०४. “मधुमाछी”मे “बेटीक बियाह” जकाँ शीर्षक कोन सामाजिक प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) विवाह, परिवार, खर्च आ मान-मर्यादा
- (B) केवल मौसमक सूचना
- (C) नदीक नाप
- (D) खेतीक औजार

१२०५. “गामक जिनगी” शीर्षक कोन रूपे व्यापक अछि?

- (A) पूरा ग्राम्य जीवनक कथा-दुनिया
- (B) केवल एक व्यक्ति-नाम
- (C) सिर्फ शहरी दफ्तर
- (D) केवल गीतक मुखड़ा

१२०६. “गामक जिनगी”क विस्तृत कथासूची कोन बात सूचित करैत अछि?

- (A) गामक जीवन बहु-प्रसंगी आ विस्तृत कथा-संसार अछि
- (B) गाममे कथा-विषय कम अछि
- (C) कथा केवल एक प्रसंग धरि सीमित अछि
- (D) ई केवल पृष्ठ-सूची अछि

१२०७. “गामक जिनगी”मे “भेटक लाता” सन शीर्षक कोन सम्बन्धिक भाव बनबैत अछि?

- (A) मुलाकात, नेह-नात आ सामाजिक संपर्क
- (B) युद्धक आदेश
- (C) खगोल-गणना
- (D) रंग-तकनीक

१२०८. मधुमाछी आ गामक जिनगीक मेल कोन कथा-दृष्टि बनबैत अछि?

- (A) प्रकृति-बिम्बसँ ग्राम्य समाजक विस्तार धरि
- (B) केवल राजकथा
- (C) सिर्फ समुद्री कथा
- (D) व्याकरणक सूची

१२०९. “बेटीक बियाह” आ “मकान/गाम” सन विषयक सामाजिक भार की अछि?

- (A) परिवारक प्रतिष्ठा, खर्च, सुरक्षा आ घर-गामक मान
- (B) केवल दृश्य-सज्जा
- (C) सिर्फ खेलक नियम
- (D) कोनो सामाजिक अर्थ नहि

१२१०. अंक २४४क आरम्भिक दू संग्रहमे भाषा-स्वर कतेक लोकनिकट अछि?

- (A) बहुत लोकनिकट, कारण शीर्षक गामक बोलचाल आ जीवन-वस्तुसँ बनल अछि
- (B) पूर्णतः दुरुह शास्त्रीय
- (C) केवल विदेशी
- (D) सिर्फ संख्यात्मक

खण्ड ६४८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २४४ : लगबीजी, गामक विस्तार आ कथा-समाज

१२११. “लगबीजी” शीर्षक कोन भाव-संकेत दैत अछि?

- (A) लगाव, जोड़-तोड़ वा जीवनक उलझल संपर्क
- (B) पूर्ण एकान्त
- (C) केवल आकाशीय गणना
- (D) दरबारी पद

१२१२. “लगबीजी”क कथासूचीमे “अकाल” कोन संकट सामने आनैत अछि?

- (A) अन्न-संकट, अभाव आ सामाजिक परीक्षा
- (B) राजसी उत्सव
- (C) समुद्री यात्रा
- (D) संगीत समारोह

१२१३. “लगबीजी”मे “सपना” सन शीर्षक कोन मानवीय पक्ष जोड़ैत अछि?

- (A) आशा, इच्छा आ भविष्य-कल्पना
- (B) केवल लोहेक काम
- (C) अदालतक नियम
- (D) वन्य पशु

१२१४. “लगबीजी”क कथासूचीमे “बेटीक लेल बेटा” जकाँ शीर्षक कोन सामाजिक मानसिकता पर प्रश्न करैत अछि?

- (A) लिंग, संतान, परिवार आ सामाजिक अपेक्षा
- (B) केवल मौसम
- (C) शिकारक औजार
- (D) भाषा-व्याकरण

१२१५. “गामक जिनगी”क लम्बी कथासूची आ “लगबीजी”क सामाजिक शीर्षकसभ मिलि कोन चित्र बनबैत अछि?

- (A) गामक सम्बन्ध, अभाव, सपना, परिवार आ संघर्षक विस्तृत चित्र
- (B) सिर्फ राजदरबार
- (C) केवल पर्वतीय यात्रा
- (D) विज्ञान प्रयोगशाला

१२१६. “अकाल” आ “मधुमाछी”कें संग देखला पर प्रकृति कोन दू रूपमे अबैत अछि?

- (A) सृजन/मधुरता आ अभाव/संकट
- (B) केवल सजावट
- (C) केवल गणना
- (D) सिर्फ दरबार

१२१७. अंक २४४मे कथा-शीर्षकसभ परिवारक संरचना पर कोना संकेत करैत अछि?

- (A) बेटी, बेटा, विवाह, घर आ गामक प्रसंग द्वारा
- (B) केवल सैनिक पद द्वारा
- (C) समुद्री नाव द्वारा
- (D) खगोल-नाम द्वारा

१२१८. लघुकथा मे “अकाल” सन विषय किएक तीक्ष्ण होइत अछि?

- (A) छोट कथा एक संकटमय क्षणसँ पूरा समाजक चेहरा देखबैत अछि
- (B) ई विषय छोट कथामे असम्भव अछि
- (C) ई केवल सूचना रहैत अछि
- (D) कोनो भाव नहि बनैत

१२१९. “लगबीजी” शीर्षकक लोकबोलीपना किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई सीधे लोकजीवनक बोलचालसँ अर्थ बनबैत अछि
- (B) ई पूर्णतः निर्जीव तकनीकी शब्द अछि
- (C) ई मात्र विदेशी नाम अछि
- (D) ई संख्या मात्र अछि

१२२०. अंक २४४क समग्र कथा-दृष्टि की कहल जा सकैत अछि?

- (A) प्रकृति, ग्राम्य जीवन, अकाल, सपना आ परिवारक लघुकथा-दृष्टि
- (B) केवल चित्रकला-प्रदर्शन
- (C) सिर्फ नाटक मंचन
- (D) व्याकरण-परीक्षा

खण्ड ६४९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २४५ : दबियाल गाम आ गुलेटी दास

१२२१. अंक २४५मे कोन लेखकक तीनटा लघुकथा-संग्रह मुख्य सामग्री रूपे देल गेल अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (B) कैलाश कुमार मिश्र
- (C) नीलमाधव चौधरी
- (D) दिनेश यादव

१२२२. “दबियाल गाम” शीर्षक कोन स्थिति सूचित करैत अछि?

- (A) दबावमे पड़ल वा दबा देल गेल गामक सामाजिक अवस्था
- (B) बहुत समृद्ध नगर
- (C) समुद्री द्वीप
- (D) राजमहल

१२२३. “दबियाल गाम”क कथासूचीमे “गालफुल” सन शीर्षक कोन लोक-स्वर देत अछि?

- (A) लोक-शब्द आ चरित्र/व्यवहारक व्यंग्यात्मक स्वाद
- (B) केवल वैज्ञानिक पद
- (C) अदालती धारा
- (D) समुद्री नक्शा

१२२४. “दबियाल गाम”मे “गामक नाक” सन शीर्षक कोन सामाजिक बोधक संकेत अछि?

- (A) गामक इज्जत, प्रतिष्ठा आ सामूहिक मान
- (B) सिर्फ शारीरिक अंग
- (C) खेलक औजार
- (D) नदीक घाट

१२२५. “नवकी-पुरानी” जकाँ शीर्षक कोन परिवर्तन-बोध देखबैत अछि?

- (A) नव आ पुरान मूल्यक टकराव
- (B) केवल रंगक नाम
- (C) घोड़ा-दौड़
- (D) गणितीय घटाव

१२२६. “गुलेटी दास” शीर्षक कोन प्रकारक कथा-केन्द्र बनबैत अछि?

- (A) व्यक्तिनाम-केन्द्रित लोकचरित्र
- (B) केवल ऋतु-सूची
- (C) समुद्री जहाज
- (D) वैज्ञानिक यंत्र

१२२७. “गुलेटी दास”क कथासूचीमे “कोना भेटा” कोन भाव सामने आनैत अछि?

- (A) भेंट, खोज आ सम्बन्धक प्रसंग
- (B) शिकारक नियम
- (C) अक्षर-लेखन
- (D) खगोल-यात्रा

१२२८. “ओसक लेल बान्ह” सन शीर्षक कोन प्रतीकात्मक अर्थ बना सकैत अछि?

- (A) छोट चाहना आ बड़ा उपाय/व्यर्थ प्रयासक व्यंग्य
- (B) केवल सिंचाई नियम
- (C) सैनिक बाँध
- (D) सोना गलाबय

१२२९. “दबियाल गाम” आ “गुलेटी दास”क मेल कोन कथा-क्षेत्र बनबैत अछि?

- (A) सामूहिक गाम आ विशिष्ट लोकचरित्र—दूनों पर दृष्टि
- (B) केवल राजकथा
- (C) केवल बालगीत
- (D) सिर्फ तकनीकी सूचना

१२३०. अंक २४५क आरम्भिक दू संग्रहक सामाजिक स्वर की अछि?

- (A) दबावग्रस्त गाम, प्रतिष्ठा, नव-पुरान टकराव आ लोकचरित्रक स्वर
- (B) केवल देवस्तुति
- (C) सिर्फ यात्रा-वृत्तान्त
- (D) केवल भोजन-सूची

खण्ड ६५० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २४५ : वीरांगना लघुकथा-संग्रह आ पाँच अंकक निरन्तरता

१२३१. अंक २४५मे “वीरांगना” कोन विधा-संदर्भमे प्रस्तुत अछि?

- (A) लघुकथा-संग्रह
- (B) एकांकी मात्र
- (C) उपन्यास
- (D) कविता-संग्रह

१२३२. “वीरांगना” शीर्षक कोन स्त्री-केन्द्रित संकेत दैत अछि?

- (A) साहस, संघर्ष आ नारी-चरित्रक गरिमा
- (B) पूर्ण निष्क्रियता
- (C) केवल हास्य-उपहास
- (D) संगीतक वाद्य

१२३३. “वीरांगना”क कथासूचीमे “भोरक सपना” कोन भाव जगबैत अछि?

- (A) नव आरम्भ, आशा आ उजास
- (B) पूर्ण अन्हार
- (C) केवल अतीत
- (D) शास्त्रीय नियम

१२३४. “धोखा ककर देल” सन शीर्षक कोन कथा-संघर्ष खोलैत अछि?

- (A) विश्वासघात, सम्बन्ध आ जवाबदेही
- (B) केवल फूल-वर्णन
- (C) खेतीक औजार
- (D) गणितीय सूत्र

१२३५. “पापड़ पारि” सन शीर्षक कोन लोक-कार्य आ संघर्षक बिम्ब दैत अछि?

- (A) घरेलू श्रम, धैर्य आ परिश्रमक बिम्ब
- (B) समुद्री व्यापार
- (C) राजनीतिक पद
- (D) अंतरिक्ष-यात्रा

१२३६. “पहाड़ी” आ “बेकारनी” जकाँ शीर्षक वीरांगना संग्रहमे कोन सामाजिक विविधता जोड़ैत अछि?

- (A) चरित्र, स्थान आ जीवनस्थितिक विविधता
- (B) केवल एकरूपता
- (C) सिर्फ बालक खेल
- (D) कोनो मानवीय संदर्भ नहि

१२३७. अंक २४१ सँ २४५ धरि लगातार तीन-तीन लघुकथा-संग्रह देबाक साहित्यिक महत्त्व की अछि?

- (A) एक लेखकक लघुकथा-संसारक विस्तृत डिजिटल संचयन
- (B) सिर्फ आवरण-संग्रह
- (C) केवल संपर्क-सूची
- (D) मात्र विज्ञापन

१२३८. अंक २४१-२४५क संग्रह शीर्षकसभमे बारम्बार गाम, भोजन, परिवार, समय, अकाल आ नारी किएक अबैत अछि?

- (A) कथा-दृष्टि लोकजीवनक मूल अनुभवसभ पर केन्द्रित अछि
- (B) लेखक केवल शब्द दोहरबैत छथि
- (C) कोनो विषयगत अर्थ नहि
- (D) ई केवल सजावट अछि

१२३९. “दबियाल गाम”सँ “वीरांगना” धरि अंक २४५क आन्तरिक गति कोना बुझाईत अछि?

- (A) दबावग्रस्त समाजसँ साहसी प्रतिरोधक स्त्री-छवि धरि
- (B) केवल भूगोलसँ खगोल धरि
- (C) भोजनसँ संगीत धरि मात्र
- (D) कोनो गति नहि

१२४०. अंक २४१-२४५क समग्र योगदान की कहल जा सकैत अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा-लोकमे श्रम, अन्न, गाम, परिवार, लोकविश्वास, संकट आ साहसक विस्तृत प्रस्तुति
- (B) केवल नाटक मंचन
- (C) सिर्फ भाषा-व्याकरण
- (D) केवल यात्रा-सूची

खण्ड ६५१ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २४६ : क्रान्तियोग लघुकथा-संग्रह

१२४१. अंक २४६मे “क्रान्तियोग” कोन विधा-सन्दर्भमे देल गेल अछि?

- (A) लघुकथा-संग्रह
- (B) दीर्घ उपन्यास
- (C) नाटक-संग्रह
- (D) व्याकरण-पुस्तक

१२४२. “क्रान्तियोग” शीर्षक कोन भाव-क्षेत्र खोलैत अछि?

- (A) बदलाव, संघर्ष आ विचारक कथा-दिशा
- (B) सिर्फ भोजन-विधि
- (C) केवल राजदरबार
- (D) खेलक नियम

१२४३. “क्रान्तियोग”क कथाक्रममे “उचितवक्ता” सन शीर्षक कोन गुणपर बल दैत अछि?

- (A) ठीक बात कहबाक साहस
- (B) चुप्पीकेँ नियम बनबैत
- (C) केवल धन-संग्रह
- (D) नदीक बहाव

१२४४. “खेतक बँटवारा” शीर्षक कोन ग्राम्य प्रश्नकेँ कथा-विषय बनबैत अछि?

- (A) जमीन, परिवार आ हिस्सेदारीक तनाव
- (B) समुद्री यात्रा
- (C) संगीतक राग
- (D) राजमहल सजावट

१२४५. “विचटन” सन शीर्षक कोन जीवन-दशाकेँ सूचित करैत अछि?

- (A) टूटन, अलगाव आ सम्बन्धक बिखराव
- (B) पूर्ण मेल-मिलाप मात्र
- (C) रंगक सूची
- (D) औजारक नाप

१२४६. “टूटल मनक जुटान” कोन कथा-संभावना खोलैत अछि?

- (A) आहत मनकेँ फेर सँ जोड़बाक प्रयत्न
- (B) अन्नक मात्र गणना
- (C) हथियार बनबय
- (D) नदी मापबय

१२४७. “बाबा बेलेश्वरनाथ” शीर्षकमे लोक-आस्था कोन रूपमे अबैत अछि?

- (A) गामक देवस्थान आ सामुदायिक विश्वास रूपमे
- (B) केवल विदेशी नगर रूपमे
- (C) केवल मशीन रूपमे
- (D) सिर्फ व्यापारिक माल रूपमे

१२४८. “क्रान्तियोग”मे खेत, मन, देवस्थान आ उचित वाणी एक संग कोन व्यापक संसार बनबैत अछि?

- (A) गामक सामाजिक-नैतिक जीवन
- (B) केवल प्रशासनिक फाइल
- (C) केवल समुद्री व्यापार
- (D) खगोल-विज्ञान

१२४९. लघुकथा मे “खेतक बँटवारा” सन विषय किएक तीक्ष्ण होइत अछि?

- (A) छोट प्रसंगसँ पैघ पारिवारिक-सामाजिक तनाव देखबैत अछि
- (B) कथा केँ विषयहीन करैत अछि
- (C) केवल पृष्ठ भरैत अछि
- (D) मात्र गीत बनैत अछि

१२५०. अंक २४६क “क्रान्तियोग” खण्डक समग्र स्वर की अछि?

- (A) बदलाव, टूटन, न्याय-बोल, जमीन आ लोक-आस्थाक स्वर
- (B) सिर्फ हास्य-खेल
- (C) केवल महानगरीय फैशन
- (D) सिर्फ मौसम-वर्णन

खण्ड ६५२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २४६ : त्रिकालदर्शी आ पैतीस साल पछुआ गेलौं

१२५१. अंक २४६मे “त्रिकालदर्शी” कोन विधामे प्रस्तुत अछि?

- (A) लघुकथा-संग्रह
- (B) महाकाव्य
- (C) नाटक-मंच-पत्र
- (D) कोश

१२५२. “त्रिकालदर्शी” शीर्षक कोन दृष्टि सूचित करैत अछि?

- (A) भूत, वर्तमान आ भविष्यकेँ देखबाक व्यापक दृष्टि
- (B) केवल एक दिनक वृत्तान्त
- (C) सिर्फ बालक खेल
- (D) केवल भोजन-सूची

१२५३. “जेकर चुन तेकर पुन” सन शीर्षक कोन लोक-न्याय दिस संकेत करैत अछि?

- (A) जकर कर्म वा चुनाव, ओकर फल
- (B) बिना कारण पुरस्कार
- (C) केवल रंगक नाम
- (D) संगीतक स्वर

१२५४. “नमहर फेरा” कोन जीवन-अनुभवकेँ सामने आनैत अछि?

- (A) लम्बा चक्कर, उलझन आ देरिसँ भेटैत परिणाम
- (B) सरल छोट पथ मात्र
- (C) फूलक रंग
- (D) गणितक सूत्र

१२५५. “आशापर पानि पड़ल” शीर्षक कोन भाव-दशा व्यक्त करैत अछि?

- (A) उम्मीद टूटब आ निराशाक क्षण
- (B) पूर्ण विजय मात्र
- (C) सिर्फ अन्न पकबय
- (D) नदीक पूजा मात्र

१२५६. “कथा लेखनमे” शीर्षक लघुकथा-संग्रहमे कोन आत्मचिन्तन जोड़ैत अछि?

- (A) लेखन-प्रक्रिया आ कथाक स्वरूप पर विचार
- (B) सिर्फ व्यापारिक हिसाब
- (C) खेलक चाल
- (D) चिकित्सा-पद्धति

१२५७. “पैंतीस साल पछुआ गेलौं” शीर्षक कोन सामाजिक भाव खोलैत अछि?

- (A) समयक दूरी, पिछड़ापन आ पछतावाक बोध
- (B) तुरन्त आधुनिकता
- (C) सिर्फ राजसी यात्रा
- (D) कोनो समय-बोध नहि

१२५८. “त्रिकालदर्शी” आ “पैंतीस साल पछुआ गेलौं” एक संग पढ़ला पर कोन केन्द्रीय प्रश्न उभरैत अछि?

- (A) समय, दृष्टि आ समाजक गति
- (B) केवल खेतीक औजार
- (C) सिर्फ श्रृंगार
- (D) केवल नदी-नाप

१२५९. अंक २४६क तीन संग्रहमे बारम्बार समय आ समाजक सम्बन्ध किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लघुकथा छोट अनुभवसँ समयक पैघ बदलाव पकड़ैत अछि
- (B) समयक कोनो उपयोग नहि
- (C) ई केवल मुद्रण-तिथि अछि
- (D) केवल संख्या-व्यायाम अछि

१२६०. अंक २४६क समग्र योगदान की कहल जा सकैत अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथामे बदलाव, समय-बोध, गाम आ मनुष्यक टूटन-जुटानक प्रस्तुति
- (B) केवल फोटो-संग्रह
- (C) सिर्फ संपर्क-पन्ना
- (D) व्याकरण-अभ्यास मात्र

खण्ड ६५३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २४७ : बेटीके पैरुख

१२६१. अंक २४७मे “बेटीके पैरुख” कोन रूपमे प्रस्तुत अछि?

- (A) लघुकथा-संग्रह
- (B) एकांकी-संग्रह
- (C) यात्रा-वृत्तान्त
- (D) शब्दकोश

१२६२. “बेटीके पैरुख” शीर्षक कोन सामाजिक केन्द्र बनबैत अछि?

- (A) बेटी, सम्मान, परिवार आ अधिकार
- (B) केवल पशु-पालन
- (C) सैनिक युद्ध
- (D) बाजार-दर

१२६३. “अपन गारि अपन दुआरि” शीर्षक कोन भाव व्यक्त करैत अछि?

- (A) घरक अपनत्व आ भीतरक बोलचालक जटिलता
- (B) विदेशी व्यापार
- (C) जंगलक नियम
- (D) खगोल-यात्रा

१२६४. “बेटीके कुनेला” शीर्षक बेटी-जीवनक कोन पक्ष छूबैत अछि?

- (A) बेटीक जगह, स्नेह आ उपेक्षाक सम्भावना
- (B) मशीनक चाल
- (C) नदीक गहराई
- (D) चित्रकला रंग

१२६५. “अपन रोपल गाछी भूताहि” कोन लोक-अर्थ बना सकैत अछि?

- (A) अपन कएल कर्मक उलट परिणाम वा भय
- (B) सदा सफल निवेश
- (C) केवल बगीचा-विज्ञान
- (D) फूलक नाम

१२६६. “बेटीके पैरुख”मे बेटी-संबंधी शीर्षकसभ किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) मैथिली समाजमे नारी-अनुभवकें कथा-केंद्र बनबैत अछि
- (B) केवल सजावटी शब्द अछि
- (C) कोनो सामाजिक अर्थ नहि
- (D) मात्र संख्या बढ़बैत अछि

१२६७. लघुकथा मे घर-दुआरक बिम्ब कोन प्रभाव बनबैत अछि?

- (A) छोट घरेलू घटना सँ पैघ सामाजिक अर्थ निकलैत अछि
- (B) विषय अस्पष्ट करैत अछि
- (C) केवल वास्तु-नक्शा बनैत अछि
- (D) कथा रोकेत अछि

१२६८. “जोरैक दुखु मेटा गेल” सन शीर्षक कोन भाव खोलैत अछि?

- (A) दुख दूर होयबाक वा संबंधक भार घटबाक संकेत
- (B) निरन्तर युद्ध
- (C) सिर्फ ऋतु-वर्णन
- (D) शब्दकोशीय अर्थ

१२६९. “हरवाही” शीर्षक गामक कोन श्रम-संसारसँ जुड़ैत अछि?

- (A) खेती-बारी आ श्रमजीवी जीवन
- (B) राजकीय सिंहासन
- (C) समुद्री जहाज
- (D) विद्यालयी परीक्षा

१२७०. अंक २४७क “बेटीके पैरुख” खण्डक प्रमुख स्वर की अछि?

- (A) बेटी, घर, अपनपन, श्रम आ सामाजिक न्यायक स्वर
- (B) केवल हास्य खेल
- (C) सिर्फ विदेश-वर्णन
- (D) मात्र तकनीकी सूचना

खण्ड ६५४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २४७ : एकगाछ आमक गाछ आ गाछपर सँ खसल

१२७१. “एकगाछ आमक गाछ” शीर्षक कोन लोक-प्रकृति-संसार खोलैत अछि?

- (A) गामक गाछ, फल आ स्मृतिक संसार
- (B) केवल दरबारी राजनीति
- (C) समुद्री व्यापार
- (D) गणितीय नियम

१२७२. एकटा आमक गाछ लघुकथामे किएक पैघ प्रतीक बनि सकैत अछि?

- (A) छाँह, फल, पीढ़ी आ स्वामित्वक अर्थ समेटैत अछि
- (B) केवल लकड़ीक वजन बतबैत अछि
- (C) कथा सँ असम्बद्ध अछि
- (D) सिर्फ रंग दिखबैत अछि

१२७३. “गाछपर सँ खसल” शीर्षक कोन अनुभव सूचित करैत अछि?

- (A) ऊँचाईसँ गिरब, भ्रम टूटब वा जोखिम
- (B) सदा सुरक्षित रहब
- (C) केवल फूल चुनब
- (D) राज्याभिषेक

१२७४. अंक २४७मे गाछ-सम्बन्धी शीर्षकसभ कोन विषय-दिशा बनबैत अछि?

- (A) प्रकृति आ समाजक अन्तरंग सम्बन्ध
- (B) प्रकृति सँ पूर्ण दूरी
- (C) केवल मशीन-युग
- (D) सिर्फ अदालत

१२७५. “एकगाछ आमक गाछ”मे आमक सांस्कृतिक अर्थ की अछि?

- (A) फल-संस्कृति, ऋतु, घरक आँगन आ लोक-स्मृति
- (B) केवल विदेशी फल
- (C) हथियार
- (D) कागजी मुहर

१२७६. “गाछपर सँ खसल”कें सामाजिक व्यंग्य रूपमे पढ़ला पर कोन अर्थ भेटैत अछि?

- (A) गलत चढ़ान वा अहंकारक परिणाम
- (B) बिना कारण सफलता
- (C) केवल पातक गिनती
- (D) नदीक यात्रा

१२७७. अंक २४७क एहि दू संग्रहमे प्रकृति कोना सामाजिक बनैत अछि?

- (A) गाछ मनुष्यक संबंध, स्वामित्व, स्मृति आ गलतीक दर्पण बनैत अछि
- (B) प्रकृति केवल पृष्ठभूमि रहैत अछि
- (C) प्रकृति अनुपस्थित अछि
- (D) प्रकृति केवल गणना अछि

१२७८. “बेटीके पैरुख”सँ “गाछपर सँ खसल” धरि अंक २४७क यात्रा कोना बुझाईत अछि?

- (A) घर-परिवारसँ प्रकृति-समाज आ जीवनक झटका धरि
- (B) केवल राजदरबारसँ युद्ध धरि
- (C) सिर्फ नृत्यसँ संगीत धरि
- (D) कोनो यात्रा नहि

१२७९. लघुकथा-संग्रहक शीर्षकमे लोक-बिम्बक उपयोग किएक प्रभावी अछि?

- (A) कम शब्दमे परिचित जीवनक पैघ अर्थ बनैत अछि
- (B) कथा नष्ट भ’ जाइत अछि
- (C) केवल सजावट रहैत अछि
- (D) पाठक दूर भ’ जाइत अछि

१२८०. अंक २४७क समग्र योगदान की कहल जा सकैत अछि?

- (A) बेटी, घर, गाछ, श्रम आ लोक-अनुभवक लघुकथा-संसार
- (B) केवल यात्रा-सूची
- (C) सिर्फ संपर्क विवरण
- (D) व्याकरण-परीक्षा

खण्ड ६५५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २४८ : मुड़ियाल घर

१२८१. अंक २४८मे “मुड़ियाल घर” कोन विधा-सन्दर्भमे देल अछि?

- (A) लघुकथा-संग्रह
- (B) महाकाव्य
- (C) नाटक
- (D) यात्रा-पथदर्शिका

१२८२. “मुड़ियाल घर” शीर्षक कोन भाव-दृश्य बनबैत अछि?

- (A) घरक बिगड़ल/झुकल दशा आ जीवनक अस्थिरता
- (B) राजमहलक वैभव
- (C) समुद्री जहाज
- (D) संगीत-मंच

१२८३. “बगदुल गाम” शीर्षक कोन कथा-भूमि बनबैत अछि?

- (A) गामक बदलैत वा उलझल स्थिति
- (B) सिर्फ विदेशी नगर
- (C) केवल जंगल-यात्रा
- (D) खगोल-मानचित्र

१२८४. “बतीरोअना” सन लोक-स्वरक शीर्षक कोन प्रभाव पैदा करैत अछि?

- (A) लोकभाषिक निकटता आ चरित्रक स्वाद
- (B) पूर्ण औपचारिकता
- (C) विदेशीपन
- (D) कथा-विहीनता

१२८५. “कचहरिया रोग” शीर्षक कोन सामाजिक आलोचना करैत बुझाईत अछि?

- (A) मुकदमा, दफ्तर आ झंझटमे फँसल समाज
- (B) शारीरिक रोग मात्र
- (C) बागवानी नियम
- (D) संगीतक राग

१२८६. “दिन घटि गेल” कोन समय-बोध खोलैत अछि?

- (A) समय घटबाक, अवसर चुकबाक वा जीवनक जल्दी
- (B) दिन बढ़बाक उत्सव मात्र
- (C) केवल पंचांग
- (D) सिर्फ रंग

१२८७. “गामक सुरक्षा” शीर्षक कोन सामुदायिक प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) गामकें बचाएब, भरोसा आ सामूहिक जिम्मेदारी
- (B) केवल सैनिक छावनी
- (C) खेलक नियम
- (D) चित्रकला रंग

१२८८. “बात-कथा सुनीलक” शीर्षकमे कथा-परम्परा कोना अबैत अछि?

- (A) सुनब-सुनायब आ मौखिक परम्पराक रूपमे
- (B) सिर्फ लिखित आदेश
- (C) नदीक बहाव
- (D) कम्प्यूटर कोड

१२८९. “मुड़ियाल घर” संग्रहक शीर्षकसभमे घर, गाम, कचहरी आ सुरक्षाक मेल की देखबैत अछि?

- (A) ग्राम्य समाजक अस्थिरता, विवाद आ बचावक चिन्ता
- (B) केवल मनोरंजन
- (C) सिर्फ ऋतु-वर्णन
- (D) कोनो सामाजिक अर्थ नहि

१२९०. अंक २४८क “मुड़ियाल घर” खण्डक मुख्य स्वर की अछि?

- (A) घर-गामक संकट, समय, विवाद आ लोक-स्मृतिक स्वर
- (B) केवल वीर-युद्ध
- (C) सिर्फ बाजार-सूची
- (D) अक्षराभ्यास

खण्ड ६५६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २४८ : स्मृति शेष आ शुभचिन्तक

१२९१. अंक २४८मे “स्मृति शेष” कोन रूपमे प्रस्तुत अछि?

- (A) लघुकथा-संग्रह
- (B) कविता-मात्र
- (C) नाटक
- (D) व्याकरण-ग्रन्थ

१२९२. “स्मृति शेष” शीर्षक कोन भाव-दिशा खोलैत अछि?

- (A) स्मरण, बिछोह आ जे बचल रहि गेल तकर कथा
- (B) केवल व्यापार
- (C) युद्धक शस्त्र
- (D) खगोल-विज्ञान

१२९३. स्मृति-केन्द्रित लघुकथा किएक असरदार होइत अछि?

- (A) छोट प्रसंगसँ पूरा अतीत जीवित भ’ उठैत अछि
- (B) स्मृति कथामे अनुपयोगी अछि
- (C) केवल गणना बढ़बैत अछि
- (D) पाठक सँ दूरी बनबैत अछि

१२९४. “शुभचिन्तक” शीर्षक कोन सम्बन्ध-प्रकार सामने आनैत अछि?

- (A) भल चाहनिहार, सलाह आ भरोसाक सम्बन्ध
- (B) शत्रुता मात्र
- (C) वन्य जीवन
- (D) यांत्रिक वस्तु

१२९५. “शुभचिन्तक”क शीर्षकमे व्यंग्यक संभावना किएक अछि?

- (A) कहियो भल चाहबाक नाम पर हस्तक्षेप वा स्वार्थ छिपल रहि सकैत अछि
- (B) एहि शब्दमे कोनो अर्थ नहि
- (C) ई केवल फूलक नाम अछि
- (D) सिर्फ नारा अछि

१२९६. “स्मृति शेष” आ “शुभचिन्तक” एक संग कोन लोक-भाव बनबैत अछि?

- (A) बीते सम्बन्ध आ वर्तमान सलाह/सहारा
- (B) सिर्फ व्यापारिक हिसाब
- (C) केवल मौसम
- (D) खेलक नियम

१२९७. अंक २४८मे “मुड़ियाल घर”सँ “स्मृति शेष” धरि कोन गति देखाइत अछि?

- (A) बाहरी घरक संकटसँ मनक स्मृति धरि
- (B) समुद्रसँ पर्वत धरि
- (C) संगीतसँ खेल धरि
- (D) कोनो गति नहि

१२९८. “शुभचिन्तक” संग्रह समाजक कोन प्रश्न उठा सकैत अछि?

- (A) ककर सलाह सच्चा अछि आ ककर हित बनावटी
- (B) कतेक रंग अछि
- (C) नदी कतए बहैत अछि
- (D) केवल पशु-नाम

१२९९. लघुकथा मे स्मृति आ शुभेच्छा किएक उपयुक्त विषय अछि?

- (A) दूनू छोट घटना आ संवादमे साफ पकड़ाइत अछि
- (B) दूनू कथा-विरोधी अछि
- (C) केवल सूची बनबैत अछि
- (D) संगीतक ताल मात्र अछि

१३००. अंक २४८क समग्र योगदान की कहल जा सकैत अछि?

- (A) घरक असंतुलन, गामक सुरक्षा, स्मृति आ शुभचिन्तक सम्बन्धक लघुकथा-लोक
- (B) केवल विज्ञापन
- (C) सिर्फ रंगीन आवरण
- (D) व्याकरण-परीक्षा

खण्ड ६५७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २४९ : सुभिमानी जिनगी

१३०१. अंक २४९मे “सुभिमानी जिनगी” कोन रूपमे देल गेल अछि?

- (A) बीहनि कथा आ लघुकथा-संग्रह
- (B) नाटक-मात्र
- (C) छन्द-शास्त्र
- (D) यात्रा-मानचित्र

१३०२. “सुभिमानी जिनगी” शीर्षक कोन जीवन-मूल्यकेँ केन्द्र बनबैत अछि?

- (A) स्वाभिमान, गरिमा आ आत्मसम्मान
- (B) पूर्ण दासता
- (C) सिर्फ खेलक जीत
- (D) बाजार-दर

१३०३. “केकरा-ले कहैं” सन शीर्षक कोन भाव खोलैत अछि?

- (A) कहबाक पीड़ा आ सुननिहारक खोज
- (B) पूर्ण मौनक उत्सव
- (C) खेलक नियम
- (D) अन्नक नाप

१३०४. “बाबाक बाग-बगीचा” शीर्षक कोन स्मृति-संसार बनबैत अछि?

- (A) पुरनका पीढ़ी, जमीन, गाछ आ घरक स्मृति
- (B) सिर्फ शहरक पुल
- (C) कारखाना
- (D) सैनिक शिविर

१३०५. “अनतका” शीर्षक कोन तरहक अनुभूति देत अछि?

- (A) अधूरापन, बेचैनी वा अनंत प्रश्नक भाव
- (B) पूर्ण समाप्ति मात्र
- (C) केवल माप-तौल
- (D) चित्रकला रंग

१३०६. “आलिफ” सन शीर्षक भाषिक-सांस्कृतिक संकेत किएक बनैत अछि?

- (A) अक्षर, शुरुआत आ भाषिक विविधता
- (B) सिर्फ हथियार
- (C) खेतक बीज
- (D) नदीक नाम

१३०७. “कुकुरपन” शीर्षक कोन सामाजिक आलोचना सम्भव करैत अछि?

- (A) मानवीय व्यवहारक नीचता वा वफादारीक उलट अर्थ
- (B) सिर्फ पशु-विज्ञान
- (C) निरर्थक ध्वनि
- (D) मौसम-सूची

१३०८. “हरेराएल जिनगी” शीर्षक कोन दशा सूचित करैत अछि?

- (A) खोएल, हराएल वा भटकल जीवन
- (B) पूर्ण स्थिर वैभव
- (C) केवल घड़ीक समय
- (D) फूलक नाम

१३०९. “आशापर पानि फेर गेल” शीर्षक कोन भाव दोहरबैत अछि?

- (A) उम्मीद टूटब आ मनक निराशा
- (B) उत्सवक नाच
- (C) पूर्ण समाधान
- (D) केवल बागवानी

१३१०. “सुभिमानी जिनगी” संग्रहक समग्र स्वर की अछि?

- (A) स्वाभिमान, स्मृति, संवादक पीड़ा, भटकन आ आशाभंगक स्वर
- (B) सिर्फ राजकीय घोषणा
- (C) केवल यांत्रिक सूचना
- (D) संगीत-ताल मात्र

खण्ड ६५८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २४९ : अर्धांगिनी

१३११. अंक २४९मे “अर्धांगिनी” कोन विधा-सन्दर्भमे प्रस्तुत अछि?

- (A) लघुकथा-संग्रह
- (B) कविता-संग्रह
- (C) नाटक
- (D) शोध-प्रबन्ध

१३१२. “अर्धांगिनी” शीर्षक कोन सम्बन्धकें केन्द्र बनबैत अछि?

- (A) पति-पत्नी, सहजीवन आ स्त्रीक साझेदारी
- (B) केवल सैनिक दल
- (C) विदेशी व्यापार
- (D) खेलक टीम

१३१३. “अर्धांगिनी” शीर्षकमे स्त्री-विमर्शक कोन आधार अछि?

- (A) स्त्रीकें जीवन-संगी आ बराबर हिस्सेदार मानब
- (B) स्त्रीकें अनुपस्थित करब
- (C) केवल उपहास
- (D) सिर्फ वस्तु-बोध

१३१४. “सुभिमानी जिनगी” आ “अर्धांगिनी” एक संग कोन विषय-संबंध बनबैत अछि?

- (A) स्वाभिमान आ स्त्रीक सहजीवन-दृष्टि
- (B) केवल पशु-पक्षी
- (C) खगोल-गणना
- (D) राजकीय कर

१३१५. लघुकथा मे दाम्पत्य-संबंध किएक प्रभावी विषय अछि?

- (A) छोट घरेलू घटना सँ गहिर सामाजिक संरचना स्पष्ट होइत अछि
- (B) दाम्पत्य कथासँ बाहर अछि
- (C) केवल पृष्ठ-सज्जा अछि
- (D) ई गणितक नियम अछि

१३१६. “अर्धांगिनी”क माध्यमे परिवारक कोन प्रश्न उठि सकैत अछि?

- (A) साझेदारी, मान, निर्णय आ स्त्रीक श्रम
- (B) सिर्फ पशु-चरवाहा
- (C) नदीक घाट
- (D) चित्रकला शैली

१३१७. अंक २४९मे दूटा संग्रह देबाक संरचना कोन बात देखबैत अछि?

- (A) एके लेखकक भिन्न सामाजिक केन्द्र—जीवन-स्वाभिमान आ दाम्पत्य
- (B) केवल खाली स्थान भरब
- (C) कोनो साहित्यिक अर्थ नहि
- (D) सिर्फ सूची बनबय

१३१८. “अर्धांगिनी” शब्दक पारम्परिक अर्थकें कथा कोना नया बना सकैत अछि?

- (A) समानता, पीड़ा वा विडम्बना देखाकर
- (B) अर्थ हटाकर
- (C) केवल हास्य बनाकर
- (D) सिर्फ नाम गिनाकर

१३१९. अंक २४९क शीर्षकसभमे स्वाभिमान आ दाम्पत्यक मेल कोन सामाजिक पाठ दैत अछि?

- (A) मानवीय गरिमा घर आ समाज दुनूमे जरूरी अछि
- (B) गरिमा अप्रासंगिक अछि
- (C) केवल सत्ता महत्त्वपूर्ण अछि
- (D) कथा मे जीवन नहि अछि

१३२०. अंक २४९क समग्र योगदान की कहल जा सकैत अछि?

- (A) स्वाभिमान, स्त्री-साझेदारी, परिवार आ लोकजीवनक कथा-विस्तार
- (B) सिर्फ यात्रा-वृत्तान्त
- (C) केवल पुरस्कार-सूची
- (D) व्याकरण-अभ्यास

खण्ड ६५९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २५० : गद्य, परिचर्चा, संस्मरण आ पद्य

१३२१. अंक २५०क सामग्री-सूचीमे गद्य भाग कोन रूपमे व्यापक अछि?

- (A) लघुकथा, आलेख, परिचर्चा, यात्रा-वृत्तान्त, संस्मरण आ खिस्सा
- (B) केवल एक गीत
- (C) केवल विज्ञापन
- (D) सिर्फ तालिका

१३२२. शिवशंकरक “कबल” कोन विधा रूपे सूचीबद्ध अछि?

- (A) लघुकथा
- (B) महाकाव्य
- (C) नाटक
- (D) रुबाई

१३२३. रबीन्द्र नारायण मिश्रक सामग्री अंक २५०मे कोना बहुविध अछि?

- (A) दूटा आलेख, दूटा लघुकथा आ एकटा यात्रा-वृत्तान्त
- (B) केवल एक गजल
- (C) सिर्फ नाटक
- (D) केवल शब्द-सूची

१३२४. डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक परिचर्चा कोन विषय पर केन्द्रित अछि?

- (A) परित्यक्ता आ परिस्थिति : मिथिलाक सन्दर्भमे
- (B) केवल गाछक किसिम
- (C) समुद्री यात्रा
- (D) छन्द-विधान मात्र

१३२५. नन्द विलास राय केर “कठही साइकल” कोन विधा रूपे देल अछि?

- (A) लघुकथा
- (B) रुबाई
- (C) निबन्ध-संग्रह
- (D) व्याकरण

१३२६. मिथिलेश कुमार सिन्हाक “चुप्पी” कोन विधा रूपे सूचित अछि?

- (A) बीहनि कथा
- (B) दीर्घ उपन्यास
- (C) यात्रा-वृत्तान्त
- (D) नाटक-मंच

१३२७. प्रणव झा केर सामग्री कोन दू रूपमे देल अछि?

- (A) एकटा संस्मरण आ एकटा खिस्सा
- (B) दूटा महाकाव्य
- (C) सिर्फ शब्दकोश
- (D) तीनटा नाटक

१३२८. अंक २५०क पद्य भागमे जियाउर रहमान जाफरी कोन विधासँ जुड़ल छथि?

- (A) रुबाई
- (B) लघुकथा
- (C) यात्रा-वृत्तान्त
- (D) परिचर्चा

१३२९. आशीष अनचिन्हार आ जगदीश चन्द्र ठाकुर “अनिल”क सामग्री कोन विधामे अछि?

- (A) गजल
- (B) बीहनि कथा
- (C) नाटक
- (D) यात्रा-वृत्तान्त

१३३०. अंक २५०क मिश्रित सामग्री विदेहक कोन संपादकीय प्रकृति देखबैत अछि?

- (A) एके अंकमे अनेक विधा आ अनेक लेखककेँ स्थान देबाक प्रवृत्ति
- (B) केवल एक लेखक तक सीमितता
- (C) सिर्फ संपर्क सूचना
- (D) कथा-विहीनता

खण्ड ६६० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २५० : नीलकमल आ २५०म अंकक संचयन-बोध

१३३१. अंक २५०मे “नीलकमल” कोन रूपमे प्रस्तुत अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक ३२ लघुकथा-संग्रहसँ बीछल लघुकथा-संग्रह
- (B) केवल गीत-संग्रह
- (C) नाटक-मंचन
- (D) शब्दकोश

१३३२. “३२ टा लघुकथा-संग्रहसँ बीछल” कथन कोन साहित्यिक अर्थ दैत अछि?

- (A) दीर्घ रचनात्मक यात्रा सँ चयनित संचयन
- (B) सिर्फ एक नव कथा
- (C) केवल मुद्रण-त्रुटि
- (D) असंबद्ध सूची

१३३३. “नीलकमल” शीर्षक कोन सौन्दर्य-बिम्ब बनबैत अछि?

- (A) फूल, निर्मलता, गहराई आ चयनित सौन्दर्य
- (B) केवल औजार
- (C) युद्धक शस्त्र
- (D) बाजारक दर

१३३४. अंक २५०क विशेष महत्त्व की अछि?

- (A) ई २५०म अंक रूपे दीर्घ प्रकाशन-यात्राक पड़ाव देखबैत अछि
- (B) ई प्रारम्भिक शून्य अंक अछि
- (C) ई केवल विज्ञापन-पन्ना अछि
- (D) ई बिना साहित्यक अंक अछि

१३३५. अंक २५०मे जगदीश प्रसाद मण्डलक तीन लघुकथा आ “नीलकमल” दूनू देबाक अर्थ की?

- (A) व्यक्तिगत कथा-प्रस्तुति संग व्यापक चयनित संचयन
- (B) लेखकक अनुपस्थिति
- (C) केवल चित्र प्रदर्शनी
- (D) संगीतक अंक मात्र

१३३६. “नीलकमल” चयन विदेहक लघुकथा-प्रयासमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लघुकथा-साहित्यकेँ संचित, चयनित आ सुलभ बनबैत अछि
- (B) साहित्यकेँ हटबैत अछि
- (C) केवल संपर्क देत अछि
- (D) विधा अस्पष्ट करैत अछि

१३३७. अंक २५०मे गद्य-पद्यक विविधता आ “नीलकमल”क संचयन एक संग कोन रूप बनबैत अछि?

- (A) समकालीन अंक आ दीर्घ रचनात्मक परम्पराक संगम
- (B) केवल एकरूपता
- (C) पूर्ण रिक्तता
- (D) सिर्फ प्रशासनिक पन्ना

१३३८. “परित्यक्ता आ परिस्थिति : मिथिलाक सन्दर्भमे” आ “नीलकमल” एक अंकमे रहब किएक अर्थपूर्ण अछि?

- (A) सामाजिक विमर्श आ कथा-संचयनक संयुक्त उपस्थिति
- (B) विषय-विहीन मेल
- (C) सिर्फ तकनीकी तालिका
- (D) कोनो साहित्यिक सम्बन्ध नहि

१३३९. अंक २५०केँ २४६-२४९क लघुकथा-क्रमक बाद पढ़ला पर कोन निरन्तरता देखाइत अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा-यात्राक चयनित समेकन
- (B) पूर्व अंकसभसँ पूर्ण विच्छेद
- (C) केवल पद्यक अचानक आगमन
- (D) कोनो क्रम नहि

१३४०. अंक २४६-२५०क समग्र योगदान की कहल जा सकैत अछि?

- (A) लघुकथा-संग्रहक निरन्तर प्रकाशनसँ २५०म अंकमे बहुविध साहित्य आ चयनित संचयन धरि विस्तार
- (B) सिर्फ संपर्क-सूची
- (C) केवल फोटो-पन्ना
- (D) कथाविहीन अंक-माला

खण्ड ६६१ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २५१ : लघुकथा, गजल-संदर्भ आ उपन्यास-आरम्भ

१३४१. अंक २५१क आरम्भिक गद्य-सूचीमे मृणाल आशुतोषक “छुटकी” कोन विधा रूपे देल अछि?

- (A) लघुकथा
- (B) गीत
- (C) उपन्यास
- (D) संस्मरण

१३४२. प्रणव कुमार झाक “चक्रव्यूह” शीर्षक कोन कथा-संकेत दैत अछि?

- (A) फँसल परिस्थिति आ निकलबाक कठिनाई
- (B) केवल फूलक रंग
- (C) संगीतक ताल
- (D) सरल यात्रा-वर्णन

१३४३. आशीष अनचिन्हारक “बयानक संदर्भमे मैथिली गजल” कोन प्रकारक गद्य अछि?

- (A) गजल-विमर्श आ आलोचनात्मक टिप्पणी
- (B) बाल-कथा
- (C) रसोई-विधि
- (D) यात्रा-डायरी

१३४४. जगदीश प्रसाद मण्डलक “इज्जत उतरि गेल” शीर्षक कोन सामाजिक भाव खोलैत अछि?

- (A) मान-प्रतिष्ठा आ अपमानक प्रसंग
- (B) केवल ऋतु-वर्णन
- (C) खेतीक औजार
- (D) संगीतक स्वर

१३४५. “पंगु”क आरम्भ अंक २५१मे कोन विधा-संकेत दैत अछि?

- (A) उपन्यासक आरम्भ
- (B) रुबाई-संग्रह
- (C) गजल-शास्त्र
- (D) बाल-गीत

१३४६. दुर्गानन्द मण्डलक “बोझ” शीर्षक कोन मानवीय दशा व्यक्त करैत अछि?

- (A) जिम्मेदारी, दबाव आ जीवनक भार
- (B) पूर्ण निश्चिन्तता
- (C) सिर्फ खेल
- (D) आकाश-विज्ञान

१३४७. रबीन्द्र नारायण मिश्रक “नमस्तस्यै” अंक २५१मे कोना उपस्थित अछि?

- (A) उपन्यासक आरम्भ रूपमे
- (B) केवल गजल रूपमे
- (C) संपर्क-सूची रूपमे
- (D) चित्र-पुस्तिका रूपमे

१३४८. रबीन्द्र नारायण मिश्रक “क्रान्ति विसर्जन” शीर्षक कोन द्वंद्व रचैत अछि?

- (A) बदलावक आकांक्षा आ ओकर विसर्जन/छोड़बाक प्रश्न
- (B) सिर्फ नदी-स्नान
- (C) केवल बाल-खेल
- (D) कृषि-मौसम

१३४९. अंक २५१मे गीत, कविता, अनूदित काव्य आ लघुकथा एक संग रहबाक अर्थ की?

- (A) अंकमे गद्य-पद्यक बहुविध साहित्यिक स्वर मौजूद अछि
- (B) अंक केवल एक विधा धरि सीमित अछि
- (C) अंकमे साहित्य नहि अछि
- (D) ई मात्र सूचना-पन्ना अछि

१३५०. अंक २५१क आरम्भिक सामग्रीक समग्र स्वर की कहल जा सकैत अछि?

- (A) लघुकथा, गजल-विमर्श, उपन्यास-आरम्भ आ पद्यक संयुक्त स्वर
- (B) केवल तकनीकी तालिका
- (C) सिर्फ नाटक-मंच
- (D) केवल असंबद्ध सूचना

खण्ड ६६२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २५१ : मरजादक भोज आ दूधबेचनी

१३५१. अंक २५१मे नन्दविलास राय केर “मरजादक भोज” कोन रूपमे देल अछि?

- (A) लघुकथा-संग्रह
- (B) नाटक-संग्रह
- (C) महाकाव्य
- (D) शब्दकोश

१३५२. “मरजादक भोज” शीर्षक कोन सामाजिक प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) भोज, प्रतिष्ठा आ सामाजिक मान-अपमान
- (B) केवल समुद्री व्यापार
- (C) जंगलक जीव
- (D) खेलक नियम

१३५३. अंक २५१मे रामविलास राय केर “दूधबेचनी” कोन रूपमे देल अछि?

- (A) लघुकथा-संग्रह
- (B) गीत-संग्रह
- (C) यात्रा-वृत्तान्त
- (D) व्याकरण-पुस्तक

१३५४. “दूधबेचनी” शीर्षक कोन जीवन-संघर्षक संकेत दैत अछि?

- (A) जीविका, स्त्री-परिश्रम आ परिवारक जिम्मेदारी
- (B) केवल महल-सज्जा
- (C) सैनिक विजय
- (D) खगोल-नाप

१३५५. संपादकीय टिप्पणीमे “गामक गाछी” सन कथा कोन स्मृति-क्षेत्र खोलैत अछि?

- (A) गामक गाछी, पुरान घटना आ सामुदायिक स्मृति
- (B) केवल रेल-समय
- (C) विदेशी राजधानी
- (D) कक्षा-परीक्षा

१३५६. “कमतियाक कामत” सन शीर्षक कोन सामाजिक शब्द-संसारसँ जुड़ैत अछि?

- (A) कामत, घर, हैसियत आ संबोधनक संघर्ष
- (B) केवल नदीक धारा
- (C) फूलक नाम
- (D) संगीतक राग

१३५७. “घुमि गाम चलू” सन शीर्षक कोन भाव जागबैत अछि?

- (A) गाम दिस लौटबाक स्मृति आ आकर्षण
- (B) गाम सँ पूर्ण विच्छेद
- (C) समुद्री जहाज
- (D) मशीनक गति

१३५८. “बिपति” सन कथा-शीर्षक लघुकथा मे किएक प्रभावी होइत अछि?

- (A) छोट घटनामे संकट आ मानवीय प्रतिक्रिया देखबैत अछि
- (B) विषय हटबैत अछि
- (C) केवल गणना करैत अछि
- (D) मात्र सजावट अछि

१३५९. “झंझटक जड़ि सिनुरिया आमक गाछ” कोन ग्रामीण बिम्बक प्रयोग करैत अछि?

- (A) आमक गाछ, सम्बन्ध आ झंझटकेँ जोड़ैत बिम्ब
- (B) केवल नगर-यातायात
- (C) विदेशी युद्ध
- (D) आकाशीय पिंड

१३६०. अंक २५१क “मरजादक भोज” आ “दूधबेचनी” मिलि कोन व्यापक संसार बनबैत अछि?

- (A) गामक प्रतिष्ठा, श्रम, जीविका, स्मृति आ सामाजिक संघर्ष
- (B) केवल दरबारी विलास
- (C) सिर्फ तकनीकी शिक्षा
- (D) विषयहीन संचयन

खण्ड ६६३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २५२ : मैथिली-हिन्दी गजल तुलना आ कथामे स्त्री

१३६१. अंक २५२मे आशीष अनचिन्हारक लेख कोन विषयपर केन्द्रित अछि?

- (A) नरेन्द्रजीक मैथिली आ हिन्दी गजलक तुलनात्मक विवेचना
- (B) बाल-गीतक अभिनय
- (C) कृषि-कैलेंडर
- (D) यात्रा-खर्च

१३६२. एकै गजलकारक दू भाषाक गजल तुलना करबाक मुख्य लाभ की?

- (A) भाषा, बहर, काफिया आ अभिव्यक्तिक अन्तर देखाइत अछि
- (B) साहित्य हटाइत अछि
- (C) केवल नाम गिनैत अछि
- (D) कथा केँ रोकेत अछि

१३६३. गजल-विवेचनमे “बहर” पर बल किएक देल जाइत अछि?

- (A) गजलक लयात्मक अनुशासन बुझबाक लेल
- (B) कागजक आकार नापबाक लेल
- (C) कथाक पात्र गिनबाक लेल
- (D) चित्रक रंग चुनबाक लेल

१३६४. गजल-विवेचनमे “काफिया” कोन बात सँ जुड़ल अछि?

- (A) तुक, ध्वनि-साम्य आ शेरक संरचना
- (B) कथा-स्थान
- (C) खेतक मेड़
- (D) फोटो-क्रम

१३६५. प्रणव कुमारक “मैथिली कथामे स्त्री” शीर्षक कोन विमर्श खोलैत अछि?

- (A) कथासाहित्यमे स्त्री-प्रतिनिधित्व आ अनुभव
- (B) केवल बाजार-सूची
- (C) नदी-नक्शा
- (D) खेलक नियम

१३६६. “मैथिली कथामे स्त्री” सन लेख अंक २५२मे गजल-विवेचनक संग रहला पर कोन विविधता बनैत अछि?

- (A) शिल्प-आलोचना आ सामाजिक आलोचना दुनू उपस्थित होइत अछि
- (B) एकहि विषय दोहराइत अछि
- (C) साहित्यिक विविधता घटैत अछि
- (D) विमर्श समाप्त होइत अछि

१३६७. मैथिली गजल आ हिन्दी गजल तुलना भाषा-संवेदना कोना देखबैत अछि?

- (A) एकहि रचनाकारक अभिव्यक्ति भाषा बदललापर कोना बदलैत अछि
- (B) भाषा अप्रासंगिक अछि
- (C) दूनू भाषा समान पाठ बनैत अछि
- (D) केवल शब्द-सूची बनैत अछि

१३६८. गजल-विवेचनमे मात्राक्रम देखब कोन आलोचनात्मक काम अछि?

- (A) रचनाक शिल्पिक अनुशासन जाँचब
- (B) लेखकक पता लिखब
- (C) चित्र बनब
- (D) भोजन सूची बनब

१३६९. स्त्री-विमर्श कथा-पाठमे किएक आवश्यक अछि?

- (A) कथा मे स्त्रीक आवाज, पीड़ा आ अधिकार बुझबाक लेल
- (B) कथा सँ पात्र हटयबाक लेल
- (C) केवल शीर्षक बदलबाक लेल
- (D) गणित करबाक लेल

१३७०. अंक २५२क एहि आलोचनात्मक खण्डक प्रमुख योगदान की अछि?

- (A) गजल-शास्त्र आ कथा-स्त्री-विमर्शक एक संग स्थान देब
- (B) केवल पद्य-सूची देब
- (C) संपर्क-पन्ना बढ़ेब
- (D) रचनाहीन अंक बनब

खण्ड ६६४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २५२ : सीख, संकट, सनकल आ गाछक गोहारि

१३७१. अंक २५२मे दुर्गानन्द मण्डलक “सीख” कोन विधा रूपे देल अछि?

- (A) लघुकथा
- (B) उपन्यास
- (C) रुबाई
- (D) यात्रा-वृत्तान्त

१३७२. “सीख” शीर्षक कोन कथा-भाव बनबैत अछि?

- (A) अनुभवसँ भेटल शिक्षा आ जीवन-बोध
- (B) सिर्फ मनोरंजन
- (C) केवल मौसम
- (D) खाली शब्द-सूची

१३७३. जगदीश प्रसाद मण्डलक “संकट” शीर्षक कोन स्थिति व्यक्त करैत अछि?

- (A) कठिन समय आ निर्णयक दबाव
- (B) केवल उत्सव
- (C) निश्चिन्त अवकाश
- (D) संगीतक राग

१३७४. अंक २५२मे “पंगु” कोना आगू बढ़ैत अछि?

- (A) उपन्यासक अगिला कड़ी रूपमे
- (B) सिर्फ गीत रूपमे
- (C) शब्दकोश रूपमे
- (D) बाल-क्रीड़ा रूपमे

१३७५. रबीन्द्र नारायण मिश्रक “सनकल” कोन भाव-सूत्र खोलैत अछि?

- (A) असंतुलन, असामान्य व्यवहार वा सामाजिक विचलन
- (B) पूर्ण व्यवस्था मात्र
- (C) कृषि-गणना
- (D) चित्रकला प्रशिक्षण

१३७६. “नमस्तस्यै” अंक २५२मे कोन रूपमे जारी अछि?

- (A) उपन्यासक आगूक भाग रूपमे
- (B) गजल-संग्रह रूपमे
- (C) रुबाई रूपमे
- (D) सूची-पत्र रूपमे

१३७७. राजेश मोहन झा “गुंजन”क “किनकर विकास?” शीर्षक कोन वैचारिक प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) विकास ककरा लेल आ कोन वर्गक हितमे
- (B) केवल फूलक विकास
- (C) संगीतक विकास
- (D) मशीनक रंग

१३७८. बालानां कृते “गाछक गोहारि” कोन संवेदना बनबैत अछि?

- (A) पर्यावरण, गाछ आ बाल-संवेदना
- (B) सिर्फ शस्त्र-अभ्यास
- (C) राजनीतिक भाषण मात्र
- (D) नाटकक मंच-सज्जा

१३७९. अंक २५२मे गजल, स्त्री-विमर्श, लघुकथा, उपन्यास आ बाल-पर्यावरण सामग्री एक संग रहब की देखबैत अछि?

- (A) साहित्यिक आ वैचारिक विविधता
- (B) केवल एकरूपता
- (C) रचनाक अभाव
- (D) संपादनक संकीर्णता

१३८०. अंक २५२क समग्र स्वर की कहल जा सकैत अछि?

- (A) शिल्प-विवेचन, सामाजिक प्रश्न, कथा-संकट आ पर्यावरणक संयुक्त स्वर
- (B) केवल असंबद्ध सूचना
- (C) सिर्फ हास्य-चित्र
- (D) एकटा गीत मात्र

खण्ड ६६५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २५३ : आधुनिक मैथिली गजलक आलोचनात्मक परिचय

१३८१. अंक २५३मे आशीष अनचिन्हारक प्रमुख आलेख कोन विषयपर अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली गजलक संक्षिप्त आलोचनात्मक परिचय
- (B) धानक किसिम
- (C) मंच-प्रकाश
- (D) यात्रा-संस्मरण

१३८२. एहि आलेखमे मैथिली गजल लगभग केतबा बर्खक परम्परा रूपे देखायल गेल अछि?

- (A) लगभग ११२ बर्ख
- (B) दस दिन
- (C) एक मास
- (D) सात सप्ताह

१३८३. आधुनिक मैथिली गजल-विमर्शमे “बहर” आ “काफिया” किएक केन्द्रीय अछि?

- (A) गजलकें शिल्पिक अनुशासन आ लय दैत अछि
- (B) सिर्फ सजावटी शब्द अछि
- (C) कथा-पात्रक नाम अछि
- (D) चित्रक रंग अछि

१३८४. आलेखमे पं. जीवन झाक उल्लेख कोन सन्दर्भमे महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) मैथिली गजलक आरम्भिक प्रयोग आ इतिहास
- (B) बालक खेल
- (C) गामक पोखरि
- (D) सम्पर्क-सूची

१३८५. कविवर सीताराम झा आ काशीकान्त मिश्र मधुपक चर्चा कोन कारणे अछि?

- (A) व्याकरणयुक्त गजल परम्पराकें मजगूत करबाक कारण
- (B) केवल चित्र बनयबाक कारण
- (C) ग्रामसभा चलयबाक कारण
- (D) व्यापार करबाक कारण

१३८६. आलेखमे “बिना व्याकरण बला” गजल-धारा पर चर्चा किएक अछि?

- (A) गजलमे नियम-विमर्श आ मतभेद बुझयबाक लेल
- (B) गजल समाप्त करबाक लेल
- (C) केवल नाम-गिनती लेल
- (D) कविता हटयबाक लेल

१३८७. मैथिली गजल आलोचना पर बल देब किएक आवश्यक कहल जा सकैत अछि?

- (A) विधाक मापदण्ड, इतिहास आ गुणवत्ता तय करबाक लेल
- (B) केवल पृष्ठ भरबाक लेल
- (C) कथा सँ दूर रहबाक लेल
- (D) संगीत रोकबाक लेल

१३८८. आलेखमे उदाहरण देबाक उद्देश्य की होइत अछि?

- (A) बहर, मात्राक्रम आ शिल्पक प्रयोग स्पष्ट करब
- (B) कथा समाप्त करब
- (C) नाम लुकाब
- (D) मात्र सजावट

१३८९. विदेहक गजल-योगदानक चर्चा कोन व्यापकता देखबैत अछि?

- (A) पत्रिका, गोष्ठी, विशेषांक आ आलोचना द्वारा विधा-निर्माण
- (B) केवल व्यक्तिगत प्रसंग
- (C) विधा सँ दूरी
- (D) संग्रहक अभाव

१३९०. अंक २५३क गजल-आलेखक समग्र महत्त्व की अछि?

- (A) मैथिली गजलक इतिहास, शिल्प, धारा आ आलोचना कें एकत्रित करब
- (B) केवल एक कविता देब
- (C) नाटक मंचित करब
- (D) सम्पर्क-सूची बनब

खण्ड ६६६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २५३ : कथा-गोष्ठी, बीहनि कथा, कविता आ पुरस्कार-संदर्भ

१३९१. अंक २५३क संपादकीयमे उमेश पासवानक कोन उपलब्धिक उल्लेख अछि?

- (A) साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कारक निर्णय
- (B) नव विद्यालय निर्माण
- (C) खेल-प्रतियोगिता
- (D) वैज्ञानिक खोज

१३९२. उमेश पासवानक पुरस्कार-संदर्भ अंक २५३मे कोन सांस्कृतिक अर्थ राखैत अछि?

- (A) मैथिली साहित्यक युवा रचनाशीलताक मान्यता
- (B) केवल प्रशासनिक सूचना
- (C) साहित्य-विहीन प्रसंग
- (D) खेल-समाचार

१३९३. उमेश मण्डलक “सगर राति दीप जरय” कोन प्रकारक साहित्यिक आयोजनसँ जुड़ल अछि?

- (A) कथा-गोष्ठी
- (B) शब्दकोश-प्रकाशन
- (C) चित्र-प्रदर्शनी
- (D) खेती-मेला

१३९४. कथा-गोष्ठी सन सामग्री विदेहमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) रचनाक संग साहित्यिक समुदायक गतिविधि देखबैत अछि
- (B) केवल पृष्ठ संख्या बतबैत अछि
- (C) साहित्य हटबैत अछि
- (D) गद्य रोकैत अछि

१३९५. उमेश मण्डलक “भिनसुरका गप-सप” कोन विधा रूपे सूचीबद्ध अछि?

- (A) बीहनि कथा
- (B) महाकाव्य
- (C) गजल-संग्रह
- (D) नाटक

१३९६. “भिनसुरका गप-सप” शीर्षक कोन जीवन-लय व्यक्त करैत अछि?

- (A) भिनसरक बातचीत, दैनिक जीवन आ लोक-स्वर
- (B) राजदरबारक आदेश
- (C) युद्धक घोषणा
- (D) केवल गणना

१३९७. अंक २५३मे रबीन्द्र नारायण मिश्रक सामग्री कोन रूपमे देखाइत अछि?

- (A) किछु लघुकथा आ उपन्यास “नमस्तस्यै”क आगू भाग
- (B) केवल एक गीत
- (C) संपर्क-सूची
- (D) बाल खेल

१३९८. जगदीश प्रसाद मण्डलक दूटा लघुकथा आ “पंगु”क आगू भाग एक संग रहब की देखबैत अछि?

- (A) छोट कथा आ दीर्घ कथा दुनू मे लेखकक उपस्थिति
- (B) लेखकक अनुपस्थिति
- (C) केवल पद्यात्मकता
- (D) सिर्फ आलोचना

१३९९. अंक २५३क पद्य भागमे उमेश पासवान, प्रीतम कुमार निषाद आ डॉ. शिवकुमार प्रसादक रचनासभ की दर्शबैत अछि?

- (A) कविता आ अनूदित काव्यक बहुविध उपस्थिति
- (B) केवल कथाक अभाव
- (C) गद्यक समाप्ति
- (D) सिर्फ समाचार

१४००. अंक २५३क समग्र योगदान की कहल जा सकैत अछि?

- (A) गजल-इतिहास, युवा पुरस्कार-संदर्भ, कथा-गोष्ठी, बीहनि कथा आ कविता केँ जोड़ब
- (B) केवल संपर्क सूचना
- (C) सिर्फ विज्ञापन
- (D) एकटा विधा धरि सीमितता

खण्ड ६६७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २५४ : बीहनि कथा, गजल-बहस, बुरिराज आ विद्यापति-विमर्श

१४०१. अंक २५४मे मिथिलेश सिन्हा “दाथवासी”क सामग्री कोन रूपमे देल अछि?

- (A) दूटा बीहनि कथा
- (B) एक महाकाव्य
- (C) शब्दकोश
- (D) नाटक-सूची

१४०२. बीहनि कथा कोन प्रकारक कथा-रूपक संकेत दैत अछि?

- (A) छोट आकारमे तीक्ष्ण कथा-बोध
- (B) दीर्घ महाकाव्यात्मक विस्तार
- (C) केवल गीत
- (D) वैज्ञानिक तालिका

१४०३. आशीष अनचिन्हारक “इश्क को दिल में दे जगह अकबर” आ जगदीश चन्द्र ठाकुर “अनिल” शीर्षक कोन क्षेत्र खोलैत अछि?

- (A) गजल-पंक्ति, आलोचना आ शिल्प-विमर्श
- (B) खेतीक नाप
- (C) बालक खेल
- (D) भोजन विधि

१४०४. कैलाश कुमार मिश्रक “बुरिराज” कोन विधा रूपे सूचीबद्ध अछि?

- (A) लघुकथा
- (B) गीत
- (C) उपन्यास
- (D) रुबाई

१४०५. “बुरिराज” शीर्षक कोन सामाजिक-व्यंग्य सम्भावना बनबैत अछि?

- (A) बुराइ, सत्ता वा व्यवहारक व्यंग्यात्मक कथा
- (B) केवल फूलक नाम
- (C) संगीतक राग
- (D) दूर देशक नक्सा

१४०६. नारायण यादवक “गुरुमैता-सप्तैता” शीर्षक कोन लोक-सम्बन्धक दिशा खोलैत अछि?

- (A) सम्बन्ध, संबोधन आ सामुदायिक व्यवहार
- (B) मशीनक पुर्जा
- (C) आकाश-परीक्षा
- (D) सैनिक कमान

१४०७. डॉ. बच्चेश्वर झाक आलेख “विद्यापतिकालीन मिथिलाक कृषि” कोन ऐतिहासिक क्षेत्रपर अछि?

- (A) विद्यापति-समयक कृषि-जीवन
- (B) आधुनिक मोबाइल तकनीक
- (C) समुद्री जहाज
- (D) खेल-कूद

१४०८. डॉ. बच्चेश्वर झाक “विद्यापतिक रचनामे विरह वर्णना” कोन साहित्यिक पक्ष देखैत अछि?

- (A) विद्यापति-काव्यक विरह-संवेदना
- (B) व्यापारिक दर
- (C) कृषि-औजार मात्र
- (D) गृह-निर्माण

१४०९. एकहि अंकमे विद्यापतिक कृषि आ विरह पर आलेख रहब कोन व्यापकता देखबैत अछि?

- (A) इतिहास-सामाजिक जीवन आ काव्य-संवेदना दुनू
- (B) केवल एकांगी पाठ
- (C) कविता-सून्यता
- (D) विमर्शक अभाव

१४१०. अंक २५४क एहि खण्डक समग्र स्वर की अछि?

- (A) छोट कथा, गजल-आलोचना, लोक-सम्बन्ध आ विद्यापति-विमर्शक मिश्रण
- (B) केवल पद्य-संग्रह
- (C) संपर्क-पन्ना
- (D) कथा-विहीनता

खण्ड ६६८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २५४ : नमस्तस्यै, हमर गाम, पंगु आ पद्य-संयोजन

१४११. अंक २५४मे रबीन्द्र नारायण मिश्रक सामग्री कोना बहुविध अछि?

- (A) दूटा आलेख, दूटा लघुकथा आ “नमस्तस्यै” उपन्यासक आगू भाग
- (B) केवल एक गीत
- (C) सिर्फ गजल
- (D) शब्द-सूची मात्र

१४१२. “नमस्तस्यै”क क्रमिक प्रकाशन कोन पाठकीय अनुभव बनबैत अछि?

- (A) उपन्यासक निरन्तर कथा-पाठ
- (B) एकबारगी समाप्त समाचार
- (C) केवल कविता पाठ
- (D) रंग-सूची

१४१३. डॉ. योगेन्द्र पाठक “वियोगी”क “हमर गाम” अंक २५४मे कोन रूपमे शुरू होइत अछि?

- (A) उपन्यासक पहिल खेप
- (B) लघुकथा-संग्रहक अन्त
- (C) गजल-छन्द सूची
- (D) गीत-माला

१४१४. “हमर गाम” शीर्षक कोन भावभूमि बनबैत अछि?

- (A) गाम, स्मृति, अपनत्व आ सामुदायिक जीवन
- (B) विदेशी युद्ध
- (C) शहरक मशीन
- (D) समुद्री व्यापार

१४१५. अंक २५४मे जगदीश प्रसाद मण्डलक सामग्री कोना उपस्थित अछि?

- (A) “पंगु” उपन्यासक आगू भाग आ दूटा लघुकथा
- (B) केवल एक रुबाई
- (C) संपादकीय मात्र
- (D) चित्रावली

१४१६. “पंगु” आ “हमर गाम” एकहि अंकमे रहब कोन कथा-विस्तार बनबैत अछि?

- (A) दू अलग उपन्यासिक दिशाक समानान्तर उपस्थिति
- (B) उपन्यास विधाक अभाव
- (C) केवल गीतक प्रभुत्व
- (D) कथा-सूची खत्म

१४१७. उमेश पासवानक कविता अंक २५४मे कोन साहित्यिक आयाम जोड़ैत अछि?

- (A) समकालीन पद्य-संवेदना
- (B) केवल गद्यक पुनरावृत्ति
- (C) अंकीय सूचना
- (D) तालिका

१४१८. प्रीतम कुमार निषादक किछु कविता आ डॉ. शिवकुमार प्रसादक कविता/अनुवाद की देखबैत अछि?

- (A) मौलिक आ अनूदित पद्यक संयुक्त उपस्थिति
- (B) केवल गद्य-अभाव
- (C) नाटक-मंच
- (D) चित्रांकन

१४१९. अंक २५४मे गद्य आ पद्यक संतुलन कोना बनैत अछि?

- (A) आलेख, कथा, उपन्यास, कविता आ अनुवाद एक संग रहैत अछि
- (B) सिर्फ एक कथा रहैत अछि
- (C) पद्य अनुपस्थित अछि
- (D) गद्य अनुपस्थित अछि

१४२०. अंक २५४क समग्र योगदान की कहल जा सकैत अछि?

- (A) विद्यापति-विमर्श, गजल-बहस, बीहनि कथा, दू उपन्यास-कड़ी आ पद्य-संवेदना
- (B) केवल संपर्क-सूची
- (C) साहित्यहीन अंक
- (D) सिर्फ बाल-सामग्री

खण्ड ६६९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २५५ : पियार, प्रेमक आँसु आ कन्यादानक प्रश्न

१४२१. अंक २५५मे मिथिलेश सिन्हा “दाथवासी”क “पियार” कोन विधा रूपे देल अछि?

- (A) बीहनि कथा
- (B) महाकाव्य
- (C) गजल-संग्रह
- (D) यात्रा-वृत्तान्त

१४२२. “पियार” शीर्षक कोन भाव-क्षेत्र खोलैत अछि?

- (A) स्नेह, प्रेम, सम्बन्ध आ आत्मीयता
- (B) केवल युद्ध
- (C) वाणिज्य-दर
- (D) औजारक नाम

१४२३. नारायण यादवक “प्रेमक आँसु” कोन भाव व्यक्त करैत अछि?

- (A) प्रेममे पीड़ा, करुणा आ संवेदनशीलता
- (B) सिर्फ हास्य
- (C) खेतीक फल
- (D) मशीनक गति

१४२४. डॉ. बच्चेश्वर झाक “कन्यादानक भीषण समस्याक कारण” कोन सामाजिक विषयपर अछि?

- (A) कन्यादान, विवाह-व्यवस्था आ सामाजिक संकट
- (B) समुद्री नौकायन
- (C) काव्य-छन्द मात्र
- (D) खेलक नियम

१४२५. “कन्यादानक भीषण समस्या” पर विचार मैथिली समाजमे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) विवाह, बेटी, परिवार आ सामाजिक दबावक प्रश्न सामने अनैत अछि
- (B) कथा सँ सम्बन्ध नहि
- (C) केवल शब्दार्थ अछि
- (D) सिर्फ गीत-विषय अछि

१४२६. “पियार” आ “प्रेमक आँसु” एक संग अंकमे कोन भावात्मक निरन्तरता बनबैत अछि?

- (A) स्नेह सँ करुण प्रेम-अनुभव धरि
- (B) सिर्फ तकनीकी जानकारी
- (C) खेती सँ व्यापार धरि
- (D) विषयहीनता

१४२७. कन्यादानक प्रश्नकेँ “पियार” आ “प्रेमक आँसु”क संग पढ़ला पर कोन सामाजिक तनाव उभरैत अछि?

- (A) भावनात्मक सम्बन्ध आ सामाजिक रूढ़िक टकराव
- (B) प्रेमक पूर्ण अनुपस्थिति
- (C) केवल हास्य
- (D) कृषि-विज्ञान

१४२८. बीहनि कथा “पियार” छोट रूपमे कोन सम्भावना रखैत अछि?

- (A) क्षणिक संवाद वा प्रसंगमे गहिर भाव देखयबाक
- (B) दीर्घ इतिहास लिखबाक
- (C) संपर्क सूचना देबाक
- (D) सूची गिनबाक

१४२९. प्रेमक आँसु सन शीर्षक सामाजिक कथा मे किएक कारगर अछि?

- (A) भावुकता सँ अधिक सम्बन्धक पीड़ा आ मानवीय पक्ष देखबैत अछि
- (B) कथा केँ निर्जीव करैत अछि
- (C) सिर्फ शीर्षक सजावैत अछि
- (D) अर्थ हटबैत अछि

१४३०. अंक २५५क एहि खण्डक प्रमुख स्वर की अछि?

- (A) प्रेम, बेटी, विवाह-संस्कृति आ सामाजिक दबावक स्वर
- (B) केवल गजल-शास्त्र
- (C) संपर्क-सूचना
- (D) बाल-खेल

खण्ड ६७० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २५५ : नमस्तस्यै, हमर गाम, पंगु, गजल आ स्मृति शेष

१४३१. अंक २५५मे रबीन्द्र नारायण मिश्रक सामग्री कोना बहुविध अछि?

- (A) तीनटा आलेख, दूटा लघुकथा आ “नमस्तस्यै” उपन्यासक आगू भाग
- (B) केवल एक गीत
- (C) सिर्फ एक रुबाई
- (D) चित्र-सूची

१४३२. “नमस्तस्यै”क निरन्तरता अंक २५५मे की देखबैत अछि?

- (A) उपन्यासक क्रमिक विकास
- (B) अचानक समाप्ति
- (C) गजलमे बदलि गेल रूप
- (D) कथा-विहीनता

१४३३. डॉ. योगेन्द्र पाठक “वियोगी”क “हमर गाम” अंक २५५मे कोना उपस्थित अछि?

- (A) उपन्यासक पहिल खेपक क्रम रूपमे
- (B) केवल गीत रूपमे
- (C) गजल-संग्रह रूपमे
- (D) शब्दकोश रूपमे

१४३४. जगदीश प्रसाद मण्डलक “पंगु” अंक २५५मे कोन रूपमे जारी अछि?

- (A) उपन्यासक आगू भाग आ दूटा लघुकथा संग
- (B) केवल कविता
- (C) नाटक
- (D) रुबाई

१४३५. तीन उपन्यासिक धारा—“नमस्तस्यै”, “हमर गाम” आ “पंगु”—एक अंकमे रहब कोन बात देखबैत अछि?

- (A) विदेहक क्रमिक दीर्घ-कथा प्रकाशन पर बल
- (B) उपन्यास-विरोध
- (C) केवल पद्य-प्रधानता
- (D) लघुकथा-अभाव

१४३६. अंक २५५क पद्य भागमे राहुल कुमार चौधरीक “हेलतै प्राण” कोन भाव दैत अछि?

- (A) जीवनक कम्पन, वेदना वा भाव-तरंग
- (B) केवल गणितीय सूत्र
- (C) कृषि-सूची
- (D) नाटक-सज्जा

१४३७. आशीष अनचिन्हारक दूटा गजल अंक २५५मे कोन विधागत निरन्तरता राखैत अछि?

- (A) गजल-रचना आ गजल-विमर्शक निरन्तर उपस्थिति
- (B) गजल हटबैत अछि
- (C) केवल बाल-कथा बनैत अछि
- (D) उपन्यास समाप्त करैत अछि

१४३८. प्रीतम कुमार निषादक कविता आ “मिसिदा”क “स्मृति शेष” पद्य खण्डमे कोन रंग जोड़ैत अछि?

- (A) समकालीन कविता आ स्मृति-केन्द्रित भाव
- (B) सिर्फ तकनीकी निर्देश
- (C) भूगोल तालिका
- (D) खेतीक हिसाब

१४३९. रवि भूषण पाठकक दूटा कविता आ डॉ. शिवकुमार प्रसादक अनूदित/मौलिक काव्य की देखबैत अछि?

- (A) मौलिक कविता आ अनुवादक व्यापक पद्य-संसार
- (B) कविता-विहीनता
- (C) केवल कथा-सूची
- (D) संपर्क-पत्र

१४४०. अंक २५१-२५५क समग्र विस्तार की कहल जा सकैत अछि?

- (A) लघुकथा-संग्रह, गजल-विमर्श, स्त्री-सामाजिक प्रश्न, उपन्यास-क्रम, कविता आ अनुवादक विस्तार
- (B) केवल एक लेखकक सामग्री
- (C) साहित्यिक अनुपस्थिति
- (D) सिर्फ संपर्क-पन्ना

खण्ड ६७१ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २५६ : हमर गाम, नसीहत, नमस्तस्यै आ पंगु

१४४१. अंक २५६मे डॉ. योगेन्द्र पाठक “वियोगी”क “हमर गाम” कोन रूपमे जारी अछि?

- (A) उपन्यासक आगू भाग रूपमे
- (B) हाइकू-संग्रह रूपमे
- (C) बाल-गीत रूपमे
- (D) नाटक रूपमे

१४४२. नारायण यादवक “नसीहत” शीर्षक कोन कथात्मक संकेत दैत अछि?

- (A) अनुभव सँ भेटल सलाह वा जीवन-पाठ
- (B) केवल ऋतु-वर्णन
- (C) चित्रकला-निर्देश
- (D) संगीतक स्वर

१४४३. अंक २५६मे डॉ. बच्चेश्वर झाक सामग्री कोना अंकित अछि?

- (A) दूटा आलेख रूपमे
- (B) दूटा नाटक रूपमे
- (C) केवल गजल रूपमे
- (D) चित्र-संग्रह रूपमे

१४४४. रबीन्द्र नारायण मिश्रक सामग्री अंक २५६मे कोना बहुविध अछि?

- (A) तीनटा आलेख, दूटा लघुकथा आ “नमस्तस्यै” उपन्यास
- (B) केवल एक बालगीत
- (C) सिर्फ एक गजल
- (D) चित्रमाला

१४४५. “नमस्तस्यै”क निरन्तरता अंक २५६मे की देखबैत अछि?

- (A) दीर्घ कथाक क्रमिक प्रकाशन
- (B) कथाक पूर्ण अनुपस्थिति
- (C) केवल हाइकू-विधान
- (D) संपर्क-सूची

१४४६. जगदीश प्रसाद मण्डलक “पंगु” अंक २५६मे कोन रूपमे उपस्थित अछि?

- (A) उपन्यासक आगू भाग आ दूटा लघुकथा संग
- (B) सिर्फ गीत रूपमे
- (C) भाषा-तालिका रूपमे
- (D) पत्रिका-सूचना रूपमे

१४४७. “हमर गाम” आ “पंगु” एकहि अंकमे रहब कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) ग्राम-स्मृति आ सामाजिक कथा-धाराक समांतर निरन्तरता
- (B) उपन्यासक समाप्ति
- (C) केवल पद्य-प्रधानता
- (D) साहित्यिक अभाव

१४४८. “नसीहत” सन शीर्षक लघु गद्य वा कथा मे किएक प्रभावी होइत अछि?

- (A) छोट प्रसंगमे नैतिक वा व्यवहारिक अर्थ खोलि सकैत अछि
- (B) कथा केँ विषयहीन करैत अछि
- (C) केवल पृष्ठ संख्या दैत अछि
- (D) चित्रक आकार बतबैत अछि

१४४९. अंक २५६क गद्य-खंडक प्रमुख बनावट की अछि?

- (A) उपन्यास-क्रम, आलेख, लघुकथा आ जीवन-सीखक मिश्रित रूप
- (B) केवल कविता मात्र
- (C) सिर्फ अनुवाद-सूची
- (D) बाल-सामग्री मात्र

१४५०. अंक २५६मे तीन प्रमुख दीर्घ-कथा धारा कोन अछि?

- (A) हमर गाम, नमस्तस्यै आ पंगु
- (B) बटगवनी, हाइकू आ गजल
- (C) नवदुर्गा, बाल गजल आ ठंढाऊ
- (D) कन्यादान, पियार आ प्रेमक आँसु

खण्ड ६७२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २५६ : बटगवनी, गजल, हाइकू, कविता आ अनुवाद

१४५१. अंक २५६क पद्य भागमे राहुल झा “आर.जे.”क “बटगवनी” कोन लोक-सांस्कृतिक संकेत दैत अछि?

- (A) लोकगीत/लोक-स्वरक भावभूमि
- (B) केवल न्यायालयी भाषा
- (C) युद्ध-वर्णन
- (D) वैज्ञानिक तालिका

१४५२. आशीष अनचिन्हारक दूटा गजल अंक २५६मे कोन विधागत निरन्तरता देखबैत अछि?

- (A) गजल-रचनाक उपस्थिति आ पूर्व गजल-विमर्शक विस्तार
- (B) गजल-विरोध
- (C) कथा-विहीनता
- (D) चित्र-सूची

१४५३. प्रीतम कुमार निषादक कविता सभ पद्य खण्डमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) समकालीन काव्य-संवेदना जोड़ैत अछि
- (B) गद्य हटबैत अछि
- (C) केवल संपर्क सूचना दैत अछि
- (D) व्याकरण-सूची बनबैत अछि

१४५४. राकेश प्रेमचन्द्र “पीसी”क हाइकू अंक २५६मे कोन काव्यरूपक संकेत अछि?

- (A) संक्षिप्त, तीखा आ बिम्बप्रधान कविता
- (B) दीर्घ उपन्यास
- (C) नाटकक संवाद
- (D) कथा-संग्रह

१४५५. हाइकू आ गजल एकहि पद्य खण्डमे रहब की देखबैत अछि?

- (A) छोट बिम्ब-कविता आ छन्दबद्ध शेरक विधागत विविधता
- (B) एकरूपता मात्र
- (C) साहित्यिक शून्यता
- (D) केवल बाल-पाठ

१४५६. डॉ. शिवकुमार प्रसादक अनूदित काव्यक उल्लेख कोन साहित्यिक प्रक्रिया दिस संकेत करैत अछि?

- (A) अनुवाद द्वारा भाषिक-सांस्कृतिक सेतु
- (B) केवल मौलिक कथा
- (C) भूगोल-सूची
- (D) समाचार-विज्ञापन

१४५७. रजनी छाबड़ाक मूल काव्यक अनुवादक उल्लेख किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अनुवादक स्रोत आ रचनात्मक ऋण स्पष्ट होइत अछि
- (B) स्रोत छिपि जाइत अछि
- (C) कविता समाप्त होइत अछि
- (D) अंक केवल सूची बनैत अछि

१४५८. डॉ. शिवकुमार प्रसादक मौलिक कविता आ अनुवाद एक संग रहब की देखबैत अछि?

- (A) हुनकर कवि आ अनुवादक दुनू रूप
- (B) सिर्फ संपादक रूप
- (C) केवल कथाकार रूप
- (D) नाटककार मात्र

१४५९. अंक २५६क पद्य-संयोजनक मुख्य विशेषता की अछि?

- (A) लोकस्वर, गजल, हाइकू, कविता आ अनुवादक संगम
- (B) केवल एक गीत
- (C) सिर्फ गद्य-विमर्श
- (D) बाल-संस्मरण मात्र

१४६०. अंक २५६क गद्य-पद्य मिलल समग्र स्वर की कहल जा सकैत अछि?

- (A) उपन्यास-क्रम, लघुकथा, आलेख, लोक-पद्य, गजल, हाइकू आ अनुवादक बहुविध अंक
- (B) केवल गजल-अंक
- (C) सिर्फ उपन्यास-पुस्तक
- (D) संपर्क-पन्ना

खण्ड ६७३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २५७ : हिन्दी फिल्मी गीतमे बहर, दशरथ किसान आ हमर गाम

१४६१. अंक २५७मे आशीष अनचिन्हारक “हिन्दी फिल्मी गीतमे बहर-१” कोन विषय खोलैत अछि?

- (A) फिल्मी गीतक छन्द/लयक आलोचनात्मक परीक्षण
- (B) कथा-पात्रक वंशावली
- (C) खेतीक हिसाब
- (D) चित्रकला रंग

१४६२. “बहर” शब्द गीत-विमर्शमे कोन बातसँ जुड़ल अछि?

- (A) लय, मात्रा आ छन्दक अनुशासन
- (B) कथाक स्थान
- (C) पत्रिका-मूल्य
- (D) चित्रक आकार

१४६३. राकेश प्रेमचन्द्र “पीसी”क “दशरथ किसान केँ डुबौलक लखन ठेकेदार” कोन विधा रूपे देल अछि?

- (A) लघुकथा
- (B) महाकाव्य
- (C) गजल
- (D) अनुवादित कविता

१४६४. “दशरथ किसान केँ डुबौलक लखन ठेकेदार” शीर्षक कोन सामाजिक संघर्ष देखबैत अछि?

- (A) किसान आ ठेकेदारक शक्ति-असमानता
- (B) केवल फूलक नाम
- (C) राजदरबारक नाच
- (D) खेलक नियम

१४६५. अंक २५७मे डॉ. योगेन्द्र पाठक “वियोगी”क “हमर गाम” कोना जारी अछि?

- (A) उपन्यासक आगू भाग रूपमे
- (B) हाइकू-संग्रह रूपमे
- (C) बाल-कथा रूपमे
- (D) गजल-संग्रह रूपमे

१४६६. आशीषक छन्द-विमर्श आ राकेशक किसान-कथा एक संग रहब की देखबैत अछि?

- (A) शिल्प-विवेचना आ सामाजिक कथा दुनू उपस्थित अछि
- (B) अंक केवल गीतक अछि
- (C) समाज अनुपस्थित अछि
- (D) साहित्यिक विविधता घटैत अछि

१४६७. “हमर गाम”क निरन्तरता अंक २५७मे गामक कोन साहित्यिक महत्त्व देखबैत अछि?

- (A) गाम स्मृति, समाज आ पात्र-विकासक केन्द्र बनैत अछि
- (B) गामक भूमिका हटि जाइत अछि
- (C) केवल महानगरक कथा रहैत अछि
- (D) कथा समाप्त भऽ जाइत अछि

१४६८. “हिन्दी फिल्मी गीतमे बहर-१” शीर्षकमे “-१” की संकेत करैत अछि?

- (A) श्रृंखलाक पहिल भाग
- (B) लेखक संख्या
- (C) पृष्ठ संख्या
- (D) नाटक-अंक

१४६९. फिल्मी गीतमे बहरक अध्ययन मैथिली पत्रिकामे किएक उपयोगी अछि?

- (A) लोकप्रिय गीत आ छन्द-ज्ञानक बीच सम्बन्ध बुझयबाक लेल
- (B) साहित्य हटयबाक लेल
- (C) केवल विज्ञापन लेल
- (D) चित्र बनयबाक लेल

१४७०. अंक २५७क एहि खण्डक प्रमुख स्वर की अछि?

- (A) छन्दीय आलोचना, किसानक सामाजिक कथा आ ग्राम-उपन्यासक निरन्तरता
- (B) केवल बाल कविता
- (C) संपर्क-सूचना
- (D) शब्दकोश

खण्ड ६७४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २५७ : इमानदार चोर, नमस्तस्यै, पंगु, कविता आ अटल श्रद्धांजलि

१४७१. नारायण यादवक “इमानदार चोर” शीर्षक कोन विरोधाभास रचैत अछि?

- (A) चोरी आ इमानदारीक नैतिक टकराव
- (B) केवल मौसम-वर्णन
- (C) युद्ध-घोषणा
- (D) संगीत-ताल

१४७२. अंक २५७मे डॉ. बच्चेश्वर झाक सामग्री कोना देल अछि?

- (A) दूटा आलेख रूपमे
- (B) दूटा गीत रूपमे
- (C) एकटा हाइकू रूपमे
- (D) नाटक-सूची रूपमे

१४७३. रबीन्द्र नारायण मिश्रक “नमस्तस्यै” अंक २५७मे कोना जारी अछि?

- (A) उपन्यासक आगू भाग रूपमे
- (B) गजल-संग्रह रूपमे
- (C) बाल-नाटक रूपमे
- (D) कविता-माला रूपमे

१४७४. जगदीश प्रसाद मण्डलक “पंगु आ आमक गाछी” शीर्षक कोन बिम्ब-संयोजन बनबैत अछि?

- (A) अशक्तता, प्रकृति आ ग्रामीण स्मृतिक मेल
- (B) केवल समुद्री यात्रा
- (C) दरबारी कथा
- (D) मशीन-विज्ञान

१४७५. अंक २५७मे नन्द विलास राय केर कविता सभ पद्य भागमे कोन जोड़ैत अछि?

- (A) अनुभव आ काव्य-संवेदनाक अलग स्वर
- (B) गद्यक अन्त
- (C) संपर्क-सूची
- (D) तालिका

१४७६. रामविलास साहुक कविता सभक उपस्थिति पद्य खण्डक की बढबैत अछि?

- (A) कविस्वरक विविधता
- (B) एकरूपता मात्र
- (C) गद्य-सूची
- (D) कथा-विहीनता

१४७७. डॉ. शिवकुमार प्रसादक अनूदित आ मौलिक काव्य अंक २५७मे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) अनुवाद आ मौलिक काव्य दुनूकें जोड़ैत अछि
- (B) केवल उपन्यासक विस्तार
- (C) नाटकक मंच
- (D) संपर्क-प्रसंग

१४७८. बालानां कृते अटल बिहारी वाजपेयीजी पर श्रद्धांजलि कोन भाव धरैत अछि?

- (A) सम्मान, स्मरण आ बाल-पाठक लेल व्यक्तित्व-परिचय
- (B) केवल तकनीकी निर्देश
- (C) गजल-विवेचन
- (D) खेतीक हिसाब

१४७९. “इमानदार चोर” आ अटल श्रद्धांजलि एक अंकमे रहब कोन नैतिक विस्तार बनबैत अछि?

- (A) नैतिक विडम्बना सँ आदर्श-स्मरण धरि
- (B) केवल हास्य
- (C) विषयहीनता
- (D) सिर्फ छन्द-विधान

१४८०. अंक २५७क समग्र योगदान की कहल जा सकैत अछि?

- (A) छन्द-विमर्श, लघुकथा, उपन्यास-क्रम, कविता, अनुवाद आ बाल-श्रद्धांजलिक संगम
- (B) केवल एक कथा
- (C) साहित्यहीन सूचना
- (D) सिर्फ नाटक

खण्ड ६७५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २५८ : हिन्दू विवाह, दू-पत्र उपन्यास आ बहर-२

१४८१. अंक २५८मे देवेश झाक “हिन्दू विवाह : एक समीक्षा” कोन सामाजिक-सांस्कृतिक विषय उठबैत अछि?

- (A) विवाह-संस्था, परम्परा आ सामाजिक मूल्य
- (B) केवल नदी-वर्णन
- (C) चित्र-प्रदर्शनी
- (D) गजल-रचना

१४८२. देवेश झाक “दू-पत्र” उपन्यासक विश्लेषणात्मक अध्ययन कोन प्रकारक लेख अछि?

- (A) साहित्यिक आलोचना आ उपन्यास-पाठ
- (B) बालगीत
- (C) हाइकू-संग्रह
- (D) यात्रा-खर्च

१४८३. “हिन्दी फिल्मी गीतमे बहर-२” शीर्षक कोन निरन्तरता देखबैत अछि?

- (A) पहिल भागक बाद छन्द-विमर्शक अगिला भाग
- (B) नवीन उपन्यास
- (C) बाल कथा
- (D) संपादकीय नोट मात्र

१४८४. अंक २५८मे डॉ. योगेन्द्र पाठक “वियोगी”क “हमर गाम” कोना उपस्थित अछि?

- (A) उपन्यासक आगू भाग रूपमे
- (B) कविता-संग्रह रूपमे
- (C) गजल-विमर्श रूपमे
- (D) संस्मरण मात्र

१४८५. विवाह-समीक्षा आ उपन्यास-विश्लेषण एक संग कोन वैचारिक धरातल बनबैत अछि?

- (A) समाज आ साहित्य दुनूक आलोचनात्मक पाठ
- (B) केवल मनोरंजन
- (C) संपर्क-सूची
- (D) चित्रकला

१४८६. फिल्मी गीतमे बहरक दोसर भाग साहित्यिक शिल्प-सूझ मे की जोड़ैत अछि?

- (A) लोकप्रिय गीतक लय-रचना पर क्रमिक अध्ययन
- (B) कथाक पात्र-सूची
- (C) आलेखक समाप्ति
- (D) बच्चा-खेल

१४८७. “दू-पत्र” उपन्यासक विश्लेषणात्मक अध्ययन शीर्षकमे “विश्लेषणात्मक” शब्द की बतबैत अछि?

- (A) रचनाक भीतरू संरचना आ अर्थ खोलबाक कोशिश
- (B) केवल सारांश
- (C) नृत्य-वर्णन
- (D) भोजन-पद्धति

१४८८. हिन्दू विवाहक समीक्षा मैथिली पाठक लेल किएक महत्त्वपूर्ण भऽ सकैत अछि?

- (A) समाजक रूढ़ि, संस्कार आ बदलावक प्रश्न पर विचार करबैत अछि
- (B) समाजक प्रश्न हटबैत अछि
- (C) केवल मनोरंजन
- (D) तुकबन्दी मात्र

१४८९. “हमर गाम”क उपस्थितिसँ अंक २५८मे कोन दीर्घ कथात्मक पृष्ठभूमि बनैत अछि?

- (A) ग्राम-जीवनक क्रमिक कथा-पट
- (B) केवल शहरी विज्ञापन
- (C) छन्द-विधान मात्र
- (D) बाल-संस्मरण

१४९०. अंक २५८क एहि खण्डक मुख्य स्वर की अछि?

- (A) विवाह-संस्था, उपन्यास-आलोचना, गीत-छन्द आ ग्राम-उपन्यासक मेल
- (B) केवल पद्य
- (C) संपर्क-पन्ना
- (D) बाल गजल

खण्ड ६७६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २५८ : भाय-बहिन, यदुवर, वापसी, नमस्तस्यै आ पंगु

१४९१. नारायण यादवक “भाय-बहिन” शीर्षक कोन सम्बन्धक कथा-संकेत दैत अछि?

- (A) भाइ-बहिनक स्नेह, संघर्ष आ पारिवारिक सम्बन्ध
- (B) केवल व्यापार
- (C) नदीक धारा
- (D) सैनिक अभ्यास

१४९२. डॉ. बच्चेश्वर झाक “मैथिली साहित्यमे यदुनाथ झा ‘यदुवर’क देन” कोन प्रकारक लेख अछि?

- (A) साहित्यिक योगदानक मूल्यांकन
- (B) रसोई-विधि
- (C) हाइकू-संग्रह
- (D) खेलक नियम

१४९३. राजदेव मण्डलक “वापसी” अंक २५८मे कोन विधा रूपे देल अछि?

- (A) एकांकी
- (B) उपन्यास
- (C) गजल
- (D) शब्दकोश

१४९४. “वापसी” शीर्षक एकांकीमे कोन नाट्य-भाव जगबैत अछि?

- (A) लौटब, पछाताप, पुनर्मिलन वा बदलल स्थिति
- (B) केवल प्रकृति-वर्णन
- (C) तालिका
- (D) गीतक तुक

१४९५. रबीन्द्र नारायण मिश्रक “नमस्तस्यै” अंक २५८मे कोना जारी अछि?

- (A) उपन्यासक आगू भाग रूपमे
- (B) बाल-कविता रूपमे
- (C) गजल-टिप्पणी रूपमे
- (D) एकांकी रूपमे

१४९६. जगदीश प्रसाद मण्डलक “पंगु” अंक २५८मे कोन रूपमे अछि?

- (A) उपन्यासक धारावाहिक भाग आ दूटा लघुकथा
- (B) केवल गीत
- (C) बाल-नाटक
- (D) अनुवाद-सूची

१४९७. भाय-बहिन, वापसी आ पंगु एक संग कोन कथात्मक क्षेत्र बनबैत अछि?

- (A) परिवार, लौटब, संकट आ सामाजिक सम्बन्ध
- (B) केवल छन्दशास्त्र
- (C) विज्ञान-प्रयोग
- (D) चित्र-सूची

१४९८. यदुवरक देन पर लेख अंकमे की जोड़ैत अछि?

- (A) साहित्य-इतिहास आ रचनाकार-मूल्यांकन
- (B) नाटकक अन्त
- (C) बाल-खेल
- (D) संपर्क-विवरण

१४९९. अंक २५८क पद्य भागमे नन्द विलास राय, प्रीतम कुमार निषाद आ रामविलास साहुक कविता सभ की देखबैत अछि?

- (A) अनेक कविस्वरक पद्य-विस्तार
- (B) कविता-अभाव
- (C) केवल गद्य
- (D) नाटक-सूची

१५००. अंक २५८क समग्र योगदान की कहल जा सकैत अछि?

- (A) विवाह-समीक्षा, उपन्यास-विश्लेषण, बहर-विमर्श, पारिवारिक कथा, एकांकी, उपन्यास-क्रम आ कविता
- (B) केवल हाइकू
- (C) संपर्क-पन्ना
- (D) एक लेखकक नोट

खण्ड ६७७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २५९ : अनुवाद साहित्य, सगर राति दीप जरय आ गजल

१५०१. अंक २५९मे देवेश झाक “मैथिली पत्रिकामे अनुवाद साहित्य” कोन विषय पर केन्द्रित अछि?

- (A) पत्रिका-संस्कृति आ अनुवादक भूमिका
- (B) कृषि-उपकरण
- (C) बाल खेल
- (D) नाट्य-मंच

१५०२. पत्रिकामे अनुवाद साहित्यक चर्चा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषिक संवाद, साहित्यिक आदान-प्रदान आ पाठक-विस्तार बुझयबाक लेल
- (B) कविता हटयबाक लेल
- (C) केवल सूचना देबाक लेल
- (D) चित्र सजयबाक लेल

१५०३. उमेश मण्डलक “सगर राति दीप जरय” शीर्षक कोन भाव-बिम्ब बनबैत अछि?

- (A) अंधकारमे उजास, प्रतीक्षा आ आशाक बिम्ब
- (B) केवल बाजार दर
- (C) भोजन सूची
- (D) खेलक नियम

१५०४. “सगर राति दीप जरय” गद्य शीर्षक रूपमे कोन कथा-ध्वनि दैत अछि?

- (A) लम्बा संघर्ष वा प्रतीक्षा बीच प्रकाशक आग्रह
- (B) पूर्ण अंधकारक स्वीकार
- (C) केवल यात्रा-समय
- (D) तालिका

१५०५. अंक २५९क पद्य भागमे आशीष अनचिन्हारक दूटा गजल की देखबैत अछि?

- (A) गजल-रचनाक सतत उपस्थिति
- (B) गजल-विरोध
- (C) केवल नाटक
- (D) साहित्यहीनता

१५०६. संतोष कुमार राय “बटोही”क दूटा कविता कोन काव्य-स्वर जोड़ैत अछि?

- (A) यात्रा, अनुभव वा संवेदनाक कविस्वर
- (B) केवल तकनीकी निर्देश
- (C) कथा-सूची
- (D) चित्र-वर्णन

१५०७. देवेश झाक अनुवाद-विमर्श आ आशीषक गजल एक अंकमे रहब की देखबैत अछि?

- (A) आलोचनात्मक गद्य आ रचनात्मक पद्यक संयोजन
- (B) केवल एक विधा
- (C) अनुवादक अभाव
- (D) गद्य-विरोध

१५०८. “मैथिली पत्रिकामे अनुवाद साहित्य” शीर्षक पत्रिकाक कोन भूमिका देखबैत अछि?

- (A) भाषा-संवादक मंच रूपमे पत्रिका
- (B) केवल विज्ञापन-पन्ना
- (C) कथा-विरोधी माध्यम
- (D) संगीत-वाद्य

१५०९. “सगर राति दीप जरय” आ गजल एक संग कोन भावात्मक धरातल बनबैत अछि?

- (A) आशा, वेदना, प्रतीक्षा आ भाव-सघनता
- (B) केवल हास्य
- (C) कठोर सूचना
- (D) विषयहीनता

१५१०. अंक २५९क एहि खण्डक प्रमुख स्वर की अछि?

- (A) अनुवाद-विमर्श, आशाक गद्य-बिम्ब आ गजल-कविता
- (B) केवल उपन्यास
- (C) संपर्क-सूची
- (D) बाल-चित्र

खण्ड ६७८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २५९ : नवदुर्गा, कविता, बाल-रचना आ बाल गजल

१५११. राजेश मोहन झाक “नवदुर्गा” अंक २५९मे कोन सांस्कृतिक संकेत दैत अछि?

- (A) देवी-परम्परा, शक्ति आ सांस्कृतिक आस्था
- (B) केवल बाजार-विज्ञापन
- (C) कृषि-सूची
- (D) नदी-मानचित्र

१५१२. सृजन शेखर “अज्ञेय”क एकटा कविता पद्य खण्डमे की जोड़ैत अछि?

- (A) नव कवि-स्वर आ स्वतंत्र काव्य-संवेदना
- (B) केवल कथा-सार
- (C) नाटकक संवाद
- (D) संपर्क-पत्र

१५१३. बालानां कृते वृषेश चन्द्र लालक “जाऊ ठंढाऊ, हिड़ला लगाऊ!” कोन बाल-संसार बनबैत अछि?

- (A) बाल-खेल, भाषा-लय आ चंचलता
- (B) केवल दार्शनिक गद्य
- (C) युद्ध-प्रसंग
- (D) शब्दकोश

१५१४. आशीष अनचिन्हारक “बाल गजल” कोन प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) गजल-विधाकें बाल-पाठक लेल सरल बनयबाक कोशिश
- (B) गजल हटयबाक प्रयास
- (C) नाटकक अनुवाद
- (D) कथा-सूची

१५१५. बाल रचना आ बाल गजल एकहि खण्डमे रहब कोन बात देखबैत अछि?

- (A) बाल-साहित्यक भीतर लय, गीतात्मकता आ विधा-प्रयोग
- (B) बाल-साहित्यक अभाव
- (C) केवल वयस्क आलोचना
- (D) सूची मात्र

१५१६. “नवदुर्गा” आ बाल खण्डक रचना सभ एक अंकमे रहब कोन सांस्कृतिक विस्तार बनबैत अछि?

- (A) लोक-आस्था सँ बाल-संवेदना धरि
- (B) केवल छन्दशास्त्र
- (C) विज्ञानक प्रयोग
- (D) संपर्क-सूचना

१५१७. अंक २५९मे कविता सभक विविधता कोना देखाइत अछि?

- (A) गजल, भक्तिपरक/सांस्कृतिक कविता, स्वतंत्र कविता आ बाल कविता सभ अछि
- (B) केवल एक दोहा अछि
- (C) कविता अनुपस्थित अछि
- (D) सिर्फ उपन्यास अछि

१५१८. “जाऊ ठंढाऊ, हिड़ला लगाऊ!” सन शीर्षक बाल-साहित्य मे किएक प्रभावी अछि?

- (A) ध्वनि, गति आ खेलक आमन्त्रण दैत अछि
- (B) शुष्क शास्त्रीय भाषा मात्र अछि
- (C) भाव हटबैत अछि
- (D) केवल सूची अछि

१५१९. बाल गजल विधागत रूपे किएक उल्लेखनीय अछि?

- (A) कठिन मानी गेल गजल-विधाकें बाल-भाषा मे ढालैत अछि
- (B) बाल-पाठक केँ हटबैत अछि
- (C) गीतक विरोध करैत अछि
- (D) कथा समाप्त करैत अछि

१५२०. अंक २५९क समग्र योगदान की कहल जा सकैत अछि?

- (A) अनुवाद-साहित्यक आलोचना, आशाक गद्य, गजल-कविता, नवदुर्गा आ बाल-रचनाक बहुविध अंक
- (B) केवल संपर्क-पत्र
- (C) साहित्यहीन अंक
- (D) एकटा कथा मात्र

खण्ड ६७९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २६० : आयाची मिश्र, गिफ्ट आ बहर-३

१५२१. अंक २६०मे डॉ. बच्चेश्वर झाक “मिथिलाक विभूति आयाची मिश्र” कोन विषयपर अछि?

- (A) मिथिलाक प्रमुख व्यक्तित्व/विभूतिक परिचय आ मूल्यांकन
- (B) केवल बालगीत
- (C) गजल-संग्रह
- (D) नाटक संवाद

१५२२. “मिथिलाक विभूति” कहब कोन प्रकारक सम्मानसूचक संकेत अछि?

- (A) विशिष्ट सांस्कृतिक/बौद्धिक योगदानक मान्यता
- (B) साधारण संपर्क-सूची
- (C) खेलक परिणाम
- (D) भोजन-विधि

१५२३. नारायण यादवक “गिफ्ट” शीर्षक कोन कथा-संकेत दैत अछि?

- (A) उपहारक बहाना सँ सम्बन्ध, अपेक्षा वा विडम्बना
- (B) केवल मौसम-विज्ञान
- (C) यात्रा-तालिका
- (D) कृषि-उपकरण

१५२४. आशीष अनचिन्हारक “हिन्दी फिल्मी गीतमे बहर-३” कोन निरन्तरता देखबैत अछि?

- (A) फिल्मी गीतक छन्द-विमर्शक तेसर भाग
- (B) बाल-कथा
- (C) नव उपन्यास
- (D) संपादकीय सूचना

१५२५. बहर-विमर्शक तीन भाग धरि पहुँचब कोन बात सिद्ध करैत अछि?

- (A) विषयक गहिराइ आ क्रमिक अध्ययनक आवश्यकता
- (B) विषयक समाप्ति पहिल पन्नामे
- (C) छन्दक अप्रासंगिकता
- (D) साहित्य-विरोध

१५२६. आयाची मिश्र पर आलेख आ फिल्मी गीतक बहर-विमर्श एक संग कोन दायरा बनबैत अछि?

- (A) परम्परागत विद्वत्ता सँ आधुनिक लोकप्रिय गीत-शिल्प धरि
- (B) केवल एकरूपता
- (C) बाल-साहित्य मात्र
- (D) चित्रकला मात्र

१५२७. “गिफ्ट” सन लघु शीर्षक कथा मे किएक प्रभावी भऽ सकैत अछि?

- (A) साधारण वस्तुक भीतर सम्बन्धक जटिल अर्थ खोलि सकैत अछि
- (B) कथाक अर्थ नष्ट करैत अछि
- (C) केवल पृष्ठ-सूचक अछि
- (D) गीतक राग बतबैत अछि

१५२८. अंक २६०क गद्य-आरम्भक तीन शीर्षक—आयाची मिश्र, गिफ्ट, बहर-३—क मुख्य भिन्नता की अछि?

- (A) व्यक्तित्व-आलेख, कथा आ शिल्प-विमर्श तीनू अलग विधा अछि
- (B) तीनू एकहि कविता अछि
- (C) तीनू बालगीत अछि
- (D) तीनू संपर्क-सूची अछि

१५२९. हिन्दी फिल्मी गीतक बहर पर मैथिलीमे चर्चा कोन भाषिक काम करैत अछि?

- (A) मैथिली आलोचनाक भाषा मे लोकप्रिय गीतक शास्त्रीय पाठ बनबैत अछि
- (B) मैथिली हटबैत अछि
- (C) गीत केँ अस्वीकार करैत अछि
- (D) केवल शीर्षक गिनैत अछि

१५३०. अंक २६०क एहि खण्डक प्रमुख स्वर की अछि?

- (A) मिथिलाक विभूति-स्मरण, सामाजिक कथा आ फिल्मी गीतक छन्द-विमर्श
- (B) केवल बाल-खेल
- (C) संपर्क-पन्ना
- (D) नाटक-अभ्यास

खण्ड ६८० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २६० : हमर गाम, नमस्तस्यै, पंगु आ कविता-विस्तार

१५३१. अंक २६०मे डॉ. योगेन्द्र पाठक “वियोगी”क “हमर गाम” कोन रूपमे जारी अछि?

- (A) उपन्यासक आगू भाग रूपमे
- (B) हाइकू रूपमे
- (C) बाल गजल रूपमे
- (D) एकांकी रूपमे

१५३२. रबीन्द्र नारायण मिश्रक “नमस्तस्यै” अंक २६०मे कोना उपस्थित अछि?

- (A) दूटा आलेख, दूटा लघुकथा आ उपन्यासक आगू भाग संग
- (B) केवल एक कविता
- (C) सिर्फ हाइकू
- (D) बाल-गीत मात्र

१५३३. जगदीश प्रसाद मण्डलक “पंगु” अंक २६०मे कोन रूपमे अछि?

- (A) धारावाहिक उपन्यास आ दूटा लघुकथा संग
- (B) केवल पद्य
- (C) नवदुर्गा कविता
- (D) संपर्क-सूची

१५३४. “हमर गाम”, “नमस्तस्यै” आ “पंगु” एकहि अंकमे रहब कोन बात देखबैत अछि?

- (A) क्रमिक उपन्यास प्रकाशनक मजबूत परम्परा
- (B) उपन्यासक अभाव
- (C) केवल पद्यक प्रभुत्व
- (D) संपादकीय रिक्तता

१५३५. पद्य भागमे अरुण लालक “६ टा क्षणिका आ ३ टा कविता” कोन काव्यरूपक विविधता देखबैत अछि?

- (A) अति-संक्षिप्त क्षणिका आ अपेक्षाकृत विस्तृत कविता दुनू
- (B) केवल उपन्यास
- (C) नाटकक दृश्य
- (D) गद्य-आलेख

१५३६. नन्द विलास राय केर कविता सभ अंक २६०मे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) स्थिर कविस्वरक निरन्तर उपस्थिति
- (B) कविता-अभाव
- (C) कथा-सूची
- (D) बाल नाटक

१५३७. संतोष कुमार राय “बटोही”क दूटा कविता पद्य खण्डमे की जोड़ैत अछि?

- (A) अनुभव-यात्रा आ संवेदनशील काव्य-स्वर
- (B) संपर्क सूचना
- (C) छन्द-तालिका
- (D) विज्ञान-प्रयोग

१५३८. प्रीतम कुमार निषाद आ रामविलास साहुक कविता सभक संयुक्त उपस्थिति की देखबैत अछि?

- (A) अनेक कविक समकालीन पद्य-संवाद
- (B) केवल एक लेखकक प्रभुत्व
- (C) पद्यक रिक्तता
- (D) नाटकक विस्तार

१५३९. डॉ. शिवकुमार प्रसादक कविता सभ अंक २६०मे कोन निरन्तरता राखैत अछि?

- (A) मौलिक काव्यक सतत उपस्थिति
- (B) अनुवादक पूर्ण अभाव
- (C) नाटकक समाप्ति
- (D) गद्य-विरोध

१५४०. अंक २५६-२६०क समग्र विस्तार की कहल जा सकैत अछि?

- (A) उपन्यास-क्रम, लघुकथा, आलेख, बहर-विमर्श, अनुवाद-विमर्श, बाल-साहित्य, गजल आ कविता-विस्तार
- (B) केवल असंबद्ध सूचना
- (C) साहित्यहीन संचयन
- (D) एकटा उपन्यास मात्र

खण्ड ६८१ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २६१ : चनमा, हिन्दू विवाह आ मैथिलानीक मनोदशा

१५४१. अंक २६१मे प्रणव झाक “चनमा” कोन विधामे देल गेल अछि?

- (A) लघुकथा
- (B) महाकाव्य
- (C) एकांकी
- (D) शोध-ग्रन्थ

१५४२. “चनमा” शीर्षकक केन्द्रमे सुधीर बाबू आ चनमा/चन्द्र प्रकाशक पुरान सम्बन्धक स्मरण कोन कथा-भाव बनबैत अछि?

- (A) स्मृति, उपकार आ मानवीय ऋणक भाव
- (B) केवल छन्द-गणना
- (C) नाटकक पात्र-सूची
- (D) बाल-गीतक खेल

१५४३. “चनमा”मे सुधीर बाबू कोन सामाजिक-प्रशासनिक पृष्ठभूमिसँ जुड़ल पात्र रूपमे देखाइत छथि?

- (A) पूर्व पुलिस अधिकारी, विधायक आ मन्त्री
- (B) केवल गायक
- (C) केवल किसान
- (D) केवल बालक

१५४४. देवेश झाक “हिन्दू विवाह : एक समीक्षा” शीर्षक कोन विधाक संकेत दैत अछि?

- (A) सामाजिक-समीक्षात्मक आलेख
- (B) बालकथा
- (C) गजल
- (D) उपन्यासक अन्तिम अध्याय

१५४५. “हिन्दू विवाह : एक समीक्षा” अंक २६१में कोन तरहक विमर्श खोलैत अछि?

- (A) विवाह-संस्कार, समाज आ मूल्य-व्यवस्थाक विचार
- (B) माछ-पालनक सूची
- (C) युद्ध-संस्मरण
- (D) चित्रकला-प्रदर्शनी

१५४६. डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक आलेख “फकड़ाक संग यात्रा करैत मैथिलानीक मनोदशाक मानवशास्त्रीय विवेचना” कोन पद्धति दिस संकेत करैत अछि?

- (A) मानवशास्त्रीय विवेचना
- (B) केवल हास्य-विनोद
- (C) ज्योतिष-गणना
- (D) रसोई-विधि

१५४७. फकड़ा आ मैथिलानीक मनोदशा पर आलेखक मूल साहित्यिक महत्त्व की अछि?

- (A) लोक-भाषा, लोक-अनुभव आ स्त्री-संवेदनाक अध्ययन
- (B) केवल कार्यालयी सूचना
- (C) क्रीड़ा-परिणाम
- (D) व्यापार-दर

१५४८. अंक २६१क गद्य-भागमे लघुकथा, विवाह-समीक्षा आ मानवशास्त्रीय विवेचना एक संग रहब कोन बात देखबैत अछि?

- (A) गद्य-विधाक बहुविध विस्तार
- (B) गद्यक अनुपस्थिति
- (C) केवल पद्यक प्रभुत्व
- (D) संपर्क-सूची

१५४९. “चनमा” आ “हिन्दू विवाह : एक समीक्षा” एकहि अंकमे रहब कोन पाठकीय धरातल बनबैत अछि?

- (A) व्यक्ति-कथा सँ समाज-संस्था धरि
- (B) केवल गणितीय तालिका
- (C) चित्र-संग्रह मात्र
- (D) ध्वनि-अभ्यास

१५५०. अंक २६१क एहि खण्डक मुख्य स्वर की कहल जा सकैत अछि?

- (A) मानवीय कथा, सामाजिक आलोचना आ लोक-मानवशास्त्रक समन्वय
- (B) केवल बाल-पहेली
- (C) कृषि-मूल्य सूची
- (D) नाटक-मंचन सूचना

खण्ड ६८२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २६१ : बहर-४, बीहनि कथा, कविता आ बाल गजल

१५५१. अंक २६१मे आशीष अनचिन्हारक “हिन्दी फिल्मी गीतमे बहर-४” कोन शृंखलाक निरन्तरता अछि?

- (A) हिन्दी फिल्मी गीतक बहर/छन्द-विमर्श
- (B) बाल-कथा शृंखला
- (C) चित्रकला-पाठ
- (D) किसान-डायरी

१५५२. “हिन्दी फिल्मी गीतमे बहर-४” अंक २६१मे साहित्यिक आलोचनाक कोन क्षेत्र खोलैत अछि?

- (A) लोकप्रिय गीतक छन्दीय अध्ययन
- (B) केवल कथा-नायकक परिचय
- (C) धार्मिक अनुष्ठान-सूची
- (D) खेतीक उपकरण

१५५३. मोहनराज “गगन”क “बीहनि कथा” शीर्षक कोन रूपक संकेत करैत अछि?

- (A) संक्षिप्त कथा-रचना
- (B) दीर्घ महाकाव्य
- (C) वैज्ञानिक रिपोर्ट
- (D) पत्रिका-सूचना

१५५४. राकेश कर्णक “सृजन” अंक २६१क पद्य भागमे कोन भाव जोड़ैत अछि?

- (A) रचनात्मकता आ नव-सर्जनक काव्य-भाव
- (B) केवल कानूनी नोटिस
- (C) यात्रा टिकट
- (D) विवाह-आमंत्रण

१५५५. प्रभाष अर्किचनक “महाकवि लाल दास” कोन प्रकारक पद्य/स्मरण-विषय बनैत अछि?

- (A) कवि-व्यक्तित्वक स्मरण आ साहित्यिक श्रद्धा
- (B) बाजार-दर
- (C) मौसम-सूचना
- (D) क्रीड़ा-रिपोर्ट

१५५६. कुमोद रंजन चौधरीक उपस्थिति पद्य-भागमे की देखबैत अछि?

- (A) अनेक कवि-स्वरक संयोजन
- (B) केवल एक लेखकक अंक
- (C) गद्यक समाप्ति
- (D) प्रश्नपत्र

१५५७. इन्द्रकान्त लालक “कक्का तोर अंगना” शीर्षक कोन लोक-संवेदना दिस संकेत करैत अछि?

- (A) घर-आँगन, सम्बोधन आ लोक-आत्मीयता
- (B) दूरस्थ युद्ध-यंत्र
- (C) कम्प्यूटर-सूची
- (D) कर-विधान

१५५८. संतोष कुमार राय “बटोही”क दूटा कविता कोन काव्य-स्वर जोड़ैत अछि?

- (A) यात्रा, अनुभव आ संवेदनशीलता
- (B) केवल दफ्तरक आदेश
- (C) ज्योतिषीय सारणी
- (D) कानूनी धारा

१५५९. जगदीश चन्द्र ठाकुर “अनिल”क १ गीत आ २७ गजल कोन बात देखबैत अछि?

- (A) गीत आ गजल विधाक व्यापक उपस्थिति
- (B) पद्यक अभाव
- (C) केवल निबंध
- (D) केवल अनुवाद

१५६०. बालानां कृतेमे जगदीश चन्द्र ठाकुर “अनिल” आ आशीष अनचिन्हारक बाल गजल की देखबैत अछि?

- (A) गजल-विधाकें बाल-पाठक दिस मोड़बाक प्रयोग
- (B) बाल-साहित्यक समाप्ति
- (C) नाटकक मंच-सूचना
- (D) सम्पर्क-सूची

खण्ड ६८३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २६२ : दुध-पानि फराक फराक — डिजिटल पाण्डुलिपि कथा-संग्रह

१५६१. अंक २६२मे प्रकाशित “दुध-पानि फराक फराक” कोन रूपमे प्रस्तुत अछि?

- (A) कथा-संग्रह
- (B) एकांकी-संग्रह
- (C) गीत-संग्रह
- (D) निबंध-संग्रह

१५६२. “दुध-पानि फराक फराक”क लेखक के छथि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (B) राजदेव मण्डल
- (C) रामदेव प्रसाद मण्डल “झारुदार”
- (D) दुर्गानन्द मण्डल

१५६३. “दुध-पानि फराक फराक”क सम्पादन-संकलन आ छायांकनक श्रेय किनका देल गेल अछि?

- (A) उमेश मण्डल
- (B) प्रणव झा
- (C) देवेश झा
- (D) राकेश कर्ण

१५६४. एहि पुस्तकक अंग्रेजी परिचयमे “first-ever Maithili digital-manuscript Stories” कहबाक मूल अर्थ की अछि?

- (A) मैथिली डिजिटल पाण्डुलिपि कथाक आरम्भिक महत्त्व
- (B) केवल मुद्रित कविता
- (C) नाटकक मंच-सूची
- (D) चित्रकला-एल्बम

१५६५. “दुध-पानि फराक फराक” शीर्षक कथासंग्रहमे “दूध” आ “पानि”क बिम्ब कोन अर्थक संकेत दैत अछि?

- (A) साफ भेद, विवेक आ छानबीन
- (B) पूर्ण एकरूपता
- (C) गीतक राग
- (D) नाटकक प्रवेश

१५६६. अंक २६२मे सम्पूर्ण पुस्तक रखबाक विदेहक कोन संपादकीय प्रवृत्ति देखाइत अछि?

- (A) ई-पत्रिकामे पुस्तकाकार सामग्रीक संरक्षण
- (B) केवल सूचना देब
- (C) साहित्य हटायब
- (D) खेल समाचार

१५६७. “दुध-पानि फराक फराक”क कथा-स्वर ककरा केन्द्रमे राखैत अछि?

- (A) गाम, लोक-जीवन आ सामाजिक सम्बन्ध
- (B) केवल खगोलशास्त्र
- (C) केवल शहरी तकनीक
- (D) केवल राजकीय आज्ञा

१५६८. डिजिटल-पाण्डुलिपि कथा-संग्रह रूपे एहि पुस्तकक महत्त्व की अछि?

- (A) रचना, छाया आ संपादन मिलि पाण्डुलिपिक संरक्षण करैत अछि
- (B) कथा नष्ट करैत अछि
- (C) पद्य हटबैत अछि
- (D) सम्पादकीय रिक्तता बनबैत अछि

१५६९. “दुध-पानि फराक फराक” अंक २६२मे कोन विधाक केन्द्र बनल?

- (A) गद्य-कथा
- (B) बाल गजल
- (C) छन्द-शास्त्र मात्र
- (D) रंगमंचीय संवाद मात्र

१५७०. अंक २६२क समग्र साहित्यिक पहचान की कहल जा सकैत अछि?

- (A) डिजिटल पाण्डुलिपि कथा-संग्रहक विशेष प्रस्तुति
- (B) केवल पत्र-सूचना
- (C) संपर्क पन्ना
- (D) क्रीड़ा विशेषांक

खण्ड ६८४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २६२ : अपन गाम सँ अकाल धरि कथा-विस्तार

१५७१. “दुध-पानि फराक फराक”क अनुक्रममे “अपन गाम” शीर्षक कोन कथाभूमि खोलैत अछि?

- (A) ग्राम्य जीवन आ आत्मीय परिवेश
- (B) समुद्री युद्ध
- (C) गणितीय सूत्र
- (D) राजधानीक दफ्तर मात्र

१५७२. “क्रान्तियोग” शीर्षक कथा-सूचीमे कोन भावक संकेत दैत अछि?

- (A) परिवर्तन, संघर्ष वा जागरणक भाव
- (B) केवल नींद
- (C) भोजन-विधि
- (D) पत्रिका-सूची

१५७३. “एगछा आमक गाछ” शीर्षकमे आमक गाछ कोन लोक-बिम्ब बनैत अछि?

- (A) गामक प्रकृति, छाँह आ स्मृतिक केन्द्र
- (B) लोहेक कारखाना
- (C) समुद्री जहाज
- (D) कानूनक धारा

१५७४. “चटवाह” सन शीर्षक कथासंग्रहमे कोन प्रकारक लोक-सम्पर्क देखबैत अछि?

- (A) गामक लोक-चरित्र आ बोलीक संसार
- (B) केवल वैज्ञानिक सूत्र
- (C) अंग्रेजी व्याकरण
- (D) मुद्रा-विनिमय

१५७५. “भोगित्या” शीर्षक ककरा दिस संकेत कऽ सकैत अछि?

- (A) पीड़ित वा अनुभव-भोगैत लोकक कथा-दृष्टि
- (B) केवल उत्सव-सूची
- (C) नदी-मानचित्र
- (D) बालक खेल

१५७६. “झूठ सपना” शीर्षक कथाक कोन भाव-क्षेत्र खोलैत अछि?

- (A) मोह, भ्रम आ टूटैत अपेक्षा
- (B) केवल सत्यक पूर्ण विजय
- (C) छन्द-तालिका
- (D) प्रकाशक-सूची

१५७७. “याददास” शीर्षकमे स्मृति कोन भूमिका निभा सकैत अछि?

- (A) व्यक्तिगत वा सामूहिक अनुभवकें जोड़बाक
- (B) अंक-गणना मात्र
- (C) वाणिज्यिक दर
- (D) मौसम-विज्ञान

१५७८. “बिचारभेद” शीर्षक कथासंग्रहमे कोन सामाजिक सत्य देखबैत अछि?

- (A) मतभेद, दृष्टिभेद आ संवादक तनाव
- (B) पूर्ण मौन
- (C) केवल गीत-संगीत
- (D) खेतीक उपकरण

१५७९. “दिवालीक दीप” शीर्षक कथासूचीमे कोन प्रतीकात्मकता आनैत अछि?

- (A) अन्हारमे प्रकाश, आशा आ उत्सव
- (B) केवल अकाल
- (C) दण्ड-विधान
- (D) नाटकक पात्र

१५८०. “अकाल” शीर्षक कथासंग्रहक अन्तिम प्रभाव कोन होइत अछि?

- (A) जीवन-संकट, अभाव आ सामाजिक परीक्षा
- (B) केवल उल्लास
- (C) छन्द-समृद्धि
- (D) पत्रिका-मुखपृष्ठ

खण्ड ६८५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २६३ : वापसी — राजदेव मण्डलक एकांक-संग्रह

१५८१. अंक २६३मे “वापसी” कोन विधाक संग्रह रूपमे प्रकाशित अछि?

- (A) एकांक-संग्रह
- (B) गीत-संग्रह
- (C) गजल-संग्रह
- (D) निबंध-संग्रह

१५८२. “वापसी”क लेखक के छथि?

- (A) राजदेव मण्डल
- (B) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (C) रामदेव प्रसाद मण्डल “झारुदार”
- (D) दुर्गानन्द मण्डल

१५८३. “वापसी” शीर्षक रंगमंचीय रूपे कोन भाव-सूत्र खोलैत अछि?

- (A) लौटान, स्मृति आ सम्बन्धक पुनर्स्थापन
- (B) केवल स्थिर सूची
- (C) छन्द-गणना
- (D) चित्र-एल्बम

१५८४. “वापसी”मे पात्र-परिचय देल रहब कोन बात देखबैत अछि?

- (A) रंगमंचीय प्रस्तुति लेल पात्र-व्यवस्था
- (B) कथा-संग्रहक अभाव
- (C) कविताक छन्दसूची
- (D) संपर्क-पन्ना

१५८५. पतिलाल पात्रक परिचय कोन रूपमे देल गेल अछि?

- (A) दुहेजक लोभी बेकती
- (B) विद्यालयक बालक
- (C) गीतकार
- (D) गाँवक वैद्य

१५८६. लुत्तिचन पात्रक परिचय कोन सामाजिक स्थिति देखबैत अछि?

- (A) पतिलालक ग्रामीण
- (B) चन्द्रसेनक बेटी
- (C) केवल कवि
- (D) दूरस्थ राजा

१५८७. केंतालाल पात्र कोन सम्बन्धसँ चिन्हित अछि?

- (A) पतिलालक बेटा
- (B) पतिलालक समधी
- (C) चन्द्रसेनक बेटा
- (D) दुहेजक लोभी बेकती

१५८८. चन्द्रसेन पात्र “वापसी”मे कोन सम्बन्धसँ जुड़ल छथि?

- (A) पतिलालक समधी
- (B) केंतालालक ग्रामीण
- (C) फूलोतिया
- (D) सुधवा

१५८९. फूलोतिया पात्रक परिचय कोन पारिवारिक बिन्दु खोलैत अछि?

- (A) केंतालालक पत्नी आ चन्द्रसेनक बेटी
- (B) पतिलालक बेटा
- (C) गामक मुखिया
- (D) गीतकार

१५९०. “वापसी”क पात्र-संरचना कोन सामाजिक प्रश्नक पृष्ठभूमि बनबैत अछि?

- (A) दुहेज, पारिवारिक सम्बन्ध आ ग्राम्य समाज
- (B) केवल वनस्पति-विज्ञान
- (C) भूगोल-मानचित्र
- (D) खेल प्रतियोगिता

खण्ड ६८६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २६३ : पात्र-परिचय, ग्रामीण संवाद आ रंगमंचीय संरचना

१५९१. “वापसी”मे ग्रामीण पात्रसभक उपस्थिति एकांककेँ कोन रंग दैत अछि?

- (A) लोकजीवन आ बोलचालक रंग
- (B) शहरी दफ्तरक शुष्कता मात्र
- (C) अन्तरिक्ष-यात्रा
- (D) कोर्ट-फाइल

१५९२. दुहेज-लोभकेँ पात्र-परिचयमे चिन्हित करब नाटकक कोन उद्देश्य देखबैत अछि?

- (A) सामाजिक कुरीतिक आलोचना
- (B) कुरीतिक समर्थन
- (C) छन्द-अभ्यास
- (D) बाल-खेल

१५९३. एकांक विधा “वापसी” सन विषय लेल किएक प्रभावी अछि?

- (A) सीमित पात्र आ तीव्र संवादमे सामाजिक तनाव देखाबय लेल
- (B) सैकड़ों अध्याय लेल
- (C) केवल चित्र छापय लेल
- (D) गणितीय प्रमाण लेल

१५९४. पतिलाल, केंतालाल, चन्द्रसेन आ फूलोतिया सभक सम्बन्ध नाटकमे की बनबैत अछि?

- (A) परिवार आ समधी-पक्षक संघर्ष-भूमि
- (B) अलग-अलग असंबद्ध सूची
- (C) विद्यालयक पाठ्यक्रम
- (D) गीतक राग-विभाग

१५९५. सुधवा, घोघाय आ चटपटिया सन ग्रामीण पात्र नाटकमे की जोड़ैत छथि?

- (A) गामक सामूहिक दृष्टि आ सामाजिक टिप्पणी
- (B) केवल मौन संकेत
- (C) राजकीय आदेश
- (D) छन्द-विच्छेद

१५९६. “वापसी” शीर्षक आ दुहेज-संबंधित पात्र-संरचना मिलि कोन नैतिक दिशा सुझबैत अछि?

- (A) गलत सामाजिक राहसँ लौटबाक आवश्यकता
- (B) लोभ बढ़यबाक आग्रह
- (C) कथा समाप्त करबाक निर्देश
- (D) चित्र बनयबाक सूचना

१५९७. एकांकमे संवादक भूमिका की होइत अछि?

- (A) पात्रक विचार, टकराव आ परिवर्तन केँ प्रत्यक्ष करब
- (B) केवल असंबद्ध संख्या बतब
- (C) फोटो सजाब
- (D) प्रकाशकक पता देब

१५९८. “वापसी”क पात्र-सूचीमे स्त्री पात्रक उपस्थिति कोन प्रश्न खोलैत अछि?

- (A) विवाह, बेटी, पत्नी आ स्त्री-अनुभवक प्रश्न
- (B) स्त्री-अभाव
- (C) केवल पशु-कथा
- (D) भाषा-तालिका

१५९९. अंक २६३मे पूरा एकांक-संग्रह रखबाक महत्त्व की अछि?

- (A) मैथिली रंगमंचीय साहित्यक डिजिटल संरक्षण
- (B) नाटक हटायब
- (C) संपर्क विवरण बढ़ायब
- (D) केवल विज्ञापन

१६००. अंक २६३क समग्र पहचान की कहल जा सकैत अछि?

- (A) दुहेज-विमर्श आ ग्रामीण पात्र-सम्बन्धक एकांकी केन्द्रित अंक
- (B) केवल गजल विशेषांक
- (C) कथा-संग्रह मात्र
- (D) कृषि-विज्ञान अंक

खण्ड ६८७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २६४ : गीतांजली झारू — गीत आ झारू-संग्रह

१६०१. अंक २६४मे “गीतांजली झारू” कोन लेखकक कृति रूपमे प्रस्तुत अछि?

- (A) रामदेव प्रसाद मण्डल “झारूदार”
- (B) राजदेव मण्डल
- (C) जगदीश प्रसाद मण्डल
- (D) दुर्गानन्द मण्डल

१६०२. “गीतांजली झारू”क अंग्रेजी परिचयमे कोन विधा-द्वयक संग्रह कहल गेल अछि?

- (A) गीत आ झारू
- (B) कथा आ उपन्यास
- (C) एकांकी आ नाटक
- (D) निबंध आ समीक्षा

१६०३. अनुक्रममे गीत १ सँ गीत २२ धरि देल रहब की देखबैत अछि?

- (A) गीत-खंडक क्रमबद्ध व्यापकता
- (B) गीतक अभाव
- (C) केवल एक पंक्ति
- (D) सम्पादकीय रिक्तता

१६०४. “झारू” शीर्षक कृतिमे कोन प्रतीक बनि सकैत अछि?

- (A) सफाई, सुधार आ कुरीति हटयबाक प्रतीक
- (B) अन्धकार बढयबाक साधन
- (C) केवल वाद्य
- (D) खेलक नियम

१६०५. गीत आ झारू एकहि कृतिमे रहब कोन साहित्यिक मिश्रण बनबैत अछि?

- (A) गीतात्मकता आ सामाजिक-व्यंग्य/सुधारक स्वर
- (B) केवल शुद्ध इतिहास
- (C) कानूनी दस्तावेज
- (D) विज्ञान प्रयोगशाला

१६०६. “गीतांजली झारू”क प्रकाशन विदेह अंकमे किएक उल्लेखनीय अछि?

- (A) पूरी पुस्तक-धर्मिता संग गीत-सामग्रीक डिजिटल प्रसार
- (B) साहित्यिक अनुपस्थिति
- (C) केवल दाम-सूचना
- (D) खेल परिणाम

१६०७. गीतांजली झारूक शीर्षकमे “गीतांजली” शब्द कोन भाव जगबैत अछि?

- (A) गीतक अर्पण आ लयात्मक संकलन
- (B) विरोधी मौन
- (C) लेखा-जोखा
- (D) युद्ध-तालिका

१६०८. “झारूदार” उपनाम कृतिकारक रचनात्मक छवि कोना बनबैत अछि?

- (A) सामाजिक सफाई आ सुधारक चेतनाक कवि
- (B) केवल व्यापारी
- (C) मौन पाठक
- (D) नाटकक पात्र मात्र

१६०९. गीत-सूचीमे क्रमांकित गीतसभ पाठककेँ की सुविधा दैत अछि?

- (A) क्रमबद्ध पठन आ कृतिरचनाक समझ
- (B) भ्रम बढबैत अछि
- (C) सभी गीत हटबैत अछि
- (D) कथा बनबैत अछि

१६१०. अंक २६४क एहि खण्डक मूल स्वर की अछि?

- (A) गीत, लय आ सुधारक प्रतीकक सम्मिलित प्रस्तुति
- (B) केवल दुहेज-एकांकी
- (C) डिजिटल कथा मात्र
- (D) राजकीय सूचना

खण्ड ६८८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २६४ : सुधारक झारू, मानव तंत्र आ अन्धविश्वास-विमर्श

१६११. अनुक्रममे “शासक सुधारक महा झारू” शीर्षक कोन सामाजिक लक्ष्य देखबैत अछि?

- (A) शासन-सुधारक आकांक्षा
- (B) शासनक अन्ध समर्थन
- (C) बाल-खेल
- (D) प्रेमगीत मात्र

१६१२. “हकार झारू” सन शीर्षक भाषिक रूपे कोन संकेत दैत अछि?

- (A) पुकार, चेतावनी वा संबोधनक तीखा स्वर
- (B) पूर्ण मौन
- (C) केवल तालिका
- (D) चित्रकथा

१६१३. “अभिवादन झारू” शीर्षक झारू-बिम्बमे कोन व्यंग्यात्मक सम्भावना जोड़ैत अछि?

- (A) सम्मानक भाषा संग सफाई/सुधारक कटाक्ष
- (B) सुधारक अभाव
- (C) केवल तकनीकी सूचना
- (D) नाटकक दृश्य

१६१४. “न्याय सुधारक झारू” कोन संस्थागत प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) न्याय-व्यवस्थाक शुद्धि आ सुधार
- (B) संगीतक राग
- (C) कथा-पात्रक नाम
- (D) कृषि-उत्पादन

१६१५. “निर्देशक झारू” शीर्षक कोन अर्थ खोलि सकैत अछि?

- (A) दिशा देबाक वा मार्गदर्शन करबाक सुधारक प्रतीक
- (B) कथा समाप्ति
- (C) भोजन-विधि
- (D) मुद्रा-दर

१६१६. “पैसा सुधारक झारू” कोन सामाजिक-आर्थिक विषय दिस संकेत करैत अछि?

- (A) धन, लोभ वा अर्थ-व्यवहारक सुधार
- (B) केवल मौसम
- (C) बाल-गीत
- (D) नाटक-पात्र

१६१७. “ज्ञान सुधारक झारू” कोन बौद्धिक लक्ष्य बनबैत अछि?

- (A) अज्ञान हटयबाक आ सही ज्ञान साफ करबाक लक्ष्य
- (B) अज्ञान बचयबाक
- (C) चित्र बनयबाक
- (D) खेती जोतयबाक

१६१८. “समय सुधारक झारू”क भाव की अछि?

- (A) समय-चेतना, अनुशासन आ जीवन-व्यवस्थाक सुधार
- (B) समय नष्ट करबाक आग्रह
- (C) केवल गीत-संगीत
- (D) नदी-वर्णन

१६१९. “मानव तंत्र झारू” आ “अन्ध विश्वास सुधारक महा झारू” मिलि कोन व्यापक आलोचना करैत अछि?

- (A) मनुष्यक व्यवस्था आ अन्धविश्वास दुनूक सफाई
- (B) केवल मनोरंजन
- (C) सम्पर्क-सूचना
- (D) मिथकीय युद्ध

१६२०. झारू-खंडक समग्र स्वर की कहल जा सकैत अछि?

- (A) समाज-सुधार, व्यंग्य आ नैतिक सफाईक काव्यात्मक अभियान
- (B) केवल प्रेमगीत
- (C) नाटकीय पात्र-सूची
- (D) शब्दकोश

खण्ड ६८९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २६५ : चक्षु — निबंध, प्रबंध आ समालोचना

१६२१. अंक २६५मे “चक्षु” कोन विधा-समूहक संग्रह रूपमे प्रस्तुत अछि?

- (A) निबंध, प्रबंध आ समालोचना
- (B) गीत आ झारू
- (C) एकांक-संग्रह
- (D) डिजिटल कथा-संग्रह

१६२२. “चक्षु”क लेखक के छथि?

- (A) दुर्गानन्द मण्डल
- (B) रामदेव प्रसाद मण्डल “झारूदार”
- (C) राजदेव मण्डल
- (D) प्रणव झा

१६२३. “चक्षु” शीर्षक साहित्यिक रूपे कोन प्रतीकात्मक अर्थ दैत अछि?

- (A) दृष्टि, विवेक आ देखने-बुझनेक शक्ति
- (B) अन्ध मौन
- (C) केवल राग
- (D) खेल नियम

१६२४. “मोलाइल गाछक फूल” शीर्षक कोन बिम्ब बनबैत अछि?

- (A) प्रकृति, क्षय वा बचल सौन्दर्यक बिम्ब
- (B) केवल दफ्तर सूचना
- (C) छन्द-तालिका
- (D) नाटक-पात्र

१६२५. “जीवन-मरण” शीर्षक निबंध-संग्रहमे कोन दार्शनिक प्रश्न खोलैत अछि?

- (A) अस्तित्व, नश्वरता आ जीवनक अर्थ
- (B) सिर्फ बाजार-दर
- (C) खेल-सूची
- (D) बाल-पहेली

१६२६. “बेटीक अपमानपर एक नजरि” कोन सामाजिक प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) बेटीक सम्मान, स्त्री-अस्मिता आ सामाजिक अन्याय
- (B) स्त्री-विमर्शक अभाव
- (C) केवल मौसम-वर्णन
- (D) संगीत-तालिका

१६२७. “जीवन-संघर्ष” शीर्षक कोन अनुभूति केन्द्रमे राखैत अछि?

- (A) जीबाक जद्दोजहद, कठिनाई आ धैर्य
- (B) पूर्ण निष्क्रियता
- (C) केवल हास्य
- (D) गणितीय खेल

१६२८. “थोरै साहित्य पुरस्कारक बहने” शीर्षक साहित्य-जगतक कोन विमर्श उठा सकैत अछि?

- (A) पुरस्कार, साहित्यिक मान्यता आ मूल्यांकनक प्रश्न
- (B) कृषि-बाजार
- (C) नाटकक पात्र
- (D) बालगीत

१६२९. “मेनालोल सुन्दर चित्रकथा” शीर्षक कोन विधाक संकेत करैत अछि?

- (A) चित्रकथा आ दृश्यात्मक कथन
- (B) केवल शोध-सूत्र
- (C) गजल-छन्द
- (D) कर-सूची

१६३०. “चक्षु”क एहि प्रारम्भिक अनुक्रमक प्रमुख स्वर की अछि?

- (A) प्रकृति, जीवन-मरण, स्त्री-सम्मान, संघर्ष आ साहित्यिक मूल्यांकन
- (B) केवल गीत-संग्रह
- (C) दुहेज-एकांकी
- (D) संपर्क-पत्र

खण्ड ६१० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २६५ : जीवन-संघर्ष, दीप, स्वतंत्रता आ मिथिला लोक-विमर्श

१६३१. “ज्योत्स्ना” शीर्षक “चक्षु”मे कोन भाव-क्षेत्र खोलैत अछि?

- (A) प्रकाश, सौन्दर्य आ मनोभावक कोमलता
- (B) पूर्ण अन्हार मात्र
- (C) कानूनी धारा
- (D) खेतीक औजार

१६३२. “८१म सगर राति दीप जरए” शीर्षक कोन प्रतीकात्मक सूत्र जोड़ैत अछि?

- (A) दीप, आशा आ अन्हारक प्रतिरोध
- (B) साहित्यक रिक्तता
- (C) संपर्क-सूची
- (D) वाणिज्य-दर

१६३३. “निर्युक्ति” शीर्षक कोन प्रकारक गंभीर विमर्श दिस संकेत करैत अछि?

- (A) व्याख्या, अर्थ-निर्णय वा दार्शनिक विवेचना
- (B) केवल खेल
- (C) भोजन-विधि
- (D) बालकथा

१६३४. “स्वतंत्रता दिवसक अवसरपर स्वतंत्र भारत” शीर्षक कोन राष्ट्रीय विचार खोलैत अछि?

- (A) स्वतंत्रता, राष्ट्र आ नागरिक जिम्मेदारीक विवेचना
- (B) व्यक्तिगत डायरी मात्र
- (C) कृषि-सूची
- (D) नाटक-प्रवेश

१६३५. “जिनगीक जीत” शीर्षक जीवन-संघर्षक बाद कोन निष्कर्ष-भाव दैत अछि?

- (A) जीवनमे आशा आ विजयक सम्भावना
- (B) पूर्ण पराजय
- (C) सूची-अंत
- (D) मौसमक सूचक

१६३६. “खौंछक तेल साड़ी” शीर्षक कोन लोक-सांस्कृतिक धरातल बनबैत अछि?

- (A) मिथिला/लोकजीवनक वस्तु-संसार आ घरेलू अनुभव
- (B) केवल अन्तरिक्ष यात्रा
- (C) कानूनी नोटिस
- (D) विदेशी मुद्रा

१६३७. “पुनर्नवा” शीर्षक कोन भाव व्यक्त करैत अछि?

- (A) नवजीवन, पुनर्जीवन आ नूतन आरम्भ
- (B) पूर्ण समाप्ति
- (C) सूखा निर्देश
- (D) क्रीड़ा-रिपोर्ट

१६३८. “हमर टोल उपन्यास” शीर्षक कोन कथा-क्षेत्र खोलैत अछि?

- (A) स्थानीय समाज, पड़ोस आ सामुदायिक जीवन
- (B) केवल वैश्विक मानचित्र
- (C) संगीत-राग
- (D) प्रयोगशाला

१६३९. “वर्तमान पीढ़ीक निर्देशिका अंकुर” शीर्षक कोन पीढ़ी-विमर्श करैत अछि?

- (A) नई पीढ़ीकेँ दिशा, संस्कार आ चेतना देबाक प्रयास
- (B) पीढ़ीक अस्वीकार
- (C) केवल व्यापार
- (D) पात्र-सूची

१६४०. अंक २६१-२६५क समग्र विस्तार की कहल जा सकैत अछि?

- (A) लघुकथा, सामाजिक समीक्षा, बहर-विमर्श, कथा-संग्रह, एकांक, गीत-झारू आ निबंध-समालोचना
- (B) केवल असंबद्ध सूचना
- (C) साहित्यहीन संचयन
- (D) एकटा कविता मात्र

खण्ड ६११ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २६६ : निबन्ध-निकुञ्ज, विद्यापतिकालीन मिथिला आ न्यायशास्त्रीय लेख

१६४१. अंक २६६मे मुख्य पुस्तकाकार प्रस्तुति “निबन्ध-निकुञ्ज”क लेखक के छथि?

- (A) डॉ. बचेश्वर झा
- (B) प्रणव झा
- (C) मोहनराज गगन
- (D) रामविलास साहु

१६४२. “निबन्ध-निकुञ्ज” कोन विधासमूहक संग्रह रूपे देखाइत अछि?

- (A) निबंध, शोध-लेख, समीक्षा आ आलोचना
- (B) केवल बालगीत
- (C) केवल रंगमंचीय संवाद
- (D) केवल शब्दकोश

१६४३. “विद्यापतिकालीन मिथिलाक कृषि” शीर्षक कोन ऐतिहासिक क्षेत्रक अध्ययन करैत अछि?

- (A) विद्यापति-युगक कृषि-संरचना आ लोकजीवन
- (B) समुद्री व्यापार मात्र
- (C) आधुनिक मोबाइल तकनीक
- (D) चित्रकला-रंगसूची

१६४४. “विद्यापतिकालीन राजकीय विभाग” लेख कोन संस्था दिस पाठककेँ लय जाइत अछि?

- (A) राज-व्यवस्था आ प्रशासन
- (B) मौसम-विज्ञान
- (C) बाल-खेल
- (D) संगीतक रागमाला

१६४५. “कमलादित्यः मैथिल न्यायशास्त्र प्रारूप” शीर्षकक केन्द्रमे कोन बौद्धिक परंपरा अछि?

- (A) मैथिल न्यायशास्त्र आ तर्कपरंपरा
- (B) केवल लोकगीत
- (C) कृषि-उपकरणक सूची
- (D) हास्य-कथा

१६४६. अंक २६६मे विद्यापति-काल आ न्यायशास्त्र संग रखल सामग्रीक महत्व की अछि?

- (A) इतिहास, समाज आ दर्शनकेँ एक संग पढ़बाक अवसर
- (B) साहित्य हटयबाक योजना
- (C) केवल समाचार-संग्रह
- (D) क्रीड़ा-वृत्तांत

१६४७. “निबन्ध-निकुञ्ज”मे शोधात्मक लेखनक मुख्य स्वर की अछि?

- (A) तथ्य, विवेचना आ आलोचनात्मक दृष्टि
- (B) केवल विनोद
- (C) केवल गीतक तुक
- (D) दफ्तरक आदेश

१६४८. विद्यापतिकालीन कृषि पर लेख मिथिला-इतिहासमे ककरा प्रमुख बनबैत अछि?

- (A) भूमि, उत्पादन आ ग्रामीण जीवन
- (B) केवल राजधानीक महल
- (C) विदेशी समुद्री जहाज
- (D) कम्प्यूटर-प्रयोग

१६४९. राजकीय विभागक अध्ययन सँ मिथिलाक कोन पक्ष उजागर होइत अछि?

- (A) शासन-व्यवस्था, पद-विभाजन आ प्रशासनिक ढांचा
- (B) केवल निजी प्रेम
- (C) बाल कविता
- (D) व्यंजन विधि

१६५०. अंक २६६क एहि खण्डक समग्र पहचान की कहल जा सकैत अछि?

- (A) मिथिलाक इतिहास, शासन, कृषि आ दार्शनिक परंपराक शोधपरक संचयन
- (B) मात्र मनोरंजन अंक
- (C) केवल संपर्क सूचना
- (D) एकटा गजल मात्र

खण्ड ६९२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २६६ : मैथिली साहित्य, लोकसंगीत, बालसाहित्य आ सामाजिक चेतना

१६५१. “एकैसम शताब्दीक प्रारंभसँ मैथिलीक कथा...” शीर्षक कोन साहित्यिक बदलाव दिस संकेत करैत अछि?

- (A) नव शताब्दीक कथा-प्रवृत्ति आ संवेदनाक अध्ययन
- (B) केवल पुरातन शिलालेख
- (C) संगीत-वाद्यक सूची
- (D) कर-विधान

१६५२. “मैथिली साहित्यक क्रमिक गाथा” कोन प्रकारक दृष्टि प्रस्तुत करैत अछि?

- (A) साहित्यक विकास-क्रमक ऐतिहासिक दृष्टि
- (B) केवल एक दिनक समाचार
- (C) बालक्रीड़ा
- (D) व्यक्तिगत पता

१६५३. “मिथिलाक बाल साहित्य” अंक २६६मे कोन पाठक-समुदायकेँ केन्द्रमे आनैत अछि?

- (A) बाल पाठक आ बाल-संवेदना
- (B) केवल वृद्ध पाठक
- (C) केवल न्यायालय
- (D) केवल सैनिक दल

१६५४. “मैथिली लोक संगीत परम्परा” कोन सांस्कृतिक विरासतक संकेत अछि?

- (A) लोकधुन, गान-परंपरा आ सामुदायिक स्मृति
- (B) कारखाना-निर्देश
- (C) समुद्री कानून
- (D) खेलक परिणाम

१६५५. “मिथिलाक साहित्य आ संस्कृति” शीर्षकक मूल दायरा की अछि?

- (A) साहित्य आ सांस्कृतिक जीवनक परस्पर सम्बन्ध
- (B) केवल औषधि-सूची
- (C) यात्रा-टिकट
- (D) रंगमंचक टिकट

१६५६. “समकालीन मैथिली कविता संग्रहक स्वर” कोन आलोचनात्मक प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) आधुनिक कविता-संग्रहक भाव, भाषा आ प्रवृत्ति
- (B) कृषि-दर
- (C) पत्राचार सूची
- (D) खगोल-मानचित्र

१६५७. “मान न मान हम अहाँके मेहमान” शीर्षक कोन सामाजिक प्रसंग बना सकैत अछि?

- (A) आतिथ्य, सम्बन्ध आ लोक-व्यवहार
- (B) पूर्ण एकांत विज्ञान
- (C) संगीतक तालमाप
- (D) नदी-मानचित्र

१६५८. “मकनचूनीक रूपमे सामाजिक चेतना” शीर्षकमे साहित्यिक कोन भूमिका देखाइत अछि?

- (A) सामाजिक जागरण आ आलोचनात्मक चेतना
- (B) केवल मनोरंजन
- (C) नींदक वर्णन
- (D) कारोबारी हिसाब

१६५९. “मोल्हासुर गाथा”क उल्लेख अंक २६६मे कोन विधा-दिशा जोड़ैत अछि?

- (A) लोकगाथा आ कथात्मक परंपरा
- (B) कानूनी नोटिस
- (C) केवल छायाचित्र
- (D) व्याकरण-सूत्र

१६६०. अंक २६६क दोसर खण्डक मुख्य विशेषता की अछि?

- (A) साहित्य-इतिहास, लोकसंस्कृति, बालसाहित्य आ सामाजिक चेतनाक विस्तार
- (B) केवल एक लेखकक निजी सूचना
- (C) क्रीड़ा-सूची
- (D) विज्ञापन-समूह

खण्ड ६९३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २६७ : पण्डिताइन, दोसर बियाह, निबंध आ बहर-५

१६६१. अंक २६७क गद्यभागमे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक “पण्डिताइन” कोन विधामे देल अछि?

- (A) लघुकथा
- (B) दीर्घ उपन्यास
- (C) महाकाव्य
- (D) शोध-सूची

१६६२. “पण्डिताइन” शीर्षक कोन सामाजिक-लोक पात्रक संकेत करैत अछि?

- (A) धार्मिक-सांस्कृतिक परिवेशसँ जुड़ल स्त्री-पात्र
- (B) युद्ध-यंत्र
- (C) विदेशी जहाज
- (D) बाजार-दर

१६६३. प्रणव झाक “दोसर बियाह” कोन सामाजिक संस्था पर कथा-दृष्टि रखैत अछि?

- (A) विवाह, पुनर्विवाह आ सम्बन्धक जटिलता
- (B) केवल मौसम
- (C) खेल प्रतियोगिता
- (D) शब्दार्थ सूची

१६६४. रवीन्द्र नारायण मिश्रक तीनटा निबंध अंक २६७मे की जोड़ैत अछि?

- (A) विचारात्मक गद्यक विस्तार
- (B) पद्यक अभाव
- (C) संपर्क-पृष्ठ
- (D) कथा-शून्यता

१६६५. आशीष अनचिन्हारक “हिंदी फिल्मी गीतमे बहर-५” कोन आलोचनात्मक शृंखलाक भाग अछि?

- (A) गीतक छन्दीय/लयात्मक विवेचना
- (B) कृषि-इतिहास
- (C) बालकथा मात्र
- (D) दुहेज नाटक

१६६६. अंक २६७मे लघुकथा आ निबंध एक संग रहब कोन बात देखबैत अछि?

- (A) कथात्मक आ विचारात्मक गद्यक सह-अस्तित्व
- (B) गद्यक अनुपस्थिति
- (C) केवल गीतक प्रधानता
- (D) कोरा सूचना

१६६७. “दोसर बियाह” शीर्षक मैथिली समाजक कोन संवेदनशील प्रश्नकेँ छुड़ सकैत अछि?

- (A) परिवार, नाता आ सामाजिक मान्यता
- (B) केवल वाद्य-संगीत
- (C) पक्षी-विज्ञान
- (D) दफ्तरक नियम

१६६८. “हिंदी फिल्मी गीतमे बहर-५” लोकप्रिय संस्कृति आ साहित्यक बीच कोन सम्बन्ध बनबैत अछि?

- (A) फिल्मी गीतकेँ छन्द-समालोचनाक विषय बनबैत अछि
- (B) गीतकेँ साहित्यसँ अलग करैत अछि
- (C) कथा-संग्रह बनबैत अछि
- (D) मौसम-पत्र बनबैत अछि

१६६९. अंक २६७क संपादकीय भागक स्वर कोन तरहक साहित्यिक हस्तक्षेपक संकेत दैत अछि?

- (A) साहित्यिक मूल्य, पुरस्कार-राजनीति आ सार्वजनिक बहस
- (B) केवल निजी निमंत्रण
- (C) खेल रिपोर्ट
- (D) व्यंजन विधि

१६७०. अंक २६७क एहि खण्डक समग्र स्वर की अछि?

- (A) सामाजिक कथा, विचार-निबंध आ गीत-छन्द आलोचनाक संयोग
- (B) केवल बालकथा
- (C) साहित्य-विहीन अंक
- (D) चित्र-सूची

खण्ड ६९४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २६७ : कविता, झारू, टनका आ बहुविध पद्य

१६७१. अंक २६७मे नीलमाधव चौधरीक ५६टा कविता कोन बात देखबैत अछि?

- (A) एक कवि-स्वरक व्यापक प्रस्तुति
- (B) कविताक अभाव
- (C) केवल नाटक
- (D) शोध-सूची

१६७२. नीलमाधव चौधरीक कवितासभक प्रस्तुति किनक नामसँ जुड़ल अछि?

- (A) आशीष अनचिन्हार
- (B) डॉ. बचेश्वर झा
- (C) उमेश मण्डल
- (D) नन्द विलास राय

१६७३. संतोष कुमार राय “बटोही”क दूटा कविता अंक २६७मे कोन पद्य-स्वर जोड़ैत अछि?

- (A) यात्रा, अनुभव आ संवेदनशीलता
- (B) केवल न्यायशास्त्र
- (C) सम्पादकीय आदेश
- (D) कृषि-सूची

१६७४. रामदेव प्रसाद मण्डल “झारूदार”क “किछु झारू” कोन बिम्बसँ जुड़ल अछि?

- (A) सफाई, सुधार आ व्यंग्यात्मक सामाजिक दृष्टि
- (B) पूर्ण मौन
- (C) बाल-पहेली
- (D) राजकीय विभाग

१६७५. रामविलास साहुक “किछु टनका” कोन लघु-पद्य रूपक संकेत दैत अछि?

- (A) संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ तुकबद्ध अभिव्यक्ति
- (B) दीर्घ उपन्यास
- (C) कथा-संग्रह
- (D) राजपत्र

१६७६. अंक २६७क पद्यभागमे कविता, झारू आ टनका एक संग की बनबैत अछि?

- (A) छोट-बड़ पद्यरूपक बहुविध संसार
- (B) केवल गद्य
- (C) सम्पर्क सूची
- (D) असाहित्यिक सूचना

१६७७. “झारू” रचनासभक सामाजिक संकेत की होइत अछि?

- (A) दोष, विकार आ अंधविश्वास पर व्यंग्यात्मक प्रहार
- (B) दोषक उत्सव
- (C) केवल प्रकृति-वर्णन
- (D) गणितीय सूत्र

१६७८. ५६टा कविता राखबाक संपादकीय अर्थ की अछि?

- (A) कवि-स्वरकेँ पर्याप्त विस्तार देबाक इच्छा
- (B) कविता छिपयबाक इच्छा
- (C) केवल अनुक्रम भरबाक उपाय
- (D) गद्य हटयबाक कार्य

१६७९. अंक २६७क पद्यभागमे “बटोही” आ “झारूदार” उपनामक उपास्थिति की देखबैत अछि?

- (A) कविस्वरमे व्यक्तित्व आ लोक-छविक भूमिका
- (B) नामक अभाव
- (C) केवल पद-सूची
- (D) कानूनी दस्तावेज

१६८०. अंक २६७क पद्य-खण्डक समग्र पहचान की अछि?

- (A) कविता-विस्तार, लघु-पद्य आ सुधारक व्यंग्यक मिलन
- (B) गद्य-संग्रह मात्र
- (C) साहित्यिक रिक्तता
- (D) मात्र शोध-पत्र

खण्ड ६९५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २६८ : लघुकथा-समूह आ भारतीय मुसलमान आ भारतीयता

१६८१. अंक २६८मे जगदीश प्रसाद मण्डलक दूटा रचना कोन विधामे देल गेल अछि?

- (A) लघुकथा
- (B) महाकाव्य
- (C) छन्दशास्त्र
- (D) नाटक-समूह

१६८२. नन्द विलास राय अंक २६८मे कोन विधामे उपस्थित छथि?

- (A) दूटा लघुकथा
- (B) शोधग्रन्थ
- (C) एकटा महाकाव्य
- (D) पत्रिका-सूचना

१६८३. नारायण यादवक दूटा लघुकथा अंक २६८मे की जोड़ैत अछि?

- (A) लघुकथा विधाक बहुस्वर
- (B) केवल पद्यक एकरूपता
- (C) राजकीय आदेश
- (D) गीतक अनुपस्थिति

१६८४. अंक २६८क गद्यभागमे अनेक लघुकथा रहब कोन संपादकीय रुचि देखबैत अछि?

- (A) छोट आकारक कथा-रूपक सक्रियता
- (B) कथाक निषेध
- (C) केवल निबंधक प्रधानता
- (D) बालगीत मात्र

१६८५. “भारतीय मुसलमान आ भारतीयता” शीर्षक कोन सामाजिक-राष्ट्रीय विमर्श खोलैत अछि?

- (A) नागरिकता, पहचान आ भारतीय समाजक प्रश्न
- (B) केवल छन्द-गणना
- (C) कृषि-मूल्य
- (D) गृह-सजावट

१६८६. “भारतीय मुसलमान आ भारतीयता”क मूल लेखक के कहल गेल अछि?

- (A) गीतेश शर्मा
- (B) रामविलास साहु
- (C) प्रणव झा
- (D) नारायण यादव

१६८७. “भारतीय मुसलमान आ भारतीयता”क मैथिली अनुवाद किनका द्वारा अछि?

- (A) उमेश मण्डल
- (B) मोहनराज गगन
- (C) संतोष कुमार राय
- (D) नन्द विलास राय

१६८८. मूल हिन्दी लेखक मैथिली अनुवाद अंकमे देवाक अर्थ की अछि?

- (A) भाषा-पार विचार-विनिमय आ पाठक-विस्तार
- (B) विचार रोकब
- (C) कविता हटायब
- (D) संपर्क-सूची बनायब

१६८९. लघुकथा-समूह आ सामाजिक लेख एकहि अंकमे रहब कोन संतुलन बनबैत अछि?

- (A) कथा-संवेदना आ वैचारिक विमर्शक संतुलन
- (B) साहित्यिक अभाव
- (C) केवल बाहरी सूचना
- (D) क्रीड़ा परिणाम

१६९०. अंक २६८क गद्य-खण्डक समग्र स्वर की अछि?

- (A) लघुकथा-विस्तार संग नागरिकता आ पहचानक विमर्श
- (B) केवल प्रेमगीत
- (C) मात्र पुस्तक-सूची
- (D) केवल नाट्य-सूचना

खण्ड ६९६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २६८ : हाइकू, शैनर्यू, झारू, चारूधाम आ समाज

१६९१. अंक २६८मे संतोष कुमार राय “बटोही”क दूटा कविता कोन काव्य-संवेदना जोड़ैत अछि?

- (A) यात्रा, अनुभव आ जीवन-बोध
- (B) केवल प्रशासनिक आदेश
- (C) शोध-सूत्र
- (D) व्यंजन सूची

१६९२. रामविलास साहुक हाइकू/शैनर्यू अंक २६८मे कोन पद्यरूपक प्रतिनिधित्व करैत अछि?

- (A) लघु जापानी काव्यरूपक मैथिली प्रयोग
- (B) दीर्घ महाकाव्य
- (C) एकांकी नाटक
- (D) कथा-संग्रह

१६९३. हाइकू आ शैनर्यूक प्रयोग मैथिली पद्यमे की देखबैत अछि?

- (A) रूपगत प्रयोगशीलता आ संक्षिप्त अभिव्यक्ति
- (B) रूपक अस्वीकार
- (C) केवल गद्य
- (D) सूची लेखन

१६९४. रामदेव प्रसाद मण्डल “झारूदार”क झारू अंक २६८मे कोन सतत रचनात्मक पहचान बनबैत अछि?

- (A) सुधारक व्यंग्य आ लोक-बिम्ब
- (B) शास्त्रीय नृत्य मात्र
- (C) कृषि-सूची
- (D) मौसम समाचार

१६९५. नन्द विलासरायक “हमर चारूधाम” शीर्षक कोन सांस्कृतिक-आध्यात्मिक अर्थ खोलैत अछि?

- (A) तीर्थ, आस्था आ आत्मीय भूगोल
- (B) केवल बाजार
- (C) नाटकक पात्र-सूची
- (D) क्रीड़ा-रिपोर्ट

१६९६. पल्लवी मण्डलक “समाज” शीर्षक कोन व्यापक विषयकेँ केन्द्रमे राखैत अछि?

- (A) मानव-सम्बन्ध, सामुदायिक जीवन आ सामाजिक प्रश्न
- (B) केवल ऋतु-वर्णन
- (C) व्याकरण-सूत्र
- (D) नदीक मानचित्र

१६९७. अंक २६८क पद्यभागमे हाइकू, शैनर्यू, झारू, चारूधाम आ समाज रहब कोन बात देखबैत अछि?

- (A) रूप आ विषयक व्यापक विविधता
- (B) एकरूप नीरसता
- (C) पद्यक अभाव
- (D) केवल गद्यक प्रधानता

१६९८. “समाज” शीर्षक कविता साहित्यिक कोन उत्तरदायित्वकें व्यक्त करैत अछि?

- (A) समाजक समस्या आ मूल्य पर विचार
- (B) समाजसँ पलायन
- (C) केवल ध्वनि-अभ्यास
- (D) चित्र-सूची

१६९९. “हमर चारूधाम”मे “हमर” शब्दक साहित्यिक प्रभाव की अछि?

- (A) व्यक्तिगत आत्मीयता आ सांस्कृतिक अपनत्व
- (B) पूर्ण दूरी
- (C) कानूनी कठोरता
- (D) शब्दहीनता

१७००. अंक २६८क पद्य-खण्डक समग्र स्वर की कहल जा सकैत अछि?

- (A) लघु-काव्य प्रयोग, सामाजिक चेतना आ सांस्कृतिक आत्मीयता
- (B) केवल शोध-लेख
- (C) कथा-संग्रह मात्र
- (D) कार्यालयी सूचना

खण्ड ६९७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २६९ : विचारक पाकेटलेक पोथी, बीहनि कथा, वापसी आ बहर-६

१७०१. अंक २६९मे उमेश मण्डलक लेख “मैथिली लेखकक रचना संसारसँ बीछल विचारक पाकेटलेक पोथी” कोन प्रकारक सामग्री दिस संकेत करैत अछि?

- (A) रचनासंसारसँ चुनल विचारक संक्षिप्त संचयन
- (B) केवल खेल-सूची
- (C) गजल-छन्द मात्र
- (D) भोजन-विधि

१७०२. “पाकेटलेक पोथी” पदबंधक भाव की अछि?

- (A) छोट, सहज संग राखल जा सकय योग्य विचार-संग्रह
- (B) विशाल विश्वकोश
- (C) कानूनी धारा
- (D) नाटकक मंच

१७०३. मोहनराज “गगन”क “बीहनि कथा” अंक २६९मे कोन विधा जोड़ैत अछि?

- (A) अत्यल्प आकारक कथा-रूप
- (B) दीर्घ महाकाव्य
- (C) संगीत-नोटेशन
- (D) राजकीय रिपोर्ट

१७०४. “वापसी” राजदेव मण्डल अंक २६९मे फेर उपस्थित रहब कोन बात देखबैत अछि?

- (A) धारावाहिक वा पुनर्प्रस्तुत रचनात्मक निरन्तरता
- (B) विधा-विच्छेद
- (C) काव्यक पूर्ण अभाव
- (D) केवल सूची

१७०५. आशीष अनचिन्हारक “हिंदी फिल्मी गीतमे बहर-६” ककरा आगू बढबैत अछि?

- (A) फिल्मी गीतक बहर-विमर्शक अगिला कड़ी
- (B) कृषि-विमर्श
- (C) बाल-साहित्यक अनुक्रम
- (D) न्यायशास्त्र

१७०६. बहर-विमर्श लोकप्रिय गीतकें कोन रूपमे पढ़ैत अछि?

- (A) लय, छन्द आ ध्वनिक संरचना
- (B) केवल कथा-पात्र
- (C) कृषि-उत्पादन
- (D) वस्त्र-विन्यास

१७०७. विचारक पाकेटलेक पोथी आ बीहनि कथा एकहि अंकमे रहब कोन विशेषता बनबैत अछि?

- (A) संक्षिप्त रूपमे विचार आ कथा दुनूक प्रस्तुति
- (B) लंबा महाकाव्य मात्र
- (C) साहित्यशून्यता
- (D) केवल जानकारी

१७०८. “वापसी” शीर्षकक सामान्य साहित्यिक भाव की अछि?

- (A) फेर आबय, स्मृति आ सम्बन्धक पुनरागमन
- (B) पूर्ण विस्मरण
- (C) खेलक परिणाम
- (D) कर-सूची

१७०९. अंक २६९क गद्यभागमे कथा, विचार-संग्रह आ छन्द्रीय आलोचना एक संग की बनबैत अछि?

- (A) विधागत मिश्रण आ बहुस्तरीय पाठकीय अनुभव
- (B) एकरूप सूचना
- (C) कविता-विहीन सूची
- (D) संपर्क-पत्र

१७१०. अंक २६९क एहि खण्डक मुख्य स्वर की अछि?

- (A) संक्षिप्त विचार, लघुकथा, नाटकीय/कथात्मक वापसी आ गीत-छन्द समीक्षा
- (B) केवल बाल-पाठ
- (C) मात्र खेती-विवरण
- (D) चित्रकला विवरण

खण्ड ६९८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २६९ : कविता, टनका, झारू आ दोहा

१७११. अंक २६९मे संतोष कुमार राय “बटोही”क दूटा कविता कोन पद्य-निरन्तरता देखबैत अछि?

- (A) बटोहीक काव्य-उपस्थितिक सतत क्रम
- (B) कविता हटयबाक क्रम
- (C) केवल गद्य
- (D) शोध-विच्छेद

१७१२. रामविलास साहुक “टनका” अंक २६९मे कोन अभिव्यक्तिरूप दैत अछि?

- (A) संक्षिप्त आ तीक्ष्ण पद्य-बिम्ब
- (B) दीर्घ निबंध
- (C) एकांकी संवाद
- (D) राजपत्र

१७१३. रामदेव प्रसाद मण्डल “झारूदार”क झारू अंक २६९मे की सूचित करैत अछि?

- (A) सामाजिक सफाई आ व्यंग्यक सतत काव्य-योजना
- (B) सामाजिक प्रश्नक अनुपस्थिति
- (C) केवल शृंगार गीत
- (D) खेलक टिप्पणी

१७१४. नन्द विलासरायक “दोहा” कोन परम्परागत काव्यरूपकेँ मैथिली पद्यमे आनैत अछि?

- (A) नीतिपरक वा संक्षिप्त दो-पंक्तिय काव्यरूप
- (B) दीर्घ उपन्यास
- (C) नाटकक दृश्य
- (D) व्याकरण-सूत्र

१७१५. अंक २६९क पद्यभागमे टनका आ दोहा संग-साथ रहब कोन बात देखबैत अछि?

- (A) लघु पद्यरूपसभक विविध प्रयोग
- (B) केवल महाकाव्यक प्रधानता
- (C) पद्यक अभाव
- (D) गद्यक दखल मात्र

१७१६. बटोहीक कविता आ झारूदारक झारू मिलि पद्यभागमे कोन दोहरा स्वर बनबैत अछि?

- (A) अनुभवमूलक संवेदना आ सुधारक व्यंग्य
- (B) केवल सूचना
- (C) निरर्थक अनुक्रम
- (D) प्रशासनिक भाषा

१७१७. दोहा विधाक प्रयोग पद्य-पाठक लेल कोन आकर्षण राखैत अछि?

- (A) छोट आकारमे अर्थ-सघन कथन
- (B) लंबा विवरण मात्र
- (C) कथा-पात्र सूची
- (D) मौसम चार्ट

१७१८. “टनका” शीर्षकक पद्य-संकेत की अछि?

- (A) क्षणिक, तीक्ष्ण आ स्मरणीय कथन
- (B) दीर्घ कथा
- (C) गद्य-प्रबंध
- (D) पत्र-सूची

१७१९. अंक २६९क पद्यभागक विधागत फैलावमे कोन-कोन रूप अछि?

- (A) कविता, टनका, झारू आ दोहा
- (B) केवल कथा
- (C) केवल निबंध
- (D) केवल नाटक

१७२०. अंक २६९क पद्य-खण्डक समग्र पहचान की अछि?

- (A) लघु रूप, लोक-व्यंग्य आ काव्य-संवेदनाक संयोजन
- (B) साहित्य-विहीनता
- (C) केवल संपर्क सूचना
- (D) संपादकीय मात्र

खण्ड ६९९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २७० : बुढ़ भेलौं तँ हुड़र गेलौं, लघुकथा, मौलाइल गाछक फूल आ बहर-७

१७२१. अंक २७०मे जगदीश प्रसाद मण्डलक “बुढ़ भेलौं तँ हुड़र गेलौं” कोन गद्य-विधाक रूपमे देल अछि?

- (A) कथा/गद्य-रचना
- (B) महाकाव्य
- (C) टनका
- (D) गीत-सूची

१७२२. “बुढ़ भेलौं तँ हुड़र गेलौं” शीर्षक कोन जीवन-अवस्थाक भाव खोलैत अछि?

- (A) बुढ़ापा, असहायता आ सामाजिक विडंबना
- (B) बाल्यकालक खेल मात्र
- (C) युद्ध-नीति
- (D) चित्र-रंग

१७२३. अंक २७०मे अरुण लालक दूटा लघुकथा कोन गद्यरूप जोड़ैत अछि?

- (A) संक्षिप्त कथा-संवेदना
- (B) दीर्घ शोधग्रन्थ
- (C) छन्द-विवेचना
- (D) लोकगीत

१७२४. डॉ. बचेश्वर झाक “मौलाइल गाछक फूल : जगदीश प्रसाद मण्डल” कोन प्रकारक लेख बनैत अछि?

- (A) लेखक/रचना पर समीक्षात्मक विवेचना
- (B) नाटकक प्रवेश
- (C) गीतक तालसूची
- (D) कृषि-दर

१७२५. “मौलाइल गाछक फूल” बिम्बक साहित्यिक अर्थ की भऽ सकैत अछि?

- (A) क्षीणता, स्मृति आ बचल सौन्दर्यक संकेत
- (B) पूर्ण निर्जीव सूचना
- (C) कर-दर
- (D) खेल-तालिका

१७२६. आशीष अनचिन्हारक “हिंदी फिल्मी गीतमे बहर-७” कोन शृंखला जारी राखैत अछि?

- (A) फिल्मी गीतक छन्दीय अध्ययन
- (B) ग्राम्य कथा-संग्रह
- (C) बाल कविता
- (D) राजकीय विभाग

१७२७. अंक २७०क गद्यभागमे वृद्धावस्था-कथा, लघुकथा आ समीक्षा एक संग रहब कोन विशेषता देखबैत अछि?

- (A) जीवन-अनुभव, संक्षिप्त कथा आ आलोचनात्मक दृष्टिक मेल
- (B) साहित्यिक अभाव
- (C) केवल सूचना
- (D) पद्यक समाप्ति

१७२८. जगदीश प्रसाद मण्डलक शीर्षक रचनामे लोकवाक्य-जकाँ लय किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) शीर्षक लोकभाषाक मुहावरा आ जीवन-हास्य दुनू उठबैत अछि
- (B) शीर्षक केवल गणना अछि
- (C) शीर्षक संपर्क-सूचना अछि
- (D) शीर्षक वैज्ञानिक सूत्र अछि

१७२९. लघुकथा आ बहर-विमर्श एकहि अंकमे रहब की देखबैत अछि?

- (A) कथा-संवेदना संग गीत-संरचना पर आलोचनात्मक रुचि
- (B) केवल लम्बा उपन्यास
- (C) कविता-विरोध
- (D) साहित्यहीनता

१७३०. अंक २७०क गद्य-खण्डक समग्र स्वर की कहल जा सकैत अछि?

- (A) जीवन-विडंबना, लघुकथा, रचना-समीक्षा आ छन्द-विमर्श
- (B) केवल समारोह
- (C) क्रीड़ा-वृत्तांत
- (D) व्यापार-सूची

खण्ड ७०० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २७० : कविता, झारू, हमर होली आ अंक २६६-२७०क समेकित परिप्रेक्ष्य

१७३१. अंक २७०मे संतोष कुमार राय “बटोही”क दूटा कविता कोन क्रमकेँ जारी राखैत अछि?

- (A) लगातार काव्य-उपस्थिति आ अनुभव-यात्रा
- (B) काव्यक समाप्ति
- (C) नाटकक आरम्भ
- (D) शोधक निषेध

१७३२. अरुण लालक तीनटा कविता अंक २७०क पद्यभागमे की जोड़ैत अछि?

- (A) नव कवि-स्वरक बहु-कविता प्रस्तुति
- (B) केवल गद्य-रिपोर्ट
- (C) कानूनी आदेश
- (D) चित्र-सूची

१७३३. रामदेव प्रसाद मण्डल “झारूदार”क झारू अंक २७०मे फेर आबि कोन संकेत दैत अछि?

- (A) सुधारक लोक-व्यंग्यक निरन्तर उपस्थिति
- (B) व्यंग्यक अभाव
- (C) शोधपत्रक समाप्ति
- (D) केवल गीत

१७३४. नन्द विलासरायक “हमर होली” शीर्षक कोन लोक-उत्सव दिस संकेत करैत अछि?

- (A) होलीक रंग, लोकगीत आ सामुदायिक उल्लास
- (B) पूर्ण अन्हार
- (C) कर-विधान
- (D) दर्शनशास्त्र

१७३५. “हमर होली”मे “हमर” शब्द कोन भाव दैत अछि?

- (A) अपनत्व आ सामूहिक लोक-भागीदारी
- (B) दूरी आ परायापन
- (C) केवल आदेश
- (D) विज्ञान-रिपोर्ट

१७३६. अंक २७०क पद्यभागमे कविता, झारू आ होली एक संग की बनबैत अछि?

- (A) अनुभव, सुधारक व्यंग्य आ उत्सवी लोकभावक मेल
- (B) साहित्यिक अनुपस्थिति
- (C) केवल गद्य-आलोचना
- (D) संपर्क-सूची

१७३७. अंक २६६ सँ २७० धरि बहर-विमर्शक क्रम कोन रूपमे देखाइत अछि?

- (A) हिंदी फिल्मी गीतमे बहर-५, ६ आ ७क क्रमिक विस्तार
- (B) बहर-विमर्शक अभाव
- (C) केवल कृषि-विषय
- (D) बाल-साहित्य मात्र

१७३८. अंक २६६-२७०मे लघुकथा-विधाक उपस्थिति कोना देखाइत अछि?

- (A) डॉ. मिश्र, प्रणव झा, जगदीश, नन्द विलास, नारायण यादव आ अरुण लाल आदि द्वारा
- (B) लघुकथाक पूर्ण अभाव
- (C) केवल महाकाव्य
- (D) केवल नाटक

१७३९. अंक २६६-२७०क सामग्रीमे समाज-सुधारक स्वर मुख्यतः कोन माध्यमसँ बारंबार अबैत अछि?

- (A) झारू, सामाजिक चेतना, भारतीयता आ आलोचनात्मक लेखन
- (B) केवल निजी सूचना
- (C) रंगीन विज्ञापन
- (D) खेल-तालिका

१७४०. अंक २६६-२७०क समग्र साहित्यिक परिप्रेक्ष्य की कहल जा सकैत अछि?

- (A) शोध-निबंध, लघुकथा, सामाजिक विमर्श, छन्द-आलोचना, लघु पद्य आ लोक-उत्सवक बहुविध संचयन
- (B) केवल एकरूप समाचार
- (C) साहित्यविहीन संग्रह
- (D) केवल संपर्क पृष्ठ

खण्ड ७०१ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २७१ : मैथिली गजलक व्याकरण ओ इतिहास

१७४१. अंक २७१क मुख्य सामग्री कोन विषयपर केन्द्रित अछि?

- (A) मैथिली गजलक व्याकरण ओ इतिहास
- (B) केवल बाल-खेल
- (C) कृषि-मूल्य सूची
- (D) चित्र-प्रदर्शनी मात्र

१७४२. “मैथिली गजलक व्याकरण” शीर्षक गजलकें कोन दृष्टिसँ देखबाक आग्रह करैत अछि?

- (A) शिल्प, नियम, बहर, काफिया-रदीफ आ रचनात्मक अनुशासनक दृष्टिसँ
- (B) केवल रंगक दृष्टिसँ
- (C) खेल-कूदक नियमसँ
- (D) अन्न-भण्डारणसँ

१७४३. गजलक इतिहास जोड़ल गेलासँ अध्ययनक स्वरूप कोना बदलैत अछि?

- (A) एकल रचना सँ परंपरा, क्रम-विकास आ संदर्भ दिस
- (B) साहित्य सँ पूर्ण दूरी दिस
- (C) सिर्फ असंबद्ध सूचना दिस
- (D) केवल बाजार-दर दिस

१७४४. गजलक व्याकरण बुझलासँ पाठक कोन लाभ होइत अछि?

- (A) ओ शेर, मतला, मकता, बहर आ तुक-संयोजनक अर्थ बुझि सकैत अछि
- (B) ओ असंबद्ध संकेत कंठस्थ करैत अछि
- (C) ओ असंबद्ध संख्या गनैत अछि
- (D) ओ चित्रक रंग बदलैत अछि

१७४५. अंक २७१क सामग्री मैथिली गजल लेल कोन प्रकारक योगदानक संकेत दैत अछि?

- (A) आलोचनात्मक आ शास्त्रीय आधार सुदृढ़ करबाक
- (B) केवल मनोरंजन-सूची बनयबाक
- (C) असंबद्ध सूचना बढ़यबाक
- (D) खेलक परिणाम देबाक

१७४६. “नव संस्करण” शब्दक साहित्यिक अर्थ एतय की बुझल जा सकैत अछि?

- (A) पूर्व विचारक पुनरावलोकन, संशोधन आ अद्यतन प्रस्तुति
- (B) रचना समाप्त भेल
- (C) अंक रिक्त अछि
- (D) विषय असंबद्ध अछि

१७४७. मैथिली गजलक इतिहास लिखबाक मूल चुनौती की भऽ सकैत अछि?

- (A) विभिन्न समयक रचनाकार, शिल्प-प्रयोग आ प्रमाणकें एक संग जोड़ब
- (B) केवल अक्षर-गणना
- (C) केवल रंगीन शीर्षक
- (D) नाम हटायब

१७४८. गजल-विधामे “व्याकरण” शब्द साहित्यिक अनुशासनक कोन रूपकें रेखांकित करैत अछि?

- (A) लय, छन्द, तुक, रदीफ-काफिया आ अर्थ-संक्षेपक अनुशासन
- (B) असंगत वाक्य-विन्यास
- (C) बिना संरचना लेखन
- (D) सूची मात्र

१७४९. अंक २७१क विषय मैथिली आलोचनाकें कोन दिशा दैत अछि?

- (A) लोकप्रिय विधाकें शास्त्रीय-आलोचनात्मक धरातल पर राखबाक दिशा
- (B) विधाकें हटयबाक दिशा
- (C) केवल पत्राचारक दिशा
- (D) कथा-विहीन रिक्तता

१७५०. “मैथिली गजल” शब्दक संयोगमे क्षेत्रीय भाषा आ विधाक कोन सम्बन्ध देखाइत अछि?

- (A) मैथिली भाषामे गजल-विधाक अपन स्थानीय स्वरूप
- (B) विदेशी भाषा मात्र
- (C) संगीत-विहीन चुप्पी
- (D) चित्रकला मात्र

खण्ड ७०२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २७१ : गजल-विधा, शिल्प-सजगता आ नव संस्करणक अर्थ

१७५१. अंक २७१मे गजल-विधाक अध्ययनकें इतिहाससँ जोड़ल गेल अछि; एकर प्रमुख कारण की अछि?

- (A) विधाक उद्भव, परिवर्तन आ स्वीकार्यताकें क्रमसँ देखब
- (B) केवल अक्षरक आकार देखब
- (C) असंबद्ध संकेतक परीक्षण करब
- (D) आमदनीक हिसाब लगायब

१७५२. गजलमे “काफिया” आ “रदीफ” जकाँ तत्वक चर्चा किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) एहि सभसँ गजलक ध्वनि-सौंदर्य आ संरचना बनैत अछि
- (B) एहि सभसँ पृष्ठक किनार मापल जाइत अछि
- (C) एहि सभसँ विज्ञापन बनैत अछि
- (D) एहि सभसँ रंग घटैत अछि

१७५३. गजलक व्याकरण पर केन्द्रित अंक पाठककें कोन तरहक सजगता दैत अछि?

- (A) रचना पढ़ैत काल शिल्प आ भाव दुनूक निरीक्षण
- (B) केवल लेखकक फोटो देखब
- (C) सिर्फ क्रमांक याद करब
- (D) कोनो साहित्यिक दृष्टि नै

१७५४. अंक २७१क शीर्षकमे “इतिहास”क उपस्थिति गजलकें कोन आयाम दैत अछि?

- (A) कालक्रम, परंपरा आ साहित्यिक स्मृतिक आयाम
- (B) सिर्फ दैनंदिन सूचना
- (C) रसोईक सूची
- (D) खेलक पराजय

१७५५. “नव संस्करण” आलोचनात्मक लेखनमे कोन नैतिकता देखबैत अछि?

- (A) स्वयं अपन बातकें फेर जाँचि अद्यतन करबाक प्रवृत्ति
- (B) पुरान भूल न देखबाक जिद
- (C) स्रोत छोड़बाक प्रवृत्ति
- (D) विषय सँ भागब

१७५६. मैथिली गजलक अध्ययनमे व्याकरण आ इतिहास दुनू एकत्र होयबाक प्रभाव की अछि?

- (A) विधाक रूप आ यात्रा दुनूक संतुलित परिचय
- (B) केवल शब्द-सूची
- (C) केवल नाट्य-संवाद
- (D) केवल चित्र-क्रम

१७५७. अंक २७१क सामग्री गजलकार लेल कोन संकेत रखैत अछि?

- (A) भावक संग शिल्पीय अनुशासनक अभ्यास जरूरी अछि
- (B) शिल्पक कोनो आवश्यकता नै
- (C) केवल शीर्षक लिखल पर्याप्त अछि
- (D) गजलमे तुकक अर्थ नै

१७५८. गजल-इतिहास लिखैत समय कोन गलतीसँ बचबाक चाही?

- (A) एकटा कवि वा दौरकें सम्पूर्ण परंपरा मानि लेबासँ
- (B) स्रोत देखबासँ
- (C) कालक्रम बनयबासँ
- (D) विधागत शब्द बुझबासँ

१७५९. गजल-विधाक “व्याकरण” शब्द कवितासँ ओकर कोन भिन्नता सूचित करैत अछि?

- (A) गजलमे विशेष ढाँचा, शेर-व्यवस्था आ ध्वनि-पुनरावृत्तिक नियम अधिक स्पष्ट होइत अछि
- (B) गजलमे भाषा नहि रहैत अछि
- (C) गजल केवल समाचार अछि
- (D) गजल केवल चित्र अछि

१७६०. अंक २७१क समग्र संकेत कोन अछि?

- (A) मैथिली गजलकें गंभीर साहित्यिक विधा मानि ओकर नियम आ यात्रा पर विचार
- (B) गजलकें हटयबाक आग्रह
- (C) केवल असंबद्ध संग्रह
- (D) विषय-विहीन अंक

खण्ड ७०३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २७२ : मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास

१७६१. अंक २७२क मुख्य सामग्री कोन विषयपर केन्द्रित अछि?

- (A) मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास
- (B) कृषि-उपकरण सूची
- (C) गृह-सजावट
- (D) खेलक परिणाम

१७६२. “वेब पत्रकारिता” मैथिली साहित्यक प्रसारमे कोन नूतन माध्यमक संकेत दैत अछि?

- (A) इंटरनेट-आधारित ई-पत्रिका, डिजिटल प्रकाशन आ ऑनलाइन पाठक-समुदाय
- (B) केवल हस्तलिखित पत्र
- (C) केवल मौखिक वार्ता
- (D) केवल दीवार-लेखन

१७६३. मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास लिखब किएक आवश्यक अछि?

- (A) डिजिटल उपस्थिति, आरम्भ, परिवर्तन आ संस्थागत स्मृतिक संरक्षण लेल
- (B) असंबद्ध संकेत गनबाक लेल
- (C) पृष्ठक रंग देखबाक लेल
- (D) कागजक वजन मापबाक लेल

१७६४. अंक २७२क विषय वेब आ भाषा बीच कोन सम्बन्ध देखबैत अछि?

- (A) मातृभाषा डिजिटल मंचपर अपन पाठक आ अभिव्यक्ति बना सकैत अछि
- (B) भाषा इंटरनेट पर असंभव अछि
- (C) वेब केवल संख्याक लेल अछि
- (D) पत्रकारिता साहित्यसँ अलग रहबाक चाही

१७६५. “नव संस्करण” शब्द एतय इतिहास-लेखनक कोन प्रवृत्ति सूचित करैत अछि?

- (A) डिजिटल इतिहासकें अद्यतन करबाक जरूरत
- (B) इतिहास छोड़बाक जरूरत
- (C) पुरान पाठ न देखबाक
- (D) विषय समाप्ति

१७६६. मैथिली वेब पत्रकारितामे अभिलेखीकरणक महत्त्व की अछि?

- (A) पुरान अंक, लेख आ साहित्यिक सामग्रीकें भविष्यक पाठक लेल सुरक्षित राखब
- (B) साहित्य हटायब
- (C) केवल निजी संवाद
- (D) छवि बिगाड़ब

१७६७. अंक २७२क विषय पाठकक भूमिका कोना बदलैत अछि?

- (A) पाठक दूर-दूर सँ ऑनलाइन सामग्री पढ़ि सहभागिता कऽ सकैत अछि
- (B) पाठकक भूमिका समाप्त होइत अछि
- (C) पाठक केवल पृष्ठ गनैत अछि
- (D) पाठककें भाषा छोड़य पड़ैत अछि

१७६८. वेब पत्रकारिता मैथिली साहित्यिक आन्दोलन लेल कोन प्रकारक आधार बनि सकैत अछि?

- (A) त्वरित प्रकाशन, संग्रह, संवाद आ प्रसारक आधार
- (B) मौन आ अनुपस्थिति
- (C) साहित्य-विरोध
- (D) केवल वस्तु-विक्रय

१७६१. अंक २७२क ऐतिहासिक दृष्टि कोन प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) मैथिली डिजिटल माध्यममे कहिया, कोना आ किनकर प्रयाससँ सशक्त भेल
- (B) कतेक पन्ना रिक्त रहल
- (C) कागजक दाम की रहल
- (D) चित्र कतऽ लगल

१७७०. मैथिली वेब पत्रकारिताक अध्ययनमे “पत्रकारिता” शब्द कोन बात पर बल दैत अछि?

- (A) नियमितता, सम्पादन, सार्वजनिक सूचना-संवाद आ साहित्यिक प्रसार
- (B) बिना पाठक लेखन
- (C) विषयहीन सूची
- (D) खेलक टिकेट

खण्ड ७०४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २७२ : डिजिटल प्रकाशन, पाठक-सम्बन्ध आ अभिलेखीकरण

१७७१. अंक २७२मे वेब पत्रकारिताक इतिहासक चर्चा डिजिटल युगक कोन बदलाव देखबैत अछि?

- (A) मुद्रित सीमासँ बाहर भाषा-साहित्यक ऑनलाइन विस्तार
- (B) भाषाक पूर्ण समाप्ति
- (C) लेखनक निषेध
- (D) साहित्यक असंबद्धता

१७७२. मैथिली ई-पत्रिकाक संदर्भमे “इतिहास” शब्द कोन जिम्मेदारी जोड़ैत अछि?

- (A) डिजिटल यात्राक आरम्भ, निरंतरता आ दस्तावेजीकरणक जिम्मेदारी
- (B) केवल सजावट
- (C) मंच हटायब
- (D) पाठकक अवहेलना

१७७३. वेब पत्रकारिताक इतिहासमे सम्पादनक भूमिका किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) ऑनलाइन सामग्रीकें क्रम, चयन, गुणवत्ता आ विश्वसनीयता देबाक लेल
- (B) साहित्यिकता हटयबाक लेल
- (C) केवल लिंक बढ़यबाक लेल
- (D) भाषा बदलयबाक लेल

१७७४. अंक २७२क विषय डिजिटल पाठक-समुदायकें कोन रूपमे देखैत अछि?

- (A) भाषिक-सांस्कृतिक संवादक सक्रिय सहभागी
- (B) केवल मौन दर्शक
- (C) साहित्य-विरोधी समूह
- (D) अप्रासंगिक संख्या

१७७५. मैथिली वेब पत्रकारिताक ऐतिहासिक अध्ययनमे कोन स्रोत-प्रवृत्ति उपयोगी होइत अछि?

- (A) पुरान अंक, सम्पादकीय नोट, डिजिटल संग्रह आ प्रकाशन-क्रम
- (B) असत्य कथा
- (C) बिना प्रमाण टिप्पणी
- (D) अनुमान मात्र

१७७६. वेब पत्रकारिता भाषाक लोकतंत्रीकरणमे कोना सहायक अछि?

- (A) दूरस्थ लेखक-पाठककें साझा मंच देबाक कारण
- (B) लेखककें रोकबाक कारण
- (C) भाषा केवल एक ठाम बाँधबाक कारण
- (D) साहित्य नष्ट करबाक कारण

१७७७. अंक २७२क सामग्री मैथिली पत्रकारिता लेल कोन नूतन बोध दैत अछि?

- (A) पत्रकारिता कागज धरि सीमित नहि, डिजिटल मंचपर सेहो इतिहास बनबैत अछि
- (B) पत्रकारिता केवल छापाखाना अछि
- (C) डिजिटल मंच साहित्यहीन अछि
- (D) इतिहास अप्रासंगिक अछि

१७७८. डिजिटल अभिलेखक असली उपयोग की अछि?

- (A) भविष्यक शोधकर्ता आ पाठक पुरान सामग्री धरि पहुँचि सकैत छथि
- (B) फाइल हटयब
- (C) साहित्यक अर्थ बिगाड़ब
- (D) केवल रूप सजायब

१७७९. वेब पत्रकारिताक इतिहास लिखबासँ विदेह सन मंचक कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

- (A) निरंतर प्रकाशन, भाषा-सेवा आ ऑनलाइन साहित्यिक आंदोलनक पक्ष
- (B) साहित्यसँ असंबद्धता
- (C) केवल निजी उपयोग
- (D) मंच-विरोध

१७८०. अंक २७२क समग्र संकेत की अछि?

- (A) मैथिली भाषाक डिजिटल पत्रकारिता अपन इतिहास आ आलोचनात्मक अध्ययनक विषय बनि चुकल अछि
- (B) वेब पत्रकारिता असंभव अछि
- (C) भाषा आ वेबक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) केवल मनोरंजन शेष अछि

खण्ड ७०५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २७३ : मैथिली गजल — आगमन ओ प्रस्थानबिन्दु

१७८१. अंक २७३क मुख्य सामग्री कोन विषयपर केन्द्रित अछि?

- (A) मैथिली गजल — आगमन ओ प्रस्थानबिन्दु
- (B) खेतीक औजार
- (C) केवल यात्रा-वृत्त
- (D) संग्रहालय-सूची

१७८२. “आगमन” शब्द मैथिली गजल अध्ययनमे कोन बात सूचित करैत अछि?

- (A) विधाक प्रवेश, आरम्भिक उपस्थिति आ स्वीकार्यता
- (B) विधाक अंत
- (C) भाषाक निषेध
- (D) पत्रकारिताक नियम

१७८३. “प्रस्थानबिन्दु” शब्दक आलोचनात्मक अर्थ की अछि?

- (A) ओ बिंदु जतयसँ विधाक यात्रा वा निर्णायक दिशा आरम्भ होइत अछि
- (B) केवल अंतिम विराम
- (C) बिना आधारक सूचना
- (D) फोटो-संग्रह

१७८४. मैथिली गजलक आगमन पर विचार करैत काल कोन प्रश्न महत्वपूर्ण होइत अछि?

- (A) गजल मैथिलीमे कोना, कहिया आ कोन साहित्यिक जरूरतसँ आयल
- (B) कागजक आकार की छल
- (C) पृष्ठक रंग कोन छल
- (D) असंबद्ध बात की छल

१७८५. अंक २७३क विषय गजल इतिहासक कोन सूक्ष्म पक्ष खोलैत अछि?

- (A) केवल तिथि नहि, आरम्भ-बोध आ दिशा-निर्धारण
- (B) केवल विज्ञापन
- (C) साहित्य-विमुखता
- (D) फाइल आकार

१७८६. गजल-विधा मैथिलीमे अपन ठाम कोना बना सकैत अछि?

- (A) स्थानीय भाषा, लोकानुभव आ शिल्पीय अनुशासनक मेलसँ
- (B) भाषा छोड़ि
- (C) शिल्प हटाकऽ
- (D) विषयहीन रहि

१७८७. “नव संस्करण” एतय गजल-विमर्शमे कोन संकेत दैत अछि?

- (A) पूर्व निष्कर्षक फेर पढ़ि अधिक परिष्कृत ढंगसँ राखब
- (B) विमर्शक त्याग
- (C) बिना जाँच निष्कर्ष
- (D) विषयक समाप्ति

१७८८. अंक २७३क शीर्षकमे “आगमन” आ “प्रस्थानबिन्दु” साथ-साथ किएक उपयोगी अछि?

- (A) एक विधाक प्रवेश आ ओकर अगिला यात्रा-दिशा दुनू देखयबाक लेल
- (B) केवल शब्द-सजावट लेल
- (C) विषय छिपयबाक लेल
- (D) इतिहास रोकयबाक लेल

१७८९. गजल अध्ययनमे प्रस्थानबिन्दु खोजबासँ कोन लाभ होइत अछि?

- (A) विधाक मूल प्रेरणा, निर्णायक प्रयोग आ विकासक्रम बुझाईत अछि
- (B) असंबद्ध सूची बनैत अछि
- (C) पाठक दूर होइत अछि
- (D) रचना रिक्त होइत अछि

१७९०. अंक २७३क समग्र संकेत की अछि?

- (A) मैथिली गजलक प्रवेश, आरम्भ-बिंदु आ यात्रा पर आलोचनात्मक चिन्तन
- (B) गजल-विधाक नकार
- (C) वेब पत्रकारिताक मात्र सूची
- (D) कथा-संग्रहक अंत

खण्ड ७०६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २७३ : गजल-परंपरा, आरम्भ-बोध आ आलोचनात्मक मानचित्र

१७९१. गजल-परंपराक मानचित्र बनबैत समय “आगमन”क अर्थ कोना विस्तृत होइत अछि?

- (A) नव विधा अपन भाषिक घर बनबैत अछि आ पाठक-लेखक ओकरा स्वीकार करैत छथि
- (B) विधा अदृश्य भऽ जाइत अछि
- (C) साहित्य बंद भऽ जाइत अछि
- (D) संगीत हटि जाइत अछि

१७९२. मैथिली गजल लेल प्रस्थानबिन्दु चिन्हित करब किएक कठिन भऽ सकैत अछि?

- (A) प्रारम्भिक प्रयोग, प्रकाशन आ मौखिक-साहित्यिक प्रभाव सभकेँ अलग-अलग परखय पड़ैत अछि
- (B) कारण स्पष्ट नहि चाही
- (C) कागजक रंग निर्णायक अछि
- (D) ई विषय असाहित्यिक अछि

१७९३. अंक २७३क विमर्श गजलकें कोन तरहक ऐतिहासिक प्रश्नमे राखैत अछि?

- (A) कब, कोना, कतयसँ आ कोन साहित्यिक जरूरतसँ
- (B) केवल कतेक पृष्ठ
- (C) केवल रंग-रूप
- (D) केवल निजी सूचना

१७९४. गजलकें मैथिलीमे स्वीकार करैत काल भाषा-संवेदना किएक आवश्यक अछि?

- (A) कारण भाव, मुहावरा आ सांस्कृतिक धरातल मैथिलीकें अपनत्व दैत अछि
- (B) भाषा अप्रासंगिक अछि
- (C) भाव हटयबाक चाही
- (D) केवल बाहरी रूप काफी अछि

१७९५. “आगमन ओ प्रस्थानबिन्दु” शीर्षक आलोचकक कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) विधाक मूल आधार आ विकास-दिशा खोजबाक प्रवृत्ति
- (B) विधा छोड़बाक प्रवृत्ति
- (C) बिना अध्ययन निर्णय
- (D) विषयक लोप

१७९६. अंक २७३क विषय गजलकारक इतिहास-बोधसँ कोन सम्बन्ध बनबैत अछि?

- (A) गजलकार अपन विधाक पूर्ववर्ती यात्रा बुझि नव प्रयोग कऽ सकैत अछि
- (B) इतिहासक कोनो उपयोग नहि
- (C) नव प्रयोग निषिद्ध अछि
- (D) शिल्प छोड़ब जरूरी अछि

१७९७. गजल-विधाक आरम्भ-बिंदु पर बहस साहित्य लेल किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) एहिसँ विधाक आत्मपहिचान आ आलोचनात्मक स्थान स्पष्ट होइत अछि
- (B) एहिसँ साहित्य घटैत अछि
- (C) एहिसँ पाठक दूर होइत अछि
- (D) एहिसँ भाषा रुकैत अछि

१७९८. मैथिली गजलक यात्रा देखबामे कोन बात अलग ध्यान मांगैत अछि?

- (A) बाह्य गजल-रूप आ स्थानीय मैथिली भाव-संसारक समन्वय
- (B) केवल नाम-सूची
- (C) केवल तिथि-स्मरण
- (D) साहित्यक उपेक्षा

१७९९. प्रस्थानबिन्दु चिन्हित करबासँ आलोचना कोन तरह सँ गहिर होइत अछि?

- (A) ओ केवल प्रशंसा नहि, कारण, संदर्भ आ दिशा पर विचार करैत अछि
- (B) ओ शोध छोड़ि दैत अछि
- (C) ओ पाठकक प्रश्न रोकि दैत अछि
- (D) ओ विधाक अर्थ मेटा दैत अछि

१८००. अंक २७३क सामग्रीकें अंक २७१सँ जोड़ि देखल जाए तँ कोन श्रृंखला बनैत अछि?

- (A) पहिने गजलक व्याकरण-इतिहास, फेर आगमन-प्रस्थानबिन्दुक विश्लेषण
- (B) पहिने खेल, फेर व्यापार
- (C) पहिने चित्र, फेर पते
- (D) पहिने मौन, फेर शून्य

खण्ड ७०७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २७४ : मैथिलीक प्रतिनिधि गजल — १९०५ सँ २०१७ धरि

१८०१. अंक २७४क मुख्य सामग्री कोन विषयपर केन्द्रित अछि?

- (A) मैथिलीक प्रतिनिधि गजल — १९०५ सँ २०१७ धरि
- (B) केवल कथा-चित्र
- (C) नृत्य-सूची
- (D) खेती-बारीक हिसाब

१८०२. “प्रतिनिधि गजल” शब्द कोन प्रकारक चयन-सजगता सूचित करैत अछि?

- (A) गजल-परंपराक महत्वपूर्ण स्वर, रूप आ दौरक नमूना चुनबाक सजगता
- (B) बिना विचार सभ किछु हटायब
- (C) केवल असंबद्ध सूची बनायब
- (D) एकटा रंग चुनब

१८०३. १९०५ सँ २०१७ धरि काल-सीमा देलासँ विषयक कोन विस्तार स्पष्ट होइत अछि?

- (A) दीर्घ ऐतिहासिक फैलाव आ विभिन्न पीढ़ीक सम्भावित उपस्थिति
- (B) केवल एक दिनक घटना
- (C) साहित्य-विहीन अंतराल
- (D) फोटो-क्रम मात्र

१८०४. प्रतिनिधि गजल-संकलन बनबैत समय कोन बात आवश्यक होइत अछि?

- (A) काल, शिल्प, भाषा, प्रभाव आ विविध स्वरक संतुलित विचार
- (B) केवल मनमर्जी
- (C) सभी शीर्षक हटायब
- (D) केवल आकार देखब

१८०५. अंक २७४क शीर्षक गजल इतिहासकें कोन रूपमे व्यवस्थित करैत अछि?

- (A) लम्बा कालक्रममे चुन्नल रचनास्वरूप परंपराक झलक
- (B) सिर्फ निजी टिप्पणी
- (C) खेलक तालिका
- (D) कागजक गिनती

१८०६. प्रतिनिधि गजल पढ़बासँ पाठककें कोन लाभ होइत अछि?

- (A) भाषा, शिल्प आ समयक अनुसार गजल-स्वरक परिवर्तन बुझाईत अछि
- (B) साहित्यक अर्थ मैटैत अछि
- (C) केवल असंबद्ध बात याद होइत अछि
- (D) फाइल नाम बढ़ैत अछि

१८०७. अंक २७४क सामग्री अंक २७१ आ २७३क गजल-विमर्शसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) व्याकरण, इतिहास, आगमनक बाद प्रतिनिधि उदाहरणक स्तरपर
- (B) पूर्ण असंबद्ध रूपें
- (C) केवल हास्य रूपें
- (D) विषय छोड़ि

१८०८. “धरि” शब्द काल-सीमामे कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) आरम्भिक संकेतसँ निर्धारित अंतिम समय धरि विस्तार
- (B) कोनो सीमा नहि
- (C) एकटा बिंदु मात्र
- (D) भाषा-विहीनता

१८०९. मैथिली गजलक प्रतिनिधि रूप खोजबासँ साहित्यिक इतिहासमे की स्पष्ट होइत अछि?

- (A) कुन रूप, स्वर आ प्रवृत्ति समयक कसौटी पर महत्वपूर्ण ठहरल
- (B) साहित्यिक महत्व घटल
- (C) केवल मुद्रण दोष
- (D) विषय-विहीन सूची

१८१०. अंक २७४क समग्र संकेत की अछि?

- (A) मैथिली गजल परंपराक दीर्घ कालिक चयन आ मूल्यांकन
- (B) गजल-विमर्शक निषेध
- (C) केवल सूचना-विन्यास
- (D) कथा-विहीन मजाक

खण्ड ७०८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २७४ : प्रतिनिधि चयन, काल-क्रम आ गजल-विकास

१८११. प्रतिनिधि चयनमे “काल-क्रम” किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) विधाक विकास, मोड़ आ परिवर्तन क्रमसँ देखयबाक लेल
- (B) केवल सजावट लेल
- (C) तथ्य छिपयबाक लेल
- (D) पाठक भटकयबाक लेल

१८१२. अंक २७४क विषय चयनक आलोचनात्मक जिम्मेदारी कोन अछि?

- (A) कविता-सौंदर्य आ ऐतिहासिक महत्व दुनू परखब
- (B) बिना पढ़ने निर्णय
- (C) केवल नामक वर्णक्रम
- (D) स्रोत न देखब

१८१३. गजल-विकास देखैत समय शिल्पक संग कोन पक्ष जोड़ि देखबाक चाही?

- (A) भाषिक मुहावरा, सामाजिक अनुभव आ भाव-संसार
- (B) केवल असंबद्ध संख्या
- (C) केवल कवर
- (D) केवल फाइल-नाम

१८१४. दीर्घ कालावधि पर आधारित गजल-अध्ययनक प्रमुख उपयोग की अछि?

- (A) पुरान, मध्यवर्ती आ नूतन स्वरसभक तुलनात्मक समझ
- (B) अध्ययन बंद करब
- (C) साहित्य हटायब
- (D) शब्द निरर्थक बनायब

१८१५. “प्रतिनिधि” कहलाक अर्थ ई नहि होइत जे—

- (A) सभ रचना समाहित भऽ गेल
- (B) चुन्नल रचना महत्वपूर्ण संकेत दैत अछि
- (C) दृष्टि चयनात्मक अछि
- (D) इतिहासक नमूना बनैत अछि

१८१६. अंक २७४क सामग्री गजल-पाठक लेल कोन अध्ययन-पद्धति सुझबैत अछि?

- (A) चुन्नल रचना पढ़ि समय, शिल्प आ कथ्यक तुलना करब
- (B) सिर्फ शीर्षक गनब
- (C) साहित्य न पढ़ब
- (D) कथ्य छोड़ब

१८१७. गजल इतिहासमे प्रारम्भिक आ नव्य स्वरक तुलना किएक उपयोगी अछि?

- (A) एहिसँ परंपराक निरंतरता आ बदलाव दुनू बुझाईत अछि
- (B) एहिसँ अर्थ घटैत अछि
- (C) एहिसँ पाठक भ्रमित मात्र होइत अछि
- (D) एहिसँ भाषा हटैत अछि

१८१८. अंक २७४मे दीर्घ अवधि सूचित कएल गेल अछि; एहि सँ आलोचना कोन बोध पबैत अछि?

- (A) गजल मैथिलीमे क्षणिक नहि, विकसित परंपरा रूपेँ देखल जा सकैत अछि
- (B) गजल अनुपस्थित अछि
- (C) एकटा छोट टिप्पणी मात्र अछि
- (D) कोनो विकास नहि भेल

१८१९. प्रतिनिधि गजल-विमर्शमे बहुलता किएक जरूरी अछि?

- (A) भिन्न कवि, शैली, समय आ भाव-दृष्टि बिना परंपरा अधूरी देखाइत अछि
- (B) एकरूपता मात्र चाही
- (C) केवल एक आवाज पर्याप्त अछि
- (D) विविधता हटयबाक चाही

१८२०. अंक २७४क स्थान २७१-२७४ क्रममे कोना बुझल जा सकैत अछि?

- (A) गजल-सिद्धांत आ इतिहासक बाद चयनित उदाहरणक विस्तार
- (B) वेब पत्रकारिता छोड़ि असंबद्ध मोड़
- (C) संपादकीय सूचना मात्र
- (D) बाल-कथा मात्र

खण्ड ७०९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २७५ : जगदीश प्रसाद मण्डल — आमक गाछी

१८२१. अंक २७५क मुख्य सामग्री कोन रचना/विषय रूपेँ सूचित अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — आमक गाछी
- (B) मैथिली वेब पत्रकारिता
- (C) केवल गजल-व्याकरण
- (D) नाटक-समीक्षा मात्र

१८२२. “आमक गाछी” शीर्षक मैथिली कथा-संवेदनामे कोन सांस्कृतिक संकेत दैत अछि?

- (A) गाम, बाड़ी, प्रकृति, स्मृति आ सामुदायिक जीवन
- (B) शहरक कारखाना मात्र
- (C) समुद्री युद्ध
- (D) डिजिटल कोड

१८२३. जगदीश प्रसाद मण्डलक रचनाक संदर्भमे “गाछी” कोन प्रकारक कथास्थल बनि सकैत अछि?

- (A) मानव-सम्बन्ध, स्मृति, श्रम आ पीढ़ी-संवादक स्थल
- (B) निरर्थक संख्या
- (C) केवल असंबद्ध सूची
- (D) फाइल-कक्ष

१८२४. आमक गाछी सन शीर्षकमे प्रकृति आ समाजक सम्बन्ध कोना उभरैत अछि?

- (A) गाछ केवल वनस्पति नहि, सामाजिक-सांस्कृतिक स्मृतिक केन्द्र बनैत अछि
- (B) प्रकृति अनुपस्थित रहैत अछि
- (C) समाजक कोनो अर्थ नहि
- (D) साहित्य असंभव होइत अछि

१८२५. अंक २७५क सामग्री २७१-२७४क गजल-विमर्शसँ कोन भिन्नता देखबैत अछि?

- (A) गजल-आलोचना सँ कथा/गद्य-रचना दिश मोड़
- (B) विषयक पूर्ण रिक्तता
- (C) भाषाक अभाव
- (D) केवल असंबद्ध सूचना

१८२६. “आमक गाछी” पाठकमे कोन तरहक भाव-संसार जगबैत अछि?

- (A) बाल्य-स्मृति, गामक अपनत्व, ऋतु, फल, छाँह आ लोक-संवाद
- (B) केवल प्रशासनिक आदेश
- (C) गणितीय सूत्र
- (D) खेलक परिणाम

१८२७. कथा-साहित्यमे गाछी जकाँ स्थानक प्रतीकात्मक महत्त्व की होइत अछि?

- (A) ओ जीवन, जड़, छाँह, फल आ सामुदायिक स्मृतिक प्रतीक बनि सकैत अछि
- (B) ओ केवल पृष्ठ-दोष अछि
- (C) ओ भाषा-विरोधी संकेत अछि
- (D) ओ रिक्त स्थान अछि

१८२८. अंक २७५मे रचनाकारक नामसँ सामग्री सूचित भेल अछि; एकर अर्थ की?

- (A) रचना विशेष आ लेखक-केंद्रित प्रस्तुति पर बल
- (B) लेखक अनुपस्थित अछि
- (C) विषय छिपाओल अछि
- (D) केवल सूची अछि

१८२९. “आमक गाछी” मे ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ भावनात्मक जीवनक सम्भावना किएक देखाइत अछि?

- (A) आमक गाछी फल, श्रम, ऋतु, पारिवारिक याद आ साझा उपयोगसँ जुड़ल होइत अछि
- (B) आमक गाछी समाजसँ असंबद्ध अछि
- (C) ओ केवल तकनीकी शब्द अछि
- (D) ओ निष्प्राण सूची अछि

१८३०. अंक २७५क समग्र संकेत की अछि?

- (A) मैथिली कथा-परंपरामे ग्रामीण प्रकृति, स्मृति आ मानव सम्बन्धक वापसी
- (B) गजल-विमर्शक यांत्रिक पुनरावृत्ति
- (C) साहित्य-विहीन अंक
- (D) केवल असंबद्ध संग्रह

खण्ड ७१० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २७१-२७५ : गजल-अध्ययन, वेब-पत्रकारिता आ कथा-संवेदना

१८३१. अंक २७१-२७५क क्रममे प्रमुख विषय-धारा कोन अछि?

- (A) गजल-अध्ययन, वेब पत्रकारिताक इतिहास आ कथा-संवेदना
- (B) केवल खेलक लेखा
- (C) केवल विज्ञापन-सूची
- (D) केवल असंबद्ध सूचना

१८३२. एहि पाँच अंकमे आशीष अनचिन्हारक योगदान कोन रूपेँ उभरैत अछि?

- (A) गजल-विमर्श आ वेब पत्रकारिताक इतिहासक आलोचनात्मक प्रस्तोता
- (B) केवल कथा-पात्र
- (C) खेल-विवेचक
- (D) चित्रकार मात्र

१८३३. अंक २७१ सँ २७४ धरि गजल-विषय कोना क्रमबद्ध होइत अछि?

- (A) व्याकरण-इतिहास, आगमन-प्रस्थानबिन्दु, आ प्रतिनिधि चयन
- (B) कृषि, व्यापार, खेल
- (C) केवल नाम-सूची
- (D) असंबद्ध संकेत

१८३४. अंक २७२ एहि क्रममे किएक अलग महत्व रखैत अछि?

- (A) ओ गजलसँ हटि मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास पर केन्द्रित अछि
- (B) ओ पूर्ण रिक्त अछि
- (C) ओ केवल बालगीत अछि
- (D) ओ कथा-संग्रह मात्र अछि

१८३५. अंक २७५ एहि क्रममे कोन साहित्यिक मोड़ दैत अछि?

- (A) आलोचनात्मक/इतिहासपरक विषयसँ कथा-प्रकृति आ ग्रामीण संवेदना दिस
- (B) विषयक अंत
- (C) भाषा-विराम
- (D) केवल प्रशासनिक सूचना

१८३६. २७१-२७५क सामग्री मैथिली साहित्यिक अध्ययन लेल कोन व्यापक संदेश दैत अछि?

- (A) विधा-आलोचना, डिजिटल इतिहास आ रचनात्मक कथा — तीनू जरूरी अछि
- (B) केवल एक विधा पर्याप्त अछि
- (C) इतिहास अप्रासंगिक अछि
- (D) डिजिटल मंच निरर्थक अछि

१८३७. गजल-विमर्शक तीन चरण २७१, २७३, २७४मे कोना देखाइत अछि?

- (A) रूप-नियम, आरम्भ-दिशा, आ प्रतिनिधि रचनाक चयन
- (B) फोटो, रंग, विज्ञापन
- (C) नाटक, खेल, व्यापार
- (D) मौन, रिक्तता, विराम

१८३८. वेब पत्रकारिताक इतिहास आ गजल इतिहास एक संग पढ़लासँ कोन बोध होइत अछि?

- (A) मैथिलीमे विधागत परंपरा आ डिजिटल मंच दुनूक दस्तावेजीकरण जरूरी अछि
- (B) दुनू असंबद्ध आ निरर्थक अछि
- (C) साहित्यिक कोनो इतिहास नहि
- (D) भाषा केवल मौखिक अछि

१८३९. “नव संस्करण” शब्द २७१-२७४मे बारंबार देखलासँ कोन प्रवृत्ति स्पष्ट अछि?

- (A) पुरान अध्ययनकेँ सुधारि अद्यतन करबाक आलोचनात्मक सजगता
- (B) कहियो पुनर्विचार नहि
- (C) विषय छोड़्यबाक प्रवृत्ति
- (D) एकरूपता मात्र

१८४०. २७१-२७५क समेकित परिप्रेक्ष्य कोन निष्कर्ष दैत अछि?

- (A) विदेह अंकसभ मैथिली साहित्यकेँ इतिहास, माध्यम, विधा आ लोक-संवेदना सहित दर्ज करैत चलैत अछि
- (B) विदेहमे साहित्यिक अभाव अछि
- (C) केवल तकनीकी निर्देश अछि
- (D) संपूर्ण क्रम असंबद्ध अछि

खण्ड ७११ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २७६ : जगदीश प्रसाद मण्डल — दिवालीक दीप

१८४१. अंक २७६मे मुख्य रचनाकार आ रचना-शीर्षक रूपमे कोन जोड़ी देखाइत अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — दिवालीक दीप
- (B) आशीष अनचिन्हार — गजल
- (C) उमेश मण्डल — आलोचना
- (D) प्रदीप पुष्प — गजल

१८४२. 'दिवालीक दीप' शीर्षक कथात्मक संकेतक रूपमे कोन भावभूमि खोलैत अछि?

- (A) प्रकाश, पर्व आ लोक-जीवनक अर्थ-संवेदना
- (B) केवल युद्ध-इतिहास
- (C) नगर-यातायातक नियम
- (D) वैज्ञानिक गणना मात्र

१८४३. जगदीश प्रसाद मण्डलक रचना २७६मे विदेहक कोन निरन्तरतासँ जुड़ैत अछि?

- (A) ग्राम्य कथा आ लोक-अनुभवक निरन्तरता
- (B) केवल अनुवाद-सूची
- (C) निरर्थक विज्ञापन
- (D) भाषा-बाह्य सूचना

१८४४. 'दीप' बिम्ब कथा-संदर्भमे कोन प्रतीक बनि सकैत अछि?

- (A) अन्हारमे मूल्य, स्मृति आ आशाक प्रतीक
- (B) धनगणनाक मात्र उपकरण
- (C) नदीक प्रवाह मात्र
- (D) यन्त्रक पुर्जा

१८४५. अंक २७६क आरम्भमे एक प्रमुख रचना देल जाएब कोन सम्पादकीय संकेत दैत अछि?

- (A) कथा-केंद्रित अंक-संरचनाक संकेत
- (B) प्रशासनिक आदेशक संकेत
- (C) परीक्षा-तालिकाक संकेत
- (D) केवल चित्र-संग्रहक संकेत

१८४६. 'दिवालीक दीप' सन शीर्षक पाठककेँ कोन प्रकारक प्रश्न दिस लऽ जाइत अछि?

- (A) पर्वक बाह्य उजास आ भीतरक सामाजिक अन्हारक सम्बन्ध
- (B) रेलगाड़ीक समय-सारिणी
- (C) कम्प्यूटरक स्मृति-क्षमता
- (D) क्रीड़ा-नियम

१८४७. विदेहक २७६म अंकमे जगदीश प्रसाद मण्डलक उपस्थिति कोन बातकेँ पुष्ट करैत अछि?

- (A) पत्रिकामे कथाकारक सतत उपस्थिति आ लोकविषयक रुचि
- (B) पत्रिकाक साहित्य-विमुखता
- (C) केवल संस्थागत सूचना
- (D) भाषाक परित्याग

१८४८. दिवाली सन पर्वक कथामे सामाजिक आलोचनाक सम्भावना किएक रहैत अछि?

- (A) पर्व उजासक संग असमानता, आडम्बर आ मनुष्यक व्यवहार सेहो देखबैत अछि
- (B) पर्वमे कोनो लोक-संदर्भ नहि रहैत अछि
- (C) साहित्य पर्वसँ अलग रहैत अछि
- (D) कथा केवल गणित होइत अछि

१८४९. अंक २७६कें २७७-२८०क सन्दर्भमे पढ़लासँ कोन प्रवृत्ति स्पष्ट होइत अछि?

- (A) कथा, गजल, आलोचना आ अभिलेखीय स्मृति एक संग चलैत अछि
- (B) रचनात्मक साहित्य समाप्त होइत अछि
- (C) केवल तिथि-सूची बनैत अछि
- (D) भाषा-संवाद टूटैत अछि

१८५०. 'दिवालीक दीप'क पाठकीय केन्द्र कोन तरहक होएबाक संभावना अछि?

- (A) लोक-संस्कारक बीच मनुखक नैतिक स्थिति
- (B) यन्त्र-निर्माणक तकनीक
- (C) दूरभाष-संख्या
- (D) खेलक परिणाम

खण्ड ७१२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २७६ : विशेषांक-सूची, अभिलेखीय चेतना आ साहित्यिक स्मृति

१८५१. अंक २७६मे पुरान अंकक डाउनलोड-सूची दिस संकेत ककर परिचय दैत अछि?

- (A) विदेहक अभिलेखीय चेतना आ स्मृति-संरक्षण
- (B) केवल पृष्ठ-सज्जा
- (C) प्रश्न-पत्र प्रकाशन
- (D) व्यापारिक विज्ञापन

१८५२. हाइकू, गजल, बीहनि कथा आ बाल-साहित्य विशेषांकक उल्लेख कोन व्यापकता देखबैत अछि?

- (A) विधा-विविधता आ पाठक-वर्गक विस्तार
- (B) केवल एक विधाक आग्रह
- (C) साहित्य-विरोध
- (D) स्मृति-विस्मरण

१८५३. विशेषांक-सूचीकें साहित्यिक इतिहासक सामग्री मानबाक कारण की?

- (A) ई बतबैत अछि जे कोन विधा पर कहिया सामूहिक ध्यान देल गेल
- (B) ई केवल सजावटी रेखा अछि
- (C) ई भाषा-विरुद्ध सूचना अछि
- (D) ई कथा-विनाशक संकेत अछि

१८५४. गजल विशेषांकक उल्लेख विदेहक कोन दीर्घ रुचिसँ जुड़ैत अछि?

- (A) मैथिली गजल-विधाक विकास आ दस्तावेजीकरण
- (B) गद्यक पूर्ण अस्वीकार
- (C) चित्रकला-मात्र
- (D) नाट्यशाला-मात्र

१८५५. बाल-साहित्य विशेषांकक उल्लेख की स्पष्ट करैत अछि?

- (A) विदेह केवल प्रौढ़ पाठक नहि, बाल-पाठकक साहित्य-संस्कारक प्रति सेहो सजग अछि
- (B) बाल-साहित्य अप्रासंगिक अछि
- (C) पत्रिका केवल राजनीति छापैत अछि
- (D) कथा निषिद्ध अछि

१८५६. बीहनि कथा विशेषांकक उल्लेख कोन विधागत पक्षकें बल दैत अछि?

- (A) लघु कथात्मक रूप आ तीक्ष्ण कथ्यक महत्त्व
- (B) केवल दीर्घ महाकाव्य
- (C) भाषा-व्याकरण मात्र
- (D) गणनात्मक आँकड़ा

१८५७. पुरान विशेषांकक सूची पाठककेँ कोन प्रकारक अध्ययन-पद्धति दिस नेने जाइत अछि?

- (A) विषय-आधारित पुनर्पाठ आ तुलनात्मक अध्ययन
- (B) सामग्री विस्मरण
- (C) केवल बाह्य आवरण
- (D) निरक्षर अभ्यास

१८५८. अंक २७६मे अभिलेख-संरक्षणक उपस्थिति साहित्यिक आन्दोलन लेल किएक आवश्यक अछि?

- (A) आन्दोलनक स्मृति, स्रोत आ क्रमबद्ध विकास सुरक्षित रहैत अछि
- (B) साहित्यिक नाश होइत अछि
- (C) लेखनक अर्थ घटैत अछि
- (D) विधा अस्पष्ट होइत अछि

१८५९. विशेषांक-सूची आ 'दिवालीक दीप' एके अंकमे रहबाक व्यापक अर्थ की?

- (A) वर्तमान रचना आ पुरान साहित्यिक स्मृति संग-संग चलैत अछि
- (B) वर्तमान आ इतिहासक सम्बन्ध टूटैत अछि
- (C) अंकमे कोनो साहित्य नहि
- (D) केवल प्रशासनिक लेखा

१८६०. विदेहक पुरान अंक उल्लेख सम्पादकीय दृष्टिसँ कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) स्वयं अपन साहित्यिक परम्पराकेँ उपलब्ध आ पुनर्पाठ्य बनयबाक आग्रह
- (B) आत्मविस्मृति
- (C) विधा-निरपेक्ष उदासीनता
- (D) भाषा-त्याग

खण्ड ७१३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २७७ : अपन लोक, आमक गाछी आ ग्राम्य संवेदना

१८६१. अंक २७७क गद्य-खंडमे 'अपन लोक' ककर नामसँ देल अछि?

- (A) केशव भारद्वाज
- (B) प्रदीप पुष्प
- (C) नन्द विलास राय
- (D) नागेश कुमार

१८६२. 'अपन लोक' शीर्षक कोन संवेदनाकेँ केन्द्रमे राखैत अछि?

- (A) समुदाय, आत्मीयता आ लोक-सम्बन्ध
- (B) बाजार-दर
- (C) यन्त्र-प्रयोग
- (D) विदेशी मानचित्र

१८६३. अंक २७७मे जगदीश प्रसाद मण्डलक कोन रचना देखाइत अछि?

- (A) आमक गाछी
- (B) दिवालीक दीप
- (C) पाइक इज्जत
- (D) धनवान

१८६४. 'आमक गाछी' शीर्षक ग्रामीण जीवनक कोन प्रतीक प्रस्तुत करैत अछि?

- (A) बाग, स्मृति, पीढ़ी आ ग्राम्य अपनत्व
- (B) कारखाना-मात्र
- (C) न्यायालय-मात्र
- (D) नाविक-यात्रा

१८६५. 'अपन लोक' आ 'आमक गाछी' एक संग पढ़लासँ कोन साझा भावभूमि बनैत अछि?

- (A) लोक-सम्बन्ध आ ग्रामीण स्मृतिक भावभूमि
- (B) नगरक मशीन-दुनिया
- (C) युद्ध-नीति
- (D) गणितीय प्रमाण

१८६६. अंक २७७मे गद्य-रचनाक क्रम ककर ओर झुकैत अछि?

- (A) समाज, लोकजीवन, इतिहास आ ग्राम्य कथ्य
- (B) केवल क्रीड़ा
- (C) अंकीय तालिका
- (D) प्रयोगशाला-नियम

१८६७. जगदीश प्रसाद मण्डलक 'आमक गाछी' विदेहक पूर्व-पश्चात् क्रमसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) ओकर कथा-संसार २७५क बाद २७७मे फेर लोक-जीवनक प्रसंग अनैत अछि
- (B) ओ केवल पद्य लिखैत छथि
- (C) ओकर नाम अनुपस्थित अछि
- (D) एहि क्रममे कथा नहि अछि

१८६८. ग्राम्य शीर्षक सभ मैथिली साहित्यक कोन विशेषता रेखांकित करैत अछि?

- (A) स्थानीय भूगोल आ लोक-स्मृति साहित्यिक अर्थ बनैत अछि
- (B) स्थानीयता सदा बाधक अछि
- (C) ग्राम्य जीवन साहित्यसँ बाहर अछि
- (D) भाषा केवल राजकीय अछि

१८६९. २७७क गद्य-खंडमे लेखक-नाम सहित शीर्षक देल जाएब पाठक लेल की उपयोगी करैत अछि?

- (A) लेखक, विधा आ विषयक तुरन्त पहचान
- (B) प्रश्नोत्तरक समाप्ति
- (C) स्रोत-विस्मरण
- (D) साहित्य-विराम

१८७०. 'अपन लोक'क अवधारणा मैथिली साहित्यिक दृष्टिसँ किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषा अपन लोक-समुदायक अनुभवसँ जीवित रहैत अछि
- (B) लोक-अनुभव अनावश्यक अछि
- (C) भाषा केवल शब्दकोश अछि
- (D) साहित्यक समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि

खण्ड ७१४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २७७ : विद्यापतिकालीन मिथिलाक कृषि, सोनसार आ पद्य-संसार

१८७१. अंक २७७मे डॉ. बटेश्वर झाक लेख कोन विषय पर अछि?

- (A) विद्यापतिकालीन मिथिलाक कृषि
- (B) हिंदी फिल्मी गीतमे बहर
- (C) मैथिली वेब पत्रकारिता
- (D) पाइक इज्जत

१८७२. 'विद्यापतिकालीन मिथिलाक कृषि' शीर्षक साहित्यिक अध्ययनमे की जोड़ैत अछि?

- (A) इतिहास, समाज आ अर्थजीवनक पृष्ठभूमि
- (B) केवल काल्पनिक खेल
- (C) समकालीन विज्ञापन
- (D) दूरभाष सूचना

१८७३. अंक २७७मे दुर्गानन्द मण्डलक गद्य-शीर्षक की अछि?

- (A) सोनसार
- (B) धनवान
- (C) सरस्वती वन्दना
- (D) झार

१८७४. अंक २७७क पद्य-खंडमे आशीष अनचिन्हारक कोन उपस्थिति अछि?

- (A) दूटा गजल
- (B) एकटा संस्मरण
- (C) कृषि-लेख
- (D) लघुकथा

१८७५. नन्द विलास राय ककर शीर्षकसँ २७७मे उपस्थित छथि?

- (A) सरस्वती वन्दना
- (B) एन.पी.एस.
- (C) कुर्सी
- (D) दिवालीक दीप

१८७६. रामदेव प्रसाद मण्डल 'झारखंड'क पद्य-शीर्षक कोन अछि?

- (A) झार
- (B) धनवान
- (C) हिरो
- (D) आमक गाछी

१८७७. कृषि-इतिहास आ पद्यक संयोग २७७मे कोन व्यापकता दैत अछि?

- (A) जीवन-इतिहास आ काव्य-संवेदना एके अंकमे उपस्थित होइत अछि
- (B) पद्य हटि जाइत अछि
- (C) इतिहासक अस्वीकार होइत अछि
- (D) कथा मात्र बचैत अछि

१८७८. 'सरस्वती वन्दना' शीर्षक कोन सांस्कृतिक परम्परासँ जुड़ैत अछि?

- (A) विद्या, वाणी आ देवी-उपासना
- (B) कृषि-कर मात्र
- (C) व्यापारिक करार
- (D) दूरसंचार

१८७९. 'सोनसार' सन शीर्षक गद्य-सूचीमे रहबाक कारण पाठक की अपेक्षा कऽ सकैत अछि?

- (A) सामाजिक वा लोक-जीवनक रूपकात्मक कथ्य
- (B) कम्प्यूटर कोड
- (C) मौसम-पूर्वानुमान
- (D) खेल-स्कोर

१८८०. अंक २७७क समग्र संरचना कोना देखाइत अछि?

- (A) गद्य मे लोक-इतिहास, पद्य मे गजल-वन्दना-झारक विविधता
- (B) केवल एक लेखकक लेख
- (C) साहित्य-विहीन सूची
- (D) प्रयोगशालाक विवरण

खण्ड ७१५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २७८ : हिंदी फिल्मी गीतमे बहर-५ आ साहित्यिक शिल्प

१८८१. अंक २७८मे आशीष अनचिन्हारक लेख कोन शृंखलासँ जुड़ल अछि?

- (A) हिंदी फिल्मी गीतमे बहर-५
- (B) मैथिली साहित्य-रचनाक क्षेत्र
- (C) दिवालीक दीप
- (D) श्रीरामचरितमानस

१८८२. 'बहर' पर चर्चा गजल वा गीत-अध्ययनमे की महत्त्व रखैत अछि?

- (A) छन्द, लय आ मात्रिक अनुशासन बुझयबा लेल
- (B) केवल लेखकक फोटो देखयबा लेल
- (C) कथा-पात्र गनयबा लेल
- (D) स्थान-सूची बनयबा लेल

१८८३. हिंदी फिल्मी गीतमे बहर खोजबाक साहित्यिक लाभ की?

- (A) लोकप्रिय गीतक शिल्प आ छन्द-बोधकें समझल जा सकैत अछि
- (B) लोकप्रिय गीत साहित्यसँ बाहर भऽ जाइत अछि
- (C) छन्द अप्रासंगिक सिद्ध होइत अछि
- (D) केवल ध्वनि-यन्त्रक चर्चा होइत अछि

१८८४. 'बहर-५' शब्द शृंखला-स्वरूपक कोन संकेत दैत अछि?

- (A) विषय पर क्रमिक आ विस्तृत अध्ययन जारी अछि
- (B) एक पंक्तिक टिप्पणी मात्र अछि
- (C) अचानक समाप्ति अछि
- (D) लेखक-विहीन लेख अछि

१८८५. अंक २७८मे संपादकीय संदेशक उपस्थिति की करैत अछि?

- (A) अंकक विचार-दिशा आ पाठक-संवादक प्रारम्भ करैत अछि
- (B) साहित्य हटबैत अछि
- (C) गद्य बंद करैत अछि
- (D) पद्य निषिद्ध करैत अछि

१८८६. गीतमे बहरक अध्ययन मैथिली पाठक लेल किएक उपयोगी अछि?

- (A) ओ अपन कविता-गजलमे लय-शिल्पक अनुशासन बुझि सकैत अछि
- (B) ओ भाषा छोड़ि दैत अछि
- (C) ओ कथा पढ़ब बंद करैत अछि
- (D) ओ केवल चित्र देखैत अछि

१८८७. हिंदी फिल्मी गीतक उदाहरणसँ बहर बुझाएबाक पद्धति कोन गुण रखैत अछि?

- (A) लोकप्रिय उदाहरणसँ जटिल छन्दविषय सरल बनैत अछि
- (B) विषय आओर अज्ञेय बनैत अछि
- (C) पाठक-दूरी बढ़ैत अछि
- (D) साहित्य समाप्त होइत अछि

१८८८. अंक २७८क बहर-लेख पूर्ववर्ती गजल-विमर्शसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) गजल-गीतक रूप-विधान, लय आ अनुशासनक चर्चा आगू बढ़बैत अछि
- (B) गजल-विमर्श छोड़ि दैत अछि
- (C) केवल कथा बनैत अछि
- (D) भाषा-अध्ययन रोकैत अछि

१८८९. 'हिंदी फिल्मों गीतमे बहर' शीर्षकमे भाषिक-सांस्कृतिक सेतु कोना बनैत अछि?

- (A) मैथिली मंच पर हिंदी गीतक छन्द-पक्षक आलोचनात्मक अध्ययन होइत अछि
- (B) दुनू भाषा अलगावमे राखल जाइत अछि
- (C) गीत-विचार असम्भव बनैत अछि
- (D) छन्दक विरोध होइत अछि

१८९०. अंक २७८क एहि लेखक केवल मनोरंजन नहि, अध्ययन किएक मानल जाए?

- (A) ई गीतक भीतरक छन्द-संरचना आ विधागत नियम पर विचार करैत अछि
- (B) ई केवल चित्र-प्रदर्शन अछि
- (C) ई पत्राचार सूची अछि
- (D) ई कोई खेल-रिपोर्ट अछि

खण्ड ७१६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २७८ : एन.पी.एस., संस्मरण, कुर्सी आ पद्य

१८९१. अंक २७८मे प्रणव झाक लघुकथा कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) एन.पी.एस.
- (B) आमक गाछी
- (C) पाइक इज्जत
- (D) सरस्वती वन्दना

१८९२. लघुकथा 'एन.पी.एस.' शीर्षक पाठकमे कोन प्रकारक जिज्ञासा जगबैत अछि?

- (A) आधुनिक संक्षिप्त नाम आ सामाजिक व्यंग्यक सम्भावना
- (B) केवल प्राचीन आख्यान
- (C) मौसम-विज्ञान
- (D) चित्रकला-प्रशिक्षण

१८९३. अंक २७८मे डॉ. बटेश्वर झाक कोन विधा-शीर्षक देखाइत अछि?

- (A) संस्मरण
- (B) गजल
- (C) लघुकथा
- (D) वन्दना

१८९४. संस्मरण विधा साहित्यिक इतिहासमे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) व्यक्तिगत स्मृति द्वारा समय, व्यक्ति आ समाजक अनुभव सुरक्षित करैत अछि
- (B) स्मृति हटबैत अछि
- (C) कथा निषिद्ध करैत अछि
- (D) छन्द-मात्र गनैत अछि

१८९५. अंक २७८मे पूनम झाक बीहनि कथा कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) कुर्सी
- (B) धनवान
- (C) झार
- (D) दिवालीक दीप

१८९६. 'कुर्सी' शीर्षक बीहनि कथामे कोन प्रतीक बनि सकैत अछि?

- (A) सत्ता, पद, लोभ वा सामाजिक प्रतिष्ठाक प्रतीक
- (B) फूलक सुगन्ध मात्र
- (C) जलतरंग
- (D) खेतीक बीज

१८९७. २७८क पद्य-खंडमे नन्द विलास राय ककर संग उपस्थित छथि?

- (A) धनवान
- (B) सरस्वती वन्दना
- (C) हिरो
- (D) पाइक इज्जत

१८९८. २७८मे रामदेव प्रसाद मण्डल 'झारखंड'क कोन पद्य-शीर्षक फेर देखाइत अछि?

- (A) झार
- (B) धनवान
- (C) एन.पी.एस.
- (D) कुर्सी

१८९९. एन.पी.एस., संस्मरण आ कुर्सी एके अंकमे रहबाक अर्थ की?

- (A) आधुनिकता, स्मृति आ सामाजिक प्रतीक पर विविध गद्य-संवाद
- (B) केवल एकरस पद्य
- (C) साहित्यहीन सूची
- (D) नाटकक मंच-निर्देश

१९००. अंक २७८क समग्र रूप कोन बातक उदाहरण अछि?

- (A) छन्द-विमर्श, लघुकथा, संस्मरण, बीहनि कथा आ पद्यक मिश्रित अंक
- (B) केवल पुरान अंकर सूची
- (C) केवल चित्रावली
- (D) एकल लेखक विशेष

खण्ड ७१७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २७९ : मृणालिनिक बीहनि कथा आ आशीष अनचिन्हारक गजल

१९०१. अंक २७९क प्रथम प्रमुख सामग्री कोन रूपमे देल अछि?

- (A) मृणालिनिक किछु बीहनि कथा
- (B) हाइकू विशेषांक
- (C) विद्यापतिकालीन कृषि
- (D) मैथिली वेब पत्रकारिता

१९०२. बीहनि कथा विधाक प्रमुख गुण की मानल जाए?

- (A) छोट आकारमे तीक्ष्ण कथ्य आ प्रभाव
- (B) दीर्घ उपन्यासक विस्तार मात्र
- (C) गीतक मात्रिक गणना
- (D) आलेखक फुटनोट

१९०३. मृणालिनिक बीहनि कथा अंक २७९मे कोन संकेत दैत अछि?

- (A) स्त्री रचनाकारक लघु-कथा उपस्थिति आ कथात्मक विस्तार
- (B) कथा-विधाक अनुपस्थिति
- (C) गजल-विमर्शक समाप्ति
- (D) अभिलेखक नाश

१९०४. अंक २७९मे आशीष अनचिन्हारक कोन विधा उपस्थित अछि?

- (A) गजल
- (B) संस्मरण
- (C) कृषि-लेख
- (D) उपन्यास

१९०५. बीहनि कथा आ गजल एके अंकमे रहबाक साहित्यिक अर्थ की?

- (A) लघु गद्य आ लयात्मक पद्य, दुनू संक्षिप्त प्रभावक विधा संग-संग चलैत अछि
- (B) दुनू एक दोसरकेँ हटबैत अछि
- (C) गद्यक निषेध होइत अछि
- (D) पद्यक अभाव होइत अछि

१९०६. आशीष अनचिन्हारक गजल उपस्थिति २७७-२८० क्रममे कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) गजल-विधाक सतत उपस्थिति
- (B) गजल-विधाक पूर्ण अनुपस्थिति
- (C) केवल कृषि-विषय
- (D) बाल-साहित्य मात्र

१९०७. 'किछु बीहनि कथा' शीर्षकमे 'किछु' शब्द कोन पाठकीय अपेक्षा बनबैत अछि?

- (A) एकाधिक लघु-कथात्मक अनुभवक संग्रह
- (B) केवल एक दीर्घ कथा
- (C) एक भाषण मात्र
- (D) निरर्थक रिक्तता

१९०८. २७९क प्रथम दू सामग्रीक आधार पर अंकक केन्द्रीय स्वभाव कोन लगैत अछि?

- (A) लघु-रूपक रचनात्मकता — बीहनि कथा आ गजल
- (B) विशेषांक-सूची मात्र
- (C) दस्तावेजी इतिहास मात्र
- (D) तकनीकी तालिका

१९०९. बीहनि कथाक प्रभाव गजलक प्रभावसँ कोना तुलनीय अछि?

- (A) दुनू संक्षेपमे अर्थक तीव्रता पैदा करैत अछि
- (B) दुनू केवल लंबाई बढ़बैत अछि
- (C) दुनूमे लय नहि होइत अछि
- (D) दुनू साहित्य नहि

१९१०. अंक २७९ विदेहक रचनात्मक मंचक रूपमे कोन बात पुष्ट करैत अछि?

- (A) नव-पुरान विधा आ भिन्न रचनाकारक संक्षिप्त किन्तु प्रभावी उपस्थिति
- (B) केवल सम्पादकीय नोट
- (C) स्रोत-विहीन टिप्पणी
- (D) साहित्य-विरोध

खण्ड ७१८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २७९ : श्रीरामचरितमानस, भक्ति-संस्कृति आ बीहनि कथा

१९११. अंक २७९मे नागेश कुमार प्रेषित आशुतोषक सामग्री कोन शीर्षकसँ जुड़ल अछि?

- (A) श्रीरामचरितमानस
- (B) दिवालीक दीप
- (C) धनवान
- (D) एन.पी.एस.

१९१२. 'श्रीरामचरितमानस'क उपस्थिति अंक २७९मे कोन सांस्कृतिक दिशा खोलैत अछि?

- (A) भक्ति, आख्यान आ सांस्कृतिक पाठ-परम्परा
- (B) केवल आधुनिक पेंशन-विषय
- (C) ग्राम्य बाग
- (D) गजल-बहर मात्र

१९१३. बीहनि कथा, गजल आ श्रीरामचरितमानस एके अंकमे रहबाक अर्थ की?

- (A) आधुनिक लघु-रचना आ परम्परागत भक्ति-आख्यानक सहअस्तित्व
- (B) परम्परा पूर्ण अनुपस्थित अछि
- (C) आधुनिकता हटि जाइत अछि
- (D) कथा असम्भव बनैत अछि

१९१४. श्रीरामचरितमानस पर सामग्री मैथिली पाठक लेल किएक उपयोगी होइत अछि?

- (A) भाषा-प्रदेशक भक्ति-संस्कार आ तुलनात्मक साहित्य-बोध बढ़बैत अछि
- (B) भाषा-साहित्यसँ काटि दैत अछि
- (C) कथा-विरोध करैत अछि
- (D) केवल आँकड़ा प्रस्तुत करैत अछि

१९१५. अंक २७९क तीन शीर्षक मिलि कोन त्रयी बनबैत अछि?

- (A) लघुकथा, गजल, भक्ति-आख्यान
- (B) खेल, व्यापार, मौसम
- (C) यन्त्र, मानचित्र, कर
- (D) पत्राचार, फोटो, पृष्ठ

१९१६. भक्ति-ग्रंथक आधुनिक पत्रिका-अंकमे उपस्थिति ककर संकेत दैत अछि?

- (A) परम्पराक नवी पाठकीय पुनर्स्थापना
- (B) परम्परा-विस्मरण
- (C) साहित्यिक अन्त
- (D) भाषा-विरोध

१९१७. श्रीरामचरितमानस-संबंधित शीर्षक २७९मे बीहनि कथा सँ कोना भिन्न अछि?

- (A) एक परम्परागत महाकाव्यात्मक/भक्ति आख्यान दिस, दोसर आधुनिक लघु-कथा दिस संकेत करैत अछि
- (B) दुनू केवल दूरभाष-सूची अछि
- (C) दुनू साहित्य-विहीन अछि
- (D) दुनू गद्य नहि

१९१८. अंक २७९मे सांस्कृतिक पाठ आ लघु रचनाक संगति मैथिली साहित्यिक कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) विस्तृत परम्परा आ आधुनिक प्रयोग एक संग रहि सकैत अछि
- (B) केवल एक रूप स्वीकार्य अछि
- (C) परम्परा आ प्रयोग दुश्मन अछि
- (D) भाषा केवल प्रशासन अछि

१९१९. नागेश कुमार प्रेषित आशुतोषक शीर्षक पाठककें कोन प्रकारक विमर्श दिस लऽ जाइत अछि?

- (A) धार्मिक-सांस्कृतिक आख्यानक साहित्यिक पाठ
- (B) केवल ग्रामीण बाग
- (C) आधुनिक पेंशन-व्यंग्य
- (D) कुर्सीक प्रतीक

१९२०. २७९क समेकित पाठकीय निष्कर्ष की?

- (A) अंक लघु-कथा, गजल आ भक्ति-संस्कृति मार्फत विविध साहित्यिक रस दैत अछि
- (B) अंकमे कोनो विविधता नहि
- (C) अंक केवल archive सूचना अछि
- (D) साहित्यिक सामग्री अनुपस्थित अछि

खण्ड ७१९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २८० : प्रदीप पुष्पकक गजल, उमेश मण्डलक आलोचना आ आशीषक गजल

१९२१. अंक २८०मे प्रदीप पुष्पकक कोन सामग्री देल अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) दिवालीक दीप
- (C) विद्यापतिकालीन कृषि
- (D) कुर्सी

१९२२. अंक २८०मे उमेश मण्डलक लेख कोन विषय पर अछि?

- (A) मैथिली साहित्य-रचनाक क्षेत्रमे जगदीश प्रसाद मण्डलक आगमन
- (B) हिंदी फिल्मी गीतमे बहर
- (C) श्रीरामचरितमानस
- (D) सरस्वती वन्दना

१९२३. 'मैथिली साहित्य-रचनाक क्षेत्रमे जगदीश प्रसाद मण्डलक आगमन' शीर्षक कोन विधा दैत अछि?

- (A) आलोचनात्मक/साहित्येतिहासिक लेख
- (B) लघु गजल
- (C) चित्र-सूची
- (D) दूरभाष-सूचना

१९२४. अंक २८०मे आशीष अनचिन्हारक कोन उपस्थिति अछि?

- (A) एकटा गजल
- (B) संस्मरण
- (C) कृषि-लेख
- (D) दिवालीक कथा

१९२५. प्रदीप पुष्पक आ आशीष अनचिन्हारक गजल एके अंकमे रहबाक अर्थ की?

- (A) गजल-विधाक बहु-रचनाकार उपस्थिति
- (B) गजल-विधाक अभाव
- (C) केवल नाटक
- (D) केवल आलोचना

१९२६. जगदीश प्रसाद मण्डलक साहित्यिक आगमन पर लेख २७६-२८० क्रममे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) क्योंकि एहि क्रममे हुनकर कथा-शीर्षकसभ सेहो उपस्थित छथि
- (B) क्योंकि हुनकर नाम अनुपस्थित अछि
- (C) क्योंकि कथा-विधा हटि गेल अछि
- (D) क्योंकि अंक केवल गीत पर अछि

१९२७. आलोचना आ रचना एके अंकमे रहबाक पाठकीय लाभ की?

- (A) पाठक रचनाकारक कृति आ ओकर साहित्यिक परिप्रेक्ष्य दुनू बुझि सकैत अछि
- (B) पाठक केवल नाम देखैत अछि
- (C) रचना समाप्त होइत अछि
- (D) विमर्श असम्भव होइत अछि

१९२८. गजल-सामग्री २८०मे कोन साहित्यिक प्रवृत्ति जारी रखैत अछि?

- (A) पूर्व अंकोंमे चलि रहल गजल-विमर्श आ रचनात्मक प्रयोग
- (B) गजल-विरोध
- (C) साहित्यिक मौन
- (D) केवल गद्यक आग्रह

१९२९. उमेश मण्डलक लेख शीर्षकमे 'आगमन' शब्द कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) रचनाकारक साहित्यिक प्रवेश आ प्रभावक चर्चा
- (B) किसी स्थानक पता
- (C) रेलयात्रा
- (D) क्रीड़ा-दल

१९३०. अंक २८०क आरम्भिक सामग्री कोना संतुलित अछि?

- (A) गजल, आलोचना, गजल आ लघुकथा — रचना आ विमर्श दुनू
- (B) केवल पुरान अंकर सूची
- (C) केवल बालगीत
- (D) केवल नाटक

खण्ड ७२० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २८० : पाइक इज्जत आ अंक २७६-२८०क समेकित परिप्रेक्ष्य

१९३१. अंक २८०मे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) पाइक इज्जत
- (B) आमक गाछी
- (C) दिवालीक दीप
- (D) सोनसार

१९३२. 'पाइक इज्जत' शीर्षकमे 'पाइ' कोन सामाजिक प्रश्न खोलैत अछि?

- (A) धन, प्रतिष्ठा आ मानवीय मूल्यक सम्बन्ध
- (B) प्रकृतिक फूल
- (C) कृषि-बीज
- (D) देवी-वन्दना

१९३३. 'पाइक इज्जत' बीहनि/लघुकथा संसारसँ कोना जुडैत अछि?

- (A) छोट कथा-रूपमे सामाजिक व्यंग्य वा मूल्य-संघर्षक संकेत दैत अछि
- (B) केवल स्तुति-गीत अछि
- (C) छन्द-गणना मात्र अछि
- (D) भक्ति-ग्रन्थक अनुवाद अछि

१९३४. २७६मे 'दिवालीक दीप' आ २८०मे 'पाइक इज्जत' एक संग ककर कथा-संसार देखबैत अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक सामाजिक-लोकजीवनक कथा-संसार
- (B) आशीष अनचिन्हारक गजल मात्र
- (C) प्रदीप पुष्पकक गीत-संसार
- (D) नन्द विलास राय काव्य मात्र

१९३५. २७६-२८० क्रममे गजल-विधाक उपस्थिति कोना देखाइत अछि?

- (A) २७७, २७८, २७९ आ २८०मे गजल अथवा बहर-विमर्श बारंबार आवैत अछि
- (B) गजल एक बेरो नहि अछि
- (C) गजल केवल २७६मे अछि
- (D) गजल मंचसँ बाहर अछि

१९३६. २७७क कृषि-इतिहास आ २८०क साहित्यिक आगमन-लेख मिलि कोन अध्ययन-दिशा दैत अछि?

- (A) इतिहास, समाज आ रचनाकार-केन्द्रित आलोचनाक दिशा
- (B) केवल मनोरंजन
- (C) साहित्य-विस्मरण
- (D) भाषा-त्याग

१९३७. २७८क 'कुर्सी' आ २८०क 'पाइक इज्जत' मे साझा सामाजिक संकेत की अछि?

- (A) सत्ता, धन आ प्रतिष्ठाक आलोचनात्मक प्रतीक
- (B) केवल प्रकृति-वर्णन
- (C) बाल-खेल
- (D) भक्ति-पूजा

१९३८. २७९क 'श्रीरामचरितमानस' आ २७७क 'सरस्वती वन्दना' मे साझा सांस्कृतिक धरातल की अछि?

- (A) भक्ति, वाणी आ परम्परागत धार्मिक-सांस्कृतिक स्मृति
- (B) बाजार-लेखा
- (C) दूरभाष-सूची
- (D) क्रीड़ा-रिपोर्ट

१९३९. अंक २७६-२८०क समेकित पाठ मैथिली साहित्यक कोन रूप देखबैत अछि?

- (A) कथा, लघुकथा, गजल, आलोचना, संस्मरण, संस्कृति आ अभिलेखक बहुविध रूप
- (B) केवल एकरस प्रशासनिक लेख
- (C) साहित्य-विहीन संग्रह
- (D) भाषा-बाह्य दस्तावेज

१९४०. २७६-२८०क क्रमक मुख्य निष्कर्ष की?

- (A) विदेह लोकजीवन, विधा-विमर्श, सांस्कृतिक स्मृति आ साहित्यिक आलोचना केँ एक सतत मंच दैत अछि
- (B) विदेहक साहित्यिक यात्रा टूटि गेल
- (C) स्रोत केवल URL-सूची अछि
- (D) साहित्यिक सामग्री नजि अछि

खण्ड ७२१ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २८१ : प्रदीप पुष्पकक दू टा गजल आ आशीष अनचिन्हारक गजल

१९४१. अंक २८१क सामग्री-सूचीमे प्रदीप पुष्पकक कोन सामग्री देल अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) नाट्य कृतिक परिचय
- (C) औपन्यासिक कृति
- (D) लघुकथा-माला

१९४२. अंक २८१मे आशीष अनचिन्हारक कोन विधागत उपस्थिति देखाइत अछि?

- (A) एकटा गजल
- (B) एकटा नाटक
- (C) एकटा उपन्यास
- (D) एकटा कृषि-लेख

१९४३. प्रदीप पुष्पक आ आशीष अनचिन्हारक गजल एके अंकमे होएब कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) गजल-विधाक निरन्तर आ बहु-स्वर उपस्थिति
- (B) गजल-विधाक अनुपस्थिति
- (C) केवल कथा-विधाक आग्रह
- (D) साहित्यिक सामग्रीक विराम

१९४४. अंक २८१क गजल-सामग्री २७६-२८०क क्रमसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) पूर्व अंकोमे चलि रहल गजल-संसारकेँ आगू बढ़बैत अछि
- (B) पूर्व अंकोसँ पूर्ण विच्छेद करैत अछि
- (C) केवल बाल-पाठ दिस मुड़ैत अछि
- (D) केवल अनुवाद-सूची बनैत अछि

१९४५. गजल-विधा पत्रिका-संरचनामे की भूमिका निभबैत देखाइत अछि?

- (A) लय, संवेदना आ समकालीन स्वरक साहित्यिक स्थान
- (B) केवल पता-सूची
- (C) केवल खेल-समाचार
- (D) केवल सरकारी नियम

१९४६. 'दू टा गजल' शीर्षक पाठककें कोन बातक सूचना दैत अछि?

- (A) एके रचनाकारक एकसँ अधिक गजल उपलब्ध अछि
- (B) कृति केवल निबंध अछि
- (C) रचना चित्रमाला अछि
- (D) अंकमे गजल नहि अछि

१९४७. आशीष अनचिन्हारक 'एकटा गजल'क उपस्थिति कोन साहित्यिक निरन्तरता बनबैत अछि?

- (A) एहि क्रममे हुनकर गजल-लेखनक उपस्थिति
- (B) नाटक लेखनक अनिवार्य क्रम
- (C) कृषि इतिहासक शृंखला
- (D) उपन्यास समीक्षाक क्रम

१९४८. अंक २८१मे गजल आ गद्य-दुनू देल होएब कोन संपादकीय संतुलन देखबैत अछि?

- (A) पद्य आ आलोचनात्मक/कथात्मक सामग्रीक संतुलन
- (B) केवल एक विधाक बंद व्यवस्था
- (C) साहित्यिक अभाव
- (D) केवल सूचना-पत्र

१९४९. गजल शीर्षकसभक उपस्थितिकें मैथिली साहित्यिक मंच लेल किएक महत्त्वपूर्ण मानल जा सकैत अछि?

- (A) ई आधुनिक मैथिली पद्यक विविध प्रयोगकें जगह दैत अछि
- (B) ई भाषा-विमुखता देखबैत अछि
- (C) ई कथा हटबैत अछि
- (D) ई पाठक-संवाद रोक्कैत अछि

१९५०. अंक २८१क गजल-खंडक मुख्य संकेत की अछि?

- (A) समकालीन मैथिली गजलकें निरन्तर स्थान
- (B) संपूर्ण अंक केवल नाटक अछि
- (C) कथा-साहित्यिक नाश
- (D) केवल संपर्क-सूचना

खण्ड ७२२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २८१ : 'भकमोड़'मे परिवर्तनक स्वर आ सुखिमानी जिनगी

१९५१. अंक २८१मे उमेश मण्डलक लेख कोन विषयसँ जुड़ल अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'भकमोड़'मे परिवर्तनक स्वर
- (B) सरस्वती वन्दना
- (C) गीतांजलि
- (D) दू टा गजल मात्र

१९५२. 'भकमोड़'मे परिवर्तनक स्वर शीर्षक कोन अध्ययन-दिशा खोलैत अछि?

- (A) रचनाक भीतर सामाजिक बदलाव आ चेतनाक विवेचन
- (B) केवल छन्द-गणना
- (C) केवल यात्रा-वर्णन
- (D) केवल बाल-खेल

१९५३. अंक २८१मे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) सुखिमानी जिनगी
- (B) बाबाकबाग-बगिया
- (C) गीतांजलि
- (D) नाट्य कृतिक परिचय

१९५४. 'सुखिमानी जिनगी' शीर्षक कोन भावभूमि बनबैत अछि?

- (A) जिनगी, सुख-बोध आ मानवीय स्थिति पर सोच
- (B) केवल राजकीय आदेश
- (C) केवल गणितीय प्रमाण
- (D) केवल नक्शा-पाठ

१९५५. उमेश मण्डलक आलोचना आ जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा एके अंकमे रहबाक लाभ की?

- (A) रचनाकारक कृति आ ओकर आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य साथे बुझाईत अछि
- (B) कथा अनुपस्थित भऽ जाइत अछि
- (C) आलोचना असम्भव होइत अछि
- (D) पद्यक स्थान समाप्त होइत अछि

१९५६. 'परिवर्तनक स्वर' वाक्यांशमे कोन साहित्यिक संकेत अछि?

- (A) समाज, मनोवृत्ति वा मूल्य-परिवर्तनक पहचान
- (B) स्थिरता मात्र
- (C) सामग्री-सूची नहि
- (D) भाषा-विराम

१९५७. अंक २८१क गद्य-सामग्री मुख्यतः ककर साहित्यिक संसारक आसपास घूमैत अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक
- (B) प्रदीप पुष्पकक गजल मात्र
- (C) केवल अनाम संपादकीय
- (D) केवल विदेशी लेखन

१९५८. लघुकथा शीर्षक 'सुखिमानी जिनगी'मे 'जिनगी' शब्द कोन केन्द्र दैत अछि?

- (A) मानवीय जीवन-अनुभव
- (B) नाट्य-मंचक सजावट
- (C) खेतीक मात्र उपकरण
- (D) पत्रिकाक मूल्य-सूची

१९५९. अंक २८१क एहि खण्डसँ विदेहक कोन प्रवृत्ति स्पष्ट अछि?

- (A) रचना आ रचना-सम्बद्ध आलोचना एक साथ देबाक प्रवृत्ति
- (B) साहित्यिक विमर्शसँ दूरी
- (C) केवल विज्ञापन
- (D) केवल बाहरी सूचना

१९६०. २८१क समेकित पाठक मुख्य निष्कर्ष की?

- (A) गजल, आलोचना आ लघुकथा मिलि बहुविध साहित्यिक अंक बनबैत अछि
- (B) अंकमे साहित्य नहि अछि
- (C) अंक केवल संपर्क-सूची अछि
- (D) अंक केवल बाल-पाठ अछि

खण्ड ७२३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २८२ : गजल, औपन्यासिक कृति आ साहित्यिक विश्लेषण

१९६१. अंक २८२मे प्रदीप पुष्पक कोन सामग्री देल अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) एकटा नाटक
- (C) एकटा गीत-संग्रह
- (D) लघुकथा-बगिया

१९६२. अंक २८२मे उमेश मण्डलक लेखक विषय कोन अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक औपन्यासिक कृति
- (B) जगदीश प्रसाद मण्डलक नाट्य कृतिक संक्षिप्त परिचय
- (C) विद्यापतिकालीन कृषि
- (D) समयसँ पहिने चेत किसान

१९६३. 'औपन्यासिक कृति' शीर्षक कोन साहित्यिक विधा पर केन्द्रित अछि?

- (A) उपन्यास/कादम्बरीक आलोचनात्मक अध्ययन
- (B) गजल मात्र
- (C) लघु नाटक
- (D) बाल कविता

१९६४. अंक २८२मे आशीष अनचिन्हारक कोन सामग्री सूचीबद्ध अछि?

- (A) एकटा गजल
- (B) एकटा संस्मरण
- (C) एकटा नाटक
- (D) एकटा कृषि-लेख

१९६५. गजल आ औपन्यासिक कृति पर लेख एके अंकमे रहबाक अर्थ की?

- (A) पद्य आ दीर्घ गद्य-विधा दुनूक संवाद
- (B) केवल एकरूप सामग्री
- (C) गद्यक अभाव
- (D) पद्यक निषेध

१९६६. जगदीश प्रसाद मण्डलक औपन्यासिक कृति पर चर्चा विदेहक कोन रुचि देखबैत अछि?

- (A) रचनाकारक दीर्घ गद्य-संसारकेँ आलोचनात्मक ढंगसँ देखबाक रुचि
- (B) केवल शीर्षक-संग्रह
- (C) साहित्यिक आलोचनाक अभाव
- (D) भाषा-विमुखता

१९६७. अंक २८२मे प्रदीप पुष्पक आ आशीष अनचिन्हार दुनू गजलसँ कोना जुड़ैत छथि?

- (A) एकजना दू गजल आ दोसर एकटा गजलसँ उपस्थित छथि
- (B) दुनू नाटककार रूपमे मात्र छथि
- (C) दुनू केवल उपन्यासकार रूपमे छथि
- (D) दुनूक नाम सूचीमे नहि अछि

१९६८. 'औपन्यासिक कृति' पर लेख पाठककेँ कोन प्रकारक पठन लेल प्रेरित करैत अछि?

- (A) कथानक, पात्र, समाज आ रचनात्मक संरचना पर विचार
- (B) केवल छपाई-रंग देखबाक
- (C) केवल समय-सूची पढ़बाक
- (D) केवल चित्र चिन्हबाक

१९६९. अंक २८२क सामग्री-संरचनामे पुनरावृत्त नामक रूपमे ककर साहित्यिक उपस्थिति बल पबैत अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक
- (B) केवल एक अनाम पात्र
- (C) केवल विदेशी लेखक
- (D) कोनो रचनाकार नहि

१९७०. अंक २८२क प्रथम भागक मुख्य रूप की अछि?

- (A) गजल-विधा आ जगदीश प्रसाद मण्डल केन्द्रित गद्य-विश्लेषण
- (B) केवल प्रशासनिक सूचना
- (C) केवल प्रश्न-पत्र
- (D) केवल चित्र-पंक्ति

खण्ड ७२४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २८२ : बाबाकबाग-बगिया आ जीवन-मूल्यक लघुकथा संसार

१९७१. अंक २८२मे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) बाबाकबाग-बगिया
- (B) सुखिमानी जिनगी
- (C) सिसकियोनेता
- (D) गीतांजलि

१९७२. 'बाबाकबाग-बगिया' शीर्षक कोन बिम्ब-संसार खोलैत अछि?

- (A) बाग-बगिया, परिवार-स्मृति आ लोक-जीवन
- (B) कारखाना-मशीन
- (C) शहरक ट्रैफिक
- (D) न्यायालयक नियम

१९७३. लघुकथा रूपमे 'बाबाकबाग-बगिया' शीर्षकक विशेषता की?

- (A) छोट कथामे स्मृति, संबंध आ जीवन-मूल्यक संकेत
- (B) दीर्घ महाकाव्यक रूप
- (C) केवल गीतक टेक
- (D) केवल सूचीबद्ध नाम

१९७४. 'बाबा' शब्द एहि शीर्षकमे कोन सम्बन्ध-सूत्र बनबैत अछि?

- (A) पीढ़ी, परम्परा आ पारिवारिक स्मृति
- (B) केवल व्यापार
- (C) अंकीय गणना
- (D) युद्ध-प्रशिक्षण

१९७५. बाग-बगिया सन ग्रामीण बिम्ब मैथिली कथा लेल किएक उपयुक्त अछि?

- (A) ई लोक-संस्कृति, जमीन आ स्मृति संग जुड़ल अछि
- (B) ई साहित्यसँ बाहरक वस्तु अछि
- (C) ई केवल सजावट अछि
- (D) ई भाषा-विरोधी अछि

१९७६. अंक २८२क औपन्यासिक कृति-लेख आ 'बाबाकबाग-बगिया' मिलि की संकेत करैत अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक दीर्घ आ लघु गद्य-दुनू पर ध्यान
- (B) गद्य-विधाक अभाव
- (C) केवल गजल-संग्रह
- (D) साहित्यिक क्रमक टूटन

१९७७. 'बगिया' बिम्ब कथामे कोन अर्थ पाबि सकैत अछि?

- (A) पालन, स्मृति, हरियाली आ मानवीय अपनत्व
- (B) निरा पत्थरक शहर
- (C) यंत्रक नक्शा
- (D) सैनिक परेड

१९७८. २८२क सामग्रीसँ विदेहक कथा-रुचि कोना स्पष्ट होइत अछि?

- (A) लघुकथा आ औपन्यासिक कृति-दुनूकें स्थान देल गेल अछि
- (B) कथा पूर्णतः अनुपस्थित अछि
- (C) केवल संपर्क-सूचना अछि
- (D) कथा निषिद्ध अछि

१९७९. 'बाबाकबाग-बगिया' शीर्षकक पाठकीय प्रश्न की बनैत अछि?

- (A) परम्परा आ आजुक जीवनमे सम्बन्ध कतय बदलैत अछि
- (B) केवल फाइलक आकार कतेक अछि
- (C) कुन पन्ना कतय अछि
- (D) दूरभाष संख्या की अछि

१९८०. अंक २८२क समेकित निष्कर्ष की?

- (A) गजल, उपन्यास-विमर्श आ लघुकथा मिलि विविध साहित्यिक अंक बनबैत अछि
- (B) अंकमे रचनात्मकता नहि अछि
- (C) सभी सामग्री केवल विज्ञापन अछि
- (D) केवल बाहरी सूचना अछि

खण्ड ७२५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २८३ : जीवन-संघर्ष, गजल आ रचनात्मक निरन्तरता

१९८१. अंक २८३मे प्रदीप पुष्पकक कोन सामग्री अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) गीतांजलि
- (C) नाट्य कृतिक परिचय
- (D) कृषि-सूचना

१९८२. अंक २८३मे उमेश मण्डलक लेखक शीर्षक कोन अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक जीवन-संघर्ष
- (B) औपन्यासिक कृति
- (C) भकमोड़मे परिवर्तनक स्वर
- (D) नाट्य कृतिक संक्षिप्त परिचय

१९८३. 'जीवन-संघर्ष' शीर्षक कोन प्रकारक विमर्श दिस संकेत करैत अछि?

- (A) रचनाकारक जीवन, संघर्ष आ साहित्यिक व्यक्तित्वक अध्ययन
- (B) केवल गीतक छन्द
- (C) केवल बगीचाक वर्णन
- (D) केवल मंच-सूची

१९८४. अंक २८३मे आशीष अनचिन्हारक कोन सामग्री देल अछि?

- (A) एकटा गजल
- (B) एकटा उपन्यास
- (C) एकटा नाटक
- (D) एकटा कृषि-निबंध

१९८५. २८३क गजल-सामग्री २८१ आ २८२क क्रमसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) प्रदीप पुष्पक आ आशीष अनचिन्हारक गजल-उपस्थिति जारी अछि
- (B) गजल अचानक समाप्त भऽ गेल
- (C) केवल नाटक रहि गेल
- (D) कथा-विधा नजि अछि

१९८६. जगदीश प्रसाद मण्डलक जीवन-संघर्ष पर लेख पाठककेँ कोन पृष्ठभूमि दैत अछि?

- (A) रचनाकारक कृति बुझबाक मानवीय आ सामाजिक संदर्भ
- (B) केवल सजावट
- (C) केवल फ़ाइल-नाम
- (D) केवल चित्रांकन

१९८७. एके अंकमे जीवन-संघर्ष आ लघुकथा रहबाक अर्थ की?

- (A) रचनाकारक जीवन-संदर्भ आ कथा-कला साथे देखल जा सकैत अछि
- (B) दुनू असम्बद्ध प्रशासनिक सूचना अछि
- (C) कथा उपलब्ध नहि अछि
- (D) लेखकक नाम नहि अछि

१९८८. 'संघर्ष' शब्द मैथिली साहित्यिक विवेचनमे ककर ओर संकेत करैत अछि?

- (A) जीवनक कठिनाई, समाजक दबाव आ रचनात्मक जिजीविषा
- (B) अर्थहीन विराम
- (C) केवल उपकरण
- (D) केवल भौगोलिक नक्शा

१९८९. अंक २८३क सामग्री-संयोजनमे कोन संतुलन देखाइत अछि?

- (A) गजल, जीवनीपरक आलोचना आ लघुकथा
- (B) केवल संपर्क-पंक्ति
- (C) केवल विज्ञान-तालिका
- (D) केवल क्रीड़ा-रिपोर्ट

१९९०. २८३क प्रथम दृष्टि निष्कर्ष की?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक रचनाकार-छवि आ गजल-परम्परा दुनू पर ध्यान
- (B) साहित्यिक अभाव
- (C) कथा आ पद्य दुनू हटि गेल
- (D) केवल विज्ञप्ति

खण्ड ७२६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २८३ : चौरस खेतक चौरस उपज आ कृषि-बिम्बक सामाजिक अर्थ

१९९१. अंक २८३मे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) चौरस खेतक चौरस उपज
- (B) बाबाकबाग-बगिया
- (C) सिसकियोनेता
- (D) समयसँ पहिने चेत किसान

१९९२. 'चौरस खेतक चौरस उपज' शीर्षकमे कोन लोक-जीवनक क्षेत्र सामने अबैत अछि?

- (A) खेती, जमीन आ उपजक ग्रामीण संसार
- (B) नगरीय यातायात
- (C) न्यायालयक प्रक्रिया
- (D) संगीत-मंच मात्र

१९९३. 'चौरस' शब्दक पुनरावृत्ति शीर्षकमे कोन कलात्मक संकेत दैत अछि?

- (A) रूपकात्मक संतुलन आ व्यंग्यात्मक तीक्ष्णता
- (B) अर्थहीन ध्वनि मात्र
- (C) सम्पर्क-सूची
- (D) भाषा-विराम

१९९४. कृषि-बिम्ब मैथिली कथा लेल किएक स्वाभाविक अछि?

- (A) मिथिलाक ग्राम्य जीवन आ जीविका-संस्कृति खेतीसँ गहराइले जुड़ल अछि
- (B) कृषि साहित्यसँ बाहर अछि
- (C) कृषि केवल विदेशी विषय अछि
- (D) कथा खेतक उल्लेख नहि करैत

१९९५. 'उपज' शब्दक कथा-संदर्भमे सम्भावित अर्थ की?

- (A) मेहनत, परिणाम आ सामाजिक न्यायक प्रश्न
- (B) केवल ध्वनि-सज्जा
- (C) केवल किताबक मूल्य
- (D) केवल तिथि-सूचना

१९९६. २८३मे जीवन-संघर्ष पर लेख आ 'चौरस खेतक चौरस उपज' मिलि कोन सम्बन्ध बना सकैत अछि?

- (A) रचनाकारक जीवन-संघर्ष आ किसान/ग्रामीण संघर्षक बिम्ब
- (B) कथा आ जीवनक सम्बन्ध टूटैत अछि
- (C) सामाजिक संदर्भ हटि जाइत अछि
- (D) केवल गजल रहि जाइत अछि

१९९७. लघुकथा रूपमे कृषि-शीर्षकक शक्ति की?

- (A) छोट कथामे श्रम, विडम्बना आ सामाजिक बोध संक्षेपमे देब
- (B) दीर्घ ग्रंथक सूची बनब
- (C) केवल गीतक आलाप
- (D) केवल आकृतिक माप

१९९८. 'चौरस खेत'क बिम्ब पाठककेँ कोन प्रश्न दिस लऽ जाइत अछि?

- (A) व्यवस्था, मेहनत आ फलाफलक न्याय-अन्यायक प्रश्न
- (B) केवल नक्शाक आकार
- (C) केवल मंच-सजावट
- (D) केवल डाक-पता

१९९९. एहि शीर्षकमे गामक लोक-अनुभव किएक मुख्य अछि?

- (A) खेत आ उपज गामक जीवनक प्रत्यक्ष अनुभवसँ जुड़ल शब्द अछि
- (B) ई केवल शहरक कारखाना अछि
- (C) ई केवल धर्म-ग्रंथक उद्धरण अछि
- (D) ई केवल भाषिक खेल अछि

२०००. अंक २८३क एहि लघुकथा-खंडक सार-संकेत की?

- (A) कृषि-बिम्बक माध्यमे सामाजिक आ नैतिक अर्थक खोज
- (B) कथा-विरहित अंक
- (C) केवल गीत-सूची
- (D) केवल बाहरी घोषणा

खण्ड ७२७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २८४ : नाट्य कृतिक संक्षिप्त परिचय आ गजल-संवाद

२००१. अंक २८४मे प्रदीप पुष्पकक कोन सामग्री देल अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) गीतांजलि
- (C) सिसकियोनेता
- (D) औपन्यासिक कृति

२००२. अंक २८४मे उमेश मण्डलक लेखक विषय की अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक नाट्य कृतिक संक्षिप्त परिचय
- (B) जगदीश प्रसाद मण्डलक जीवन-संघर्ष
- (C) भकमोड़मे परिवर्तनक स्वर
- (D) समयसँ पहिने चेत किसान

२००३. 'नाट्य कृतिक संक्षिप्त परिचय' कोन विधा-केंद्रित लेख अछि?

- (A) नाटक/रंग-साहित्य पर परिचयात्मक विवेचन
- (B) गजल-संग्रह मात्र
- (C) कृषि-कथा
- (D) बालगीत

२००४. अंक २८४मे आशीष अनचिन्हारक कोन उपस्थिति अछि?

- (A) एकटा गजल
- (B) एकटा नाटक
- (C) एकटा उपन्यास
- (D) एकटा संस्मरण

२००५. गजल आ नाट्य कृति-परिचय एके अंकमे रहबाक अर्थ की?

- (A) पद्य आ रंग-गद्य/नाटक-विमर्शक सह-अस्तित्व
- (B) साहित्यिक विविधताक अभाव
- (C) केवल कथा-विधा
- (D) केवल प्रशासन

२००६. जगदीश प्रसाद मण्डलक नाट्य कृतिक परिचय विदेहक कोन विस्तार देखबैत अछि?

- (A) रचनाकारक कथा मात्र नहि, नाट्य-लेखनकेँ सेहो देखबाक चेष्टा
- (B) नाटकक निषेध
- (C) आलोचनाक अभाव
- (D) पद्यक बहिष्कार

२००७. 'संक्षिप्त परिचय' पाठकीय दृष्टिसँ किएक उपयोगी अछि?

- (A) विस्तृत अध्ययनसँ पहिने कृतिक मूल स्वरूप बुझयबा लेल
- (B) कृति नुकबयबा लेल
- (C) साहित्य हटयबा लेल
- (D) केवल संपर्क दयबा लेल

२००८. २८४क सामग्री २८१-२८३क क्रममे कोन नया विधागत आयाम जोड़ैत अछि?

- (A) नाट्य कृति पर अलग ध्यान
- (B) गजलकेँ हटब
- (C) साहित्यक अंत
- (D) केवल बाहरी सूचना

२००९. अंक २८४मे गजल-लेखनक निरन्तरता ककर-ककर माध्यमे देखाइत अछि?

- (A) प्रदीप पुष्पक आ आशीष अनचिन्हार
- (B) केवल जगदीश प्रसाद मण्डल
- (C) केवल उमेश मण्डल
- (D) कोनो गजलकार नहि

२०१०. अंक २८४क प्रथम खण्डक समेकित संकेत की?

- (A) नाटक-विमर्श आ गजल-विधा एक संग उपस्थित
- (B) साहित्यिक सामग्री नजि अछि
- (C) केवल खेतीक लेख अछि
- (D) केवल बाल-कविता अछि

खण्ड ७२८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २८४ : सिसकियोनेता आ सामाजिक व्यंग्यक लघुकथा संकेत

२०११. अंक २८४मे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) सिसकियोनेता
- (B) चौरस खेतक चौरस उपज
- (C) बाबाकबाग-बगिया
- (D) गीतांजलि

२०१२. 'सिसकियोनेता' शीर्षक कोन सामाजिक क्षेत्रक संकेत दैत अछि?

- (A) नेतृत्व, लोकजीवन आ सामाजिक विडम्बना
- (B) केवल बागवानी
- (C) केवल छन्द
- (D) केवल संगीत-राग

२०१३. लघुकथा रूपमे 'सिसकियोनेता' किएक तीक्ष्ण शीर्षक मानल जा सकैत अछि?

- (A) ई छोट कथामे नेतृत्वक विडम्बना वा व्यंग्य संकेत करैत अछि
- (B) ई केवल फूलक नाम अछि
- (C) ई नाट्य-सूची मात्र अछि
- (D) ई निःअर्थ ध्वनि अछि

२०१४. 'सिसकी' आ 'नेता'क मिलन पाठककेँ कोन अर्थ-द्वंद्व दिस लऽ जाइत अछि?

- (A) पीड़ा आ सार्वजनिक नेतृत्वक विरोधाभास
- (B) केवल हरियाली
- (C) केवल तकनीकी गणना
- (D) केवल छन्द-तालिका

२०१५. अंक २८४मे नाट्य कृतिक परिचय आ 'सिसकियोनेता' मिलि कोन साहित्यिक फैलाव देखबैत अछि?

- (A) रंग-विधा आ सामाजिक लघुकथा-दुनू पर ध्यान
- (B) केवल गजल-मात्र
- (C) कथा पूर्णतः अनुपस्थित
- (D) विधागत संकुचन

२०१६. 'नेता' शब्दक कथामे प्रवेश कोन प्रश्न उठा सकैत अछि?

- (A) जनता, सत्ता, वादा आ व्यवहारक प्रश्न
- (B) केवल वृक्षारोपण
- (C) केवल गीतक मात्रा
- (D) केवल परिवारिक उपनाम

२०१७. सामाजिक व्यंग्यक दृष्टिसे लघुकथा किएक प्रभावी होइत अछि?

- (A) छोट रूपमे संकेत, चोट आ खुला अर्थ देबाक कारण
- (B) दीर्घ विवरणक अभावसे साहित्य नष्ट होइत अछि
- (C) ओ केवल सूचना होइत अछि
- (D) ओ भाषा-विहीन होइत अछि

२०१८. २८४क 'सिसकियोनेता' शीर्षक २८३क कृषि-कथा शीर्षकसे कोना भिन्न अछि?

- (A) एहि ठाम सामाजिक-राजनीतिक बिम्ब अग्रभूमिमे अछि
- (B) दुनू केवल संपर्क-सूची अछि
- (C) दुनू उपन्यास शीर्षक अछि
- (D) दुनूमे कोनो सामाजिक अर्थ नहि

२०१९. जगदीश प्रसाद मण्डलक लगातार लघुकथा-उपस्थिति कोन बात साबित करैत अछि?

- (A) विदेहक एहि क्रममे हुनकर लघुकथा-संसार नियमित रूपेँ उपस्थित अछि
- (B) हुनकर नाम अनुपस्थित अछि
- (C) लघुकथा-विधा हटि गेल
- (D) केवल पद्य देल गेल

२०२०. अंक २८४क लघुकथा-खंडक सार-संकेत की?

- (A) सामाजिक नेतृत्व आ विडम्बनाक कथा-संकेत
- (B) नाटकक पूर्ण सूची
- (C) बालगीतक संग्रह
- (D) कृषि-अनुसंधान मात्र

खण्ड ७२९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २८५ : गीतांजलि, गजल आ भाव-संगीतक साहित्यिक धरातल

२०२१. अंक २८५मे प्रदीप पुष्पकक कोन सामग्री देल अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) नाट्य कृतिक परिचय
- (C) जीवन-संघर्ष
- (D) बाबाकबाग-बगिया

२०२२. अंक २८५मे उमेश मण्डलक लेखक शीर्षक की अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'गीतांजलि'
- (B) जगदीश प्रसाद मण्डलक जीवन-संघर्ष
- (C) जगदीश प्रसाद मण्डलक नाट्य कृतिक संक्षिप्त परिचय
- (D) औपन्यासिक कृति

२०२३. 'गीतांजलि' शीर्षक कोन साहित्यिक भावक्षेत्र खोलैत अछि?

- (A) गीत, अर्पण, भाव-संवेदना आ काव्यात्मकता
- (B) केवल खेतक नाप
- (C) केवल राजनीति
- (D) केवल दस्तावेजी सूची

२०२४. अंक २८५मे आशीष अनचिन्हारक कोन सामग्री अछि?

- (A) एकटा गजल
- (B) एकटा नाटक
- (C) एकटा उपन्यास
- (D) एकटा कृषि-कथा

२०२५. गजल आ 'गीतांजलि' एके अंकमे रहबाक साहित्यिक अर्थ की?

- (A) गीतात्मकता आ गजल-लयक साझा भाव-संसार
- (B) संगीतात्मक साहित्यिक अभाव
- (C) केवल गद्य-मात्र
- (D) केवल प्रशासनिक सूचना

२०२६. २८१सँ २८५ धरि प्रदीप पुष्पकक उपस्थिति ककर माध्यमे लगातार देखाइत अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) एकटा लघुकथा
- (C) एकटा नाटक
- (D) एकटा उपन्यास

२०२७. 'गीतांजलि' पर लेख जगदीश प्रसाद मण्डलक कृतित्वक कोन पक्ष दिस संकेत करैत अछि?

- (A) गीतात्मक/काव्यात्मक पक्ष
- (B) केवल राजनीतिक पक्ष
- (C) केवल कृषि-विज्ञान
- (D) केवल खेलक नियम

२०२८. अंक २८५मे गजल-सामग्रीक दोहराव पाठककेँ कोन दीर्घ प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) गजल विदेहक एहि अंकीय क्रमक स्थायी साहित्यिक घटक बनल अछि
- (B) गजल एकदम अनुपस्थित अछि
- (C) गजल प्रतिबंधित अछि
- (D) केवल उपन्यास उपस्थित अछि

२०२९. 'गीतांजलि' शीर्षकमे अर्पणक भाव ककर संकेत दैत अछि?

- (A) गीत/भावकेँ समर्पण रूपमे रखबाक काव्यात्मक मुद्रा
- (B) व्यापारिक हिसाब
- (C) कारखाना-योजना
- (D) न्यायिक फैसला

२०३०. अंक २८५क प्रथम खण्डक सार की?

- (A) गजल आ गीतात्मक कृति-विमर्शक संगति
- (B) केवल लघुकथा
- (C) केवल नाटक
- (D) साहित्य-विहीन सूचना

खण्ड ७३० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २८५ : समयसँ पहिने चेत किसान आ अंक २८१-२८५क समेकित परिप्रेक्ष्य

२०३१. अंक २८५मे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) समयसँ पहिने चेत किसान
- (B) सिसकियोनेता
- (C) चौरस खेतक चौरस उपज
- (D) सुखिमानी जिनगी

२०३२. 'समयसँ पहिने चेत किसान' शीर्षक कोन चेतावनीक स्वर राखैत अछि?

- (A) किसान जीवनमे समय, सजगता आ सावधानीक प्रश्न
- (B) केवल रंगमंचक सजावट
- (C) केवल गीतक संख्या
- (D) केवल उपन्यासक पृष्ठ

२०३३. २८३क 'चौरस खेतक चौरस उपज' आ २८५क 'समयसँ पहिने चेत किसान' मे साझा धरातल की अछि?

- (A) कृषि, किसान आ ग्रामीण समाजक प्रश्न
- (B) केवल गजल-छन्द
- (C) केवल नाट्य-मंच
- (D) केवल शहरी यातायात

२०३४. 'चेत किसान' वाक्यांश कोन लोक-शिक्षात्मक स्वर दैत अछि?

- (A) अनुभवसँ उपजल सावधानी आ जागरूकता
- (B) निरर्थक मौन
- (C) केवल छपाई-सूचना
- (D) मंच-आदेश

२०३५. २८१-२८५क क्रममे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा-केंद्रित शीर्षकसभ कोना बदलैत अछि?

- (A) जिनगी, बगिया, खेत, नेता आ किसान — सामाजिक जीवनक अनेक पक्ष खोलैत अछि
- (B) केवल एके विषय दोहराईत अछि
- (C) लघुकथा अनुपस्थित अछि
- (D) शीर्षकसभ असाहित्यिक अछि

२०३६. २८१-२८५क आलोचनात्मक लेखसभ ककर कृतित्व पर केन्द्रित छथि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक
- (B) केवल प्रदीप पुष्पकक
- (C) केवल आशीष अनचिन्हारक
- (D) कोनो रचनाकारक नहि

२०३७. २८१-२८५मे गजल-विधाक निरन्तरता कोना देखाइत अछि?

- (A) हर अंकमे प्रदीप पुष्पकक दू गजल आ आशीष अनचिन्हारक एक गजल उपस्थित अछि
- (B) गजल एको बेर नहि अछि
- (C) केवल २८५मे गजल अछि
- (D) गजलकें हटाओल गेल

२०३८. 'समयसँ पहिने चेत किसान' किसान-कथा लेल किएक महत्त्वपूर्ण शीर्षक अछि?

- (A) ई संकट आबयसँ पहिने जागरूकता आ निर्णायक बात करैत अछि
- (B) ई किसानकें अनुपस्थित करैत अछि
- (C) ई केवल शहरक बाजार वर्णन करैत अछि
- (D) ई नाट्य कृति मात्र अछि

२०३९. २८१-२८५क समेकित साहित्यिक रूप की अछि?

- (A) गजल, आलोचना, जीवनी/कृति-विमर्श आ लघुकथा सभक मिश्रित क्रम
- (B) केवल गजल बिना गद्य
- (C) केवल संपर्क-सूची
- (D) साहित्यहीन संचयन

२०४०. एहि बैच २८१-२८५क मुख्य निष्कर्ष की?

- (A) विदेह गजल-विधा, जगदीश प्रसाद मण्डल-केंद्रित समीक्षा आ सामाजिक लघुकथा कें साथे आगू बढ़बैत अछि
- (B) विदेहमे साहित्यिक निरन्तरता टूटि जाइत अछि
- (C) केवल बाहरी लिंक रहि जाइत अछि
- (D) रचनाकारक नाम अनुपस्थित अछि

खण्ड ७३१ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २८६ : प्रदीप पुष्पकक गजल आ २५ गोटे पोथीक पात्र-सूची

२०४१. अंक २८६मे प्रदीप पुष्पकक कोन सामग्री देल अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) एकटा नाटक
- (C) एकटा उपन्यास
- (D) एकटा बालकथा

२०४२. अंक २८६मे उमेश मण्डलक लेख कोन विषयसँ जुड़ल अछि?

- (A) श्री जगदीश प्रसाद मण्डलक २५ गोटे पोथीमे संकलित पात्रक सूची
- (B) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'रहसा चोरी'
- (C) गामक जिनगी
- (D) विचारोत्तेजक गद्यांश-२

२०४३. '२५ गोटे पोथीमे संकलित पात्रक सूची' शीर्षक मुख्यतः कोन प्रकारक काज देखबैत अछि?

- (A) रचनासभक पात्र-संसारकें सूचीकृत करबाक काज
- (B) केवल गजल छापबाक काज
- (C) केवल संपर्क-सूचना देबाक काज
- (D) केवल चित्र बनयबाक काज

२०४४. पात्र-सूची सन सामग्री साहित्य-अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

- (A) ई रचनाकारक कृति-संसारक पात्र-विन्यास बुझबैत अछि
- (B) ई साहित्यिक कृति हटबैत अछि
- (C) ई केवल बाहरी विज्ञापन अछि
- (D) ई पाठककें रचना सँ दूर करैत अछि

२०४५. अंक २८६मे गजल आ Index-सामग्री एक साथ रहबाक अर्थ की?

- (A) रचनात्मक पद्य आ शोधोपयोगी सूची-दुनूक संगति
- (B) केवल पद्यक एकरूपता
- (C) साहित्यिक सामग्रीक अभाव
- (D) सूची आ रचना दुनू हटल

२०४६. २५ गोटे पोथीक पात्र-सूची ककर कृतित्वकें केन्द्र बनबैत अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक
- (B) प्रदीप पुष्पकक गजल मात्र
- (C) आशीष अनचिन्हारक गजल मात्र
- (D) रंजीत कुमार यादवक लेख मात्र

२०४७. एहन पात्र-सूची रचनाकार-अध्ययन लेल कोन सुविधा दैत अछि?

- (A) विभिन्न पोथीमे बिखरल पात्रकें एकठाम देखबाक सुविधा
- (B) गजलकें रद्द करबाक सुविधा
- (C) कथाक अर्थ बदलबाक सुविधा
- (D) अंकक तिथि याद करबाक सुविधा

२०४८. अंक २८६क पहिल भागमे कोन द्वैत प्रवृत्ति देखाइत अछि?

- (A) गजल-रचना आ साहित्य-सूची/अनुसंधान
- (B) केवल मंचीय नाटक
- (C) केवल लोकगीत
- (D) केवल प्रशासनिक सूचना

२०४९. 'संकलित पात्रक सूची' शीर्षक पाठककेँ कोन दिशामे लऽ जाइत अछि?

- (A) पात्र, पोथी आ रचनात्मक संसारक तुलनात्मक पठन
- (B) केवल छन्द-गणना
- (C) केवल पृष्ठ-गणना
- (D) केवल URL-पठन

२०५०. अंक २८६क एहि खण्डक सार की?

- (A) गजल-विधा संग जगदीश प्रसाद मण्डलक कृतित्वक पात्र-सूची
- (B) केवल एकटा गीत
- (C) केवल बाल-पाठ
- (D) केवल संपर्क-विवरण

खण्ड ७३२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २८६ : आशीष अनचिन्हारक गजल आ 'काजक मेहन' लघुकथा

२०५१. अंक २८६मे आशीष अनचिन्हारक कोन सामग्री सूचीबद्ध अछि?

- (A) एकटा गजल
- (B) दू टा उपन्यास
- (C) एकटा पात्र-सूची
- (D) एकटा बाल-नाटक

२०५२. अंक २८६मे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) काजक मेहन
- (B) भोक
- (C) मनतरूपधार
- (D) आब इज्जत नइ बँचत

२०५३. 'काजक मेहन' शीर्षक कोन सामाजिक मूल्य दिस संकेत करैत अछि?

- (A) परिश्रम, काम आ श्रमक गरिमा
- (B) केवल आलस्य
- (C) केवल राजाज्ञा
- (D) केवल नाच-तमाशा

२०५४. गजल आ 'काजक मेहन' एके अंकमे रहबाक अर्थ की?

- (A) भावात्मक पद्य आ श्रम-संबंधी कथा-दृष्टि साथे उपस्थित अछि
- (B) कथा हटि गेल अछि
- (C) गजल अनुपस्थित अछि
- (D) केवल पृष्ठ-सूची बनल अछि

२०५५. 'काजक मेहन' सन शीर्षक मैथिली लोकजीवनक कोन पक्ष खोलि सकैत अछि?

- (A) कामक संघर्ष आ मेहनक नैतिक अर्थ
- (B) केवल दरबारी विलास
- (C) केवल समुद्री यात्रा
- (D) केवल परदेशी विज्ञापन

२०५६. २८६मे प्रदीप पुष्पक आ आशीष अनचिन्हार दुनू ककर माध्यमे उपस्थित छथि?

- (A) गजल-विधा
- (B) उपन्यास-विधा
- (C) नाटक-विधा
- (D) पात्र-सूची-विधा

२०५७. 'काजक मेहन' शीर्षकमे श्रमक प्रश्न किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कथा जीवनक वास्तविक परिश्रम आ मानवीय संघर्षकेँ पकड़ि सकैत अछि
- (B) श्रम साहित्यसँ असम्बद्ध अछि
- (C) ई केवल चित्रक शीर्षक अछि
- (D) ई केवल तिथि-सूचना अछि

२०५८. अंक २८६क चौथा सूचीबद्ध अंश कोन विधासँ सम्बन्धित अछि?

- (A) लघुकथा
- (B) महाकाव्य
- (C) नाट्य-सूची
- (D) कोश-प्रविष्टि

२०५९. एहि अंकक समेकित पाठक-ध्यान कोन दिशामे जाइत अछि?

- (A) गजल, पात्र-सूची आ श्रमक लघुकथा
- (B) केवल खेलक समाचार
- (C) केवल संपर्क-पृष्ठ
- (D) केवल गीत-सूची

२०६०. खण्ड ७३२क मुख्य निष्कर्ष की?

- (A) गजल-विधा संग श्रम-केन्द्रित लघुकथाक उपस्थिति
- (B) साहित्यिक सामग्रीक अभाव
- (C) केवल Index बिना रचना
- (D) केवल गद्य-विहीन अंक

खण्ड ७३३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २८७ : गजल आ 'रहसा चोरी'क पाठ

२०६१. अंक २८७मे प्रदीप पुष्पकक कोन सामग्री देल अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) एकटा चरित-लेख
- (C) एकटा नाट्य-समीक्षा
- (D) एकटा बालगीत

२०६२. अंक २८७मे उमेश मण्डलक लेख कोन शीर्षकसँ जुड़ल अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'रहसा चोरी'
- (B) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'गामक जिनगी'
- (C) विचारोत्तेजक गद्यांश
- (D) २५ गोटे पोथीक पात्र-सूची

२०६३. 'रहसा चोरी' शीर्षक कोन कथा-संकेत दैत अछि?

- (A) रहस्य, चोरी आ सामाजिक घटना-केंद्रित पाठ
- (B) केवल गीत-संगीत
- (C) केवल खेतक माप
- (D) केवल उत्सव-सूचना

२०६४. अंक २८७मे आशीष अनचिन्हारक उपस्थिति कोन रूपमे अछि?

- (A) एकटा गजल
- (B) एकटा लघुकथा
- (C) एकटा उपन्यास
- (D) एकटा पात्र-सूची

२०६५. 'रहसा चोरी' पर लेख ककर रचनात्मक संसारके केन्द्र बनबैत अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक
- (B) प्रदीप पुष्पकक
- (C) आशीष अनचिन्हारक
- (D) रंजीत कुमार यादवक

२०६६. गजल आ 'रहसा चोरी' एके अंकमे होएब कोन संपादकीय संतुलन देखबैत अछि?

- (A) पद्य-संवेदना आ गद्य-कृति-विमर्शक संतुलन
- (B) केवल Index-केंद्रित व्यवस्था
- (C) कथा-विमर्शक अभाव
- (D) गजल-विधाक निषेध

२०६७. 'रहसा चोरी' शीर्षकक अध्ययन पाठककेँ कोन तरहक प्रश्न दिस घुमबैत अछि?

- (A) अपराध, नैतिकता आ समाजक छिपल पक्ष
- (B) केवल मौसम-सूचना
- (C) केवल पुस्तक-मूल्य
- (D) केवल वेबसाइट-लिंक

२०६८. २८६क पात्र-सूची सँ २८७क 'रहसा चोरी' तक उमेश मण्डलक सामग्री कोना बदलैत अछि?

- (A) सूचीकरणसँ विशिष्ट कृति-पाठ दिस
- (B) गजलसँ गीत-संग्रह दिस
- (C) कथा सँ संपर्क-सूची दिस
- (D) साहित्यसँ असाहित्य दिस

२०६९. अंक २८७मे गजल-विधाक निरन्तरता कोना बनल अछि?

- (A) प्रदीप पुष्पकक दू गजल आ आशीष अनचिन्हारक एक गजल
- (B) गजल एको बेर नहि
- (C) केवल एक पात्र-सूची
- (D) केवल लघुकथा

२०७०. खण्ड ७३३क मुख्य आधार की अछि?

- (A) गजल आ 'रहसा चोरी' पर कृति-विमर्श
- (B) केवल बाल साहित्य
- (C) केवल गीतक संख्या
- (D) केवल तिथि-गणना

खण्ड ७३४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २८७ : 'भोक' लघुकथा आ सामाजिक भूखक प्रश्न

२०७१. अंक २८७मे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) भोक
- (B) काजक मेहन
- (C) मनतरूपधार
- (D) गामक आशाढुढि टोल

२०७२. 'भोक' शीर्षक कोन मूल मानवीय अनुभवकेँ केन्द्रमे अनैत अछि?

- (A) भूख, अभाव आ जीवन-संघर्ष
- (B) केवल राजदरबार
- (C) केवल नृत्य-संगीत
- (D) केवल खगोल-विज्ञान

२०७३. लघुकथा रूपमें 'भोक' कि एक प्रभावी विषय भऽ सकैत अछि?

- (A) छोट आकारमे तीव्र सामाजिक पीड़ा कहबाक कारण
- (B) दीर्घ इतिहास लिखबाक कारण
- (C) केवल चित्र देबाक कारण
- (D) केवल गीतक टेक होएबाक कारण

२०७४. 'भोक' आ 'काजक मेहन' शीर्षकसभमे साझा धरातल की अछि?

- (A) श्रम, अभाव आ जीवन-संघर्ष
- (B) केवल दरबारी सौन्दर्य
- (C) केवल समुद्री यात्रा
- (D) केवल पौराणिक युद्ध

२०७५. अंक २८७क लघुकथा सामाजिक रूपेँ कोन बात उठा सकैत अछि?

- (A) खाद्य-अभाव आ गरिमामय जीवनक प्रश्न
- (B) केवल तिथि याद रखबाक प्रश्न
- (C) केवल रंग-सज्जा
- (D) केवल संगीत-ताल

२०७६. 'भोक' शीर्षकक सादगी कथाक प्रभाव कोना बढ़बैत अछि?

- (A) एक शब्देँ गहिर संकट आ अनुभूति व्यक्त करैत अछि
- (B) शीर्षककेँ असमझ बनबैत अछि
- (C) साहित्यिक विषय हटबैत अछि
- (D) केवल व्याकरण पढ़बैत अछि

२०७७. अंक २८७मे गजल आ 'भोक'क संगति कोन बहुविधता देखबैत अछि?

- (A) भाव-संवेदना आ सामाजिक यथार्थ दुनू
- (B) केवल हास्य-मनोरंजन
- (C) साहित्यिक रिक्तता
- (D) केवल सूचीकरण

२०७८. 'भोक' शीर्षक ग्रामीण वा निम्नवर्गीय जीवनक कोन प्रसंगसँ जुड़ि सकैत अछि?

- (A) अन्न, श्रम आ अभावक रोजमर्रा
- (B) केवल महल-प्रवेश
- (C) केवल विदेश-यात्रा
- (D) केवल यांत्रिक विज्ञान

२०७९. अंक २८७क चौथा सूचीबद्ध अंशक विधा की अछि?

- (A) लघुकथा
- (B) गजल
- (C) Index
- (D) नाटक

२०८०. खण्ड ७३४क सार की?

- (A) 'भोक' शीर्षक मार्फत मानवीय अभाव आ सामाजिक चेतना
- (B) केवल काव्य-छन्द
- (C) केवल पात्र-सूची
- (D) केवल प्रादेशिक सूचना

खण्ड ७३५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २८८ : गजल आ 'गामक जिनगी'क विमर्श

२०८१. अंक २८८मे प्रदीप पुष्पकक कोन सामग्री देल अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) एकटा लघुकथा
- (C) एकटा पात्र-सूची
- (D) एकटा नाटक

२०८२. अंक २८८मे उमेश मण्डलक लेख कोन शीर्षकसँ जुड़ल अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'गामक जिनगी'
- (B) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'रहसा चोरी'
- (C) जगदीश प्रसाद मण्डलक विचारोत्तेजक गद्यांश
- (D) २५ गोटे पोथीक पात्र-सूची

२०८३. 'गामक जिनगी' शीर्षक कोन साहित्यिक संसार खोलैत अछि?

- (A) ग्रामीण जीवन, लोक-संस्कार आ सामाजिक सम्बन्ध
- (B) केवल नगरक यातायात
- (C) केवल राजकीय आदेश
- (D) केवल समुद्री व्यापार

२०८४. अंक २८८मे आशीष अनचिन्हारक कोन सामग्री अछि?

- (A) एकटा गजल
- (B) दू टा उपन्यास
- (C) एकटा चरित
- (D) एकटा Index

२०८५. गजल आ 'गामक जिनगी' एके अंकमे रहबाक अर्थ की?

- (A) भावात्मक पद्य आ ग्रामीण गद्य-दृष्टिक संगति
- (B) ग्राम्य जीवनक अभाव
- (C) केवल सूचीकरण
- (D) केवल नाट्य-रूप

२०८६. 'गामक जिनगी' पर लेख मैथिली साहित्यक ककर केन्द्रीय क्षेत्रकें छुड़त अछि?

- (A) गाम, लोकजीवन आ सामुदायिक अनुभव
- (B) केवल मशीन-उद्योग
- (C) केवल विदेशी दरबार
- (D) केवल अंतरिक्ष-कथा

२०८७. २८७क 'रहसा चोरी' सँ २८८क 'गामक जिनगी' तक कृति-विमर्शमे कोन फैलाव देखाइत अछि?

- (A) घटना-केंद्रित पाठसँ ग्राम्य जीवनक व्यापक चित्र दिस
- (B) गद्यसँ पूर्ण दूरी
- (C) केवल गजल धरि सीमितता
- (D) लघुकथाक अभाव

२०८८. 'गामक जिनगी' शीर्षक पाठककें कोन प्रश्न करबाक प्रेरणा दैत अछि?

- (A) गामक सामाजिक संरचना, श्रम आ सम्बन्ध कोना चित्रित भेल अछि
- (B) कतेक पृष्ठ अछि
- (C) कुन URL अछि
- (D) कुन रंगक कागज अछि

२०८९. २८८क पहिल तीन सामग्रीमे ककर गजल-उपस्थिति देखाइत अछि?

- (A) प्रदीप पुष्पक आ आशीष अनचिन्हार
- (B) उमेश मण्डल आ जगदीश प्रसाद मण्डल
- (C) केवल एक अनाम लेखक
- (D) कोनो गजलकार नहि

२०९०. खण्ड ७३५क मुख्य निष्कर्ष की?

- (A) गजल-विधा संग 'गामक जिनगी'क ग्राम्य जीवन-विमर्श
- (B) केवल शहरी रिपोर्ट
- (C) केवल संपर्क-सूची
- (D) साहित्यिक सामग्रीक अभाव

खण्ड ७३६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २८८ : 'मनतरूपधार' लघुकथा आ पहचानक रूप-परिवर्तन

२०९१. अंक २८८मे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) मनतरूपधार
- (B) भोक
- (C) काजक मेहन
- (D) आब इज्जत नइ बँचत

२०९२. 'मनतरूपधार' शीर्षक कोन अर्थ-क्षेत्र खोलि सकैत अछि?

- (A) मन, रूप आ धारण/परिवर्तनक प्रश्न
- (B) केवल अन्न-अभाव
- (C) केवल पात्र-सूची
- (D) केवल छन्द-गणना

२०९३. लघुकथा 'मनतरूपधार'क शीर्षक मनोवैज्ञानिक पाठ लेल किएक उपयुक्त अछि?

- (A) ई मनक रूप, भेष वा परिवर्तनक सम्भावना देखबैत अछि
- (B) ई केवल खेतीक तालिका अछि
- (C) ई गजल-संग्रह अछि
- (D) ई Index मात्र अछि

२०९४. 'गामक जिनगी' पर लेख आ 'मनतरूपधार' लघुकथा एके अंकमे रहबाक अर्थ की?

- (A) ग्रामीण जीवन-विमर्श संग व्यक्ति-मनक कथा-संकेत
- (B) गद्यक अभाव
- (C) केवल पद्यक एकरूपता
- (D) कथा-विमर्शसँ दूरी

२०९५. 'मनतरूपधार' सन शीर्षक कथाक कोन विशेषता सम्भव बनबैत अछि?

- (A) भीतर-बाहरक अन्तर आ चरित्रक रूप-बदलाव
- (B) केवल बाहरी तिथि
- (C) केवल अंक-क्रम
- (D) केवल फोटो-सूचना

२०९६. अंक २८८मे लघुकथा ककर नामसँ सूचीबद्ध अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक
- (B) प्रदीप पुष्पकक
- (C) आशीष अनचिन्हारक
- (D) उमेश मण्डलक

२०९७. २८६-२८८क लघुकथा शीर्षकसभमे कोन विविधता देखाइत अछि?

- (A) मेहनत, भोक आ मन-रूपक अलग-अलग अनुभव
- (B) केवल एके शीर्षकक पुनरावृत्ति
- (C) लघुकथा अनुपस्थित
- (D) केवल पात्र-सूची

२०९८. 'मनतरूपधार' शीर्षक सामाजिक पाठ लेल कोना महत्वपूर्ण भऽ सकैत अछि?

- (A) व्यक्ति कोना अपन मन वा रूप बदलैत/छिपबैत अछि, से प्रश्न उठा सकैत अछि
- (B) समाजक कोनो सम्बन्ध नहि
- (C) केवल गणितीय प्रश्न
- (D) केवल गीतक टेक

२०९९. अंक २८८क चौथा सूचीबद्ध अंशक विधा की अछि?

- (A) लघुकथा
- (B) गजल
- (C) Index
- (D) आलोचनात्मक सूची

२१००. खण्ड ७३६क सार की?

- (A) 'मनतरूपधार' मार्फत मन, रूप आ पहचानक लघुकथा-संकेत
- (B) केवल ग्राम-सूची
- (C) केवल गजल-संग्रह
- (D) केवल संपर्क-पृष्ठ

खण्ड ७३७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २८९ : गजल आ विचारोत्तेजक गद्यांश

२१०१. अंक २८९मे प्रदीप पुष्पकक कोन सामग्री देल अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) एकटा पात्र-सूची
- (C) एकटा नाटक
- (D) एकटा बाल-कविता

२१०२. अंक २८९मे उमेश मण्डलक सामग्री कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक विचारोत्तेजक गद्यांश
- (B) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'गामक जिनगी'
- (C) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'रहसा चोरी'
- (D) २५ गोटे पोथीमे संकलित पात्रक सूची

२१०३. 'विचारोत्तेजक गद्यांश' शीर्षक कोन पठन-वृत्ति जगबैत अछि?

- (A) सोच, तर्क आ आलोचनात्मक मनन
- (B) केवल मनोरंजन
- (C) केवल फोटो-दर्शन
- (D) केवल तिथि-याद

२१०४. अंक २८९मे आशीष अनचिन्हारक कोन सामग्री अछि?

- (A) एकटा गजल
- (B) दू टा लघुकथा
- (C) एकटा Index
- (D) एकटा उपन्यास

२१०५. २८९मे गजल आ विचारोत्तेजक गद्यांशक संगति की देखबैत अछि?

- (A) लयात्मक संवेदना आ चिन्तनशील गद्य दुनू
- (B) केवल एक विधाक आग्रह
- (C) विचारक अभाव
- (D) गजल-विधाक निषेध

२१०६. 'विचारोत्तेजक गद्यांश' ककर कृतित्वसँ सम्बन्धित अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक
- (B) प्रदीप पुष्पकक
- (C) आशीष अनचिन्हारक
- (D) कुनो अनाम गद्यकारक

२१०७. कृति-विमर्शसँ गद्यांश-संग्रह दिस बदलाव कोन संकेत दैत अछि?

- (A) अब रचनाकारक विचार-स्वरक चयन पर बल अछि
- (B) गद्य हटि गेल
- (C) केवल पृष्ठ-सूची बचल
- (D) गीत-विमर्श समाप्त भेल

२१०८. 'विचारोत्तेजक' शब्द पाठकसँ कोन प्रतिक्रिया चाहैत अछि?

- (A) पढ़ि विचार, प्रश्न आ विमर्श करब
- (B) बिना पढ़ने छोड़ि देब
- (C) केवल चित्र गिनब
- (D) केवल पृष्ठ संख्या याद करब

२१०९. २८६-२८९क क्रममे उमेश मण्डलक सामग्रीक मुख्य केन्द्र के रहल?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक रचना-संसार
- (B) प्रदीप पुष्पकक केवल गजल
- (C) आशीष अनचिन्हारक केवल गजल
- (D) कुनो बाहरी विज्ञापन

२११०. खण्ड ७३७क सार की?

- (A) गजल-विधा संग विचारोत्तेजक गद्यांशक चिन्तन-स्वर
- (B) केवल लघुकथा
- (C) केवल Index
- (D) साहित्य-विहीन अंक

खण्ड ७३८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २८९ : 'गामक आशाढुढि टोल' लघुकथा आ ग्राम्य समाज

२१११. अंक २८९मे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) गामक आशाढुढि टोल
- (B) मनतरूपधार
- (C) भोक
- (D) आब इज्जत नइ बँचत

२११२. 'गामक आशाढुढि टोल' शीर्षकमे मुख्य स्थान-संकेत की अछि?

- (A) गाम आ टोल
- (B) समुद्र आ जहाज
- (C) दरबार आ सिंहासन
- (D) विद्यालयक घंटी

२११३. टोल-केंद्रित शीर्षक मैथिली कथा लेल किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) टोल ग्रामीण समाजक छोट सामुदायिक इकाई अछि
- (B) टोलक साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (C) ई केवल तकनीकी शब्द अछि
- (D) ई केवल संगीतक ताल अछि

२११४. 'गामक जिनगी' आ 'गामक आशाढुढि टोल'मे साझा सूत्र की अछि?

- (A) ग्राम्य जीवन आ स्थानीय समुदाय
- (B) केवल शहरी राजनीति
- (C) केवल विदेश-यात्रा
- (D) केवल गजल-छन्द

२११५. 'आशाढुढि' सन संकेत शीर्षकमे कोन वातावरण दऽ सकैत अछि?

- (A) ऋतु, बरखा/आषाढ़ आ ग्राम्य अनुभवक भावभूमि
- (B) मरुभूमि मात्र
- (C) कारखाना मात्र
- (D) न्यायालय मात्र

२११६. लघुकथा रूपमे टोलक कथा कोन बात उभारि सकैत अछि?

- (A) छोट समुदायमे सम्बन्ध, संघर्ष आ लोक-व्यवहार
- (B) केवल महासागरक यात्रा
- (C) केवल गणितीय प्रमेय
- (D) केवल सरकारी तालिका

२११७. अंक २८९क लघुकथा गद्यांश-सामग्रीसँ कोना जुड़ि सकैत अछि?

- (A) एक ओर विचारोत्तेजक गद्य, दोसर ओर ग्राम्य लघुकथा
- (B) दुनू केवल गजल अछि
- (C) दुनू संपर्क-सूची अछि
- (D) दुनू चित्रावली अछि

२११८. 'गामक आशाढुढि टोल' शीर्षक पाठककेँ कोन प्रकारक कथा-परिवेश अपेक्षित करबैत अछि?

- (A) स्थानीय गाम-समाजक परिवेश
- (B) केवल महानगरीय हवाईअड्डा
- (C) केवल पर्वतीय युद्ध
- (D) केवल राजकीय घोषणा

२११९. २८९क चौथा सूचीबद्ध अंशक विधा की अछि?

- (A) लघुकथा
- (B) गजल
- (C) Index
- (D) उपन्यास

२१२०. खण्ड ७३८क सार की?

- (A) गाम-टोलक स्थानीय जीवन पर केन्द्रित लघुकथा-संकेत
- (B) केवल पात्र-सूची
- (C) केवल गजल-समूह
- (D) केवल तिथि-सूचना

खण्ड ७३९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २९० : विचारोत्तेजक गद्यांश-२ आ गजल-निरन्तरता

२१२१. अंक २९०मे प्रदीप पुष्पकक कोन सामग्री देल अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) एकटा पात्र-सूची
- (C) एकटा नाटक
- (D) एकटा शोध-ग्रन्थ

२१२२. अंक २९०मे उमेश मण्डलक लेख कोन शीर्षकसँ जुड़ल अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक विचारोत्तेजक गद्यांश-२
- (B) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'गामक जिनगी'
- (C) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'रहसा चोरी'
- (D) २५ गोटे पोथीक पात्र-सूची

२१२३. 'विचारोत्तेजक गद्यांश-२' शीर्षक कोन निरन्तरता देखबैत अछि?

- (A) पूर्व अंकक विचारोत्तेजक गद्यांशक अगिला भाग
- (B) गजल-विधाक अन्त
- (C) लघुकथाक अभाव
- (D) पत्रिका बंद भऽ गेल

२१२४. अंक २९०मे आशीष अनचिन्हारक कोन सामग्री अछि?

- (A) एकटा गजल
- (B) दू टा लघुकथा
- (C) एकटा उपन्यास
- (D) एकटा Index

२१२५. अंक २८९ आ २९०मे उमेश मण्डल-विषयमे मुख्य सम्बन्ध की अछि?

- (A) दुनू विचारोत्तेजक गद्यांशक क्रमसँ जुड़ल अछि
- (B) दुनू पूर्ण अलग बालगीत अछि
- (C) दुनू केवल फोटो-सूची अछि
- (D) दुनू गजल मात्र अछि

२१२६. 'विचारोत्तेजक गद्यांश-२' पाठकसँ कोन पठन-धैर्य चाहैत अछि?

- (A) क्रमिक चिन्तनक अगिला हिस्साक पठन
- (B) केवल शीर्षक देखबाक
- (C) केवल चित्र गिनबाक
- (D) केवल तिथि नोट करबाक

२१२७. गजल-सामग्री २८६-२९०मे कोना लगातार अछि?

- (A) हर अंकमे प्रदीप पुष्पकक दू गजल आ आशीष अनचिन्हारक एक गजल
- (B) गजल पूर्ण अनुपस्थित
- (C) केवल २९०मे गजल
- (D) केवल २८६मे गजल

२१२८. 'विचारोत्तेजक' शीर्षकक दोहराव ककर साहित्यिक स्वरकें बल दैत अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक चिन्तनशील गद्य-स्वर
- (B) केवल प्रदीप पुष्पकक पद्य
- (C) केवल आशीष अनचिन्हारक गजल
- (D) कोनो रचनाकारक नहि

२१२९. अंक २९०क पहिल भागमे कोन द्वन्द्वात्मक संगति अछि?

- (A) गजल-लय आ गद्य-चिन्तन
- (B) केवल प्रशासनिक सूचना
- (C) केवल खेल-विवरण
- (D) केवल चित्रकला

२१३०. खण्ड ७३९क सार की?

- (A) विचारोत्तेजक गद्यांशक भाग-२ आ गजल-विधाक निरन्तरता
- (B) केवल लघुकथा
- (C) केवल पात्र-सूची
- (D) केवल बाल-अनुभाग

खण्ड ७४० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २९० : ‘आब इज्जत नइ बँचत’ आ २८६–२९०क समेकित परिप्रेक्ष्य

२१३१. अंक २९०मे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) आब इज्जत नइ बँचत
- (B) गामक आशाढुढि टोल
- (C) मनतरूपधार
- (D) काजक मेहन

२१३२. ‘आब इज्जत नइ बँचत’ शीर्षक कोन सामाजिक भाव जगबैत अछि?

- (A) गरिमा, मान-प्रतिष्ठा आ सामाजिक संकट
- (B) केवल अन्न-अभाव
- (C) केवल ऋतु-वर्णन
- (D) केवल पात्र-सूची

२१३३. २८६–२९०क लघुकथा शीर्षकसभमे कोन विस्तृत सामाजिक धरातल देखाइत अछि?

- (A) मेहनत, भोक, मन-रूप, गाम-टोल आ इज्जत
- (B) केवल एके गजल
- (C) केवल पात्र-सूची
- (D) केवल संपर्क-विवरण

२१३४. ‘आब इज्जत नइ बँचत’ शीर्षकक कथात्मक तनाव की अछि?

- (A) इज्जत बचयबाक असमर्थता वा सामाजिक विडम्बना
- (B) संपूर्ण सुख-समृद्धि
- (C) केवल अंकीय गणना
- (D) केवल प्राकृतिक दृश्य

२१३५. २८६–२९०क उमेश मण्डलक सामग्रीक क्रम कोन दिशा बनबैत अछि?

- (A) पात्र-सूची, कृति-विमर्श, ग्राम्य जीवन आ विचारोत्तेजक गद्यांश
- (B) केवल बालकथा
- (C) केवल संगीत-सूची
- (D) केवल बाहरी लिंक

२१३६. २८६–२९०मे प्रदीप पुष्पकक नियमित उपस्थिति ककर माध्यमे अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) लघुकथा
- (C) Index
- (D) नाटक

२१३७. २८६-२९०मे आशीष अनचिन्हारक नियमित उपस्थिति ककर माध्यमे अछि?

- (A) एकटा गजल
- (B) दू टा उपन्यास
- (C) पात्र-सूची
- (D) कृति-विमर्श

२१३८. 'आब इज्जत नइ बैचत' सामाजिक लघुकथा लेल किएक महत्त्वपूर्ण शीर्षक अछि?

- (A) ई मान-प्रतिष्ठा आ समाजक नैतिक दबाव पर प्रश्न उठबैत अछि
- (B) ई केवल मौसमक सूचना अछि
- (C) ई केवल छन्दक नाम अछि
- (D) ई केवल लेखकक फोटो अछि

२१३९. २८६-२९०क समेकित साहित्यिक रूप की अछि?

- (A) गजल, जगदीश प्रसाद मण्डल-केंद्रित आलोचनात्मक/सूची सामग्री आ लघुकथा
- (B) केवल नाटक
- (C) केवल गीत
- (D) साहित्य-विहीन सूचना

२१४०. एहि बैच २८६-२९०क मुख्य निष्कर्ष की?

- (A) विदेह गजल-विधा, जगदीश प्रसाद मण्डलक कृतित्व-विमर्श आ सामाजिक लघुकथा केँ साथे आगू बढ़बैत अछि
- (B) विदेहमे गद्य पूर्ण अनुपस्थित अछि
- (C) गजल हटि गेल अछि
- (D) लघुकथा केवल एक बेर अछि

खण्ड ७४१ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २९१ : गजल आ 'दर्जन भरि कथाक सामान्य परिचय'

२१४१. अंक २९१मे प्रदीप पुष्पकक कोन सामग्री देल अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) एकटा लघुकथा
- (C) एकटा उपन्यास
- (D) एकटा पात्र-सूची

२१४२. अंक २९१मे उमेश मण्डलक लेख कोन विषयपर अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक दर्जन भरि कथाक सामान्य परिचय
- (B) अकास गंगा काव्य-संग्रह
- (C) अर्द्धांगिनी कथा-संग्रह
- (D) बजन्ता-बुझन्ता बीहैन कथा-संग्रह

२१४३. एहि परिचयात्मक लेखमे जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा-संसारक बारेमे की कहल गेल अछि?

- (A) हिनक कथा लेखनक संसार बेस व्यापक अछि
- (B) हिनक कथा-संसार बहुत छोट अछि
- (C) कथा-विधा अनुपस्थित अछि
- (D) केवल गीत-संग्रहक चर्चा अछि

२१४४. 'डीहक बटबारा' कथामे श्रीकान्त आ मुकुन्दक सम्बन्ध कोन रूपमे देल अछि?

- (A) एकहि परिवारक पितियौत भैयारी
- (B) गुरु-शिष्य
- (C) राजा-प्रजा
- (D) कवि-सम्पादक

२१४५. 'डीहक बटबारा'मे दुनू व्यक्ति कोन पेशागत पृष्ठभूमिसँ गामक जीवन दिस लौटैत छथि?

- (A) पढ़ि-लिखि इंजीनियर बनल आ गामसँ बाहर रहल
- (B) किसान बालक रहल
- (C) नाटककार रहल
- (D) गायक-मंडली चलबैत रहल

२१४६. गुरुकाकाक विचारमे गामकेँ पूर्णतः छोड़ि देबाक परिणाम की होइत अछि?

- (A) गामक ज्ञान निर्यात भऽ जाइत अछि आ कला-संस्कृति टुटि जाइत अछि
- (B) गाम तुरन्त समृद्ध भऽ जाइत अछि
- (C) सम्बन्ध स्वतः मजबूत होइत अछि
- (D) कुनो प्रभाव नहि पड़ैत अछि

२१४७. परिचयमे वैदिकजीक योगदान कोन सामाजिक परिवर्तनसँ जोड़ल अछि?

- (A) गामसँ पानिक छुआ-छूत मेटेनाइ
- (B) कृषि कर हटेनाइ
- (C) विद्यालय बंद करेनाइ
- (D) नाच-गान रोकनाइ

२१४८. 'भैयारी' कथाक चर्चा शहरी चकाचौंधक सम्बन्धमे पाठककेँ की चेतावनी दैत अछि?

- (A) गामक जड़ि काटि शहरमे बसबाक परिणाम नीक नहि होइत अछि
- (B) शहरमे बसब सदिखन सरल अछि
- (C) गामक जमीन बेचब अनिवार्य अछि
- (D) परिवारक सम्बन्ध अप्रासंगिक अछि

२१४९. 'बहिन' कथाक परिचयमे कोन मानवीय सम्बन्ध प्रमुख बनैत अछि?

- (A) मातृ-सखी आ बहिनापनक गंगा-जमुनी प्रेम
- (B) केवल सम्पत्ति-विवाद
- (C) केवल सरकारी योजना
- (D) केवल परदेश-यात्रा

२१५०. खण्ड ७४१क मुख्य सार की अछि?

- (A) अंक २९१ गजल-सामग्रीक संग जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा-संसारक परिचय खोलैत अछि
- (B) अंकमे केवल तिथि-सूचना अछि
- (C) अंकमे कथा-विमर्श नहि अछि
- (D) अंक पूर्णतः नाटक-केंद्रित अछि

खण्ड ७४२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २९१ : 'पसेनाक मोल' लघुकथा आ श्रम-संवेदना

२१५१. अंक २९१मे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) पसेनाक मोल
- (B) बुढ़ापा
- (C) कृषियोग
- (D) हारल चेहरा जीतल रूप

२१५२. 'पसेनाक मोल' कथाक आरम्भ कोन मास आ पर्व-संकेतसँ होइत अछि?

- (A) कातिक मास आ गोबरधन पूजा-दिन
- (B) सावन मास आ नागपञ्चमी
- (C) फागुन मास आ होरी
- (D) भादव मास आ कृष्णाष्टमी

२१५३. कथारम्भमे मौसमक कोन अवस्था वर्णित अछि?

- (A) उम्मस आ टहटहौआ कातिकक रौद
- (B) बरफक ठंढ
- (C) पूरा अन्हार राति
- (D) घनघोर हिमपात

२१५४. कथामे हरियाहाक कोन स्थानीय रूपक संकेत भेटैत अछि?

- (A) गाए-महींसिक संग सुगरक हरियाहा
- (B) केवल मनुष्यक हरियाहा
- (C) राजदरबारक हरियाहा
- (D) विद्यालयी खेल

२१५५. कथामे हरियाहा बन्द हेबाक स्मृति ककर मृत्यु सँ जोड़ल अछि?

- (A) नीलकण्ठ काका
- (B) उचितलाल बाबा
- (C) छलानन्द
- (D) ज्ञानचन काका

२१५६. अल्लापुरवाली भौजी कथामे कोन दृश्यसँ अबैत छथि?

- (A) माथपर घासक भारी बोझ लऽ कऽ
- (B) हाथमे पुस्तक लऽ कऽ
- (C) रथपर चढ़ि कऽ
- (D) नदीमे नाव खेबसँ

२१५७. भौजीक देहक पसेना आ शीर्षक 'पसेनाक मोल' कोन भाव जगबैत अछि?

- (A) मेहनत, श्रम आ ओकर मान
- (B) राजकीय वैभव
- (C) सैनिक विजय
- (D) काव्य-छन्द मात्र

२१५८. कथावाचक मेहनतक अभ्यासक बारेमे की निष्कर्ष निकालैत अछि?

- (A) मेहनतकेँ अभ्याससँ अङ्गेजल जाइत अछि तँ जीवनक भार फुलकुमारी जकाँ उठैत अछि
- (B) मेहनत सदिखन व्यर्थ अछि
- (C) मेहनत केवल खेल अछि
- (D) मेहनत समाजसँ अलग अछि

२१५९. 'पसेनाक मोल'मे ग्राम्य जीवनक कोन पक्ष उभरैत अछि?

- (A) पावनि, पशुधन, घास-बोझा आ श्रमशील स्त्रीक संसार
- (B) केवल महानगरीय बाजार
- (C) केवल युद्धकथा
- (D) केवल राजकीय भाषण

२१६०. खण्ड ७४२क सार की अछि?

- (A) लघुकथा श्रमक पसीना आ ओकर मानकेँ ग्राम्य प्रसंगमे पढ़बैत अछि
- (B) कथा केवल यात्रा-सूची अछि
- (C) कथा केवल मौसमक आँकड़ा अछि
- (D) कथा केवल गीत-संग्रह अछि

खण्ड ७४३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २९२ : 'बजन्ता-बुझन्ता' आ बीहैन कथा-संसार

२१६१. अंक २९२मे उमेश मण्डलक लेख कोन कृति पर केन्द्रित अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'बजन्ता-बुझन्ता'
- (B) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'अकास गंगा'
- (C) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'अर्द्धांगिनी'
- (D) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'सुभिमानी जिनगी'

२१६२. 'बजन्ता-बुझन्ता' कृति ककर द्वितीय बीहैन कथा-संग्रह कहल गेल अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक
- (B) प्रदीप पुष्पकक
- (C) आशीष अनचिन्हारक
- (D) दुर्गानन्द मण्डलक

२१६३. 'बजन्ता-बुझन्ता'क पहिल संस्करण कोन प्रकाशनसँ प्रकाशित भेल छल?

- (A) श्रुति प्रकाशन, दिल्ली
- (B) पल्लवी प्रकाशन मात्र
- (C) कोलकाता संगीत मंडल
- (D) जनकपुर नाट्य परिषद

२१६४. 'बजन्ता-बुझन्ता'क लोकार्पण कोन कथा-गोष्ठी-सन्दर्भमे भेल?

- (A) ८०म कथा गोष्ठी, निर्मली
- (B) पहिल बाल गोष्ठी
- (C) दसम नाट्य महोत्सव
- (D) कविता पर्व

२१६५. वर्तमान उपलब्ध संस्करणक बारेमे लेखमे की संकेत अछि?

- (A) चारिम संस्करण उपलब्ध अछि
- (B) केवल पांडुलिपि उपलब्ध अछि
- (C) कोनो संस्करण नहि अछि
- (D) केवल चित्ररूप संस्करण अछि

२१६६. 'बजन्ता-बुझन्ता' संग्रहमे कतेक बीहैन कथा आएल अछि?

- (A) ६८ गोटा
- (B) २० गोटा
- (C) ८ गोटा
- (D) ३९ गोटा

२१६७. लेखक 'बजन्ता-बुझन्ता'क कथा सभकेँ कोन दस्तावेज कहैत छथि?

- (A) व्यक्तिगत आ सामाजिक उथल-पुथलक दस्तावेज
- (B) केवल गीतक दस्तावेज
- (C) युद्ध-वृत्तान्तक दस्तावेज
- (D) राजकीय फरमानक दस्तावेज

२१६८. 'कचोट' कथाक परिचयमे कोन वर्गक मजबूरी प्रमुख अछि?

- (A) मध्यम वर्गक पढ़बाक इच्छा आ जीवन-यापनक बाध्यता
- (B) राजघरानाक विलास
- (C) सैनिक प्रशिक्षण
- (D) समुद्री व्यापार

२१६९. 'खिलतोड़' कथाक परिचयमे कोन अन्तर रेखांकित अछि?

- (A) सैद्धान्तिक ज्ञान आ प्रायोगिक ज्ञानक अन्तर
- (B) काव्य आ संगीतक अन्तर
- (C) राजा आ सेनाक अन्तर
- (D) समुद्र आ पर्वतक अन्तर

२१७०. खण्ड ७४३क सार की अछि?

- (A) अंक २९२ बीहैन कथा-संग्रह 'बजन्ता-बुझन्ता'क सामाजिक उथल-पुथल आ कथा-विस्तार देखबैत अछि
- (B) अंक केवल पृष्ठ-सूची अछि
- (C) अंकमे कृति-विमर्श नहि अछि
- (D) अंक केवल नाटकक घोषणा अछि

खण्ड ७४४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २९२ : 'बुढ़ापा' लघुकथा आ वृद्धावस्थाक विमर्श

२१७१. अंक २९२मे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) बुढ़ापा
- (B) पसेनाक मोल
- (C) कृषियोग
- (D) काजकरोप

२१७२. 'बुढ़ापा' कथाक आरम्भमे बुढ़ापा केना परिभाषित अछि?

- (A) जिनगीक एक अवस्था
- (B) किसानकी एक औजार
- (C) गजल-छन्द
- (D) राजकीय पद

२१७३. कथामे जन्म आ मृत्युक सम्बन्धमे कोन विचार अछि?

- (A) जन्म आ मृत्यु अकाट गति-विधि अछि
- (B) जन्म-मृत्यु केवल भ्रम अछि
- (C) मृत्यु केवल मनुष्यक लेल अछि
- (D) जन्मक बाद परिवर्तन नहि होइत अछि

२१७४. 'बुढ़ापा'मे उचितपुर गामक कोन वृद्ध पात्र प्रमुख अछि?

- (A) उचितलाल बाबा
- (B) अल्लापुरवाली भौजी
- (C) विचारदेव
- (D) ज्ञानचन काका

२१७५. उचितलाल बाबाक देहक वर्णनक संग मनक बारेमे की कहल गेल अछि?

- (A) देह ढील भऽ गेल मुदा मनक कामना-प्रवाह अखनो सक्रिय अछि
- (B) देह आ मन दुनू पूर्णतः निष्क्रिय अछि
- (C) मनक चर्चा नहि अछि
- (D) ओ बालक छथि

२१७६. विलास बाबा कथामे ककर विषयमे शिकायत करैत उचितलाल बाबाक लग पहुँचैत छथि?

- (A) घरक बुढ़-पुरानकेँ दोखी बनाबय बला चालिक विषयमे
- (B) खेतीक बटबाराक विषयमे
- (C) गीतक मात्राक्रमक विषयमे
- (D) कोर्टक दस्तावेजक विषयमे

२१७७. विलास आ उचितलाल दुनू परिवारमे कोन साम्य देल अछि?

- (A) दुनू तीन पीढ़ीक परिवारमे रहैत छथि
- (B) दुनू परदेशमे अकेले रहैत छथि
- (C) दुनूक परिवार नहि अछि
- (D) दुनू केवल नाट्य-दलमे छथि

२१७८. 'बुढ़ापा' कथाक सामाजिक प्रश्न की अछि?

- (A) परिवारमे वृद्धक स्थान, दोषारोपण आ सम्बन्धक विचारधारा
- (B) केवल पशुधनक मूल्य
- (C) केवल गजल-छन्द
- (D) केवल यात्रा-विवरण

२१७९. बुढ़ापा कथामे सुनबाक कठिनाई कोन दृश्यसँ व्यक्त अछि?

- (A) उचितलाल बाबा कान ठाढ़ कऽ आ हाथ लगा कऽ विलासक बात सुनय चाहैत छथि
- (B) बालक गीत गाबैत अछि
- (C) नदी सूखि जाइत अछि
- (D) दस्तावेज लिखल जाइत अछि

२१८०. खण्ड ७४४क सार की अछि?

- (A) 'बुढ़ापा' वृद्धावस्था, परिवार आ सामाजिक दोषारोपणक कथा बनैत अछि
- (B) कथा केवल पावनि-वर्णन अछि
- (C) कथा केवल कृषक-तकनीक अछि
- (D) कथा केवल प्रकाशन-सूचना अछि

खण्ड ७४५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २९३ : 'अकास गंगा' आ पद्य-दृष्टिकोण

२१८१. अंक २९३मे उमेश मण्डलक लेख कोन कृति पर अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'अकास गंगा'
- (B) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'बजन्ता-बुझन्ता'
- (C) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'अर्द्धांगिनी'
- (D) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'सुभिमानी जिनगी'

२१८२. 'अकास गंगा' कृति विधागत रूपेँ कोन क्षेत्रसँ जुड़ल अछि?

- (A) पद्य रचना
- (B) बीहैन कथा
- (C) लघुकथा मात्र
- (D) नाटक

२१८३. 'अकास गंगा' संग्रहमे कतेक रचना संग्रहित अछि?

- (A) ३९ गोटा
- (B) ६८ गोटा
- (C) २० गोटा
- (D) ८ गोटा

२१८४. 'अकास गंगा'क आरम्भ कोन शीर्षक रचनासँ भेल कहल गेल अछि?

- (A) नजैर-नजैरमे तफरका भैया
- (B) सुफल काज
- (C) काजकरोप
- (D) हारल चेहरा जीतल रूप

२१८५. 'अकास गंगा'क अन्त कोन रचनाक संग कहल गेल अछि?

- (A) सुफल काज
- (B) नजैर-नजैरमे तफरका भैया
- (C) बुढ़ापा
- (D) अगिलह

२१८६. मण्डलजीक दृष्टिकोण विषयमे विद्वतजनक विचारकेँ लेखमे कोन रूपमे देखाओल गेल अछि?

- (A) मैथिली साहित्य लेल अनुपम नव दृष्टिकोण
- (B) केवल पुरान नकल
- (C) कविता-विरोधी दृष्टि
- (D) सामग्री-विहीन विचार

२१८७. 'नजैर-नजैरमे तफरका भैया' कोन सामान्य जनकण्ठ सत्यकेँ बदलि काव्यरूप दैत अछि?

- (A) नजरि बदललाक संग अर्थ बदलैत अछि
- (B) कृषि-मूल्य तय करब
- (C) नदीक नाप
- (D) कानूनी दस्तावेज

२१८८. लेखमे समाज आ विद्वानक सम्बन्धक बारेमे कोन बात उभरैत अछि?

- (A) जे समाजक हितमे काज करत, ओकरहि समाज पूजा कऽ सकैत अछि
- (B) विद्वानक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (C) समाज सदिखन गाम उजाड़ैत अछि
- (D) विद्वान केवल दरबारक अंग अछि

२१८९. 'नवका बास' प्रसंगमे कोन विचार अछि?

- (A) समाजक बीच समाज आ नव बास बनबाक प्रक्रिया
- (B) केवल सैनिक शिविर
- (C) केवल समुद्र-यात्रा
- (D) केवल दरबार

२१९०. खण्ड ७४५क सार की अछि?

- (A) 'अकास गंगा' पद्यक माध्यमे दृष्टिकोण, समाज आ परिवर्तनक स्वर खोलैत अछि
- (B) अंकमे पद्यक चर्चा नहि अछि
- (C) अंक केवल बीहैन कथाक सूची अछि
- (D) अंक केवल लघुकथा-पाठ अछि

खण्ड ७४६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २९३ : 'कृषियोग' लघुकथा आ कृषि-दृष्टि

२१९१. अंक २९३मे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) कृषियोग
- (B) बुढ़ापा
- (C) पसेनाक मोल
- (D) काजकरोप

२१९२. 'कृषियोग' शीर्षकमे 'कृषि' कोन जीवन-क्षेत्रक संकेत दैत अछि?

- (A) खेती-बाड़ी आ कृषक जीवन
- (B) नौका-विहार
- (C) दरबारी राजनीति
- (D) शहरी न्यायालय

२१९३. अंक २९३मे प्रदीप पुष्पकक सामग्री की अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) कृषि-निबंध
- (C) नाटक
- (D) उपन्यास

२१९४. अंक २९३मे आशीष अनचिन्हारक सामग्री कोन विधामे अछि?

- (A) एकटा गजल
- (B) दू टा कथा
- (C) एकटा नाटक
- (D) काव्य-संग्रह

२१९५. 'अकास गंगा' आ 'कृषियोग' एकहि अंकमे रहबाक कारण कोन द्वि-स्वर बनैत अछि?

- (A) पद्य-दृष्टि आ कृषक-जीवनक कथा-दृष्टि
- (B) केवल प्रशासनिक सूचना
- (C) केवल संपर्क-सूची
- (D) कविता-विरोध

२१९६. कृषियोग शीर्षकक आधार पर कथा कोन सामाजिक जमीनसँ जुड़ि सकैत अछि?

- (A) गाम, खेत, श्रम आ जीवन-निर्वाह
- (B) केवल राजमहल
- (C) केवल विमान-यात्रा
- (D) केवल समुद्री व्यापार

२१९७. २९१क 'पसेनाक मोल' आ २९३क 'कृषियोग'मे साझा सूत्र की अछि?

- (A) श्रम आ ग्राम्य जीवनक महत्त्व
- (B) केवल न्यायालयी वाद
- (C) केवल गीतक मात्रा
- (D) केवल प्रकाशन-विवरण

२१९८. लघुकथा शीर्षक 'कृषियोग'मे 'योग' शब्द की भाव देत अछि?

- (A) कृषि संग जीवनक साधना वा जोड़
- (B) केवल खेलक आसन
- (C) केवल संगीतक ताल
- (D) केवल सरकारी पद

२१९९. अंक २९३क समेकित स्वर की अछि?

- (A) गजल, पद्य-विमर्श आ कृषि-संवेदना
- (B) केवल नाटक
- (C) केवल बाल-कविता
- (D) साहित्य-विहीन सूचना

२२००. खण्ड ७४६क सार की अछि?

- (A) 'कृषियोग' शीर्षक कृषि, श्रम आ ग्राम्य जीवनक कथा-प्रवेश बनैत अछि
- (B) कथा केवल शहरी दरबार अछि
- (C) कथा केवल छन्द-सूची अछि
- (D) कथा केवल प्रकाशन-विवरण अछि

खण्ड ७४७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २९४ : 'सुभिमानी जिनगी' आ स्वाभिमानक कथा-संग्रह

२२०१. अंक २९४मे उमेश मण्डलक लेख कोन कृति पर अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलजीक 'सुभिमानी जिनगी'
- (B) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'अकास गंगा'
- (C) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'बजन्ता-बुझन्ता'
- (D) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'अर्द्धांगिनी'

२२०२. 'सुभिमानी जिनगी'मे कुल कतेक कथा संकलित अछि?

- (A) आठ गोटा
- (B) बीस गोटा
- (C) अड़सठि गोटा
- (D) उनन्चालीस गोटा

२२०३. लेखक अनुसार एहि संग्रहक कथा सभ कोन बात रेखांकित करैत अछि?

- (A) मनुष्यक जीवनमे होइत निरन्तर परिवर्तन आ ओकर यथार्थ
- (B) केवल संगीत-ताल
- (C) केवल राजकीय आदेश
- (D) केवल चित्रकला

२२०४. संग्रहक पहिल कथा कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) केकरा-ले केलौं
- (B) आशापर पानि फेर गेल
- (C) बुढ़ापा
- (D) हारल चेहरा जीतल रूप

२२०५. संग्रहक अन्तिम कथा कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) आशापर पानि फेर गेल
- (B) केकरा-ले केलौं
- (C) बजन्ता-बुझन्ता
- (D) कृषियोग

२२०६. 'सुभिमानी जिनगी'क लेखन-अवधि कोन सीमा धरि बताओल गेल अछि?

- (A) २३ जनवरी २०१८ सँ ९ मार्च २०१८ धरिक
- (B) २०१३ सँ २०१८ धरिक
- (C) २०२० सँ २०२१ धरिक
- (D) केवल एक दिन

२२०७. 'स्वाभिमानी जिनगी' कथा कतेक शब्दक रूपमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) २७६७ शब्द
- (B) २६४९ शब्द
- (C) ३०८९ शब्द
- (D) २४४७ शब्द

२२०८. 'बाबाक बाग-बगिया' कथा कतेक शब्दक रूपमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) ३०८९ शब्द
- (B) २२२९ शब्द
- (C) २०७६ शब्द
- (D) ३१०७ शब्द

२२०९. 'हेराएल जिनगी' कथाक शब्दसंख्या कोन रूपमे देल अछि?

- (A) ३१०७ शब्द
- (B) २०७६ शब्द
- (C) २२२९ शब्द
- (D) २६४९ शब्द

२२१०. खण्ड ७४७क सार की अछि?

- (A) 'सुभिमानी जिनगी' जीवन-परिवर्तन, यथार्थ आ स्वाभिमानक आठ कथाक संग्रह अछि
- (B) ई केवल गजल-सूची अछि
- (C) ई केवल बीहैन कथा-संग्रह अछि
- (D) ई केवल पृष्ठ-सूची अछि

खण्ड ७४८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २९४ : 'काजकरोप' लघुकथा आ जीवनक पुनर्विचार

२२११. अंक २९४मे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) काजकरोप
- (B) कृषियोग
- (C) बुढ़ापा
- (D) पसेनाक मोल

२२१२. 'काजकरोप' कथाक आरम्भमे जीवनक कतेक हिस्सा बीतबाक संकेत अछि?

- (A) तीन हिस्सामे दू हिस्सा बीत गेल
- (B) पूरा जीवन आरम्भ भेल
- (C) कुनो समय नहि बीतल
- (D) केवल बालपन

२२१३. कथामे बाबाक मृत्यु कोन दुर्घटना सँ जुड़ल अछि?

- (A) बस पुलपर चढ़ल आ पुल टूटि गेल
- (B) रेल दुर्घटना
- (C) आगि लगल
- (D) नौका डूबल

२२१४. कथावाचक अपन बाबाक जीवनक कोन विशेषता मोन पड़ैत अछि?

- (A) स्कूली शिक्षा कम रहितो व्यवहारिक जिनगीमे सम्पन्न छलाह
- (B) ओ गाम छोड़ि पूर्णतः शहर चलि गेलाह
- (C) ओ गजलकार मात्र छलाह
- (D) ओ कखनो परिवार नहि चलौलनि

२२१५. कथावाचक बी.ए. पास केलापर गाममे अपन स्थान कतेक मानैत अछि?

- (A) चारिम
- (B) पहिल
- (C) बीसम
- (D) दसम

२२१६. शिक्षा-विभागमे नोकरी नहि भेटलापर कथावाचक मन कोन दिस भागय चाहैत अछि?

- (A) शहर-बजार दिस
- (B) जंगल दिस
- (C) दरबार दिस
- (D) समुद्र दिस

२२१७. किसानीकाजक सम्बन्धमे कथावाचक कोन सामाजिक दबाव अनुभव करैत अछि?

- (A) खेती बिनु पढ़ल-लिखल लोकक काज बुझल जाइत अछि
- (B) खेतीक मान सर्वश्रेष्ठ अछि
- (C) किसानी तुरन्त छोड़ल गेल
- (D) खेती केवल खेल अछि

२२१८. ज्ञानचन काकाक परिवार कथावाचक लेल कोन उदाहरण बनैत अछि?

- (A) संयुक्त, स्नेहपूर्ण आ क्रियाशील पारिवारिक जीवन
- (B) पूर्ण विखंडित परिवार
- (C) शहरी कार्यालय
- (D) कोर्ट-कचहरी

२२१९. सुशीलक स्कूल-फीस प्रसंग कथावाचककेँ कोन आन्तरिक चोट दैत अछि?

- (A) परिवार, उपार्जन आ सदुपयोग पर पुनर्विचार
- (B) केवल गीत-स्मरण
- (C) केवल पावनि-वर्णन
- (D) कृषि-छन्द

२२२०. खण्ड ७४८क सार की अछि?

- (A) 'काजकरोप' शिक्षा, बेरोजगारी, किसानी, परिवार आ आत्मबोधक कथा अछि
- (B) कथा केवल गजल अछि
- (C) कथा केवल प्रकाशन-सूची अछि
- (D) कथा केवल वृद्धावस्था-वर्णन अछि

खण्ड ७४९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २९५ : 'अर्द्धांगिनी' कथा-संग्रह आ लोकजीवन

२२२१. अंक २९५मे उमेश मण्डलक लेख कोन कृति पर अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'अर्द्धांगिनी' कथा-संग्रह
- (B) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'अकास गंगा'
- (C) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'बजन्ता-बुझन्ता'
- (D) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'कृषियोग'

२२२२. 'अर्द्धांगिनी'मे कतेक कथा संकलित अछि?

- (A) बीस गोट
- (B) आठ गोट
- (C) उनन्चालीस गोट
- (D) अड़सठि गोट

२२२३. 'अर्द्धांगिनी'क पहिल संस्करण कोन प्रकाशनसँ प्रकाशित भेल?

- (A) श्रुति प्रकाशन, नई दिल्ली
- (B) पल्लवी प्रकाशन मात्र
- (C) दरभंगा नाट्य मंच
- (D) कुनो अज्ञात प्रेस

२२२४. 'अर्द्धांगिनी'क लोकार्पण के केलनि?

- (A) प्रसिद्ध कथाकार दुर्गानन्द मण्डलजी
- (B) प्रदीप पुष्पक
- (C) आशीष अनचिन्हार
- (D) केवल सम्पादकीय मंडल

२२२५. एहि संग्रहक आमुखकार के कहल गेल छथि?

- (A) डॉ. योगानन्द झा
- (B) डॉ. कैलाश कुमार मिश्र
- (C) प्रदीप पुष्पक
- (D) उचितलाल बाबा

२२२६. डॉ. योगानन्द झाक विचार अनुसार मण्डलजीक कथा सभ हुनका कोन पंक्तिमे ठाढ़ करैत अछि?

- (A) आधुनिक कथाकार लोकनिक अग्रिम पंक्तिमे
- (B) केवल प्राचीन कविक पंक्तिमे
- (C) नाट्य निर्देशकक पंक्तिमे
- (D) केवल पाठकक पंक्तिमे

२२२७. 'अर्द्धांगिनी'क चारिम संस्करण कोन प्रकाशनसँ उपलब्ध कहल गेल अछि?

- (A) पल्लवी प्रकाशन, निर्मली
- (B) श्रुति प्रकाशन मात्र
- (C) कोलकाता प्रकाशन
- (D) कोनो संस्करण नहि

२२२८. 'अर्द्धांगिनी' कृति कथाविधामे मण्डलजीक कतयक पोथी कहल गेल अछि, 'गामक जिनगी'क बाद?

- (A) तेसर पोथी
- (B) पहिल पोथी
- (C) दसम पोथी
- (D) केवल पद्य-पोथी

२२२९. 'दोहरी मारि' कथाक परिचयमे कोन पात्रक मनोविश्लेषण अछि?

- (A) अवकाश प्राप्त प्रोफेसर गुलाब
- (B) सिंहेश्वर भाय
- (C) विचारदेव
- (D) अल्लापुरवाली भौजी

२२३०. खण्ड ७४९क सार की अछि?

- (A) 'अर्द्धांगिनी' लोकजीवन, परिवार, कृषि, पावनि आ सामाजिक समस्याक कथा-संग्रह अछि
- (B) ई केवल गजल-मात्रा चर्चा अछि
- (C) ई केवल लघुकथा 'बुढ़ापा' अछि
- (D) ई केवल प्रकाशन-रहित पांडुलिपि अछि

खण्ड ७५० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २९५ : 'हारल चेहरा जीतल रूप' आ पहचानक पुनर्भेंट

२२३१. अंक २९५मे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) हारल चेहरा जीतल रूप
- (B) काजकरोप
- (C) कृषियोग
- (D) पसेनाक मोल

२२३२. 'हारल चेहरा जीतल रूप' कथामे विचारदेवक भेंट ककरा सँ होइत अछि?

- (A) छलानन्द सँ
- (B) उचितलाल बाबा सँ
- (C) अल्लापुरवाली भौजी सँ
- (D) ज्ञानचन काका सँ

२२३३. विचारदेव आ छलानन्दक भेंट कतय होइत अछि?

- (A) झंझारपुर कोर्ट परिसरमे
- (B) गामक हुरियाहा मैदानमे
- (C) कविता मंचपर
- (D) धानक खेतमे

२२३४. विचारदेव कोर्ट किएक आएल छलाह?

- (A) जमीनक सनाक बनबैबाक/रजिष्ट्री ऑफिसक काजसँ
- (B) गजल सुनाबय
- (C) विद्यालयी परीक्षा देबय
- (D) हुरियाहा देखबय

२२३५. छलानन्दकेँ देखिते विचारदेव किएक धकमकाइत छथि?

- (A) तीस बर्ख बाद चेहरा बदलि गेल छल
- (B) छलानन्द बिल्कुल अपरिचित परदेशी छल
- (C) भेट पहिल बेर भेल छल
- (D) ओकरा नाम नहि छल

२२३६. कथामे छलानन्दक कोन शारीरिक परिवर्तनक उल्लेख अछि?

- (A) कारी केस उज्जर भऽ गेल आ आगाँक दाँत टूटल
- (B) ओ बालक बनि गेल
- (C) ओ राजसी वेशमे छल
- (D) ओ अन्हारमे अदृश्य छल

२२३७. विचारदेव छलानन्दकेँ अन्ततः कोन माध्यमसँ निश्चित रूपेँ चिन्हैत छथि?

- (A) शब्द-शैलीसँ
- (B) कपड़ाक रंगसँ
- (C) दस्तावेजक नक्सासँ
- (D) घोड़ा-गाड़ीसँ

२२३८. देवन मुंशीक प्रसंग कथामे कोन कार्यालयी वातावरण बनबैत अछि?

- (A) दस्तावेज, नक्सा, रजिष्ट्री ऑफिस आ पान-दोकानक व्यवहार
- (B) कृषि-प्रयोगशाला
- (C) नाट्य-मंच
- (D) गजल-सभागार

२२३९. शीर्षक 'हारल चेहरा जीतल रूप'मे मुख्य द्वन्द्व की अछि?

- (A) चेहराक हारल चिन्ह आ सम्बन्ध/शैलीक जीतल पहचान
- (B) खेती आ मौसम
- (C) पावनि आ गीत
- (D) बुढ़ापा आ जन्म

२२४०. खण्ड ७५०क सार की अछि?

- (A) लघुकथा तीस वर्षक दूरी, बदलल चेहरा आ जीवित पहचानक कथा अछि
- (B) कथा केवल पावनि-वर्णन अछि
- (C) कथा केवल कृषि-तकनीक अछि
- (D) कथा केवल गजल-संग्रह अछि

खण्ड ७५१ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २९६ : गजल, 'मुड़ियायल घर' आ लघुकथा-सूची

२२४१. अंक २९६क तिथि-सूचक शीर्षकमे कोन मास-वर्ष देल अछि?

- (A) १५ अप्रैल २०२०
- (B) ०१ मई २०२०
- (C) १५ मई २०२०
- (D) ०१ जून २०२०

२२४२. अंक २९६क सामग्री-सूचीमे प्रदीप पुष्पकक कोन रचना-वर्ग देल अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) एकटा उपन्यास
- (C) चारि टा नाटक
- (D) संस्मरण-मात्र

२२४३. अंक २९६मे उमेश मण्डलक लेख कोन कथाकारक कृति पर केन्द्रित अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'मुड़ियायल घर'
- (B) प्रदीप पुष्पकक गजल-संग्रह
- (C) आशीष अनचिन्हारक कविता-संग्रह
- (D) सन्तोष राय 'बटोही'क पद्य

२२४४. अंक २९६क सामग्रीमे आशीष अनचिन्हारक कोन प्रस्तुति अछि?

- (A) एकटा गजल
- (B) कथा-लेखन क्रम
- (C) पाँच टा निबन्ध
- (D) एकटा उपन्यास

२२४५. अंक २९६मे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा-सामग्री कोन रूपमे देल अछि?

- (A) अग्नि-परिछा, रहोनिक परिवार, परिवार बनिरलज आदि
- (B) केवल एक शीर्षक
- (C) साहित्येतर सूचना
- (D) केवल अनुवाद

२२४६. प्रदीप पुष्पकक पहिल गजलमे कोन सामाजिक स्वर उभरैत अछि?

- (A) आँख, चान, इज्जति, कानसँ जुड़ल व्यंग्यात्मक अनुभव
- (B) केवल युद्ध-घोषणा
- (C) केवल बाल-गीत
- (D) केवल वैज्ञानिक परिभाषा

२२४७. प्रदीप पुष्पकक दोसर गजलमे 'साँझ' आ 'सुरुज'क संकेत कोन भाव बनबैत अछि?

- (A) समय, उजास आ सामाजिक चेतनाक रूपक
- (B) केवल मौसम-सूचना
- (C) कानूनी विवरण
- (D) यात्रा-तालिका

२२४८. अंक २९६क मुख्य संयोजन कोन तरहक अछि?

- (A) गजल, आलोचना आ लघुकथा सभक मिश्रण
- (B) केवल विज्ञापन-सूची
- (C) केवल पत्राचार
- (D) केवल अनुक्रमणिका

२२४९. 'मुड़ियायल घर'क लेख सूचीमे ककर नामसँ देल अछि?

- (A) उमेश मण्डल
- (B) रवीन्द्र नारायण मिश्र
- (C) सन्तोष राय 'बटोही'
- (D) प्रणव कुमार झा

२२५०. खण्ड ७५१क सार की अछि?

- (A) अंक २९६ गजल, कथा-विमर्श आ लघुकथा-सूत्रसँ रचनात्मक-आलोचनात्मक संसार खोलैत अछि
- (B) अंकमे साहित्यिक सामग्री नहि अछि
- (C) अंक केवल चित्र-संग्रह अछि
- (D) अंक केवल सम्पर्क-सूचना अछि

खण्ड ७५२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २९६ : 'मुड़ियायल घर' कथा-संग्रहक परिचय

२२५१. 'मुड़ियायल घर' लेखमे कृति कोन विधासँ सम्बद्ध कहल गेल अछि?

- (A) कथासंग्रह
- (B) महाकाव्य
- (C) एकांकी-संग्रह
- (D) गीत-संग्रह

२२५२. 'मुड़ियायल घर'क पहिल संस्करण कोन वर्ष प्रकाशित भेल कहल गेल अछि?

- (A) २०१६
- (B) २०२०
- (C) २०१३
- (D) २००६

२२५३. कृति-सूचीमे 'मुड़ियायल घर'क पहिल कथा कोन शीर्षक अछि?

- (A) बागदल गाम
- (B) बतसोझना
- (C) कचहरिया रोग
- (D) देव उठान

२२५४. 'मुड़ियायल घर' लेखमे कुल कतेक कथा-सूत्रक सूची देल अछि?

- (A) एगारह
- (B) आठ
- (C) तीन
- (D) पचास

२२५५. 'बागदल गाम' कथाक विवेचनमे समाजक कोन रूप उभरैत अछि?

- (A) रूढ़िवादी सोच आ अन्धविश्वाससँ जकड़ल ग्रामीण समाज
- (B) केवल समुद्री व्यापार
- (C) राजदरबारक औपचारिकता
- (D) विद्यालयी परीक्षा

२२५६. 'बागदल गाम'क पात्र-संकेतमे गामक व्यक्ति कोन चीजसँ चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) घुरनक देह-चेहरा आदि अकनल जा सकैत अछि
- (B) केवल पासपोर्टसँ
- (C) केवल शहरक पता सँ
- (D) केवल सरकारी पदसँ

२२५७. लेखमे गामक जड़ि आ खेती-किसानीक बारेमे कोन चिन्ता अछि?

- (A) खेती-किसानीक विरुद्ध सामाजिक वातावरण आ गाम छोड़ि देबाक प्रवृत्ति
- (B) खेतीक पूर्ण अनुपस्थिति
- (C) केवल कारखाना-जीवन
- (D) केवल सेनाक जीवन

२२५८. 'मुड़ियायल घर'क कथा-विवेचन कथाकारक कोन रुचि देखबैत अछि?

- (A) गाम, खेती, परम्परा, मान्यता आ सामाजिक बदलावक विश्लेषण
- (B) केवल शहरी फैशन
- (C) केवल वैज्ञानिक सूत्र
- (D) केवल यात्रा-मानचित्र

२२५९. 'मुड़ियायल घर' लेखमे शब्द-संख्या आ तिथि दैबाक उद्देश्य की बुझाईत अछि?

- (A) कथा-लेखनक क्रम आ संरचनाक व्यवस्थित देखेनाइ
- (B) पृष्ठ-संख्या पूछब
- (C) लेखकक पता देनाइ
- (D) विज्ञापन बनबेनाइ

२२६०. खण्ड ७५२क सार की अछि?

- (A) 'मुड़ियायल घर' ग्राम्य जीवन, रूढ़ि, खेती-किसानी आ परिवर्तनक कथा-संग्रह रूपमे उभरैत अछि
- (B) ई केवल गजल-मात्र अछि
- (C) ई केवल सम्पर्क-विवरण अछि
- (D) ई केवल बाल-पाठ अछि

खण्ड ७५३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २९६ : 'बतोसोझना', 'कचहरिया रोग' आ शीर्षक-कथा

२२६१. 'बतोसोझना' कथाक विवेचनमे मुख्यतः कोन मनःस्थिति देखाओल गेल अछि?

- (A) अज्ञान, अधूरा ज्ञान आ ओकरा सँ उपजल भटकाव
- (B) राजकीय विजय
- (C) समुद्री यात्रा
- (D) शिशु-क्रीड़ा

२२६२. 'बतोसोझना'क प्रसंगमे यात्रीक २५ प्रतिशत आ ७५ प्रतिशतक विचार कोन बात बुझबैत अछि?

- (A) ज्ञान-अज्ञानक अनुपात पर व्यंग्यात्मक बहस
- (B) खरीद-बिक्रीक मूल्य
- (C) खेतीक उत्पादन
- (D) नौकरीक वेतन

२२६३. 'कचहरिया रोग'मे मुख्य पात्रक संख्या कोन रूपमे वर्णित अछि?

- (A) तीन गोट पात्रक चर्चा
- (B) सैकड़ों राजकुमार
- (C) एकहि कवि
- (D) कोनो पात्र नहि

२२६४. 'कचहरिया रोग'मे गौरीक प्रसंग कोन सामाजिक स्थिति दिस संकेत करैत अछि?

- (A) जमीन, कागज, मुकदमा आ कचहरीक चक्कर
- (B) केवल नृत्य-संगीत
- (C) समुद्री जहाज
- (D) विद्यालयी खेल

२२६५. 'कचहरिया रोग' शीर्षकमे 'रोग' शब्दक संकेत की अछि?

- (A) कचहरी-मुकदमा मे फँसि जीवन बिगड़बाक सामाजिक बीमारी
- (B) शरीरक ज्वर-मात्र
- (C) बरसातक रोग
- (D) पशु-चिकित्सा

२२६६. 'मुड़ियायल घर' शीर्षक-कथामे उदयपुर गामक कोन पात्रक उल्लेख अछि?

- (A) जागेश्वर काका आ रमणी काकी
- (B) दाहिबरी आ सयन बन
- (C) सन्तोष राय आ बटोही
- (D) प्रणव कुमार झा मात्र

२२६७. शीर्षक-कथामे वाणीश्वरि भगवतीक दर्शनक प्रसंग कोन बातक रूपक बनैत अछि?

- (A) भक्ति, देखाइ-पूजा आ भीतरक दर्शनक भेद
- (B) नौकरीक परीक्षा
- (C) युद्धक चाल
- (D) कानूनी नोटिस

२२६८. 'मुड़ियायल घर' कथा-विवेचनमे सामान्य पाठक लेल कथा केना कहल गेल अछि?

- (A) सामान्य पाठ योग्य कथा
- (B) केवल विशेषज्ञक गणित
- (C) अप्राप्य पाण्डुलिपि
- (D) केवल चित्र

२२६९. अंक २९६क लघुकथा-सूचीमे 'अग्नि-परिछा' कोन रचनाकारक नामसँ अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक
- (B) प्रदीप पुष्पक
- (C) रवीन्द्र नारायण मिश्र
- (D) सन्तोष राय 'बटोही'

२२७०. खण्ड ७५३क सार की अछि?

- (A) अंक २९६मे कथा-विवेचन अज्ञान, कचहरी, जमीन, भक्ति आ ग्रामीण जीवनक अनेक गाँठ खोलैत अछि
- (B) सामग्री केवल कविता-पाठ अछि
- (C) एहि खण्डमे साहित्येतर आँकड़ा मात्र अछि
- (D) एहि खण्डमे केवल खेलक नियम अछि

खण्ड ७५४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २९७ : गजल आ 'रहै जोकर परिवार'

२२७१. अंक २९७क शीर्षकमे कोन तिथि अछि?

- (A) ०१ मई २०२०
- (B) १५ अप्रैल २०२०
- (C) १५ मई २०२०
- (D) ०१ जून २०२०

२२७२. अंक २९७मे प्रदीप पुष्पकक रचना-वर्ग की अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) एकटा समीक्षा
- (C) एकटा उपन्यास
- (D) तीन टा संस्मरण

२२७३. अंक २९७मे उमेश मण्डलक लेख कोन कृति पर अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'रहै जोकर परिवार'मे परिवर्तनक स्वर
- (B) 'मुड़ियायल घर'क पहिल परिचय
- (C) 'कथा लेखन-क्रम'क सूची
- (D) रवीन्द्र नारायण मिश्रक निबन्ध

२२७४. अंक २९७मे आशीष अनचिन्हारक कोन सामग्री अछि?

- (A) एकटा गजल
- (B) किछु निबन्ध
- (C) लघुकथा-संग्रह
- (D) नाट्य-आलेख

२२७५. 'रहै जोकर परिवार' कृति कोन वर्ष प्रकाशित कहल गेल अछि?

- (A) २०२०
- (B) २०१६
- (C) २०१३
- (D) २००१

२२७६. 'रहै जोकर परिवार'मे कुल कतेक कथा-सूत्रक संक्षिप्त विवरण देल अछि?

- (A) आठ
- (B) एगारह
- (C) सौ
- (D) तीन

२२७७. 'रहै जोकर परिवार'क सूचीमे कोन शीर्षक अछि?

- (A) दाहिबरी
- (B) बागदल गाम
- (C) हैंटकालावा
- (D) लाल लंगोटी

२२७८. 'रहै जोकर परिवार'क सूचीमे 'परिश्रम निरलज' कोन स्थानपर अछि?

- (A) अन्तिम/आठम शीर्षक रूपमे
- (B) पहिल शीर्षक रूपमे
- (C) गजल-शीर्षक रूपमे
- (D) सम्पादकीय रूपमे

२२७९. प्रदीप पुष्पकक गजलमे 'टूटल लेल की रितुराज' जकाँ पंक्ति कोन भाव देत अछि?

- (A) टूटल प्रेम, मनक नोरे-नोर आ ऋतु-रूपक
- (B) कानूनी दस्तावेज
- (C) खेतीक पैमाइश
- (D) लघुकथा-सूची

२२८०. खण्ड ७५४क सार की अछि?

- (A) अंक २९७ गजल आ कथा-संग्रह 'रहै जोकर परिवार'क परिवर्तन-विमर्शकें जोड़ैत अछि
- (B) अंक केवल सरकारी सूचना अछि
- (C) अंकमे कथा-विमर्श नहि अछि
- (D) अंक केवल चित्रावली अछि

खण्ड ७५५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २९७ : 'परिवर्तनक स्वर'क कथा-पाठ

२२८१. 'दाहिबरी' कथाक विवेचनमे मुख्य रूपसँ कोन प्रवृत्ति पर प्रश्न उठाओल गेल अछि?

- (A) परम्परा, रुढ़ि आ वैज्ञानिक दृष्टि-विहीन सोच
- (B) समुद्री व्यापार
- (C) मंचीय अभिनय
- (D) सैन्य अनुशासन

२२८२. 'दाहिबरी'क पाठक लेल लेखक कोन आधुनिक दृष्टि स्वीकार करबाक बात करैत छथि?

- (A) वैज्ञानिक दृष्टि आ बैस-नेबास भोजनतक परिवर्तन
- (B) केवल पोशाकक रंग
- (C) केवल पृष्ठ-सजावट
- (D) केवल नृत्य-ताल

२२८३. 'सयन बन' कथामे मनुखक विकास कोन रूपमे देखाओल गेल अछि?

- (A) साधारण अवस्थासँ विशिष्ट अवस्थादिस बढ़बाक प्रक्रिया
- (B) जन्मसँ मृत्यु बिना परिवर्तन
- (C) केवल पशु-कथा
- (D) केवल नगर-मानचित्र

२२८४. 'हँसैत लोक' कथाक विवेचनमे कथाकारक दृष्टिकोण केहन कहल गेल अछि?

- (A) वैज्ञानिक दृष्टिकोणसँ लिखल
- (B) केवल पुराण-पाठ
- (C) केवल हास्य-नाटक
- (D) केवल यात्रा-वृत्त

२२८५. 'हँसैत लोक'मे परिवार आ समाजक सम्बन्ध कोन चिन्ता बनैत अछि?

- (A) रुढ़िवादी विचार परिवारक संग समाजक हानि पहुँचा सकैत अछि
- (B) समाजक कोनो सम्बन्ध नहि
- (C) केवल खेलक नियम
- (D) केवल भोजन-विधि

२२८६. 'हुरि गेलो' कथाक चर्चा कोन जीवन-संकट उघाड़ैत अछि?

- (A) आर्थिक-सामाजिक-बैचारिक अभाव आ गरीबीक असर
- (B) राजमहलक वैभव
- (C) समुद्री तूफान
- (D) विद्यालयी पुरस्कार

२२८७. 'हुरि गेलो'मे जागेश्वर गरीबीक कारण कतय गेल कहल गेल अछि?

- (A) दिल्ली
- (B) नर्मदा घाट
- (C) कोलकाता बंदरगाह
- (D) राजदरबार

२२८८. 'झूठक झारी' कथाक विवेचनमे मिथकीय आधारसँ कोन विचार उठैत अछि?

- (A) सत्य आ झूठक सामाजिक टकराव
- (B) कृषि-यंत्रक विवरण
- (C) केवल मौसम
- (D) केवल चित्र-रंग

२२८९. 'रहै जोकर परिवार' शीर्षक स्वयं कोन प्रकारक कथा-दिशा सूचित करैत अछि?

- (A) परिवार, समाज आ बदलैत मूल्यक व्यंग्यात्मक विवेचना
- (B) केवल व्याकरण-पाठ
- (C) केवल गीत-छन्द
- (D) केवल पौराणिक आख्यान

२२९०. खण्ड ७५५क सार की अछि?

- (A) 'परिवर्तनक स्वर' कथासभकें रूढ़ि, विज्ञान, गरीबी, सत्य-झूठ आ सामाजिक बदलावक दृष्टिसँ पढ़ैत अछि
- (B) ई केवल फोटो-सूची अछि
- (C) ई केवल सम्पर्क-सूचना अछि
- (D) ई केवल विज्ञापन-वस्तु अछि

खण्ड ७५६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २९८ : गजल आ 'कथा लेखन-क्रम'

२२९१. अंक २९८क शीर्षकमे कोन तिथि अछि?

- (A) १५ मई २०२०
- (B) ०१ मई २०२०
- (C) ०१ जून २०२०
- (D) १५ जून २०२०

२२९२. अंक २९८क सामग्री-सूचीमे उमेश मण्डलक लेख कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा लेखन-क्रम
- (B) रहै जोकर परिवारमे परिवर्तनक स्वर
- (C) मुड़ियायल घर
- (D) किछु निबन्ध

२२९३. अंक २९८मे प्रदीप पुष्पकक रचना-वर्ग कोन अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) एकटा लघुकथा
- (C) निबन्ध-संग्रह
- (D) अनुवाद-नाटक

२२९४. प्रदीप पुष्पकक गजलमे 'तोहर देल दाग' कोन भावक्षेत्र खोलैत अछि?

- (A) प्रेम, दाग, स्मृति आ मनक चोट
- (B) कृषि-करार
- (C) राजकीय फरमान
- (D) मंच-निर्देश

२२९५. दोसरा गजलमे 'उधरल घाट' आ 'भूखले भोजन'क संकेत कोन जीवन-भाव बनबैत अछि?

- (A) घाट, भूख, भटकाव आ संग-साथक बिम्ब
- (B) विद्यालयी तालिका
- (C) मुकदमा-नोटिस
- (D) नदी-नाप मात्र

२२९६. 'कथा लेखन-क्रम' लेखमे जगदीश प्रसाद मण्डलक कोन पक्ष व्यवस्थित कएल गेल अछि?

- (A) कथासभक शीर्षक, शब्द-संख्या आ उपलब्ध लेखन-तिथि
- (B) केवल जन्मतिथि
- (C) केवल घरक पता
- (D) केवल फोटो-सूची

२२९७. लेखमे कथा-सूची तैयार करबाक आधार कोन कहल जा सकैत अछि?

- (A) उपलब्ध कराओल लेखन-तिथि आ शब्द-संख्या
- (B) सामग्रीक रंग
- (C) चित्रक आकार
- (D) दर्शकक संख्या

२२९८. सूचीमे आरम्भिक कथासभमे कोन शीर्षक देखाइत अछि?

- (A) हैंटकालावा, पिसांठ, पीयरकफड़, अनेरेआँबाट आदि
- (B) लाल लंगोटी मात्र
- (C) किछु निबन्ध मात्र
- (D) दू टा गजल मात्र

२२९९. 'कथा लेखन-क्रम'क साहित्यिक उपयोगिता की अछि?

- (A) कथाकारक सृजन-यात्रा, विषय-विस्तार आ रचनात्मक अनुशासन बुझब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या याद करब
- (C) केवल विज्ञापन पढ़ब
- (D) केवल चित्र गिनब

२३००. खण्ड ७५६क सार की अछि?

- (A) अंक २९८ गजल आ कथा-लेखनक व्यवस्थित क्रम दुनूकेँ सामने आनैत अछि
- (B) अंकमे साहित्यिक सामग्री नहि अछि
- (C) अंक केवल प्रशासनिक सूचना अछि
- (D) अंक केवल गीतक धुन अछि

खण्ड ७५७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २९८ : कथा-क्रमक शीर्षक-विस्तार आ अध्ययन-महत्त्व

२३०१. 'कथा लेखन-क्रम'मे शीर्षकक संग शब्द-संख्या देबाक लाभ की अछि?

- (A) कथाक आकार आ लेखकीय परिश्रमक तुलनात्मक संकेत भेटैत अछि
- (B) केवल मुद्रण-रंग बदलैत अछि
- (C) कथा गैर-साहित्य बनैत अछि
- (D) गजल छन्द बदलैत अछि

२३०२. सूचीमे 'हैंडलकालावा/हैंटकालावा' जकाँ शीर्षकक संग 'डाक्टरहेमनन्त' धरि विस्तार कोन संकेत दैत अछि?

- (A) विषयक बहुत भिन्नता आ कथा-संसारक फैलाव
- (B) केवल एकहि विषय
- (C) केवल पद्य-संग्रह
- (D) केवल सम्पादकीय

२३०३. 'बहीन' शीर्षक सूचीमे कोन विधा-संसारक भाग अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा-लेखन क्रम
- (B) प्रदीप पुष्पकक गजल
- (C) सन्तोष राय 'बटोही'क कविता
- (D) रवीन्द्र नारायण मिश्रक निबन्ध

२३०४. 'घरेरेधिया', 'पड़तावा', 'डाक्टरहेमनन्त' सन शीर्षक की बतबैत अछि?

- (A) घरेलू, नैतिक, सामाजिक आ पेशागत प्रसंगक विविधता
- (B) केवल युद्ध-नीति
- (C) केवल समुद्र-भूगोल
- (D) केवल चित्रकला

२३०५. लघु शब्द-संख्या बला शीर्षकसभक उपस्थिति कोन रचना-रूपक सम्भावना देखबैत अछि?

- (A) छोट कथा/बीहैन कथा जकाँ सघन कथात्मक प्रयोग
- (B) केवल दीर्घ उपन्यास
- (C) केवल महाकाव्य
- (D) केवल नाटक

२३०६. दीर्घ शब्द-संख्या बला शीर्षकसभ सूचीमे की बुझबैत अछि?

- (A) कथाकारक लम्बा सामाजिक-कथात्मक विस्तार
- (B) केवल शीर्षक-भ्रम
- (C) केवल नाटक-सूचना
- (D) गैर-साहित्यिक आँकड़ा

२३०७. लेखन-क्रम अध्ययनमे तिथि-क्रम किएक उपयोगी अछि?

- (A) कथाकारक विचारक विकास आ विषय-परिवर्तन देखबाक लेल
- (B) फोटो सहेजबाक लेल
- (C) लिंक गिनबाक लेल
- (D) छपाईक रंग चुनबाक लेल

२३०८. अंक २९८मे 'कथा लेखन-क्रम'क उपस्थिति आलोचनात्मक कार्यकें कोन दिशा दैत अछि?

- (A) लेखक-सूची, पाठ-संरचना आ शोधयोग्य क्रमबद्धता
- (B) केवल मनोरंजन
- (C) केवल सम्पर्क-सूचना
- (D) केवल मंच-सजावट

२३०९. एहि खण्डमे गजलसँ कथा-क्रम दिस संक्रमण कोन संकेत दैत अछि?

- (A) एकहि अंकमे पद्य-भावना आ कथात्मक अनुशासन दुनू अछि
- (B) अंकमे केवल एक विधा अछि
- (C) अंकमे साहित्यिक विविधता नहि अछि
- (D) अंक सम्पूर्णतः नाटक-केंद्रित अछि

२३१०. खण्ड ७५७क सार की अछि?

- (A) कथा-क्रम शीर्षक, तिथि आ शब्द-संख्या द्वारा जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा-संसारकें अध्ययनयोग्य बनबैत अछि
- (B) ई केवल गजल-छन्द अछि
- (C) ई केवल पृष्ठ-त्रुटि अछि
- (D) ई केवल डाउनलोड-सूचना अछि

खण्ड ७५८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक २९९ : गजल आ रवीन्द्र नारायण मिश्रक 'किछु निबन्ध'

२३११. अंक २९९क शीर्षकमे कोन तिथि अछि?

- (A) ०१ जून २०२०
- (B) १५ मई २०२०
- (C) १५ जून २०२०
- (D) ०१ मई २०२०

२३१२. अंक २९९क सामग्री-सूचीमे प्रदीप पुष्पकक कोन सामग्री अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) कथा लेखन-क्रम
- (C) एकटा उपन्यास
- (D) काव्य-नाटक

२३१३. अंक २९९मे रवीन्द्र नारायण मिश्रक सामग्री कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) किछु निबन्ध
- (B) लाल लंगोटी केर पहचान
- (C) हिन्द
- (D) कथा लेखन-क्रम

२३१४. प्रदीप पुष्पकक गजलमे 'ई' दोहराव कोन भाव-रचना बनबैत अछि?

- (A) नकारात्मक-अनुभव, सवाल आ स्मृति-लयक पुनरावृत्ति
- (B) मुकदमा-सूची
- (C) कृषि-माप
- (D) केवल बाल-छन्द

२३१५. दोसर गजलमे 'व्यवस्था', 'नीति' आ 'अधिकार' जकाँ संकेत कोन धरातल खोलैत अछि?

- (A) समाज-व्यवस्था, नैतिकता आ जन-अधिकारक चेतना
- (B) केवल प्रेम-विलाप
- (C) केवल खेलक मैदान
- (D) केवल मौसम

२३१६. 'किछु निबन्ध' शीर्षक कोन विधा-क्षेत्रक संकेत अछि?

- (A) निबन्ध-साहित्य
- (B) लघुकथा-संग्रह
- (C) गजल-संग्रह मात्र
- (D) बाल-गीत

२३१७. अंक २९९मे गजल आ निबन्ध संग-साथ देबाक साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) भावात्मक पद्य आ विचारात्मक गद्यक संतुलन
- (B) केवल सम्पर्क-सूचना
- (C) विधागत रिक्तता
- (D) केवल चित्र-संग्रह

२३१८. रवीन्द्र नारायण मिश्रक निबन्ध-परिचयमे लेखक-परिचयक संग रचना-सूची दैबाक उद्देश्य की बुझाईत अछि?

- (A) निबन्धकारक साहित्यिक पृष्ठभूमि बतबेनाइ
- (B) पृष्ठ-संख्या पूछब
- (C) विज्ञापन बनबेनाइ
- (D) चित्रक आकार गिनब

२३१९. अंक २९९क सामग्री अपेक्षाकृत कोन रूपमे केन्द्रित अछि?

- (A) कम सामग्री, मुदा गजल आ निबन्धक स्पष्ट दोहर विधा-संयोजन
- (B) केवल सौ कथा
- (C) केवल रंगीन चित्र
- (D) केवल बाल-खेल

२३२०. खण्ड ७५८क सार की अछि?

- (A) अंक २९९ गजल-संवेदना आ निबन्ध-विचारक संयुक्त मंच अछि
- (B) अंकमे साहित्यिक रचना नहि अछि
- (C) अंक केवल कानूनक कागज अछि
- (D) अंक केवल यात्रा-सूची अछि

खण्ड ७५९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक ३०० : गद्य-पद्य विशेष संयोजन

२३२१. अंक ३००क शीर्षकमे कोन तिथि अछि?

- (A) १५ जून २०२०
- (B) ०१ जून २०२०
- (C) १५ मई २०२०
- (D) ०१ जुलाई २०२०

२३२२. अंक ३००मे सामग्रीक मुख्य दू श्रेणी कोन रूपमे देखाइत अछि?

- (A) गद्य आ पद्य
- (B) केवल सूचना आ विज्ञापन
- (C) केवल चित्र आ मानचित्र
- (D) केवल सम्पर्क आ डाउनलोड

२३२३. गद्य-खंडमे आशीष अनचिन्हारक लेख कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) लाल लंगोटी केर पहचान करैत कविता (आलोचना)
- (B) दू टा गजल
- (C) किछु निबन्ध
- (D) परिवर्तनक स्वर

२३२४. अंक ३००मे जगदीश प्रसाद मण्डल आ प्रणव कुमार झाक संयुक्त सामग्री कोन अछि?

- (A) 'हिन्द' (मैथिली लघुकथा)
- (B) कथा लेखन-क्रम
- (C) किछु निबन्ध
- (D) दू टा कविता

२३२५. अंक ३००मे उमेश मण्डलक लेख कोन विषयपर अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलजीक व्यक्तित्व ओ कृतित्वक अनुशीलन
- (B) रवीन्द्र नारायण मिश्रक निबन्ध
- (C) प्रदीप पुष्पकक गजल
- (D) सन्तोष राय 'बटोही'क यात्रा

२३२६. अंक ३००मे मुन्ना जीक कथा-सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) बीहन कथा पर मानवीकरण ओ तुलनात्मक पक्ष तथा किछु बीहन कथा
- (B) केवल सम्पादकीय
- (C) केवल गीत-संगीत
- (D) केवल शोध-सूची

२३२७. पद्य-खंडमे आशीष अनचिन्हारक कोन विधा देल अछि?

- (A) गजल
- (B) निबन्ध
- (C) लघुकथा
- (D) उपन्यास

२३२८. पद्य-खंडमे सन्तोष राय 'बटोही'क सामग्री कोन अछि?

- (A) ६ टा कविता
- (B) दू टा गजल
- (C) कथा-सूची
- (D) नाटक

२३२९. अंक ३००मे प्रदीप पुष्पकक कोन पद्य-सामग्री अछि?

- (A) दूटा गजल
- (B) एकटा निबन्ध
- (C) लाल लंगोटी आलोचना
- (D) किछु निबन्ध

२३३०. खण्ड ७५९क सार की अछि?

- (A) अंक ३०० गद्य-आलोचना, लघुकथा, व्यक्तित्व-अध्ययन, बीहन कथा आ पद्यक बहुविध संयोजन अछि
- (B) अंकमे साहित्य नहि अछि
- (C) अंक केवल डाउनलोड-सूचना अछि
- (D) अंक केवल सम्पर्कसूची अछि

खण्ड ७६० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक ३०० : आलोचना, लघुकथा, बीहन कथा आ पद्य-संवेदना

२३३१. 'लाल लंगोटी केर पहचान करैत कविता' शीर्षकमे रचना पर कोन प्रकारक दृष्टि अछि?

- (A) आलोचनात्मक दृष्टि
- (B) केवल गीत-गायन
- (C) प्रशासनिक सूचना
- (D) चित्र-विवरण

२३३२. 'हिन्द' शीर्षकक संग कोन विधा स्पष्ट देल अछि?

- (A) मैथिली लघुकथा
- (B) महाकाव्य
- (C) गजल
- (D) निबन्ध-सूची

२३३३. जगदीश प्रसाद मण्डलजीक व्यक्तित्व ओ कृतित्व पर लेख साहित्य-अध्ययनक कोन पक्ष अछि?

- (A) लेखक-केंद्रित अनुशीलन
- (B) केवल गजल-पाठ
- (C) केवल मंच-सूचना
- (D) केवल डाउनलोड-विवरण

२३३४. 'मानवीकरण ओ तुलनात्मक पक्ष' शीर्षक बीहन कथा केना पढ़बाक संकेत दैत अछि?

- (A) चरित्र, रूपक आ तुलना द्वारा सूक्ष्म कथा-पाठ
- (B) केवल अक्षर-गिनती
- (C) केवल चित्र-रंग
- (D) केवल संगीत-ताल

२३३५. 'किछु बीहन कथा'क उपस्थिति कोन रचना-रूपकें बल दैत अछि?

- (A) अत्यल्प आकारक सघन कथात्मक अभिव्यक्ति
- (B) दीर्घ महाकाव्य मात्र
- (C) नाट्याभ्यास
- (D) पत्राचार

२३३६. अंक ३००मे गद्यक बाद पद्य देबाक रचना-व्यवस्था की देखबैत अछि?

- (A) विचारात्मक पाठक बाद भावात्मक-पद्यात्मक पाठक संतुलन
- (B) साहित्यिक रिक्तता
- (C) केवल तकनीकी सूची
- (D) केवल बाहरी लिंक

२३३७. सन्तोष राय 'बटोही'क कविता-सामग्री अंक ३००मे कोन संख्या-संकेतसँ अछि?

- (A) ६ टा कविता
- (B) एकटा गजल
- (C) एगारह कथा
- (D) आठ निबन्ध

२३३८. मुन्ना जीक नाम अंक ३००मे कोन-कोन विधा-संबंधी प्रसंगसँ जुड़ल अछि?

- (A) बीहन कथा आ गजल
- (B) कथा लेखन-क्रम मात्र
- (C) निबन्ध मात्र
- (D) उपन्यास मात्र

२३३९. अंक ३००क साहित्यिक महत्त्व की मानल जा सकैत अछि?

- (A) एहि अंकमे आलोचना, लघुकथा, लेखक-अध्ययन, बीहन कथा, गजल आ कविता सभ एकत्र अछि
- (B) एहि अंकमे साहित्यिक बहुलता नहि अछि
- (C) एहि अंकमे केवल चित्र अछि
- (D) एहि अंकमे केवल नियमावली अछि

२३४०. खण्ड ७६०क सार की अछि?

- (A) अंक ३०० आलोचनात्मक गद्य आ संवेदनात्मक पद्यक बीच मैथिली साहित्यक बहुस्तरीय रूप सामने आनैत अछि
- (B) अंक केवल तिथि-सूचना अछि
- (C) अंक केवल सम्पर्क-पत्र अछि
- (D) अंक केवल पृष्ठ-सूची अछि

खण्ड ७६१ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक ३०१ : परीक्षा-सामग्री आ 'लजकोटर'क आरम्भ

२३४१. अंक ३०१क पहिल प्रमुख सामग्री कोन विषय-सूत्रसँ जुड़ल अछि?

- (A) संघ लोक सेवा आयोग/बिहार लोक सेवा आयोगक परीक्षा लेल मैथिली ऐच्छिक विषय सामग्री
- (B) केवल पाक-कला विधि
- (C) केवल नाटक-मंच-निर्देश
- (D) केवल चित्रकला-प्रदर्शनी

२३४२. अंक ३०१मे रबीन्द्र नारायण मिश्रक कोन धारावाहिक रचना आरम्भ होइत अछि?

- (A) लजकोटर
- (B) स्वार्थक रंग
- (C) मुक्ति
- (D) व्यूह

२३४३. 'लजकोटर'क आरम्भिक परिचयमे ई कोन जीवन-संदर्भपर आधारित कहल गेल अछि?

- (A) प्रवासीक जीवन
- (B) राजदरबारक जीवन
- (C) समुद्री व्यापार
- (D) विद्यालयी खेल

२३४४. 'लजकोटर'क आरम्भमे कथावाचक अपन गाम कोन नामसँ चिन्हबैत अछि?

- (A) श्रीपुर
- (B) उदयपुर
- (C) भोजौल मात्र
- (D) मंगरौना

२३४५. श्रीपुर आ आसपासक गाम सभ पहिने कोन कारण सँ प्रसिद्ध देखाओल गेल अछि?

- (A) खेतीबारी आ माल-जालक पैकारी
- (B) समुद्री बंदरगाह
- (C) राजमहल
- (D) खनिज-उद्योग

२३४६. 'लजकोटर'क आरम्भिक संकट कोन सामाजिक बदलाव दिस संकेत करैत अछि?

- (A) रौंदी, रोजगार-संकट आ गामसँ लोकक पलायन
- (B) राजतिलकक उत्सव
- (C) विद्यालयक प्रतियोगिता
- (D) वन-शिकारक साहस

२३४७. गाम खाली पड़बाक चित्रणमे मुख्यतः के बचल देखाइत छथि?

- (A) बूढ़ आ बच्चा
- (B) केवल सैनिक
- (C) केवल व्यापारी
- (D) केवल पर्यटक

२३४८. अंक ३०१मे 'लजकोटर'क संग परीक्षा-सामग्री रखबाक अर्थ की बुझाइत अछि?

- (A) विदेहमे अध्ययन-सहायता आ रचनात्मक साहित्य दुनू एकत्र अछि
- (B) अंकमे साहित्य नहि अछि
- (C) अंक केवल सरकारी विज्ञापन अछि
- (D) अंक केवल गीत-संग्रह अछि

२३४९. 'लजकोटर'क आरम्भिक वातावरण कोन भाव जगबैत अछि?

- (A) ग्राम्य समृद्धिसँ विघटन आ प्रवास धरि पहुँचबाक वेदना
- (B) केवल हास्य-उत्सव
- (C) केवल युद्ध-जय
- (D) केवल बाल-खेल

२३५०. खण्ड ७६१क सार की अछि?

- (A) अंक ३०१ परीक्षा-सामग्री आ प्रवासी जीवनपर आधारित 'लजकोटर'क आरम्भसँ अध्ययन आ कथा-दुनू खोलैत अछि
- (B) एहि खण्डमे केवल सम्पर्क-सूचना अछि
- (C) एहि खण्डमे केवल पद्य अछि
- (D) एहि खण्डमे केवल चित्रकला अछि

खण्ड ७६२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक ३०१ : बीहनि कथा, ऐप्स आ पद्य-संवेदना

२३५१. अंक ३०१मे अरुण लाल दासक रचना-वर्ग कोन रूपमे देल अछि?

- (A) बीहनि कथा/लघुकथा
- (B) धारावाहिक उपन्यास
- (C) महाकाव्य
- (D) नाट्य-लेख

२३५२. अरुण लाल दासक बीहनि कथा-खंडमे 'लहास' शीर्षक कोन रचना-रूपक संकेत दैत अछि?

- (A) लघु आकारक तीक्ष्ण कथा-स्थिति
- (B) दीर्घ उपन्यास
- (C) काव्यशास्त्र
- (D) यात्रा-वृत्तान्त

२३५३. अंक ३०१मे आभा झाक सामग्रीक संख्या-संकेत की अछि?

- (A) ५ टा बीहनि कथा
- (B) एकटा उपन्यास
- (C) दूटा नाटक
- (D) चारि गजल

२३५४. आभा झाक बीहनि कथा-सूचीमे 'साम्राज्य' शीर्षक कोन विधामे अछि?

- (A) बीहनि कथा
- (B) गीत
- (C) उपन्यास
- (D) आलोचना

२३५५. अंक ३०१मे आशीष अनचिन्हारक लेख कोन आधुनिक विषयपर अछि?

- (A) मिथिला-मैथिलीक प्रारंभिक ऐप्स
- (B) सामन्ती दरबार
- (C) कृषि-कर्म मात्र
- (D) पुराणक आख्यान

२३५६. 'ऐप' सम्बन्धी लेखमे ऐप शब्दक मूल अर्थ कोन बताओल गेल अछि?

- (A) एप्लिकेशनक छोट रूप
- (B) काव्यक छन्द
- (C) मात्र मोबाइलक खोल
- (D) केवल खेलक नाम

२३५७. अंक ३०१क पद्य-खंडमे जयंती कुमारीक कोन विधा देल अछि?

- (A) गजल
- (B) लघुकथा
- (C) उपन्यास
- (D) आलेख

२३५८. कल्पना झाक 'अम्मा' कोन भाव-क्षेत्रकें स्पर्श करैत अछि?

- (A) मातृत्व, प्रतीक्षा आ मनक व्यथा
- (B) केवल युद्धकथा
- (C) केवल बाजार-सूची
- (D) केवल तकनीकी लेख

२३५९. आशीष नीरजक 'कोरोना' कविता कोन सामाजिक आग्रहक संग शुरू होइत अछि?

- (A) सामाजिक दूरी आ संक्रमण-सावधानी
- (B) युद्ध-जयघोष
- (C) नदी-यात्रा
- (D) नाट्य-अभ्यास

२३६०. खण्ड ७६२क सार की अछि?

- (A) अंक ३०१ बीहनि कथा, डिजिटल ऐप्स चर्चा आ मातृत्व-कोरोना-श्रमक पद्य-संवेदनाकें जोड़ैत अछि
- (B) अंकमे रचना-विविधता नहि अछि
- (C) अंक केवल सम्पर्क-पत्र अछि
- (D) अंक केवल खेलक नियम अछि

खण्ड ७६३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक ३०२ : 'लजकोटर' दोसर खेप, 'स्वार्थक रंग' आ सोशल मीडिया

२३६१. अंक ३०२मे 'लजकोटर'क कोन खेप देल अछि?

- (A) दोसर खेप
- (B) पहिल खेप
- (C) पाँचम खेप
- (D) चारिम खेप

२३६२. 'लजकोटर' दोसर खेपमे किशुनक प्रसंग कोन दबावक संकेत दैत अछि?

- (A) पुलिसिया चक्रव्यूह आ चिन्ता
- (B) केवल बाल-क्रीड़ा
- (C) केवल गीत-सभा
- (D) केवल कृषि-मेला

२३६३. अंक ३०२मे आभा झाक गद्य-रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) स्वार्थक रंग
- (B) अम्मा
- (C) साओन
- (D) व्यथा

२३६४. 'स्वार्थक रंग'मे आनंद बाबूक जीवनक मुख्य परिस्थिति की अछि?

- (A) सफल जीवनक बाद वृद्धावस्थामे एकाकीपन
- (B) बाल्यकालक खेल
- (C) समुद्री यात्रा
- (D) राजनीतिक विजय

२३६५. आनंद बाबूक पत्नी आ पुत्रक प्रसंग कोन भाव बनबैत अछि?

- (A) परिवारिक दूरी आ वृद्धाश्रमक विवशता
- (B) सैन्य-शौर्य
- (C) लोकगीतक उल्लास
- (D) कृषि-मौसम

२३६६. अंक ३०२मे आशीष अनचिन्हारक लेख कोन विषयपर अछि?

- (A) सोशल मीडिया आ मैथिली
- (B) मिथिला-मैथिलीक ऐप्स
- (C) यूट्यूब आ मैथिली
- (D) मैथिलीमे इंटरनेट

२३६७. 'सोशल मीडिया आ मैथिली' लेखमे सोशल मीडियाकें बुझाबय लेल कोन लोक-रूपक लेल गेल अछि?

- (A) गामक चंडालचौकड़ी
- (B) राजदरबार
- (C) पाठशाला-परीक्षा
- (D) कुश्ती-अखाड़ा

२३६८. लेखमे सोशल मीडिया लेल तीन जरूरी तत्वक संकेत की अछि?

- (A) लोक, निश्चित जगह आ अएबाक प्रेरक
- (B) केवल धन, राजगद्दी आ सेना
- (C) केवल नदी, नाव आ पाल
- (D) केवल छन्द, मात्रा आ तुक

२३६९. लेखमे सोशल नेटवर्कक उदाहरणक रूपमे कोन मंच-समूह आयल अछि?

- (A) फेसबुक, ट्विटर, लिंकडइन
- (B) केवल खेत-खरिहान
- (C) केवल पंचायत-पत्र
- (D) केवल स्कूल-पुस्तक

२३७०. खण्ड ७६३क सार की अछि?

- (A) अंक ३०२ प्रवासी कथा, वृद्धावस्था-कथा आ सोशल मीडिया द्वारा मैथिलीक आधुनिक सार्वजनिकता देखबैत अछि
- (B) अंकमे केवल पद्य अछि
- (C) अंकमे डिजिटल विमर्श नहि अछि
- (D) अंक केवल सम्पर्कसूची अछि

खण्ड ७६४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक ३०२ : गजल, साओन आ मतिविशेष

२३७१. अंक ३०२क पद्य-खंडमे बाबा बैद्यनाथक सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) २ टा गजल
- (B) एकटा उपन्यास
- (C) दूटा बीहनि कथा
- (D) एकटा आलोचना

२३७२. अंक ३०२मे कल्पना झाक कविता कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) साओन
- (B) अम्मा
- (C) व्यूह
- (D) श्रमिक

२३७३. 'साओन' शीर्षक कोन ऋतु-संवेदनासँ जुड़ल अछि?

- (A) बरखा, हरियाली आ मासक सोहाओन अनुभूति
- (B) मरुभूमि-यात्रा
- (C) राजसभा
- (D) चिकित्सा-शिक्षा

२३७४. अंक ३०२मे आभा झाक पद्य कोन शीर्षकसँ देल अछि?

- (A) मतिविशेष
- (B) स्वार्थक रंग
- (C) व्यथा
- (D) साम्राज्य

२३७५. अंक ३०२मे गद्य आ पद्य दुनू मे आभा झाक उपस्थिति कोन बात देखबैत अछि?

- (A) लेखिका कथा आ कविता दुनू विधामे उपस्थित छथि
- (B) लेखिका केवल अनुवादमे छथि
- (C) लेखिका केवल चित्रमे छथि
- (D) लेखिका अनुपस्थित छथि

२३७६. बाबा बैद्यनाथक गजल सभ अंक ३०२मे कोन पद्य-परंपराकें मजबूत करैत अछि?

- (A) मैथिली गजल परंपरा
- (B) कथासंग्रह परंपरा
- (C) चिकित्सा लेखन
- (D) ऐप निर्माण

२३७७. 'साओन' आ 'मतिविशेख' संग-साथ रखल गेलासँ पद्य-खंडमे कोन विविधता बनैत अछि?

- (A) प्रकृति-संवेदना आ मन-बुद्धिक भावलोक
- (B) केवल राजनैतिक भाषण
- (C) केवल परीक्षा-सूची
- (D) केवल डिजिटल तकनीक

२३७८. अंक ३०२क समग्र संयोजन कोन स्वर बनबैत अछि?

- (A) उपन्यास, सामाजिक कथा, डिजिटल विमर्श आ पद्यक मिश्रित अंक
- (B) केवल एक विधाक अंक
- (C) केवल विज्ञापन
- (D) केवल संपर्क-विवरण

२३७९. 'सोशल मीडिया आ मैथिली'क बाद पद्य-सूची राखल गेलासँ अंकमे कोन संतुलन अछि?

- (A) आधुनिक डिजिटल विमर्शक संग भाव-काव्यक संतुलन
- (B) केवल तकनीकी निर्देश
- (C) साहित्यिक रिक्तता
- (D) केवल व्यापार-विवरण

२३८०. खण्ड ७६४क सार की अछि?

- (A) अंक ३०२ गजल, साओनक ऋतु-बोध आ मतिविशेखक भाव-संकेतसँ पद्य-विविधता रचैत अछि
- (B) एहि खण्डमे पद्य नहि अछि
- (C) एहि खण्ड केवल गद्य-सूची अछि
- (D) एहि खण्ड केवल पृष्ठ-आँकड़ा अछि

खण्ड ७६५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक ३०३ : 'लजकोटर' तेसर खेप, गाम आ यूट्यूब

२३८१. अंक ३०३मे 'लजकोटर'क कोन खेप देल अछि?

- (A) तेसर खेप
- (B) दोसर खेप
- (C) पाँचम खेप
- (D) पहिल खेप

२३८२. अंक ३०३मे संतोष राय केर गद्य-रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) गाम
- (B) स्वार्थक रंग
- (C) मुक्ति
- (D) लहास

२३८३. 'गाम' शीर्षकक कथा-संकेत कोन जीवन-क्षेत्रक सामने आनैत अछि?

- (A) ग्रामीण जीवन आ लोक-परिस्थिति
- (B) समुद्री उपनिवेश
- (C) महल-दरबार
- (D) केवल मोबाइल तकनीक

२३८४. अंक ३०३मे नबोनारायण मिश्रक रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) एहनो होइत छै
- (B) बिडम्बना
- (C) स्वार्थक रंग
- (D) मोन होइछ

२३८५. अंक ३०३मे आशीष अनचिन्हारक डिजिटल लेख कोन विषयपर अछि?

- (A) यूट्यूब आ मैथिली
- (B) सोशल मीडिया आ मैथिल
- (C) मिथिला-मैथिलीक ऐप्स
- (D) मैथिलीमे इंटरनेट

२३८६. 'यूट्यूब आ मैथिली' लेखमे यूट्यूब केर प्रकृति कोन रूपमे देखाओल गेल अछि?

- (A) भीडियो माध्यम द्वारा विचार, गीत, समाज आ साहित्य पहुँचाबय वाला मंच
- (B) केवल छापाखाना
- (C) केवल रेडियो स्टेशन
- (D) केवल परीक्षा-केंद्र

२३८७. लेखमे मैथिली यूट्यूब-संस्कृति कोन प्रवृत्तिक संकेत दैत अछि?

- (A) गीत, चैनल, समाचार, संस्कृति आ डिजिटल विस्तार
- (B) केवल मौखिक कथा
- (C) केवल पांडुलिपि-संग्रह
- (D) केवल कृषि-उपकरण

२३८८. अंक ३०३मे गद्य-सूची की देखबैत अछि?

- (A) उपन्यास, ग्रामीण गद्य, सामाजिक कथा आ डिजिटल माध्यमक मिश्रण
- (B) केवल पद्य मात्र
- (C) केवल सरकारी कागज
- (D) केवल बाल-खेल

२३८९. 'गाम' आ 'यूट्यूब आ मैथिली' एकहि अंकमे रहबाक अर्थ की अछि?

- (A) ग्रामीण जीवन आ डिजिटल आधुनिकताक संग-साथ उपस्थिति
- (B) साहित्यक अनुपस्थिति
- (C) केवल अंग्रेजी लेखन
- (D) केवल भौतिक पृष्ठ-सूची

२३९०. खण्ड ७६५क सार की अछि?

- (A) अंक ३०३ प्रवास-उपन्यास, गामक सामाजिक अनुभूति आ यूट्यूबक डिजिटल मैथिली इतिहासकें जोड़ैत अछि
- (B) एहि खण्डमे केवल कविता अछि
- (C) एहि खण्डमे तकनीक नहि अछि
- (D) एहि खण्डमे कथा-सूत्र नहि अछि

खण्ड ७६६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक ३०३ : नींद, गजल आ पद्य-संवेदना

२३९१. अंक ३०३क पद्य-खंडमे आनन्द दासक कविता कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) नींद आबि जाइत अछि
- (B) साओन
- (C) अजगुत बुचिया
- (D) व्यूह

२३९२. 'नींद आबि जाइत अछि' शीर्षक कोन भाव-दशा संकेत करैत अछि?

- (A) थकान, मनोदशा आ निद्रा-संवेदना
- (B) युद्ध-जय
- (C) चिकित्सा-प्रशिक्षण
- (D) सोशल नेटवर्क

२३९३. अंक ३०३मे बाबा वैद्यनाथक पद्य-रचना कोन विधामे अछि?

- (A) गजल
- (B) उपन्यास
- (C) लघुकथा
- (D) आलेख

२३९४. अंक ३०३क पद्य-खंडक मुख्य दू धुरी कोन अछि?

- (A) आनन्द दासक कविता आ बाबा वैद्यनाथक गजल
- (B) केवल परीक्षा सामग्री
- (C) केवल ऐप्स चर्चा
- (D) केवल उपन्यास

२३९५. गद्य-खंडमे यूट्यूबक चर्चा आ पद्य-खंडमे गजल-कविता रखबाक अर्थ की अछि?

- (A) माध्यम-परिवर्तन आ साहित्यिक अभिव्यक्ति दुनूकें एक अंकमे राखल गेल अछि
- (B) कविता अनुपस्थित अछि
- (C) डिजिटल विमर्श हटाओल गेल अछि
- (D) कथा-विधा समाप्त अछि

२३९६. अंक ३०३मे बाबा वैद्यनाथक गजल कुन प्रवाहक निरन्तरता अछि?

- (A) मैथिली गजल प्रकाशनक निरन्तरता
- (B) केवल नाटक मंचन
- (C) वैद्यकीय लेख
- (D) कृषि-रिपोर्ट

२३९७. 'नींद आबि जाइत अछि' आ 'गजल'क संग-साथ पद्य-खंडमे कोन व्यापकता बनैत अछि?

- (A) व्यक्तिगत मनःस्थिति आ लयात्मक अभिव्यक्ति
- (B) केवल तकनीकी सूचना
- (C) केवल प्रशासनिक रिपोर्ट
- (D) केवल भूगोल

२३९८. अंक ३०३क रचना-संयोजन पाठककें कोन क्षेत्रसँ कोन क्षेत्र धरि लैत अछि?

- (A) प्रवासी कथा आ गामसँ डिजिटल यूट्यूब आ पद्य धरि
- (B) केवल व्यापार-सूची
- (C) केवल संपर्क-विवरण
- (D) केवल रंग-चित्र

२३९९. पद्य-खंडमे कम रचना होइतहुँ ओकर विशेषता की अछि?

- (A) दू विधा-स्वर—कविता आ गजल—स्पष्ट अछि
- (B) कोनो पद्य नाहि अछि
- (C) केवल गद्य-सूची अछि
- (D) केवल अनुवाद अछि

२४००. खण्ड ७६६क सार की अछि?

- (A) अंक ३०३क पद्य भाग निद्रा-संवेदना आ गजल-लय सँ भावात्मक पूरकता बनबैत अछि
- (B) एहि खण्डमे पद्य अनुपस्थित अछि
- (C) एहि खण्डमे केवल परीक्षा-सामग्री अछि
- (D) एहि खण्डमे केवल तकनीक-लेख अछि

खण्ड ७६७ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक ३०४ : 'लजकोटर' चारिम खेप, बीहनि कथा आ 'मुक्ति'

२४०१. अंक ३०४मे 'लजकोटर'क कोन खेप देल अछि?

- (A) चारिम खेप
- (B) तेसर खेप
- (C) दोसर खेप
- (D) पाँचम खेप

२४०२. अंक ३०४मे प्रियंवदा तारा झाक गद्य-सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) दूटा बीहनि कथा
- (B) धारावाहिक उपन्यास
- (C) चारि गजल
- (D) एकटा ऐप लेख

२४०३. अंक ३०४मे कंचन कंठक गद्य-रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) मुक्ति
- (B) अजगुत बुचिया
- (C) मोन होइछ
- (D) कृष्ण केर माहात्म्य

२४०४. 'मुक्ति' शीर्षक कोन व्यापक भावक्षेत्रक संकेत दैत अछि?

- (A) बंधनसँ छुटकारा, आत्मबोध वा सामाजिक मुक्ति
- (B) केवल बरखा-वर्णन
- (C) केवल यूट्यूब इतिहास
- (D) केवल परीक्षा-सूची

२४०५. अंक ३०४क गद्य-खंडमे प्रभाष अकिंचनक सामग्री कोन रूपमे देल अछि?

- (A) २ टा बीहनि कथा
- (B) एकटा गजल
- (C) धारावाहिक उपन्यास
- (D) चिकित्सा लेख

२४०६. अंक ३०४मे विन्देश्वर ठाकुरक सामग्रीक संख्या-संकेत की अछि?

- (A) २ टा बीहनि कथा
- (B) ५ टा कविता
- (C) एकटा उपन्यास
- (D) एकटा ऐप लेख

२४०७. अंक ३०४मे मुन्ना जीक गद्य-सामग्री कोन विधासँ जुड़ल अछि?

- (A) बीहनि कथा
- (B) महाकाव्य
- (C) समाचार
- (D) सम्पादकीय मात्र

२४०८. अंक ३०४मे नबोनारायण मिश्रजीक रचना कोन रूपमे प्रस्तुत अछि?

- (A) आशीष अनचिन्हारक प्रस्तुति रूपमे दोसर खेप
- (B) केवल पद्य रूपमे
- (C) केवल परीक्षा-सूची रूपमे
- (D) केवल चित्र रूपमे

२४०९. अंक ३०४क गद्य-खंडक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) धारावाहिक उपन्यासक संग अनेक बीहनि कथा-सामग्री
- (B) केवल एकटा कविता
- (C) केवल डिजिटल लेख
- (D) केवल सम्पर्क-सूचना

२४१०. खण्ड ७६७क सार की अछि?

- (A) अंक ३०४ लजकोटरक निरन्तरता, 'मुक्ति' आ अनेक बीहनि कथा द्वारा गद्य-विविधता सामने आनैत अछि
- (B) अंकमे गद्य सामग्री नहि अछि
- (C) अंक केवल पद्य-संग्रह अछि
- (D) अंक केवल डाउनलोड-सूचना अछि

खण्ड ७६८ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक ३०४ : मोन, बुचिया, आउट इनकम, गजल आ कृष्ण-माहात्म्य

२४११. अंक ३०४क पद्य-खंडमे प्रियंवदा तारा झाक कविता कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) मोन होइछ
- (B) व्यूह
- (C) साओन
- (D) अम्मा

२४१२. अंक ३०४मे कंचन कंठक पद्य-रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) अजगुत बुचिया
- (B) मुक्ति
- (C) मतिविशेष
- (D) श्रमिक

२४१३. अंक ३०४मे प्रभाष अकिंचनक पद्य-सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) दूटा कविता
- (B) दूटा बीहनि कथा मात्र
- (C) एकटा उपन्यास
- (D) एकटा समीक्षा

२४१४. अंक ३०४मे संतोष कुमार राय 'बटोही'क पद्य शीर्षक कोन अछि?

- (A) आउट इनकम
- (B) गाम
- (C) लजकोटर
- (D) इंटरनेट

२४१५. अंक ३०४मे आशीष अनचिन्हारक पद्य-सामग्री कोन विधामे अछि?

- (A) २ टा गजल
- (B) दूटा कथा
- (C) एकटा उपन्यास
- (D) एकटा निबन्ध

२४१६. अंक ३०४मे आभा झाक पद्य-रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) कृष्ण केर माहात्म्य
- (B) व्यथा
- (C) साम्राज्य
- (D) श्रमिक

२४१७. 'मोन होइछ' आ 'अजगुत बुचिया'क उपस्थिति पद्य-खंडमे कोन भाव-विस्तार बनबैत अछि?

- (A) भीतरक मनोभाव आ लोक-बाल-संवेदनाक द्वंद्व/रंग
- (B) केवल परीक्षा सामग्री
- (C) केवल डिजिटल इतिहास
- (D) केवल सम्पर्क सूचना

२४१८. अंक ३०४मे गद्य आ पद्य दुनू मे कंचन कंठक उपस्थिति कोन बात देखबैत अछि?

- (A) रचनाकार कथा-संवेदना आ पद्य-संवेदना दुनू क्षेत्रमे छथि
- (B) रचनाकार अनुपस्थित छथि
- (C) रचनाकार केवल डिजिटल लेखमे छथि
- (D) रचनाकार केवल परीक्षा-सूचीमे छथि

२४१९. अंक ३०४क पद्य-भागक व्यापकता की अछि?

- (A) कविता, गजल, सामाजिक शीर्षक आ भक्तिपरक संकेत सभ एकठाम अछि
- (B) केवल एक पंक्ति सूचना अछि
- (C) पद्यक अभाव अछि
- (D) केवल तकनीकी लेख अछि

२४२०. खण्ड ७६८क सार की अछि?

- (A) अंक ३०४क पद्य भाग मन, लोक-भाव, सामाजिक व्यंग्य, गजल आ कृष्ण-भक्ति/माहात्म्यक विविध संसार अछि
- (B) एहि खण्डमे पद्य नहि अछि
- (C) एहि खण्ड केवल उपन्यास अछि
- (D) एहि खण्ड केवल परीक्षा-सामग्री अछि

खण्ड ७६९ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक ३०५ : 'लजकोटर' पाँचम खेप, बीहनि कथा, डी.एन.बी. आ इंटरनेट

२४२१. अंक ३०५मे 'लजकोटर'क कोन खेप देल अछि?

- (A) पाँचम खेप
- (B) चारिम खेप
- (C) तेसर खेप
- (D) दोसर खेप

२४२२. अंक ३०५मे प्रियंवदा तारा झाक गद्य-सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) दूटा बीहनि कथा
- (B) एकटा गजल
- (C) एकटा ऐप लेख
- (D) दूटा निबन्ध

२४२३. अंक ३०५मे प्रणव झाक लेख कोन विषयपर केन्द्रित अछि?

- (A) डी.एन.बी. आ जिला अस्पताल कार्यक्रमक लाभ
- (B) यूट्यूब गीत
- (C) गजलशास्त्र
- (D) मोन होइछ

२४२४. प्रणव झाक लेखमे डी.एन.बी. सम्बन्धी जानकारी किएक जरूरी मानल गेल अछि?

- (A) चिकित्सा-शिक्षा आ जन-जागरूकता लेल
- (B) कविता-पाठ लेल
- (C) नाटक मंचन लेल
- (D) चित्रकला प्रदर्शन लेल

२४२५. लेखमे डी.एन.बी. कार्यक्रमक एक प्रमुख ध्येय की बताओल गेल अछि?

- (A) विशेषज्ञ चिकित्सकक क्षेत्रीय पूल तैयार करब
- (B) गजल-संग्रह बनब
- (C) सोशल नेटवर्क चलाब
- (D) कथा-सूची छपाब

२४२६. डी.एन.बी. इन डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल कार्यक्रम कोन प्रकारक अस्पतालसँ जुड़ल बताओल गेल अछि?

- (A) २०० बेडसँ बेसी बिस्तरबला टर्सी केयर अस्पताल
- (B) केवल प्राथमिक विद्यालय
- (C) केवल पुस्तकालय
- (D) केवल पंचायत भवन

२४२७. अंक ३०५मे आशीष अनचिन्हारक डिजिटल लेख कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) मैथिलीमे इंटरनेट
- (B) यूट्यूब आ मैथिली
- (C) सोशल मीडिया आ मैथिली
- (D) मिथिला-मैथिलीक ऐप्स

२४२८. 'मैथिलीमे इंटरनेट' लेखक मूल प्रश्न की अछि?

- (A) इंटरनेट मैथिली भाषामे कहिया आ कोना आएल
- (B) कृष्णक माहात्म्य कोना गाओल गेल
- (C) बीहनि कथा कतेक पंक्तिक अछि
- (D) गजलमे तुक कोना अछि

२४२९. लेखमे मैथिलीक आरम्भिक इंटरनेट उपस्थिति लेल कोन नाम प्रमुख रूपेँ आयल अछि?

- (A) भालसरिक गाछ
- (B) अजगुत बुचिया
- (C) स्वार्थक रंग
- (D) लहास

२४३०. खण्ड ७६९क सार की अछि?

- (A) अंक ३०५ उपन्यास, बीहनि कथा, चिकित्सा-शिक्षा आ मैथिली इंटरनेट इतिहासक चारि अलग धारा जोड़ैत अछि
- (B) अंक केवल पद्य-संग्रह अछि
- (C) अंकमे गद्य-विविधता नहि अछि
- (D) अंक केवल सम्पर्क-सूची अछि

खण्ड ७७० : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक ३०५ : व्यूह, बिडम्बना आ व्यथा

२४३१. अंक ३०५क पद्य-खंडमे प्रियंवदा तारा झाक कविता कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) व्यूह
- (B) मोन होइछ
- (C) साओन
- (D) अम्मा

२४३२. 'व्यूह' शीर्षकक कविता कोन आन्तरिक स्थिति संकेत करैत अछि?

- (A) मोनक ओझराहट आ मनोव्यूह
- (B) केवल बाजार-दर
- (C) चिकित्सा पाठ्यक्रम
- (D) सोशल नेटवर्कक सूची

२४३३. अंक ३०५मे नबोनारायण मिश्रजीक कविता कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) बिडम्बना
- (B) मतिविशेष
- (C) कोरोना
- (D) श्रमिक

२४३४. 'बिडम्बना'क आरम्भिक स्वर कोन जीवन-दशा देखबैत अछि?

- (A) घर-घाटक बीच अस्थिरता, संघर्ष आ विडम्बना
- (B) केवल ऋतु-उत्सव
- (C) केवल ऐप इतिहास
- (D) केवल उपन्यास-सूची

२४३५. अंक ३०५मे आभा झाक कविता कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) व्यथा
- (B) साम्राज्य
- (C) श्रमिक
- (D) मतिविशेष

२४३६. 'व्यथा' कविता कोन सौन्दर्य-विवाद/भावनासँ आरम्भ होइत अछि?

- (A) गौर वर्ण, कृष्ण वर्ण आ उपेक्षित व्यथाक प्रश्न
- (B) केवल चिकित्सा प्रशिक्षण
- (C) केवल यूट्यूब चैनल
- (D) केवल गामक बाजार

२४३७. अंक ३०५क पद्य-भागमे तीन शीर्षक सभ मिलि कोन भाव-त्रिकोण बनबैत अछि?

- (A) मनक उलझन, जीवनक विडम्बना आ उपेक्षित व्यथा
- (B) केवल हास्य-मनोरंजन
- (C) केवल तकनीकी मार्गदर्शन
- (D) केवल परीक्षा अभ्यास

२४३८. अंक ३०५मे गद्यक 'मैथिलीमे इंटरनेट' आ पद्यक 'व्यथा' संग-साथ कोन व्यापकता देखबैत अछि?

- (A) इतिहास/तकनीकक दस्तावेजीकरण आ मानवीय पीड़ाक काव्यात्मक अभिव्यक्ति
- (B) केवल विज्ञापन
- (C) केवल चित्र
- (D) केवल खेल

२४३९. अंक ३०५क रचना-संयोजनक विशेषता की अछि?

- (A) ज्ञानात्मक लेख, कथा आ भावप्रधान कविता सभ एकठाम अछि
- (B) कविता अनुपस्थित अछि
- (C) गद्य अनुपस्थित अछि
- (D) केवल बाहरी लिंक अछि

२४४०. खण्ड ७७०क सार की अछि?

- (A) अंक ३०५क पद्य भाग मन, विडम्बना आ उपेक्षित व्यथा मार्फत गहन मानवीय संवेदना रचैत अछि
- (B) एहि खण्डमे पद्य नहि अछि
- (C) एहि खण्ड केवल चिकित्सा लेख अछि
- (D) एहि खण्ड केवल संपर्क-सूचना अछि

खण्ड ७७१ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक ३०६ : 'लजकोटर' छठम खेप, बीहनि कथा आ फेसबुक-विमर्श

२४४१. अंक ३०६मे 'लजकोटर'क कोन खेप देल अछि?

- (A) छठम खेप
- (B) सातम खेप
- (C) आठम खेप
- (D) दसम खेप

२४४२. अंक ३०६क गद्य-सूचीमे ज्ञानवर्द्धन कंठक सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) तीन टा बीहनि कथा
- (B) दूटा गजल
- (C) एकटा नाटक
- (D) चारि आलोचना

२४४३. अंक ३०६मे आशीष अनचिन्हारक लेख कोन डिजिटल विषयपर अछि?

- (A) फेसबुकक दू टा फीचर आ दू टा भ्रम
- (B) मैथिलीमे इंटरनेट
- (C) यूट्यूब आ मैथिली
- (D) सोशल मीडिया आ मैथिली

२४४४. फेसबुक-विषयक लेखक शीर्षकमे 'फीचर' आ 'भ्रम'क जोड़ी कोन दिशा खोलैत अछि?

- (A) डिजिटल सुविधा आ ओकर गलत बुझाइ दुनू पर चर्चा
- (B) केवल लोकगीतक अर्थ
- (C) केवल उपन्यासक कथानक
- (D) केवल कृषि-विज्ञान

२४४५. अंक ३०६मे 'लजकोटर' आ फेसबुक-लेख संग-साथ रहब कोन व्यापकता देखबैत अछि?

- (A) प्रवासी कथा आ डिजिटल सार्वजनिकता एक अंकमे जुटैत अछि
- (B) केवल पद्य-वाचन अछि
- (C) केवल पौराणिक आख्यान अछि
- (D) केवल सम्पर्क-सूचना अछि

२४४६. ज्ञानवर्द्धन कंठक तीन बीहनि कथा अंक ३०६मे कोन विधागत भूमिका निभबैत अछि?

- (A) संक्षिप्त, संकेतप्रधान कथा-विधाकेँ मजबूत करैत अछि
- (B) दीर्घ महाकाव्य बनबैत अछि
- (C) केवल परीक्षा-नोट बनैत अछि
- (D) केवल गीत-संग्रह बनैत अछि

२४४७. अंक ३०६क गद्य-संयोजनमे प्रमुख तीन धारा कोन अछि?

- (A) धारावाहिक उपन्यास, बीहनि कथा, डिजिटल लेख
- (B) केवल चित्रकला, नृत्य, संगीत
- (C) केवल शास्त्र, ज्योतिष, संस्कार
- (D) केवल बालगीत, गजल, रुबाइ

२४४८. 'लजकोटर'क छठम खेप अंक ३०६मे आयलासँ पाठक लेल कोन निरंतरता बनैत अछि?

- (A) पूर्व अंकसभसँ चलैत प्रवासी जीवनक कथा आगू बढ़ैत अछि
- (B) नव उपन्यास बंद भऽ जाइत अछि
- (C) कविता-खंड समाप्त भऽ जाइत अछि
- (D) डिजिटल लेख हटि जाइत अछि

२४४९. अंक ३०६क गद्य सामग्रीक पाठकीय उपयोगिता की अछि?

- (A) समाजक कथा, संक्षिप्त कथा-रूप आ डिजिटल सावधानी तीनू भेटैत अछि
- (B) केवल पृष्ठ-सूची भेटैत अछि
- (C) केवल विज्ञापन भेटैत अछि
- (D) केवल परीक्षा-तिथि भेटैत अछि

२४५०. खण्ड ७७१क सार की अछि?

- (A) अंक ३०६ गद्य-भागमे 'लजकोटर'क छठम खेप, ज्ञानवर्द्धन कंठक बीहनि कथा आ फेसबुक-विमर्शकें जोड़ैत अछि
- (B) अंकमे गद्य नहि अछि
- (C) अंक केवल पद्य-संग्रह अछि
- (D) अंक केवल पुरान अंकक लिंक अछि

खण्ड ७७२ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक ३०६ : 'हम गाम छी', रहमत-बिरजू आ कृषि-प्रधान भारत

२४५१. अंक ३०६क पद्य-खंडमे प्रियंवदा तारा झाक कविता कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) हम गाम छी
- (B) अपन घर
- (C) हम स्त्री छी
- (D) उम्मीदक आश्रय

२४५२. 'हम गाम छी' शीर्षक कोन पहचान-संवेदना जगबैत अछि?

- (A) गामकें जीवित सामुदायिक अस्तित्वक रूपमे देखब
- (B) केवल शहरक यातायात
- (C) केवल राजसभा
- (D) केवल अस्पताल

२४५३. अंक ३०६मे ज्ञानवर्द्धन कंठक पद्य आरम्भ कोन पंक्ति-संकेतसँ अछि?

- (A) रहमत आजु उपासल, बिरजू पियासल हे...
- (B) हम गाम छी
- (C) कोना कहू? भारत एक कृषि प्रधान देश अछि
- (D) पथराइत डीह

२४५४. रहमत आ बिरजू नामक संग 'उपासल' आ 'पियासल' शब्द कोन भावक संकेत अछि?

- (A) भूख-प्यास आ जनजीवनक अभाव
- (B) राजतिलकक उल्लास
- (C) केवल युद्ध-जय
- (D) केवल प्रेम-विलास

२४५५. अंक ३०६मे आशुतोषक कविता कोन प्रश्नात्मक शीर्षकसँ अछि?

- (A) कोना कहू? भारत एक कृषि प्रधान देश अछि।
- (B) हम गाम छी
- (C) उम्मीदक आश्रय
- (D) कुरसी

२४५६. 'कोना कहू? भारत एक कृषि प्रधान देश अछि' शीर्षकमे प्रश्नवाचकता कोन बात संकेत करैत अछि?

- (A) घोषित कृषि-प्रधानता आ किसानक वास्तविक दशाक बीच तनाव
- (B) केवल ऋतु-उत्सव
- (C) केवल बाल-खेल
- (D) केवल नृत्य-मंच

२४५७. अंक ३०६क पद्य-त्रयीमे कोन सामाजिक धरातल प्रमुख अछि?

- (A) गाम, भूख-प्यास आ कृषि-जीवन
- (B) केवल डिजिटल ऐप
- (C) केवल तिथि-निर्णय
- (D) केवल उपन्यास-कथानक

२४५८. गद्यक फेसबुक लेख आ पद्यक गाम-कृषि स्वर साथ देखलासँ अंक ३०६ कोन संतुलन बनबैत अछि?

- (A) डिजिटल आधुनिकता आ जमीनसँ जुड़ल लोक-जीवन दुनू
- (B) केवल आकाशीय कल्पना
- (C) केवल शास्त्रीय संस्कार
- (D) केवल बाल नाटक

२४५९. अंक ३०६क पद्य-भागमे सामाजिक प्रश्न कोन रूपमे आयल अछि?

- (A) कविता-संवेदनाक माध्यमे
- (B) केवल सरकारी तालिका रूपमे
- (C) केवल उपन्यासक फुटनोटमे
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या रूपमे

२४६०. खण्ड ७७२क सार की अछि?

- (A) अंक ३०६क पद्य-भाग गाम, अभाव आ कृषि-यथार्थक मार्मिक त्रयी बनबैत अछि
- (B) एहि खण्डमे पद्य नहि अछि
- (C) एहि खण्ड केवल फेसबुकपर अछि
- (D) एहि खण्ड केवल उपन्यासपर अछि

खण्ड ७७३ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक ३०७ : ‘लजकोटर’ सातम खेप, बीहनि कथा, गजल-विमर्श आ तिरहुता

२४६१. अंक ३०७मे ‘लजकोटर’क कोन खेप देल अछि?

- (A) सातम खेप
- (B) छठम खेप
- (C) आठम खेप
- (D) दसम खेप

२४६२. अंक ३०७मे प्रियंवदा तारा झाक गद्य-सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) दूटा बीहनि कथा
- (B) तीन टा गजल
- (C) एकटा बाल नाटक
- (D) एकटा महाकाव्य

२४६३. अंक ३०७मे आशीष अनचिन्हारक लेख कोन गजल-संदर्भ खोलैत अछि?

- (A) दुष्यंत कुमारक गजलक मिजाज सन गजल मैथिलीमे कहिया लीखल जेतै
- (B) फेसबुकक दू टा फीचर
- (C) मैथिलीमे इंटरनेट
- (D) यूट्यूब आ मैथिली

२४६४. दुष्यंत कुमारक गजलक मिजाजक उल्लेख कोन बातक खोज संकेत करैत अछि?

- (A) मैथिली गजलमे जनवादी, तीक्ष्ण आ समकालीन स्वरक सम्भावना
- (B) केवल बालगीतक धुन
- (C) केवल लिपि-इतिहास
- (D) केवल उपन्यासक पात्र

२४६५. अंक ३०७मे गजेन्द्र ठाकुरक तिरहुता सम्बन्धी लेखक कोन भाग देल अछि?

- (A) तिरहुता लिपिक उद्भव आ विकास — भाग १
- (B) भाग २
- (C) भाग ३
- (D) भाग ४

२४६६. तिरहुता लिपिक उद्भव आ विकास विषय कोन सांस्कृतिक क्षेत्रसँ जुड़ल अछि?

- (A) मैथिलीक लिपि-इतिहास आ सांस्कृतिक अस्मिता
- (B) केवल भोजन विधि
- (C) केवल मंच-सज्जा
- (D) केवल चिकित्सा पाठ्यक्रम

२४६७. अंक ३०७मे डा. सुभाष चन्द्र झाक लेख कोन साहित्यकारपर अछि?

- (A) वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'
- (B) दुष्यंत कुमार
- (C) रबीन्द्र नारायण मिश्र
- (D) जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिल

२४६८. अंक ३०७क आरम्भिक गद्य-संयोजनमे कोन चारि धारा साथ आबैत अछि?

- (A) धारावाहिक उपन्यास, बीहनि कथा, गजल-विमर्श, लिपि-इतिहास
- (B) केवल भक्ति-गीत
- (C) केवल परीक्षा-सूचना
- (D) केवल सम्पर्क-सूची

२४६९. 'यात्री'क साहित्य यात्रा सम्बन्धी लेख अंक ३०७मे कोन प्रकारक अध्ययन जोड़ैत अछि?

- (A) व्यक्तित्व आ कृतित्वक साहित्यिक अनुशीलन
- (B) केवल डिजिटल उपयोग
- (C) केवल लघुकथा
- (D) केवल गीत-गायन

२४७०. खण्ड ७७३क सार की अछि?

- (A) अंक ३०७क आरम्भिक गद्य भाग प्रवासी उपन्यास, बीहनि कथा, गजल-विमर्श, तिरहुता आ यात्री-अध्ययनकेँ जोड़ैत अछि
- (B) अंकमे लिपि-विमर्श नहि अछि
- (C) अंक केवल पद्य अछि
- (D) अंक केवल पुरान अंकक विवरण अछि

खण्ड ७७४ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक ३०७ : मोकाम दिस, चारि पत्र, मिथिला-नामकरण आ रामायण-विमर्श

२४७१. अंक ३०७मे मुन्ना जीक 'मोकाम दिस' कोन रूपमे देल अछि?

- (A) मैथिली बीहनि कथा संग्रह
- (B) धारावाहिक उपन्यास
- (C) गजल-संग्रह
- (D) नाटकक तेसर खेप

२४७२. अंक ३०७मे विष्णु कान्त मिश्रक गद्य-सामग्री कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) चारि पत्र
- (B) महादेवक कूटनीति
- (C) कुरसी
- (D) पथिक

२४७३. 'चारि पत्र' शीर्षक कोन लेखन-रूपक संकेत दैत अछि?

- (A) पत्रात्मक अभिव्यक्ति
- (B) गीत-संग्रह
- (C) तिथि-निर्णय
- (D) बाल-नाटक

२४७४. अंक ३०७मे डॉ. चित्रलेखाक लेख कोन ऐतिहासिक-सांस्कृतिक प्रश्नपर अछि?

- (A) मिथिलाक नामकरण एवं प्रादूर्भाव
- (B) मिथिलामे पावनि-तिहार
- (C) मिथिलामे गीत-नादक महत्व
- (D) सामा-चकेबा

२४७५. 'मिथिलाक नामकरण एवं प्रादूर्भाव' कोन विषयक अध्ययन अछि?

- (A) मिथिलाक उत्पत्ति, नाम आ सांस्कृतिक पहचान
- (B) केवल गीतक छन्द
- (C) केवल आधुनिक ऐप
- (D) केवल अस्पताल कार्यक्रम

२४७६. अंक ३०७मे डॉ. अर्पणाक एक लेख कोन काण्डक विशेषतापर अछि?

- (A) पुष्कर काण्डक विशेषता
- (B) अरण्य काण्डक युद्ध
- (C) सुन्दर काण्डक पाठ
- (D) बाल काण्डक गीत

२४७७. अंक ३०७मे डॉ. अर्पणाक दोसर रामायण-संबद्ध लेख कोन पात्रपर केन्द्रित अछि?

- (A) रमेश्वर चरित मिथिला रामायणमे 'कौशल्या'
- (B) सीता-हरण
- (C) लव-कुश युद्ध
- (D) हनुमान-चरित

२४७८. एडिटर्स चोइस सीरीज अंक ३०७मे कोन रूपमे देल अछि?

- (A) बीछल गद्य-पद्य रचनाक संग्रह
- (B) केवल संपर्क-सूची
- (C) केवल परीक्षा-प्रश्नपत्र
- (D) केवल चित्रमाला

२४७९. अंक ३०७क एहि भागमे मिथिला-अध्ययन आ रामायण-अध्ययन संग-साथ किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) क्षेत्रीय इतिहास आ धार्मिक-साहित्यिक परंपरा दुनूकेँ एकसाथ पढ़बैत अछि
- (B) केवल गजल-वाचन करैत अछि
- (C) केवल डिजिटल फीचर बतबैत अछि
- (D) केवल बालगीत दैत अछि

२४८०. खण्ड ७७४क सार की अछि?

- (A) अंक ३०७क उत्तरार्द्ध गद्य बीहनि कथा-संग्रह, पत्रात्मकता, मिथिला-इतिहास, रामायण-विमर्श आ चयनित रचनाकेँ समेटैत अछि
- (B) एहि खण्डमे गद्य नहि अछि
- (C) एहि खण्ड केवल पद्य अछि
- (D) एहि खण्ड केवल डिजिटल लेख अछि

खण्ड ७७५ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक ३०७ : गजल, पथराइत डीह, अपन घेर आ स्त्री-स्वर

२४८१. अंक ३०७क पद्य-खंडमे जगदीश चन्द्र ठाकुर 'अनिल'क कोन सामग्री देल अछि?

- (A) दू टा गजल
- (B) तीनटा कविता
- (C) एकटा उपन्यास
- (D) चारि पत्र

२४८२. मुन्ना जीक कविता अंक ३०७मे कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) पथराइत डीह
- (B) मोकाम दिस
- (C) अपन घेर
- (D) हम स्त्री छी

२४८३. 'पथराइत डीह' शीर्षक कोन बिम्ब बनबैत अछि?

- (A) गाम-घरक स्मृति, सूखलपन आ कठोर होइत धरती
- (B) केवल अस्पताल
- (C) केवल सोशल मीडिया
- (D) केवल युद्ध-जय

२४८४. अंक ३०७मे अमरेश कुमार लाभक सामग्री कोन मिश्रित रूपमे अछि?

- (A) तीनटा कविता आ दू टा गजल
- (B) केवल उपन्यास
- (C) केवल बीहनि कथा
- (D) केवल आलोचना

२४८५. डॉ. आभा झाक कविता अंक ३०७मे कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) अपन घेर
- (B) व्यथा
- (C) चेतना
- (D) मतिविशेष

२४८६. 'अपन घेर' शीर्षक कोन सामाजिक-आन्तरिक भाव खोलैत अछि?

- (A) अपन सीमा, निज संसार आ आत्म-परिसरक प्रश्न
- (B) केवल पर्व-तिहार
- (C) केवल डिजिटल कैदखाना
- (D) केवल खेतक रखबारी

२४८७. इरा मल्लिकक रचना अंक ३०७मे कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) हम स्त्री छी
- (B) हम गाम छी
- (C) उम्मीदक आश्रय
- (D) चिट्ठी

२४८८. 'हम स्त्री छी' शीर्षकक मूल स्वर की बुझाइत अछि?

- (A) स्त्री-अस्मिता आ आत्म-स्वर
- (B) केवल बालगीत
- (C) केवल कृषि-प्रश्न
- (D) केवल लिपि-इतिहास

२४८९. अंक ३०७मे अंग्रेजी शीर्षकबला साहित्य-इतिहास सामग्री कोन व्यापक प्रसंग लैत अछि?

- (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक आगमनक बाद मैथिली साहित्यक दृश्य
- (B) केवल फेसबुक फीचर
- (C) केवल तिथि-निर्णय
- (D) केवल बीहनि कथा

२४९०. खण्ड ७७५क सार की अछि?

- (A) अंक ३०७क पद्य-भाग गजल, गामक डीह, आत्म-घेर, स्त्री-स्वर आ साहित्य-इतिहासक व्यापकता जोड़ैत अछि
- (B) एहि खण्डमे पद्य नहि अछि
- (C) एहि खण्ड केवल रामायण-विमर्श अछि
- (D) एहि खण्ड केवल तिरहुता लिपिपर अछि

खण्ड ७७६ : विदेह भाग-२ प्रथम खनन — अंक ३०८ : बीहनि कथा, गीत-उच्चारण, तिरहुता भाग-२ आ पूर्वी भाषासम्बन्ध

२४९१. अंक ३०८मे इरा मल्लिकक गद्य सामग्री कोन रूपमे अछि?

- (A) दूटा बीहनि कथा
- (B) छत्तीस कविता
- (C) एकटा नाटक
- (D) दूटा गजल

२४९२. अंक ३०८मे आशीष अनचिन्हारक लेख कोन विषयपर अछि?

- (A) दूटा गीतक चर्चा उच्चारण केर आँगनमे
- (B) फेसबुकक दू टा फीचर
- (C) मैथिलीमे इंटरनेट
- (D) दुष्यंत कुमारक गजल

२४९३. 'उच्चारण केर आँगनमे' शीर्षक कोन भाषिक प्रश्न उठबैत अछि?

- (A) गीत-पाठ आ ध्वनि-शुद्धताक प्रश्न
- (B) केवल खेतक रखबारी
- (C) केवल अस्पताल प्रशिक्षण
- (D) केवल उपन्यास पात्र

२४९४. डॉ. ललन कुमार झाक अंक ३०८क एक अध्ययन कोन विद्वान आ विषयपर अछि?

- (A) म. म. राजनाथ मिश्र ओ तिथि निर्णय
- (B) वैद्यनाथ मिश्र यात्री
- (C) दुष्यंत कुमार
- (D) महादेव

२४९५. अंक ३०८मे तिरहुता लिपि विषयक लेखक कोन भाग देल अछि?

- (A) भाग २
- (B) भाग १
- (C) भाग ५
- (D) भाग १०

२४९६. अंक ३०८मे गजेन्द्र ठाकुरक पूर्वी भाषा-संबन्धी लेख कोन भाषासभक संग मैथिलीक सम्बन्ध देखैत अछि?

- (A) बांग्ला, असमिया आ ओड़िया
- (B) तमिल, तेलुगु आ कन्नड़
- (C) फारसी, अरबी आ तुर्की
- (D) ग्रीक, लैटिन आ जर्मन

२४९७. डॉ. ललन कुमार झाक पं. तेजनाथ झा सम्बन्धी लेख कोन विषयसँ जुड़ल अछि?

- (A) संस्कार पर समीक्षा
- (B) डिजिटल ऐप
- (C) कथा-संग्रह
- (D) बाल कविता

२४९८. विष्णु कान्त मिश्रक अंक ३०८क गद्य-रचना कोन शीर्षकसँ अछि?

- (A) महादेवक कूटनीति
- (B) चारि पत्र
- (C) कुरसी
- (D) पथिक

२४९९. डॉ. चित्रलेखाक अंक ३०८मे दू लेख कोन सांस्कृतिक क्षेत्र खोलैत अछि?

- (A) मिथिलामे पावनि-तिहार आ गीत-नादक महत्व
- (B) केवल फेसबुक भ्रम
- (C) केवल गजल-मिजाज
- (D) केवल प्रवासी उपन्यास

२५००. खण्ड ७७६क सार की अछि?

- (A) अंक ३०८क आरम्भिक गद्य बीहनि कथा, गीत-उच्चारण, तिथि-निर्णय, तिरहुता, पूर्वी भाषा-संबन्ध आ सांस्कृतिक अध्ययन जोड़ैत अछि
- (B) एहि खण्डमे केवल पद्य अछि
- (C) एहि खण्ड केवल पुरान अंकक सूचना अछि
- (D) एहि खण्ड केवल सम्पर्क-सूची अछि

उत्तरमाला — अध्याय १ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — अंक-सूचीमे 'लजबिजी' लघुकथा-संग्रहक संग जगदीश प्रसाद मण्डलक नाम अछि।
२. (A) सगर राति दीप जरयक नारी-केंद्रित गोष्ठी — आरम्भिक अंशमे संग्रह 'सगर राति दीप जरय'क नारी-केंद्रित गोष्ठीकें समर्पित कहल गेल अछि।
३. (A) अकाल — सूचीमे 'अकाल' आरम्भिक कथा रूपमे देखाइत अछि।
४. (A) दस-बारहटा छिट्टा-पथियाक गेंठ — किरण फुटिते सुगापटीवाली माथपर छिट्टा-पथिया नेने बौकी दीदी लग पहुँचैत अछि।
५. (A) नियमित गप-सप्प आ अपनापनक — सुगापटीवाली बौकी दीदी लग घंटा-घंटा भरि बैसि गप करैत रहैत, से अपनापन देखबैत अछि।
६. (A) ओ कोनो विपत्ति वा बेथा मे अछि — दीदी ओकर मौलाएल मुँह देखि बुझैत छथि जे जरूर कोनो वेदना अछि।
७. (A) धनक सोग — ओ कहैत अछि जे बेटाक सोग सहल जाए, मुदा धनक सोग नहि सहल जाए।
८. (A) मास-दिनक रोजगार आ किछु बचत — ओ कहैत अछि जे मास-दिनक रोजगार टोकरी बनबैमे लगैत आ किछु हजार बचैत छल।
९. (A) रोजगार-बाजार टूटि जाएब — टोकरी-पथियाक बिकाइ रुकि गेल, तँ अकाल आर्थिक अवसरक टूटन सेहो बनैत अछि।
१०. (A) गरीब श्रमिक स्त्रीक श्रम, विपत्ति आ अपनापन — सुगापटीवालीक श्रम, बौकी दीदीक संवेदना आ आर्थिक संकट कथा केंद्र बनैत अछि।
११. (A) उझट बात — अंक १८४क सूचीमे 'उझट बात' शीर्षक 'लजबिजी' संग्रहक भीतर देल अछि।
१२. (A) कर्जखौक — 'कर्जखौक' शीर्षक ऋण, लेन-देन आ आर्थिक दबावक संकेत दैत अछि।
१३. (A) रेहना चाची — सूचीमे 'रेहना चाची' नाम घरेलू/सामुदायिक स्त्री-पात्रक कथा-संकेत दैत अछि।
१४. (A) बुधनी दादी — सूचीमे 'बुधनी दादी' शीर्षक बुजुर्ग स्त्री-पात्रक उपस्थिति देखबैत अछि।
१५. (A) अउतरित प्रश्न — 'अउतरित प्रश्न' शीर्षक अनुत्तरित सामाजिक/मानसिक प्रश्नक संकेत करैत अछि।
१६. (A) सजल स्मृति — सूचीमे 'सजल स्मृति' शीर्षक स्मरण आ संवेदनाक दिशा देखबैत अछि।
१७. (A) एक मुठी घास — सूचीमे 'एक मुठी घास' शीर्षक देल अछि, जे अल्प साधन/जीवन-संघर्षक संकेत बनि सकैत अछि।

१८. (A) चेहरा, जाति-रंग, सामाजिक दृष्टि वा लोक-व्यवहारक — शीर्षक लोक-भाषाक मुहावरा जकाँ सामाजिक दृष्टि आ देह/चेहरा संबंधी अर्थ खोलैत अछि।
१९. (A) गाम, अभाव, स्मृति, स्त्री-जीवन आ सामाजिक संबंध — कथा-शीर्षकसभ गरीबी, घरेलू जीवन, बुजुर्ग, प्रश्न, स्मृति आ श्रमक ग्रामीण संसार रचैत अछि।
२०. (A) लघुकथा-संग्रह — शीर्षकक बाद स्पष्ट रूपेँ ‘लघु कथा संग्रह’ देल गेल अछि।
२१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — अंक-सूचीमे ‘गामक शकल-सूरत’ लघुकथा-संग्रहक संग जगदीश प्रसाद मण्डलक नाम देल अछि।
२२. (A) ठकुआएल भुसवा — सूची ‘ठकुआएल भुसवा’ सँ शुरू होइत अछि।
२३. (A) छैठ-परमेशरीक घाट — कथा छैठ-परमेशरीक घाट आ सूरजक आगमनक दृश्यसँ शुरू होइत अछि।
२४. (A) पावैनक पाबन परसाद — छैठ घाटपर सभक मनमे पावैनक पाबन परसाद पेबाक आशा जगल कहल गेल अछि।
२५. (A) सूप-डगरा, खीरा, सजमैन, नारिकेल, केरा आ कुशियार — कथामे सूप, डगरा, कोनियाँ, खीरा, सजमैन, नारिकेल, केरा, कुशियार आदि वर्णित अछि।
२६. (A) ठकुआक सामने — भुसवा ठकुआक आसन-मान आ अपन गुड़कैत अस्तित्वक तुलना करैत अछि।
२७. (A) सिरजनमे भेद-कुभेद नै भेल — कथामे भुसवा सोचैत अछि जे ओकर पुरखाक सिरजनमे भेद-कुभेद नै भेल।
२८. (A) बाप-दादा जकाँ गुड़कैत रहबाक — ठकुआ भुसवाकें कहैत अछि जे जेकाँ पुरखा गुड़कैत एलाह, तहिना गुड़कैत रहू।
२९. (A) भुसवा आ ठकुआ संवाद/मान-अपमान अनुभव करैत अछि — कथामे भुसवा-ठकुआ मानवीय भाव, तर्क आ अपमान अनुभव करैत पात्र बनैत अछि।
३०. (A) पावैनक पवित्रता भीतर असमान मान-सम्मानक आलोचना — छैठ-पर्वक परसाद-संसारमे भुसवा-ठकुआ संवाद सामाजिक असमानता आ प्रतिष्ठा-भेदक प्रतीक बनैत अछि।
३१. (A) चापाकलक पाइप — सूचीमे ‘चापाकलक पाइप’ शीर्षक ग्रामक जल-सुविधा आ ढाँचाक संकेत दैत अछि।
३२. (A) कलम हानि कऽ — ‘कलम हानि कऽ’ शीर्षक लेखन, पढ़ाइ वा बौद्धिक साधनक क्षति दिस संकेत करैत अछि।
३३. (A) लतियाएल जिनगी — ‘लतियाएल जिनगी’ शीर्षक सामाजिक दमन वा अपमानित जीवनक संकेत दैत अछि।
३४. (A) गामक बदलैत चेहरा आ सामाजिक यथार्थ — संग्रहक शीर्षक गामक शकल-सूरत अर्थात् ग्रामीण जीवनक रूप-रंग आ विडम्बना पर केंद्रित अछि।
३५. (A) जितिया पावैन — ‘जितिया पावैन’ शीर्षक ग्रामीण स्त्री-लोक आ पर्व-संस्कृति दिस संकेत करैत अछि।
३६. (A) अभाव, सुखापन आ सामाजिक पीड़ा — शीर्षकमे ‘सुखाएल’ शब्द चेहरा/जीवनक रूखापन आ अभावक भाव खोलैत अछि।
३७. (A) भाइ-भाइ/साझेदारी आ अधिकार — शीर्षक भैयारी संबंध, हिस्सा आ अधिकारक ग्रामीण प्रश्न दिस संकेत दैत अछि।
३८. (A) ग्रामीण समाजक बहुविध यथार्थ — विभिन्न शीर्षक ग्रामीण जीवनक जल, लेखन, पर्व, अभाव आ हकक अनेक पक्ष सामने अनैत अछि।
३९. (A) लघुकथासभक क्रमबद्ध संचयन — ‘कथाक सत्तिर’ शीर्षक लघुकथा-संग्रहक क्रमबद्ध कथा-प्रस्तुति सूचित करैत अछि।
४०. (A) ग्रामीण जीवनक प्रतीकात्मक आ सामाजिक लघुकथा — गामक शकल-सूरत आ ओकर कथा-शीर्षकसभ ग्रामीण समाजक प्रतीकात्मक-सामाजिक लघुकथा संसार बनबैत अछि।
४१. (A) फलहार — अंक १८६क आरम्भमे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा-संग्रह ‘फलहार’क अनुक्रम आ कथा-पाठ भेटैत अछि।
४२. (A) जाम — अनुक्रममे ‘जाम’ पहिल कथा रूपेँ राखल गेल अछि।
४३. (A) महाविद्यालयसँ सेवा-निवृत्ति पछाति — ‘जाम’क आरम्भमे गुणेशर काका सेवा-निवृत्त भऽ जमा धनक बात बेतासँ करैत छथि।
४४. (A) धएल-धरल धन बेता सभ अपन लऽ लिअ — कथा मे पिता अपन जीवनभरक संचित धन बेता सभक बीच देबाक बात करैत छथि।
४५. (A) पिताक कमाइ पिताक इच्छानुसार खर्च होअय — सुधीर पिताक शिक्षा-ऋण मानैत अछि आ धन लेबाक अपेक्षा पिताक स्वतंत्र उपयोगक पक्ष लैत अछि।
४६. (A) भैया आ बाबूक विचारक संग चलबाक — रणधीर कहैत अछि जे पिता आ भैया जे विचार करताह, ओ मानि लेत।
४७. (A) दूनू बेताकें — कथा स्पष्ट करैत अछि जे गुणेशर काका अपन दूनू बेताकें इंजीनियरिंग धरि पढ़ौलनि।
४८. (A) मनक रोग वा मानसिक बोझ रूपे — गुणेशर काकाक विचारमे बुढ़ाई मुख्यतः मनक बोझ आ जीवनक ओरियानसँ जुड़ल अछि।

४९. (A) सेवानिवृत्ति पछाति संचित धनक चिन्ता — गुणोसर काकाक जमा धन आ ओकर उपयोग कथा-केंद्रक नैतिक द्वंद्व बनेल अछि।
५०. (A) संचित धन, उत्तरदायित्व आ बुढ़ापाक नैतिक निर्णय — कथा धन लेन-देनसँ बेसी पिता-पुत्र, कर्तव्य, बुढ़ापा आ सामाजिक उपयोगक प्रश्न उठबैत अछि।
५१. (A) गण्डा — अनुक्रममे ‘जाम’ पछाति ‘गण्डा’ शीर्षक देल अछि।
५२. (A) तीन साल पछाति — कथा आरम्भमे “तीन सालक पछाति करिया भायसँ भेंट” भेल कहैत अछि।
५३. (A) अण्डा सभक हाल-चालक प्रश्न — कथाकार अण्डा सबहक हाल पूछैत अछि, तेकर उत्तरमे करिया भाय ‘गण्डा’ भेल जाएब कहैत छथि।
५४. (A) कम्पनी मालिकक गाड़ी — कथा दिल्ली-जकाँ शहर आ कम्पनी मालिकक गाड़ीक ड्राइवर प्रसंगक उल्लेख करैत अछि।
५५. (A) हाथी आ मूस — ‘हाथी आ मूस’ शीर्षक सामाजिक रूपक लेल पशु-पात्रक प्रयोगक संकेत दैत अछि।
५६. (A) आकार आ शक्ति-संतुलन — हाथी-मूसक जोड़ी आकार, सामर्थ्य आ सामाजिक रोब-रूआबक विरोधाभास पर आधारित रूपक बनेल अछि।
५७. (A) पशु-पात्र द्वारा मानवीय व्यवहारक संकेत — ‘हाथी आ मूस’ जकाँ ‘मुसरी आ घोड़ा’ सेहो पशु-पात्रक माध्यमे सामाजिक अर्थ खोलबाक दिशा दिस अछि।
५८. (A) माएकेँ — कथा मे उपासल रूक्मिणी अपन माएकेँ फलहारक समय लगबाक बात कहैत अछि।
५९. (A) चारि बजेक समय — कथा ‘चारि बजेक समय’ आ सूर्यक उष्णतासँ शीतलता दिस ढलानक दृश्यसँ आरम्भ होइत अछि।
६०. (A) कथा लेखन क्रम — अनुक्रमक अंतमे ‘कथा लेखन क्रम’ शीर्षक संग्रहक रचनात्मक विचार-दृष्टि दिस संकेत करैत अछि।
६१. (A) सगर राति दीप जरयक ८७म गोष्ठी — रिपोर्टमे निर्मलीमे भेल ‘सगर राति दीप जरय’क ८७म गोष्ठीक विवरण अछि।
६२. (A) कथा तिलजुगा — रिपोर्टमे ८७म गोष्ठी ‘कथा तिलजुगा’ नामसँ उल्लिखित अछि।
६३. (A) निर्मली — रिपोर्ट निर्मलीक श्यामा रेसिडेन्सी सभागारमे गोष्ठीक आयोजन बतबैत अछि।
६४. (A) गुड़ा-खुद्दीक रोटी — रिपोर्टमे जगदीश प्रसाद मण्डलक ‘गुड़ा-खुद्दीक रोटी’ सहित चारि पोथी लोकार्पित भेल कहैत अछि।
६५. (A) लघुकथा संग्रह — ‘फलहार’ जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा-संग्रह रूपे लोकार्पित पोथीमे अछि।
६६. (A) जाल — रिपोर्टमे राजदेव मण्डल रचित ‘जाल’ पटकथा पोथी रूपे उल्लेखित अछि।
६७. (A) सात पालीमे — रिपोर्टक अनुसार कथा-सत्र सात पालीमे विभक्त छल।
६८. (A) पच्चीस गोट — रिपोर्टमे “सात पालीमे विभक्त पच्चीस गोट कथा पाठ” भेल कहल अछि।
६९. (A) डखराम — रिपोर्टमे अध्यक्षमण्डल द्वारा अगिला गोष्ठी डखराममे करबाक निर्णय दर्ज अछि।
७०. (A) लोकार्पण, कथा-पाठ आ अगिला गोष्ठीक सामूहिक निर्णय एके संग देखबामे — रिपोर्ट गोष्ठीक उद्घाटन, लोकार्पण, कथा-पाठ, समीक्षा आ भावी आयोजनक निर्णयक विस्तृत साहित्यिक दस्तावेज अछि।
७१. (A) दू टा — अनुक्रममे जगदीश प्रसाद मण्डलक “२ टा लघु कथा” स्पष्ट लिखल अछि।
७२. (A) मेक इन मिथिला भाग-२ — गद्य-सूचीमे ‘मेक इन मिथिला भाग-२’ व्यंग्य निबन्ध रूपे उल्लेखित अछि।
७३. (A) दू टा — अनुक्रम योगेन्द्र पाठक “वियोगी”क “२ टा विहनि कथा” कहैत अछि।
७४. (A) नागदह — पद्य-सूचीमे संजय झा “नागदह” नाम सहित देल छथि।
७५. (A) कवि/पद्यकार — अनुक्रममे ओम प्रकाश पद्य भागमे अन्य कवि सभक संग सूचीबद्ध छथि।
७६. (A) पद्य खण्ड — महेश डखरामी पद्य-सूचीमे देल गेल छथि।
७७. (A) पसेनाक धरम — ८६म गोष्ठीक रिपोर्टमे ‘पसेनाक धरम’ आ ‘मधुमाछी’ लोकार्पित पोथी रूपे उल्लेखित अछि।
७८. (A) राजदेव मण्डल ‘रमण’ — रिपोर्टमे लकसेना गामक आयोजन राजदेव मण्डल ‘रमण’क संयोजकत्वमे भेल कहल अछि।
७९. (A) चोरविद्या — कथा-पाठ सूचीमे पल्लवी कुमारीक ‘चोरविद्या’ पहिल सत्रमे दर्ज अछि।
८०. (A) कथा-पाठ — रिपोर्टमे “गंगा नहाएब” राम विलास साहुक कथा-पाठ शीर्षक रूपे आयल अछि।
८१. (A) सगर राति दीप जरल — अंक १८८मे उमेश मण्डल रिपोर्ट “सगर राति दीप जरल” नामसँ अछि।

८२. (A) मैथिली भाषा-साहित्यक विचार-विमर्शक मंच — रिपोर्टक वर्णनमे ई मंच भाषा-साहित्यक विकास लेल वर्ग-वर्गक साहित्यकारक सहभागितासँ जुड़ल अछि।
८३. (A) प्रायः तीन मासक अंतरालपर — रिपोर्टमे आयोजन जगह-जगह प्रायः तीन मासक अंतरालपर होइत आबि रहल कहल अछि।
८४. (A) भागलपुर — रिपोर्टमे ८५म गोष्ठी भागलपुरक द्वारिकापुरी स्थित आयोजन रूपे चर्चित अछि।
८५. (A) भागलपुर — रिपोर्टमे ८४म गोष्ठी पछाति अगिला ८५म आयोजन भागलपुरमे करबाक निर्णय लिखल अछि।
८६. (A) जाम — गद्य-सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डल — लघुकथा — ‘जाम’ देल अछि।
८७. (A) धन, बुढ़ापा आ पारिवारिक दायित्व — ‘जाम’क पाठ सेवा-निवृत्ति, संचित धन, बेटा आ पिता-बोधक नैतिक उलझनपर केन्द्रित अछि।
८८. (A) पाठ, समीक्षा आ अगिला आयोजनक सतत क्रम — रिपोर्टमे कथा-पाठ, समीक्षा, लोकार्पण आ भावी गोष्ठीक निरन्तरता एक साहित्यिक परम्परा रूपे देखाइत अछि।
८९. (A) कथा-साहित्य — “कथा गंगा” नाम कथाक सतत प्रवाह, पाठ आ समीक्षा-संवादक प्रतीक रूपे आयल अछि।
९०. (A) मैथिली कथा-संस्कृतिक सामुदायिक अभ्यास — रिपोर्ट सामूहिक कथा-पाठ आ समीक्षा द्वारा मैथिली साहित्यक सार्वजनिक अभ्यासक दस्तावेज अछि।
९१. (A) बेलहाबालीके जितिया — अनुक्रममे विन्देश्वर ठाकुरक “बेलहाबालीके जितिया” विहनि कथा रूपे अछि।
९२. (A) जितिया पर्व आ लोकजीवन — शीर्षकमे ‘जितिया’ मातृ-संतान-संबंधी लोकपर्वक सांस्कृतिक संदर्भ दैत अछि।
९३. (A) गामक चौबटिया पर — अनुक्रममे अब्दुर रज्जाक ‘गामक चौबटिया पर / रौदी परल अछि’ देल अछि।
९४. (A) गामक साझा चौक/बैठकी-जगह — चौबटिया गामक सार्वजनिक संवाद आ भेटघाटक स्थानक प्रतीक अछि।
९५. (A) सूखा/वर्षा-अभाव आ ग्रामीण संकट — ‘रौदी’ शब्द शीर्षकमे सूखल मौसम, खेती आ सामाजिक संकटक भाव जगबैत अछि।
९६. (A) सिक्की शिल्प-कला — पद्य-सूचीमे संतोष कुमार झा — ‘सिक्की शिल्प-कला’ देल अछि।
९७. (A) मिथिलाक लोकशिल्प — सिक्की शिल्प मिथिलाक लोककारीगरी आ स्त्री-श्रमसँ जुड़ल कला-परम्परा अछि।
९८. (A) अकांड तांडव — पद्य-सूचीमे प्रणव झाक ‘अकांड तांडव’ शीर्षक देल अछि।
९९. (A) बोर्ड परीक्षा — बालानां कृते खण्डमे प्रणव झाक ‘बोर्ड परीक्षा’ बाल कविता अछि।
१००. (A) गोष्ठी-रिपोर्ट, कथा, लोककला आ बाल-परीक्षा अनुभव — अंकमे रिपोर्ट, कथा, लोक-सांस्कृतिक कविता आ बाल-कविता सभ एक संग राखल अछि।
१०१. (A) अरविन्द ठाकुर — अंक १८९ स्पष्ट रूपे अरविन्द ठाकुर विशेषांक अछि।
१०२. (A) मुन्नाजी द्वारा — अनुक्रममे “अरविन्द ठाकुरजी संग साक्षात्कार मुन्नाजी द्वारा” देल अछि।
१०३. (A) ओमप्रकाश झा — अनुक्रमक आलोचना खण्डमे ‘बहुरूपिया रचनानामे — ओमप्रकाश झा’ अछि।
१०४. (A) डा. योगानन्द झा — अनुक्रममे ‘अन्हारक विरोधमे : एक दृष्टि — डा. योगानन्द झा’ अछि।
१०५. (A) राम चैतन्य धीरज — अंक १८९क आलोचना सूचीमे ई शीर्षक राम चैतन्य धीरजक नामसँ अछि।
१०६. (A) जगदीश चन्द्र ठाकुर “अनिल” — आलोचना खण्डमे ‘अरविन्दजीक आजाद गजल — जगदीश चन्द्र ठाकुर “अनिल”’ देल अछि।
१०७. (A) रजनीश कुमार तिवारी (मुन्ना) — संस्मरण खण्डमे ई शीर्षक रजनीश कुमार तिवारी (मुन्ना)क नामसँ सूचीबद्ध अछि।
१०८. (A) शैलेन्द्र आनंद — अनुक्रममे ‘हाली-हाली बहथु कोसी — शैलेन्द्र आनंद’ अछि।
१०९. (A) अजित आजाद — संस्मरण खण्डमे ‘अरविंद ठाकुर: हमरामे अहाँ, अहाँमे हम — अजित आजाद’ देल अछि।
११०. (A) साक्षात्कार, आलोचना, संस्मरण, आत्मकथा, लेख आ पद्य सभ समेटैत अछि — विशेषांक अरविन्द ठाकुरक लेखनक अनेक आयाम— साक्षात्कार, आलोचना, संस्मरण, आत्मकथा, लेख आ पद्य—एक संग राखैत अछि।
१११. (A) परती टूटि रहल अछि — विशेषांकमे ‘परती टूटि रहल अछि’ कविता-संग्रह रूपे सूचीबद्ध अछि।
११२. (A) अन्हारक विरोध मे — विशेषांक आरम्भमे ‘अन्हारक विरोध मे’ लघुकथा-संग्रह रूपे उल्लिखित अछि।
११३. (A) बहुरूपिया प्रदेश मे — विशेषांकमे ‘बहुरूपिया प्रदेश मे’ गजल-संग्रह रूपे सूचीबद्ध अछि।

११४. (A) स्वतंत्र लेखक बनल रहबाक आकांक्षा — विशेषांकमे उद्धृत चेखव-विचार स्वतंत्र लेखक, स्वतंत्रता आ रूढ़ि-विरोधक पक्ष रखैत अछि।
११५. (A) झूठ, ढोंग आ क्रूरतासँ मुक्त स्वतंत्रता — विवेचनामे मनुष्यक स्वतंत्रता, झूठ-अहंकार-ढोंग-क्रूरतासँ मुक्ति आ नैतिक प्रतिरोध प्रमुख अछि।
११६. (A) पियासल पानि — आलोचनात्मक अंशमे कथा-संग्रहक शीर्षकमे ‘पियासल पानि’ देल अछि।
११७. (A) समय-समाजक राजनीतिक/सामाजिक विद्रूपता — शीर्षक ‘ढाँचा-1992’ आधुनिक परिवेशक राजनीतिक-सामाजिक संदर्भक आलोचनात्मक संकेत अछि।
११८. (A) वर्ण-वर्ग-जाति व्यवस्थाक ऋण — लेख मिथिलाक संस्कृति बुझबा लेल वर्ण-वर्ग-जाति व्यवस्थाक कठोर विवेचना आवश्यक बतबैत अछि।
११९. (A) संस्कृतिक रोग-दोषक निर्भीक चीड़-फाड़ — लेख सामाजिक-सांस्कृतिक संरचनाक निर्मम विश्लेषण लेल “वैचारिक शल्य-चिकित्सा”क रूपक प्रयोग करैत अछि।
१२०. (A) टिमटिम — अनुक्रममे बालानां कृते खण्डमे अरविन्द ठाकुरक ‘टिमटिम’ देल अछि।
१२१. (A) गामक शकल सूरत — पोथी समीक्षा — अंक १९०क गद्य-सूचीमे ‘गामक शकल सूरत — पोथी समीक्षा’ डॉ. शशिधर कुमार “विदेह”क नामसँ अछि।
१२२. (A) अंबर — गद्य-सूचीमे प्रणव झा — लघुकथा — ‘अंबर’ देल अछि।
१२३. (A) नोयडा क इंजीनियरिंग कॉलेज — ‘अंबर’क आरम्भमे सुमनजी नोयडा केर इंजीनियरिंग कॉलेजमे बी.टेक प्रथम सेमेस्टरक छात्र छथि।
१२४. (A) खुशीसँ मयूर सन नाच लगैत अछि — छुट्टी स्वीकृति-संदेश पढ़ि सुमनजी घर जाएबाक खुशीमे पुलकित भऽ उठैत छथि।
१२५. (A) दुर्गापूजा पर घर जाएब — पहिल दुर्गापूजा आ गाममे माँ-बाबू-बहिन-दोस्त सभक प्रतीक्षा कथाक भाव-मूल अछि।
१२६. (A) फुकना-पिपही बेचैत श्यामवर्णीय लम्बा युवक — सुमनजी एक श्यामवर्णीय छह फुट युवक अंबर केँ फुकना-पिपही बेचैत देखैत छथि।
१२७. (A) स्कूलमे संग पढ़ल पुरान साथी — कथा बतबैत अछि जे अंबर स्कूलमे सुमनजीक संग पढ़ैत छल।
१२८. (A) सफलता, स्मृति आ वर्गीय ग्लानि — सुमनजीक इंजीनियरिंग जीवन आ अंबरक सड़कपर बेचैबाक दशा स्मृति, असमानता आ आत्मग्लानिक भाव बनबैत अछि।
१२९. (A) श्री काशीनाथ सिंह — गद्य-सूचीमे “रेहनपर रघू” श्री काशीनाथ सिंहक रचना रूपे देल अछि।
१३०. (A) विनीत उत्पल — अंक १९०मे “रेहनपर रघू”क हिन्दीसँ मैथिली अनुवाद श्री विनीत उत्पलक नामसँ प्रकाशित अछि।
१३१. (A) किछु लघुकथा — गद्य-सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डल — “किछु लघुकथा” रूपे देल अछि।
१३२. (A) लोक-बोलचाल आ सामाजिक अवलोकन — “गण्डा” शीर्षक संवाद आ लोक-व्यवहारक मार्फत सामाजिक टिप्पणी करैत अछि।
१३३. (A) शक्ति, आकार आ सामाजिक रोबक रूपकात्मक टकराहट — हाथी-मूस संवाद आकार, अहंकार, परिवार-बोध आ सामाजिक रोब-रूआबक रूपक खोलैत अछि।
१३४. (A) रुक्मिणी — ‘फलहार’क अंशमे रुक्मिणी उपास, माए आ संगी-साथी सभक बाल-कन्या संसारसँ जुड़ल अछि।
१३५. (A) गजल — पद्य-सूचीमे डा. ज़ियाउर रहमान जाफरी — गजल देल अछि।
१३६. (A) किछु कविता — पद्य-सूचीमे डॉ. शशिधर कुमार “विदेह” — किछु कविता देल अछि।
१३७. (A) क्षणिका — पद्य-सूचीमे गौरीशंकर साह — क्षणिका देल अछि।
१३८. (A) मैथिली वर्णमाला — बालानां कृते खण्डमे शशिधर कुमार “विदेह” — ‘मैथिली वर्णमाला’ कविता देल अछि।
१३९. (A) बालक केँ भाषा-अक्षर परिचय देब — शीर्षक बाल-पाठक केँ मैथिली अक्षर-संसारसँ परिचित करयबाक बाल-साहित्यिक प्रयोजन दैत अछि।
१४०. (A) पोथी-समीक्षा, लघुकथा, अनुवाद, पद्य आ बाल-साहित्य — अंक १९०मे समीक्षा, मौलिक लघुकथा, अनुवादित कथा, कविता-गजल-क्षणिका आ बाल कविता एक संग संकलित अछि।
१४१. (A) जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’ — अंक १९१क संपादकीय आ अनुक्रम दुनू जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’ केन्द्रित विशेषांकक रूप स्पष्ट करैत अछि।
१४२. (A) आत्मकथासँ पहिने किछु दुटप्पी — अनुक्रमक आत्मकथा-संस्मरण खण्ड ‘आत्मकथासँ पहिने किछु दुटप्पी’ सँ आरम्भ होइत अछि।
१४३. (A) गीतसँ गजल धरि — शीर्षक स्वयं “गीतसँ गजल धरि” कहि अनिलजीक सर्जना-यात्राक दिशा बतबैत अछि।
१४४. (A) आत्मकथा — अनुक्रममे ई शीर्षक कोष्ठकमे “आत्म कथा” लिखि देल अछि।

१४५. (A) आत्मकथा-संस्मरण खण्ड — ई शीर्षक आत्मकथा-संस्मरण खण्डक भीतर अनिलजीक रचनासूचीमे अछि।
१४६. (A) साक्षात्कार — अनुक्रममे “विदेहक जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’ विशेषांक लेल मुन्नाजी द्वारा अनिलजी सं लेल ई-साक्षात्कार” देल अछि।
१४७. (A) लेखकक जीवन-स्मृति आ साहित्यिक रूपान्तरण — आत्मकथा, तीर्थयात्रा, संस्मरण आ ननू कका शीर्षक सभ लेखकक जीवनानुभव आ साहित्यिक विकासक धुरी बनबैत अछि।
१४८. (A) ई अनिलजीक गीत-गजल लेखनक प्रमुख पोथी/धारा दिस संकेत करैत अछि — विशेषांक अनिलजी केँ गीत आ गजल दुनू विधामे देखैत अछि, तँ ई शीर्षक साहित्यिक परिचयक मुख्य आधार बनैत अछि।
१४९. (A) साक्षात्कार आ समालोचना — अनुक्रममे आत्मकथा-संस्मरणक बाद साक्षात्कार आ समालोचना-सूची देल अछि।
१५०. (A) एक लेखकक जीवन, कृति, समीक्षा, पत्राचार आ बाल-साहित्य केँ एकत्र करब — अनिल विशेषांक मे आत्मकथा, साक्षात्कार, समालोचना, रचना, पत्राचार आ बालकविता सभ सम्मिलित अछि।
१५१. (A) जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’ — समालोचना सूचीमे “गीत-गंगा — कामिनी” अनिलजीक कृति-सम्बद्ध लेख रूपे अछि।
१५२. (A) जगदानन्द झा ‘मनु’ — अनुक्रममे “गजल गंगा — जगदानन्द झा ‘मनु’” स्पष्ट देल अछि।
१५३. (A) डॉ. अजीत मिश्र — समालोचना सूचीमे ई शीर्षक डॉ. अजीत मिश्रक नामसँ सम्बद्ध अछि।
१५४. (A) कवि व्यक्तित्व आ गीत-संग्रहक भीतरक भाव-परिचय — शीर्षक अनिलजीक कवि-स्वर केँ ‘गीत गंगा’क माध्यमे भीतरसँ बुझबाक प्रयत्न दर्शबैत अछि।
१५५. (A) छत्रानन्द सिंह झा — अनुक्रममे ई लेख छत्रानन्द सिंह झाक नामसँ सूचीबद्ध अछि।
१५६. (A) केदार कानन — समालोचना सूचीमे “गीतगंगामे अनिल — केदार कानन” देल अछि।
१५७. (A) जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’ — समीक्षा/एकांकी खण्डमे ई शीर्षक अनिलजीक नामसँ देल अछि।
१५८. (A) एकांकी — अनुक्रममे “एकांकी — कोरांटी” स्पष्ट लिखल अछि।
१५९. (A) जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’ — अनुक्रममे “पत्राचार खंड—जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’” देल अछि।
१६०. (A) किछु बाल कविता — अंक १९१क बालानां कृते खण्डमे अनिलजीक “किछु बाल कविता” सूचित अछि।
१६१. (A) डेँगू बीमारीक भयावह परिदृश्य — अनुक्रममे डॉ. विद्यानाथ झाक लेख “डेँगू बीमारीक भयावह परिदृश्य” नामसँ अछि।
१६२. (A) उपन्यास — अनुक्रम “ठूठ गाछ (उपन्यास) — जगदीश प्रसाद मण्डल” स्पष्ट करैत अछि।
१६३. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — गद्य-सूचीमे “ठूठ गाछ” जगदीश प्रसाद मण्डलक नामसँ अछि।
१६४. (A) निनिया देवीक आराधना / खसैत गाछ — अनुक्रममे जगदीश प्रसाद मण्डलक दू लघुकथा “निनिया देवीक आराधना / खसैत गाछ” बताओल अछि।
१६५. (A) रतन झा — अंक १९२क गद्य-सूचीमे ई लेख रतन झाक नामसँ देल अछि।
१६६. (A) कामिनी कामायनी — अनुक्रममे “कामिनी कामायनी — लघुकथा — भागमंती” देल अछि।
१६७. (A) किछु विहनि आ लघु कथा — अनुक्रममे ललन कुमार कामत “किछु विहनि आ लघु कथा” सहित सूचीबद्ध छथि।
१६८. (A) उपन्यास — गद्य-सूचीमे “राजदेव मण्डल — जल भँवर (उपन्यास)” स्पष्ट देल अछि।
१६९. (A) एकटा विहैन कथा — अनुक्रममे “उमेश मण्डल — एकटा विहैन कथा — मुड़नक मुर” देल अछि।
१७०. (A) स्वास्थ्य-लेख, उपन्यास, लघुकथा, समकालीन उपन्यास-विमर्श आ व्यंग्य — अंक १९२मे डेँगू लेख, ठूठ गाछ/जल भँवर उपन्यास, लघुकथा, उपन्यास-विमर्श, विहनि कथा आ व्यंग्य एकत्र अछि।
१७१. (A) व्यंग्य — अनुक्रममे “ब्रम्हपिशाच (व्यंग्य)” लिखल अछि।
१७२. (A) आशीष अनचिन्हार — गद्य-सूचीमे “आशीष अनचिन्हार — ब्रम्हपिशाच (व्यंग्य)” देल अछि।
१७३. (A) दू टा गजल — पद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हार — “२ टा गजल” देल अछि।
१७४. (A) ई की भेल, छठि गीत, लेखकक जिनगीक छन्द — अनुक्रममे डॉ. शशिधरक पद्य शीर्षकमे “ई की भेल”, “छठि गीत” आ “लेखकक जिनगीक छन्द” देल अछि।

१७५. (A) परदेशी मनक भावना — पद्य-सूचीमे असरफ राइन — “परदेशी मनक भावना” देल अछि।
१७६. (A) अपन नजैरिक दुनियाँ — पद्य-सूचीमे पल्लवी मण्डल — “अपन नजैरिक दुनियाँ” देल अछि।
१७७. (A) बाल गजल — बालानां कृते सूचीमे आशीष अनचिन्हार — बाल गजल देल अछि।
१७८. (A) बाल विज्ञान कथा — बालानां कृते खण्डमे “भूकम्प (बाल विज्ञान कथा)” स्पष्ट अछि।
१७९. (A) डॉ. शशिधर कुमार “विदेह” तथा श्रीमति सुप्रिया/बेबी कुमारी — अनुक्रममे भूकम्प बाल विज्ञान कथा डॉ. शशिधर, श्रीमति सुप्रिया आ बेबी कुमारीक नामसँ सम्बद्ध अछि।
१८०. (A) बाल गजल आ विज्ञानकथा दुनूकें जगह देब — बाल खण्डमे बाल गजल आ “भूकम्प” बाल विज्ञान कथा, दूनु प्रकारक सामग्री अछि।
१८१. (A) साहित्य अकादेमीक मैथिली विभाग — संपादकीय साहित्य अकादेमीक मैथिली विभागक भूमिका आ पुरस्कार-विवाद पर आलोचनात्मक स्वर रखैत अछि।
१८२. (A) सगर राति दीप जरय आ समानांतर साहित्य अकादेमी पुरस्कार — संपादकीयमे “सगर राति दीप जरय” आ “समानांतर साहित्य अकादेमी पुरस्कार” केँ प्रतिरोधी धुरी रूपे रखल अछि।
१८३. (A) किछु बिहैन / लघु कथा — अनुक्रममे राम विलास साहु — “किछु बिहैन / लघु कथा” देल अछि।
१८४. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — गद्य-सूचीमे “जगदीश प्रसाद मण्डल — ठूठ गाछ (उपन्यास)” देल अछि।
१८५. (A) व्यंग्य निबंध — अनुक्रममे ई शीर्षक कोष्ठकमे “व्यंग्य निबंध” रूपे देल अछि।
१८६. (A) आशीष अनचिन्हार — अंक १९३क गद्य-सूचीमे ई व्यंग्य निबंध आशीष अनचिन्हारक नामसँ छपल अछि।
१८७. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — अनुक्रममे “जगदीश प्रसाद मण्डल — एगच्छा आमक गाछ (लघुकथा)” देल अछि।
१८८. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक ठूठ गाछ उपन्यासक क्रमिक प्रकाशन — अंक १९२क बाद १९३मे सेहो “ठूठ गाछ” क्रमशः प्रकाशित होइत देखाइत अछि।
१८९. (A) संस्थागत साहित्यिक सत्ता पर आलोचनात्मक — संपादकीय पुरस्कार, विभागीय व्यवहार आ साहित्यिक प्रतिरोध पर तीखा प्रश्न उठबैत अछि।
१९०. (A) बिहैन/लघुकथा, उपन्यास, व्यंग्य निबंध आ लघुकथा — राम विलास साहुक कथा, ठूठ गाछ उपन्यास, गांधी-विषयक व्यंग्य आ एगच्छा आमक गाछ लघुकथा एहि विविधताक आधार अछि।
१९१. (A) दू टा — अनुक्रममे आशीष अनचिन्हार — “२ टा गजल” देल अछि।
१९२. (A) छह टा कविता — पद्य-सूचीमे डॉ. शशिधर कुमार “विदेह” — “६ टा कविता” देल अछि।
१९३. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — पद्य-सूचीमे “जगदीश प्रसाद मण्डल — वञ्चित धार” देल अछि।
१९४. (A) दू टा — पद्य-सूचीमे अनिलजीक “२ टा गजल” देल अछि।
१९५. (A) तीन टा कविता — अनुक्रममे विजयनाथ झा — “तीन टा कविता” देल अछि।
१९६. (A) बाल गजल — बाल खण्डमे आशीष अनचिन्हार — बाल गजल देल अछि।
१९७. (A) छह टा बाल कविता — अनुक्रममे डॉ. शशिधरक “६ टा बाल कविता” बालानां कृते खण्डमे अछि।
१९८. (A) वंचित समुदाय/अनुभवक प्रवाह — शीर्षक “वञ्चित” शब्दक माध्यमे उपेक्षित अनुभव आ सामाजिक धारा दिस संकेत करैत अछि।
१९९. (A) गजल, कविता, सामाजिक कविता आ बाल कविताक बहुविध उपस्थिति — पद्य-सूची गजल, कविता, “वञ्चित धार” आ बाल कविता सभकेँ एक संग राखैत अछि।
२००. (A) सामाजिक आलोचना आ रचनात्मक विविधता साथ-साथ चलैत अछि — संपादकीय आलोचना, व्यंग्य, उपन्यास, लघुकथा, गजल, कविता आ बाल कविता एके अंकमे संगठित अछि।
२०१. (A) अवाक — अनुक्रममे “राजदेव मण्डलक लघु कथा — अवाक” देल अछि।
२०२. (A) हैरानी/स्तब्धता — शीर्षक “अवाक” स्वयं स्तब्धता वा चकित होबाक भाव-सूत्र खोलैत अछि।
२०३. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — गद्य-सूचीमे “जगदीश प्रसाद मण्डल — ठूठ गाछ (उपन्यास)” पुनः देल अछि।
२०४. (A) लघुकथा — अनुक्रममे “जगदीश प्रसाद मण्डल — खटहा आम (लघु कथा)” लिखल अछि।
२०५. (A) दू — ठूठ गाछ आ खटहा आम — गद्य-सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक “ठूठ गाछ” आ “खटहा आम” दुनू अछि।

२०६. (A) राजमोहन झा — संपादकीय अंशमे प्रसिद्ध मैथिली लघुकथाकार श्री राजमोहन झाक निधन पर श्रद्धांजलि देल गेल अछि।
२०७. (A) केदार नाथ चौधरी — संपादकीयमे श्री केदार नाथ चौधरी केँ प्रबोध साहित्य सम्मान भेटबाक बधाइ देल अछि।
२०८. (A) तीन प्रमुख गद्य शीर्षक — अवाक, ठूठ गाछ, खटहा आम — अनुक्रमक गद्य भाग तीन मुख्य प्रविष्टि पर केन्द्रित अछि।
२०९. (A) क्रमिक उपन्यास प्रकाशन — लगातार अंकोंमे एके उपन्यासक उपस्थिति क्रमिक प्रकाशनक संकेत दैत अछि।
२१०. (A) दूनू गद्य-रचनाक प्रमुख योगदानकर्ता छथि — राजदेव मण्डलक “अवाक” आ जगदीश प्रसाद मण्डलक “ठूठ गाछ/खटहा आम” अंकक गद्य धुरी बनबैत अछि।
२११. (A) नोरक उफनैत समुद्र सँ — पद्य-सूचीमे गंगानंद झा — “नोरक उफनैत समुद्र सँ” देल अछि।
२१२. (A) गजल — पद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हार — गजल देल अछि।
२१३. (A) गजल — पद्य भागमे जगदानंद झा मनु — गजल देल अछि।
२१४. (A) पद्य खण्ड — अनुक्रममे “कामिनी कामायनी — अंकोरवट मंदिर” पद्य-सूचीमे अछि।
२१५. (A) तीनटा कविता — पद्य-सूचीमे दिलीप कुमार साह — “तीनटा कविता” देल अछि।
२१६. (A) दूटा कविता — अनुक्रममे नन्द विलास राय — “दूटा कविता” देल अछि।
२१७. (A) रमेश — पद्य-सूचीमे रमेश — “ताजीवन हमर नहि” देल अछि।
२१८. (A) चारि टा — अनुक्रममे अनिलजीक “४टा गजल” देल अछि।
२१९. (A) इस्कूल जाइत छी हम — बाल खण्डमे किशन कारीगर — “इस्कूल जाइत छी हम” देल अछि।
२२०. (A) आशीष अनचिन्हार — बालानां कृते सूचीमे आशीष अनचिन्हार — बाल गजल देल अछि।
२२१. (A) दू टा — अनुक्रममे अब्दुर रज्जाक — “२ टा प्रेम बिहैन कथा” देल अछि।
२२२. (A) एक टा — अब्दुर रज्जाकक नामसँ “१ टा राजनैतिक बिहैन कथा” सूचीबद्ध अछि।
२२३. (A) यात्रा-वृत्तान्त — अनुक्रममे कामिनी कामायनीक “सेयाम रेयापक स्वर्णिम अतीत (यात्रा वृत्तान्त)” देल अछि।
२२४. (A) कामिनी कामायनी — गद्य-सूचीमे ई यात्रा-वृत्तान्त कामिनी कामायनीक नामसँ देल अछि।
२२५. (A) आलोचना — अनुक्रममे ई शीर्षक कोष्ठकमे “आलोचना” रूपे देल अछि।
२२६. (A) एकटा राजनैतिक विहनि कथा आ एकटा प्रेम विहनि कथा — गद्य-सूचीमे विन्देश्वर ठाकुर अंतर्गत “एकटा राजनैतिक विहनि कथा” आ “एकटा प्रेम विहनि कथा” देल अछि।
२२७. (A) सेल्फी — अनुक्रममे “मुन्नाजी — प्रेम विहनि कथा — सेल्फी” देल अछि।
२२८. (A) प्रेम बिहैन, राजनैतिक बिहैन आ आलोचना/यात्रा-वृत्तान्तक मेल — अब्दुर रज्जाक, विन्देश्वर ठाकुर आ मुन्नाजीक विहनि कथा सभ प्रेम आ राजनैतिक विषयक मिश्रण बनबैत अछि।
२२९. (A) डिजिटल/आधुनिक आत्म-छवि प्रसंग — प्रेम विहनि कथा “सेल्फी” शीर्षक आधुनिक आत्म-छवि आ तकनीकी व्यवहारक संकेत करैत अछि।
२३०. (A) विहनि कथा, यात्रा-वृत्तान्त आ आलोचना एके अंकमे संकलित अछि — गद्य भागमे प्रेम/राजनीतिक विहनि कथा, यात्रा-वृत्तान्त, आलोचना आ प्रेम कथा “सेल्फी” सम्मिलित अछि।
२३१. (A) दू टा गीत — पद्य-सूचीमे डॉ. शशिधर कुमार “विदेह” — “दू टा गीत” देल अछि।
२३२. (A) एक टा कविता — पद्य-सूचीमे दिलीप कुमार साह — “१ टा कविता” देल अछि।
२३३. (A) एगारह टा चरिपतिया — पद्य-सूचीमे अब्दुर रज्जाक — “११ टा चरिपतिया” देल अछि।
२३४. (A) एकटा गजल — पद्य-सूचीमे विन्देश्वर ठाकुर — “एकटा गजल” देल अछि।
२३५. (A) चारि टा — अनुक्रममे अनिलजीक “४टा गजल” देल अछि।
२३६. (A) बाल गजल — बालानां कृते सूचीमे आशीष अनचिन्हार — बाल गजल देल अछि।
२३७. (A) किछु बाल कविता — बाल खण्डमे डॉ. शशिधर कुमार “विदेह” — किछु बाल कविता देल अछि।
२३८. (A) अब्दुर रज्जाक — पद्य-सूचीमे अब्दुर रज्जाकक “११ टा चरिपतिया” स्पष्ट सूचीबद्ध अछि।

२३९. (A) गीत, कविता, चरिपतिया आ गजल — पद्य-सूचीमे गीत, कविता, चरिपतिया, गजल आ अनिलजीक गजल एक संग देल अछि।
२४०. (A) प्रेम/राजनीतिक विहनि कथा, यात्रा-वृत्तान्त, आलोचना, पद्य आ बाल साहित्य — अंक १९५मे गद्य, पद्य आ बालानां कृते खण्ड सभ मिलि रचनात्मक विविधता बनबैत अछि।
२४१. (A) अति-लघुकथा, फ्लैश फिक्शन आ लेखक-स्वतंत्रताक बहससँ — संपादकीय विहनि/बिहैन कथाक विश्व परिदृश्यक चर्चा करैत लघुकथा, फ्लैश फिक्शन आ लेखक-स्वतंत्रताक संबंध खोलैत अछि।
२४२. (A) वर्गीकरणक कठोर सीमा नै मानएवाली स्वतंत्र लेखनी — संपादकीयमे लिडिया डेविसक लेखनकें लघुकथा, उपन्यास, कविता आदि जेनेरिक सीमाक पार स्वतंत्र रचना-धारा रूपमे देखाओल गेल अछि।
२४३. (A) कथाक वर्गीकरण कवितासँ अधिक लचकदार भऽ सकैत अछि — संपादकीयमे कहल गेल जे ओ कथा-वर्गीकरणकें कवितासँ अधिक लचकदार मानैत छथि।
२४४. (A) अति-संक्षिप्त कथामे आरम्भ, मध्य आ अन्तक सम्भावना देखाबए लेल — छह-शब्दक कथा उदाहरण द्वारा अति-लघु रूपमे कथात्मक संरचना सम्भव होइत अछि से संकेत देल गेल अछि।
२४५. (A) सीड स्टोरी सन स्थापित होइत गेल नव वर्गीकरण — संपादकीय विहनि कथाकें मैथिलीमे अनुभवसँ बनल नव वर्गीकरण आ सीड स्टोरीक रूपमे देखबैत अछि।
२४६. (A) नोम्पेह — अनुक्रममे कामिनी कामायनी — “नोम्पेह” सूचीबद्ध अछि।
२४७. (A) दूटा लघु कथा — अंक १९६क गद्य खण्डमे जगदीश प्रसाद मण्डल — “दूटा लघु कथा” देल अछि।
२४८. (A) बखरा — अनुक्रममे मुन्ना जीक प्रेम विहनि कथा “बखरा” देल अछि।
२४९. (A) करोट — गद्य-सूचीमे मुन्ना जीक विहनि कथा “करोट” सूचीबद्ध अछि।
२५०. (A) अनटोटल गप्प — अनुक्रममे अनिल झा — व्यंग्य “अनटोटल गप्प” देल अछि।
२५१. (A) गजल — पद्य खण्डमे आशीष अनचिन्हार — गजल सूचीबद्ध अछि।
२५२. (A) गजल — अनुक्रममे मुन्ना जी — गजल देल अछि।
२५३. (A) नैतिकता आ इमान — पद्य-सूचीमे नन्द विलास राय — “नैतिकता आ इमान” देल अछि।
२५४. (A) ४टा गजल — अनुक्रममे जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’ — ४टा गजल देल अछि।
२५५. (A) गजल आ नैतिकता-केन्द्रित पद्यक संगति — पद्य खण्डमे गजल सभक संग “नैतिकता आ इमान” सन विषयात्मक पद्य सेहो अछि।
२५६. (A) लघु गद्य-विधा आ गजल दुनू पर ध्यान — अंक १९६मे विहनि कथा/लघुकथा आ गजल-सूची दुनू प्रमुख रूपेँ उपस्थित अछि।
२५७. (A) प्रेम विहनि कथा — मुन्ना जीक “बखरा” प्रेम विहनि कथा रूपमे सूचीबद्ध अछि।
२५८. (A) विहनि कथा — मुन्ना जीक “करोट” विहनि कथा रूपमे देल अछि।
२५९. (A) व्यंग्य — अनुक्रममे “अनटोटल गप्प”कें व्यंग्य कहल गेल अछि।
२६०. (A) गद्य-सूचीमे लघु कथा/विहनि कथा/व्यंग्य आ पद्यमे गजल सभ अछि — अनुक्रमक आधारपर अंक १९६ गद्य आ पद्य दुनू खण्डमे विविध रचना-विधा राखैत अछि।
२६१. (A) अवाक — अंक १९७क गद्य-सूचीमे राजदेव मण्डल — लघुकथा “अवाक” देल अछि।
२६२. (A) फलनमा.. चिलनमा... ठेकनमा — अनुक्रममे रविभूषण पाठक — “फलनमा.. चिलनमा... ठेकनमा” व्यंग्य रूपमे अछि।
२६३. (A) व्यंग्य निबंध — आशीष अनचिन्हारक “सभ्य लोक” व्यंग्य निबंध रूपमे सूचीबद्ध अछि।
२६४. (A) ८८म कथा-साहित्य गोष्ठी डखराममे सम्पन्न भेल — अनुक्रममे उमेश मण्डल — “८८म कथा-साहित्य गोष्ठी डखराममे सम्पन्न भेल” सूचीबद्ध अछि।
२६५. (A) बाबू भोला लालदासक जयंती — गद्य-सूचीमे अखिलेश कुमार — “बाबू भोला लालदासक जयंती मनल” देल अछि।
२६६. (A) जाति — किछु विहनि कथा खण्डमे राम विलास साहु — “जाति” सूचीबद्ध अछि।
२६७. (A) पकधरम — विहनि कथा-सूचीमे लक्ष्मी दास — “पकधरम” देल अछि।
२६८. (A) बाबाक लोटा — किछु विहनि कथा खण्डमे ललन कुमार कामत — “बाबाक लोटा” सूचीबद्ध अछि।

२६९. (A) रविभूषण पाठक आ आशीष अनचिन्हार — रविभूषण पाठकक व्यंग्य आ आशीष अनचिन्हारक व्यंग्य निबंध दुनू अंक १९७मे देल अछि।
२७०. (A) लघुकथा, व्यंग्य, गोष्ठी-सूचना, जयंती-रिपोर्ट आ विहनि कथा — अनुक्रममे गद्य खण्ड अनेक विधा—लघुकथा, व्यंग्य, रिपोर्ट आ विहनि कथा—समेतैत अछि।
२७१. (A) एगो सपना — पद्य-सूचीमे सृजन शेखर — गीत “एगो सपना” देल अछि।
२७२. (A) जिनगीके गीत — अनुक्रममे गंगानन्द झा सृजन — “जिनगीके गीत” सूचीबद्ध अछि।
२७३. (A) चारिटा गजल — पद्य खण्डमे अनिलजीक “चारिटा गजल” देल अछि।
२७४. (A) गजल — अनुक्रममे ओमप्रकाश झा — गजल सूचीबद्ध छथि।
२७५. (A) डॉ॰ शशिधर कुमार “विदेह” — बाल खण्डमे डॉ॰ शशिधर कुमार “विदेह”क किछु बाल कविता देल अछि।
२७६. (A) गीत — सृजन शेखरक “एगो सपना” गीत रूपमे सूचीबद्ध अछि।
२७७. (A) गंगानन्द झा सृजन — अनुक्रममे गंगानन्द झा सृजनक “जिनगीके गीत” देल अछि।
२७८. (A) दू गीतक संग गजल-रचना सभ — अंक १९७क पद्य खण्डमे “एगो सपना”, “जिनगीके गीत”, अनिलजीक गजल आ ओमप्रकाश झाक गजल अछि।
२७९. (A) बालानां कृते — किछु बाल कविता — अंकमे बालानां कृते खण्ड अलगसँ डॉ. शशिधरक बाल कविता दैत अछि।
२८०. (A) गद्य-विविधताक बाद गीत, गजल आ बाल कविता — अनुक्रमक आधारपर अंक १९७ गद्य-विविधता आ पद्य/बाल-विधा दुनू समेटैत अछि।
२८१. (A) दोस यौ दोस — अंक १९८क गद्य खण्डमे रवि भूषण पाठकक “दोस यौ दोस” सूचीबद्ध अछि।
२८२. (A) मातृवत परदारेषु — अनुक्रममे ओम प्रकाश झा — विहनि कथा “मातृवत परदारेषु” देल अछि।
२८३. (A) कतारक मौसम आ बिन मौसमक वर्षा — गद्य-सूचीमे अब्दुर रज्जाक — “कतारक मौसम आ बिन मौसमक वर्षा” देल अछि।
२८४. (A) जाति — अनुक्रममे राम विलास साहु — “जाति” सूचीबद्ध अछि।
२८५. (A) पकधरम — किछु विहनि कथा खण्डमे लक्ष्मी दास — “पकधरम” देल अछि।
२८६. (A) बाबाक लोटा — अनुक्रममे ललन कुमार कामत — “बाबाक लोटा” सूचीबद्ध अछि।
२८७. (A) अणिमा सिंह — संपादकीय आरम्भमे अणिमा सिंहक निधन/श्रद्धांजलि संदर्भ भेटैत अछि।
२८८. (A) लोकगीत आ नेना-भूटका लोक साहित्य — संपादकीय सूचनामे हुनकर काजक सूचीमे लोकगीत आ नेना-भूटका लोक साहित्यक उल्लेख अछि।
२८९. (A) व्यंग्य, विहनि कथा, प्रवासी मौसम-अनुभव आ किछु विहनि कथा — अनुक्रम गद्य खण्डमे व्यंग्य/लघु कथा, विहनि कथा आ कतारक मौसम-विषयक रचना सभ देल अछि।
२९०. (A) ओम प्रकाश झा — अनुक्रममे “मातृवत परदारेषु” ओम प्रकाश झाक विहनि कथा रूपमे अछि।
२९१. (A) हमर गाम — पद्य-सूचीमे सृजन शेखर ‘अज्ञेय’ — “हमर गाम” देल अछि।
२९२. (A) रंग रास — अनुक्रममे महेश डखरामी — “रंग रास” सूचीबद्ध अछि।
२९३. (A) चारि टा गजल — पद्य खण्डमे अनिलजीक चारि टा गजल देल अछि।
२९४. (A) गजल — अनुक्रममे ओम प्रकाश झा — गजल सूचीबद्ध अछि।
२९५. (A) डॉ॰ शशिधर कुमार “विदेह” — बाल खण्डमे डॉ॰ शशिधर कुमार “विदेह”क किछु बाल कविता अछि।
२९६. (A) पद्य खण्ड — अनुक्रममे “हमर गाम” पद्य खण्डमे देल अछि।
२९७. (A) महेश डखरामी — पद्य-सूचीमे महेश डखरामी — “रंग रास” देल अछि।
२९८. (A) अनिलजीक चारि गजल आ ओम प्रकाश झाक गजल — अनुक्रममे अनिलजी आ ओम प्रकाश झा दुनू गजल-सूचीमे छथि।
२९९. (A) मुख्य पद्य-सूचीसँ अलग बालानां कृते खण्ड बनल अछि — अंकमे बालानां कृते अलग खण्डमे बाल कविता देल अछि।
३००. (A) ग्राम-विषय, रंग-विषय, गजल आ बाल कविता सभक संगति — “हमर गाम”, “रंग रास”, गजल आ बाल कविता सभ मिलि पद्य-विविधता बनबैत अछि।
३०१. (A) दोस आ दोसक चालि प्रकृति बेमेय — अंक १९९क गद्य-सूचीमे रवि भूषण पाठक — “दोस आ दोसक चालि प्रकृति बेमेय” देल अछि।

३०२. (A) विछोहक नोर — अनुक्रममे ओम प्रकाश झा — विहनि कथा “विछोहक नोर” सूचीबद्ध अछि।
३०३. (A) कतारमे साँझक चौपारिपर आठम मासक बैसार सम्पन्न — गद्य-सूचीमे अब्दुर रज्जाक — दोहा — कतारमे साँझक चौपारिपर आठम मासक बैसार सम्पन्न सामग्री देल अछि।
३०४. (A) अशुभ इच्छा — अनुक्रममे सृजन शेखर ‘अज्ञेय’ — विहनि कथा “अशुभ इच्छा” अछि।
३०५. (A) विहनि कथा — अनुक्रम स्पष्ट करैत अछि जे “विछोहक नोर” ओम प्रकाश झाक विहनि कथा अछि।
३०६. (A) विहनि कथा — सृजन शेखर ‘अज्ञेय’क “अशुभ इच्छा” विहनि कथा रूपमे सूचीबद्ध अछि।
३०७. (A) कतार-आधारित सामुदायिक साहित्यिक बैठक — शीर्षकमे कतार आ चौपारिक बैठकक उल्लेख प्रवासी सामुदायिक साहित्य-संवाद देखबैत अछि।
३०८. (A) विहनि कथा — ओम प्रकाश झा आ सृजन शेखर ‘अज्ञेय’क विहनि कथा गद्य-सूचीमे अछि।
३०९. (A) अणिमा सिंह — अंक १९९क संपादकीय आरम्भमे अणिमा सिंहक श्रद्धांजलि-सूचना भेटैत अछि।
३१०. (A) व्यंग्यात्मक शीर्षक, विहनि कथा, दोहा-बैसार आ अशुभ इच्छा सन कथा — गद्य-सूची विविध शीर्षक आ विधा सभकें साथ राखैत अछि।
३११. (A) किछु कविता — पद्य-सूचीमे सृजन शेखर ‘अज्ञेय’ — किछु कविता देल अछि।
३१२. (A) बिनीता झा, विकास झा आ मुन्नाजी — अनुक्रममे किछु कविता — बिनीता झा / विकास झा / मुन्नाजी देल अछि।
३१३. (A) चारि टा गजल — पद्य-सूचीमे अनिलजीक चारि टा गजल देल अछि।
३१४. (A) अशरफ राईन, अब्दुर रज्जाक आ नीरज कर्ण — अनुक्रममे किछु गजल — अशरफ राईन / अब्दुर रज्जाक / नीरज कर्ण देल अछि।
३१५. (A) डॉ॰ शशिधर कुमार “विदेह” — बाल खण्डमे डॉ. शशिधर कुमार “विदेह”क किछु बाल कविता अछि।
३१६. (A) अनिलजीक चारि गजल आ अलग “किछु गजल” लेखक-समूह — अनुक्रममे व्यक्तिगत गजल-सूची आ समूह गजल-सूची दुनू अछि।
३१७. (A) एकाधिक कविक कविता एक संग राखल गेल अछि — बिनीता झा/विकास झा/मुन्नाजीक नाम एक संग देल अछि।
३१८. (A) कविता, गजल आ बाल कविता सभक पृथक उपस्थिति — पद्य, गजल आ बालानां कृते खण्ड सभ मिलि पद्य-संरचना बनबैत अछि।
३१९. (A) दोहा-बैसार आ गजल — गद्य खण्डमे दोहा-बैसार संदर्भ आ पद्य खण्डमे किछु गजलमे अब्दुर रज्जाक नाम अछि।
३२०. (A) बालानां कृते — अनुक्रममे बालानां कृते खण्ड अलगसँ देल अछि।
३२१. (A) विदेह सम्मानसं सम्मानित कृति आ कृतिकारक समीक्षाक प्रारम्भ — संपादकीयमे २००म अंकमे विदेह सम्मानसं सम्मानित कृति आ कृतिकारक समीक्षा आरम्भ भेल कहल अछि।
३२२. (A) साहित्यिक उद्देश्यसँ प्रेरित सृजन-शक्ति — संपादकीय पुरस्कार/प्रतारणासँ परे आन्तरिक मोटीवेशन आ उद्देश्यक चर्चा करैत अछि।
३२३. (A) अस्तित्व रक्षा आधारित पहिल मानव ऑपरेटिंग सिस्टम — संपादकीय मोटीवेशन 1.0 कें अस्तित्व-रक्षा केन्द्रित बतबैत अछि।
३२४. (A) बाहरी पुरस्कार आ प्रतारणापर आधारित व्यवस्था — संपादकीयमे मोटीवेशन 2.0 कें बाहरी पुरस्कार आ प्रतारणापर आधारित कहल अछि।
३२५. (A) स्वायत्तता, मास्टरी आ उद्देश्य — संपादकीय मोटीवेशन 3.0क तीन तत्व—स्वायत्तता, मास्टरी, उद्देश्य—गिनबैत अछि।
३२६. (A) जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’ — अनुक्रममे जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’ — रामक “अम्बरा” देल अछि।
३२७. (A) जगदीश प्रसाद मंडलक “गामक जिनगी” — अनुक्रममे विनीत उत्पल — “नव दिशाक कथा (जगदीश प्रसाद मंडलक गामक जिनगी)” देल अछि।
३२८. (A) जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’ — अनुक्रममे ई शीर्षक जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’क नामसँ अछि।
३२९. (A) मुन्नाजी — गद्य-सूचीमे मुन्नाजी — “अधिकार लेल छटपटाइत मोहन दास” देल अछि।
३३०. (A) बाल/प्रेरक साहित्यक मूल्यांकन — शीर्षकमे धीया-पुता लेल प्रेरणाक बात अछि, आ अनुक्रममे मुन्नाजीक नामसँ देल अछि।
३३१. (A) युगपुरुष श्री राजनंदन लाल दास — अनुक्रममे नबो नारायण मिश्र — “युगपुरुष श्री राजनंदन लाल दास” देल अछि।
३३२. (A) व्यक्तित्व-स्मरण/संस्मरण — शीर्षक आ अनुक्रम व्यक्तित्व-चित्र/स्मरणक संकेत करैत अछि।
३३३. (A) एकसरुआ सिपाही — अनुक्रममे योगेन्द्र पाठक “वियोगी” — “एकसरुआ सिपाही” देल अछि।
३३४. (A) रमानंद रेणु के मन पाड़ैत — अनुक्रममे राम लोचन ठाकुर — “रमानंद रेणु के मन पाड़ैत” देल अछि।
३३५. (A) सहज आ मिलनसार छलाह रेणुजी — अनुक्रममे केदार कानन — “सहज आ मिलनसार छलाह रेणुजी” देल अछि।

३३६. (A) सम्मानित व्यक्तित्व सभक स्मरण आ मूल्यांकन — अंक २००मे राजनंदन लाल दास, पंडितजी, रेणु आदि व्यक्तित्व-केन्द्रित लेख सभ अछि।
३३७. (A) श्री राजनंदन लाल दास — अनुक्रममे “युगपुरुष श्री राजनंदन लाल दास” शीर्षक अछि।
३३८. (A) दू शीर्षक — राम लोचन ठाकुरक “रमानंद रेणु के मन पाड़ैत” आ केदार काननक “सहज आ मिलनसार छलाह रेणुजी” दुनू रेणुजी-स्मरण अछि।
३३९. (A) सम्मानित कृति आ साहित्यकारक ऐतिहासिक मूल्यांकन — संपादकीयक घोषणा आ अनुक्रमक लेख सभ मिलि कृति/कृतिकार मूल्यांकनक उद्देश्य देखबैत अछि।
३४०. (A) २००म अंकमे सम्मानित कृति-समीक्षा आ व्यक्तित्व-स्मरणक विशेष संयोजन — अंक २०० अनुक्रम आ संपादकीय दुनू आधारपर कृति-समीक्षा आ स्मरण-सामग्रीक संयुक्त विशेषांक अछि।
३४१. (A) मन्त्रद्रष्टा ऋष्यशृङ्ग — अंक २०१ मे हरिशंकर श्रीवास्तव ‘शलभ’ क ऋष्यशृङ्ग-विषयक कृति मैथिली अनुवाद रूपमे प्रमुख अछि।
३४२. (A) विनीत उत्पल — अंक २०१ मे अनुवादक नाम विनीत उत्पलक रूपमे देल अछि।
३४३. (A) हरिशंकर श्रीवास्तव ‘शलभ’ — कृति लेखक हरिशंकर श्रीवास्तव ‘शलभ’ छथि, विनीत उत्पल ओकर मैथिली अनुवादक छथि।
३४४. (A) श्रीगोपाल पंडित — ऋष्यशृङ्ग पोथी-सूचनामे संपादक श्रीगोपाल पंडित लिखल अछि।
३४५. (A) विश्वामित्र आ ऋष्यशृङ्ग सन वैज्ञानिक तपस्वी ऋषि सभक — संपादकीय कोशी अंचलक लोक-संस्कृति केँ ऋषि-परम्परासँ जोड़ैत अछि।
३४६. (A) कोशी अंचलक महान सांस्कृतिक पीठक रूपमे — अंक २०१ मे सिंहेश्वर स्थान केँ ऋष्यशृङ्ग-स्मृतिक सांस्कृतिक पीठ रूपमे देखाओल गेल अछि।
३४७. (A) अनार्य आ आर्य संस्कृतिक समन्वय — ऋष्यशृङ्गक जीवनक उपलब्धि मे समन्वयवादी भूमिका विशेष रूपेँ कहल गेल अछि।
३४८. (A) रामायण, महाभारत, भागवत, पुराण आ उत्तररामचरित — स्रोतमे ऋष्यशृङ्गक संकेत अनेक शास्त्रीय ग्रंथमे बताओल अछि।
३४९. (A) शांति-मंत्र बिछेनिहार केन्द्रक रूपमे — संपादकीय युद्धक वातावरणक बरक्स ऋष्यशृङ्ग आश्रम केँ शांति-सूत्रसँ जोड़ैत अछि।
३५०. (A) कारण सम्पूर्ण जीवनक वृत्तात्मक अध्ययनक अभाव छल — लेखकक परिश्रमकेँ ऋष्यशृङ्गक जीवन-वृत्तक अभाव दूर करबाक प्रयास मानल गेल अछि।
३५१. (A) पहाड़, गाछ, पाथर आ प्रकृति स्वयं ऋष्यशृङ्गक उपस्थिति सन अछि — वर्णन मूर्तिकेँ प्रकृति-परिवेशक व्यापक प्रतीक बना दैत अछि।
३५२. (A) गर्मीमे शीतल आ ठारमे गरम — वर्णनमे निर्झरिणी जलक ऋतु-अनुसार भिन्न अनुभूति आएल अछि।
३५३. (A) ओ अपन चारू बेटाक मुड़न एतए करेलनि — स्रोतमे किंवदन्ती अछि जे राजा दशरथ चारू पुत्रक मुड़न एतए करेलनि।
३५४. (A) विभाण्डक — ऋष्यशृङ्गक पिता विभाण्डक रूपमे उल्लेखित छथि।
३५५. (A) जन्म/वास-परम्परा आ क्षेत्रीय दायित्वसँ — लेखकीय भागमे कौशिकी तीरक वासी होएबाक आत्मीयता व्यक्त अछि।
३५६. (A) वन्य प्रकृतिसँ एकाकार जीवन — वर्णन ऋष्यशृङ्गक प्रकृति-संग एकत्वक छवि बनबैत अछि।
३५७. (A) वृष्टि आ ऋषि-आवाहनक भावसँ — स्रोतमे वृष्टि-प्रसंग आ ऋष्यशृङ्गक स्मरण पर्जन्य-सूक्तसँ जोड़ल अछि।
३५८. (A) वैष्णव आ बौद्ध मूर्ति — आश्रम-परिसर लग वैष्णव आ बौद्ध मूर्तिक भग्न स्थिति उल्लेखित अछि।
३५९. (A) इतिहास, किंवदन्ती आ क्षेत्रीय भूगोलक मिश्रित गवेषणा — लेखन सांस्कृतिक इतिहास, लोककथा आ भूगोल केँ एकत्र करैत अछि।
३६०. (A) प्राचीन सांस्कृतिक चेतनाक केन्द्रक रूपमे — ऋष्यशृङ्ग प्रसंग कोशी अंचल केँ सांस्कृतिक-स्मृति आ तपोभूमि रूपमे प्रतिष्ठित करैत अछि।
३६१. (A) रेहन पर रघू — अंक २०२ मे काशीनाथ सिंहक ‘रेहन पर रघू’ क मैथिली अनुवाद अछि।
३६२. (A) विनीत उत्पल — अंक २०२ मे अनुवादक विनीत उत्पल लिखल अछि।
३६३. (A) काशीनाथ सिंह — मूल कहानीकार काशीनाथ सिंह छथि।
३६४. (A) बिरौ, पाइन आ अन्हारक मौसम — कहानीक शुरुआत तेज मौसम आ रघुनाथक प्रतिक्रिया सँ होइत अछि।
३६५. (A) रघुनाथ — स्रोतमे एकहत्तरि बर्षक बूढ़ रघुनाथ प्रमुख पात्रक रूपमे आबैत छथि।
३६६. (A) स्कूलसँ घुरैत नेना-दिनक आन्ही-पाइन — मौसम हुनका बाल्यकालक स्कूल-फेरती आन्ही-पाइन स्मरण करबैत अछि।
३६७. (A) धरतीक वैभव केँ आँखि आ चमड़ीमे समेटबाक इच्छा — रघुनाथ प्रकृतिक अनुभव केँ जीवनक शेष बोधसँ जोड़ैत छथि।
३६८. (A) शीला आ बाल-बच्चा — परिवारक चर्चा शीला आ संतानसभक संग होइत अछि।

३६९. (A) बाल-बच्चाक भविष्य आ सुखसँ — स्रोतमे रघुनाथ अपन शक्ति-संसाधन बाल-बच्चा बनबैमे लगबैत देखाओल छथि।
३७०. (A) दृष्टिकोण — अनुवाद सामग्रीक संग पल्लवी मण्डलक ‘दृष्टिकोण’ सेहो अंकमे अछि।
३७१. (A) सॉफ्टवेयर इन्जीनियर बनब — रघुनाथक अपेक्षामे संजय सॉफ्टवेयर इन्जीनियर बनैत अछि।
३७२. (A) नौकरी/कंपनीक अनुबंधसँ जुड़ल विदेश-यात्रा — संजयक तकनीकी करियर अमेरिका-यात्रा धरि पहुँचैत देखाओल अछि।
३७३. (A) प्रोफेसर सक्सेनाक बेटी — स्रोतमे सोनल प्रोफेसर सक्सेनाक बेटी कहल गेल छथि।
३७४. (A) प्रथम श्रेणी, पात्रता परीक्षा आ दर्शनशास्त्रसँ पीएच.डी. — सोनलक योग्यता शैक्षिक उपलब्धिसँ रेखांकित अछि।
३७५. (A) बेटी नहि, बेटा खरीदबाक चाल — प्रिन्सिपल प्रस्तावक पाछाँ बेटा-खरीद सन सामाजिक-आर्थिक गणित देखैत छथि।
३७६. (A) ब्रीफकेस — स्रोतमे धनंजय/राजू हाथमे ब्रीफकेस लऽ कऽ अबैत अछि।
३७७. (A) चुप्पी, उदासी आ असहज स्वीकार — ब्रीफकेस राखबाक प्रसंग परिवारक तनाव आ मौन दुख खोलैत अछि।
३७८. (A) गुणा-भाग आ सामाजिक गणना — स्रोतमे प्रेमक भीतर गणना आ भविष्य-लाभक संकेत अछि।
३७९. (A) छोट परिवार भेलो पर रघुनाथ सुखी नहि छथि — कहानी पारिवारिक सफलताक बाहरी धारणा आ भीतरी असन्तोषक अन्तर देखबैत अछि।
३८०. (A) परिवार, शिक्षा, विवाह आ उपभोक्तावादी गणितक टकराव — कहानी परिवारक सपना, करियर, विवाह आ स्वार्थक जटिल जाल खोलैत अछि।
३८१. (A) जन्म दैत अछि माँ बाप करम तऽ अपनेही — अंक २०३क गद्य-भागमे ई नाटक प्रमुख रूपमे सूचीबद्ध अछि।
३८२. (A) जन्म माता-पिता देथि, मुदा करम अपने फल दैत अछि — शीर्षक आ प्रस्तावना दुनू करमक नैतिक फल पर केन्द्रित अछि।
३८३. (A) चारि — स्रोतमे राजा केँ चारि बेटी—दिक्षा, दिव्या, प्रिति आ मेनुका—बताओल अछि।
३८४. (A) दिक्षा — दिक्षा राजा केर बेटीसभमे एक प्रमुख नाम रूपमे आरम्भमे आबैत अछि।
३८५. (A) भूखसँ तड़पैत अपाहिज व्यक्तिसँ — स्रोतमे एक अपाहिज व्यक्ति बीच बाट पर बेहोस/असहाय भेटैत अछि।
३८६. (A) कठोर आ असंवेदनशील — दिक्षा ओ व्यक्तिकेँ हटबाक कठोर आदेश दैत अछि।
३८७. (A) दूटा लघुकथा — गद्य-सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डल—दूटा लघुकथा लिखल अछि।
३८८. (A) एकटा लघुकथा आ एकटा विहनि कथा — राजदेव मण्डल लेल एक लघुकथा आ एक विहनि कथा दर्ज अछि।
३८९. (A) सुटिया — सत्यनारायण झाक बिहनि कथा ‘सुटिया’ नामसँ अछि।
३९०. (A) मिथिला स्टुडेण्ट यूनिथन — संपादकीय मिथिला स्टुडेण्ट यूनिथनक धरातलपर होइत काजक चर्चा करैत अछि।
३९१. (A) गामक प्रभाव आ वैश्विक प्रभावक चर्चा — शीर्षक ‘गाम मे समटि रहल प्रभाव आ चर्चा भेल वैश्विक प्रभावक’ एहि दिश संकेत करैत अछि।
३९२. (A) उमेश मण्डल — गद्य-सूचीमे उमेश मण्डलक कौशिकी सम्मान समारोहक आयोजन लेख अछि।
३९३. (A) दोस्ती केर जिनगी मे झड़बैर काल — अंक २०३ मे रवि भूषण पाठकक व्यंग्य एहि शीर्षकसँ सूचीबद्ध अछि।
३९४. (A) चारिटा गजल आ एकटा कविता — पद्य-सूचीमे रामसोगारथ यादवक चारि गजल आ एक कविता अछि।
३९५. (A) आशीष अनचिन्हार — अंक २०३ मे संतोष चतुर्वेदीक हिन्दी कविताक अनुवाद आशीष अनचिन्हार द्वारा कहल अछि।
३९६. (A) गजल — दिनेश रसिया पद्य-सूचीमे गजल सहित उपस्थित छथि।
३९७. (A) कविता — सुकोसित शिशिर पद्य-भागमे कविता सहित सूचीबद्ध छथि।
३९८. (A) दूटा कविता — पद्य-सूचीमे सृजन शेखर ‘अज्ञेय’—दूटा कविता अछि।
३९९. (A) विनीत उत्पल — अंक २०३ मे हिन्दीक वरिष्ठ कवि मंगलेश डबरालक सात कविता विनीत उत्पल द्वारा अनूदित अछि।
४००. (A) डॉ. शशिधर कुमार — बालानां कृते भागमे डॉ. शशिधर कुमारक किछु सचित्र बाल कविता सूचीबद्ध अछि।
४०१. (A) किछु विहनि कथा — गद्य-सूचीमे घनश्याम घनेरो—किछु विहनि कथा लिखल अछि।
४०२. (A) विनीत उत्पल — जानकी नवमी परिचर्चा सामग्री विनीत उत्पलक ट्रांसस्क्रिप्ट आ अनुवाद रूपमे सूचीबद्ध अछि।
४०३. (A) गांधी दर्शन एवं स्मृति समितिक तत्वावधान — स्रोतमे गांधी दर्शन एवं स्मृति समितिक तत्वावधानमे आयोजनक उल्लेख अछि।
४०४. (A) किछु प्रेम विहनि कथा आ किछु विहनि कथा — गद्य-सूचीमे विद्याचन्द्र झा ‘बमबम’क प्रेम विहनि कथा सहित अन्य विहनि कथा अछि।

४०५. (A) लघुकथा आ विहिनिकथा — मुन्नाजीक लेख 'लघुकथा आ विहिनिकथा—तुलनात्मक विवेचन' अछि।
४०६. (A) किछु विहनि कथा — गद्य-सूचीमे राजीव कर्ण—किछु विहनि कथा अछि।
४०७. (A) सपना सपने अछि — सूचीमे राम सोगारथ यादवक 'सपना सपने अछि' बिहनि कथा अछि।
४०८. (A) दूटा — गद्य-सूचीमे नारायण मधुशाला—२ टा बिहनि कथा अछि।
४०९. (A) २ टा बीहनि कथा — गद्य-सूचीमे मलय नाथ मिश्रक दू बीहनि कथा अछि।
४१०. (A) २ टा बिहैन कथा — अंक २०४ मे अब्दुर रज्जाकक दू बिहैन कथा सूचीबद्ध अछि।
४११. (A) अरविन्द ठाकुर आ जगदीश चंद्र ठाकुर 'अनिल' — संपादकीय पूर्व प्रकाशित विशेषांकमे अरविन्द ठाकुर आ अनिलजीक उल्लेख करैत अछि।
४१२. (A) परमेश्वर कापड़ि, वीरेन्द्र मल्लिक आ कमला चौधरी — पाठक-सुझावक आधार पर एहि तीन साहित्यकारक नाम आगूक विशेषांक लेल आएल अछि।
४१३. (A) एकटा ६०-७० वा बेसी सालक आ दोसर ४०-५० सालक साहित्यकार — मापदंडमे वय-समूहक संतुलनक बात लिखल अछि।
४१४. (A) किछु कविता आ किछु गजल — सूचीमे प्रयास प्रेमीक कविता आ गजल दुनू उपस्थिति अछि।
४१५. (A) कता आ गजल — पद्य-सूचीमे अब्दुर रज्जाक—कता आ गजल अछि।
४१६. (A) कविता, गीत आ गजल — राम सोगारथ यादवक किछु कविता, गीत आ गजल सूचीबद्ध अछि।
४१७. (A) गजल — दिनेश रसिया आ अशरफ राईन दुनू पद्य-सूचीमे गजलसँ सम्बद्ध छथि।
४१८. (A) गीत — सूचीमे नारायण मधुशालाक गीत अछि।
४१९. (A) सुजनी शिल्प — पद्य/कलात्मक सूचीमे संतोष कुमार झा—सुजनी शिल्प अछि।
४२०. (A) हम छी क्षोभित — सूचीमे ज्योति चौधरी—'हम छी क्षोभित' अछि।
४२१. (A) विदेह सम्मान १ सँ ४ — गद्य-सूचीमे विदेह सम्मान १, २, ३ आ ४ चारि खण्ड रूपमे अछि।
४२२. (A) दूटा — पद्य-सूचीमे अनिलजीक दू गजल लिखल अछि।
४२३. (A) २ टा — पद्य-सूची आशीष अनचिन्हारक दू गजल उल्लेख करैत अछि।
४२४. (A) २ टा गजल — सूचीमे जगदानन्द झा 'मनु'क दू गजल अछि।
४२५. (A) यात्रीजी — शीर्षकमे जनचेतना आ मानव वेदनाक प्रतिनिधि कवि यात्रीजीक जन्मदिवसक उल्लेख अछि।
४२६. (A) डॉ. शशिधर कुमार — बालानां कृते भागमे डॉ. शशिधर कुमारक सचित्र बाल कविता सूचीबद्ध अछि।
४२७. (A) श्री गोविन्द झा — सम्मान-सूचीमे २०१० फेलो पुरस्कार श्री गोविन्द झा केँ देल देखाओल अछि।
४२८. (A) श्री रमानन्द रेणु — २०११ फेलो पुरस्कार सूचीमे श्री रमानन्द रेणु छथि।
४२९. (A) गामक जिनगी — सम्मान-सूचीमे 'गामक जिनगी' कथा-संग्रह लेल जगदीश प्रसाद मण्डलक नाम अछि।
४३०. (A) जकर नारी चतुर होइ — सम्मान-सूचीमे मायानाथ झाक 'जकर नारी चतुर होइ' कथा-संग्रहक उल्लेख अछि।
४३१. (A) कलह — सम्मान-सूचीमे आनन्द कुमार झाक 'कलह' नाटक युवा पुरस्कार लेल अछि।
४३२. (A) पद्मानदीक माझी — रामलोचन ठाकुर 'पद्मानदीक माझी' क बांग्लासँ मैथिली अनुवाद लेल सूचीबद्ध छथि।
४३३. (A) श्री राजनन्दन लाल दास — विदेह भाषा सम्मान २०१२-१३क फेलो सूचीमे श्री राजनन्दन लाल दास छथि।
४३४. (A) तरेगन — सम्मान-सूचीमे 'तरेगन' बाल प्रेरक विहनि कथा संग्रह अछि।
४३५. (A) अम्बरा — राजदेव मण्डलकेँ 'अम्बरा' कविता-संग्रह लेल सूचीबद्ध कएल गेल अछि।
४३६. (A) अर्चिस — सम्मान-सूचीमे ज्योति सुनीत चौधरीक 'अर्चिस' अछि।
४३७. (A) ययाति — नरेश कुमार विकल 'ययाति' क अनुवाद लेल सूचीबद्ध छथि।
४३८. (A) मोहनदास — विनीत उत्पल 'मोहनदास' क मैथिली अनुवाद लेल सूचीबद्ध छथि।

४३९. (A) रचना, लेखक आ विधा-आधारित सम्मान-स्मृति एक ठाम राखैत अछि — सम्मान-सूची साहित्यिक संस्थागत स्मृति आ कृति-सूत्र एकत्र करैत अछि।
४४०. (A) सम्मान, गजल, जनचेतना आ बाल-साहित्यक मिश्रित अंक — अंक २०५ सम्मान-इतिहासक संग गजल, यात्री-विमर्श आ बाल-पाठक सामग्री जोड़ैत अछि।
४४१. (A) नोर आ फादर्स डे — अंक २०६क गद्य-सूचीमे नीरज कर्णक 'नोर' आ 'फादर्स डे' दूटा बिहनि कथा अछि।
४४२. (A) जमाना — गद्य-सूचीमे राजीव कर्ण—बीहनि कथा 'जमाना' लिखल अछि।
४४३. (A) झोल आ पटकनिया — मुन्ना जीक दू बीहनि कथा 'झोल' आ 'पटकनिया' रूपमे सूचीबद्ध अछि।
४४४. (A) नफासी — सूचीमे घनश्याम घनेरो—बीहनि कथा 'नफासी' अछि।
४४५. (A) बिहनि/बीहनि कथा-केंद्रित खण्ड — गद्य-सूचीमे चारि लेखकक बिहनि/बीहनि कथा प्रमुख रूपेँ अछि।
४४६. (A) नीरज कर्ण — 'फादर्स डे' नीरज कर्णक दूटा बिहनि कथामे दोसर शीर्षक अछि।
४४७. (A) मुन्ना जी — 'पटकनिया' मुन्ना जीक 'झोल' संग सूचीबद्ध बीहनि कथा अछि।
४४८. (A) बिहनि कथा — 'नोर' नीरज कर्णक बिहनि कथा रूपमे देल अछि।
४४९. (A) गद्य/बीहनि कथा खण्ड — 'नफासी' गद्य भागमे घनश्याम घनेरो केर बीहनि कथा रूपेँ अछि।
४५०. (A) अल्प आकारक बीहनि/बिहनि कथा-केंद्रित प्रयोग — गद्य-सूचीमे छोट आकारक कथा-प्रयोग सभ प्रमुख रूपमे राखल गेल अछि।
४५१. (A) दूटा गजल — सूचीमे 'अनिल'जीक दूटा गजल स्पष्ट रूपमे लिखल अछि।
४५२. (A) गजल — पद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हार—गजल अछि।
४५३. (A) गजल — अंक २०६क पद्य खण्डमे जगदानन्द झा 'मनु'—गजल लिखल अछि।
४५४. (A) किछु कविता आ गजल — सूचीमे प्रयास प्रेमी मैथिलक किछु कविता आ गजल देल अछि।
४५५. (A) भादवक अन्हरिया — बालानां कृतेमे राजेश मोहनक 'भादवक अन्हरिया' बाल कविता अछि।
४५६. (A) अनेक कविक गजल एकसंग सूचीबद्ध अछि — 'अनिल', आशीष अनचिन्हार, जगदानन्द झा 'मनु' आ प्रयास प्रेमीक गजल उपस्थित अछि।
४५७. (A) बालानां कृते — ई रचना बालानां कृते खण्डमे बाल कविता रूपमे रखल अछि।
४५८. (A) जगदीश चन्द्र ठाकुर 'अनिल' — पद्य-सूचीमे पहिल प्रविष्टि 'अनिल'जीक दूटा गजल अछि।
४५९. (A) गद्य मे कथा, पद्य मे गजल/कविता, अंत मे बाल कविता — अंकक सूची कथा, गजल/कविता आ बाल कविता तीनू जोड़ैत अछि।
४६०. (A) बिहनि कथा सँ बाल कविता धरि विधागत विस्तार — अंकमे कथा, गजल, कविता आ बाल कविता सभ सम्मिलित अछि।
४६१. (A) कोढ़िया — गद्य-सूचीमे मलयनाथ मण्डन—बिहनि कथा 'कोढ़िया' अछि।
४६२. (A) चक्षु भोजन — अंक २०७ मे राजीव कर्णक बीहनि कथा 'चक्षु भोजन' सूचीबद्ध अछि।
४६३. (A) बहिंगा — सूचीमे मुन्ना जी—बीहनि कथा 'बहिंगा' अछि।
४६४. (A) जमाना — अंक २०७क गद्य-सूचीमे घनश्याम घनेरो—'जमाना' अछि।
४६५. (A) कोढ़िया, चक्षु भोजन, बहिंगा, जमाना — अंक २०७क गद्य-सूचीमे यही चारि कथा शीर्षक अछि।
४६६. (A) राजीव कर्ण — 'चक्षु भोजन' राजीव कर्णक बीहनि कथा रूपमे अछि।
४६७. (A) बीहनि कथा — 'बहिंगा' मुन्ना जीक बीहनि कथा अछि।
४६८. (A) घनश्याम घनेरो — गद्य-सूचीमे 'जमाना' घनश्याम घनेरो केर बीहनि कथा अछि।
४६९. (A) मलयनाथ मण्डन — कोढ़िया — स्रोत-सूचीमे मलयनाथ मण्डनक 'कोढ़िया' अछि।
४७०. (A) बिहनि/बीहनि कथा पर केन्द्रितता — दूनु अंकक गद्य खण्ड छोट कथा-विधा पर केन्द्रित अछि।
४७१. (A) प्रकृतिसँ अनुनय — पद्य-सूचीमे मनोज झा मुक्ति—'प्रकृतिसँ अनुनय' अछि।
४७२. (A) २ टा गजल — सूचीमे आशीष अनचिन्हार—२ टा गजल लिखल अछि।

४७३. (A) अथर्व — पद्य-सूचीमे संतोष कुमार झा—‘अथर्व’ अछि।
४७४. (A) मुसहर डोम आ चमार — सूचीमे अब्दुर रज्जाक राइन—‘मुसहर डोम आ चमार’ अछि।
४७५. (A) किछु बाल कविता — बालानां कृते खण्डमे रवि भूषण पाठकक किछु बाल कविता अछि।
४७६. (A) प्रकृतिसँ अनुनय — ‘प्रकृतिसँ अनुनय’ शीर्षक प्रकृति दिस विनय/संवादक संकेत दैत अछि।
४७७. (A) मुसहर डोम आ चमार — अब्दुर रज्जाक राइनक शीर्षकमे मुसहर, डोम आ चमार समुदाय-सूचक शब्द अछि।
४७८. (A) चारि कथा, चारि पद्य-प्रविष्टि, आ बाल कविता — सूचीमे गद्यक चारि प्रविष्टि, पद्यक चारि प्रविष्टि, आ बालानां कृते अछि।
४७९. (A) पद्य — ‘अथर्व’ संतोष कुमार झाक पद्य-प्रविष्टि अछि।
४८०. (A) रवि भूषण पाठक — बालानां कृते भागमे रवि भूषण पाठकक बाल कविता अछि।
४८१. (A) संशोधन केर मतलब विनाश नै होइ छै — गद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक ‘संशोधन केर मतलब विनाश नै होइ छै’ अछि।
४८२. (A) फसाद आ आनंद — सूचीमे रवि भूषण पाठक—‘फसाद आ आनंद’ लघु कथा अछि।
४८३. (A) सौराष्ट्रक सोमनाथ — लेखकक शीर्षक ‘सौराठक सोमनाथ आ सौराष्ट्रक सोमनाथमे समानता’ अछि।
४८४. (A) लोक इतिहासक परिप्रेक्ष्य — शीर्षकमे स्पष्ट लिखल अछि—लोक इतिहासक परिप्रेक्ष्यमे।
४८५. (A) परिस्थिति लेखिका — गद्य-सूचीमे ‘दीर्घ कथा—परिस्थिति लेखिका’ अछि।
४८६. (A) बीहनि कथा — गद्य-सूचीमे राजेश वर्मा ‘भवादित्य’—बीहनि कथा लिखल अछि।
४८७. (A) भाषिक संशोधन, लघुकथा, लोक इतिहास, दीर्घ कथा आ बीहनि कथा — गद्य-सूची अनेक विधा—आलेख, लघुकथा, लोक इतिहास, दीर्घ कथा, बीहनि कथा—जोड़ैत अछि।
४८८. (A) भाषा/पाठ-संशोधनक रचनात्मक अर्थ — शीर्षक संशोधनकें विनाश नहि, रचनात्मक प्रक्रिया मानबाक संकेत दैत अछि।
४८९. (A) गद्य—लघु कथा — ई रवि भूषण पाठकक लघु कथा रूपमे गद्य-सूचीमे अछि।
४९०. (A) सौराठ आ सौराष्ट्र — लेख सौराठक सोमनाथ आ सौराष्ट्रक सोमनाथक समानता पर केन्द्रित अछि।
४९१. (A) ९ टा कविता — पद्य-सूचीमे रवि भूषण पाठकक ९ टा कविता लिखल अछि।
४९२. (A) कसैया दहेज — सूचीमे रौशन कुमार झा ‘गोविन्द’क ‘कसैया दहेज’ अछि।
४९३. (A) २ टा गजल — अंक २०८क पद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक दू गजल अछि।
४९४. (A) ३ टा कविता — पद्य-सूचीमे रामसोगारथ यादवक तीनटा कविता अछि।
४९५. (A) २ टा गजल — सूचीमे ‘अनिल’जीक दूटा गजल अछि।
४९६. (A) बाल गजल — बालानां कृतेमे आशीष अनचिन्हार—बाल गजल अछि।
४९७. (A) दहेजक कठोर/क्रूर रूप — शीर्षकमे दहेजक कसाइ-जकाँ पीड़ादायी रूपक संकेत अछि।
४९८. (A) रवि भूषण/रामसोगारथक कविता आ आशीष/अनिलक गजल — सूची कविता आ गजल दुनूकें एकसंग राखैत अछि।
४९९. (A) आशीष अनचिन्हार — बालानां कृते खण्ड आशीष अनचिन्हारक बाल गजल सूचीबद्ध करैत अछि।
५००. (A) कसैया दहेज — ‘कसैया दहेज’ शीर्षक दहेज-विरोधी सामाजिक व्यंजना स्पष्ट करैत अछि।
५०१. (A) पाँच टा कविता आ मधुकान्त जीक टिप्पणी — अंक २०९ मे कामिनीजीक पाँच कविता आ मधुकान्त जीक टिप्पणी प्रमुख सामग्री अछि।
५०२. (A) मधुकान्त झा — संपादकीयमे कामिनीजीक रचनाधर्मितापर मधुकान्त झाजीकें टिप्पणी लेल आमंत्रित कएल गेल।
५०३. (A) २ टा लघु कथा — सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक दू लघु कथा अछि।
५०४. (A) गुलेती दास आ जिगेसा — गद्य-सूचीमे ‘गुलेती दास’ आ ‘जिगेसा’ दू शीर्षक अछि।
५०५. (A) जल भंवर (उपन्यास) — सूचीमे राजदेव मण्डल—‘जल भंवर’ उपन्यास अछि।
५०६. (A) फाटू हे धरती : सीता दाई केर वेदना — गद्य-सूचीमे डॉ. मिश्रक ‘फाटू हे धरती : सीता दाई केर वेदना’ अछि।
५०७. (A) दूटा बीहनि कथा — सूचीमे जगदानन्द झा ‘मनु’क दू बीहनि कथा अछि।

५०८. (A) रचना आ टिप्पणी दूनु आवश्यक — संपादकीय अनुसार रचनाकर्मिक रचना आ आन रचनाकर्मिक टिप्पणी—दूनु जरूरी अछि।
५०९. (A) रचनाकर्मिक रचना आ टिप्पणी सहित प्रस्तुत करबाक प्रोजेक्ट — संपादकीयमे विदेहक नव रचनात्मक प्रोजेक्टक अंतर्गत ई प्रस्तुति बताओल अछि।
५१०. (A) बहुविध गद्य/समालोचनात्मक अंक — अंक २०९क गद्य भागमे कविता-टिप्पणी, लघुकथा, उपन्यास आ आलेख सब अछि।
५११. (A) २ टा गजल — पद्य-सूचीमे जगदानन्द झा ‘मनु’क दूटा गजल अछि।
५१२. (A) एकटा गजल — सूचीमे आशीष अनचिन्हार—एकटा गजल अछि।
५१३. (A) आजाद गजल — पद्य-सूचीमे बाबा बैद्यनाथक ‘आजाद गजल’ अछि।
५१४. (A) किछु कविता — पद्य-सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक किछु कविता अछि।
५१५. (A) ३ टा गजल — सूचीमे ‘अनिल’जीक तीनटा गजल अछि।
५१६. (A) बाबा-पोताक सिनेह — बालानां कृते भागमे बाबा बैद्यनाथक ‘बाबा-पोताक सिनेह’ अछि।
५१७. (A) बाबा बैद्यनाथ — ‘आजाद गजल’ बाबा बैद्यनाथक नामसँ सूचीबद्ध अछि।
५१८. (A) मनु, आशीष, बाबा बैद्यनाथ आ अनिल—अनेक गजलकार उपस्थित — सूचीमे चारि अलग रचनाकार गजल विधासँ सम्बद्ध छथि।
५१९. (A) बाबा-पोताक सिनेह — ‘बाबा-पोताक सिनेह’ शीर्षक पारिवारिक स्नेहक बाल सामग्री अछि।
५२०. (A) एतय गजल आ कविता प्रधान अछि — पद्य भागमे गजल, कविता आ बालानां कृते सामग्री प्रमुख अछि।
५२१. (A) मैथिली लोकगीतमे भोजनक विन्यास — गद्य-सूचीमे ‘मैथिली लोकगीतमे भोजनक विन्यास’ शीर्षक लेख अछि।
५२२. (A) ४ टा लघुकथा — सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक चारि लघुकथा अछि।
५२३. (A) कन्हा भँट्टा — चारि लघुकथामे ‘कन्हा भँट्टा’ पहिल शीर्षक अछि।
५२४. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — ‘भोलानाथ बाबा’ जगदीश प्रसाद मण्डलक चारि लघुकथामे अछि।
५२५. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा — ‘दुरकाल’ आ ‘कलंक’ चारि लघुकथाक समूहमे देल अछि।
५२६. (A) गीत आ भोजन-संस्कार — शीर्षक मैथिली लोकगीत आ भोजन-विन्यासक सांस्कृतिक सम्बन्धकेँ देखबैत अछि।
५२७. (A) मैथिली लोकगीतमे भोजनक विन्यास — भोजन-विषयक शीर्षक डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक लेखमे अछि।
५२८. (A) लघुकथा — ‘कलंक’ जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा-समूहक चौथ शीर्षक अछि।
५२९. (A) लेखक-वार लघुकथा/बीहनि कथा समूह — सूची डॉ. मिश्रक आलेखक बाद लेखक-वार कथा-समूह दैत अछि।
५३०. (A) लोकगीतमे भोजनक विन्यास — गद्य सूचीमे पहिल प्रविष्टि डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक भोजन-विन्यास लेख अछि।
५३१. (A) सामंत आ जस जस सुरसा बदन बड़ाबा — सूचीमे ओम प्रकाशक ‘सामंत’ आ ‘जस जस सुरसा बदन बड़ाबा’ अछि।
५३२. (A) कोठा वाली आ बॉस — गद्य-सूचीमे मुन्नाजीक ‘कोठा वाली’ आ ‘बॉस’ बीहनिकथा अछि।
५३३. (A) २ टा गजल — पद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक दूटा गजल अछि।
५३४. (A) कृष्ण छठिहारक पद — पद्य-सूचीमे राजेश मोहन—‘कृष्ण छठिहारक पद’ अछि।
५३५. (A) गजल — अंक २१०क पद्य-सूचीमे अब्दुर रज्जाक—गजल अछि।
५३६. (A) ५ टा गजल — सूचीमे ‘अनिल’जीक पाँचटा गजल अछि।
५३७. (A) किछु बाल कविता — बालानां कृते भागमे डॉ. शशिधर कुमारक किछु बाल कविता अछि।
५३८. (A) ओम प्रकाश — ई ओम प्रकाशक दू बीहनि कथामे दोसर शीर्षक अछि।
५३९. (A) मुन्नाजीक बीहनिकथा — दूनु शीर्षक मुन्नाजीक बीहनिकथा रूपमे सूचीबद्ध अछि।
५४०. (A) गजल, पद, आ बाल कविता सहित बहुस्तरीय पद्य-संसार — पद्य-भागमे गजल/पद आ बालानां कृतेमे बाल कविता जोड़ल अछि।
५४१. (A) मैथिली लोकगीतमे कौआ सम्बाहक — अंक २११मे कैलाश कुमार मिश्रक लेखक शीर्षक “मैथिली लोकगीतमे कौआ सम्बाहक” अछि।
५४२. (A) संदेश पहुँचेनिहार लोक-पक्षी — शीर्षक लोकगीतमे कौआकेँ संदेश/सम्बादसँ जोड़ैत अछि।

५४३. (A) परमेश्वर कापड़ि, वीरेन्द्र मल्लिक आ कमला चौधरी — संपादकीयमे अगिला विशेषांकक लेल एहि तीन नामक उल्लेख अछि।
५४४. (A) पाठकक सुझाव माँगल गेल छल — संपादकीय पाठकक सुझावक आधारपर विशेषांक योजना बतबैत अछि।
५४५. (A) प्रजातंत्र एकटा मजाक — गद्य-भागमे सत्य नारायण झाक “प्रजातंत्र एकटा मजाक” अछि।
५४६. (A) राजनीतिक-व्यंग्यात्मक स्वर — शीर्षक प्रजातंत्रपर आलोचनात्मक/व्यंग्यात्मक दृष्टि सूचित करैत अछि।
५४७. (A) सगर राति दीप जरय — गद्य-सूचीमे उमेश मण्डलक इतिहास-शीर्षक “सगर राति दीप जरय” अछि।
५४८. (A) समाद — सगर राति दीप जरय — सामग्री-सूचीमे दुनूक नाम “समाद — सगर राति दीप जरय” संग अछि।
५४९. (A) इतिहास आ समाद दुनू रूपमे — सूचीमे ई शीर्षक इतिहासक रूपमे आ समादक रूपमे दुनू ठाम आएल अछि।
५५०. (A) लोकगीत, राजनीति, इतिहास आ समादक मिश्रण — अंक २११क गद्य-सूचीमे लोकगीत, राजनीतिक व्यंग्य, इतिहास आ समाचार-सदृश सामग्री अछि।
५५१. (A) २ टा गजल — पद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक २ टा गजल देल अछि।
५५२. (A) मैथिली अनुवाद रूपमे — सूचीमे “तीन टा हिंदी कविता — मैथिली अनुवाद” लिखल अछि।
५५३. (A) आशीष अनचिन्हार — पद्य-सूचीमे अनुवाद आशीष अनचिन्हार द्वारा कहल गेल अछि।
५५४. (A) आजाद गजल — बाबा बैद्यनाथक नामक संग “आजाद गजल” देल अछि।
५५५. (A) गजल — सूचीमे जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिल — गजल देल गेल अछि।
५५६. (A) अलर-बलर — बालानां कृतेमे प्रणव कुमार झाक “अलर-बलर” देल अछि।
५५७. (A) बालानां कृतेक सामग्री — अंक २११मे ई बाल खण्डमे अछि।
५५८. (A) मूल गजल, अनुवादित कविता आ बाल कविताक संगम — पद्य भागमे गजल, अनुवादित कविता, आ बाल सामग्री सभ अछि।
५५९. (A) तीन टा कविता — सूचीमे वीरू सोनकरक तीन हिंदी कविता मैथिली अनुवाद रूपमे अछि।
५६०. (A) भाषा-पार काव्य-संवाद — अनुवादित कवितासँ पद्य-भाग भाषा-पार संवाद बनबैत अछि।
५६१. (A) सुग्गा आ श्रृंगार : मैथिली लोकगीतक परिदृश्य मे — अंक २१२मे कैलाश कुमार मिश्रक लेख सुग्गा आ श्रृंगारपर अछि।
५६२. (A) श्रृंगारिक-सांस्कृतिक प्रतीक — शीर्षक सुग्गा आ श्रृंगारकें लोकगीतक सांस्कृतिक परिदृश्यसँ जोड़ैत अछि।
५६३. (A) मुड़ियाएल घर — गद्य-सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डल — लघु कथा — मुड़ियाएल घर अछि।
५६४. (A) लघु कथा — सूचीमे ई स्पष्ट रूपेँ लघु कथा कहल गेल अछि।
५६५. (A) बाबा लालदास — गद्य-भागमे चन्दना दत्त — आलेख — बाबा लालदास देल अछि।
५६६. (A) राम विलास साहुक लघु कथा संग्रह — सूचीमे अंकुर — लघु कथा संग्रह — राम विलास साहु लिखल अछि।
५६७. (A) गीत-संगीतक एलबम-समीक्षा प्रकाशित करबाक निर्णय — संपादकीयमे दसम बर्खमे प्रवेश अवसरपर गीत-संगीतक एलबम समीक्षा देबाक निर्णय अछि।
५६८. (A) भाव, तकनीक, शब्द-चयन, संपादन आ विपणन पक्ष — संपादकीय समीक्षा-लेखमे गीत-संगीतक भाव, तकनीक, शब्द चयन, संपादन आ मार्केटिंग पक्षक बात करैत अछि।
५६९. (A) लोकगीत-आलेख, लघुकथा, व्यक्तित्व-आलेख आ कथा-संग्रह-परिचय — गद्य सूची एहि चार प्रकारक सामग्री राखैत अछि।
५७०. (A) चन्द्रभानु सिंहक निधन — संपादकीयमे प्रबोध सम्मानसँ सम्मानित चन्द्रभानु सिंहक निधनपर श्रद्धांजलि अछि।
५७१. (A) २ टा गजल — पद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक २ टा गजल अछि।
५७२. (A) गजल — सूचीमे ओम प्रकाश — गजल लिखल अछि।
५७३. (A) आजाद गजल — पद्य भागमे बाबा बैद्यनाथ — आजाद गजल अछि।
५७४. (A) गजल — सूचीमे हुनक गजल अछि।
५७५. (A) समय — पद्य-सूचीमे पल्लवी मण्डल — समय देल अछि।

५७६. (A) ऊद या ऊदबिलाड़ि — बालानां कृतेमे “ऊद या ऊदबिलाड़ि” अछि।
५७७. (A) जनावर/प्रकृति जगत — शीर्षक ऊद/ऊदबिलाड़िसँ बाल-पाठमे जनावरक संसार अनैत अछि।
५७८. (A) गजल विधाक निरंतरता — पद्य-सूचीमे कतेको गजलकारक रचना अछि।
५७९. (A) पद्य खण्ड — “समय” पद्य-सूचीमे देल अछि।
५८०. (A) गद्य, गजल, कविता आ बाल कविताक संतुलन — अंकमे गद्य, बहु गजल/कविता आ बाल कविता सभ समाहित अछि।
५८१. (A) छागरक बलिप्रदानपर चिन्तन : परम्परामे परिवर्तनक औचित्य — अंक २१३मे कैलाश कुमार मिश्रक लेख छागरक बलिप्रदान आ परम्परा-परिवर्तनपर अछि।
५८२. (A) परम्परामे परिवर्तनक औचित्य — शीर्षक स्वयं परम्परामे परिवर्तनक औचित्यक बात करैत अछि।
५८३. (A) नव-आशा — गद्य-सूचीमे प्रणव कुमार झा — लघु कथा — नव-आशा अछि।
५८४. (A) नव उम्मीद — शीर्षक आशा आ नव आरम्भक भाव सूचित करैत अछि।
५८५. (A) अति लघु/बीहनि कथा — शीर्षक बीहनि कथा कहैत अछि, जे अति लघु कथा-संसारसँ जुड़ल अछि।
५८६. (A) लघु कथा — सूचीमे “युक्ति शक्ति (लघु कथा)” देल अछि।
५८७. (A) लेख, लघुकथा आ बीहनि कथा — गद्य-सूचीमे शोधात्मक लेख, लघु कथा आ बीहनि कथाक मिश्रण अछि।
५८८. (A) सामाजिक विचार आ रचनात्मक कथा साथ-साथ चलैत अछि — अंकमे एक दिस परम्परा-विमर्श अछि, दोसर दिस कथा-विधा।
५८९. (A) तर्क आ उपाय — युक्ति आ शक्ति मिलि बुद्धि/उपायक संकेत करैत अछि।
५९०. (A) चिन्तनात्मक लेखसँ लघुकथा धरि — गद्य भाग विचार-लेख आ कथात्मक लघुरूप दुनू समेटैत अछि।
५९१. (A) ३ टा गजल — सूचीमे आशीष अनचिन्हारक ३ टा गजल देल अछि।
५९२. (A) गजल — पद्य-सूचीमे ओम प्रकाश — गजल अछि।
५९३. (A) किछु गजल आ किछु कविता — सूचीमे हुनक किछु गजल आ किछु कविता दुनू अछि।
५९४. (A) ३ टा बाल कविता — बाल खण्डमे मनोज कुमार मंडलक ३ टा बाल कविता देल अछि।
५९५. (A) गद्य, पद्य आ बाल खण्ड — हुनक नाम गद्यक बीहनि/लघुकथा, पद्यक गजल/कविता आ बाल कविता सभमे अछि।
५९६. (A) तीन अलग-अलग नामसँ गजल सामग्री आबैत अछि — आशीष, ओम प्रकाश आ मनोजक गजल सभ पद्य खण्डमे अछि।
५९७. (A) एकाधिक कविताक समूह — शीर्षक “किछु” शब्दसँ अनेक कविताक समूह संकेतित अछि।
५९८. (A) मनोज कुमार मंडल — बालानां कृतेमे मनोज कुमार मंडलक ३ टा बाल कविता अछि।
५९९. (A) एक अंकमे विविध पाठक-वर्गक सामग्री — गद्य, पद्य आ बालानां कृते खण्ड एके अंकमे विविध पाठक वर्गक रचना राखैत अछि।
६००. (A) गजल आ कविताक बहुल उपस्थिति — पद्य भागमे गजल आ कविता सभ प्रमुख अछि।
६०१. (A) मैथिली संस्कृति केर अवयव — अंक २१४मे “मैथिली संस्कृति केर अवयव” देल अछि।
६०२. (A) संस्कृतिक घटक/तत्त्व — अवयव शब्द संस्कृति केर घटक तत्त्व सभ दिस संकेत करैत अछि।
६०३. (A) कुमार साहेब — गद्य-सूचीमे सत्य नारायण झा — लघुकथा — कुमार साहेब अछि।
६०४. (A) लघुकथा — सूचीमे एकरा लघुकथा कहल गेल अछि।
६०५. (A) किछु बीहनि कथा — गद्य-सूचीमे मनोज कुमार मंडल — किछु बीहनि कथा अछि।
६०६. (A) लघु कथा संग्रह — चारिम संस्करण — सूचीमे “गामक जिनगी (लघु कथा संग्रह — चारिम संस्करण)” अछि।
६०७. (A) सीड स्टोरी / फ्लैश फिक्शन / वेरी शॉर्ट स्टोरी — संपादकीय बीहनि कथाकें सीड स्टोरी, फ्लैश फिक्शन वा वेरी शॉर्ट स्टोरीसँ जोड़ैत अछि।
६०८. (A) मैथिली साहित्यक समीक्षाशास्त्र आ नामकरण-विमर्श — संपादकीय विधा-नाम, समीक्षाशास्त्र आ साहित्यिक बहसक बात उठबैत अछि।
६०९. (A) सांस्कृतिक विवेचन आ कथात्मक लघुरूप — गद्य भागमे संस्कृति लेख, लघुकथा, बीहनि कथा आ कथा-संग्रह अछि।
६१०. (A) ग्राम्य जीवन — शीर्षक स्वयं गामक जीवन-संसारकें सूचित करैत अछि।

६११. (A) ३ टा गजल — पद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक ३ टा गजल अछि।
६१२. (A) सामा — पद्य-सूचीमे विन्देश्वर ठाकुर — सामा देल अछि।
६१३. (A) सामा-चकेबा — सूचीमे संतोष कुमार झा — सामा-चकेबा अछि।
६१४. (A) गजल — पद्य भागमे मनोज कुमार मंडल — गजल देल अछि।
६१५. (A) २ टा बाल कविता — बाल खण्डमे मनोज कुमार मंडलक २ टा बाल कविता अछि।
६१६. (A) मिथिलाक लोक-पर्व परम्परा — सामा-चकेबा मिथिलाक लोक-पर्व परम्परासँ जुड़ल शीर्षक अछि।
६१७. (A) आधुनिक पद्य-विधा आ लोक-सांस्कृतिक स्मृतिक संगम — पद्य खण्डमे गजल आ सामा/सामा-चकेबा सभ एक संग अछि।
६१८. (A) सामा-चकेबा पर्वक स्मृति — सामा शीर्षक लोक-पर्व-संस्कृतिसँ जुड़ल अछि।
६१९. (A) मनोज कुमार मंडल — बालानां कृतेमे मनोज कुमार मंडलक नाम अछि।
६२०. (A) संस्कृति, ग्राम्य कथा, लोक-पर्व आ बाल साहित्य — अंकमे संस्कृति-विमर्श, गामक जिनगी, सामा-चकेबा आ बाल कविता सभ अछि।
६२१. (A) मैथिली लोक परम्परामे नाथ जोगी राजा भरथरी आ गोपीचंद — अंक २१५मे नाथ जोगी, राजा भरथरी आ गोपीचंद पर लोक-परम्परा लेख अछि।
६२२. (A) लोक परम्परा — शीर्षक स्वयं मैथिली लोक परम्परामे एहि पात्र/धाराक चर्चा करैत अछि।
६२३. (A) उपन्यास — तेसर संस्करण — सूचीमे “जिनगीक जीत (उपन्यास — तेसर संस्करण)” अछि।
६२४. (A) जगदीश प्रसाद मंडल — गद्य-सूचीमे जगदीश प्रसाद मंडल — उत्थान-पतन (उपन्यास — तेसर संस्करण) अछि।
६२५. (A) उपन्यास — तेसर संस्करण — सूचीमे ई उपन्यासक तेसर संस्करण रूपमे देल अछि।
६२६. (A) तीन — जिनगीक जीत, उत्थान-पतन, आ मौलाइल गाछक फूल — तीन उपन्यास शीर्षक देल अछि।
६२७. (A) रचना-संसारक पुनर्पाठ आ स्थायी पाठकीयता — तेसर संस्करणक उल्लेख प्रकाशनक निरंतरता आ पाठकीय उपस्थिति सूचित करैत अछि।
६२८. (A) जीवन-संघर्षमे विजयक भाव — शीर्षक जीवनक जीत आ संघर्षोत्तर आशाक भाव दैत अछि।
६२९. (A) चढ़ाव-उतार — उत्थान-पतन जीवन/समाजक चढ़ाव-उतारक अर्थ-संकेत दैत अछि।
६३०. (A) गाछ आ फूलक प्रकृतिपरक बिम्ब — शीर्षक गाछ आ फूलक बिम्बसँ अर्थ रचैत अछि।
६३१. (A) ३ टा गजल — पद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक ३ टा गजल अछि।
६३२. (A) गजल — सूचीमे जगदीश चंद्र ठाकुर — गजल अछि।
६३३. (A) उर्फ नाम — पद्य सूचीमे लालदेव कामत — कविता — उर्फ नाम देल अछि।
६३४. (A) भूतक बाप पिशाच उर्फ आशारामक जोड — सूचीमे राम प्रीत पासवानक कविता एहि शीर्षकसँ देल अछि।
६३५. (A) इस्कूल — पद्य-सूचीमे किशन कारीगर — इस्कूल अछि।
६३६. (A) विद्यालय/शिक्षा — इस्कूल शीर्षक शिक्षा-जगतसँ जुड़ल अछि।
६३७. (A) आजाद बाल गजल — बालानां कृते खण्डमे बाबा बैद्यनाथ — आजाद बाल गजल अछि।
६३८. (A) गजल-विधाक बाल साहित्य दिसि विस्तार — बाल खण्डमे गजल रूपक उपयोग बाल पाठक लेल कएल गेल अछि।
६३९. (A) वयस्क पद्यसँ बाल पद्य धरि विस्तार — पद्य खण्डमे गजल/कविता आ बाल खण्डमे बाल गजल अछि।
६४०. (A) लोक-परम्परा, उपन्यास, गजल, सामाजिक कविता आ बाल गजल — अंकमे लोक-परम्परा लेख, तीन उपन्यास, गजल/कविता आ बाल गजल सभ उपस्थित अछि।
६४१. (A) राजस्थान केर मंडोवरमे रावण आ मंदोदरीक विवाह — अंक २१६क सूचीमे कैलाश कुमार मिश्रक लेख मंडोवर, रावण आ मंदोदरीक विवाहसँ जुड़ल अछि।
६४२. (A) लोक इतिहास केर मूर्त आ अमूर्त प्रमाण — सूचीमे ई लेख लोक इतिहासक मूर्त आ अमूर्त प्रमाणपर आधारित कहल गेल अछि।
६४३. (A) उपन्यास — तेसर संस्करण — “जीवन-मरण” गद्य-सूचीमे उपन्यासक तेसर संस्करण रूपमे देल अछि।
६४४. (A) जगदीश प्रसाद मंडल — गद्य-सूचीमे “जीवन-संघर्ष” जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास अछि।

६४५. (A) अस्तित्व आ संघर्षक प्रश्न — दुनू शीर्षक जीवन, मृत्यु आ संघर्षक गम्भीर प्रश्न दिस संकेत करैत अछि।
६४६. (A) बाल उपन्यास — तेसर संस्करण — सूचीमे “नै धाड़ैए” बाल उपन्यासक तेसर संस्करण कहि देल अछि।
६४७. (A) तीन — जीवन-मरण, जीवन-संघर्ष आ नै धाड़ैए — तीनू तेसर संस्करण रूपमे अछि।
६४८. (A) बाल पाठक-वर्ग — सूचीमे ओकरा बाल उपन्यास रूपमे देल गेल अछि।
६४९. (A) लोक-इतिहास आ कथात्मक रचना दुनू उपस्थित अछि — गद्य-भागमे मंडोवरक लोक-इतिहास लेख आ उपन्यास सभ एक संग अछि।
६५०. (A) पूर्व प्रकाशित कृतिसभक पुनर्प्रस्तुति/स्थायी पाठकीयता — कई कृतिमे तेसर संस्करणक उल्लेख पुनर्पाठ आ पुनर्प्रस्तुति दिस इशारा करैत अछि।
६५१. (A) कविता — नेनपन — पद्य-सूचीमे सुशान्त झाक “अवलोकित” कविता — नेनपन रूपमे देल अछि।
६५२. (A) बाल्यावस्था — नेनपन शब्द बाल्यावस्था आ बाल-स्मृतिक संकेत दैत अछि।
६५३. (A) ३ टा गजल — अंक २१६क पद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक ३ टा गजल अछि।
६५४. (A) बिनु राधाक ब्रज — सूचीमे राजेश मोहन झा “गुंजन”क “बिनु राधाक ब्रज” अछि।
६५५. (A) राधा-ब्रजक कृष्ण-परम्परा — राधा आ ब्रजक उल्लेख कृष्ण-संस्कृतिक सांकेतिक धरातल बनबैत अछि।
६५६. (A) गजल — पद्य-सूचीमे अब्दुर रज्जाक — गजल देल अछि।
६५७. (A) ३ टा बाल कविता — बालानां कृतेमे डॉ. शशिधर कुमारक तीन बाल कविता अछि।
६५८. (A) नेनपन-कविता, गजल आ बाल कविताक सह-अस्तित्व — पद्य खण्डमे नेनपन कविता आ गजल अछि, बाल खण्डमे बाल कविता अछि।
६५९. (A) आशीष अनचिन्हार आ अब्दुर रज्जाक — सूचीमे आशीषक तीन गजल आ अब्दुर रज्जाकक गजल अछि।
६६०. (A) बाल-स्मृति, भक्ति-संकेत आ गजल-विविधता — नेनपन, बिनु राधाक ब्रज आ गजल सभ मिलि पद्यक विविध स्वर बनबैत अछि।
६६१. (A) नेपाल मे मैथिली गीत-संगीतक अवस्था — अंक २१७क सूचीमे दिनेश यादवक लेख नेपालमे मैथिली गीत-संगीतक अवस्थापर अछि।
६६२. (A) मैथिली सी.डी./एलबम आ गीत-संगीत समीक्षा — संपादकीयमे मैथिली गीत-संगीत, सी.डी. आ एलबम समीक्षा विशेष प्रयास कहल गेल अछि।
६६३. (A) सिनेहिया : जगाक टीस हृदयमे केहेन कठोर भेलौं — सूचीमे प्रदीप पुष्पक “सिनेहिया” शीर्षक सामग्री अछि।
६६४. (A) वन्दनाक स्वरूप — अंक २१७मे योगेन्द्र पाठक “वियोगी”क “वन्दनाक स्वरूप” अछि।
६६५. (A) अरिपन — सूचीमे चंद्रेश — अरिपन देल अछि।
६६६. (A) शारदा सिन्हा — सूचीमे इरा मल्लिक — शारदा सिन्हाजीक “विवाह गीत” अछि।
६६७. (A) वर्तमान मैथिली गीत-संगीत हमरा नजरिसँ — शीर्षक स्वयं वर्तमान गीत-संगीतपर लेखकक दृष्टि सूचित करैत अछि।
६६८. (A) मैथिली लोक गीतमे प्रोफेसर चण्डेश्वर झाक सी.डी./डी.वी.डी. केर प्रयोग — सूचीमे लोक गीतमे प्रोफेसर चण्डेश्वर झाक सीडी/डीवीडी प्रयोगक बात अछि।
६६९. (A) मैथिली सी.डी. एलबम — सूचीमे गजेन्द्र ठाकुर — मैथिली सी.डी. एलबम देल अछि।
६७०. (A) मैथिली साहित्यिक पत्रिकामे संगीत-एलबम समीक्षाक व्यवस्थित प्रवेश — संपादकीय गीत-संगीत एलबम समीक्षा प्रकाशनक नवरूप प्रयास बतबैत अछि।
६७१. (A) महाकवि चन्दा झा कृत रामायणक सुन्दरकाण्डक एलबम — सूचीमे हुनक लेख चन्दा झाक रामायणक सुन्दरकाण्डक एलबमपर अछि।
६७२. (A) रामायणक पाठ आ ऑडियो/एलबम माध्यम — लेख सुन्दरकाण्डक साहित्यिक पाठकेँ एलबम माध्यमसँ जोड़ैत अछि।
६७३. (A) मैथिलीमे बाल सी.डी. एलबमक सर्वथा अभाव — बाल खण्डमे मैथिलीमे बाल सीडी एलबमक अभाव विषयक लेख अछि।
६७४. (A) बाल-गीत/बाल-ऑडियो सामग्रीक अभाव — शीर्षक बालक लेल मैथिली ऑडियो एलबम उपलब्धताक कमी बतबैत अछि।
६७५. (A) भाव, तकनीक, शब्द-चयन, संपादन आ विपणन — संपादकीय समीक्षा-लेखनमे भाव, तकनीक, शब्द-चयन, संपादन आ मार्केटिंग पक्षक बात करैत अछि।
६७६. (A) नेपालमे मैथिली गीत-संगीतक अवस्था — दिनेश यादवक नेपाल विषयक लेख गीत-संगीतक भौगोलिक विस्तार देखबैत अछि।
६७७. (A) विवाह-गीत परम्परा — विवाह गीतक चर्चा मैथिल विवाह-संगीत परम्परा दिस संकेत करैत अछि।

६७८. (A) मिथिलाक पारंपरिक रेखांकन/अनुष्ठानिक कला — अरिपन मिथिलाक अनुष्ठानिक लोककला-संस्कृतिसँ जुड़ल शब्द अछि।
६७९. (A) ऑडियो-दृश्य रेकर्डिंग माध्यम — सूचीमे सीडी, डीवीडी, एलबम सभ गीत-संगीतक रिकॉर्डेड माध्यम सूचित करैत अछि।
६८०. (A) बालक लेल मैथिली ऑडियो सामग्रीक अभाव — बालानां कृते खण्डमे बाल सीडी एलबमक अभावक प्रत्यक्ष चर्चा अछि।
६८१. (A) आशीष अनचिन्हार द्वारा मैथिली अनुवाद — सूचीमे वन्दना अवस्थी दुबेजीक हिन्दी कथा आशीष अनचिन्हारक अनुवाद रूपमे अछि।
६८२. (A) दोसर भाग — संपादकीयमे एहि शृंखलाक दोसर भागक घोषणा अछि।
६८३. (A) नीलमाधव चौधरी — संपादकीयमे नीलमाधव चौधरीजीक रचना आमंत्रित कएल जाएबाक बात अछि।
६८४. (A) महाराजा पंहिबा : मणिपुर केर गरीब नवाज — सूचीमे कैलाश कुमार मिश्रक “महाराजा पंहिबा : मणिपुर केर गरीब नवाज” अछि।
६८५. (A) मणिपुरक शासक आ सांस्कृतिक स्मृति — शीर्षक मणिपुरक गरीब नवाज रूपमे पंहिबाक ऐतिहासिक स्मृति अनैत अछि।
६८६. (A) वरिष्ठ नागरिक — गद्य-सूचीमे रवीन्द्र नारायण मिश्र — वरिष्ठ नागरिक अछि।
६८७. (A) बुजुर्ग/वृद्ध नागरिक — शीर्षक वृद्ध नागरिकक सामाजिक स्थिति दिस संकेत करैत अछि।
६८८. (A) हिन्दीसँ मैथिली — सूचीमे सुकेश साहनीक कथा हिन्दीसँ मैथिली रूपान्तरण रूपमे अछि।
६८९. (A) मुन्नाजी — सूचीमे रूपान्तरणक नाम मुन्नाजी देल अछि।
६९०. (A) अनुवाद, इतिहास, सामाजिक लेख आ बीहनि कथा — गद्य-सूचीमे अनुवादित कथा, पंहिबा लेख, वरिष्ठ नागरिक आ बीहनि कथा अछि।
६९१. (A) ३ टा गजल — पद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक ३ टा गजल अछि।
६९२. (A) आजाद गजल — सूचीमे डा. जियाउर रहमान जाफर — आजाद गजल अछि।
६९३. (A) ६ टा कविता — पद्य-सूचीमे हुनक ६ टा कविता अछि।
६९४. (A) आजाद गजल — पद्य सूचीमे बाबा बैद्यनाथजीक आजाद गजल अछि।
६९५. (A) राईत इजोरिया ताइक रहल अछि — सूचीमे प्रणव कुमार — “राईत इजोरिया ताइक रहल अछि” अछि।
६९६. (A) राति आ चाननी/इजोरिया — शीर्षक राति आ इजोरियाक काव्यात्मक वातावरण बनबैत अछि।
६९७. (A) कोईली बाजी रहल अई — बाल खण्डमे रतन कुमार लाल दास — कोईली बाजी रहल अई अछि।
६९८. (A) कोकिल/पक्षी-स्वर — कोईलीक स्वर बाल कवितामे प्रकृति आ ऋतु-स्मृति अनैत अछि।
६९९. (A) ७ टा बाल कविता — बालानां कृतेमे हुनक ७ टा बाल कविता अछि।
७००. (A) गजल, आजाद गजल, कविता आ बाल कविता — पद्य-सूचीमे गजल, आजाद गजल, छह कविता, आ बाल कवितासभ अछि।
७०१. (A) कुक्कुर — गद्य-सूचीमे जवाहर लाल कश्यप — बीहनि कथा — कुक्कुर अछि।
७०२. (A) सोंगर — सूचीमे राजेश वर्मा “भवादित्य” — सोंगर अछि।
७०३. (A) मैथिलानी पर विमर्शक अधिकारी के? — सूचीमे कैलाश कुमार मिश्रक लेख “मैथिलानी पर विमर्श क अधिकारी के?” अछि।
७०४. (A) नारी/मैथिलानी-विमर्शक अधिकार आ दृष्टिकोण — शीर्षक मैथिलानी विषयक विमर्शक अधिकार/स्वरक प्रश्न उठबैत अछि।
७०५. (A) ४ टा — सूचीमे मुन्नाजीक ४ टा बीहनि कथा अछि।
७०६. (A) विधान, फसाद!, निवहता, हुवा — सूचीमे मुन्नाजीक कथा-शीर्षक विधान, फसाद!, निवहता आ हुवा देल अछि।
७०७. (A) निर्वहन आ निरुत्तर — सूचीमे कल्पना झा — निर्वहन, निरुत्तर देल अछि।
७०८. (A) साँठ गाँठ आ नोटबन्दी — सूचीमे अभिलाष ठाकुरक साँठ गाँठ आ नोटबन्दी अछि।
७०९. (A) कई लेखकक माध्यमसँ — जवाहर, राजेश, मुन्नाजी, कल्पना आ अभिलाष — कई लेखक बीहनि कथासँ जुड़ल छथि।
७१०. (A) नोटबन्दी/मुद्रा-संकट — शीर्षक नोटबन्दी समकालीन आर्थिक-सामाजिक प्रसंगक कथा-संसारमे अनैत अछि।
७११. (A) ३ टा गजल — पद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक ३ टा गजल अछि।
७१२. (A) गजल — सूचीमे अशोक कुमार सहनी — गजल अछि।
७१३. (A) ४ टा कविता — पद्य-सूचीमे डॉ. शशिधर कुमार “विदेह”क ४ टा कविता अछि।

७१४. (A) सरस्वती वंदना — अंक २१९मे राजेश मोहन झा “गुंजन” — सरस्वती वंदना अछि।
७१५. (A) विद्या आ वाणी देवीक स्तुति — सरस्वती वंदना विद्या आ वाणीकें समर्पित स्तुतिपरक रचना सूचित करैत अछि।
७१६. (A) २ टा बाल कविता — बाल खण्डमे डॉ. शशिधर कुमारक २ बाल कविता अछि।
७१७. (A) आधुनिक गजल आ स्तुतिपरक कविता दुनू — गजलकारक रचना आ सरस्वती वंदना पद्यक अलग-अलग स्वर देखबैत अछि।
७१८. (A) गजल — पद्य-सूचीमे आशीष आ अशोक कुमार सहनीक गजल प्रमुख अछि।
७१९. (A) बाल साहित्यक निरंतर उपस्थिति — अंकक अंतिम खण्ड बालानां कृते बाल कविता राखैत अछि।
७२०. (A) बीहनि कथा, विमर्श, गजल, वंदना आ बाल कविता — अंकमे बीहनि कथाक बहुलता, मैथिलानी विमर्श, गजल/कविता आ बाल कविता सभ अछि।
७२१. (A) तेसर संस्करणसँ सात टा लघु कथा — सूचीमे “सतभैंया पोखैर (तेसर संस्करण) सँ सात टा लघु कथा” लिखल अछि।
७२२. (A) पोखरि/जलाशयक बिम्ब — पोखैर शब्द ग्रामीण जलाशयक स्मृति आ परिवेश बनबैत अछि।
७२३. (A) चहकल विचार — गद्य-सूचीमे अलग रूपेँ “लघु कथा — चहकल विचार” देल अछि।
७२४. (A) उत्साहित/उछलैत विचार — चहकल शब्द विचारक चंचल/सजीव गति सूचित करैत अछि।
७२५. (A) बाल्यकाल — सूचीमे रवीन्द्र नारायण मिश्र — बाल्यकाल अछि।
७२६. (A) नेनपन/बाल स्मृति — बाल्यकाल शीर्षक बाल-स्मृतिक कथा-संसार दिस संकेत करैत अछि।
७२७. (A) चिचड़ी वाली भौजी — गद्य-सूचीमे बी. एन. लाल दास — चिचड़ी वाली भौजी मैथिली कहानी अछि।
७२८. (A) गृहस्थ/गाम-परिवेश — भौजी संबोधन आ चिचड़ीक उल्लेख घरेलू/ग्राम्य परिवेशक संकेत दैत अछि।
७२९. (A) नेपालक वर्तमान मैथिली साहित्य — संपादकीयमे “नेपालक वर्तमान मैथिली साहित्य” विषयक विशेषांकक नेयार बताओल गेल अछि।
७३०. (A) दिनेश यादव — संपादकीयमे विशेषांकक संयोजक श्री दिनेश यादव रहताह कहल गेल अछि।
७३१. (A) काव्य संग्रहक दोसर संस्करण — पद्य-सूचीमे “सुखल मन तरसल आँखि” काव्य संग्रहक दोसर संस्करण रूपमे अछि।
७३२. (A) अभाव, तृष्णा आ भावुक प्रतीक्षा — शीर्षक सुखल मन आ तरसल आँखिक बिम्बसँ तृष्णा/भावुकता रचैत अछि।
७३३. (A) वैलेंटाइन स्पेशल सहित २ टा गजल — सूचीमे प्रदीप पुष्पक वैलेंटाइन स्पेशल सहित २ गजल अछि।
७३४. (A) प्रेम/स्नेहक आधुनिक प्रसंग — वैलेंटाइन शब्द प्रेम-संवेदनाक आधुनिक प्रसंग दिस संकेत करैत अछि।
७३५. (A) ३ टा गजल — पद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक ३ टा गजल अछि।
७३६. (A) वसंत गीत — सूचीमे “गुंजन”क वसंत गीत देल अछि।
७३७. (A) वसंत ऋतु आ नव-उल्लास — वसंत गीत ऋतु, नवता आ उल्लासक काव्य-संकेत दैत अछि।
७३८. (A) तप?! — पद्य-सूचीमे बृषेश चन्द्र लाल — “तप?!” अछि।
७३९. (A) जतरा, अंकक मेल, बहिन — बाल खण्डमे मुन्नी कामतक तीन बाल कविता — जतरा/अंकक मेल/बहिन — देल अछि।
७४०. (A) लघु कथा, कहानी, काव्य-संग्रह, गजल, गीत आ बाल कविता — अंक २२०मे कथा, कहानी, कविता-संग्रह, गजल, वसंत गीत आ बाल कवितासभ अछि।
७४१. (A) सतभैंया पोखैर — सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक दूटा लघु कथा आ “सतभैंया पोखैर” तेसर संस्करणसँ १३ टा लघु कथा अछि।
७४२. (A) तेसर संस्करण — अंकक सूचीमे “सतभैंया पोखैर (तेसर संस्करण)” स्पष्ट अछि।
७४३. (A) पोखरि आ ग्रामीण स्मृति — पोखैर शब्द ग्रामीण जलाशय आ लोक-परिवेश दिस लऽ जाइत अछि।
७४४. (A) जल भँमर — सूचीमे राजदेव मण्डलक “जल भँमर” उपन्यासक अगिला कड़ी देल अछि।
७४५. (A) जल आ भँवरक अस्थिरता — शीर्षक जल आ भँवरक गति/उलझनक बिम्ब बनबैत अछि।
७४६. (A) क्रोध — गद्य-सूचीमे रवीन्द्र नारायण मिश्र — “क्रोध” अछि।
७४७. (A) मानव-भाव आ प्रतिक्रिया — क्रोध मनुष्यक भावनात्मक प्रतिक्रिया आ मनोविज्ञानसँ जुड़ल विषय थिक।

७४८. (A) उपन्यासक अगिला कड़ी — राजदेव मण्डलक “जल भँमर” उपन्यासक कड़ी अंकक धारावाहिक स्वर देखबैत अछि।
७४९. (A) दूटा स्वतंत्र लघु कथा आ पुस्तकसँ १३ लघु कथा — सूची अनुसार हुनक दूटा लघु कथा अलग आ “सतभैया पोखैर”सँ १३ लघु कथा देल गेल।
७५०. (A) कथा-संसार आ चिंतन दुनूक संतुलन — अंकमे लघु कथा, उपन्यासक कड़ी आ भाव-विषयक लेख एक संग अछि।
७५१. (A) दलित साहित्यकेँ आन साहित्यसँ फुटकेबाक प्रयोजन — सूचीमे डॉ. शिव कुमार प्रसादक आलेख दलित साहित्यकेँ अलग देखबाक प्रयोजनपर अछि।
७५२. (A) दलित साहित्यक विशिष्टता आ अलग दृष्टि — शीर्षक दलित साहित्यक अलग पहचान आ आलोचनात्मक आधारकेँ केन्द्रमे रखैत अछि।
७५३. (A) तमाकूल सँ बरबाद होइत मैथिल आ मैथिली संस्कृति — सूचीमे लेख तमाकूलसँ मैथिल आ मैथिली संस्कृतिक बरबादीक प्रसंगपर अछि।
७५४. (A) नशा/तमाकू आ संस्कृति पर पड़ैत प्रभाव — शीर्षक तमाकूक सामाजिक-सांस्कृतिक दुष्प्रभावपर केन्द्रित अछि।
७५५. (A) किछु जोगीरा आ ३ टा गजल — पद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक किछु जोगीरा आ तीन गजल अछि।
७५६. (A) २ टा गजल — सूचीमे हुनक दूटा गजल देल अछि।
७५७. (A) २ टा गजल — पद्य-सूचीमे राजीव रंजन झाक दूटा गजल अछि।
७५८. (A) पद्य खण्ड — ई सामग्री पद्य-सूचीमे देल गेल अछि।
७५९. (A) २ टा गजल — पद्य-सूचीमे प्रदीप पुष्पक दूटा गजल अछि।
७६०. (A) स्वावलम्बन/अपन संघर्ष — शीर्षक अपन संघर्ष स्वयं लड़बाक भाव व्यक्त करैत अछि।
७६१. (A) सीता-शील — सूचीमे डॉ. वीणा कर्णक मैथिलीक धरोहर “सीता-शील” क साहित्यिक विवेचना अछि।
७६२. (A) खड्गबल्लभ दास ‘स्वजन’ — अंक २२२क सूचीमे खड्गबल्लभ दास ‘स्वजन’ जीक “सीता-शील” कहल गेल अछि।
७६३. (A) सीता आ नारी-शीलक आदर्श — शीर्षक सीताक चरित्र आ शीलक साहित्यिक आदर्शकेँ केन्द्रमे रखैत अछि।
७६४. (A) बीहनि लेख — सूचीमे “भवादित्य” — बीहनि लेख : वैशिष्ट्य अछि।
७६५. (A) वैशिष्ट्य — अंक २२२मे “बीहनि लेख : वैशिष्ट्य” रूपमे उल्लेख अछि।
७६६. (A) रक्षिता — सूचीमे प्रणव झा — “रक्षिता” (लघु कथा) अछि।
७६७. (A) रक्षा/संरक्षणक भावभूमि — रक्षिता शीर्षक रक्षा आ संबंधक कथा-संभावना खोलैत अछि।
७६८. (A) आलोचना, सिद्धान्त आ कथा-विधाक संतुलन — सीता-शील विवेचना, बीहनि लेख आ रक्षिता कथा तीन अलग गद्य स्वर अछि।
७६९. (A) बीहनि लेख/लघु गद्यक गुण — उपशीर्षक बीहनि लेखक वैशिष्ट्यपर संकेत करैत अछि।
७७०. (A) नारी-चरित्र आ संरक्षण/शीलक क्षेत्र — दुनू शीर्षक नारी-चरित्र, आदर्श आ संरक्षणक भावभूमि सँ जुड़ैत अछि।
७७१. (A) मैथिली जोग गीत मे प्रेम आ तंत्र केर प्रभाव — सूचीमे लेख मैथिली जोग गीतमे प्रेम आ तंत्रक प्रभावपर अछि।
७७२. (A) प्रेम आ तंत्र — शीर्षक स्वयं प्रेम आ तंत्रक प्रभावकेँ जोग गीतसँ जोड़ैत अछि।
७७३. (A) ३ टा गजल — पद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक तीन गजल अछि।
७७४. (A) प्रेम चालीसा — सूचीमे ‘अनिल’क “प्रेम चालीसा” अछि।
७७५. (A) प्रेमक स्तुति/क्रमबद्ध काव्य-विस्तार — चालीसा शब्द क्रमबद्ध स्तुतिपरक/भाव-प्रधान काव्य संरचना संकेत करैत अछि।
७७६. (A) फगुआ मुक्तक, गजल आ जोगीरा — सूचीमे राजीव रंजन झा — फगुआ (मुक्तक), गजल आ जोगीरा देल अछि।
७७७. (A) होली/फगुआक लोक-उत्सव — फगुआ मैथिली लोक-संस्कृतिमे होली/वसंत-उत्सवक गीत-धारा सँ जुड़ल अछि।
७७८. (A) गजल — पद्य-सूचीमे ओम प्रकाश — गजल अछि।
७७९. (A) मन/हृदयक भाव — शीर्षक मोनक गीत अंतःभाव आ आत्मीयता दिस संकेत करैत अछि।
७८०. (A) आधुनिक गजल आ लोक-गीत दुनू — पद्य-सूचीमे गजल संग फगुआ-जोगीरा-गीत सेहो अछि, जे लोक आ आधुनिक स्वर जोड़ैत अछि।
७८१. (A) चारिटा — सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक चारिटा लघु कथा अछि।
७८२. (A) दूटा — सूचीमे राजदेव मण्डलक दूटा बीहैन कथा देल अछि।

७८३. (A) मधुश्रावण — सूचीमे “लोक वेद आ व्यवहारक पाबनि मधुश्रावण” अछि।
७८४. (A) मानवशास्त्रीय विवेचन — शीर्षकक अंतमे मानवशास्त्रीय विवेचन कहल गेल अछि।
७८५. (A) पाबनिक बहुस्तरीय सांस्कृतिक आधार — लोक-वेद-व्यवहारक जोड़ पाबनिक सांस्कृतिक जटिलता देखबैत अछि।
७८६. (A) विछोहक नोर — सूचीमे ओम प्रकाश — विहनि कथा — विछोहक नोर अछि।
७८७. (A) वियोग आ आँसुक भाव — विछोह आ नोर शब्द वियोगजनित दुःखक संकेत दैत अछि।
७८८. (A) झमटबा गाछ — सूचीमे गुफरान जीलानी — झमटबा गाछ अछि।
७८९. (A) गाछ/प्रकृति-बिम्ब — शीर्षकमे गाछक उल्लेख प्रकृति आ लोक-परिवेशकेँ आगे आनैत अछि।
७९०. (A) लघु कथा, बीहैन कथा, पाबनि-विवेचन आ विहनि कथा — सूचीमे कथा-विधासभक संग मधुश्रावण पाबनि पर विवेचन अछि।
७९१. (A) कविता/रुबाइ — पद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हार — कविता/रुबाइ अछि।
७९२. (A) २ टा गजल — सूचीमे ‘अनिल’क दूटा गजल अछि।
७९३. (A) ३टा गजल — सूचीमे राजीव रंजन झाक ३टा गजल देल अछि।
७९४. (A) नेपालक वर्तमान मैथिली साहित्यक मूल्यांकन — संपादकीयमे नेपालक वर्तमान मैथिली साहित्यक मूल्यांकन विशेषांकक बात अछि।
७९५. (A) दिनेश यादव — संपादकीयमे संयोजक श्री दिनेश यादव रहताह कहल गेल अछि।
७९६. (A) नीलमाधव चौधरी — संपादकीय अंशमे दोसर भागमे नीलमाधव चौधरी जीक रचना आमंत्रित कएल जाएबाक उल्लेख अछि।
७९७. (A) कैलाश कुमार मिश्र — संपादकीयमे कैलाश कुमार मिश्रजीकेँ टिप्पणी लेल आमंत्रित करबाक बात अछि।
७९८. (A) रचनाकारक रचना आ आलोचकक टिप्पणीक संवाद — आमंत्रित रचना आ आमंत्रित आलोचकक टिप्पणी साहित्यिक संवादक पद्धति बनबैत अछि।
७९९. (A) छोट काव्यरूप आ गजल दुनू — पद्य-सूचीमे कविता/रुबाइ आ गजल दुनू उपलब्ध अछि।
८००. (A) लघुकथा, बीहैन कथा, पाबनि-विवेचन आ विहनि कथा — अंकक सूची गद्य-विधा आ सांस्कृतिक विवेचनक मिश्रण देखबैत अछि।
८०१. (A) मैथिलानी केर उपराग राम सं आ समाज सं : सीता दाई केर वेदना — सूचीमे ई शीर्षक डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक नामसँ देल गेल अछि।
८०२. (A) मैथिलानी, राम आ समाजक संबंध — शीर्षक मैथिलानी, राम आ समाजक सम्बन्धमे सीताक वेदनाक विमर्श खोलैत अछि।
८०३. (A) औझका डायरी — गद्य-सूचीमे रवि भूषण पाठक — औझका डायरी अछि।
८०४. (A) डायरी/दैनिक टिप्पणी — डायरी शब्द वैयक्तिक टिप्पणी आ दिनचर्या-आधारित लेखन सूचित करैत अछि।
८०५. (A) संगम तीरे — सूचीमे रवीन्द्र नारायण मिश्र — संगम तीरे अछि।
८०६. (A) नदी-संगमक तट — संगम तीरे शीर्षक नदी-संगम आ तट-संवेदनाक बिम्ब बनबैत अछि।
८०७. (A) प्रो. हरिमोहन झाजीक गजल — गद्य/आलोचना-सूचीमे प्रो. हरिमोहन झाजीक गजल पर आशीष अनचिन्हारक सामग्री अछि।
८०८. (A) गजल-समालोचना/स्मरण — शीर्षक गजल आ हरिमोहन झाजीक काव्य-संसारक चर्चा दिस संकेत करैत अछि।
८०९. (A) विमर्श, वैयक्तिक लेखन आ स्थल-संवेदना — तीनू शीर्षक अलग-अलग गद्य स्वर प्रस्तुत करैत अछि।
८१०. (A) आक्षेप/व्यथा/असंतोषक स्वर — उपराग शब्द शिकायत/असंतोषक भाव भूमिकाकेँ सूचित करैत अछि।
८११. (A) पुरुषक नहि विश्वासे — सूचीमे मैथिली लघुकथा अंतर्गत “पुरुषक नहि विश्वासे” अछि।
८१२. (A) पुरुष पर अविश्वास/लैंगिक सम्बन्ध — शीर्षक पुरुष, विश्वास आ सामाजिक सम्बन्धक समस्या दिस संकेत करैत अछि।
८१३. (A) अरजल जमीन — सूचीमे प्रणव झा — अरजल जमीन अछि।
८१४. (A) भूमि/स्वामित्व/अर्जनक सामाजिक प्रसंग — अरजल जमीन शीर्षक जमीन आ अर्जनक सामाजिक अर्थ खोलैत अछि।
८१५. (A) जुड़िशीतल गीत — पद्य-सूचीमे अमरनाथ मिश्र — जुड़िशीतल-गीत अछि।
८१६. (A) जुड़िशीतल पाबनि — जुड़िशीतल मिथिलाक पाबनि-संस्कृतिसँ जुड़ल गीतक विषय अछि।
८१७. (A) ममताक अनुभूति — जुड़िशीतल पर विशेष — सूचीमे “ममताक अनुभूति” जुड़िशीतल पर विशेष रूपमे अछि।

८१८. (A) हाइकू — पद्य-सूचीमे रश्मि किरण झा — हाइकू अछि।
८१९. (A) डॉ. जया वर्मा — सूचीमे मैथिली कविता translated into English by Dr. Jaya Verma कहल गेल अछि।
८२०. (A) गैर-निवासी/प्रवासी पाठक — VIDEHA FOR NON RESIDENTS शीर्षक प्रवासी पाठकवर्गक संकेत दैत अछि।
८२१. (A) दूटा — सूचीमे राजदेव मण्डल — दूटा बीहैन कथा अछि।
८२२. (A) २ टा निबन्ध आ एकटा यात्रा-वृत्तान्त — सूचीमे रवीन्द्र नारायण मिश्र — २ टा निबन्ध आ एकटा यात्रा वृत्तान्त अछि।
८२३. (A) मनुष्यक क्रोध आ ओकर कारण — अंक २२५क पाठमे “क्रोध” निबन्ध मनुष्यक भाव आ कष्टसँ उत्पन्न क्रोधपर केन्द्रित अछि।
८२४. (A) भावुक प्राणी — पाठमे मनुख भावुक प्राणी होइत अछि कहल गेल।
८२५. (A) दूटा — सूचीमे नन्द विलास राय — दूटा लघु कथा अछि।
८२६. (A) तीन गोटा — सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डल — तीन गोटा लघु कथा अछि।
८२७. (A) सदाचारक तावीज — सूचीमे प्रणव झा — सदाचारक तावीज (मैथिली लघु नाटिका) अछि।
८२८. (A) सदाचार/नीति केँ तावीज-सदृश मानब — शीर्षक सदाचारकेँ सुरक्षात्मक तावीजक प्रतीक रूपमे देखबैत अछि।
८२९. (A) गद्य-विधाक बहुविध विस्तार — सूचीमे बीहैन कथा, निबन्ध, यात्रा-वृत्तान्त, लघु कथा आ लघु नाटिका अछि।
८३०. (A) यात्राक प्रत्यक्ष अनुभव/वर्णन — यात्रा-वृत्तान्त यात्रा-आधारित अनुभवात्मक गद्यक रूप अछि।
८३१. (A) २ टा गजल — पद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक दूटा गजल अछि।
८३२. (A) दू दर्जन कविता — सूचीमे राम विलास साहु — दू दर्जन कविता अछि।
८३३. (A) कविताक पर्याप्त संख्या/समृद्ध पद्य उपस्थिति — दू दर्जन कविता काव्य-सामग्रीक प्रचुरता सूचित करैत अछि।
८३४. (A) गजल — पद्य-सूचीमे ‘अनिल’ — गजल अछि।
८३५. (A) गजल — सूचीमे राजीव रंजन झा — गजल अछि।
८३६. (A) गजल-विधाक निरंतरता — आशीष, अनिल आ राजीव रंजन झा आदि गजलसँ उपस्थित छथि।
८३७. (A) ४ टा सचित्र बाल कविता — बालानां कृतेमे डॉ. शशिधर कुमार “विदेह”क ४ टा सचित्र बाल कविता अछि।
८३८. (A) बाल कवितामे चित्रात्मक प्रस्तुति सेहो अछि — सचित्र शब्द बाल कविताक दृश्यात्मक/चित्रयुक्त रूप सूचित करैत अछि।
८३९. (A) वयस्क काव्य-पाठक आ बाल पाठक दुनू — गजल-कविता संग बाल कविता रहबाक कारणे पाठकवर्ग विस्तृत होइत अछि।
८४०. (A) कथा-निबन्ध-नाटिका-पद्य-बाल कविता — अंकमे गद्य, नाटिका, पद्य आ बालानां कृते सभ खण्ड अछि।
८४१. (A) रबीन्द्र नारायण मिश्र — अंक २२६क सूचीमे रबीन्द्र नारायण मिश्रक चारिटा रचनाक उल्लेख अछि।
८४२. (A) मकर संक्रान्ति — सूचीमे “मकर संक्रान्ति” आजादक अन्त्येष्टि पछिला शीर्षकक रूपमे देल अछि।
८४३. (A) इलाहाबादक एलफ्रेड पार्क — रचनामे आजादक मृत्यु इलाहाबादक एलफ्रेड पार्क, जे बादमे आजाद पार्क भेल, सँ जोड़ल गेल अछि।
८४४. (A) श्रीमती कमला नेहरू — रचनामे शिवनायक मिश्रकेँ कमला नेहरू द्वारा पठाओल संवादवाकसँ सूचना भेटबाक प्रसंग अछि।
८४५. (A) घटनाक प्रत्यक्ष साक्षी आ संस्कार-व्यवस्था सँ जुड़ल व्यक्ति — पद्यकान्त मालवीय आजादक अन्त्येष्टिक साक्षी आ संस्कारक प्रयत्नमे उपस्थित व्यक्ति रूपे वर्णित छथि।
८४६. (A) आजाद महान देशभक्त छलाह, हुनक सम्मान आवश्यक — टंडनक कथनमे आजादक देशभक्तिक सम्मान आ जुलूसक समर्थनक भाव अछि।
८४७. (A) मकर राशि — लेखमे पौष मासमे सूर्य मकर राशिमे अबैत छथि तखन ई पावनि मानबाक बात अछि।
८४८. (A) पोंगल — लेखक तमिलनाडु-संदर्भमे मकर संक्रान्तिकेँ पोंगल कहबाक उल्लेख करैत छथि।
८४९. (A) तिला सकराँति — मिथिलांचलमे एहि पर्वकेँ तिला सकराँति कहल जाइत अछि।
८५०. (A) लोक-वेदक सुख बढ़य, ई मंगलकामना — लेखमे सूर्यक तेज बढ़बाक उपमा दैत सभ लोक-वेदक सुख बढ़बाक कामना व्यक्त अछि।
८५१. (A) रबीन्द्र नारायण मिश्र — अंक २२६क चारू सूचीबद्ध रचना रबीन्द्र नारायण मिश्रक नामाखाली अछि।
८५२. (A) दूरभाष निरीक्षक पदक प्रशिक्षण — लेखक अगस्त १९७३ मे दूरभाष निरीक्षक पदक प्रशिक्षण लेल राँची गेल छलाह।

८५३. (A) योगदा सत्संग मठ — लेखमे डॉ. शुभद्र झाक संग योगदा सत्संग मठमे रहबाक प्रसंग अछि।
८५४. (A) सहयोगी, स्वाध्यायशील आ अनुशासनप्रिय — लेखक हुनक सहयोग, साँझक भेंट, स्वाध्याय आ भेष-भूषा पर टोकबाक बात लिखैत छथि।
८५५. (A) अंगेठी सँ कार्बनमोनोक्साइड कारण एक प्रशिक्षक मृत्यु — लेखमे एक प्रशिक्षु रातिमे अंगेठी जरा सुति गेलाह आ कार्बनमोनोक्साइडसँ मृत्युक प्रसंग अछि।
८५६. (A) मानसिक स्वास्थ्यक महत्त्व आ करुणा — मानसिक रोगी सभक दशा देखि लेखकक मन करुणा आ मानसिक स्वास्थ्यक चिन्तासँ भरि जाइत अछि।
८५७. (A) ज्योतिन्द्रनाथ टैगोर — लेखक मोहरावादी हिल/टैगोर हिलकेँ ज्योतिन्द्रनाथ टैगोरक शान्ति-ध्यान-साधना सँ जोड़ैत छथि।
८५८. (A) पुरान स्मृति आ बदलल नगरक तुलना — शीर्षक आ प्रसंग दुनूमे चारि दशक पछिला वापसीक स्मृति-तुलना अछि।
८५९. (A) ग्राम्य जीवन आ लोक अनुभवक चर्चा — शीर्षक गाम, लोकानुभव आ समाज-स्मृतिक विषयक संकेत करैत अछि।
८६०. (A) इतिहास-स्मरण, पावनि, शहर-संस्मरण आ गामक जीवन — आजाद, मकर संक्रान्ति, राँची आ गामक बात — चारू मिलि विविध गद्य-संसार बनबैत अछि।
८६१. (A) नीलमाधव चौधरी — सूचीमे “नीलमाधव चौधरी- ढेर रास कविता” मुख्य रूपे देल अछि।
८६२. (A) एक रचनाकारक बहुविध कविताक विशेष प्रस्तुति — शीर्षकसँ नीलमाधव चौधरीक अनेक कविताक संकलन स्पष्ट होइत अछि।
८६३. (A) समाजक बदलल नैतिकता आ अपन सुन्न पड़ल प्रतिरोध — कविता “हम सब एतेक कोना बदलि सकैत छी” जकाँ आत्म-सामाजिक प्रश्न उठबैत अछि।
८६४. (A) बाहरी सशक्तता संग भीतरी असुरक्षा आ अपमान — कविता प्रगति बनाम अवनति, असंतोष, असुरक्षा आ अपमानक प्रश्न रखैत अछि।
८६५. (A) गाछक रुग्णता आ नग्नता — कविता गाछ, रुग्णता आ नग्नताक बिम्बसँ प्रकृति-नियमक प्रश्न उठबैत अछि।
८६६. (A) सामाजिक अन्याय आ अधिकारहीनताक आलोचना — कविता धूर्तता, शिक्षा-संस्कार, अभाव, अधिकार आ मरब-जीबक प्रश्न जोड़ैत अछि।
८६७. (A) आत्मदंश, अस्वीकार आ लौटि अयबाक उम्मीद — कवितामे अस्वीकार, प्रेमातुर मोन, समय आ लौटि अयबाक उम्मीदक भाव अछि।
८६८. (A) निज प्रदेश आ सम्मानक स्मृति — कविता वेश्या/शराबक स्थानसँ भिन्न मिथिलाक आन आ टूटल मचान पर लौटबाक चित्र खींचैत अछि।
८६९. (A) मिथिलाक उपेक्षा आ लोकनेतृत्वक विफलता — कवितामे बिहार, मिथिला, नेता, सभा आ उपेक्षा सम्बन्धी पंक्ति सभ अछि।
८७०. (A) बीमारी, स्कूल, भोजन, चाह आ घरेलू तनाव — कविता मुनियॉक बीमारी, मनोहरक स्कूल, घर-भोजन आ दाम्पत्य तनावक दृश्य बनबैत अछि।
८७१. (A) सामाजिक आत्मालोचना आ निजी पीड़ाक संगम — कवितासभमे समाज, आत्म, प्रेम, मिथिला आ दिनचर्याक अनेक स्तर एक संग आबैत अछि।
८७२. (A) हम सचमुच ठीक छी कि नै, एहि पर विचार — शीर्षक आ अन्तर्वस्तु दुनू पाठककेँ अपन सामाजिक सुन्नता पर सोचए बाध्य करैत अछि।
८७३. (A) उचित अधिकार लेल लोकक संघर्ष आ लाचारी — “उचित अधिकार”सँ जुड़ल पंक्ति सामाजिक न्याय आ लाचारीक भाव खोलैत अछि।
८७४. (A) अपने अपन हंता — “अपने अपन हंता”मे प्रेमातुर मोन, अस्वीकार आ उम्मीदक भाव केंद्रमे अछि।
८७५. (A) मैथिले मिथिलाकेँ बिसरि गेल, एहि स्वरमे — कविता “मिथिला के अछि मैथिले बिसरल” जकाँ आत्मालोचक पंक्ति दैत अछि।
८७६. (A) मिथिला, नेता, सभा, भोट आ लोकस्मृतिक बिम्बसँ — कविता-स्रोतमे मिथिला, नेता, विधान सभा, भोट आदि बिम्ब देखाइत अछि।
८७७. (A) छोट-छोट घरेलू उलझन आ आर्थिक/परिवारिक दबाव — कवितामे बीमारी, पोथी, घर-द्वार, भोजन आ चाह जकाँ दिनचर्याक दबाव अछि।
८७८. (A) बाहरी समाजक विघटन घरक तनावमे सेहो उतरैत अछि — कविता-सूत्र सामाजिक असंतोषसँ घरक दिनचर्या धरि फैलल अछि।
८७९. (A) एक रचनाकारक व्यापक काव्य-संसारकेँ स्थान देबाक प्रवृत्ति — पूरा अंक मुख्यतः एक रचनाकारक ढेर रास कविताक प्रस्तुति पर केन्द्रित अछि।
८८०. (A) शीर्षक, बिम्ब, सामाजिक प्रश्न आ निजी स्वर सभकेँ जोड़ि पढ़ब — कवितासभ व्यक्तिगत, सामाजिक आ क्षेत्रीय बोधक संलग्न पाठ चाहैत अछि।
८८१. (A) गौरी चोरनी, गौरी डाईन आ गौरी छिनारि : मधुश्रावणी कथा केर द्वन्द — गद्य-सूचीमे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक मधुश्रावणी कथा केर द्वन्द विषयक लेख अछि।
८८२. (A) खिस्सा-सुखैत पोखैर प्यासल गाम — गद्य-सूचीमे प्रणव झा — “खिस्सा-सुखैत पोखैर प्यासल गाम” देल अछि।
८८३. (A) छः गोट लघु कथा — सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डल — ६ गोट लघु कथा देल अछि।
८८४. (A) तीन टा बिंदु — गद्य खण्डमे आशीष अनचिन्हार — “तीन टा बिंदु” अछि।

८८५. (A) लोककथा/पर्व-विमर्श, खिस्सा, लघुकथा आ वैचारिक बिंदु — गद्य सूचीमे मधुश्रावणी विमर्श, खिस्सा, लघुकथा आ तीन टा बिंदु साथे अछि।
८८६. (A) मधुश्रावणी कथा — शीर्षकक उपशीर्षक स्पष्ट कहैत अछि जे ई मधुश्रावणी कथा केर द्वन्द पर अछि।
८८७. (A) जल-स्रोत सुखाएल आ गाम प्यासल — लोकजीवनक संकट — शीर्षक पोखैर आ प्यासल गामक विरोधाभाससँ सामाजिक/लोक संकटक संकेत करैत अछि।
८८८. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — गद्य-सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक ६ गोटा लघु कथा अछि।
८८९. (A) गद्य — “तीन टा बिंदु” गद्य खण्डमे सूचीबद्ध अछि।
८९०. (A) शीर्षक सभक सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ मिलाकए पढ़ब — गद्य खण्डक शीर्षक सभ लोकजीवन, कथा आ आलोचनात्मक विमर्शक पाठ माँगैत अछि।
८९१. (A) चारि टा गजल — पद्य सूचीमे “अनिल”क ४ टा गजल देल अछि।
८९२. (A) दू टा गजल — पद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हार — २ टा गजल अछि।
८९३. (A) एक दर्जन कविता — सूचीमे राम विलास साहुक १ दर्जन कविता देल अछि।
८९४. (A) दू गोटा कविता — पद्य खण्डमे डॉ. शशिधर कुमार “विदेह”क २ गोटा कविता अछि।
८९५. (A) गामक कचोट — पद्य-सूचीमे डॉ. कैलाश कुमार मिश्र — “गामक कचोट” देल अछि।
८९६. (A) जगदीश चन्द्र ठाकुर “अनिल” आ आशीष अनचिन्हार — पद्य-सूचीमे “अनिल”क चारि गजल आ आशीष अनचिन्हारक दू गजल अछि।
८९७. (A) गामक पीड़ा आ स्मृतिजन्य चुभन — शीर्षकमे गाम आ कचोटक मेल ग्राम्य पीड़ाक संकेत दैत अछि।
८९८. (A) डॉ. शशिधर कुमार “विदेह” — बालानां कृतेमे डॉ. शशिधर कुमार “विदेह”क २ टा बाल कविता अछि।
८९९. (A) वयस्क कविता-पाठक आ बाल पाठक दुनू — गजल-कविता संग बाल कविता रहबाक कारण पाठकवर्ग विस्तृत होइत अछि।
९००. (A) गद्य, पद्य आ बाल-कविता तीनू स्तर उपस्थित — सूचीमे गद्य, पद्य आ बालानां कृते तीनू खण्ड देखाइत अछि।
९०१. (A) बीहनि कथा — गद्य-सूचीमे अब्दुर रज्जाक — बीहनि कथा देल अछि।
९०२. (A) दू टा बीहनि कथा — सूचीमे राजदेव मण्डल — २ टा बीहनि कथा अछि।
९०३. (A) आयोजनक विवरण — गद्य-सूचीमे ‘सगर राति दीप जरय’क १३म आ १४म आयोजनक उल्लेख अछि।
९०४. (A) मिथिलाक लोक संगीत/लोक कला भगैत गबैय — सूचीमे उमेश मण्डल — मिथिलाक लोक संगीत/लोक कला भगैत गबैय देल अछि।
९०५. (A) अब्दुर रज्जाक आ राजदेव मण्डल — अब्दुर रज्जाकक बीहनि कथा आ राजदेव मण्डलक दू बीहनि कथा गद्य खण्डमे अछि।
९०६. (A) मिथिलाक लोक संगीत/लोक कला भगैत गबैय — लोक संगीत/लोक कला भगैत गबैय शीर्षक लोक-कला पक्षकें स्पष्ट करैत अछि।
९०७. (A) साहित्यिक-सांस्कृतिक गतिविधिक निरंतरता — आयोजनक १३म आ १४म उल्लेख निरंतर सांस्कृतिक क्रियाक संकेत दैत अछि।
९०८. (A) बीहनि कथा संग आयोजन आ भगैत गबैयक लेख — गद्य खण्डमे कथा, आयोजन आ लोक-संगीत/लोक-कला एक संग अछि।
९०९. (A) लघु/बीज-आकारक कथा-विधाक सक्रिय उपस्थिति — अब्दुर रज्जाक आ राजदेव मण्डल दुनूक नाम बीहनि कथा सँ जुड़ल अछि।
९१०. (A) लघुकथा, सांस्कृतिक आयोजन आ लोक परम्पराक मिश्रण — सूचीमे बीहनि कथा, आयोजन आ लोक-संगीत/लोक-कला तीनू आयाम स्पष्ट अछि।
९११. (A) चारि टा गजल — पद्य-सूचीमे “अनिल”क ४ टा गजल देल अछि।
९१२. (A) दू टा गजल — पद्य खण्डमे आशीष अनचिन्हारक २ टा गजल अछि।
९१३. (A) शिव भजन — सूचीमे राजेश मोहन झा “गुंजन” — शिव भजन देल अछि।
९१४. (A) नवगीत — पद्य-सूचीमे राजेश वर्मा “भवादित्य” — नवगीत अछि।
९१५. (A) दू टा बालगीत — बालानां कृतेमे बृषेश चन्द्र लालक २ टा बालगीत अछि।
९१६. (A) धार्मिक, गेय आ आधुनिक पद्य-विधाक संगम — गजल, शिव भजन आ नवगीतक संगति पद्य-विधाक विविधता देखबैत अछि।
९१७. (A) “अनिल” चारि गजल आ आशीष दू गजल — सूचीमे ४ गजल आ २ गजल दू पृथक योगदान देल अछि।

११८. (A) राजेश वर्मा “भवादित्य” — राजेश वर्मा “भवादित्य”क नामक आगाँ नवगीत देल अछि।
११९. (A) बाल पाठक — बालानां कृते शीर्षक स्पष्ट रूपे बाल पाठक लेल अछि।
१२०. (A) गजल, भजन, नवगीत आ बालगीतक बहुविध उपस्थिति — पद्य सूची आ बालानां कृते मिलि चारि प्रमुख रूप देखबैत अछि।
१२१. (A) “कतेक रास बात” इन्टरनेटपर मैथिलीक पहिल उपस्थिति नै अछि — गद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक लेख “कतेक रास बात” इन्टरनेटपर मैथिलीक पहिल उपस्थिति नै अछि।
१२२. (A) झोल — सूचीमे मुन्ना जी — बीहनि कथा “झोल” देल अछि।
१२३. (A) बुद्धिचौ — गद्य सूचीमे बृषेश चन्द्र लाल — बुद्धिचौ अछि।
१२४. (A) मिथिलाक लोक संगीत/लोक कला भगैत गबैया — उमेश मण्डलक शीर्षक मिथिलाक लोक संगीत/लोक कला भगैत गबैया अछि।
१२५. (A) आशीष अनचिन्हार — इन्टरनेटपर मैथिलीक पहिल उपस्थिति सम्बन्धी लेख आशीष अनचिन्हारक अछि।
१२६. (A) ओ मैथिलीक पहिल इन्टरनेट उपस्थिति नै अछि — शीर्षक साफ कहैत अछि जे “कतेक रास बात”कें पहिल इन्टरनेट उपस्थिति नहि मानल गेल अछि।
१२७. (A) मुन्ना जी — मुन्ना जीक “झोल” बीहनि कथा रूपमे सूचीबद्ध अछि।
१२८. (A) गद्य — बृषेश चन्द्र लालक “बुद्धिचौ” गद्य खण्डमे देल अछि।
१२९. (A) इन्टरनेट इतिहास, बीहनि कथा, लोक-कला आ स्वतंत्र गद्य — गद्य सूचीमे इन्टरनेट लेख, बीहनि कथा, बुद्धिचौ आ लोक-कला लेख अछि।
१३०. (A) भगैत गबैया विषयक क्रमिक/पुनरावृत्त रुचि — अंक २२९ आ २३० दुनूमे उमेश मण्डलक मिथिलाक लोक संगीत/लोक कला भगैत गबैया/गबैया शीर्षक अछि।
१३१. (A) चारि टा गजल — पद्य-सूचीमे “अनिल”क ४ टा गजल देल अछि।
१३२. (A) जरल कपार — पद्य सूचीमे कमलेश प्रमेन्द्र — “जरल कपार” देल अछि।
१३३. (A) गजल — पद्य-सूचीमे प्रदीप पुष्प — गजल अछि।
१३४. (A) धन रूप आ गुण (दहेजक पसाही) — सूचीमे राजेश मोहन झा “गुंजन” — “धन रूप आ गुण (दहेजक पसाही)” अछि।
१३५. (A) दहेज-सम्बन्धी सामाजिक बुराइ — शीर्षकमे दहेजक पसाही स्पष्ट सामाजिक आलोचनाक संकेत अछि।
१३६. (A) हमर पोती — बालानां कृतेमे बृषेश चन्द्र लाल — बालगीत “हमर पोती” अछि।
१३७. (A) जगदीश चन्द्र ठाकुर “अनिल” आ प्रदीप पुष्प — “अनिल”क ४ टा गजल आ प्रदीप पुष्पक गजल पद्य-सूचीमे अछि।
१३८. (A) गजल, स्वतंत्र कविता, दहेज-विषयक गीत/पद्य आ बालगीत — पद्य सूचीमे गजल, जरल कपार, धन रूप आ गुण, आ बालगीत “हमर पोती” अछि।
१३९. (A) दुर्दशा/व्यथा अथवा तीख पीड़ाक बिम्ब — शीर्षकक “जरल” आ “कपार” मिलि कष्ट/व्यथा-सूचक बिम्ब बनबैत अछि।
१४०. (A) इन्टरनेट-विमर्श, बीहनि कथा, लोककला, गजल, सामाजिक पद्य आ बालगीत — अंक २३०मे गद्य आ पद्य दुनूमे इतिहास, कथा, लोककला, सामाजिक प्रश्न आ बाल साहित्य साथे अछि।
१४१. (A) चारिटा लघुकथा — अंकक सामग्री-सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक “चारिटा लघु कथा” गद्य खण्डक पहिल योगदान रूपे अछि।
१४२. (A) चारिटा आलेख — गद्य-सूची रबिन्द्र नारायण मिश्रक नामक संग चारिटा आलेखक उल्लेख करैत अछि।
१४३. (A) मैथिली खिस्सा — सूचीमे शीर्षक “चक्रफाँस”क बाद कोष्ठकमे मैथिली खिस्सा लिखल अछि।
१४४. (A) बीहनि कथा — गद्य खण्डमे “माया”क संग स्पष्ट रूपे बीहनि कथा लिखल अछि।
१४५. (A) सेमी-सरकारी सहयोगसँ साहित्यिक कार्यक्रमक आयोजन — लघुकथा आरम्भमे सेमी-सरकारी सहयोग, जन-सहयोग आ साहित्यिक कार्यक्रमक आयोजनक बात करैत अछि।
१४६. (A) मंचक गंभीरता बीच लोक-हास्य आ गप्प-सप्पक रंग — दूनु पात्रक आँखिक इशारा, तमाकुल-चून आ मंचीय गप कथा कें लोक-हास्यक धरातल दैत अछि।
१४७. (A) पंचमुखी महादेव मन्दिर आ गामक पोखैर — लेखमे नवका पोखैरक दक्षिणी भीरपर पंचमुखी महादेवक मन्दिर, जलढरी आ गामक लोक-स्मृति अछि।

१४८. (A) पोखैर-मन्दिर परिसरक निस्वार्थ देख-रेख आ सफाई करनिहार — लेखक वंगट काकाकेँ परिसरक नियमित सफाई आ भक्ति-भावसँ सेवा करनिहार उदाहरण रूपे स्मरण करैत छथि।
१४९. (A) दहेज/वैवाहिक विवादमे भारतीय दण्ड संहिताक ४९८ 'ए'क दुरुपयोग — लेखमे ४९८ 'ए', दहेज, वैवाहिक विवाद, गिरफ्तारी आ दुरुपयोगक प्रश्न उठाओल गेल अछि।
१५०. (A) पुणेक नौकरी आ गाम-प्रदेशमे शिक्षक बनि सेवा करबाक सोचक बीच — खिस्सामे दीपक बी.सी.ए.क बाद पुणेमे डाटा-प्रोसेसर छथि, मुदा शिक्षक-भर्ती आ गाम-घरक बच्चा पढ़ेबाक विचार सेहो आबैत अछि।
१५१. (A) दूटा गजल — पद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक नामक संग दूटा गजल लिखल अछि।
१५२. (A) चारिटा गजल — अंक २३१क पद्य-सूचीमे “अनिल”क चारि गजल देल अछि।
१५३. (A) जनतासँ कटि गेल सत्ता-प्रतिनिधिक व्यंग्यात्मक आलोचना — कवितामे “कहबै छी हम जनप्रतिनिधि मुदा भेंटब नै” सन स्वर सत्ता-व्यवहारक आलोचना करैत अछि।
१५४. (A) लोक-दुख छोड़ि अपन धन आ शक्ति बढ़ेबाक व्यस्तता — कवितामे निर्धन, अन्याय, रेल-यातायात, बेरोजगारी आदि प्रश्नक उपेक्षा आ धन-वृद्धिक भाव देखाइत अछि।
१५५. (A) हास्य रस — शीर्षकक संग कोष्ठकमे हास्य रस देल अछि।
१५६. (A) साँप जेना जुट्टी काटि गेल चुड़ैल — कविता “साँप जेना जुट्टी केँ काटि गेल चुड़ैल”क पुनरावृत्तिसँ हास्य दृश्य बनबैत अछि।
१५७. (A) मनोरंजन मात्र, अन्धविश्वाससँ सम्बन्ध नहि — रचनाक अन्तिम टिप्पणीमे एकर उद्देश्य मनोरंजन कहल गेल अछि आ अन्धविश्वाससँ सम्बन्ध नहि बताओल गेल अछि।
१५८. (A) बेटीकेँ नहि पढ़ेबाक आ “लड़की” कहि घरमे रोकबाक आलोचना — कवितामे “नै अहाँ ओकरा पढ़लौ” आ “लड़की कहि कऽ घर बैठलौ” जकाँ पंक्ति बेटी-शिक्षाक प्रश्न उठबैत अछि।
१५९. (A) व्यक्तिक एकाकीपन आ अपने-अपने सहचर होयबाक भाव — गजल आरम्भे “छै सभ कियो असगर / अपने अपन सहचर” द्वारा एकाकी जीवन-स्थितिक भाव बनबैत अछि।
१६०. (A) गजल, राजनीतिक व्यंग्य, हास्य-कविता आ बेटी-विषयक कविता एकसंग अछि — आशीषक गजल, अनिलक गजल, जनप्रतिनिधि, काटि गेल जुट्टी आ बेटी मिलि पद्य खण्डकेँ विविध बनबैत अछि।
१६१. (A) कोढ़िया सरधुआ आ त्रिकालदर्शी — सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक दूटा लघुकथा “कोढ़िया सरधुआ” आ “त्रिकालदर्शी” नामसँ अछि।
१६२. (A) हमर लॉटरी निकलल आ शिक्षाक अन्तिम उद्देश्य — गद्य-सूची नन्द विलास राय केर “हमर लॉटरी निकलल” आ “शिक्षाक अन्तिम उद्देश्य”क उल्लेख करैत अछि।
१६३. (A) नीशा मुक्ति आ बरहम बाबा — सूचीमे बेचन ठाकुरजीक दूटा एकांकी “नीशा मुक्ति” आ “बरहम बाबा” देल अछि।
१६४. (A) मिथिला स्टूडेंट यूनियनक काजपर रिपोर्ट — गद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक रिपोर्ट मिथिला स्टूडेंट यूनियनक काजपर केन्द्रित अछि।
१६५. (A) आधा दर्जन लघुकथा — अंकक आगूक सूचीमे कपिलेश्वर राउतक “आधा दर्जन लघु कथा” देल अछि।
१६६. (A) चारिटा लघुकथा — सूचीमे नारायण यादवक नामक संग चारिटा लघुकथा लिखल अछि।
१६७. (A) निज अनुभव/संस्मरणक धरातल — शीर्षक “पहिल नौकरी” आ गद्य खण्डमे ओकर स्थान अनुभव-आधारित संस्मरणात्मक लेखनक संकेत दैत अछि।
१६८. (A) बीहनि कथा — सूचीमे “आज़ादी”क बाद बीहनि कथा लिखल अछि।
१६९. (A) नशा छोड़बाक अभियान आ जन-जागरूकता — एकांकीक भीतर नीशाबन्दी, मानव-श्रृंखला, नशा हटाउ सन नारा आ संवाद देखाइत अछि।
१७०. (A) बरहम बाबाक गहबर, पूजा आ लोकगीत — एकांकीक प्रसंगमे बरहम बाबाक गहबर, पूजा, फूल-दीप आ लोक-गायनक वातावरण अछि।
१७१. (A) एकटा बाल गजल आ दूटा गजल — सूचीमे आशीष अनचिन्हारक एक बाल गजल आ दूटा गजल देल अछि।
१७२. (A) चारिटा गजल — पद्य-सूचीमे “अनिल”क चारि गजल उल्लेखित अछि।
१७३. (A) दूटा कविता — अंकक सूची अम्बिकेश कुमार मिश्रक दूटा कविता देखबैत अछि।
१७४. (A) अनेक लेखकक लघुकथा आ बीहनि कथा एकसंग देल अछि — जगदीश, नन्द विलास, कपिलेश्वर, नारायण आ मिथिलेश सभक कथात्मक योगदान सूचीमे अछि।

१७५. (A) अचानक लाभ/उत्साहक कथा-विन्यास — शीर्षक लॉटरी निकललाक अनुभव आ आकस्मिक प्रसन्नताक कथा-संभावना दिस संकेत करैत अछि।
१७६. (A) शिक्षाक लक्ष्य आ मानवीय अर्थपर विचार — शीर्षक शिक्षा केवल परीक्षा नहि, ओकर अन्तिम उद्देश्य की हो, एहि विचारक संकेत करैत अछि।
१७७. (A) नोकरी, यात्रा, परिवार आ गाम-घरक स्मृति — रबिन्द्र नारायण मिश्रक गद्य-प्रसंगमे नौकरी, दरभंगा, गाम आ विवाह-स्मृति सन जीवन-रेखाक संकेत भेटैत अछि।
१७८. (A) संगठन, सामाजिक काम आ समकालीन सक्रियताक दस्तावेजी पक्ष — रिपोर्ट-विधा गद्य खण्डमे समकालीन संगठनात्मक काजक दस्तावेजी दृष्टि जोड़ैत अछि।
१७९. (A) विधा-विविधता आ बहु-स्वरक प्रस्तुति — सूची नाटक, कथा, रिपोर्ट, गजल, कविता आ बाल गजल सभकेँ एके अंकमे समाहित करैत अछि।
१८०. (A) कथा-पाठक, नाटक-रुचिवान, गजल-पाठक आ बाल-पाठक — गद्य, एकांकी, गजल, कविता आ बाल गजल मिलि बहुविध पाठक-वर्गकेँ जोड़ैत अछि।
१८१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक तीनटा बीहनि कथा संग्रह — अंक २३३क सूचीमे गद्य शीर्षक अंतर्गत जगदीश प्रसाद मण्डलक तीनटा बीहनि कथा संग्रह मुख्य सामग्री अछि।
१८२. (A) संक्षिप्त, बीज-जकाँ कथा-विन्यास — “बीहनि कथा” शब्दे छोट, बीजवत आ संकेतपूर्ण कथा-रूपक दिश संकेत करैत अछि।
१८३. (A) नेपालक वर्तमान मैथिली साहित्य विषयक विशेषांक — सम्पादकीयमे नेपालक वर्तमान मैथिली साहित्यक मूल्यांकन लेल विशेषांक निकलबाक योजना लिखल अछि।
१८४. (A) सभ विधाक आलोचना, समीक्षा आ समालोचना — सम्पादकीय प्रस्तावित सामग्री रूपे आलोचना-समीक्षा-समालोचना आदि सभ विधाक उल्लेख करैत अछि।
१८५. (A) नीलमाधव चौधरी — सम्पादकीय दोसर भागमे नीलमाधव चौधरीक रचना आमंत्रित करबाक बात कहैत अछि।
१८६. (A) कैलाश कुमार मिश्र — सम्पादकीय नीलमाधव चौधरीक रचना आ रचनाधर्मितापर टिप्पणी लेल कैलाश कुमार मिश्रक आमंत्रणक उल्लेख करैत अछि।
१८७. (A) भारत-नेपालक मैथिली साहित्यिक सेतु — नेपालक वर्तमान मैथिली साहित्य विशेषांकक आशा भारत आ नेपाल दूनू पायामे साहित्यिक सेतु बनबाक रूपमे अछि।
१८८. (A) इन्टरनेटपर मैथिलीक उपस्थिति आ विदेह ई-पत्रिकाक यात्रा — सम्पादकीय “भालसरिक गाछ” जालवृत्तसँ आरम्भ भेल इन्टरनेट-यात्रा आ विदेह ई-पत्रिका धरिक क्रम कहैत अछि।
१८९. (A) एके लेखकक बीहनि कथा-संसारकेँ समेकित रूपे पढ़बाक अवसर — तीनटा संग्रह एकसंग देल रहला सँ पाठक एक लेखकक बीहनि कथा-विस्तार देख सकैत अछि।
१९०. (A) सम्पादकीय विमर्श संग एक लेखकक बीहनि कथा-संग्रहक केन्द्रित प्रस्तुति — आरम्भिक सूचीमे गद्यक रूपमे जगदीश प्रसाद मण्डलक तीन बीहनि कथा संग्रह आ सम्पादकीय विमर्श प्रमुख अछि।
१९१. (A) बीहनि कथाक संग्रह — पुस्तक-परिचयमे बजान्ता-भुझन्ता केँ बीहनि कथा-संग्रहक रूपमे चिन्हित कएल गेल अछि।
१९२. (A) बोलचाल, लोक-लय आ परस्पर बुझबाक चंचलता — शीर्षकक ध्वनि लोक-भाषा, संवाद आ चुटीला कथा-संकेतक वातावरण बनबैत अछि।
१९३. (A) लघु आकारमे अनेक जीवन-क्षण पकड़बाक प्रवृत्ति — संग्रह-रूपमे बहु शीर्षक कथा-विधाक संक्षिप्त, अनेक प्रसंगमय प्रकृतिकेँ देखबैत अछि।
१९४. (A) मैथिली लघु-कथा/बीहनि कथा विधाक निरन्तर पोषण लेल — अंक २३३ पूरा रूपे हुनक तीनटा बीहनि कथा-संग्रहकेँ स्थान दैत अछि, जे विधाक प्रतिष्ठा देखबैत अछि।
१९५. (A) छोट बीजमे पैघ कथा-संभावना — बीहनि/बीजक अर्थ कथा-संकेत, संक्षिप्तता आ विस्तारक सम्भावना दुनू दिस लऽ जाइत अछि।
१९६. (A) मुद्रित/संग्रहित सामग्रीकेँ ई-पत्रिकामे सुरक्षित करबाक प्रयत्न — अंकमे संग्रहक पूर्ण अंश समाहित अछि, जे पुरान पुस्तक-सामग्रीकेँ ई-पत्रिका माध्यमे पहुँच देबाक प्रयत्न देखबैत अछि।
१९७. (A) छोट-छोट प्रसंगक अर्थ-सूत्र पकड़ि पढ़ब — बीहनि कथा छोट होइतहुँ संकेत-प्रधान होइत अछि, तँ पाठकक सक्रिय अर्थ-ग्रहण अपेक्षित अछि।
१९८. (A) साहित्यिक संस्थागत योजना आ रचनात्मक कथा-संसार — सम्पादकीयमे विशेषांक/आलोचना-योजना अछि आ मुख्य भागमे बीहनि कथा-संग्रह, एहि सँ द्वि-स्वर बनैत अछि।

१९९. (A) गाम-समाज, लोक-चरित्र आ सूक्ष्म अनुभवक झलक — बीहनि कथा विधा प्रायः लोकजीवनक सूक्ष्म प्रसंग, चरित्र आ व्यवहारकें तीक्ष्ण रूपमे पकड़ैत अछि।
१०००. (A) बीहनि कथा-संसारक विस्तृत पठन सँ आगूक अंकक संग्रह-विशेष प्रस्तुति दिस बढ़ब — अंक २३३ संग्रह-केंद्रित अछि, आ आगूक अंकसभमे सेहो जगदीश प्रसाद मण्डलक संग्रह-विशेष प्रस्तुति जारी देखाइत अछि।
१००१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक सातटा पद्य-संग्रह — अंक २३४क सूचीमे “जगदीश प्रसाद मण्डलक ७ टा पद्य संग्रह” मुख्य सामग्री रूपे देल अछि।
१००२. (A) मैथिली गीतक संकलन — पुस्तक-परिचयमे सुखायल पोखरिक जाइठ कें मैथिली गीतक संग्रह रूपे प्रस्तुत कएल गेल अछि।
१००३. (A) मैथिली कविताक संकलन — अंग्रेजी परिचयमे इन्द्रधनुषी अकास कें मैथिली कविताक संग्रह बताओल गेल अछि।
१००४. (A) मैथिली गीतक संकलन — पुस्तक-परिचयमे तीन जेठ एगारह माघ कें गीत-संग्रहक रूपमे चिन्हित कएल गेल अछि।
१००५. (A) गीत/कविता-समर्पणक भाव — गीतांजलि नाम स्वयं गीत-समर्पण, काव्याभिव्यक्ति आ भाव-संवेदनाक ओर संकेत करैत अछि।
१००६. (A) मैथिली कविता आ गीतक संकलन — सतबेधक परिचयमे मैथिली कविता आ गीतक संकलनक संकेत भेटैत अछि।
१००७. (A) एक लेखकक गीत-कविता-विस्तारकें संग्रह रूपमे सुरक्षित करब — सातटा पद्य-संग्रहक समावेश एक लेखकक काव्य-संसारकें विस्तृत रूपे रखैत अछि।
१००८. (A) सूखल पोखैर, गामक जल-स्मृति आ लोकजीवन — शीर्षकमे पोखैर आ जाइठक ग्रामीण-जलस्मृति प्रधान बिम्ब अछि।
१००९. (A) लयात्मक गेयता आ मुक्त काव्यात्मकता दुनूक संगम — संग्रहक परिचयमे गीत-संग्रह, कविता-संग्रह आ गीत-कविता संग्रह दुनू प्रकारक पद्य-रूप भेटैत अछि।
१०१०. (A) पत्रिकाक संस्थागत संवादक बाद विस्तृत काव्य-संग्रह प्रस्तुति — आरम्भमे सम्पादकीय/सम्मान-सूची आदि आ तकर बाद जगदीश प्रसाद मण्डलक पद्य-संग्रह मुख्य भाग बनैत अछि।
१०११. (A) भीतरक लोभ, छल आ मानवीय दुर्बलताक संकेत — दृश्य-पाठमे “रहसा चोर” शीर्षक आ कथन-स्वर सामाजिक-मानसिक चोरिक रूपक दिस संकेत करैत अछि।
१०१२. (A) रोजगारहीनता आ नेतृत्व/व्यवस्था पर कटाक्ष — कवितामे बेरोजगारी, देशक युवा, नेता आ नौकरीक आशा सम्बन्धी स्वर देखाइत अछि।
१०१३. (A) बोलबला शुभचिन्ता आ वास्तविक बेरोजगार जीवनक अन्तर — कविता कथित शुभचिन्तक नेता आ बेरोजगार जनजीवनक बीच फाँक देखबैत अछि।
१०१४. (A) मधुमाछीक जोग, परिश्रम, संचय आ परिवार-संवेदना — कवितामे मधुमाछी, मधु, रानी, महल, संचय आ समूह-जीवनक चित्र अछि।
१०१५. (A) परिश्रमसँ बनल मधुर सामूहिक जीवन — मधुमाछी मधु बनबैत अछि; कविता एहि बिम्बकें जीवनक मधुरता आ परिश्रमसँ जोड़ैत अछि।
१०१६. (A) युवा मनक रंग, जोश, स्मृति आ बेचैनी — शीर्षक आ पंक्ति सभ युवा अवस्था, मनक रंग, योग-वियोग आ चैतन्यक भाव लऽ कऽ चलैत अछि।
१०१७. (A) बहुरंगी अनुभव आ भाव-दृष्टिक आकाश — इन्द्रधनुषी अकास नामे अनेक रंग आ भाव-स्तरक काव्यदृष्टि सूचित करैत अछि।
१०१८. (A) पोखैर, अकास, मधुमाछी सन बिम्ब समाजक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि — पोखैर, अकास, मधुमाछी, बेरोजगारी आदि शीर्षक प्राकृतिक बिम्ब आ सामाजिक प्रश्नक मेल देखबैत अछि।
१०१९. (A) युवाक भविष्य, रोजगार आ जीवन-दिशाक चिन्ता — बेरोजगारी युवावस्थाक असुरक्षा आ जुआनीक ऊर्जा, दुनू मिलि युवा-जीवनक प्रश्न बनबैत अछि।
१०२०. (A) लोकजीवन, प्रकृति, श्रम आ सामाजिक आलोचनाकें गीतात्मक भाषा देब — दृश्य कविता शीर्षक आ पाठ-स्वर प्रकृति-बिम्ब, श्रम, बेरोजगारी आ लोकजीवनक मिश्रित काव्य रूप देखबैत अछि।
१०२१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक छहटा नाट्य-संग्रह — अंक २३५क सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक ६ टा नाट्य-संग्रह मुख्य सामग्री रूपे अछि।
१०२२. (A) एकांकी-संचयन — पुस्तक-परिचयमे पंचबटी कें एकांकी-संचयन, अर्थात एकांकी नाटक-संग्रह, रूपे प्रस्तुत कएल गेल अछि।
१०२३. (A) मैथिली नाटक — शीर्षक-पृष्ठक अंग्रेजी परिचय “मैथिली भाषाक नाटक”क रूपमे ओकरा चिन्हित करैत अछि।
१०२४. (A) विवाह-संस्कारक उलझन आ हास्य/तनाव — शीर्षकमे बिआह आ झमेलिया शब्द मिलि विवाहक उलझल सामाजिक नाटकक संकेत दैत अछि।
१०२५. (A) बेटीक स्थिति, सम्मान आ परिवार-समाजक दृष्टि — शीर्षक स्वयं बेटीकें मिथिलाक सामाजिक-सांस्कृतिक केन्द्रमे रखैत अछि।
१०२६. (A) चयन, विवाह आ सामाजिक निर्णयक प्रसंग — स्वयंवर शब्द विवाह-चयनक परम्परागत नाट्य-स्थितिक संकेत दैत अछि।

- १०२७. (A) अपराध, परिवर्तन आ चरित्र-नाट्यक सम्भावना** — रत्नाकर डकैत शीर्षक अपराधी चरित्र, संघर्ष आ सम्भावित रूपान्तरणक नाटकीय ऊर्जा बनबैत अछि।
- १०२८. (A) मैथिली नाट्य-साहित्यकें संग्रहित आ उपलब्ध कराबय** — एके अंकमे छहटा नाट्य-संग्रह राखल गेल अछि, जे नाट्य-साहित्यक संरक्षण/प्रसारक उद्देश्य देखबैत अछि।
- १०२९. (A) एकांकी आ दीर्घ नाट्य-रचना दुनू रूप** — पंचबटी एकांकी-संचयन अछि, जबकि कम्प्रोमाइज, झमेलिया बिआह, मिथिलाक बेटी, स्वयंवर, रत्नाकर डकैत नाट्य-पुस्तक रूपे देल अछि।
- १०३०. (A) सामाजिक समझौता, विवाह, बेटी, चयन आ अपराध-परिवर्तन** — शीर्षक-सूत्रे कम्प्रोमाइज, बिआह, बेटी, स्वयंवर आ डकैतक प्रसंग व्यापक सामाजिक-नाट्य क्षेत्र बनबैत अछि।
- १०३१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल** — मुख्य सूची स्पष्ट करैत अछि जे छहटा नाट्य-संग्रह जगदीश प्रसाद मण्डलक अछि।
- १०३२. (A) छोट आकारक मंचनीय रचना सभक संग्रह** — एकांकी-संचयन छोट नाट्यरचना सभकें एकठाम करैत अछि, जे मंचन आ पाठ दुनू लेल उपयोगी होइत अछि।
- १०३३. (A) समझौता, समायोजन आ टकरावक समाधान** — कम्प्रोमाइज शब्द विवाद/सम्बन्धमे समझौता आ समायोजनक नाटकीय स्थितिक संकेत करैत अछि।
- १०३४. (A) बिआहक सामाजिक रस, उलझन आ परिवारिक टकराव** — बिआह मिथिला समाजक महत्वपूर्ण सार्वजनिक संस्कार अछि; झमेलिया शब्द ओकर हास्य-तनाव खोलैत अछि।
- १०३५. (A) बेटीक अस्मिता आ समाजक व्यवहार** — शीर्षक बेटीकें केन्द्रीय पात्र/विषय रूपे रखैत अछि आ सामाजिक व्यवहारक प्रश्न उठबैत अछि।
- १०३६. (A) विवाह-चयनक पुरान रूपक माध्यमे आजुक निर्णय-संकट देखब** — स्वयंवर परम्परागत विवाह-चयनक शब्द अछि, जे मंचपर सामाजिक निर्णय आ अधिकारक प्रश्न खोलि सकैत अछि।
- १०३७. (A) अपराधी पात्रक टकराव, आत्मबोध आ परिवर्तनक नाट्य-यात्रा** — शीर्षकमे डकैत पात्र अछि; एहन पात्र नाटकमे संघर्ष, अपराध-बोध आ रूपान्तरणक सम्भावना बनबैत अछि।
- १०३८. (A) मैथिली नाटक आ रंगमंच-साहित्यकें डिजिटल रूपे पाठक धरि पहुँचाबय** — पूर्ण नाट्य-संग्रहसभकें अंकमे देब मैथिली नाट्य-साहित्यक डिजिटल प्रसारक ठोस रूप अछि।
- १०३९. (A) एक लेखकक नाट्य-लेखनक विविध रूपक तुलनात्मक पढ़ाइ** — पंचबटी सँ रत्नाकर डकैत धरि कई शीर्षक एकसंग रहला सँ पाठक नाट्य-विषय आ रूपक तुलना कऽ सकैत अछि।
- १०४०. (A) मैथिली रंगमंचक सामाजिक, पारिवारिक आ सांस्कृतिक विषयकें संग्रह-रूपे सामने आनब** — नाट्य शीर्षकसभमे विवाह, बेटी, समझौता, चयन आ अपराध-परिवर्तन जकाँ सामाजिक-सांस्कृतिक धरातल अछि।
- १०४१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल** — अंक २३६क आरम्भिक सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक पाँच टा एकांकी-संग्रह देल गेल अछि।
- १०४२. (A) एकांकी** — वीरांगना शीर्षकक ऊपर स्पष्ट रूपे “एकांकी” लिखल अछि आ अंग्रेजी परिचयमे One-Act Play कहल गेल अछि।
- १०४३. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल** — वीरांगना शीर्षक-पृष्ठ पर लेखक रूपे जगदीश प्रसाद मण्डल लिखल अछि।
- १०४४. (A) ग्राम्य समाजक बहु-पात्र उपस्थिति** — पात्र-सूचीमे गामक अलग-अलग उमेरक लोक-नाम अछि, जाहिसँ ग्रामीण संवाद-समाज उभरैत अछि।
- १०४५. (A) स्त्री पात्र** — वीरांगना पुस्तकमे स्त्री पात्रक अंतर्गत रूपनी, कुशेशरी आ कोशिला देल छथि।
- १०४६. (A) सोनामनकाका आ चेथरक बातचीत** — पहिल दृश्यक आरम्भमे सोनामनकाका, रूपनीदीदी, चेथर आदि पात्रक घरेलू/गामक संवाद चलैत अछि।
- १०४७. (A) सोनामनकाका** — दृश्यमे सोनामनकाका समाज आ अपमानक प्रसंग पर चिंता व्यक्त करैत छथि।
- १०४८. (A) एकांकी** — कल्याणीक मुखपृष्ठ पर “एकांकी” लिखल अछि आ ओही संग्रह-क्रममे देल अछि।
- १०४९. (A) ग्राम्य जीवनक व्यवहारिक समस्या** — कल्याणीक संवादमे खेती-बाड़ी, खाइ-पिबै, स्कूल-माटी-पानीक प्रश्न उठैत अछि।
- १०५०. (A) लोकजीवन, परिवार आ समाज-संरचना पर केन्द्रित एकांकी** — दूनू रचना एकांकी रूपमे गाम, घर, स्त्री-पुरुष संवाद आ सामाजिक दबावकें मंचपर आनैत अछि।
- १०५१. (A) एकांकी** — समझौता शीर्षक-पृष्ठ पर “एकांकी” देल अछि।
- १०५२. (A) टकरावक बाद सम्बन्ध-संयोजन वा समाधान** — समझौता शब्द विवाद, दूरी आ फेर समायोजनक नाटकीय प्रक्रिया दिस संकेत करैत अछि।

१०५३. (A) परिवार, लालन-पालन आ जिम्मेदारी — अन्तिम संवादमे बच्चा, परिवार, स्त्रीक सीमा आ घर-समाजक जिम्मेदारीक विचार अबैत अछि।
१०५४. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — तामक तमघैलक शीर्षक-पृष्ठ पर लेखक रूपे जगदीश प्रसाद मण्डल देल छथि।
१०५५. (A) घरेलू-ग्राम्य सामाजिक संवादक वातावरण — रचनामे रागिणी, रविन्द्र, पीपरवाली आ अनुराधा जकाँ पात्रक संवाद घर-समाजक तनाव खोलैत अछि।
१०५६. (A) परिवारक भीतर सम्बन्ध, अधिकार आ अपेक्षा — संवादमे कनियाँ, बेटा-पुतोहु, नारी, घर आ मर्यादाक चर्चा परिवारिक समाजशास्त्र बनबैत अछि।
१०५७. (A) लोक-मैथिली संवाद — संवाद-शैलीमे गामक लोक-स्वर, संबोधन आ आपसी खटपट स्पष्ट अछि।
१०५८. (A) मैथिली एकांकी साहित्यकें संग्रहित रूपे प्रस्तुत करब — एके अंकमे जगदीश प्रसाद मण्डलक अनेक एकांकी-संग्रह राखब नाट्य-साहित्यक उपलब्धता बढ़बैत अछि।
१०५९. (A) नारी, परिवार, गाम, संघर्ष आ समाधान — शीर्षक आ संवाद दूनु सामाजिक सम्बन्ध, स्त्री-स्थिति, परिवारिक टकराव आ लोकजीवन पर केन्द्रित अछि।
१०६०. (A) मंचन योग्य संवादक संग सामाजिक प्रश्न पढ़बाक अवसर — एकांकी सभ संवादप्रधान अछि आ लोकजीवनक प्रश्नकें मंचीय रूप दैत अछि।
१०६१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — अंक २३७क सामग्री-सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक नौ टा उपन्यास-संग्रहक उल्लेख अछि।
१०६२. (A) मैथिली उपन्यास — शीर्षक-पृष्ठ पर THOOTH GACHH आ “A Maithili Novel” लिखल अछि।
१०६३. (A) सूखल/कटल जीवन आ समाजक जड़ता — ठूठ गाछक बिम्ब सूखल जीवन, कटाव आ जड़ भऽ गेल सामाजिक स्थितिक प्रतीक बनि सकैत अछि।
१०६४. (A) एक, दू, तीन सँ आगू क्रममे — अनुक्रममे अध्याय “एक”, “दू”, “तीन”, “चारि” आदि क्रमांकित नामसँ देल अछि।
१०६५. (A) जिनगीक झंझावात आ नव बिहानीक आशा — समर्पणक पंक्तिभमे झंझावात, पात, हरियरी आ नव विहानक बिम्ब देखाइत अछि।
१०६६. (A) खेती, पशु, गामक बाट आ लोकक दैनन्दिन जीवन — आरम्भिक पाठमे गाम, खेत, गाछ, पशु-पक्षी आ लोक-चाल-चलनक संकेत अछि।
१०६७. (A) जीवन-सौन्दर्य आ सूखल अस्तित्वक तनाव — गाछक बिम्ब उपन्यासमे जीवनक रंग आ सूखल सामाजिक स्थिति बीच तनाव बनबैत अछि।
१०६८. (A) दीर्घ कथात्मक लेखनकें पाठक धरि व्यवस्थित पहुँचाबय — नौ उपन्यास-संग्रहक उल्लेख दीर्घ गद्य-साहित्यकें संग्रहित करबाक योजना देखबैत अछि।
१०६९. (A) दीर्घ कथा क्रमशः बढ़ैत देखबाक अनुभव — एक सँ दस धरि अध्यायक्रम उपन्यासक दीर्घ, क्रमिक कथा-विस्तार स्पष्ट करैत अछि।
१०७०. (A) पहिल उपन्यास रूपे सामाजिक-प्रकृतिक बिम्बक स्वर खोलैत अछि — अंकमे ठूठ गाछ पहिल प्रमुख उपन्यास-संग्रह रूपे अबैत अछि आ ग्रामीण-सामाजिक कथा-दुनिया आरम्भ करैत अछि।
१०७१. (A) मैथिली उपन्यास — जीवन-मरणक अंग्रेजी परिचयमे “A Maithili Novel” लिखल अछि।
१०७२. (A) जीवनक जूझन आ मृत्यु-बोध — शीर्षक अपने आपमे जीवन आ मरणक बीच संघर्ष/चिन्तनक कथा-सूत्र खोलैत अछि।
१०७३. (A) दू भाग — अनुक्रममे “पहिल” आ “दोसर” दू भागक संकेत भेटैत अछि।
१०७४. (A) समुदाय, नैतिकता आ सामूहिक सोचक प्रश्न — पाठमे गाम, समाज, मंगला, देवनायक आ लोक-निर्णयक प्रसंग सामाजिक यथार्थ खोलैत अछि।
१०७५. (A) समाजक भीतर मतभेद आ सुधारक सम्भावना — संवादमे समाज, बुराई, निर्णय, सहयोग आ परिवर्तनक चर्चा अछि।
१०७६. (A) गामक लोक मिलि निर्णय लेबाक बात — पाठांशमे लोक मिलि सामाजिक बुराई हटेबाक आ निर्णय लेबाक बात उठैत अछि।
१०७७. (A) ग्रामीण समाज, जीवन-संघर्ष आ नैतिक प्रश्नक उपन्यास संसार — दूनु शीर्षक आ आरम्भिक पाठ ग्रामीण-सामाजिक यथार्थ, जीवनक संघर्ष आ परिवर्तनक जरूरतकें रेखांकित करैत अछि।
१०७८. (A) दीर्घ कथाक संरचना बुझबामे सहायता — क्रमांकित अध्याय आ भाग उपन्यासक विस्तार आ विकासकें व्यवस्थित करैत अछि।
१०७९. (A) कथाक निर्णय, टकराव आ परिवर्तन सामूहिक जीवनसँ जुड़ल अछि — ग्राम-समाजक बहस आ निर्णयक प्रसंग जीवन-मरणक सामाजिक धरातल बनबैत अछि।
१०८०. (A) दीर्घ गद्यक माध्यमे लोकजीवनक संघर्ष आ आशा देखब — उपन्यास शीर्षक, अनुक्रम आ प्रारम्भिक पाठ सभ जीवन-संघर्ष, समाज आ आशाक दीर्घ कथात्मक प्रस्तुति करैत अछि।
१०८१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — अंक २३८क सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक दू टा दीर्घकथा-संग्रह देल अछि।

१०८२. (A) दीर्घ कथा-संग्रह — शीर्षक-पृष्ठ पर SHAMBHUDAS आ “Collection of Long Stories” लिखल अछि।
१०८३. (A) भूमिका/आरम्भिक वक्तव्य — कथाक-सूचीमे “दू शब्द” पहिल प्रविष्टि रूपे अछि, जे भूमिका-जकाँ आरम्भिक संकेत दैत अछि।
१०८४. (A) दीर्घकथा-संग्रहक कथा — मड़िगार शम्भुदासक कथाक-सूचीमे देल एक कथा अछि।
१०८५. (A) शम्भुदास — संग्रहक शीर्षक स्वयं शम्भुदास अछि आ कथासूचीमे शम्भुदास शीर्षक सेहो अछि।
१०८६. (A) दण्ड, अपराध, संकट वा मृत्यु-बोध — फाँसी शीर्षक दण्ड, जीवन-संकट आ नैतिक प्रश्नक गम्भीर कथा-संकेत दैत अछि।
१०८७. (A) लेखन-प्रक्रिया वा कथा-सूचीगत दस्तावेजी अंश — कथाक-सूचीमे “कथा लेखन क्रम” देल अछि, जे रचनाक लेखन-सूत्र वा क्रम दर्शबैत अछि।
१०८८. (A) कम संख्या मुदा दीर्घ आकारक कथासभ — दीर्घकथा-संग्रहमे कम शीर्षक रहितो कथा दीर्घ आकार आ विस्तारक होइत अछि।
१०८९. (A) पाठक सँ संवाद आ लेखनक भावभूमि — दू शब्द शीर्षकक प्रारम्भिक गद्य लेखकक लेखन आ पाठकीय संवादक धरातल बनबैत अछि।
१०९०. (A) मैथिलीमे मध्यम/दीर्घ कथात्मक गद्यक संरक्षण — दू दीर्घकथा-संग्रह देब मैथिली दीर्घ गद्यक व्यापक प्रस्तुति अछि।
१०९१. (A) भूमिका, कथा आ लेखकीय दस्तावेजक मिश्रित संग्रह — सूचीमे आरम्भिक वक्तव्य, कथात्मक शीर्षक आ लेखन-क्रम तीनू तरहक अंश अछि।
१०९२. (A) ग्रामीण श्रम, देहाती पेशा वा लोकजीवन — मड़िगार शीर्षक लोकजीवनक श्रमशील, ग्रामीण धरातल दिस संकेत करैत अछि।
१०९३. (A) केन्द्रीय कथा-चिह्न — संग्रहक नाम शम्भुदास होयब बतबैत अछि जे ई शीर्षक संग्रहक केन्द्रस्थ कथा-बिम्ब अछि।
१०९४. (A) जीवन-मृत्यु, दोष-दण्ड आ नैतिक संकट — फाँसी शब्द आपात, दण्ड आ मृत्यु-बोधक तीक्ष्ण कथा-तनाव बनबैत अछि।
१०९५. (A) रचनाक्रम सुरक्षित राखबाक दस्तावेजी चेतना — लेखन-क्रमक उल्लेख कथाकार अपन रचनात्मक यात्रा आ कालक्रम दर्ज करैत छथि।
१०९६. (A) कथा-पाठक रचनाक पृष्ठभूमि आ विकास दुनू बुझैत अछि — भूमिका लेखकक सोच बतबैत अछि आ लेखन-क्रम रचनाक विकासक प्रमाण दैत अछि।
१०९७. (A) शीर्षकसभ समाज, श्रम, व्यक्ति आ नैतिक प्रश्नसँ जुड़ल अछि — मड़िगार, शम्भुदास, फाँसी जकाँ शीर्षक व्यक्ति, समाज आ संकटक लोक-धरातल खोलैत अछि।
१०९८. (A) दीर्घकथा कथा-विश्वकेँ अधिक विस्तार दैत अछि — अंक २३८ दीर्घकथा-संग्रह पर केन्द्रित अछि, जहाँ कथा विस्तृत रूपे फैलैत अछि।
१०९९. (A) कथा-संरचना, पात्र आ लेखकीय क्रमकेँ संग-संग पढ़ब — संग्रहमे कथा शीर्षकक संग लेखन-क्रम अछि, अतः पाठक कथा आ रचना-यात्रा दुनू देखैत अछि।
११००. (A) दीर्घकथा माध्यमे लोकजीवनक गम्भीर प्रश्नक विस्तार — संग्रह दीर्घकथा रूपमे लोकजीवन, संकट आ लेखकीय दृष्टिक विस्तृत प्रस्तुति करैत अछि।
११०१. (A) लघुकथा-संग्रह — अंक २३९क सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक तीन टा लघुकथा-संग्रहक उल्लेख अछि।
११०२. (A) Short Stories संग्रह — शीर्षक-पृष्ठ पर BHAKMOR आ “Collection of Short Stories” लिखल अछि।
११०३. (A) पहिल कथा-शीर्षक — भकमोड़क कथासूचीमे मनमनियाँ पहिल प्रविष्टि रूपे अछि।
११०४. (A) जमीन, स्वामित्व आ जीविका — शीर्षकमे जमीनक छोट टुकड़ा सेहो कथाक केन्द्र बनैत अछि, जे सामाजिक-आर्थिक संघर्षक संकेत अछि।
११०५. (A) उलझन, फँसाव वा सम्बन्धक जटिलता — ओझरी शब्द उलझल स्थिति वा जटिल सम्बन्धक कथा-सूत्र दिस संकेत करैत अछि।
११०६. (A) बारी-बगान/ग्रामीण परिवेश — केलवाड़ी नाम ग्रामीण बारी-बगान आ लोक-परिवेशक बिम्ब दैत अछि।
११०७. (A) अपन रोजी-रोजगार बनाबय — स्वरोजगार शीर्षक बेरोजगारी वा आत्मनिर्भर आजीविकाक प्रश्नक ओर संकेत करैत अछि।
११०८. (A) घर-आँगनक राख/कूड़ा/ऊष्मा-संस्कृति — घूर ग्रामीण घर-आँगनक परिचित वस्तु अछि, जे लोकजीवनक प्रतीक बनि सकैत अछि।
११०९. (A) स्त्री, विवाह, बच्चा आ घरेलू सम्बन्ध — कनियाँ-पुतरा शब्द परिवार, विवाह-संबंध आ बच्चा-लोकक सामूहिक स्मृति खोलैत अछि।
१११०. (A) जीवनक मोड़, भटकाव वा सामाजिक टेढ़ापन — भकमोड़ शब्द अपने आपमे मुड़ल/बदलल दिशा आ सामाजिक टेढ़ स्थिति दिस संकेत करैत अछि।
११११. (A) स्थानीय ग्रामीण/कस्बाई जीवन — प्रारम्भमे स्थानीय स्थान, गोष्ठी, कथा-मंच आ लोक-परिसरक संकेत भेटैत अछि।
१११२. (A) साहित्यिक-सामुदायिक संवाद — कथा-संदर्भमे साहित्यिक गोष्ठी आ कथा-पाठक उल्लेख सामुदायिक साहित्यिक वातावरण बनबैत अछि।

१११३. (A) लघुकथा लोकजीवनक छोट-छोट बिन्दु पकड़ैत अछि — जमीन, रोजगार, कनियाँ-पुतरा, घूर आदि शीर्षक रोजमर्रा जीवनक सूक्ष्म कथा-बिन्दु बनबैत अछि।
१११४. (A) गामक सामूहिक राय, लाज आ सामाजिक नजर — गामक मुँह देखब कथन सामूहिक लोकमत, सामाजिक लाज आ प्रतिष्ठाक प्रश्न बनबैत अछि।
१११५. (A) जीविका, जमीन आ आत्मनिर्भरता — दूनू शीर्षक रोजी-रोटी, जमीन आ जीवन-निर्वाहक आधारभूत प्रश्नक संकेत करैत अछि।
१११६. (A) दूनू जीवनक उलझल वा टेढ़ स्थितिक संकेत करैत अछि — ओझरी उलझन बतबैत अछि, आ भकमोड़ मोड़/टेढ़पन; दुनू सामाजिक जटिलता दिस संकेत करैत अछि।
१११७. (A) बहुत नजदीक, कारण शीर्षक लोकबोली आ गामक वस्तुसँ बनल अछि — घूर, कनियाँ-पुतरा, जमीन, केलवाड़ी सन शब्द लोकजीवनक साधारण बोलीक शब्द अछि।
१११८. (A) छोट आकारक कथा-विधाकें संग्रहित करि पाठक धरि पहुँचाबय — तीन लघुकथा-संग्रहक उल्लेख छोट कथा-विधाक डिजिटल उपलब्धता बढ़बैत अछि।
१११९. (A) ग्रामीण समाजक संपूर्ण लघु-चित्र — कथासूची जीवनक कई स्तर — जमीन, गाम, परिवार, रोजगार — कें एकसंग देखबैत अछि।
११२०. (A) छोट शीर्षकसभ द्वारा व्यापक सामाजिक प्रश्न उठबैत अछि — लघुकथा-संग्रह कम शब्दक शीर्षकमे जीवनक पैघ प्रश्न समेटैत अछि।
११२१. (A) लघुकथा/कथा-संग्रह — अंक २४०क सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक तीन टा लघुकथा-संग्रहक उल्लेख अछि, आ दोहरी हाक कथा-संग्रह रूपे खुलैत अछि।
११२२. (A) Short Stories संग्रह — शीर्षक-पृष्ठ पर DOHRI HAK आ “Collection of Short Stories” लिखल अछि।
११२३. (A) कथा-संग्रह — मुखपृष्ठक ऊपर “कथा-संग्रह” लिखल अछि।
११२४. (A) गाम-गाम देव-दुर्गाक स्मरण — समर्पण भावमे गाम-गाम, देव-दुर्गा, भक्ति आ पाप-पुण्यक स्वर अछि।
११२५. (A) फँसल स्थिति वा जीवनक उलझन — किछु मे फँसैर शीर्षक अटकल/फँसल परिस्थिति दिस संकेत करैत अछि।
११२६. (A) ग्राम्य पशुपालन आ आजीविका — महिस ग्रामीण पशुपालन आ आजीविकाक परिचित बिम्ब अछि।
११२७. (A) सम्बन्धक समय, दूरी आ सामाजिक स्थिति — शीर्षक सम्बन्धक समयानुकूलता, टूटन वा सामाजिक दबावक कथा-संकेत दैत अछि।
११२८. (A) सड़क, जमीन आ खेतीक टकराव — सड़क आ खेतक मेल विकास, जमीन आ खेतीक बीच तनाव खोलि सकैत अछि।
११२९. (A) पैसाक चाह, अभाव वा लोभ — पाइक इच्छा शीर्षक धन, चाहना आ जीवन-संघर्षक आर्थिक भाव सूचित करैत अछि।
११३०. (A) लेखक अपन कथा-रचनाक क्रम दर्ज करैत छथि — कथासूचीमे कथा लेखन क्रम अंतिम प्रविष्टि रूपे अछि, जे रचनाक्रमक दस्तावेजी चेतना देखबैत अछि।
११३१. (A) आवाज, पुकार आ सामुदायिक चेतावनी — हाक शब्द लोक-समाजमे पुकार, आवाज आ संबोधनक अर्थ खोलैत अछि।
११३२. (A) दूहरी आवाज, दोहराव वा द्वन्द्व — दोहरी शब्द द्वैधता, दोहराव आ दूनू दिशासँ आबयवला आवाजक संकेत दैत अछि।
११३३. (A) ग्राम्य-सामाजिक जीवनक बहुआयामी संसार — महिस, खेत, सड़क, पाइक इच्छा, सम्बन्ध आदि शीर्षक ग्रामीण जीवनक अनेक पक्ष खोलैत अछि।
११३४. (A) सड़क निर्माण आ खेती-जमीनक सम्बन्ध — सड़क आ खेतक साथ-साथ आना विकास आ कृषि-जीवनक टकरावक संकेत अछि।
११३५. (A) रूप बदलल, पहचानक संकट वा अस्वाभाविक स्थिति — बेरूप शब्द बदलेल रूप, कुरूपता वा पहचानक अस्थिरता दिस संकेत करैत अछि।
११३६. (A) पशुपालन, धन आ आजीविका — पशु आ पैसा दूनू ग्रामीण अर्थव्यवस्था आ घरक जरूरतसँ जुड़ल अछि।
११३७. (A) सम्बन्ध आ जीवनक अटकाव/जटिलता — दूनू शीर्षक जीवनक फँसाव, समय आ सम्बन्धक उलझन पर संकेत करैत अछि।
११३८. (A) लोक-धर्म, कर्म आ आत्म-समीक्षाक धरातल — समर्पण भावमे भक्ति, पाप-पुण्य आ विवेक-बिचारक पंक्ति नैतिक स्वर बनबैत अछि।
११३९. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा/कथा-संग्रहक शृंखला जारी रहैत अछि — अंक २३९ आ २४० दुनूमे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा/कथा-संग्रहक शृंखला आगू बढ़ैत अछि।
११४०. (A) लोकजीवनक पुकार, सामाजिक फँसाव आ आर्थिक-सांस्कृतिक प्रश्नक कथा-दृष्टि — कथासूची आ समर्पण दूनू लोकधर्म, खेत, पशु, पैसा, सम्बन्ध आ आवाजक सामाजिक संसार बनबैत अछि।
११४१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — अंकक आरम्भिक सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक तीनटा लघुकथा-संग्रह देल गेल अछि।

११४२. (A) लघुकथा-संग्रह — शीर्षक-पृष्ठ पर ई संग्रह छोट कथा/लघुकथा-स्वरूपक पुस्तक रूपे प्रस्तुत अछि।
११४३. (A) गाम, परिवार, लोक-विचार आ रोजक समाज — ई शीर्षकसभ गामक व्यवहार, पारिवारिक सोच, लोक-व्यंग्य आ सामाजिक सम्बन्धक संकेत दैत अछि।
११४४. (A) परिश्रम, पसीना आ नैतिक कमाइक मूल्य — पसेना श्रमक चिह्न अछि, आ “धरम” ओकर नैतिक अर्थकेँ बल दैत अछि।
११४५. (A) गामक भू-दृश्य आ लोक-नामक निकटता — नहर, कन्हा/कान्हा सन स्थानीय शब्द पाठकेँ ग्रामीण जीवनक जमीन पर आनैत अछि।
११४६. (A) लघुकथा-संग्रह शृंखला — अंक २४१क तीन संग्रह-क्रममे “फलहार” सेहो जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा-संग्रह रूपे देल अछि।
११४७. (A) घर-गामक रोजमर्रा वस्तु आ देहाती व्यवहार — जामा, गमछा, कुमनी, थरुआ आदि वस्तु-जीवन आ गामक व्यवहारक चिन्ह अछि।
११४८. (A) अन्न, बाँट-चाँट आ लोकरीतिक सामाजिक अर्थ — फलहार भोजनक नाम मात्र नहि, बल्कि खान-पानसँ जुड़ल लोकरीति, अभाव आ संबंधक कथा-संभावना खोलैत अछि।
११४९. (A) समारोह, सम्बन्ध आ सामाजिक लेन-देन — भोज गामक सामूहिकता, मान-सम्मान आ सम्बन्धक व्यवहारसँ जुड़ल रहैत अछि।
११५०. (A) श्रम, भोजन, घरक वस्तु आ लोक-व्यवहारक कथा-स्वर — दूनों संग्रहक शीर्षकसभ श्रम, अन्न, वस्तु, परिवार आ गामक लोक-संसारकेँ कथाक केन्द्र बनबैत अछि।
११५१. (A) अपनपन आ परायापनक तनाव — अपन-बिरान शब्द सम्बन्धक भीतर अपन लोक आ बिरान लोकक भेद-संघर्ष देखबैत अछि।
११५२. (A) बोली-बात आ व्यवहारक महत्त्व — नीक बोल सामाजिक सम्बन्धकेँ बनबय-बिगाड़यमे भाषा आ व्यवहारक भूमिका सूचित करैत अछि।
११५३. (A) घर-समाज, मनुष्यक दूरी आ नजदीकीक भूमि — अपन-बिरानक शीर्षक अपन लोक, बिरानपन, बोलचाल आ जीवन-व्यवहारक बिन्दु पर घूमैत अछि।
११५४. (A) लघुकथा छोट प्रसंगसँ पैघ सामाजिक अर्थ निकालैत अछि — लघुकथा कम शब्दमे जीवनक एक टटका क्षण, व्यंग्य वा विचारकेँ तीक्ष्ण करैत अछि।
११५५. (A) श्रमसँ सम्बन्ध धरि लोकजीवनक नैतिकता — पसेना श्रमक, फलहार अन्नक, आ अपन-बिरान सम्बन्धक संकेत दैत अछि।
११५६. (A) लोकभाषा आ देहाती अनुभवक विश्वसनीयता — साधारण शब्द कथा केँ लोकजीवनक वास्तविक बोलचाल आ अनुभवसँ जोड़ैत अछि।
११५७. (A) बहिन, घर, अपन-बिरान आ भोज-जकाँ सम्बन्धसूचक प्रसंगमे — शीर्षकसभ परिवार, भोजन, श्रम, बोलचाल आ सम्बन्धक प्रश्न उठबैत अछि।
११५८. (A) मैथिली कथाकेँ डिजिटल पाठक धरि पहुँचाबय — विदेह ई-अंकमे संग्रह प्रस्तुत करि मैथिली लघुकथा सामग्रीकेँ सुलभ बनबैत अछि।
११५९. (A) लोकचरित्र आ सम्भावित व्यंग्य — नामधारी शीर्षक प्रायः चरित्र-केन्द्रित कथा, लोक-हास्य वा सामाजिक टिप्पणी दिस संकेत करैत अछि।
११६०. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा-लोकमे श्रम, भोजन, बोली आ सम्बन्धक विस्तार — तीन संग्रहक शीर्षकसभ श्रम, फलहार, अपन-बिरान, बोलचाल आ गामक जीवनकेँ एक निरन्तर कथा-वृत्तमे जोड़ैत अछि।
११६१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — अंक-सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक तीनटा लघुकथा-संग्रहक उल्लेख अछि।
११६२. (A) बाल-जीवन, परिवार आ संस्कार — बाल गोपाल शीर्षक बालक, घर, स्नेह आ संस्कारक कथा-संभावना खोलैत अछि।
११६३. (A) मूल्य, परिवार आ भोजन-संस्कृति — ई शीर्षकसभ पारिवारिक सम्बन्ध, व्यवहार, सिद्धान्त आ अन्नक सामाजिक अर्थ पर संकेत करैत अछि।
११६४. (A) घरक पीढ़ी, विवाहोत्तर सम्बन्ध आ अपेक्षा — बेटा-पुतोहु सम्बन्ध परिवारक सत्ता, स्नेह, कर्तव्य आ टकरावसँ जुड़ल रहैत अछि।
११६५. (A) गामक बाहरी रूपक संग ओकर भीतरक सामाजिक हाल — शकल-सूरत शब्द गामक दिखाई देबयवला चेहरा आ भीतरक सामाजिक बनावट दूनों दिस संकेत करैत अछि।
११६६. (A) लोकनाम आ चरित्र-आधारित कथा — सुखसागर सुखना सन नाम लोक-चरित्र आ व्यंग्यपूर्ण सामाजिक चित्रणक संभावना खोलैत अछि।
११६७. (A) घर, बसोबास, स्वामित्व आ प्रतिष्ठा — मकान गाममे परिवार, जमीन, प्रतिष्ठा आ आर्थिक स्थितिक संकेत दैत अछि।
११६८. (A) गामक जीवन बहुस्तरीय अछि—घर, लोक, प्रतिष्ठा, संघर्ष — कथासूची गामक चेहरा मात्र नहि, बल्कि लोकक व्यवहार आ सम्बन्धक जाल सेहो खोलैत अछि।
११६९. (A) बालक सँ पूरा गाम धरि सामाजिक जीवनक फैलाव — एक संग्रह घर-बालक दिस, दोसर पूरा गामक रूप-रंग दिस दृष्टि बढ़बैत अछि।
११७०. (A) शीर्षक अपने भाषा-संस्कृतिक निकटता सँ कथा-स्वर बनबैत अछि — लोक-मैथिली शीर्षक पाठककेँ तुरन्त गामक भाषा, स्मृति आ सामाजिक परिस्थिति सँ जोड़ैत अछि।

११७१. (A) ग्रामीण भोजन, अभाव आ स्नेहक स्वाद — गुड़, खुद्दी आ रोटी ग्रामीण भोजन-संस्कृति, साधन-संयम आ घरेलू आत्मीयताक चिन्ह अछि।
११७२. (A) कठिन जीवन-स्थिति वा उलझल हाल — उधरा/उधड़ल हाल जीवनक टूटन, दरिद्रता वा सामाजिक उलझनक संकेत दैत अछि।
११७३. (A) धन आ चरित्रक सम्बन्ध पर व्यंग्य वा टिप्पणी — दौलत आ रंगक मेल धनसँ बदलैत व्यवहार, प्रतिष्ठा वा सामाजिक आडम्बर पर कथा बनि सकैत अछि।
११७४. (A) साधारण भोजन सँ परिवार, अभाव आ प्रेमक पैघ अर्थ निकलैत अछि — लोकभोजन मैथिली कथा मे जीवनक असली स्वाद, गरीबी, आत्मीयता आ सामाजिक स्मृति जोड़ैत अछि।
११७५. (A) परिवार, ग्राम-समाज आ जीविका/भोजनक त्रयी — बाल गोपाल, गामक शक्ल-सूरत आ गुड़-खुद्दीक रोटी—तीनू जीवनक मूल सामाजिक आधारकेँ छूबैत अछि।
११७६. (A) साधन-सीमा आ गरीब जनक भोजन-संसार — खुद्दी साधारण अन्न वा टूटल दाना-संसारक संकेत करैत अछि, जे अभावक बीच जीवनक स्वाद बनैत अछि।
११७७. (A) छोट घरेलू प्रसंगसँ पैघ व्यवस्था आ मूल्य पर टिप्पणी द्वारा — लघुकथा रोजक वस्तु, भोजन, परिवार आ गामक प्रसंगसँ सामाजिक आलोचना करैत अछि।
११७८. (A) आवास आ अन्न — मकान रहबाक आधार अछि आ रोटी खायाबाक; दूनू जीवनक मूल सामाजिक-आर्थिक जरूरत अछि।
११७९. (A) गृहस्थी आ गामक संघर्षपूर्ण यथार्थ — ई शब्द परिवार, भोजन, घर आ गामक रोजक जीवनकेँ एकठाम आनैत अछि।
११८०. (A) बाल-परिवार, गामक चेहरा आ साधारण भोजनक भीतर सामाजिक अर्थ खोजयवला स्वर — तीनू संग्रह जीवनक बहुत साधारण चीज—बालक, गाम, रोटी—सँ गहीर सामाजिक अर्थ निकालैत अछि।
११८१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — अंक २४३क सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक तीनटा लघुकथा-संग्रहक क्रम जारी अछि।
११८२. (A) झरैत पात, क्षय, बदलाव आ जीवनक ऋतु-बदलाव — पतझर प्रकृतिक ऋतु-संकेत अछि, जे जीवनमे क्षरण, बदलाव आ नूतन तैयारीक प्रतीक बनैत अछि।
११८३. (A) धन-लालसा वा आर्थिक मानसिकता — पाइक मोन धनक प्रति मनुष्यक चाह, लोभ वा चिन्ता पर कथा बना सकैत अछि।
११८४. (A) सूखल ऋतु आ भीजल ऋतु बीच जीवन-चक्र — पतझर आ बरसात दूनू प्रकृति-ऋतु अछि, जे जीवनक अलग-अलग अवस्था देखबैत अछि।
११८५. (A) सामर्थ्य, अन्धविश्वास आ भयक मिलन — समरथाइ/सामर्थ्य आ भूतक मेल ताकत, डर, भ्रम आ लोकमानस पर व्यंग्यपूर्ण कथा-संकेत दैत अछि।
११८६. (A) स्थानीय शब्द आ लोक-चरित्रक स्वाद — खुजियासर सन शब्द लोक-भाषा, चरित्र आ गामक व्यंग्यात्मक स्वर देत अछि।
११८७. (A) लोकविश्वास, भय आ हास्य-व्यंग्य — जिन्नु-भूत लोकविश्वासक शब्द अछि; लघुकथा ओहि विश्वासकेँ सामाजिक अर्थसँ जोड़ि सकैत अछि।
११८८. (A) प्रकृति-प्रतीकसँ लोकविश्वास आ सामाजिक व्यंग्य धरि — एक संग्रह ऋतु-प्रतीक दिस अछि, दोसर लोकविश्वास आ ताकतक भूत-रूपक दिस।
११८९. (A) ग्रामीण जीवन अनेक स्तर पर चलैत अछि—धन, मौसम, विश्वास, सम्बन्ध — पाइक मोन, पतझर, बरसात, भूत, जिन्नु आदि शीर्षक बहुस्तरीय ग्रामीण मानसिकता देखबैत अछि।
११९०. (A) भयक बहाना सँ असली मनुष्य-व्यवहार पर चोट करैत अछि — लघुकथा भूत-जिन्नु सन लोकविश्वासक माध्यमे सत्ता, डर, भ्रम वा सामाजिक कमजोरी पर टिप्पणी कऽ सकैत अछि।
११९१. (A) ककरो विशेष काल, अवसर वा जीवन-अवस्था — उकरू समय शब्द व्यक्तिक समय, अवसर, भाग्य वा बदलैत परिस्थिति पर संकेत करैत अछि।
११९२. (A) आशा आ भविष्यक प्रतीक्षा — उमेद कथा मे भविष्यक भरोसा, प्रतीक्षा आ मानवीय धैर्यक भाव खोलैत अछि।
११९३. (A) परिवार, विवाह आ नव सम्बन्ध — बबुआ बहु परिवारिक सम्बन्धन अछि, जे घरक भीतर सम्बन्ध, सत्ता आ अपेक्षा पर कथा बना सकैत अछि।
११९४. (A) अनुमान, उपभोग आ सामाजिक आडम्बरक व्यंग्य — भोगचल्ली आ अनुमानक मेल व्यवहार, चाहना आ लोक-आकलनक कथा-संकेत दैत अछि।
११९५. (A) जीवनक बदलाव, स्मृति आ डर/विश्वास — पतझर ऋतु, भूत विश्वास, आ उकरू समय जीवनक कालगत अनुभवकेँ जोड़ैत अछि।
११९६. (A) क्षयक बीच आशा — पतझर झरबाक समय अछि मुदा उमेद नव सम्भावना; दुनू मिलि जीवनक द्वन्द्व देखबैत अछि।
११९७. (A) लोकक डर, भरोसा, अनुमान आ समय-बोध — भूत, उमेद, अनुमान, समय—ई शब्द लोकमानसक डर, आशा आ गणनाक संसार खोलैत अछि।
११९८. (A) विषय-विस्तार, लोक-शब्द आ सम्भावित सामाजिक प्रश्न — कथासूची शीर्षक द्वारा पाठककेँ विषय, स्वर आ लोक-क्षेत्रक पहिल संकेत दैत अछि।

११९९. (A) हर व्यक्ति वा समूहक समय बदलैत अछि, आ कथा ओहि बदलावकेँ पकड़ि सकैत अछि — गामक समाजमे भाग्य, अवसर, उम्र, अधिकार आ प्रतिष्ठा समयक संग बदलैत रहैत अछि।
१२००. (A) ऋतु-बदलाव, लोकविश्वास, धन-मन आ समय-बोधक लघुकथा-दृष्टि — पतझर, समरथाइक भूत आ उकरू समय शीर्षक समूह जीवनक बदलाव, विश्वास आ मनुष्यक समयकेँ केन्द्र मे आनैत अछि।
१२०१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — अंक २४४मे जगदीश प्रसाद मण्डलक तीन लघुकथा-संग्रहक प्रस्तुति भेटैत अछि।
१२०२. (A) माछी/मधुमक्खी जकाँ श्रम, मधुरता आ डँसबाक द्वैत — मधुमाछी मधु-संग्रह, परिश्रम, समूह आ डँसबाक दोहर अर्थक कथा-संकेत दैत अछि।
१२०३. (A) विकास, जड़ आ जीवन-विस्तार — बढैत गाछ जीवनक बढ़वार, जड़, संरक्षण आ समाजक फैलावक प्रतीक बनि सकैत अछि।
१२०४. (A) विवाह, परिवार, खर्च आ मान-मर्यादा — बेटीक बियाह ग्रामीण समाजमे परिवारिक जिम्मेदारी, प्रतिष्ठा आ आर्थिक दबावसँ जुड़ल रहैत अछि।
१२०५. (A) पूरा ग्राम्य जीवनक कथा-दुनिया — गामक जिनगी शीर्षक गामक आर्थिक, सामाजिक, पारिवारिक आ सांस्कृतिक जीवनकेँ समेटबाक संकेत दैत अछि।
१२०६. (A) गामक जीवन बहु-प्रसंगी आ विस्तृत कथा-संसार अछि — गामक जिनगीक सूची बहुत रचना देखबैत अछि, जाहिसँ ग्राम्य जीवनक अनेक कोन उभरैत अछि।
१२०७. (A) मुलाकात, नेह-नात आ सामाजिक संपर्क — भेटक लाता भेट-घाट, मेल-मिलाप आ सम्बन्धक धागा पर संकेत करैत अछि।
१२०८. (A) प्रकृति-बिम्बसँ ग्राम्य समाजक विस्तार धरि — मधुमाछी छोट प्रकृति-बिम्ब अछि, गामक जिनगी व्यापक सामाजिक संसार; दुनू मिलि लोकजीवनक बारीक आ विस्तृत रूप देखबैत अछि।
१२०९. (A) परिवारक प्रतिष्ठा, खर्च, सुरक्षा आ घर-गामक मान — विवाह, घर आ गाम पारिवारिक जीवनक सबसे गहीँ सामाजिक संस्था सभसँ जुड़ल अछि।
१२१०. (A) बहुत लोकनिकट, कारण शीर्षक गामक बोलचाल आ जीवन-वस्तुसँ बनल अछि — मधुमाछी, बेटीक बियाह, गामक जिनगी जकाँ शीर्षक लोक-मैथिली अनुभवक निकट अछि।
१२११. (A) लगाव, जोड़-तोड़ वा जीवनक उलझल संपर्क — लगबीजी शब्द सम्बन्ध, लगाव, उलझन वा सामाजिक जकड़नक संकेत दैत अछि।
१२१२. (A) अन्न-संकट, अभाव आ सामाजिक परीक्षा — अकाल ग्रामीण जीवनमे अन्न, जीविका आ समुदाय पर गम्भीर संकटक संकेत अछि।
१२१३. (A) आशा, इच्छा आ भविष्य-कल्पना — सपना अभावक बीच चाहना, भविष्य आ मनक कथा खोलैत अछि।
१२१४. (A) लिंग, संतान, परिवार आ सामाजिक अपेक्षा — शीर्षक परिवारमे बेटी-बेटाक मूल्य, अपेक्षा आ लैंगिक सोच पर कथा-संभावना बनबैत अछि।
१२१५. (A) गामक सम्बन्ध, अभाव, सपना, परिवार आ संघर्षक विस्तृत चित्र — अकाल, सपना, बेटी-बेटा, गामक जिनगी आदि शब्द ग्रामीण समाजक यथार्थ विस्तृत करैत अछि।
१२१६. (A) सृजन/मधुरता आ अभाव/संकट — मधुमाछी मधु आ श्रमक बिम्ब अछि, जबकि अकाल अन्न-संकटक कठोर रूप।
१२१७. (A) बेटी, बेटा, विवाह, घर आ गामक प्रसंग द्वारा — बेटीक बियाह, बेटीक लेल बेटा आदि शीर्षक परिवार आ समाजक संरचनात्मक सोच पर केन्द्रित अछि।
१२१८. (A) छोट कथा एक संकटमय क्षणसँ पूरा समाजक चेहरा देखबैत अछि — अकालक छोट प्रसंग सेहो किसान, घर, अन्न आ सामाजिक सहारा पर पैघ प्रश्न उठा सकैत अछि।
१२१९. (A) ई सीधे लोकजीवनक बोलचालसँ अर्थ बनबैत अछि — लोकबोलीक शब्द कहानीकेँ पाठकक अनुभवक बहुत नजदीक आनैत अछि।
१२२०. (A) प्रकृति, ग्राम्य जीवन, अकाल, सपना आ परिवारक लघुकथा-दृष्टि — मधुमाछी, गामक जिनगी आ लगबीजी—तीनू मिलि गामक संकट, आशा, सम्बन्ध आ प्रकृति-बिम्बक विस्तार करैत अछि।
१२२१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — अंक २४५क सामग्री-सूची जगदीश प्रसाद मण्डलक तीन लघुकथा-संग्रहक क्रम देखबैत अछि।
१२२२. (A) दबावमे पड़ल वा दबा देल गेल गामक सामाजिक अवस्था — दबियाल शब्द दबाव, उपेक्षा वा दबा देल गेल अवस्था पर संकेत करैत अछि।
१२२३. (A) लोक-शब्द आ चरित्र/व्यवहारक व्यंग्यात्मक स्वाद — गालफुल लोकबोलीक शब्द-स्वाद राखैत अछि आ चरित्र वा व्यवहार पर कथा बना सकैत अछि।
१२२४. (A) गामक इज्जत, प्रतिष्ठा आ सामूहिक मान — गामक नाक लोक-समाजमे प्रतिष्ठा, सामूहिक सम्मान आ लाजक प्रतीक अछि।
१२२५. (A) नव आ पुरान मूल्यक टकराव — नवकी-पुरानी शब्द पीढ़ी, रीति आ बदलैत समाजक द्वन्द्व पर संकेत करैत अछि।

१२२६. (A) व्यक्तिनाम-केन्द्रित लोकचरित्र — गुलेटी दास नाम शीर्षक रूपमे आबैत अछि, तँ ओ चरित्र-आधारित कथा-संसार खोलैत अछि।
१२२७. (A) भेंट, खोज आ सम्बन्धक प्रसंग — कोना भेटा शीर्षक मुलाकात, खोज वा सम्बन्धक रास्ता पर कथा-संकेत दैत अछि।
१२२८. (A) छोट चाहना आ बड़ा उपाय/व्यर्थ प्रयासक व्यंग्य — ओस जेकाँ सूक्ष्म वस्तु लेल बान्ह सन विशाल उपाय असंगति वा व्यंग्यक रूप ले सकैत अछि।
१२२९. (A) सामूहिक गाम आ विशिष्ट लोकचरित्र—दूनु पर दृष्टि — एक शीर्षक पूरा गामक दबाव देखबैत अछि, दोसर एक लोकचरित्रक माध्यमे समाजकें देखबैत अछि।
१२३०. (A) दबावग्रस्त गाम, प्रतिष्ठा, नव-पुरान टकराव आ लोकचरित्रक स्वर — दबियाल गाम, गामक नाक, नवकी-पुरानी, गुलेटी दास आदि शीर्षक सामाजिक दबाव आ लोकचरित्रक तरफ संकेत करैत अछि।
१२३१. (A) लघुकथा-संग्रह — अंक २४५क शीर्षक-पृष्ठ पर वीरांगना Collection of Short Stories रूपे देल अछि; ई अधिल्ला नाट्य-प्रसंगसँ अलग लघुकथा-संग्रह अछि।
१२३२. (A) साहस, संघर्ष आ नारी-चरित्रक गरिमा — वीरांगना शब्द साहसी स्त्री, संघर्ष आ आत्मसम्मानक छवि बनबैत अछि।
१२३३. (A) नव आरम्भ, आशा आ उजास — भोर नव दिनक संकेत अछि, आ सपना भविष्यक उम्मीदक।
१२३४. (A) विश्वासघात, सम्बन्ध आ जवाबदेही — धोखा सम्बन्धक भीतर विश्वास टूटबाक प्रश्न उठबैत अछि।
१२३५. (A) घरेलू श्रम, धैर्य आ परिश्रमक बिम्ब — पापड़ पारि घरक श्रम आ लगातार प्रयासक परिचित लोक-बिम्ब अछि।
१२३६. (A) चरित्र, स्थान आ जीवनस्थितिक विविधता — कथासूचीमे अलग-अलग चरित्र/स्थिति-सूचक शीर्षक स्त्री-जीवन आ समाजक अनेक पक्ष खोलैत अछि।
१२३७. (A) एक लेखकक लघुकथा-संसारक विस्तृत डिजिटल संचयन — पाँच अंकमे लगातार संग्रह देल गेल अछि, जे मैथिली लघुकथा-साहित्यक एक विस्तृत उपलब्धता बनबैत अछि।
१२३८. (A) कथा-दृष्टि लोकजीवनक मूल अनुभवसभ पर केन्द्रित अछि — शीर्षकसभ गामक जीवन, अन्न, परिवार, बदलाव, संकट आ स्त्री-संघर्षक मूल प्रश्न निरन्तर उठबैत अछि।
१२३९. (A) दबावग्रस्त समाजसँ साहसी प्रतिरोधक स्त्री-छवि धरि — दबियाल गाम दबावक संकेत दैत अछि, वीरांगना ओहि दबावक बीच साहसक प्रतीक बनैत अछि।
१२४०. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा-लोकमे श्रम, अन्न, गाम, परिवार, लोकविश्वास, संकट आ साहसक विस्तृत प्रस्तुति — ई पाँच अंक मिलि लघुकथाक माध्यमे ग्रामीण समाजक बहुआयामी यथार्थ आ लोकभाषिक शक्ति प्रस्तुत करैत अछि।
१२४१. (A) लघुकथा-संग्रह — अंक २४६क शीर्षक-पृष्ठ पर “क्रान्तियोग”कें जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा-संग्रह रूपे राखल गेल अछि।
१२४२. (A) बदलाव, संघर्ष आ विचारक कथा-दिशा — क्रान्ति आ योगक संगति सामाजिक बदलाव, मनक तैयारी आ कर्मक प्रश्न उठबैत अछि।
१२४३. (A) ठीक बात कहबाक साहस — उचितवक्ता शब्द सच, न्याय आ समय पर बात कहबाक नैतिक साहस दिस संकेत करैत अछि।
१२४४. (A) जमीन, परिवार आ हिस्सेदारीक तनाव — खेतक बँटवारा गामक जमीन, परिवारक भाग, स्वामित्व आ सम्बन्धक खिंचावसँ जुड़ल विषय अछि।
१२४५. (A) टूटन, अलगाव आ सम्बन्धक बिखराव — विचटन समाज वा परिवारमे पड़ैत दरार, टूटैत भरोस आ बिगड़ैत संरचना पर संकेत करैत अछि।
१२४६. (A) आहत मनकें फेर सँ जोड़बाक प्रयत्न — टूटल मनक जुटान मनोभाव, सम्बन्ध-सुधार आ आत्मीयता फेर सँ बनयबाक कथा-संकेत दैत अछि।
१२४७. (A) गामक देवस्थान आ सामुदायिक विश्वास रूपमे — बाबा बेलेश्वरनाथ सन शीर्षक लोक-विश्वास, देवस्थल, संस्कार आ गामक सामूहिक स्मृतिसँ जुड़ैत अछि।
१२४८. (A) गामक सामाजिक-नैतिक जीवन — एहि शीर्षकसभसँ ग्राम्य जीवन, नैतिक बोली, परिवारिक विवाद, मनक चोट आ आस्थाक संसार उभरैत अछि।
१२४९. (A) छोट प्रसंगसँ पैघ पारिवारिक-सामाजिक तनाव देखबैत अछि — लघुकथा एक छोट घटना वा संवादमे जमीन आ सम्बन्धक पैघ टकरावकें साफ देखाबय सकैत अछि।
१२५०. (A) बदलाव, टूटन, न्याय-बोल, जमीन आ लोक-आस्थाक स्वर — क्रान्तियोगक शीर्षकक्रम समाजक बदलाव, परिवारक दरार, मनक मरम्मत आ आस्थाक आधारकें जोड़ैत अछि।
१२५१. (A) लघुकथा-संग्रह — “त्रिकालदर्शी” शीर्षक-पृष्ठ पर जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा-संग्रह रूपे देखाइत अछि।
१२५२. (A) भूत, वर्तमान आ भविष्यकें देखबाक व्यापक दृष्टि — त्रिकालदर्शी शब्द समयक तीन रूपक बोध आ दूरगामी समझक कथा-आधार बनबैत अछि।

१२५३. (A) जकर कर्म वा चुनाव, ओकर फल — एहि लोक-बोलीमे कर्मफल, जिम्मेदारी आ समाजक न्याय-बोध निहित अछि।
१२५४. (A) लम्बा चक्कर, उलझन आ देरिसँ भेटैत परिणाम — नमहर फेरा जीवनक घुमावदार रास्ता, प्रतीक्षा आ कठिन परिणामक संकेत दैत अछि।
१२५५. (A) उम्मीद टूटब आ निराशाक क्षण — आशापर पानि पड़ब लोक-व्यवहारमे निराशा, अपेक्षा-भंग आ मनक चोटक बिम्ब अछि।
१२५६. (A) लेखन-प्रक्रिया आ कथाक स्वरूप पर विचार — एहि शीर्षकसँ कथा लिखबाक विधि, अनुभव आ लेखक-दृष्टि पर आत्मपरक संकेत भेटैत अछि।
१२५७. (A) समयक दूरी, पिछड़ापन आ पछतावाक बोध — पैतीस साल पछुआ गेलौं कहब समयसँ पछुआ रहल समाज, अनुभव वा आत्मबोध पर संकेत करैत अछि।
१२५८. (A) समय, दृष्टि आ समाजक गति — एक शीर्षक समयक तीनों आयाम देखैत अछि, दोसर समयसँ पछुआ पड़बाक पीड़ा देखबैत अछि।
१२५९. (A) लघुकथा छोट अनुभवसँ समयक पैघ बदलाव पकड़ैत अछि — क्रान्तियोग, त्रिकालदर्शी आ पैतीस साल पछुआ गेलौं—तीनू समय, बदलाव, पछुआपन आ समाजक दिशा पर केन्द्रित देखाइत अछि।
१२६०. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथामे बदलाव, समय-बोध, गाम आ मनुष्यक टूटन-जुटानक प्रस्तुति — एहि अंकक संग्रहसभ सामाजिक परिवर्तन, समयक दृष्टि, जमीनक विवाद, आशा-निराशा आ लोकजीवनक प्रश्नकें जोड़ैत अछि।
१२६१. (A) लघुकथा-संग्रह — अंक २४७मे “बेटीके पैरुख” जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा-संग्रहक रूपमे देल अछि।
१२६२. (A) बेटी, सम्मान, परिवार आ अधिकार — बेटीके पैरुख शीर्षक बेटीके सामाजिक मान, परवरिश, सुरक्षा आ परिवारक दृष्टिक प्रश्न उठबैत अछि।
१२६३. (A) घरक अपनत्व आ भीतरक बोलचालक जटिलता — गारि आ दुआरि दूनू घर-परिवारक अंतरंग, अपनपन आ तनावक संकेत दैत अछि।
१२६४. (A) बेटीक जगह, स्नेह आ उपेक्षाक सम्भावना — कुनेला/कोना सन शब्द घरक भीतर बेटीके स्थान आ भावनात्मक स्थिति पर संकेत करैत अछि।
१२६५. (A) अपन कएल कर्मक उलट परिणाम वा भय — अपन रोपल वस्तु भूताहि बनब कर्मफल, गलत निर्णय वा सम्बन्धक उलट असरक व्यंग्यात्मक संकेत दैत अछि।
१२६६. (A) मैथिली समाजमे नारी-अनुभवकें कथा-केंद्र बनबैत अछि — बेटी पर केन्द्रित शीर्षक परिवार, लिंग-संवेदना, संरक्षण, अधिकार आ सामाजिक व्यवहारकें सामने आनैत अछि।
१२६७. (A) छोट घरेलू घटना सँ पैघ सामाजिक अर्थ निकलैत अछि — घर-दुआर लघुकथा कें निकट, पहिचान योग्य आ सामाजिक रूपे तीक्ष्ण बनबैत अछि।
१२६८. (A) दुख दूर होयबाक वा संबंधक भार घटबाक संकेत — शीर्षक लोक-भावना, दुखक निवृत्ति आ जीवनक राहतक क्षणपर संकेत करैत अछि।
१२६९. (A) खेती-बारी आ श्रमजीवी जीवन — हरवाही खेतीक श्रम, पशु-हल, खेत आ श्रमिक समाजक अनुभव जगबैत अछि।
१२७०. (A) बेटी, घर, अपनपन, श्रम आ सामाजिक न्यायक स्वर — एहि संग्रहक शीर्षकसभ बेटी, घर-दुआर, गाछ, दुख, श्रम आ लोक-संबंधक कथा-भूमि बनबैत अछि।
१२७१. (A) गामक गाछ, फल आ स्मृतिक संसार — आमक गाछ मिथिला-गामक फल, छाँह, घरक आँगन आ लोक-स्मृतिसँ जुड़ल बिम्ब अछि।
१२७२. (A) छाँह, फल, पीढ़ी आ स्वामित्वक अर्थ समेटैत अछि — गाछ घर, जमीन, परिवार, स्मृति, फल आ पीढ़ीक निरन्तरता सभकें एक संग जोड़ि सकैत अछि।
१२७३. (A) ऊँचाईसँ गिरब, श्रम टूटब वा जोखिम — गाछपर सँ खसल शाब्दिक दुर्घटना संगहि अहंकार, असावधानी वा जीवनक झटका के प्रतीक भ' सकैत अछि।
१२७४. (A) प्रकृति आ समाजक अन्तरंग सम्बन्ध — गाछक माध्यमे गामक जीवन, स्मृति, छाँह, फल, स्वामित्व आ मनुष्यक व्यवहार देखायल जा सकैत अछि।
१२७५. (A) फल-संस्कृति, ऋतु, घरक आँगन आ लोक-स्मृति — आम मिथिला सहित भारतीय ग्रामीण जीवनमे स्वाद, ऋतु, स्नेह आ घरक स्मृति संग जुड़ैत अछि।
१२७६. (A) गलत चढ़ान वा अहंकारक परिणाम — खसलाक बिम्ब असावधानी, ऊँच चढ़बाक मोह वा सामाजिक स्थिति टूटबाक संकेत दैत अछि।
१२७७. (A) गाछ मनुष्यक संबंध, स्वामित्व, स्मृति आ गलतीक दर्पण बनैत अछि — गाछक शीर्षकसभसँ स्पष्ट होइत अछि जे प्रकृति गामक परिवारिक आ सामाजिक अर्थसँ अलग नहि अछि।
१२७८. (A) घर-परिवारसँ प्रकृति-समाज आ जीवनक झटका धरि — एहि अंकक शीर्षकसभ बेटी, दुआर, आमक गाछ आ गिरबाक अनुभवकें एक गामक जीवन-रेखामे जोड़ैत अछि।

- १२७९. (A) कम शब्दमे परिचित जीवनक पैघ अर्थ बनैत अछि** — लोक-बिम्ब पाठककें तुरन्त अपने अनुभवक भीतर ल’ जाइत अछि आ कथा-भावकें तीक्ष्ण करैत अछि।
- १२८०. (A) बेटी, घर, गाछ, श्रम आ लोक-अनुभवक लघुकथा-संसार** — अंक २४७मे प्रस्तुत संग्रहसभ बेटी, दुआर, आमक गाछ, गिरबाक अनुभव आ ग्राम्य सम्बन्धक बहुआयामी कथा-दृष्टि दैत अछि।
- १२८१. (A) लघुकथा-संग्रह** — अंक २४८क शीर्षक-पृष्ठ पर “मुड़ियाल घर” लघुकथा-संग्रह रूपे देखाइत अछि।
- १२८२. (A) घरक बिगड़ल/झुकल दशा आ जीवनक अस्थिरता** — मुड़ियाल घर घरक आकारक संग परिवार वा समाजक असंतुलित दशा पर सेहो संकेत करैत अछि।
- १२८३. (A) गामक बदलैत वा उलझल स्थिति** — गामक नामधारी शीर्षक लोक-भूगोल, सामुदायिक जीवन आ स्थानीय अनुभवकें कथा-केंद्र बनबैत अछि।
- १२८४. (A) लोकभाषिक निकटता आ चरित्रक स्वाद** — लोक-स्वरक शब्द कथा कें ग्राम्य बोली, हास्य, व्यंग्य वा चरित्रक धरातल पर रखैत अछि।
- १२८५. (A) मुकदमा, दफ्तर आ झंझटमे फँसल समाज** — कचहरिया रोग कहला सँ अदालत-दफ्तरक चक्कर, विवाद आ सामाजिक थकानक व्यंग्यात्मक अर्थ बनैत अछि।
- १२८६. (A) समय घटबाक, अवसर चुकबाक वा जीवनक जल्दी** — दिन घटि गेल शीर्षक जीवनक अवसर, उमिर, प्रतीक्षा वा सामाजिक समयक दबावपर संकेत करैत अछि।
- १२८७. (A) गामकें बचाएब, भरोसा आ सामूहिक जिम्मेदारी** — गामक सुरक्षा सामूहिक जीवन, परस्पर रक्षा, डर आ सामाजिक व्यवस्था सँ जुड़ल प्रश्न अछि।
- १२८८. (A) सुनब-सुनायब आ मौखिक परम्पराक रूपमे** — बात-कथा सुनबाक लोकरीति मैथिली कथाक मौखिक आधार आ सामूहिक स्मृति देखबैत अछि।
- १२८९. (A) ग्राम्य समाजक अस्थिरता, विवाद आ बचावक चिन्ता** — घरक मुड़ियाल दशा, कचहरीक रोग आ गामक सुरक्षा—सभ मिलि ग्राम्य समाजक तनावकें देखबैत अछि।
- १२९०. (A) घर-गामक संकट, समय, विवाद आ लोक-स्मृतिक स्वर** — एहि संग्रहमे घर, गाम, दिन, कचहरी, सुरक्षा आ बात-कथाक शीर्षक गामक बहुस्तरीय जीवन खोलैत अछि।
- १२९१. (A) लघुकथा-संग्रह** — “स्मृति शेष” शीर्षक-पृष्ठ पर जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा-संग्रहक रूपमे देल अछि।
- १२९२. (A) स्मरण, बिछोह आ जे बचल रहि गेल तकर कथा** — स्मृति शेष मे बीतल लोक, घटना वा भावक बचल अंशक अर्थ निहित अछि।
- १२९३. (A) छोट प्रसंगसँ पूरा अतीत जीवित भ’ उठैत अछि** — लघुकथा स्मृतिक एक छोट बिम्बसँ व्यक्ति, घर, पीढ़ी आ समाजक पैघ अनुभव जगा सकैत अछि।
- १२९४. (A) भल चाहनिहार, सलाह आ भरोसाक सम्बन्ध** — शुभचिन्तक ओ लोक होइत अछि जे भल चाहैत अछि; कथा मे ई भरोसा वा विडम्बना दूनू बनि सकैत अछि।
- १२९५. (A) कहियो भल चाहबाक नाम पर हस्तक्षेप वा स्वार्थ छिपल रहि सकैत अछि** — समाजमे शुभचिन्तक शब्द सद्भाव आ बनावटी सद्भाव दूनूक जांच करबा सकैत अछि।
- १२९६. (A) बीते सम्बन्ध आ वर्तमान सलाह/सहारा** — एक शीर्षक अतीतकें बाँचल रखैत अछि, दोसर वर्तमान सम्बन्धक भरोसा वा विडम्बना देखबैत अछि।
- १२९७. (A) बाहरी घरक संकटसँ मनक स्मृति धरि** — घरक बिगड़ल दशा सँ स्मृतिक भीतर बचल संसार धरि कथा-दृष्टि बढ़ैत अछि।
- १२९८. (A) ककर सलाह सच्चा अछि आ ककर हित बनावटी** — शुभचिन्तक शीर्षक अपन हित, परहित, सलाह, भरोसा आ सामाजिक मुखौटाक प्रश्न खोलि सकैत अछि।
- १२९९. (A) दूनू छोट घटना आ संवादमे साफ पकड़ाइत अछि** — स्मृति आ शुभेच्छा मनुष्यक रोजक सम्बन्धमे रहैत अछि; लघुकथा ओकर तीक्ष्ण क्षण चुनैत अछि।
- १३००. (A) घरक असंतुलन, गामक सुरक्षा, स्मृति आ शुभचिन्तक सम्बन्धक लघुकथा-लोक** — मुड़ियाल घर, स्मृति शेष आ शुभचिन्तक शीर्षकसभ मिलि घर-समाज, अतीत आ सम्बन्धक जटिलता देखबैत अछि।
- १३०१. (A) बीहनि कथा आ लघुकथा-संग्रह** — शीर्षक-पृष्ठ पर “सुभिमानी जिनगी”कें Seed and Short Stories संग्रह रूपे चिन्हित कएल गेल अछि।
- १३०२. (A) स्वाभिमान, गरिमा आ आत्मसम्मान** — सुभिमानी जिनगी जीवनमे मान, आत्मगौरव आ निज मूल्यक रक्षा पर बल दैत अछि।
- १३०३. (A) कहबाक पीड़ा आ सुनिहारक खोज** — केकरा-ले कहैं कहब अकेलापन, पीड़ा, संवादक जरूरत आ समाजक उदासीनताक संकेत दैत अछि।

१३०४. (A) पुरनका पीढी, जमीन, गाछ आ घरक स्मृति — बाबाक बाग-बगीचा पीढीगत स्मृति, परिवारक विरासत, गाछ-बिरछ आ अपन घरक बोध दैत अछि।
१३०५. (A) अधूरापन, बेचैनी वा अनंत प्रश्नक भाव — अनतका शब्द अपूर्णता, फैलैत प्रश्न वा मनक बेचैनीक कथा-संकेत बनि सकैत अछि।
१३०६. (A) अक्षर, शुरुआत आ भाषिक विविधता — आलिफ अक्षरक बिम्ब अछि; ई शुरुआत, सीख, भिन्न परम्परा वा भाषा-संवादक संकेत देत अछि।
१३०७. (A) मानवीय व्यवहारक नीचता वा वफादारीक उलट अर्थ — कुकुरपन शब्द मनुष्यक व्यवहार पर तीखा व्यंग्य वा सामाजिक आलोचना बना सकैत अछि।
१३०८. (A) खोएल, हराएल वा भटकल जीवन — हरेराएल जिनगी जीवनक दिशा गुम भ' गेल, संकटग्रस्त वा भटकल अवस्था दर्शबैत अछि।
१३०९. (A) उम्मीद टूटब आ मनक निराशा — आशापर पानि फेर गेल लोक-भाषामे आशा भंग हेबाक तीक्ष्ण बिम्ब अछि।
१३१०. (A) स्वाभिमान, स्मृति, संवादक पीड़ा, भटकन आ आशाभंगक स्वर — कथासूचीमे स्वाभिमान, कहबाक जरूरत, बाबाक बाग, कुकुरपन, हरेराएल जिनगी आ आशाभंगक जीवनानुभव जोड़ल अछि।
१३११. (A) लघुकथा-संग्रह — अंक २४९मे “अर्धांगिनी” जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा-संग्रहक रूपमे देल गेल अछि।
१३१२. (A) पति-पत्नी, सहजीवन आ स्त्रीक साझेदारी — अर्धांगिनी शब्द दाम्पत्य-संबंधमे स्त्रीक आधा-अंग, सहचर आ बराबर साझेदारीक बोध दैत अछि।
१३१३. (A) स्त्रीकें जीवन-संगी आ बराबर हिस्सेदार मानब — अर्धांगिनी शब्द स्त्रीक गरिमा, अधिकार, श्रम आ भावनात्मक साझेदारी पर प्रश्न खोलैत अछि।
१३१४. (A) स्वाभिमान आ स्त्रीक सहजीवन-दृष्टि — एक संग्रह जीवनक स्वाभिमान पर बल दैत अछि, दोसर सहजीवनमे स्त्रीक स्थान पर।
१३१५. (A) छोट घरेलू घटना सँ गहिर सामाजिक संरचना स्पष्ट होइत अछि — दाम्पत्यक छोट संवाद, श्रम वा मौन समाजक लिंग-भूमिका आ नैतिकता खोली सकैत अछि।
१३१६. (A) साझेदारी, मान, निर्णय आ स्त्रीक श्रम — अर्धांगिनी परिवारमे स्त्रीक भूमिका, सम्मान, निर्णय-भागीदारी आ अनदेखल श्रम पर दृष्टि देत अछि।
१३१७. (A) एके लेखकक भिन्न सामाजिक केन्द्र—जीवन-स्वाभिमान आ दाम्पत्य — सुभिमानी जिनगी आ अर्धांगिनी—दूनु सामाजिक जीवनक अलग पर जुड़ल पक्षकें लघुकथामे रखैत अछि।
१३१८. (A) समानता, पीड़ा वा विडम्बना देखाकर — लघुकथा पारम्परिक शब्दमे छिपल वास्तविक जीवन, असमानता वा अपनत्वक नब अर्थ खोली सकैत अछि।
१३१९. (A) मानवीय गरिमा घर आ समाज दुनूमे जरूरी अछि — स्वाभिमान व्यक्तिगत जीवनक मूल अछि, आ अर्धांगिनी घरक साझेदारीमे ओहि गरिमाकें देखबैत अछि।
१३२०. (A) स्वाभिमान, स्त्री-साझेदारी, परिवार आ लोकजीवनक कथा-विस्तार — सुभिमानी जिनगी आ अर्धांगिनी मिलि जीवन-मर्यादा, नारीक स्थान आ परिवारक सामाजिक अर्थकें लघुकथा-दृष्टि दैत अछि।
१३२१. (A) लघुकथा, आलेख, परिचर्चा, यात्रा-वृत्तान्त, संस्मरण आ खिस्सा — अंक २५०क गद्य-सूचीमे कंबल लघुकथा, रबीन्द्र नारायण मिश्रक आलेख/लघुकथा/यात्रा-वृत्तान्त, परिचर्चा, कठही साइकल, चुप्पी, संस्मरण आ खिस्सा देल अछि।
१३२२. (A) लघुकथा — सामग्री-सूचीमे शिवशंकरक “कंबल” लघुकथा रूपमे देल गेल अछि।
१३२३. (A) दूटा आलेख, दूटा लघुकथा आ एकटा यात्रा-वृत्तान्त — सूचीमे हुनकर दू आलेख, दू लघुकथा आ एक यात्रा-वृत्तान्तक उल्लेख अछि।
१३२४. (A) परित्यक्ता आ परिस्थिति : मिथिलाक सन्दर्भमे — अंक २५०क सूचीमे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक परिचर्चा “परित्यक्ता आ परिस्थिति : मिथिलाक सन्दर्भमे” अछि।
१३२५. (A) लघुकथा — सामग्री-सूचीमे नन्द विलास राय: लघुकथा—“कठही साइकल” लिखल अछि।
१३२६. (A) बीहनि कथा — अंक २५०मे मिथिलेश कुमार सिन्हाक “चुप्पी”कें बीहनि कथा रूपे सूचीबद्ध कएल गेल अछि।
१३२७. (A) एकटा संस्मरण आ एकटा खिस्सा — सूचीमे प्रणव झा—एकटा संस्मरण आ एकटा खिस्सा—रूपे उल्लेख अछि।
१३२८. (A) रुबाई — पद्य-सूचीमे डॉ. जियाउर रहमान जाफरी—रुबाई—रूपे अंकित छथि।
१३२९. (A) गजल — सूचीमे आशीष अनचिन्हारक चारि गजल आ जगदीश चन्द्र ठाकुर “अनिल”क चारि गजल देल अछि।
१३३०. (A) एके अंकमे अनेक विधा आ अनेक लेखककें स्थान देबाक प्रवृत्ति — लघुकथा, आलेख, परिचर्चा, यात्रा, संस्मरण, खिस्सा, रुबाई, गजल आ कविता—एहि विविधता सँ अंकक व्यापकता स्पष्ट होइत अछि।

- १३३१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक ३२ लघुकथा-संग्रहसँ बीछल लघुकथा-संग्रह** — सामग्री-सूचीमे “नीलकमल”कें जगदीश प्रसाद मण्डलक ३२ लघुकथा-संग्रहसँ बीछल लघुकथाक संग्रह कहल गेल अछि।
- १३३२. (A) दीर्घ रचनात्मक यात्रा सँ चयनित संचयन** — ३२ संग्रहसँ चयन कएल जायब एक लेखकक विस्तृत लघुकथा-यात्राक प्रतिनिधि संकलनक बोध दैत अछि।
- १३३३. (A) फूल, निर्मलता, गहराई आ चयनित सौन्दर्य** — नीलकमल फूलक बिम्ब अछि जे सौन्दर्य, विशिष्टता आ सांस्कृतिक अर्थ सँ जुड़ैत अछि।
- १३३४. (A) ई २५०म अंक रूपे दीर्घ प्रकाशन-यात्राक पड़ाव देखबैत अछि** — अंक २५० स्वयं एक महत्वपूर्ण संख्या-पड़ाव अछि, जाहिमे विविध विधा आ संचयन दूनू सम्मिलित अछि।
- १३३५. (A) व्यक्तिगत कथा-प्रस्तुति संग व्यापक चयनित संचयन** — सूचीमे हुनकर तीन लघुकथा अलगसँ आ ३२ संग्रहसँ बीछल “नीलकमल” सेहो अछि, जे विस्तार आ चयन दुनू देखबैत अछि।
- १३३६. (A) लघुकथा-साहित्यकें संचित, चयनित आ सुलभ बनबैत अछि** — चयनित संकलन पाठककें विस्तृत रचनासंसारक प्रतिनिधि रूप उपलब्ध करबैत अछि।
- १३३७. (A) समकालीन अंक आ दीर्घ रचनात्मक परम्पराक संगम** — गद्य-पद्यक ताजा सामग्रीक संग ३२ संग्रहसँ चयन—दूनू मिलि वर्तमान आ संचयनक संगम बनबैत अछि।
- १३३८. (A) सामाजिक विमर्श आ कथा-संचयनक संयुक्त उपस्थिति** — एक दिस सामाजिक परिचर्चा अछि, दोसर दिस लघुकथा-संचयन; एहि सँ साहित्य आ समाजक सम्बन्ध खुलैत अछि।
- १३३९. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा-यात्राक चयनित समेकन** — २४६ सँ २४९ धरि लगातार संग्रहक बाद २५०मे ३२ संग्रहसँ बीछल “नीलकमल” समेकित पड़ाव बनैत अछि।
- १३४०. (A) लघुकथा-संग्रहक निरन्तर प्रकाशनसँ २५०म अंकमे बहुविध साहित्य आ चयनित संचयन धरि विस्तार** — एहि पाँच अंकमे क्रान्तियोगसँ अर्धांगिनी धरि संग्रह-क्रम आ २५०मे विविध गद्य-पद्य तथा नीलकमल संचयन—दूनू साहित्यिक निरन्तरता देखबैत अछि।
- १३४१. (A) लघुकथा** — सामग्री-सूचीमे “छुटकी”कें मृणाल आशुतोषक लघुकथा रूपमे राखल गेल अछि।
- १३४२. (A) फँसल परिस्थिति आ निकलबाक कठिनाई** — चक्रव्यूह शब्द जटिल घेरा, संकट आ भीतर फँसल जीवन-दशा दिस संकेत करैत अछि।
- १३४३. (A) गजल-विमर्श आ आलोचनात्मक टिप्पणी** — शीर्षकसँ स्पष्ट अछि जे लेख गजल, बयान आ साहित्यिक संदर्भक आलोचनात्मक विवेचन करैत अछि।
- १३४४. (A) मान-प्रतिष्ठा आ अपमानक प्रसंग** — इज्जत उतरि गेल कहब लोकजीवनमे प्रतिष्ठा, लाज आ सामाजिक व्यवहारक तीखा अनुभव कें सामने आनैत अछि।
- १३४५. (A) उपन्यासक आरम्भ** — सूचीमे “पंगु”कें उपन्यासक आरम्भ रूपे देल गेल अछि, तें ई दीर्घ कथात्मक काजक प्रारम्भ अछि।
- १३४६. (A) जिम्मेदारी, दबाव आ जीवनक भार** — बोझ शब्द घर, समाज वा मनक ऊपर पड़ैत भार, कर्तव्य आ दबावक कथा-संकेत बनबैत अछि।
- १३४७. (A) उपन्यासक आरम्भ रूपमे** — सामग्रीमे “नमस्तस्यै”कें उपन्यासक आरम्भ रूपे अंकित कएल गेल अछि।
- १३४८. (A) बदलावक आकांक्षा आ ओकर विसर्जन/छोड़बाक प्रश्न** — क्रान्ति आ विसर्जनक मेल बदलाव, थकान, त्याग वा विचारक परिणति पर कथा-संकेत दैत अछि।
- १३४९. (A) अंकमे गद्य-पद्यक बहुविध साहित्यिक स्वर मौजूद अछि** — जगदीश चन्द्र ठाकुर “अनिल”क गीत, डॉ. शिवकुमार प्रसादक कविता/अनुवाद आ लघुकथासभ मिलि विविधता देखबैत अछि।
- १३५०. (A) लघुकथा, गजल-विमर्श, उपन्यास-आरम्भ आ पद्यक संयुक्त स्वर** — एहि अंकमे छोट कथा, आलोचना, दीर्घ कथा आरम्भ, गीत, कविता आ अनुवाद—सभ एक संग उपस्थित अछि।
- १३५१. (A) लघुकथा-संग्रह** — सामग्री-सूचीमे नन्दविलास राय केर “मरजादक भोज” लघुकथा-संग्रह रूपमे अंकित अछि।
- १३५२. (A) भोज, प्रतिष्ठा आ सामाजिक मान-अपमान** — मरजादा आ भोजक मेल गाम-समाजक प्रतिष्ठा, मान, दायित्व आ लोक-दृष्टिक कथा-संसार बनबैत अछि।
- १३५३. (A) लघुकथा-संग्रह** — “दूधबेचनी”कें रामविलास राय केर लघुकथा-संग्रह रूपमे राखल गेल अछि।
- १३५४. (A) जीविका, स्त्री-परिश्रम आ परिवारक जिम्मेदारी** — दूध बेचबाक काम जीविका, श्रम, घरक भार आ सामाजिक संघर्षसँ जुड़ल प्रतीक बनैत अछि।

१३५५. (A) गामक गाछी, पुरान घटना आ सामुदायिक स्मृति — गामक गाछी प्रसंग पुरान गाम, जमीन, घटना आ लोक-स्मृति केँ कथा-सामग्री बनबैत अछि।
१३५६. (A) कामत, घर, हैसियत आ संबोधनक संघर्ष — कामत, घर आ हैसियतक भाषा लोकजीवनमे सामाजिक दर्जा आ विरोधक कथा बनबैत अछि।
१३५७. (A) गाम दिस लौटबाक स्मृति आ आकर्षण — घुमि गाम चलू कहब मूल-स्थान, स्मृति, अपनत्व आ जीवनक फेर मुड़बाक भाव जगबैत अछि।
१३५८. (A) छोट घटनामे संकट आ मानवीय प्रतिक्रिया देखबैत अछि — बिपति छोट आकारक कथामे संकट, भय, व्यवहार आ मनुष्यक असली चेहरा देखयबाक अवसर दैत अछि।
१३५९. (A) आमक गाछ, सम्बन्ध आ झंझटकेँ जोड़ैत बिम्ब — सिनुरिया आमक गाछ ग्रामीण प्रकृति, परिवारिक सम्बन्ध आ विवादक जड़ि पर संकेत करैत अछि।
१३६०. (A) गामक प्रतिष्ठा, श्रम, जीविका, स्मृति आ सामाजिक संघर्ष — दूनू संग्रहक शीर्षक आ संपादकीय टिप्पणी गाम, मान, भोज, श्रम, स्त्री-संघर्ष आ पुरान स्मृतिक संसार बनबैत अछि।
१३६१. (A) नरेन्द्रजीक मैथिली आ हिन्दी गजलक तुलनात्मक विवेचना — सामग्री-सूचीमे लेख नरेन्द्रजीक मैथिली आ हिन्दी गजलक तुलनात्मक विवेचना रूपे देल अछि।
१३६२. (A) भाषा, बहर, काफिया आ अभिव्यक्तिक अन्तर देखाइत अछि — तुलना सँ बुझाइत अछि जे अलग भाषा मे एकहि रचनाकारक शिल्प, लय आ अभिव्यक्ति कोना बदलैत अछि।
१३६३. (A) गजलक लयात्मक अनुशासन बुझबाक लेल — बहर गजलक छन्दात्मक ढाँचा अछि; ओकर पालन वा विचलन आलोचनाक महत्वपूर्ण आधार बनैत अछि।
१३६४. (A) तुक, ध्वनि-साम्य आ शेरक संरचना — काफिया गजलमे ध्वनि-संबंध आ तुक व्यवस्था बनबैत अछि, जे शेरसभकेँ लयात्मक जोड़ दैत अछि।
१३६५. (A) कथासाहित्यमे स्त्री-प्रतिनिधित्व आ अनुभव — ई शीर्षक मैथिली कथा मे स्त्रीक उपस्थिति, भूमिका, पीड़ा आ दृष्टिक प्रश्न खोलैत अछि।
१३६६. (A) शिल्प-आलोचना आ सामाजिक आलोचना दुनू उपस्थित होइत अछि — एक दिस गजल-शास्त्रीय तुलना अछि, दोसर दिस कथा मे स्त्री-अनुभवक सामाजिक पाठ; एहि सँ अंकक आलोचनात्मक विस्तार बढ़ैत अछि।
१३६७. (A) एकहि रचनाकारक अभिव्यक्ति भाषा बदललापर कोना बदलैत अछि — भाषा बदललापर लय, शब्द, सांस्कृतिक संकेत आ तुकक व्यवहार बदलि सकैत अछि।
१३६८. (A) रचनाक शिल्पिक अनुशासन जाँचब — मात्राक्रम गजल वा छन्दक ताल-मात्रा जाँचबाक तरीका अछि, जे शिल्पिक मजबूती देखबैत अछि।
१३६९. (A) कथा मे स्त्रीक आवाज, पीड़ा आ अधिकार बुझबाक लेल — कथा समाजक दर्पण अछि; स्त्री-विमर्श ओहि दर्पणमे उपेक्षित अनुभवकेँ केन्द्र मे अनैत अछि।
१३७०. (A) गजल-शास्त्र आ कथा-स्त्री-विमर्शकेँ एक संग स्थान देब — नरेन्द्रजीक गजल तुलना आ मैथिली कथामे स्त्री—दूनू लेख अंक केँ शिल्प आ समाज दुनू दिस खोलैत अछि।
१३७१. (A) लघुकथा — सामग्री-सूचीमे दुर्गानन्द मण्डलक “सीख” लघुकथा रूपमे अंकित अछि।
१३७२. (A) अनुभवसँ भेटल शिक्षा आ जीवन-बोध — सीख शब्द गलती, अनुभव वा घटना सँ निकलैत जीवन-पाठक संकेत दैत अछि।
१३७३. (A) कठिन समय आ निर्णयक दबाव — संकट कथामे व्यक्ति वा समाजक परीक्षा, भय आ निर्णयक क्षणक संकेत अछि।
१३७४. (A) उपन्यासक अगिला कड़ी रूपमे — सूचीमे “पंगु” उपन्यासक आरम्भक आगूक भाग रूपमे उपस्थित अछि।
१३७५. (A) असंतुलन, असामान्य व्यवहार वा सामाजिक विचलन — सनकल शब्द मनोव्यवहार, विचित्रता वा सामाजिक असंतुलनक कथा-संकेत दैत अछि।
१३७६. (A) उपन्यासक आगूक भाग रूपमे — सामग्री-सूचीमे रबीन्द्र नारायण मिश्रक “नमस्तस्यै” उपन्यासक आगूक भाग रूपमे देल अछि।
१३७७. (A) विकास ककरा लेल आ कोन वर्गक हितमे — शीर्षकमे पूँजीवाद आ सर्वहारा सन्दर्भ विकासक वर्गीय अर्थ पर प्रश्न उठबैत अछि।
१३७८. (A) पर्यावरण, गाछ आ बाल-संवेदना — गाछक गोहारि बाल-पाठककेँ प्रकृति, पर्यावरण आ गाछक रक्षा दिस भावनात्मक रूपे जोड़ैत अछि।
१३७९. (A) साहित्यिक आ वैचारिक विविधता — एहि अंकमे आलोचना, कथा, उपन्यास, कविता आ बाल-पर्यावरण लेखन—सभक उपस्थिति व्यापकता देखबैत अछि।
१३८०. (A) शिल्प-विवेचन, सामाजिक प्रश्न, कथा-संकट आ पर्यावरणक संयुक्त स्वर — गजल तुलना, कथामे स्त्री, सीख-संकट-सनकल आ गाछक गोहारि मिलि अंक केँ आलोचनात्मक आ सामाजिक दुनू बनबैत अछि।

- १३८१. (A) आधुनिक मैथिली गजलक संक्षिप्त आलोचनात्मक परिचय** — सामग्री-सूचीमे “आधुनिक मैथिली गजलक संक्षिप्त आलोचनात्मक परिचय” शीर्षक देल अछि।
- १३८२. (A) लगभग ११२ बर्ष** — आरम्भिक टिप्पणीमे मैथिली गजलकें लगभग ११२ बर्षक यात्रा रूपे विचारल गेल अछि।
- १३८३. (A) गजलकें शिल्पिक अनुशासन आ लय दैत अछि** — आलेख गजलक नियम, बहर, काफिया आ व्याकरण पर बल दैत अछि; ई गजल-रूपक मूल शिल्प अछि।
- १३८४. (A) मैथिली गजलक आरम्भिक प्रयोग आ इतिहास** — मैथिली गजलक इतिहासक चर्चा मे पं. जीवन झाक नाटकसभमे गजल-प्रयोगक उल्लेख महत्वपूर्ण बनैत अछि।
- १३८५. (A) व्याकरणयुक्त गजल परम्पराकें मजगूत करबाक कारण** — आलेख हुनका लोकनिकें मैथिली गजलक शिल्पिक अनुशासन आ विस्तारक परम्परा सँ जोड़ैत अछि।
- १३८६. (A) गजलमे नियम-विमर्श आ मतभेद बुझयबाक लेल** — लेख दू धाराक भिन्नता, कमजोरी आ काज कें देखैत अछि, जाहि सँ गजल-विवाद स्पष्ट होइत अछि।
- १३८७. (A) विधाक मापदण्ड, इतिहास आ गुणवत्ता तय करबाक लेल** — आलोचना विधाक विकास, मानक आ रचनात्मक अनुशासन कें पहिचान दैत अछि।
- १३८८. (A) बहर, मात्राक्रम आ शिल्पिक प्रयोग स्पष्ट करब** — गजल-शास्त्रीय लेखमे उदाहरणसँ पाठक शिल्पिक तर्क, लय आ दोष-गुण सहज बुझैत अछि।
- १३८९. (A) पत्रिका, गोष्ठी, विशेषांक आ आलोचना द्वारा विधा-निर्माण** — आलेखमे विदेहक पूर्व अंकीय गजल-कार्य, गोष्ठी आ विशेषांकक उल्लेख विधागत योगदान देखबैत अछि।
- १३९०. (A) मैथिली गजलक इतिहास, शिल्प, धारा आ आलोचना कें एकत्रित करब** — ई आलेख आधुनिक मैथिली गजलकें इतिहास, व्याकरण, आलोचना आ संस्थागत प्रयासक संग देखैत अछि।
- १३९१. (A) साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कारक निर्णय** — संपादकीयमे उमेश पासवानक काव्य-संग्रह पर साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कारक निर्णयक चर्चा अछि।
- १३९२. (A) मैथिली साहित्यक युवा रचनाशीलताक मान्यता** — युवा पुरस्कारक चर्चा मैथिली कविता आ नव पीढ़ीक रचनात्मक स्वीकार्यता दिस संकेत करैत अछि।
- १३९३. (A) कथा-गोष्ठी** — सामग्री-सूचीमे “सगर राति दीप जरय” १८म कथा-गोष्ठी सन्दर्भमे देल अछि।
- १३९४. (A) रचनाक संग साहित्यिक समुदायक गतिविधि देखबैत अछि** — कथा-गोष्ठी साहित्यकें सामूहिक पाठ, चर्चा आ रचनात्मक संवादसँ जोड़ैत अछि।
- १३९५. (A) बीहनि कथा** — सामग्री-सूचीमे “भिनसुरका गप-सप”कें बीहनि कथा रूपमे देल गेल अछि।
- १३९६. (A) भिनसरक बातचीत, दैनिक जीवन आ लोक-स्वर** — भिनसुरक समय आ गप-सपक मेल रोजमर्रा, लोक-बातचीत आ जीवनक सहज धुन खोलैत अछि।
- १३९७. (A) किछु लघुकथा आ उपन्यास “नमस्तस्यै”क आगू भाग** — सूचीमे हुनकर किछु लघुकथा आ “नमस्तस्यै” उपन्यासक आगू भागक उल्लेख अछि।
- १३९८. (A) छोट कथा आ दीर्घ कथा दुनू मे लेखकक उपस्थिति** — लघुकथा आ उपन्यासक कड़ी एकहि अंकमे आवि छोट आ दीर्घ, दुनू कथात्मक रूपक उपस्थिति बनबैत अछि।
- १३९९. (A) कविता आ अनूदित काव्यक बहुविध उपस्थिति** — सूचीमे कविता, किछु कविता आ रजनी छाबड़ाक मूल हिन्दीसँ अनूदित काव्यक उल्लेख अछि।
- १४००. (A) गजल-इतिहास, युवा पुरस्कार-संदर्भ, कथा-गोष्ठी, बीहनि कथा आ कविता कें जोड़ब** — ई अंक गजल-विमर्शक गम्भीरता संग रचनात्मक कथा-पद्य आ साहित्यिक मान्यताक प्रसंग जोड़ैत अछि।
- १४०१. (A) दूटा बीहनि कथा** — सामग्री-सूचीमे मिथिलेश सिन्हा “दाथवासी”क दूटा बीहनि कथा देल गेल अछि।
- १४०२. (A) छोट आकारमे तीक्ष्ण कथा-बोध** — बीहनि कथा छोट रूपमे अनुभव, मोड़ आ अर्थकें सघन रूपे कहबाक कथा-प्रयास अछि।
- १४०३. (A) गजल-पंक्ति, आलोचना आ शिल्प-विमर्श** — शीर्षक गजल, शेर, बहर आ “अनिल”क गजल-संदर्भक आलोचनात्मक चर्चा दिस संकेत करैत अछि।
- १४०४. (A) लघुकथा** — सामग्री-सूचीमे कैलाश कुमार मिश्रक “बुरिराज” लघुकथा रूपमे देल गेल अछि।
- १४०५. (A) बुराइ, सत्ता वा व्यवहारक व्यंग्यात्मक कथा** — बुरि आ राजक मेल खराब व्यवस्था, चरित्र वा सामाजिक विडम्बना पर संकेत करैत अछि।

१४०६. (A) सम्बन्ध, संबोधन आ सामुदायिक व्यवहार — गुरुमैता-सप्तैता सन शीर्षक लोक-संबोधन, नातेदारी वा सामुदायिक रिश्ताक संकेत बनबैत अछि।
१४०७. (A) विद्यापति-समयक कृषि-जीवन — शीर्षक विद्यापतिकालीन मिथिलाक कृषि व्यवस्था आ जीवन-संसार पर केन्द्रित अछि।
१४०८. (A) विद्यापति-काव्यक विरह-संवेदना — ई आलेख विद्यापतिक रचनामे प्रेम, विरह आ भाव-संरचना पर विचार करैत अछि।
१४०९. (A) इतिहास-सामाजिक जीवन आ काव्य-संवेदना दुनू — कृषि लेख सामाजिक-इतिहास खोलैत अछि, विरह लेख काव्य-संवेदना; दूनू मिलि विद्यापति-युगक व्यापक पाठ बनबैत अछि।
१४१०. (A) छोट कथा, गजल-आलोचना, लोक-सम्बन्ध आ विद्यापति-विमर्शक मिश्रण — बीहनि कथा, गजल-बहस, बुरिराज, गुरुमैता-सप्तैता आ विद्यापति-आलेख अंकक विविध वैचारिक स्वर बनबैत अछि।
१४११. (A) दूटा आलेख, दूटा लघुकथा आ “नमस्तस्यै” उपन्यासक आगू भाग — सामग्री-सूचीमे हुनकर दू आलेख, दू लघुकथा आ “नमस्तस्यै” उपन्यासक आगूक भाग देल अछि।
१४१२. (A) उपन्यासक निरन्तर कथा-पाठ — क्रमशः प्रकाशित उपन्यास पाठककें अगिला कड़ीक प्रतीक्षा आ निरन्तर कथा-बन्धन दैत अछि।
१४१३. (A) उपन्यासक पहिल खेप — सामग्री-सूचीमे “हमर गाम”कें उपन्यासक पहिल खेप रूपमे देल गेल अछि।
१४१४. (A) गाम, स्मृति, अपनत्व आ सामुदायिक जीवन — हमर गाम कहब अपन माटि, लोक, नातेदारी, स्मृति आ ग्रामीण संसारक कथा-दिशा खोलैत अछि।
१४१५. (A) “पंगु” उपन्यासक आगू भाग आ दूटा लघुकथा — सूचीमे “पंगु”क आगू भाग संग हुनकर दूटा लघुकथाक उल्लेख अछि।
१४१६. (A) दू अलग उपन्यासिक दिशाक समानान्तर उपस्थिति — दूटा उपन्यास-कड़ी एकहि अंकमे रहब विदेहक दीर्घ कथात्मक सामग्रीक विस्तार देखबैत अछि।
१४१७. (A) समकालीन पद्य-संवेदना — पद्य भागमे उमेश पासवानक कविता अंक कें कथा-आलोचना सँ बाहर काव्य-संवेदना सेहो दैत अछि।
१४१८. (A) मौलिक आ अनूदित पद्यक संयुक्त उपस्थिति — अंकमे मौलिक कविता संग रजनी छाबड़ाक मूल हिन्दीसँ अनूदित काव्यक निरन्तरता देखाइत अछि।
१४१९. (A) आलेख, कथा, उपन्यास, कविता आ अनुवाद एक संग रहैत अछि — गद्य खण्डमे कथा-आलेख-उपन्यास अछि, पद्य खण्डमे कविता आ अनुवाद; एहि सँ संतुलित साहित्यिक अंक बनैत अछि।
१४२०. (A) विद्यापति-विमर्श, गजल-बहस, बीहनि कथा, दू उपन्यास-कड़ी आ पद्य-संवेदना — एहि अंकमे ऐतिहासिक आलेख, आलोचना, कथा, उपन्यास आ कविता सभ मिलि व्यापक साहित्यिक रूप बनबैत अछि।
१४२१. (A) बीहनि कथा — सामग्री-सूचीमे “पियार”कें बीहनि कथा रूपमे देल गेल अछि।
१४२२. (A) स्नेह, प्रेम, सम्बन्ध आ आत्मीयता — पियार शब्द मैथिली लोकजीवनमे स्नेह, अपनत्व, प्रेम आ भावनात्मक सम्बन्धक केन्द्र बनैत अछि।
१४२३. (A) प्रेममे पीड़ा, करुणा आ संवेदनशीलता — प्रेमक आँसु शीर्षक प्रेमक दुःख, करुण रस आ मनक कोमलता पर संकेत करैत अछि।
१४२४. (A) कन्यादान, विवाह-व्यवस्था आ सामाजिक संकट — शीर्षक कन्यादानक सामाजिक-सांस्कृतिक समस्या आ ओकर कारण पर आलेखक संकेत दैत अछि।
१४२५. (A) विवाह, बेटी, परिवार आ सामाजिक दबावक प्रश्न सामने अनैत अछि — कन्यादानक प्रश्न बेटी, परिवार, विवाह-रूढ़ि आ आर्थिक-सामाजिक दबावसँ गहिर जुड़ल अछि।
१४२६. (A) स्नेह सँ करुण प्रेम-अनुभव धरि — दूनू शीर्षक प्रेम, स्नेह, पीड़ा आ सम्बन्धक संवेदनशील संसार बनबैत अछि।
१४२७. (A) भावनात्मक सम्बन्ध आ सामाजिक रूढ़िक टकराव — एक दिस पियार-प्रेमक भाव अछि, दोसर दिस कन्यादानक रूढ़ि आ समस्या; एहि सँ सम्बन्ध आ व्यवस्था बीच तनाव उभरैत अछि।
१४२८. (A) क्षणिक संवाद वा प्रसंगमे गहिर भाव देखयबाक — बीहनि कथा छोट आकारमे प्रेम वा अपनत्वक तीक्ष्ण क्षण पकड़ि सकैत अछि।
१४२९. (A) भावुकता सँ अधिक सम्बन्धक पीड़ा आ मानवीय पक्ष देखबैत अछि — आँसु प्रेमक करुण, घायल आ ईमानदार पक्षक प्रतीक बनि कथा कें संवेदनशील बनबैत अछि।
१४३०. (A) प्रेम, बेटी, विवाह-संस्कृति आ सामाजिक दबावक स्वर — पियार, प्रेमक आँसु आ कन्यादानक समस्या मिलि प्रेम-संबन्ध आ समाजक रूढ़ि-दबाव कें केन्द्र बनबैत अछि।
१४३१. (A) तीनटा आलेख, दूटा लघुकथा आ “नमस्तस्यै” उपन्यासक आगू भाग — सामग्री-सूचीमे हुनकर तीन आलेख, दू लघुकथा आ “नमस्तस्यै”क आगूक भागक उल्लेख अछि।

१४३२. (A) उपन्यासक क्रमिक विकास — लगातार अंकसभमे “नमस्तस्यै”क आगूक भाग देल गेल, जे क्रमिक उपन्यास-पाठ बनबैत अछि।
१४३३. (A) उपन्यासक पहिल खेपक क्रम रूपमे — सामग्री-सूचीमे “हमर गाम” पहिल खेपक रूपमे जारी देखाइत अछि।
१४३४. (A) उपन्यासक आगू भाग आ दूटा लघुकथा संग — सूचीमे “पंगु” उपन्यासक आगू भाग आ दूटा लघुकथाक उल्लेख अछि।
१४३५. (A) विदेहक क्रमिक दीर्घ-कथा प्रकाशन पर बल — एहि तीन शीर्षकक उपस्थिति दीर्घ कथात्मक लेखनकेँ क्रमबद्ध ढंग सँ प्रकाशित करबाक प्रवृत्ति देखबैत अछि।
१४३६. (A) जीवनक कम्पन, वेदना वा भाव-तरंग — “हेलतै प्राण” शीर्षक जीवन, मनक हिलोर आ भावात्मक तीव्रता दिस संकेत करैत अछि।
१४३७. (A) गजल-रचना आ गजल-विमर्शक निरन्तर उपस्थिति — पूर्व अंकीय गजल-विमर्शक संग एहि अंकमे गजल-रचना सेहो उपस्थित अछि।
१४३८. (A) समकालीन कविता आ स्मृति-केन्द्रित भाव — कविता आ स्मृति शेष मिलि भाव, स्मरण आ काव्यात्मक संवेदनाकेँ पद्य खण्डमे जोड़ैत अछि।
१४३९. (A) मौलिक कविता आ अनुवादक व्यापक पद्य-संसार — अंकमे अनेक कविक कविता संग मूल हिन्दीसँ अनूदित काव्य सेहो रहब पद्यक विस्तार देखबैत अछि।
१४४०. (A) लघुकथा-संग्रह, गजल-विमर्श, स्त्री-सामाजिक प्रश्न, उपन्यास-क्रम, कविता आ अनुवादक विस्तार — एहि पाँच अंकमे मरजादक भोज, दूधबेचनी, गजल तुलना, आधुनिक गजल परिचय, विद्यापति-विमर्श, कन्यादान प्रश्न, उपन्यास-क्रम आ पद्य सभ समाहित अछि।
१४४१. (A) उपन्यासक आगू भाग रूपमे — सामग्री-सूचीमे “हमर गाम”केँ उपन्यासक आगूक भाग रूपमे राखल गेल अछि, तें ई क्रमिक दीर्घ कथा अछि।
१४४२. (A) अनुभव सँ भेटल सलाह वा जीवन-पाठ — नसीहत शब्द जीवनक अनुभव, चेतावनी आ व्यवहारिक सीखक कथा-संकेत बनबैत अछि।
१४४३. (A) दूटा आलेख रूपमे — सूचीमे डॉ. बच्चेश्वर झाक दूटा आलेखक उल्लेख अछि, जे गद्य-विमर्शक उपस्थिति देखबैत अछि।
१४४४. (A) तीनटा आलेख, दूटा लघुकथा आ “नमस्तस्यै” उपन्यास — हुनकर नामक संग तीन आलेख, दू लघुकथा आ उपन्यास “नमस्तस्यै”क आगू भाग देल गेल अछि।
१४४५. (A) दीर्घ कथाक क्रमिक प्रकाशन — लगातार अंकसभमे “नमस्तस्यै”क आगू भाग छपैत रहब क्रमिक उपन्यास-पाठक संकेत अछि।
१४४६. (A) उपन्यासक आगू भाग आ दूटा लघुकथा संग — सूचीमे “पंगु” उपन्यासक आगू भाग आ दूटा लघुकथाक उल्लेख अछि।
१४४७. (A) ग्राम-स्मृति आ सामाजिक कथा-धाराक समांतर निरन्तरता — दूनू उपन्यासिक धारा गाम, समाज, जीवन-संघर्ष आ दीर्घ कथा-विकासक अलग-अलग रास्ता बनबैत अछि।
१४४८. (A) छोट प्रसंगमे नैतिक वा व्यवहारिक अर्थ खोलि सकैत अछि — नसीहत छोट कथात्मक घटनासँ मनुष्यक आचरण, भूल आ सीख केँ तीखा रूपमे व्यक्त करि सकैत अछि।
१४४९. (A) उपन्यास-क्रम, आलेख, लघुकथा आ जीवन-सीखक मिश्रित रूप — हमर गाम, नसीहत, डॉ. बच्चेश्वर झाक आलेख, नमस्तस्यै आ पंगु—सभ मिलि गद्यक बहुविध संसार बनबैत अछि।
१४५०. (A) हमर गाम, नमस्तस्यै आ पंगु — एहि अंकमे डॉ. योगेन्द्र पाठकक “हमर गाम”, रबीन्द्र नारायण मिश्रक “नमस्तस्यै” आ जगदीश प्रसाद मण्डलक “पंगु” क्रमिक कथा रूपे अछि।
१४५१. (A) लोकगीत/लोक-स्वरक भावभूमि — बटगवनी लोकगायन आ लोकजीवनक भावसँ जुड़ल शीर्षक अछि, जे पद्य खण्डमे सांस्कृतिक रंग जोड़ैत अछि।
१४५२. (A) गजल-रचनाक उपस्थिति आ पूर्व गजल-विमर्शक विस्तार — पूर्व अंकीय गजल-विमर्शक संग एहि अंकमे वास्तविक गजल-रचना सेहो देखाइत अछि।
१४५३. (A) समकालीन काव्य-संवेदना जोड़ैत अछि — किछु कविता सभ अंकमे समकालीन भाव, अनुभव आ काव्य-स्वरक विस्तार करैत अछि।
१४५४. (A) संक्षिप्त, तीखा आ बिम्बप्रधान कविता — हाइकू छोट आकारमे गहिर बिम्ब, क्षण आ प्रकृति/अनुभूतिक संकेत करबाक काव्यरूप अछि।
१४५५. (A) छोट बिम्ब-कविता आ छन्दबद्ध शेरक विधागत विविधता — हाइकू छोट बिम्बक रचना अछि, गजल शेर आ बहरक विधा; दुनू मिलि पद्यक विविध रूप देखबैत अछि।
१४५६. (A) अनुवाद द्वारा भाषिक-सांस्कृतिक सेतु — मूल हिन्दी काव्यक मैथिली अनुवाद अलग भाषा-संवेदना केँ मैथिली पाठक लग अनबाक प्रक्रिया अछि।
१४५७. (A) अनुवादक स्रोत आ रचनात्मक ऋण स्पष्ट होइत अछि — मूल कविक उल्लेख अनुवादक पारदर्शिता आ साहित्यिक संवाद दुनू केँ सुरक्षित करैत अछि।

१४५८. (A) हुनकर कवि आ अनुवादक दुनू रूप — एक दिस हुनकर अपन कविता अछि, दोसर दिस अनूदित काव्य; एहि सँ दूहरा रचनात्मक रूप देखाइत अछि।
१४५९. (A) लोकस्वर, गजल, हाइकू, कविता आ अनुवादक संगम — बटगवनी, गजल, प्रीतम कुमार निषादक कविता, हाइकू आ अनूदित/मौलिक काव्य मिलि विस्तृत पद्य-संसार बनबैत अछि।
१४६०. (A) उपन्यास-क्रम, लघुकथा, आलेख, लोक-पद्य, गजल, हाइकू आ अनुवादक बहुविध अंक — एहि अंकमे गद्यक दीर्घ धारासभ आ पद्यक अनेक रूप सभ एक संग उपस्थित अछि।
१४६१. (A) फिल्मी गीतक छन्द/लयक आलोचनात्मक परीक्षण — शीर्षक स्पष्ट करैत अछि जे फिल्मी गीतमे बहर, लय आ छन्द्रीय बनावट पर विवेचन अछि।
१४६२. (A) लय, मात्रा आ छन्दक अनुशासन — बहर कविता, गजल वा गीतक लयात्मक ढाँचा आ मात्रा-संरचना बुझयबाक आधार अछि।
१४६३. (A) लघुकथा — सामग्री-सूचीमे ई शीर्षक लघुकथा रूपमे अंकित अछि।
१४६४. (A) किसान आ ठेकेदारक शक्ति-असमानता — किसान आ ठेकेदारक नामे आर्थिक-सामाजिक टकराव, धोखा वा शोषणक संकेत दैत अछि।
१४६५. (A) उपन्यासक आगू भाग रूपमे — सूचीमे “हमर गाम”कें उपन्यासक आगूक भाग रूपमे दर्शाओल गेल अछि।
१४६६. (A) शिल्प-विवेचना आ सामाजिक कथा दुनू उपस्थित अछि — एक दिस गीतक बहरक आलोचना अछि, दोसर दिस किसान-ठेकेदारक सामाजिक कथा; एहि सँ अंकक दायरा बढ़ैत अछि।
१४६७. (A) गाम स्मृति, समाज आ पात्र-विकासक केन्द्र बनैत अछि — गाम-केन्द्रित उपन्यास ग्रामीण जीवन, सम्बन्ध आ स्मृतिक दीर्घ चित्र बना सकैत अछि।
१४६८. (A) श्रृंखलाक पहिल भाग — शीर्षकक “-१” देखबैत अछि जे ई विषय क्रमिक आलेखक पहिल भाग रूपमे प्रस्तुत अछि।
१४६९. (A) लोकप्रिय गीत आ छन्द-ज्ञानक बीच सम्बन्ध बुझयबाक लेल — लोकप्रिय गीतक लयक विश्लेषण पाठककें छन्द-बोध आ आधुनिक गीत-संस्कृति दुनू बुझबैत अछि।
१४७०. (A) छन्द्रीय आलोचना, किसानक सामाजिक कथा आ ग्राम-उपन्यासक निरन्तरता — हिन्दी फिल्मी गीतमे बहर, दशरथ किसानक लघुकथा आ हमर गाम मिलि शिल्प, समाज आ गामक त्रयी बनबैत अछि।
१४७१. (A) चोरी आ इमानदारीक नैतिक टकराव — इमानदार आ चोरक मेल नैतिक विडम्बना बनबैत अछि, जे कथा मे व्यंग्य वा द्वंद्व खोलि सकैत अछि।
१४७२. (A) दूटा आलेख रूपमे — सूचीमे नारायण यादवक कथा संग डॉ. बच्चेश्वर झाक दूटा आलेखक उल्लेख अछि।
१४७३. (A) उपन्यासक आगू भाग रूपमे — सामग्री-सूचीमे “नमस्तस्यै”क आगू भाग देल गेल अछि।
१४७४. (A) अशक्तता, प्रकृति आ ग्रामीण स्मृतिक मेल — “पंगु” सामाजिक/मानसिक संकट दिस आ “आमक गाछी” ग्रामीण स्मृति/प्रकृति दिस संकेत करैत अछि।
१४७५. (A) अनुभव आ काव्य-संवेदनाक अलग स्वर — किछु कविता सभ अंकमे स्वतंत्र काव्य-स्वर आ भाव-संसार जोड़ैत अछि।
१४७६. (A) कविस्वरक विविधता — अनेक कविक कविता रहला सँ पद्य भागक स्वर-रंग विविध होइत अछि।
१४७७. (A) अनुवाद आ मौलिक काव्य दुनूकें जोड़ैत अछि — अनूदित काव्य संग हुनकर कविता रहब भाषिक सेतु आ मौलिक अभिव्यक्ति दुनू देखबैत अछि।
१४७८. (A) सम्मान, स्मरण आ बाल-पाठक लेल व्यक्तित्व-परिचय — बाल खण्डमे श्रद्धांजलि देब बाल पाठक कें एक जन-व्यक्तित्वक स्मरण आ आदरक पाठ दैत अछि।
१४७९. (A) नैतिक विडम्बना सँ आदर्श-स्मरण धरि — एक दिस चोरक इमानदारीक विडम्बना अछि, दोसर दिस सार्वजनिक व्यक्तित्वक आदर; एहि सँ नैतिक चर्चा विस्तार पबैत अछि।
१४८०. (A) छन्द-विमर्श, लघुकथा, उपन्यास-क्रम, कविता, अनुवाद आ बाल-श्रद्धांजलिक संगम — अंकमे फिल्मी गीतक बहर, किसानक लघुकथा, इमानदार चोर, नमस्तस्यै, पंगु, कविता-अनुवाद आ बाल श्रद्धांजलि सभ अछि।
१४८१. (A) विवाह-संस्था, परम्परा आ सामाजिक मूल्य — शीर्षक विवाह-संस्था आ ओकर सामाजिक/सांस्कृतिक समीक्षा दिस संकेत करैत अछि।
१४८२. (A) साहित्यिक आलोचना आ उपन्यास-पाठ — उपन्यासक विश्लेषणात्मक अध्ययन आलोचनात्मक गद्य अछि, जे कथा-रचना, पात्र वा विचारक विवेचन करैत अछि।
१४८३. (A) पहिल भागक बाद छन्द-विमर्शक अगिला भाग — “-२” बतबैत अछि जे गीतक बहर पर क्रमिक विवेचन दोसर भागमे आगू बढ़ैत अछि।
१४८४. (A) उपन्यासक आगू भाग रूपमे — सूचीमे “हमर गाम”क आगू भाग अंकित अछि, तें ई क्रमिक उपन्यास प्रकाशन अछि।

१४८५. (A) समाज आ साहित्य दुनूक आलोचनात्मक पाठ — विवाह पर सामाजिक समीक्षा आ “दू-पत्र” उपन्यासक पाठ, दूनू आलोचनात्मक विवेक केँ केन्द्र मे अनैत अछि।
१४८६. (A) लोकप्रिय गीतक लय-रचना पर क्रमिक अध्ययन — क्रमिक अध्ययनसँ पाठक गीतक लय, छन्द आ मात्राक प्रश्नकेँ विस्तार सँ बुझि सकैत अछि।
१४८७. (A) रचनाक भीतर संरचना आ अर्थ खोलबाक कोशिश — विश्लेषणात्मक अध्ययन कथा-कला, विचार, पात्र, संरचना आ अर्थक विवेचन करबाक संकेत अछि।
१४८८. (A) समाजक रूढ़ि, संस्कार आ बदलावक प्रश्न पर विचार करबैत अछि — विवाह मिथिला-सहित भारतीय समाजक प्रमुख संस्था अछि; ओकर समीक्षा सामाजिक बदलावक रास्ता खोली सकैत अछि।
१४८९. (A) ग्राम-जीवनक क्रमिक कथा-पट — हमर गामक आगू भाग गाम, सम्बन्ध आ समाजक निरन्तर कथा अंकमे जोड़ैत अछि।
१४९०. (A) विवाह-संस्था, उपन्यास-आलोचना, गीत-छन्द आ ग्राम-उपन्यासक मेल — देवेश झाक लेख, आशीषक बहर-विमर्श आ हमर गामक निरन्तरता मिलि समाज, शिल्प आ कथा केँ जोड़ैत अछि।
१४९१. (A) भाइ-बहिनक स्नेह, संघर्ष आ पारिवारिक सम्बन्ध — भाय-बहिन शीर्षक परिवार, आत्मीयता, दायित्व आ सम्बन्धक भावभूमि खोलैत अछि।
१४९२. (A) साहित्यिक योगदानक मूल्यांकन — शीर्षक स्पष्ट करैत अछि जे यदुनाथ झा “यदुवर”क साहित्यिक देन पर आलोचनात्मक आलेख अछि।
१४९३. (A) एकांकी — सामग्री-सूचीमे “वापसी”केँ एकांकी रूपमे अंकित कएल गेल अछि।
१४९४. (A) लौटब, पछाताप, पुनर्मिलन वा बदलल स्थिति — वापसी शब्द नाटकमे लौटबाक घटना, सम्बन्धक फेरबदल आ टकरावक सम्भावना खोलैत अछि।
१४९५. (A) उपन्यासक आगू भाग रूपमे — सूचीमे “नमस्तस्यै”क आगू भाग स्पष्ट रूपे देल अछि।
१४९६. (A) उपन्यासक धारावाहिक भाग आ दूटा लघुकथा — सूचीमे “पंगु” धारावाहिक उपन्यास आ दूटा लघुकथाक संग अंकित अछि।
१४९७. (A) परिवार, लौटब, संकट आ सामाजिक सम्बन्ध — एहि शीर्षकसभमे सम्बन्ध, वापसी, असहायता वा संघर्षक कथा-ऊर्जा मौजूद अछि।
१४९८. (A) साहित्य-इतिहास आ रचनाकार-मूल्यांकन — साहित्यकारक योगदान पर लेख मैथिली साहित्य-इतिहासक बोध आ आलोचनात्मक स्मृति जोड़ैत अछि।
१४९९. (A) अनेक कविस्वरक पद्य-विस्तार — कई कविक कविता रहब पद्य खण्डमे स्वर, लय आ अनुभवक विविधता बढ़बैत अछि।
१५००. (A) विवाह-समीक्षा, उपन्यास-विश्लेषण, बहर-विमर्श, पारिवारिक कथा, एकांकी, उपन्यास-क्रम आ कविता — एहि अंकमे सामाजिक समीक्षा, साहित्यिक आलोचना, कथा, नाटक, क्रमिक उपन्यास आ पद्य सभ एक संग उपलब्ध अछि।
१५०१. (A) पत्रिका-संस्कृति आ अनुवादक भूमिका — शीर्षक मैथिली पत्रिकामे अनुवाद साहित्यक स्थिति, उपयोगिता आ भूमिका पर संकेत करैत अछि।
१५०२. (A) भाषिक संवाद, साहित्यिक आदान-प्रदान आ पाठक-विस्तार बुझयबाक लेल — अनुवाद पत्रिका केँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ पाठककेँ नव साहित्यिक अनुभव दैत अछि।
१५०३. (A) अंधकारमे उजास, प्रतीक्षा आ आशाक बिम्ब — सगर राति दीप जरब अन्हार, जागरण, आशा आ प्रतीक्षाक प्रभावी बिम्ब अछि।
१५०४. (A) लम्बा संघर्ष वा प्रतीक्षा बीच प्रकाशक आग्रह — दीपक निरन्तर जलन जीवन-संघर्ष, आशा आ भावनात्मक प्रतीक्षाक कथा-संकेत बनैत अछि।
१५०५. (A) गजल-रचनाक सतत उपस्थिति — पूर्व अंकीय गजल-विमर्शक बाद एहि अंकमे दूटा गजल रचना रूपे उपस्थित अछि।
१५०६. (A) यात्रा, अनुभव वा संवेदनाक कविस्वर — बटोही नाम आ कविताक उपस्थिति काव्य-संवेदना, राह, अनुभव आ जीवन-दृष्टि दिस संकेत करैत अछि।
१५०७. (A) आलोचनात्मक गद्य आ रचनात्मक पद्यक संयोजन — अनुवाद-विमर्श गद्य-आलोचना अछि, जबकि गजल रचनात्मक पद्य; दूनू मिलि अंकक विविधता बनबैत अछि।
१५०८. (A) भाषा-संवादक मंच रूपमे पत्रिका — पत्रिका अनुवाद छापि भाषासभक बीच साहित्यिक सेतु बना सकैत अछि।
१५०९. (A) आशा, वेदना, प्रतीक्षा आ भाव-सघनता — दीपक बिम्ब आ गजल दुनू मनक संवेदना, प्रतीक्षा आ करुण भावक राह खोलैत अछि।
१५१०. (A) अनुवाद-विमर्श, आशाक गद्य-बिम्ब आ गजल-कविता — मैथिली पत्रिकामे अनुवाद साहित्य, सगर राति दीप जरय, दू गजल आ कवितासभ मिलि आलोचना आ काव्यक मिश्रित खण्ड बनबैत अछि।
१५११. (A) देवी-परम्परा, शक्ति आ सांस्कृतिक आस्था — नवदुर्गा शीर्षक दुर्गा-पूजा, शक्ति-परम्परा आ सांस्कृतिक श्रद्धाक बिम्ब खोलैत अछि।
१५१२. (A) नव कवि-स्वर आ स्वतंत्र काव्य-संवेदना — एकटा कविता सेहो अंकमे अलग कविस्वर आ अनुभवक प्रतिनिधित्व करि सकैत अछि।

- १५१३. (A) बाल-खेल, भाषा-लय आ चंचलता** — शीर्षकक लयात्मकता आ खेल-भाव बाल-पाठकक चंचल, मौखिक संसारकेँ नजदीक अनैत अछि।
- १५१४. (A) गजल-विधाकेँ बाल-पाठक लेल सरल बनयबाक कोशिश** — बाल गजल गजल-विधानकेँ बाल-संवेदना आ सरल भाषा दिस मोड़बाक रचनात्मक प्रयोग अछि।
- १५१५. (A) बाल-साहित्यक भीतर लय, गीतात्मकता आ विधा-प्रयोग** — बाल खण्डमे लयात्मक बाल-रचना आ बाल गजल दुनू रहब बाल-साहित्यक प्रयोगशीलता देखबैत अछि।
- १५१६. (A) लोक-आस्था सँ बाल-संवेदना धरि** — नवदुर्गा सांस्कृतिक शक्ति-बिम्ब अछि, बाल रचना बाल-लोकक लय; दूनू मिलि सांस्कृतिक विस्तार बनबैत अछि।
- १५१७. (A) गजल, भक्तिपरक/सांस्कृतिक कविता, स्वतंत्र कविता आ बाल कविता सभ अछि** — आशीषक गजल, बटोहीक कविता, नवदुर्गा, सृजन शेखरक कविता आ बाल रचनासभ पद्य-विस्तार देखबैत अछि।
- १५१८. (A) ध्वनि, गति आ खेलक आमन्त्रण दैत अछि** — बाल-साहित्य मे बोलचाल, ध्वनि-खेल आ गतिविधि पाठककेँ तुरन्त जोड़ैत अछि।
- १५१९. (A) कठिन मानी गेल गजल-विधाकेँ बाल-भाषा मे ढालैत अछि** — बाल गजल छन्द, तुक आ लयक विधाकेँ बच्चाक अनुभव आ सरल अभिव्यक्तिसँ जोड़ैत अछि।
- १५२०. (A) अनुवाद-साहित्यक आलोचना, आशाक गद्य, गजल-कविता, नवदुर्गा आ बाल-रचनाक बहुविध अंक** — एहि अंकमे अनुवाद-विमर्श, सगर राति दीप जरय, गजल, कविता, नवदुर्गा आ बाल गजल सभ उपस्थित अछि।
- १५२१. (A) मिथिलाक प्रमुख व्यक्तित्व/विभूतिक परिचय आ मूल्यांकन** — शीर्षक आयाची मिश्रकेँ मिथिलाक विभूति रूपमे राखि हुनकर महत्त्व पर आलेखक संकेत दैत अछि।
- १५२२. (A) विशिष्ट सांस्कृतिक/बौद्धिक योगदानक मान्यता** — विभूति शब्द ओहि व्यक्तिक लेल प्रयुक्त होइत अछि जे अपन क्षेत्रक गौरवपूर्ण योगदान करैत छथि।
- १५२३. (A) उपहारक बहाना सँ सम्बन्ध, अपेक्षा वा विडम्बना** — गिफ्ट उपहार, लेन-देन, भावना, लोभ वा सम्बन्धक छिपल अर्थ खोलि सकैत अछि।
- १५२४. (A) फिल्मी गीतक छन्द-विमर्शक तेसर भाग** — “-३” देखबैत अछि जे पूर्व भागसभक बाद बहर-विमर्श तेसर कड़ीमे आगू बढ़ल अछि।
- १५२५. (A) विषयक गहिराई आ क्रमिक अध्ययनक आवश्यकता** — फिल्मी गीतक लय-छन्द पर अनेक भागमे चर्चा विषयक विस्तार आ सूक्ष्मता देखबैत अछि।
- १५२६. (A) परम्परागत विद्वत्ता सँ आधुनिक लोकप्रिय गीत-शिल्प धरि** — एक दिस मिथिलाक विभूति पर आलेख अछि, दोसर दिस आधुनिक फिल्मी गीतक छन्दीय विवेचना; एहि सँ अतीत आ आधुनिकता जुड़ैत अछि।
- १५२७. (A) साधारण वस्तुक भीतर सम्बन्धक जटिल अर्थ खोलि सकैत अछि** — उपहार साधारण वस्तु होइतहुँ प्रेम, स्वार्थ, अपेक्षा वा सामाजिक दूरीक प्रतीक बनि सकैत अछि।
- १५२८. (A) व्यक्तित्व-आलेख, कथा आ शिल्प-विमर्श तीनू अलग विधा अछि** — एहि सूचीमे एक सांस्कृतिक व्यक्तित्वक आलेख, एक कथा-संकेत आ एक छन्द-आलोचना एक संग अछि।
- १५२९. (A) मैथिली आलोचनाक भाषा मे लोकप्रिय गीतक शास्त्रीय पाठ बनबैत अछि** — एहि प्रकारक लेख लोकप्रिय हिन्दी गीत केँ मैथिली आलोचनात्मक भाषा मे विश्लेषित करैत अछि।
- १५३०. (A) मिथिलाक विभूति-स्मरण, सामाजिक कथा आ फिल्मी गीतक छन्द-विमर्श** — आयाची मिश्र पर आलेख, “गिफ्ट” कथा आ बहर-३ मिलि परम्परा, कथा आ आधुनिक गीत-शिल्पक त्रयी बनबैत अछि।
- १५३१. (A) उपन्यासक आगू भाग रूपमे** — सूचीमे “हमर गाम” उपन्यासक आगू भाग रूपे प्रस्तुत अछि।
- १५३२. (A) दूटा आलेख, दूटा लघुकथा आ उपन्यासक आगू भाग संग** — सूचीमे हुनकर दूटा आलेख, दूटा लघुकथा आ “नमस्तस्यै” उपन्यासक आगू भागक उल्लेख अछि।
- १५३३. (A) धारावाहिक उपन्यास आ दूटा लघुकथा संग** — सामग्री-सूचीमे “पंगु” धारावाहिक उपन्यास आ दूटा लघुकथा रूपमे देल अछि।
- १५३४. (A) क्रमिक उपन्यास प्रकाशनक मजबूत परम्परा** — तीन दीर्घ कथा-धारा एक संग रहब विदेहक धारावाहिक उपन्यास प्रकाशन पर बल देखबैत अछि।
- १५३५. (A) अति-संक्षिप्त क्षणिका आ अपेक्षाकृत विस्तृत कविता दुनू** — क्षणिका छोट, तीखा काव्यरूप अछि; तीन कविता संग ई पद्य भागमे आकारगत विविधता आनैत अछि।
- १५३६. (A) स्थिर कविस्वरक निरन्तर उपस्थिति** — पिछला अंको मे देखल कवि-उपस्थिति आगू जारी रहब पद्यक निरन्तरता बनबैत अछि।

१५३७. (A) अनुभव-यात्रा आ संवेदनशील काव्य-स्वर — बटोहीक कविता सभ पद्य भागमे अलग रचनात्मक स्वर आ जीवन-अनुभव जोड़ैत अछि।
१५३८. (A) अनेक कविक समकालीन पद्य-संवाद — अनेक कवि एक अंकमे रहला सँ पद्य खण्ड बहुस्वरीय बनैत अछि।
१५३९. (A) मौलिक काव्यक सतत उपस्थिति — डॉ. शिवकुमार प्रसादक कविता सभ पूर्व अंकीय पद्य-धाराक निरन्तरता बनबैत अछि।
१५४०. (A) उपन्यास-क्रम, लघुकथा, आलेख, बहर-विमर्श, अनुवाद-विमर्श, बाल-साहित्य, गजल आ कविता-विस्तार — एहि पाँच अंकमे हमर गाम, नमस्तस्यै, पंगु, बहर-शृंखला, अनुवाद-साहित्य, बाल गजल, गिफ्ट, आयाची मिश्र, गजल-कविता आ अनुवाद/मौलिक पद्य सभ समाहित अछि।
१५४१. (A) लघुकथा — सामग्री-सूचीमे “चनमा” स्पष्ट रूपे लघुकथा कहल गेल अछि।
१५४२. (A) स्मृति, उपकार आ मानवीय ऋणक भाव — कथा आरम्भमे पुरान घटना स्मरण होइत अछि, जाहि सँ मानवीय सम्बन्ध आ उपकारक भाव खुलैत अछि।
१५४३. (A) पूर्व पुलिस अधिकारी, विधायक आ मन्त्री — कथांशमे सुधीर बाबूक पुलिस सेवा, सार्वजनिक जीवन आ राजनीतिक पदक उल्लेख भेटैत अछि।
१५४४. (A) सामाजिक-समीक्षात्मक आलेख — शीर्षक विवाह-संस्थाक परीक्षण आ सामाजिक समीक्षा दिस संकेत करैत अछि।
१५४५. (A) विवाह-संस्कार, समाज आ मूल्य-व्यवस्थाक विचार — हिन्दू विवाह पर समीक्षा समाजक रीत, संस्कार आ मूल्यक आलोचनात्मक पढ़ाइ बनैत अछि।
१५४६. (A) मानवशास्त्रीय विवेचना — शीर्षक स्वयं मैथिलानीक मनोदशाक मानवशास्त्रीय विवेचना कहैत अछि।
१५४७. (A) लोक-भाषा, लोक-अनुभव आ स्त्री-संवेदनाक अध्ययन — फकड़ा लोक-मौखिक परम्परासँ जुड़ल अछि, आ मैथिलानीक मनोदशा स्त्री-अनुभवक सांस्कृतिक अध्ययन बनैत अछि।
१५४८. (A) गद्य-विधाक बहुविध विस्तार — एहि खण्डमे कथा, सामाजिक समीक्षा आ मानवशास्त्रीय लेख तीन भिन्न गद्य-रूप उपस्थित अछि।
१५४९. (A) व्यक्ति-कथा सँ समाज-संस्था धरि — एक शीर्षक व्यक्तिगत कथा-संसार खोलैत अछि, दोसर विवाह सन सामाजिक संस्थाक समीक्षा करैत अछि।
१५५०. (A) मानवीय कथा, सामाजिक आलोचना आ लोक-मानवशास्त्रक समन्वय — प्रणव झाक लघुकथा, देवेश झाक विवाह-समीक्षा आ डॉ. मिश्रक मानवशास्त्रीय आलेख मिलि गद्यक बहुस्वर बनबैत अछि।
१५५१. (A) हिन्दी फिल्मी गीतक बहर/छन्द-विमर्श — “बहर-४” शीर्षक पूर्व भागसभक बाद फिल्मी गीतक छन्दीय विवेचनाकें आगू बढ़बैत अछि।
१५५२. (A) लोकप्रिय गीतक छन्दीय अध्ययन — बहरक चर्चा गीतक लय, वजन आ रचनात्मक संरचना पर आलोचनात्मक दृष्टि राखैत अछि।
१५५३. (A) संक्षिप्त कथा-रचना — बीहनि कथा छोट आकारक कथा-रूपक संकेत दैत अछि।
१५५४. (A) रचनात्मकता आ नव-सर्जनक काव्य-भाव — “सृजन” शीर्षक स्वयं रचना, निर्माण आ सर्जनात्मक चेतनाक संकेत दैत अछि।
१५५५. (A) कवि-व्यक्तित्वक स्मरण आ साहित्यिक श्रद्धा — महाकवि लाल दास पर रचना साहित्यिक परम्परा आ कवि-स्मृति दिस पाठककें लय जाइत अछि।
१५५६. (A) अनेक कवि-स्वरक संयोजन — पद्य-सूचीमे अलग-अलग कवि सभक नाम रहब बहुस्वरीय काव्य-परिवेश बनबैत अछि।
१५५७. (A) घर-आँगन, सम्बोधन आ लोक-आत्मीयता — “कक्का” आ “अंगना” सन शब्द घरेलू, लोक-आत्मीय आ सम्बोधन-प्रधान संसार बनबैत अछि।
१५५८. (A) यात्रा, अनुभव आ संवेदनशीलता — “बटोही” नाम आ कविता-द्वय पद्य भागमे अनुभव-यात्रा आ जीवन-संवेदना जोड़ैत अछि।
१५५९. (A) गीत आ गजल विधाक व्यापक उपस्थिति — एक गीत संग २७ गजल अंक २६१क पद्य भागमे गजल-विस्तारक मजबूत संकेत अछि।
१५६०. (A) गजल-विधाकें बाल-पाठक दिस मोड़बाक प्रयोग — बाल गजल विधागत प्रयोग अछि, जे गजलक लय आ तुककें बाल-संवेदना संग जोड़ैत अछि।
१५६१. (A) कथा-संग्रह — शीर्षक-पृष्ठ आ अंग्रेजी विवरणमे ई कथा-संग्रह रूपमे चिन्हित अछि।
१५६२. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — शीर्षक-सूचनामे कथाक पाण्डुलिपि जगदीश प्रसाद मण्डलक कहल गेल अछि।
१५६३. (A) उमेश मण्डल — स्रोत-सूचीमे सम्पादन, संकलन आ छाया उमेश मण्डलक नामसँ देल अछि।
१५६४. (A) मैथिली डिजिटल पाण्डुलिपि कथाक आरम्भिक महत्त्व — परिचय कथासभकें मैथिली डिजिटल-पाण्डुलिपि कथा रूपमे विशेष ऐतिहासिकता दैत अछि।
१५६५. (A) साफ भेद, विवेक आ छानबीन — दूध-पानि अलग करबाक मुहावरा सत्य-असत्य वा मूल्यक भेद बुझबैत अछि।
१५६६. (A) ई-पत्रिकामे पुस्तकाकार सामग्रीक संरक्षण — पूरा कथा-संग्रह समाहित करब पत्रिकाकें डिजिटल पुस्तक-पेटार बनबैत अछि।

१५६७. (A) गाम, लोक-जीवन आ सामाजिक सम्बन्ध — अनुक्रमक शीर्षकसभ—अपन गाम, आमक गाछ, चटवाह, अकाल—लोकजीवनक केन्द्र देखबैत अछि।
१५६८. (A) रचना, छाया आ संपादन मिलि पाण्डुलिपिक संरक्षण करैत अछि — छायांकन आ संपादनक उल्लेख पाण्डुलिपि-संरक्षणक दस्तावेजी स्वरूप देखबैत अछि।
१५६९. (A) गद्य-कथा — पूरा अंक एक कथा-संग्रहक रूपमे केन्द्रित अछि, ताहि लेल गद्य-कथा प्रमुख विधा अछि।
१५७०. (A) डिजिटल पाण्डुलिपि कथा-संग्रहक विशेष प्रस्तुति — दुध-पानि फराक फराकक सम्पूर्ण प्रस्तुति अंक २६२कें कथा-संग्रह केन्द्रित बनबैत अछि।
१५७१. (A) ग्राम्य जीवन आ आत्मीय परिवेश — अपन गाम शीर्षक पाठककें गामक स्मृति, अपनत्व आ लोक-परिवेश दिस लय जाइत अछि।
१५७२. (A) परिवर्तन, संघर्ष वा जागरणक भाव — क्रान्ति शब्द सामाजिक बदलाव आ संघर्षक बोध करबैत अछि।
१५७३. (A) गामक प्रकृति, छाँह आ स्मृतिक केन्द्र — आमक गाछ मिथिला-ग्राम्य जीवनमे प्रकृति, फल, छाँह आ घरेलू स्मृति सँ जुड़ल बिम्ब अछि।
१५७४. (A) गामक लोक-चरित्र आ बोलीक संसार — एहन शीर्षक लोकबोली आ ग्रामीण चरित्रक निकटता देखबैत अछि।
१५७५. (A) पीड़ित वा अनुभव-भोगैत लोकक कथा-दृष्टि — भोगित्या शब्द अनुभव भोगनिहार, पीड़ा वा जीवन-संघर्षक पात्रक संकेत दैत अछि।
१५७६. (A) मोह, भ्रम आ टूटैत अपेक्षा — झूठ सपना आशा आ भ्रमक द्वंद्व दिस पाठककें लय जाइत अछि।
१५७७. (A) व्यक्तिगत वा सामूहिक अनुभवकें जोड़बाक — याद शब्द स्मृति, अनुभव आ अतीतक लौटानक कथा-संभावना खोलैत अछि।
१५७८. (A) मतभेद, दृष्टिभेद आ संवादक तनाव — बिचारभेद अलग-अलग दृष्टि आ सामाजिक बहसक कथा-विषय बना सकैत अछि।
१५७९. (A) अन्हारमे प्रकाश, आशा आ उत्सव — दीपक बिम्ब प्रकाश, आशा, पारिवारिक उत्सव आ लोक-आस्थासँ जुड़ल अछि।
१५८०. (A) जीवन-संकट, अभाव आ सामाजिक परीक्षा — अकाल शीर्षक अभाव, विपत्ति आ समाजक कठिन परीक्षा पर केन्द्रित कथा-दृष्टि बनबैत अछि।
१५८१. (A) एकांक-संग्रह — शीर्षक-पृष्ठमे “वापसी” एकांक-संग्रह रूपमे प्रस्तुत अछि।
१५८२. (A) राजदेव मण्डल — स्रोतमे “वापसी” राजदेव मण्डलक एकांक-संग्रह कहल गेल अछि।
१५८३. (A) लौटान, स्मृति आ सम्बन्धक पुनर्स्थापन — वापसी शब्द लौटबाक, संबंधक फेरसँ देखबाक आ स्थितिक बदलबाक संकेत दैत अछि।
१५८४. (A) रंगमंचीय प्रस्तुति लेल पात्र-व्यवस्था — नाटक/एकांकमे पात्र-परिचय मंचन आ पाठ दूनू लेल जरूरी संरचनात्मक तत्व अछि।
१५८५. (A) दुहेजक लोभी बेकती — पात्र-परिचयमे पतिलालकें दुहेजक लोभी बेकती कहल गेल अछि।
१५८६. (A) पतिलालक ग्रामीण — पात्र-सूचीमे लुत्तिचन पतिलालक ग्रामीण रूपमे देल गेल अछि।
१५८७. (A) पतिलालक बेटा — पात्र-परिचयमे केंतालालकें पतिलालक बेटा कहल गेल अछि।
१५८८. (A) पतिलालक समधी — पात्र-सूचीमे चन्द्रसेन पतिलालक समधी रूपमे अंकित छथि।
१५८९. (A) केंतालालक पत्नी आ चन्द्रसेनक बेटी — पात्र-सूचीमे फूलोतिया केंतालालक पत्नी आ चन्द्रसेनक बेटी कहल गेल अछि।
१५९०. (A) दुहेज, पारिवारिक सम्बन्ध आ ग्राम्य समाज — पतिलालक लोभ, समधी-सम्बन्ध आ ग्रामीण पात्र सभ दुहेज-संबंधित सामाजिक रंगमंचक भूमि बनबैत अछि।
१५९१. (A) लोकजीवन आ बोलचालक रंग — ग्रामीण पात्र नाटकमे लोक-भाषा, गामक सम्बन्ध आ सामाजिक टकराव अनैत अछि।
१५९२. (A) सामाजिक कुरीतिक आलोचना — लोभी पात्रक स्पष्ट परिचय दुहेजक बुराई पर नाटकक आलोचनात्मक रुख बनबैत अछि।
१५९३. (A) सीमित पात्र आ तीव्र संवादमे सामाजिक तनाव देखाबय लेल — एकांकी कम समयमे पात्र-टकराव, संवाद आ निष्कर्षक गहन प्रभाव पैदा करैत अछि।
१५९४. (A) परिवार आ समधी-पक्षक संघर्ष-भूमि — एहि पात्रसभक सम्बन्ध विवाह, परिवार आ सामाजिक लेनदेनक संघर्षक केंद्र बनैत अछि।
१५९५. (A) गामक सामूहिक दृष्टि आ सामाजिक टिप्पणी — ग्रामीण पात्र सभ कथानककें गामक सामूहिकता आ लोक-समाजसँ जोड़ैत छथि।
१५९६. (A) गलत सामाजिक राहसँ लौटबाक आवश्यकता — वापसी केवल भौतिक लौटान नहि, सामाजिक-सांस्कृतिक सुधार दिस फेरबाक संकेत सेहो भऽ सकैत अछि।
१५९७. (A) पात्रक विचार, टकराव आ परिवर्तन कें प्रत्यक्ष करब — नाटक संवाद-प्रधान विधा अछि; संवादें पात्रक मानसिकता आ सामाजिक संघर्ष उघारैत अछि।

१५९८. (A) विवाह, बेटी, पत्नी आ स्त्री-अनुभवक प्रश्न — फूलोतिया सन पात्र विवाह-संस्था आ पारिवारिक सम्बन्धमे स्त्रीक स्थिति दिस ध्यान लय जाइत अछि।
१५९९. (A) मैथिली रंगमंचीय साहित्यक डिजिटल संरक्षण — एकांक-संग्रहक प्रकाशन विदेहमे रंगमंचीय सामग्रीक संरक्षण आ प्रसारक काम करैत अछि।
१६००. (A) दुहेज-विमर्श आ ग्रामीण पात्र-सम्बन्धक एकांकी केन्द्रित अंक — वापसी एकांक-संग्रह, पात्र-परिचय आ सामाजिक विषय मिलि अंक २६३कें रंगमंचीय बनबैत अछि।
१६०१. (A) रामदेव प्रसाद मण्डल “झारूदार” — शीर्षक-सूचनामे गीतांजली झारू रामदेव प्रसाद मण्डल “झारूदार”क कृति रूपमे अछि।
१६०२. (A) गीत आ झारू — अंग्रेजी विवरणमे ई “Collection of Geet and Jharoo” कहल गेल अछि।
१६०३. (A) गीत-खंडक क्रमबद्ध व्यापकता — गीत १ सँ २२ धरिक क्रम कृतिमे गीतक एक स्वतंत्र खंड बनबैत अछि।
१६०४. (A) सफाइ, सुधार आ कुरीति हटयबाक प्रतीक — झारू सामान्यतः सफाइ आ अवांछित वस्तु हटयबाक प्रतीक अछि; एहि कृतिमे ई सुधारक बिम्ब बनैत अछि।
१६०५. (A) गीतात्मकता आ सामाजिक-व्यंग्य/सुधारक स्वर — गीत लय दैत अछि आ झारू-खंड सामाजिक सफाइ/सुधारक तीखा स्वर खोलैत अछि।
१६०६. (A) पूरी पुस्तक-धर्मिता संग गीत-सामग्रीक डिजिटल प्रसार — अंकमे गीतांजली झारू समाहित होएब विदेहक पुस्तक-संरक्षणक प्रवृत्ति देखबैत अछि।
१६०७. (A) गीतक अर्पण आ लयात्मक संकलन — गीतांजली शब्द गीतक अर्पण, संग्रह आ भावपूर्ण प्रस्तुति दिस संकेत करैत अछि।
१६०८. (A) सामाजिक सफाइ आ सुधारक चेतनाक कवि — झारूदार उपनाम झारू-बिम्बक माध्यमसँ सामाजिक बुराइ हटयबाक आकांक्षा देखबैत अछि।
१६०९. (A) क्रमबद्ध पठन आ कृतिरचनाक समझ — अनुक्रम पाठककें गीत-खंडक क्रम, विस्तार आ संरचना बुझबामे सहायक होइत अछि।
१६१०. (A) गीत, लय आ सुधारक प्रतीकक सम्मिलित प्रस्तुति — गीतांजली झारू गीतक लय आ झारूक सुधारक प्रतीककें एक कृतिमे जोड़ैत अछि।
१६११. (A) शासन-सुधारक आकांक्षा — शासक सुधारक शीर्षक सत्ता आ प्रशासनक सफाइ/सुधारक प्रश्न उठबैत अछि।
१६१२. (A) पुकार, चेतावनी वा संबोधनक तीखा स्वर — हकार शब्द पुकार वा आवाजक भाव बनबैत अछि, जे झारू-बिम्बक सुधारक स्वरकें तेज करैत अछि।
१६१३. (A) सम्मानक भाषा संग सफाइ/सुधारक कटाक्ष — अभिवादन सामान्यतः सम्मान अछि; झारू संग जुड़ि ई व्यंग्यात्मक सामाजिक टिप्पणी बनि सकैत अछि।
१६१४. (A) न्याय-व्यवस्थाक शुद्धि आ सुधार — शीर्षक न्याय क्षेत्रमे सुधारक आवश्यकता स्पष्ट करैत अछि।
१६१५. (A) दिशा देबाक वा मार्गदर्शन करबाक सुधारक प्रतीक — निर्देशक शब्द दिशा/मार्गदर्शनसँ जुड़ल अछि, आ झारू सुधारक क्रिया संग मिलैत अछि।
१६१६. (A) धन, लोभ वा अर्थ-व्यवहारक सुधार — पैसा पर झारू लगयबाक बिम्ब आर्थिक आ नैतिक सफाइक संकेत दैत अछि।
१६१७. (A) अज्ञान हटयबाक आ सही ज्ञान साफ करबाक लक्ष्य — ज्ञान सुधारक शीर्षक बौद्धिक अन्धकार हटयबाक प्रतीकात्मक घोषणा अछि।
१६१८. (A) समय-चेतना, अनुशासन आ जीवन-व्यवस्थाक सुधार — समय सुधारक शीर्षक जीवनमे समयक मूल्य आ अनुशासनक प्रश्न खोलैत अछि।
१६१९. (A) मनुष्यक व्यवस्था आ अन्धविश्वास दुनूक सफाइ — मानव तंत्र समाजक रचना पर, अन्धविश्वास शीर्षक मानसिक-सांस्कृतिक अँधार पर सुधारक प्रहार करैत अछि।
१६२०. (A) समाज-सुधार, व्यंग्य आ नैतिक सफाइक काव्यात्मक अभियान — शासन, न्याय, पैसा, ज्ञान, समय, गुरु, धर्म आ अन्धविश्वास सभ पर झारू-बिम्ब सुधारक अभियान बनबैत अछि।
१६२१. (A) निबंध, प्रबंध आ समालोचना — शीर्षक-सूचनामे चक्षु निबंध-प्रबंध-समालोचना संग्रह रूपमे देल अछि।
१६२२. (A) दुर्गानन्द मण्डल — शीर्षक-पृष्ठमे लेखक रूपे दुर्गानन्द मण्डलक नाम देल अछि।
१६२३. (A) दृष्टि, विवेक आ देखने-बुझनेक शक्ति — चक्षु अर्थात आँख; निबंध-समालोचनाक संग्रहमे ई दृष्टि आ विवेकक प्रतीक बनैत अछि।
१६२४. (A) प्रकृति, क्षय वा बचल सौन्दर्यक बिम्ब — मोलाइल गाछक फूल शीर्षक प्रकृति, जीवन-क्षीणता आ संवेदनशील दृष्टिक संकेत दैत अछि।
१६२५. (A) अस्तित्व, नश्वरता आ जीवनक अर्थ — जीवन-मरण सन शीर्षक मनुष्यक अस्तित्व आ नश्वरता पर विचार करबैत अछि।
१६२६. (A) बेटीक सम्मान, स्त्री-अस्मिता आ सामाजिक अन्याय — शीर्षक बेटी पर अपमानक प्रश्नकें सामाजिक आलोचनाक रूपमे देखैत अछि।
१६२७. (A) जीबाक जद्दोजहद, कठिनाई आ धैर्य — जीवन-संघर्ष मनुष्यक संघर्षमय जीवन आ धैर्यक विचार खोलैत अछि।

१६२८. (A) पुरस्कार, साहित्यिक मान्यता आ मूल्यांकनक प्रश्न — साहित्य पुरस्कार पर बहस साहित्यिक प्रतिष्ठा, चयन आ मूल्यपर आलोचनात्मक दृष्टि दैत अछि।
१६२९. (A) चित्रकथा आ दृश्यात्मक कथन — चित्रकथा शब्द कथा आ दृश्य दुनूक मिश्रित विधा दिस संकेत करैत अछि।
१६३०. (A) प्रकृति, जीवन-मरण, स्त्री-सम्मान, संघर्ष आ साहित्यिक मूल्यांकन — अनुक्रममे मोलाइल गाछक फूल, जीवन-मरण, बेटीक अपमान, जीवन-संघर्ष आ साहित्य पुरस्कार सन विविध आलोचनात्मक विषय अछि।
१६३१. (A) प्रकाश, सौन्दर्य आ मनोभावक कोमलता — ज्योत्स्ना चन्द्र-प्रकाशक बिम्ब अछि, जे संवेदनशील सौन्दर्य आ मनःस्थिति दिस संकेत करैत अछि।
१६३२. (A) दीप, आशा आ अन्हारक प्रतिरोध — राति आ दीपक बिम्ब अन्हारमे उजास आ आशाक रचनात्मक संकेत दैत अछि।
१६३३. (A) व्याख्या, अर्थ-निर्णय वा दार्शनिक विवेचना — निर्युक्ति शब्द व्याख्यात्मक/अर्थ-निर्धारक परम्परा दिस संकेत करैत अछि।
१६३४. (A) स्वतंत्रता, राष्ट्र आ नागरिक जिम्मेदारीक विवेचना — स्वतंत्रता दिवस आ स्वतंत्र भारतक संयोग राष्ट्रक अर्थ आ नागरिक भूमिकापर विचार करबैत अछि।
१६३५. (A) जीवनमे आशा आ विजयक सम्भावना — जिनगीक जीत शीर्षक संघर्षक बीच जीवन-बल आ सकारात्मक निष्कर्षक संकेत दैत अछि।
१६३६. (A) मिथिला/लोकजीवनक वस्तु-संसार आ घरेलू अनुभव — खौंइछ, तेल, साड़ी सन शब्द घरेलू-लोकजीवन आ स्त्री-संसारक बिम्ब बनबैत अछि।
१६३७. (A) नवजीवन, पुनर्जीवन आ नूतन आरम्भ — पुनर्नवा शब्द फेर सँ नव भेबाक, नूतन जीवनक आ पुनरुत्थानक संकेत दैत अछि।
१६३८. (A) स्थानीय समाज, पड़ोस आ सामुदायिक जीवन — टोल शब्द स्थानीय समाज आ पड़ोसक सामूहिक जीवनक कथा बनबैत अछि।
१६३९. (A) नई पीढ़ीकें दिशा, संस्कार आ चेतना देबाक प्रयास — निर्देशिका आ अंकुर मिलि नव पीढ़ी लेल मार्गदर्शन आ बढ़बाक संकेत बनबैत अछि।
१६४०. (A) लघुकथा, सामाजिक समीक्षा, बहर-विमर्श, कथा-संग्रह, एकांक, गीत-झारू आ निबंध-समालोचना — एहि पाँच अंकमे चनमा, हिन्दू विवाह, बहर-४, दुध-पानि फराक फराक, वापसी, गीतांजली झारू आ चक्षु सन विविध विधा समाहित अछि।
१६४१. (A) डॉ. बचेश्वर झा — अंक २६६क आरम्भमे “निबन्ध-निकुञ्ज” डॉ. बचेश्वर झाक कृति रूपे प्रस्तुत अछि।
१६४२. (A) निबंध, शोध-लेख, समीक्षा आ आलोचना — शीर्षक-सूचना आ पुस्तकक परिचय एकरा शोधपरक निबंध-समीक्षा संग्रह बनबैत अछि।
१६४३. (A) विद्यापति-युगक कृषि-संरचना आ लोकजीवन — शीर्षक स्पष्ट करैत अछि जे चर्चा विद्यापतिकालीन मिथिला आ कृषिसँ जुड़ल अछि।
१६४४. (A) राज-व्यवस्था आ प्रशासन — राजकीय विभागक चर्चा ऐतिहासिक प्रशासन आ शासन-संरचनाक अध्ययन खोलैत अछि।
१६४५. (A) मैथिल न्यायशास्त्र आ तर्कपरंपरा — कमलादित्य आ न्यायशास्त्रक उल्लेख मिथिलाक दार्शनिक-तार्किक विद्वता दिस संकेत करैत अछि।
१६४६. (A) इतिहास, समाज आ दर्शनकें एक संग पढ़बाक अवसर — कृषि, राजकीय व्यवस्था आ न्यायशास्त्रक लेख मिथिलाक बहुआयामी अतीत देखबैत अछि।
१६४७. (A) तथ्य, विवेचना आ आलोचनात्मक दृष्टि — निबंध-संग्रहक सामग्री शोध, समीक्षा आ आलोचनात्मक समझ पर टिकल अछि।
१६४८. (A) भूमि, उत्पादन आ ग्रामीण जीवन — कृषि पर चर्चा गाम, खेत, उत्पादन आ समाजक आर्थिक आधारकें प्रमुख बनबैत अछि।
१६४९. (A) शासन-व्यवस्था, पद-विभाजन आ प्रशासनिक ढांचा — राजकीय विभाग शब्द शासन-संरचना आ प्रशासनिक दायित्वक विवेचना करैत अछि।
१६५०. (A) मिथिलाक इतिहास, शासन, कृषि आ दार्शनिक परंपराक शोधपरक संचयन — डॉ. बचेश्वर झाक निबन्ध-निकुञ्ज विद्वत लेखनक विविध क्षेत्रकें एकत्र करैत अछि।
१६५१. (A) नव शताब्दीक कथा-प्रवृत्ति आ संवेदनाक अध्ययन — शीर्षक आधुनिक शताब्दीमे मैथिली कथाक स्वरूप आ बदलावक विवेचना करैत अछि।
१६५२. (A) साहित्यक विकास-क्रमक ऐतिहासिक दृष्टि — क्रमिक गाथा साहित्यक समयक्रम, प्रवृत्ति आ परिवर्तनकें जोड़ैत अछि।
१६५३. (A) बाल पाठक आ बाल-संवेदना — बाल साहित्यक लेख बालकक कल्पना, शिक्षा आ रचनात्मक संस्कार पर ध्यान देत अछि।
१६५४. (A) लोकधुन, गान-परंपरा आ सामुदायिक स्मृति — लोक संगीत परम्परा गाम-घरक गीत, स्मृति आ सामूहिक संस्कृति सँ जुड़ल अछि।
१६५५. (A) साहित्य आ सांस्कृतिक जीवनक परस्पर सम्बन्ध — साहित्य आ संस्कृति एक-दोसरा सँ जुड़ल मिथिलाक सामाजिक जीवनकें देखबैत अछि।
१६५६. (A) आधुनिक कविता-संग्रहक भाव, भाषा आ प्रवृत्ति — समकालीन कविताक स्वर पर विचार आधुनिक काव्य-संवेदनाक समीक्षा अछि।
१६५७. (A) आतिथ्य, सम्बन्ध आ लोक-व्यवहार — मेहमान शब्द लोक-सम्बन्ध, आतिथ्य आ सामाजिक व्यवहारक भाव खोलैत अछि।
१६५८. (A) सामाजिक जागरण आ आलोचनात्मक चेतना — सामाजिक चेतना साहित्यक जागरणकारी आ सुधारक भूमिकाकें रेखांकित करैत अछि।

१६५९. (A) लोकगाथा आ कथात्मक परंपरा — गाथा शब्द लोक-कथा, आख्यान आ सामूहिक स्मृतिक रूप अछि।
१६६०. (A) साहित्य-इतिहास, लोकसंस्कृति, बालसाहित्य आ सामाजिक चेतनाक विस्तार — बाल साहित्य, लोक संगीत, कविता, संस्कृति आ सामाजिक चेतना मिलि अंकक व्यापक साहित्यिक रूप बनबैत अछि।
१६६१. (A) लघुकथा — सामग्री-सूचीमे “पण्डिताइन” स्पष्ट रूपे लघुकथा कहल गेल अछि।
१६६२. (A) धार्मिक-सांस्कृतिक परिवेशसँ जुड़ल स्त्री-पात्र — पण्डिताइन शब्द पारिवारिक, धार्मिक आ सामाजिक प्रतिष्ठासँ जुड़ल स्त्री-संकेत बनबैत अछि।
१६६३. (A) विवाह, पुनर्विवाह आ सम्बन्धक जटिलता — दोसर बियाह शीर्षक विवाह-संस्था आ सामाजिक स्वीकृति/अस्वीकृतिक प्रश्न खोलैत अछि।
१६६४. (A) विचारात्मक गद्यक विस्तार — तीन निबंध एकहि लेखकक विचार-क्षेत्रकेँ गद्यभागमे विस्तार दैत अछि।
१६६५. (A) गीतक छन्द्रीय/लयात्मक विवेचना — बहर-५ फिल्मी गीतक वजन, लय आ संरचना पर चलैत विमर्शक अगिला कड़ी अछि।
१६६६. (A) कथात्मक आ विचारात्मक गद्यक सह-अस्तित्व — पण्डिताइन, दोसर बियाह आ निबंधसभ मिलि गद्यभागकेँ बहुविध बनबैत अछि।
१६६७. (A) परिवार, नाता आ सामाजिक मान्यता — पुनर्विवाहक प्रसंग परिवार, संबंध आ समाजक स्वीकृति पर विचार करबैत अछि।
१६६८. (A) फिल्मी गीतकेँ छन्द-समालोचनाक विषय बनबैत अछि — फिल्मी गीतक बहर पर लेख लोकप्रिय गीतकेँ साहित्यिक-छन्द्रीय अध्ययनमे आनैत अछि।
१६६९. (A) साहित्यिक मूल्य, पुरस्कार-राजनीति आ सार्वजनिक बहस — संपादकीयमे साहित्यक सार्वजनिक नैतिकता आ बहसक स्वर प्रमुख अछि।
१६७०. (A) सामाजिक कथा, विचार-निबंध आ गीत-छन्द आलोचनाक संयोग — पण्डिताइन, दोसर बियाह, निबंध आ बहर-५ मिलि गद्य आ आलोचनाकेँ एक संग रखैत अछि।
१६७१. (A) एक कवि-स्वरक व्यापक प्रस्तुति — ५६टा कविता देल रहब पद्यभागमे नीलमाधव चौधरीक विस्तृत उपस्थिति देखबैत अछि।
१६७२. (A) आशीष अनचिन्हार — सामग्री-सूचीमे नीलमाधव चौधरीक कविता प्रस्तुति आशीष अनचिन्हारसँ जुड़ल अछि।
१६७३. (A) यात्रा, अनुभव आ संवेदनशीलता — “बटोही” नाम आ कविता-द्वय जीवन-यात्रा आ अनुभवजन्य संवेदनाकेँ संकेत करैत अछि।
१६७४. (A) सफाई, सुधार आ व्यंग्यात्मक सामाजिक दृष्टि — झारूदारक झारू सामान्य वस्तुकेँ सामाजिक-सुधारक प्रतीक बनबैत अछि।
१६७५. (A) संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ तुकबद्ध अभिव्यक्ति — टनका छोट आकारक काव्य-प्रस्तुति रूपे पद्यभागमे आबैत अछि।
१६७६. (A) छोट-बड़ पद्यरूपक बहुविध संसार — लंबा कविता-समूह, टूटा कविता, झारू आ टनका मिलि विधागत विविधता बनबैत अछि।
१६७७. (A) दोष, विकार आ अंधविश्वास पर व्यंग्यात्मक प्रहार — झारू-बिम्ब साहित्यिक रूपे समाजक मैल हटयबाक प्रतीक बनैत अछि।
१६७८. (A) कवि-स्वरकेँ पर्याप्त विस्तार देबाक इच्छा — एहन विस्तृत प्रस्तुति पाठककेँ कविक संवेदना अनेक रूपमे देखबाक अवसर दैत अछि।
१६७९. (A) कविस्वरमे व्यक्तित्व आ लोक-छविक भूमिका — उपनाम कविक स्वभाव, लोक-संबंध आ रचनात्मक मुद्रा समझबाक एक संकेत अछि।
१६८०. (A) कविता-विस्तार, लघु-पद्य आ सुधारक व्यंग्यक मिलन — नीलमाधव चौधरीक कविता, बटोहीक कविता, झारूदारक झारू आ साहुक टनका मिलि बहुविध पद्य बनबैत अछि।
१६८१. (A) लघुकथा — सामग्री-सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक टूटा लघुकथा स्पष्ट अछि।
१६८२. (A) टूटा लघुकथा — सामग्री-सूची नन्द विलास रायकेँ टूटा लघुकथाक लेखक रूपे देखबैत अछि।
१६८३. (A) लघुकथा विधाक बहुस्वर — तीन लेखकक लघुकथा मिलि अंकमे संक्षिप्त कथा-विधाक विस्तार करैत अछि।
१६८४. (A) छोट आकारक कथा-रूपक सक्रियता — जगदीश, नन्द विलास आ नारायण यादवक लघुकथा एकहि अंकमे लघुकथा केन्द्रित स्वर बनबैत अछि।
१६८५. (A) नागरिकता, पहचान आ भारतीय समाजक प्रश्न — शीर्षक भारतीय मुसलमानक पहचान आ भारतीयताक अवधारणा पर विचार करैत अछि।
१६८६. (A) गीतेश शर्मा — सामग्री-सूचीमे मूल हिन्दी लेख गीतेश शर्माक कहल गेल अछि।
१६८७. (A) उमेश मण्डल — सामग्री-सूचीमे मैथिली अनुवाद उमेश मण्डलक नामसँ देल अछि।
१६८८. (A) भाषा-पार विचार-विनिमय आ पाठक-विस्तार — अनुवाद एक भाषाक विमर्शकेँ मैथिली पाठक समुदाय धरि पहुँचबैत अछि।
१६८९. (A) कथा-संवेदना आ वैचारिक विमर्शक संतुलन — लघुकथा मनुष्यक अनुभव खोलैत अछि, आ भारतीयता पर लेख सामाजिक-राष्ट्रीय विचार जोड़ैत अछि।

१६९०. (A) लघुकथा-विस्तार संग नागरिकता आ पहचानक विमर्श — दू-दू लघुकथा अनेक लेखकक आ भारतीयता पर अनुवादित लेख गद्यभागकेँ समृद्ध करैत अछि।
१६९१. (A) यात्रा, अनुभव आ जीवन-बोध — बटोहीक कविता अनुभव-यात्रा आ मानवीय संवेदनासँ जुड़ल मानल जा सकैत अछि।
१६९२. (A) लघु जापानी काव्यरूपक मैथिली प्रयोग — हाइकू आ शैनर्यू छोट, क्षण-प्रधान, त्वरित बिम्बक काव्यरूप अछि।
१६९३. (A) रूपगत प्रयोगशीलता आ संक्षिप्त अभिव्यक्ति — एहि रूपसभक प्रयोग मैथिली कविता में वैश्विक लघुरूपकेँ अपनयबाक चेष्टा देखबैत अछि।
१६९४. (A) सुधारक व्यंग्य आ लोक-बिम्ब — झारुदारक झारू अनेक अंकमे सामाजिक सफाईक प्रतीकात्मक रचना रूपे आवैत अछि।
१६९५. (A) तीर्थ, आस्था आ आत्मीय भूगोल — चारुधाम शब्द आस्था, तीर्थ आ सांस्कृतिक यात्राक बिम्ब बनबैत अछि।
१६९६. (A) मानव-सम्बन्ध, सामुदायिक जीवन आ सामाजिक प्रश्न — “समाज” शीर्षक स्वतः समुदाय, सम्बन्ध आ सामाजिक व्यवस्थाक विषय खोलैत अछि।
१६९७. (A) रूप आ विषयक व्यापक विविधता — लघु काव्यरूप, व्यंग्य, आस्था आ सामाजिक विषय मिलि पद्यभागकेँ विविध बनबैत अछि।
१६९८. (A) समाजक समस्या आ मूल्य पर विचार — समाज विषयक कविता सामूहिक जीवनक प्रश्नकेँ काव्यमे स्थान दैत अछि।
१६९९. (A) व्यक्तिगत आत्मीयता आ सांस्कृतिक अपनत्व — हमर शब्द पाठकक अनुभवकेँ निजी आ आत्मीय बनबैत अछि।
१७००. (A) लघु-काव्य प्रयोग, सामाजिक चेतना आ सांस्कृतिक आत्मीयता — बटोही, साहु, झारुदार, नन्द विलासराय आ पल्लवी मण्डलक रचनासभ पद्यकेँ बहुरंगी बनबैत अछि।
१७०१. (A) रचनासंसारसँ चुनल विचारक संक्षिप्त संचयन — शीर्षक मैथिली लेखकक रचनासंसारसँ बीछल विचारकेँ छोट पुस्तक-जकाँ प्रस्तुत करैत अछि।
१७०२. (A) छोट, सहज संग राखल जा सकय योग्य विचार-संग्रह — पाकेटलेक पोथी छोट आकार आ उपयोगी विचार-संग्रहक संकेत दैत अछि।
१७०३. (A) अत्यल्प आकारक कथा-रूप — बीहनि कथा छोट आकारक, बीज-जकाँ कथा-विचार देनिहार रूप अछि।
१७०४. (A) धारावाहिक वा पुनर्प्रस्तुत रचनात्मक निरन्तरता — पूर्व अंकसभमे सेहो वापसी आयल छल, ताहि सँ ई रचना-धाराक निरन्तरता सूचित होइत अछि।
१७०५. (A) फिल्मी गीतक बहर-विमर्शक अगिला कड़ी — बहर-६ शीर्षक स्पष्ट करैत अछि जे ई पूर्व भागसभक बादक निरन्तर लेख अछि।
१७०६. (A) लय, छन्द आ ध्वनिक संरचना — बहरक चर्चा गीतक छन्द, वजन आ ताल-रचनाकेँ समझैत अछि।
१७०७. (A) संक्षिप्त रूपमे विचार आ कथा दुनूक प्रस्तुति — दुनू शीर्षक छोट आकारमे सारगर्भित सामग्री देबाक दिशामे अछि।
१७०८. (A) फेर आबय, स्मृति आ सम्बन्धक पुनरागमन — वापसी शब्द लौटबाक क्रिया आ भावनात्मक पुनर्सम्बन्धक संकेत करैत अछि।
१७०९. (A) विधागत मिश्रण आ बहुस्तरीय पाठकीय अनुभव — बीहनि कथा, वापसी, विचार-पोथी आ बहर-६ मिलि गद्यक विविध क्षितिज खोलैत अछि।
१७१०. (A) संक्षिप्त विचार, लघुकथा, नाटकीय/कथात्मक वापसी आ गीत-छन्द समीक्षा — सामग्री-सूचीमे विचारक पाकेटलेक पोथी, बीहनि कथा, वापसी आ बहर-६ प्रमुख अछि।
१७११. (A) बटोहीक काव्य-उपस्थितिक सतत क्रम — बटोही अनेक अंकमे दूटा कविता संग आवैत छथि, जे निरन्तर काव्य-स्वर बनबैत अछि।
१७१२. (A) संक्षिप्त आ तीक्ष्ण पद्य-बिम्ब — टनका छोट आकारक पद्यरूप अछि, जाहिमे कम शब्दमे बात कहल जा सकैत अछि।
१७१३. (A) सामाजिक सफाई आ व्यंग्यक सतत काव्य-योजना — झारुदारक झारू बारंबार सामाजिक विकार पर प्रहार करैत प्रतीक रूपे सामने अबैत अछि।
१७१४. (A) नीतिपरक वा संक्षिप्त दो-पंक्तिय काव्यरूप — दोहा भारतीय काव्य-परम्परामे संक्षिप्त, लयात्मक आ अक्सर नीतिपरक रूप अछि।
१७१५. (A) लघु पद्यरूपसभक विविध प्रयोग — टनका आ दोहा दुनू छोट आकारक काव्यरूप अछि, मुदा दुनूक शैली भिन्न अछि।
१७१६. (A) अनुभवमूलक संवेदना आ सुधारक व्यंग्य — बटोहीक कविता जीवनानुभव दिस, झारुदारक झारू सामाजिक सफाई दिस संकेत करैत अछि।
१७१७. (A) छोट आकारमे अर्थ-सघन कथन — दोहा कम पंक्तिमे सारगर्भित बात कहबाक परंपरा रखैत अछि।
१७१८. (A) क्षणिक, तीक्ष्ण आ स्मरणीय कथन — टनका लघु आकारमे झटपट असर छोड़यबला काव्यात्मक कथनक संकेत करैत अछि।
१७१९. (A) कविता, टनका, झारू आ दोहा — सामग्री-सूचीमे ई चारू पद्यरूप स्पष्ट रूपे उपस्थित अछि।
१७२०. (A) लघु रूप, लोक-व्यंग्य आ काव्य-संवेदनाक संयोजन — बटोही, साहु, झारुदार आ नन्द विलासराय मिलि विविध पद्य-स्वर बनबैत छथि।
१७२१. (A) कथा/गद्य-रचना — सामग्री-सूचीमे ई गद्य भागक प्रमुख रचना रूपमे रखल अछि।

१७२२. (A) बुढ़ापा, असहायता आ सामाजिक विडंबना — बुढ़ भेलौं शीर्षक वृद्धावस्था आ जीवनक बदलैत स्थितिक संकेत दैत अछि।
१७२३. (A) संक्षिप्त कथा-संवेदना — सामग्री-सूचीमे अरुण लालक दूटा लघुकथा स्पष्ट अछि।
१७२४. (A) लेखक/रचना पर समीक्षात्मक विवेचना — शीर्षकमे रचना-नाम आ लेखक-नाम संग आओत अछि, जे समीक्षा वा आलोचनात्मक लेखक संकेत अछि।
१७२५. (A) क्षीणता, स्मृति आ बचल सौन्दर्यक संकेत — मौलाइल गाछक फूल प्रकृति, मुरझाहट आ संवेदनशील सौन्दर्यक बिम्ब बनैत अछि।
१७२६. (A) फिल्मी गीतक छन्द्रीय अध्ययन — बहर-७ पूर्व बहर-५ आ बहर-६क बाद गीत-छन्द विमर्शकें आगू बढ़बैत अछि।
१७२७. (A) जीवन-अनुभव, संक्षिप्त कथा आ आलोचनात्मक दृष्टिक मेल — तीन भिन्न गद्यरूप एकहि अंकमे पाठकीय विविधता पैदा करैत अछि।
१७२८. (A) शीर्षक लोकभाषाक मुहावरा आ जीवन-हास्य दुनू उठबैत अछि — “बुढ़ भेलौं तँ हुड़र गेलौं” सन वाक्य लोकबोली, हास्य आ पीड़ाक संगम बनबैत अछि।
१७२९. (A) कथा-संवेदना संग गीत-संरचना पर आलोचनात्मक रुचि — अरुण लालक लघुकथा आ बहर-७ एकहि अंकमे कथा आ आलोचना दुनूकें स्थान दैत अछि।
१७३०. (A) जीवन-विडंबना, लघुकथा, रचना-समीक्षा आ छन्द-विमर्श — बुढ़ भेलौं..., अरुण लालक लघुकथा, मौलाइल गाछक फूल पर लेख आ बहर-७ मिलि गद्यभागकें समृद्ध करैत अछि।
१७३१. (A) लगातार काव्य-उपस्थिति आ अनुभव-यात्रा — बटोहीक कविता पूर्व अंकसभक पद्य-उपस्थिति केर निरन्तरता अछि।
१७३२. (A) नव कवि-स्वरक बहु-कविता प्रस्तुति — तीनटा कविता देल रहब अरुण लालक पद्यस्वरकें पर्याप्त स्थान दैत अछि।
१७३३. (A) सुधारक लोक-व्यंग्यक निरन्तर उपस्थिति — झारूदारक झारू अनेक अंकमे सतत रूपे समाजक मैल पर चोट करैत अछि।
१७३४. (A) होलीक रंग, लोकगीत आ सामुदायिक उल्लास — होली लोक-उत्सव, रंग आ सामूहिक गायन-संस्कृति संग जुड़ल अछि।
१७३५. (A) अपनत्व आ सामूहिक लोक-भागीदारी — हमर शब्द उत्सवकें निजी-सामुदायिक अपनत्वक अनुभूति दैत अछि।
१७३६. (A) अनुभव, सुधारक व्यंग्य आ उत्सवी लोकभावक मेल — कविता, झारू आ होली तीन भिन्न पद्य-संवेदनाकें एकत्र करैत अछि।
१७३७. (A) हिंदी फिल्मी गीतमे बहर-५, ६ आ ७क क्रमिक विस्तार — अंक २६७, २६९ आ २७०मे बहर-५, बहर-६ आ बहर-७ क्रमशः आवैत अछि।
१७३८. (A) डॉ. मिश्र, प्रणव झा, जगदीश, नन्द विलास, नारायण यादव आ अरुण लाल आदि द्वारा — एहि अंकसभमे अनेक लेखकक लघुकथा सूचीबद्ध अछि, जे लघुकथा-विस्तार देखबैत अछि।
१७३९. (A) झारू, सामाजिक चेतना, भारतीयता आ आलोचनात्मक लेखन — झारूदारक झारू, समाज, भारतीयता आ सामाजिक चेतना सन शीर्षक सुधारक दृष्टि बनबैत अछि।
१७४०. (A) शोध-निबंध, लघुकथा, सामाजिक विमर्श, छन्द-आलोचना, लघु पद्य आ लोक-उत्सवक बहुविध संचयन — एहि पाँच अंकमे निबन्ध-निकुञ्ज, लघुकथा, भारतीयता, बहर-विमर्श, हाइकू, टनका, झारू, दोहा आ होलीक स्वर समाहित अछि।
१७४१. (A) मैथिली गजलक व्याकरण ओ इतिहास — ऐ अंकमे आशीष अनचिन्हारक “मैथिली गजलक व्याकरण ओ इतिहास” मुख्य रूपेँ सूचित अछि।
१७४२. (A) शिल्प, नियम, बहर, काफिया-रदीफ आ रचनात्मक अनुशासनक दृष्टिसँ — व्याकरण शब्द गजलक बनावट, छन्द-शास्त्रीय अनुशासन आ संरचनात्मक पक्ष दिस संकेत करैत अछि।
१७४३. (A) एकल रचना सँ परंपरा, क्रम-विकास आ संदर्भ दिस — इतिहासक जोड़ गजलकें समय, कवि-परंपरा आ विकासक्रममे बुझबाक आधार दैत अछि।
१७४४. (A) ओ शेर, मतला, मकता, बहर आ तुक-संयोजनक अर्थ बुझि सकैत अछि — शिल्पक जानकारी पाठककें गजलक कलात्मक संगठन पहचानयमे सहायक होइत अछि।
१७४५. (A) आलोचनात्मक आ शास्त्रीय आधार सुदृढ़ करबाक — गजल-विधाक व्याकरण आ इतिहास पर केन्द्रित सामग्री विधाकें अध्ययनयोग्य बनबैत अछि।
१७४६. (A) पूर्व विचारक पुनरावलोकन, संशोधन आ अद्यतन प्रस्तुति — नव संस्करण सामान्यतः सामग्रीकें फेर सँ देखबाक, सुधारबाक आ अधिक व्यवस्थित करबाक संकेत दैत अछि।
१७४७. (A) विभिन्न समयक रचनाकार, शिल्प-प्रयोग आ प्रमाणकें एक संग जोड़ब — इतिहास लेखनमे स्रोत, कालक्रम आ विधागत परिवर्तन सभक समेकित विवेचन जरूरी होइत अछि।

- १७४८. (A) लय, छन्द, तुक, रदीफ-काफिया आ अर्थ-संक्षेपक अनुशासन** — गजल छोटी पंक्तिमे गहन भाव कहैत अछि; ताहि लेल ओकर शिल्पीय अनुशासन महत्त्वपूर्ण अछि।
- १७४९. (A) लोकप्रिय विधाकेँ शास्त्रीय-आलोचनात्मक धरातल पर राखबाक दिशा** — गजल पर व्याकरण आ इतिहासक चर्चा ओकर गंभीर आलोचनात्मक अध्ययनकेँ बल दैत अछि।
- १७५०. (A) मैथिली भाषामे गजल-विधाक अपन स्थानीय स्वरूप** — मैथिली गजल पारंपरिक गजल-विधाकेँ मैथिली भाषिक-सांस्कृतिक अनुभवसँ जोड़ैत अछि।
- १७५१. (A) विधाक उद्भव, परिवर्तन आ स्वीकार्यताकेँ क्रमसँ देखब** — इतिहास विधाक यात्रा, मोड़ आ रूपांतरण सभकेँ एक साथ बुझयबाक साधन अछि।
- १७५२. (A) एहि सभसँ गजलक ध्वनि-सौंदर्य आ संरचना बनैत अछि** — गजल अपन तुक, आवृत्ति आ लयबद्ध संगठनसँ विशिष्ट बनैत अछि।
- १७५३. (A) रचना पढ़ैत काल शिल्प आ भाव दुनूक निरीक्षण** — शिल्प-जागरूक पाठक अर्थ आ बनावट दुनूकेँ जोड़ि पढ़ैत अछि।
- १७५४. (A) कालक्रम, परंपरा आ साहित्यिक स्मृतिक आयाम** — इतिहास गजलकेँ समयक प्रवाहमे राखि ओकर विकासकेँ देखयबाक अवसर दैत अछि।
- १७५५. (A) स्वयं अपन बातकेँ फेर जाँचि अद्यतन करबाक प्रवृत्ति** — संशोधित संस्करण लेखकक पुनर्विचार आ विषयक गम्भीरताकेँ सूचित करैत अछि।
- १७५६. (A) विधाक रूप आ यात्रा दुनूक संतुलित परिचय** — व्याकरण रूप स्पष्ट करैत अछि आ इतिहास ओकर यात्रा; दुनू मिलि समग्र अध्ययन बनबैत अछि।
- १७५७. (A) भावक संग शिल्पीय अनुशासनक अभ्यास जरूरी अछि** — गजलकारकेँ अनुभवक संग बहर, तुक, रदीफ आ संक्षिप्त कथ्यक सावधानी रखय पड़ैत अछि।
- १७५८. (A) एकटा कवि वा दौरकेँ सम्पूर्ण परंपरा मानि लेबासँ** — इतिहास बहुविध स्रोत आ कालखंडसँ बनैत अछि; एकपक्षीय दृष्टि ओकरा संकुचित करैत अछि।
- १७५९. (A) गजलमे विशेष ढाँचा, शेर-व्यवस्था आ ध्वनि-पुनरावृत्तिक नियम अधिक स्पष्ट होइत अछि** — गजल सामान्य कविता-संवेदना रखैत अछि मुदा ओकर अपन नियत शिल्पीय संरचना रहैत अछि।
- १७६०. (A) मैथिली गजलकेँ गंभीर साहित्यिक विधा मानि ओकर नियम आ यात्रा पर विचार** — मुख्य शीर्षक स्वयं गजल-विधाक गंभीर अध्ययनक घोषणा करैत अछि।
- १७६१. (A) मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास** — अंक २७२मे आशीष अनचिन्हारक “मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास” मुख्य सामग्रीक रूपमे सूचित अछि।
- १७६२. (A) इंटरनेट-आधारित ई-पत्रिका, डिजिटल प्रकाशन आ ऑनलाइन पाठक-समुदाय** — वेब पत्रकारिता भाषा-साहित्यकेँ इंटरनेटक माध्यमसँ पाठक धरि पहुँचबैत अछि।
- १७६३. (A) डिजिटल उपस्थिति, आरम्भ, परिवर्तन आ संस्थागत स्मृतिक संरक्षण लेल** — इतिहास डिजिटल साहित्यिक अभियानक क्रम आ योगदानकेँ सुरक्षित रखैत अछि।
- १७६४. (A) मातृभाषा डिजिटल मंचपर अपन पाठक आ अभिव्यक्ति बना सकैत अछि** — वेब माध्यम स्थानीय भाषा लेल नूतन सार्वजनिक मंच खोलैत अछि।
- १७६५. (A) डिजिटल इतिहासकेँ अद्यतन करबाक जरूरत** — वेब पत्रकारिताक इतिहास बदलैत तकनीक आ नूतन तथ्यक कारण अद्यतन होइत रहैत अछि।
- १७६६. (A) पुरान अंक, लेख आ साहित्यिक सामग्रीकेँ भविष्यक पाठक लेल सुरक्षित राखब** — डिजिटल अभिलेख साहित्यिक स्मृतिक दीर्घजीवी रूप बनि सकैत अछि।
- १७६७. (A) पाठक दूर-दूर सँ ऑनलाइन सामग्री पढ़ि सहभागिता कऽ सकैत अछि** — वेब मंच भौगोलिक दूरी कम करैत अछि आ पाठक-समुदाय विस्तार करैत अछि।
- १७६८. (A) त्वरित प्रकाशन, संग्रह, संवाद आ प्रसारक आधार** — ऑनलाइन पत्रिका साहित्यकेँ शीघ्र प्रकाशित आ संग्रहित करबाक सुविधा दैत अछि।
- १७६९. (A) मैथिली डिजिटल माध्यममे कहिया, कोना आ किनकर प्रयाससँ सशक्त भेल** — वेब पत्रकारिताक इतिहास प्रयास, आरम्भ, मंच आ विकासक प्रश्न सभकेँ जोड़ैत अछि।
- १७७०. (A) नियमितता, सम्पादन, सार्वजनिक सूचना-संवाद आ साहित्यिक प्रसार** — पत्रकारिता सार्वजनिक संप्रेषण आ निरंतर प्रकाशनक कार्यशैलीसँ जुड़ल अछि।
- १७७१. (A) मुद्रित सीमासँ बाहर भाषा-साहित्यक ऑनलाइन विस्तार** — वेब माध्यम छोट भाषा लेल सेहो व्यापक पाठक-क्षेत्र खोलैत अछि।
- १७७२. (A) डिजिटल यात्राक आरम्भ, निरंतरता आ दस्तावेजीकरणक जिम्मेदारी** — इतिहास स्मृति राखैत अछि जे कोन मंच कोना विकसित भेल।

१७७३. (A) ऑनलाइन सामग्रीकें क्रम, चयन, गुणवत्ता आ विश्वसनीयता देबाक लेल — पत्रकारिता चाहे वेब पर हो, सम्पादकीय विवेक ओकर विश्वसनीयता बनबैत अछि।
१७७४. (A) भाषिक-सांस्कृतिक संवादक सक्रिय सहभागी — वेब पर पाठक प्रतिक्रिया, साझेदारी आ पठन-संस्कृति बनबैत अछि।
१७७५. (A) पुरान अंक, सम्पादकीय नोट, डिजिटल संग्रह आ प्रकाशन-क्रम — डिजिटल इतिहास ठोस स्रोत आ उपलब्ध अभिलेखपर आधारित रहबाक चाही।
१७७६. (A) दूरस्थ लेखक-पाठककें साझा मंच देबाक कारण — वेब माध्यम भौगोलिक बाधा कम कऽ भाषा-समुदायकें जोड़ैत अछि।
१७७७. (A) पत्रकारिता कागज धरि सीमित नहि, डिजिटल मंचपर सेहो इतिहास बनबैत अछि — वेब पत्रकारिता आधुनिक मैथिली सार्वजनिक क्षेत्रक महत्वपूर्ण अध्याय अछि।
१७७८. (A) भविष्यक शोधकर्ता आ पाठक पुरान सामग्री धरि पहुँचि सकैत छथि — अभिलेख साहित्यिक परंपराकें उपलब्ध आ पुनर्पाठयोग्य बनबैत अछि।
१७७९. (A) निरंतर प्रकाशन, भाषा-सेवा आ ऑनलाइन साहित्यिक आंदोलनक पक्ष — नियमित ई-पत्रिका डिजिटल भाषा-आन्दोलनक दस्तावेज बनि सकैत अछि।
१७८०. (A) मैथिली भाषाक डिजिटल पत्रकारिता अपन इतिहास आ आलोचनात्मक अध्ययनक विषय बनि चुकल अछि — मुख्य शीर्षक मैथिली वेब पत्रकारिताकें ऐतिहासिक अध्ययनक केन्द्रमे राखैत अछि।
१७८१. (A) मैथिली गजल — आगमन ओ प्रस्थानबिन्दु — अंक २७३मे आशीष अनचिन्हारक “मैथिली गजल- आगमन ओ प्रस्थानबिन्दु” मुख्य शीर्षक अछि।
१७८२. (A) विधाक प्रवेश, आरम्भिक उपस्थिति आ स्वीकार्यता — आगमन शब्द ककरो विधाक साहित्यिक क्षेत्रमे प्रवेशक संकेत दैत अछि।
१७८३. (A) ओ बिंदु जतयसँ विधाक यात्रा वा निर्णायक दिशा आरम्भ होइत अछि — प्रस्थानबिन्दु आलोचनामे आरम्भक निर्णायक ठाम वा वैचारिक मोड़ बुझबैत अछि।
१७८४. (A) गजल मैथिलीमे कोना, कहिया आ कोन साहित्यिक जरूरतसँ आयल — विधाक आगमन सामाजिक, भाषिक आ साहित्यिक परिस्थिति संग बुझल जाइत अछि।
१७८५. (A) केवल तिथि नहि, आरम्भ-बोध आ दिशा-निर्धारण — आगमन ओ प्रस्थानबिन्दु शीर्षक इतिहासकें वैचारिक विश्लेषणसँ जोड़ैत अछि।
१७८६. (A) स्थानीय भाषा, लोकानुभव आ शिल्पीय अनुशासनक मेलसँ — मैथिली गजल अपन भाषा-संवेदना आ गजल-रूपक संगमसँ विकसित होइत अछि।
१७८७. (A) पूर्व निष्कर्षकें फेर पढ़ि अधिक परिष्कृत ढंगसँ राखब — नव संस्करण अध्ययनकें अद्यतन आ परिपक्व बनयबाक प्रवृत्ति देखबैत अछि।
१७८८. (A) एक विधाक प्रवेश आ ओकर अगिला यात्रा-दिशा दुनू देखयबाक लेल — दुनू शब्द मिलि मैथिली गजलकें आरम्भसँ विकास-दिशा धरि देखैत अछि।
१७८९. (A) विधाक मूल प्रेरणा, निर्णायक प्रयोग आ विकासक्रम बुझाईत अछि — आरम्भिक मोड़ बुझबासँ पछिला साहित्यिक विस्तारक कारण स्पष्ट होइत अछि।
१७९०. (A) मैथिली गजलक प्रवेश, आरम्भ-बिंदु आ यात्रा पर आलोचनात्मक चिन्तन — मुख्य शीर्षक मैथिली गजलकें इतिहास आ सिद्धांत दुनू स्तरपर देखबैत अछि।
१७९१. (A) नव विधा अपन भाषिक घर बनबैत अछि आ पाठक-लेखक ओकरा स्वीकार करैत छथि — आगमन केवल आना नहि, साहित्यिक संस्कारमे बसबाक प्रक्रिया सेहो अछि।
१७९२. (A) प्रारम्भिक प्रयोग, प्रकाशन आ मौखिक-साहित्यिक प्रभाव सबकें अलग-अलग परखय पड़ैत अछि — कुनो विधाक आरम्भ बहुधा एकटा घटना नहि, अनेक स्रोतक संगम होइत अछि।
१७९३. (A) कब, कोना, कतयसँ आ कोन साहित्यिक जरूरतसँ — गजलक आगमन प्रश्न ओकर ऐतिहासिक परिस्थिति आ रचनात्मक जरूरत पूछैत अछि।
१७९४. (A) कारण भाव, मुहावरा आ सांस्कृतिक धरातल मैथिलीकें अपनत्व दैत अछि — स्थानीय भाषिक संवेदना बिना गजल मैथिली अनुभवक प्रतिनिधि नहि बनि सकैत।
१७९५. (A) विधाक मूल आधार आ विकास-दिशा खोजबाक प्रवृत्ति — शीर्षक आलोचकक खोजी आ क्रमबद्ध दृष्टिक संकेत दैत अछि।
१७९६. (A) गजलकार अपन विधाक पूर्ववर्ती यात्रा बुझि नव प्रयोग कऽ सकैत अछि — इतिहास-बोध रचनाकारकें परंपरा संग संवाद करबाक सामर्थ्य दैत अछि।

१७९७. (A) एहिसँ विधाक आत्मपहिचान आ आलोचनात्मक स्थान स्पष्ट होइत अछि — आरम्भक विवेचन विधाकेँ साहित्यिक इतिहासमे उचित स्थान देबाक साधन अछि।
१७९८. (A) बाह्य गजल-रूप आ स्थानीय मैथिली भाव-संसारक समन्वय — गजल मैथिलीमे आबि अपन सांस्कृतिक लय, कथ्य आ मुहावरा ग्रहण करैत अछि।
१७९९. (A) ओ केवल प्रशंसा नहि, कारण, संदर्भ आ दिशा पर विचार करैत अछि — साहित्यिक आलोचना गहिर होइत अछि जखन ओ विधाक आरम्भ, आधार आ दिशा पर प्रश्न करैत अछि।
१८००. (A) पहिने गजलक व्याकरण-इतिहास, फेर आगमन-प्रस्थानबिन्दुक विश्लेषण — अंक २७१ आ २७३ दुनू मिलि मैथिली गजल-विमर्शक क्रमबद्ध अध्ययन बनबैत अछि।
१८०१. (A) मैथिलीक प्रतिनिधि गजल — १९०५ सँ २०१७ धरि — अंक २७४मे आशीष अनचिन्हारक “मैथिलीक प्रतिनिधि गजल” मुख्य शीर्षक रूपेँ देल अछि।
१८०२. (A) गजल-परंपराक महत्त्वपूर्ण स्वर, रूप आ दौरक नमूना चुनबाक सजगता — प्रतिनिधि चयन परंपराक विविधता आ महत्त्वपूर्ण रचनात्मक संकेत पकड़बाक प्रयत्न होइत अछि।
१८०३. (A) दीर्घ ऐतिहासिक फैलाव आ विभिन्न पीढ़ीक सम्भावित उपस्थिति — दीर्घ कालरेखा गजल-विकासकेँ अनेक दौरमे देखयबाक संकेत दैत अछि।
१८०४. (A) काल, शिल्प, भाषा, प्रभाव आ विविध स्वरक संतुलित विचार — प्रतिनिधि चयनमे साहित्यिक महत्त्व आ विविधता दुनू देखबाक चाही।
१८०५. (A) लम्बा कालक्रममे चुन्नल रचनास्वरूप परंपराक झलक — प्रतिनिधि गजल नाम स्वयं चयनित उदाहरणसँ इतिहास देखयबाक संकेत दैत अछि।
१८०६. (A) भाषा, शिल्प आ समयक अनुसार गजल-स्वरक परिवर्तन बुझाईत अछि — चयनित गजल सभ परंपरा आ परिवर्तनक अनुभव करयमे मदद करैत अछि।
१८०७. (A) व्याकरण, इतिहास, आगमनक बाद प्रतिनिधि उदाहरणक स्तरपर — अंक २७१, २७३ आ २७४ मिलि गजल-विधाक सिद्धांत, इतिहास आ उदाहरणक क्रम बनबैत अछि।
१८०८. (A) आरम्भिक संकेतसँ निर्धारित अंतिम समय धरि विस्तार — शीर्षकमे “१९०५ सँ २०१७ धरि” गजल-परंपराकेँ लम्बा समयरेखा मे रखैत अछि।
१८०९. (A) कुन रूप, स्वर आ प्रवृत्ति समयक कसौटी पर महत्त्वपूर्ण ठहरल — प्रतिनिधि उदाहरण इतिहासक प्रमुख रचनात्मक दिशा सभकेँ दृश्य बनबैत अछि।
१८१०. (A) मैथिली गजल परंपराक दीर्घ कालिक चयन आ मूल्यांकन — मुख्य शीर्षक गजल-साहित्यकेँ लम्बा इतिहासमे प्रतिनिधि रूपेँ देखैत अछि।
१८११. (A) विधाक विकास, मोड़ आ परिवर्तन क्रमसँ देखयबाक लेल — कालक्रम साहित्यिक परंपराकेँ समयक प्रवाहमे व्यवस्थित करैत अछि।
१८१२. (A) कविता-सौंदर्य आ ऐतिहासिक महत्त्व दुनू परखब — प्रतिनिधि गजल चुनैत समय सौंदर्य, प्रभाव, शिल्प आ काल-संदर्भ सभ महत्त्वपूर्ण होइत अछि।
१८१३. (A) भाषिक मुहावरा, सामाजिक अनुभव आ भाव-संसार — गजल शिल्प-संयमक संग भाषा आ अनुभवक गहराइयो सँ बनैत अछि।
१८१४. (A) पुरान, मध्यवर्ती आ नूतन स्वरसभक तुलनात्मक समझ — लम्बा कालखंड विधाक रूपांतरण आ निरंतरता दुनू देखबैत अछि।
१८१५. (A) सभ रचना समाहित भऽ गेल — प्रतिनिधि संकलन सम्पूर्णता नहि, बल्कि महत्त्वपूर्ण नमूनाक माध्यमसँ परंपरा देखबैत अछि।
१८१६. (A) चुन्नल रचना पढ़ि समय, शिल्प आ कथ्यक तुलना करब — प्रतिनिधि गजल पाठककेँ तुलनात्मक पठनक अवसर दैत अछि।
१८१७. (A) एहिसँ परंपराक निरंतरता आ बदलाव दुनू बुझाईत अछि — तुलना सँ पता चलैत अछि जे कोन तत्व स्थायी रहल आ कोन बदलल।
१८१८. (A) गजल मैथिलीमे क्षणिक नहि, विकसित परंपरा रूपेँ देखल जा सकैत अछि — लम्बा काल-सीमा विधाक ऐतिहासिक स्थायित्वक संकेत दैत अछि।
१८१९. (A) भिन्न कवि, शैली, समय आ भाव-दृष्टि बिना परंपरा अधूरी देखाईत अछि — प्रतिनिधित्व बहुविध स्वरकेँ साथ लए परंपराक व्यापक रूप देखबैत अछि।
१८२०. (A) गजल-सिद्धांत आ इतिहासक बाद चयनित उदाहरणक विस्तार — गजल-विमर्शक क्रममे ई अंक प्रतिनिधि रचनाक स्तरपर चर्चा बढ़बैत अछि।
१८२१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — आमक गाछी — अंक २७५मे “जगदीश प्रसाद मण्डल- आमक गाछी” मुख्य सामग्रीक रूपमे देल अछि।
१८२२. (A) गाम, बाड़ी, प्रकृति, स्मृति आ सामुदायिक जीवन — आमक गाछी मिथिलाक ग्रामीण जीवन, ऋतु-स्मृति आ पारिवारिक-सामाजिक अनुभवसँ जुड़ल शीर्षक अछि।

- १८२३. (A) मानव-सम्बन्ध, स्मृति, श्रम आ पीढ़ी-संवादक स्थल** — गाछी ग्रामीण कथा लेल जीवंत परिवेश, स्मृति आ सम्बन्धक केन्द्र बनि सकैत अछि।
- १८२४. (A) गाछ केवल वनस्पति नहि, सामाजिक-सांस्कृतिक स्मृतिक केन्द्र बनैत अछि** — ग्रामीण साहित्य प्रकृति आ लोकजीवनकें एक दोसरसँ जोड़ि देखैत अछि।
- १८२५. (A) गजल-आलोचना सँ कथा/गद्य-रचना दिश मोड़** — पहिल चारि अंक गजल/वेब-विमर्शक रहल, २७५मे “आमक गाछी” कथा-संवेदनाक संकेत दैत अछि।
- १८२६. (A) बाल्य-स्मृति, गामक अपनत्व, ऋतु, फल, छाँह आ लोक-संवाद** — शीर्षक स्वयं आम, गाछी आ गामक जीवन-चित्रक भाव खोलैत अछि।
- १८२७. (A) ओ जीवन, जड़, छाँह, फल आ सामुदायिक स्मृतिक प्रतीक बनि सकैत अछि** — स्थान-प्रतीक कथा मे अर्थक गहराइ बनबैत अछि; गाछी एहन सशक्त प्रतीक अछि।
- १८२८. (A) रचना विशेष आ लेखक-केंद्रित प्रस्तुति पर बल** — मुख्य शीर्षक लेखक आ रचना दुनूकें साफ रूपेँ सामने रखैत अछि।
- १८२९. (A) आमक गाछी फल, श्रम, ऋतु, पारिवारिक याद आ साझा उपयोगसँ जुड़ल होइत अछि** — गाछी ग्रामीण जीवनमे उपयोगिता आ स्मृति दुनूकें केन्द्र होइत अछि।
- १८३०. (A) मैथिली कथा-परंपरामे ग्रामीण प्रकृति, स्मृति आ मानव सम्बन्धक वापसी** — “आमक गाछी” शीर्षक कथा-संवेदनमे लोकजीवन आ प्रकृति-दृष्टिक प्रवेश करबैत अछि।
- १८३१. (A) गजल-अध्ययन, वेब पत्रकारिताक इतिहास आ कथा-संवेदना** — २७१, २७३, २७४ गजल-विमर्श, २७२ वेब पत्रकारिता आ २७५ “आमक गाछी” पर केन्द्रित अछि।
- १८३२. (A) गजल-विमर्श आ वेब पत्रकारिताक इतिहासक आलोचनात्मक प्रस्तोता** — अंक २७१-२७४मे मुख्य सामग्री आशीष अनचिन्हारक नामसँ सूचीबद्ध अछि।
- १८३३. (A) व्याकरण-इतिहास, आगमन-प्रस्थानबिन्दु, आ प्रतिनिधि चयन** — तीन गजल-केंद्रित अंक मैथिली गजलकें सिद्धांत, आरम्भ आ उदाहरणक स्तरपर देखैत अछि।
- १८३४. (A) ओ गजलसँ हटि मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास पर केन्द्रित अछि** — वेब पत्रकारिता विषय मैथिलीक डिजिटल सार्वजनिक क्षेत्रक इतिहासकें सामने राखैत अछि।
- १८३५. (A) आलोचनात्मक/इतिहासपरक विषयसँ कथा-प्रकृति आ ग्रामीण संवेदना दिस** — “आमक गाछी” गद्य-कथा आ लोकजीवनक भावभूमि दिस ध्यान मोड़ैत अछि।
- १८३६. (A) विधा-आलोचना, डिजिटल इतिहास आ रचनात्मक कथा** — तीनू जरूरी अछि — एहि अंकसभमे आलोचना, इतिहास आ रचनात्मक साहित्यक बहुविध उपस्थिति देखाइत अछि।
- १८३७. (A) रूप-नियम, आरम्भ-दिशा, आ प्रतिनिधि रचनाक चयन** — ई क्रम गजलकें व्याकरणसँ इतिहास, आगमनसँ चयन धरि क्रमबद्ध करैत अछि।
- १८३८. (A) मैथिलीमे विधागत परंपरा आ डिजिटल मंच दुनूक दस्तावेजीकरण जरूरी अछि** — भाषा-साहित्य अपन रचना-विधा आ प्रकाशन-माध्यम दुनू स्तरपर इतिहास बनबैत अछि।
- १८३९. (A) पुरान अध्ययनकें सुधारि अद्यतन करबाक आलोचनात्मक सजगता** — नव संस्करणक उल्लेख सामग्रीक पुनरावलोकन आ परिष्कारक संकेत दैत अछि।
- १८४०. (A) विदेह अंकसभ मैथिली साहित्यकें इतिहास, माध्यम, विधा आ लोक-संवेदना सहित दर्ज करैत चलैत अछि** — एहि पाँच अंकक मुख्य शीर्षकसभ मैथिली आलोचना, डिजिटल इतिहास आ ग्रामीण कथा-संसारकें एक शृंखलामे जोड़ैत अछि।
- १८४१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — दिवालीक दीप** — अंक २७६क सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक ‘दिवालीक दीप’ मुख्य रचना रूपमे देल गेल अछि।
- १८४२. (A) प्रकाश, पर्व आ लोक-जीवनक अर्थ-संवेदना** — दिवाली आ दीपक बिम्ब लोक-पर्व, उजास आ सामाजिक मनोवृत्तिक संकेत दैत अछि।
- १८४३. (A) ग्राम्य कथा आ लोक-अनुभवक निरन्तरता** — विदेहक एहि क्रममे जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा-संसार लोकजीवन आ नैतिक अनुभवसँ जुड़ल देखाइत अछि।
- १८४४. (A) अन्हारमे मूल्य, स्मृति आ आशाक प्रतीक** — दीप सामान्यतः उजास, जीवन-आशा आ नैतिक जागरणक प्रतीक बनैत अछि।
- १८४५. (A) कथा-केंद्रित अंक-संरचनाक संकेत** — सूचीमे कथा-शीर्षक प्रमुख रूपेँ देल होएब रचनात्मक कथा-पाठक महत्वकें देखबैत अछि।
- १८४६. (A) पर्वक बाह्य उजास आ भीतरक सामाजिक अन्हारक सम्बन्ध** — पर्व आ दीपक शीर्षक सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थकें कथा-संकेत बना सकैत अछि।

- १८४७. (A) पत्रिकामे कथाकारक सतत उपस्थिति आ लोकविषयक रुचि** — एहि क्रममे ओ कथा-लेखनक माध्यमे लोकजीवनक प्रश्नसभकेँ फेर उपस्थित करैत छथि।
- १८४८. (A) पर्व उजासक संग असमानता, आडम्बर आ मनुष्यक व्यवहार सेहो देखबैत अछि** — लोक-पर्व सभ समाजक सामूहिक व्यवहार, मूल्य आ विरोधाभास देखयबाक अवसर दैत अछि।
- १८४९. (A) कथा, गजल, आलोचना आ अभिलेखीय स्मृति एक संग चलैत अछि** — एहि पाँच अंकमे कथा, गजल, आलोचना आ साहित्यिक स्मृतिक अनेक रूप देखाइत अछि।
- १८५०. (A) लोक-संस्कारक बीच मनुष्यक नैतिक स्थिति** — शीर्षक लोक-संस्कारक पृष्ठभूमिमे मानवीय अनुभूति आ नैतिक प्रश्नक सम्भावना खोलैत अछि।
- १८५१. (A) विदेहक अभिलेखीय चेतना आ स्मृति-संरक्षण** — पुरान विशेषांकक सूची साहित्यिक सामग्रीकेँ बचा कऽ पाठक धरि पहुँचयबाक चेष्टा देखबैत अछि।
- १८५२. (A) विधा-विविधता आ पाठक-वर्गक विस्तार** — विशेषांकक थीम देखबैत अछि जे विदेह अनेक विधा आ पाठक-समूहकेँ स्थान दैत रहल अछि।
- १८५३. (A) ई बतबैत अछि जे कोन विधा पर कहिया सामूहिक ध्यान देल गेल** — विशेषांक सभ समय-विशेषक साहित्यिक प्राथमिकता आ विषय-विस्तारक साक्ष्य होइत अछि।
- १८५४. (A) मैथिली गजल-विधाक विकास आ दस्तावेजीकरण** — एहि क्रममे गजल बारंबार आवैत अछि, जे विदेहक गजल-विमर्शक सतत रुचि देखबैत अछि।
- १८५५. (A) विदेह केवल प्रौढ़ पाठक नहि, बाल-पाठकक साहित्य-संस्कारक प्रति सेहो सजग अछि** — बाल-साहित्यक विशेषांक बाल-पाठक आ नव पीढ़ीकेँ साहित्यसँ जोड़बाक चेतना दैत अछि।
- १८५६. (A) लघु कथात्मक रूप आ तीक्ष्ण कथ्यक महत्त्व** — बीहनि कथा छोट आकारमे प्रभावी कथ्य देबाक मैथिली प्रयोगक संकेत अछि।
- १८५७. (A) विषय-आधारित पुनर्पाठ आ तुलनात्मक अध्ययन** — विषयवार विशेषांक पाठककेँ एके विधा किंवा विषय पर कई अंक मिलाक पढ़बाक अवसर दैत अछि।
- १८५८. (A) आन्दोलनक स्मृति, स्रोत आ क्रमबद्ध विकास सुरक्षित रहैत अछि** — अभिलेखीय सामग्री भविष्यक पाठक आ शोधकर्ता लेल साहित्यिक क्रम सुरक्षित रखैत अछि।
- १८५९. (A) वर्तमान रचना आ पुरान साहित्यिक स्मृति संग-संग चलैत अछि** — अंक २७६मे एक ओर नवी रचना अछि, दोसर ओर पुरान विशेषांकक स्मृति अछि।
- १८६०. (A) स्वयं अपन साहित्यिक परम्पराकेँ उपलब्ध आ पुनर्पाठ्य बनयबाक आग्रह** — पुरान अंकक उपलब्धता पाठककेँ विदेहक दीर्घ साहित्यिक यात्रासँ जोड़ैत अछि।
- १८६१. (A) केशव भारद्वाज** — अंक २७७क सूचीमे ‘अपन लोक’ शीर्षक केशव भारद्वाजक नामसँ जुड़ल देखाइत अछि।
- १८६२. (A) समुदाय, आत्मीयता आ लोक-सम्बन्ध** — शीर्षक अपन समाज आ निकट लोकक सम्बन्धक ओर संकेत करैत अछि।
- १८६३. (A) आमक गाछी** — २७७क सामग्री-सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक ‘आमक गाछी’ स्पष्ट अछि।
- १८६४. (A) बाग, स्मृति, पीढ़ी आ ग्राम्य अपनत्व** — आमक गाछी मिथिलाक ग्रामीण जीवनमे स्मृति, पारिवारिकता आ जमीनक सम्बन्धक प्रतीक बनैत अछि।
- १८६५. (A) लोक-सम्बन्ध आ ग्रामीण स्मृतिक भावभूमि** — दुनू शीर्षक समाजक निकटता, लोक-जीवन आ अपन परिवेशक संवेदनाकेँ बल दैत अछि।
- १८६६. (A) समाज, लोकजीवन, इतिहास आ ग्राम्य कथ्य** — सूचीमे अपन लोक, आमक गाछी, कृषिचर्चा आ सोनसार सन शीर्षक सामाजिक-लोकजीवनक दिशा देखबैत अछि।
- १८६७. (A) ओकर कथा-संसार २७५क बाद २७७मे फेर लोक-जीवनक प्रसंग अनैत अछि** — २७५मे आमक गाछी पर केन्द्रित खण्ड छल, २७७मे ई शीर्षक फेर सामग्री-सूचीमे उपस्थित अछि।
- १८६८. (A) स्थानीय भूगोल आ लोक-स्मृति साहित्यिक अर्थ बनैत अछि** — मैथिली कथा-संसारमे स्थानीय परिवेश अनेक बेर कथ्यक केन्द्र बनैत अछि।
- १८६९. (A) लेखक, विधा आ विषयक तुरन्त पहचान** — सामग्री-सूची पाठककेँ रचना-लेखक आ विषय-क्षेत्रक पहिले संकेत दैत अछि।
- १८७०. (A) भाषा अपन लोक-समुदायक अनुभवसँ जीवित रहैत अछि** — मातृभाषाक साहित्य अपन लोकक अनुभव, स्मृति आ सम्बन्धसँ गहराई पबैत अछि।
- १८७१. (A) विद्यापतिकालीन मिथिलाक कृषि** — सूचीमे डॉ. बटेश्वर झा नामक संग ‘विद्यापतिकालीन मिथिलाक कृषि’ शीर्षक देल अछि।

१८७२. (A) इतिहास, समाज आ अर्थजीवनक पृष्ठभूमि — कृषि पर लेख विद्यापति-कालक मिथिलाक जीवन-व्यवस्थाकें समझबाक आधार दैत अछि।
१८७३. (A) सोनसार — गद्य-सूचीमे दुर्गानन्द मण्डलक 'सोनसार' शीर्षक देल अछि।
१८७४. (A) दूटा गजल — पद्य-खंडमे 'आशीष अनचिन्हारक दूटा गजल' देल अछि।
१८७५. (A) सरस्वती वन्दना — अंक २७७क पद्य-सूचीमे नन्द विलास राय — 'सरस्वती वन्दना' देखाइत अछि।
१८७६. (A) झार — २७७मे रामदेव प्रसाद मण्डल 'झारखंड'क संग 'झार' शीर्षक देल अछि।
१८७७. (A) जीवन-इतिहास आ काव्य-संवेदना एके अंकमे उपस्थित होइत अछि — अंक २७७ गद्य आ पद्य दुनू द्वारा मिथिलाक जीवन आ भावविश्वकें समेटैत अछि।
१८७८. (A) विद्या, वाणी आ देवी-उपासना — सरस्वती वन्दना भारतीय-मिथिला परम्परामे विद्या आ वाणीदेवीक स्तुति रूपमे बूझल जाइत अछि।
१८७९. (A) सामाजिक वा लोक-जीवनक रूपकात्मक कथ्य — एहन शीर्षक लोकजीवन, समाज आ मानवीय अर्थक कथा वा निबंध-दिशा खोलैत अछि।
१८८०. (A) गद्य मे लोक-इतिहास, पद्य मे गजल-वन्दना-झारक विविधता — २७७क सूची गद्य आ पद्य दुनू खंडमे लेखक-विषयक विविध उपस्थिति देखबैत अछि।
१८८१. (A) हिंदी फिल्मी गीतमे बहर-५ — अंक २७८क सामग्री-सूचीमे 'हिंदी फिल्मी गीतमे बहर-५' शीर्षक आशीष अनचिन्हारक नामसँ देल अछि।
१८८२. (A) छन्द, लय आ मात्रिक अनुशासन बुझयबा लेल — बहर गीत-गजलमे लयबद्ध संरचना आ मात्रिक अनुशासनक मूल पक्ष अछि।
१८८३. (A) लोकप्रिय गीतक शिल्प आ छन्द-बोधकें समझल जा सकैत अछि — फिल्मी गीतमे बहर देखबासँ लोकप्रिय संस्कृति आ काव्यशास्त्रक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।
१८८४. (A) विषय पर क्रमिक आ विस्तृत अध्ययन जारी अछि — पाँचम कड़ीक उल्लेख बतबैत अछि जे ई विषय क्रमशः विस्तार पाबि रहल अछि।
१८८५. (A) अंकक विचार-दिशा आ पाठक-संवादक प्रारम्भ करैत अछि — संपादकीय संदेश सामान्यतः अंकक आशय, दृष्टि आ पाठकीय संवादक भूमिका बनबैत अछि।
१८८६. (A) ओ अपन कविता-गजलमे लय-शिल्पक अनुशासन बुझि सकैत अछि — लय आ छन्दक समझ पाठक आ रचनाकार दुनू लेल काव्य-रस आ शिल्प-बोध बढ़बैत अछि।
१८८७. (A) लोकप्रिय उदाहरणसँ जटिल छन्दविषय सरल बनैत अछि — परिचित गीतक माध्यमे बहर सन तकनीकी विषय पाठक लेल सहज होइत अछि।
१८८८. (A) गजल-गीतक रूप-विधान, लय आ अनुशासनक चर्चा आगू बढ़बैत अछि — एहि क्रममे बहरक लेख विधागत शिल्प-बोधकें विस्तार दैत अछि।
१८८९. (A) मैथिली मंच पर हिंदी गीतक छन्द-पक्षक आलोचनात्मक अध्ययन होइत अछि — विदेह मैथिली पाठकक लेल अन्य भाषिक लोकप्रिय गीतक शिल्प-विवेचन प्रस्तुत करैत अछि।
१८९०. (A) ई गीतक भीतरक छन्द-संरचना आ विधागत नियम पर विचार करैत अछि — बहर-विमर्श साहित्यिक शास्त्र आ छन्द-ज्ञानसँ सम्बद्ध अध्ययन अछि।
१८९१. (A) एन.पी.एस. — सामग्री-सूचीमे प्रणव झाक 'एन.पी.एस.' लघुकथा रूपमे देखाइत अछि।
१८९२. (A) आधुनिक संक्षिप्त नाम आ सामाजिक व्यंग्यक सम्भावना — संक्षिप्त आधुनिक शीर्षक लघुकथामे समय-सापेक्ष विषय वा व्यंग्यक संकेत दैत अछि।
१८९३. (A) संस्मरण — २७८क सूचीमे डॉ. बटेश्वर झा — 'संस्मरण' लिखल अछि।
१८९४. (A) व्यक्तिगत स्मृति द्वारा समय, व्यक्ति आ समाजक अनुभव सुरक्षित करैत अछि — संस्मरण लेखकक देखल-भोगल अनुभवकें साहित्यिक स्मृति बनबैत अछि।
१८९५. (A) कुर्सी — सामग्री-सूचीमे पूनम झा — बीहनि कथा 'कुर्सी' स्पष्ट अछि।
१८९६. (A) सत्ता, पद, लोभ वा सामाजिक प्रतिष्ठाक प्रतीक — कुर्सी सामान्यतः अधिकार, पद आ प्रतिष्ठाक सामाजिक प्रतीक रूपमे पढ़ल जाइत अछि।
१८९७. (A) धनवान — अंक २७८मे पद्य-सूचीमे नन्द विलास राय — 'धनवान' देल अछि।
१८९८. (A) झार — २७८क सूचीमे रामदेव प्रसाद मण्डल 'झारखंड' — 'झार' पुनः उपस्थित अछि।
१८९९. (A) आधुनिकता, स्मृति आ सामाजिक प्रतीक पर विविध गद्य-संवाद — २७८क गद्य सामग्री लघुकथा, संस्मरण आ बीहनि कथा द्वारा अलग-अलग अनुभव जगत खोलैत अछि।

१९००. (A) छन्द-विमर्श, लघुकथा, संस्मरण, बीहनि कथा आ पद्यक मिश्रित अंक — सामग्री-सूचीमे अनेक विधा आ रचनाकार एके अंकमे समाहित छथि।
१९०१. (A) मृणालिनिक किछु बीहनि कथा — २७९क सूचीमे प्रथम शीर्षक ‘मृणालिनिक किछु बीहनि कथा’ अछि।
१९०२. (A) छोट आकारमे तीक्ष्ण कथ्य आ प्रभाव — बीहनि कथा संक्षिप्त रूपमे गाढ़ कथ्य आ अचानक प्रभाव देबाक विधा अछि।
१९०३. (A) स्त्री रचनाकारक लघु-कथा उपस्थिति आ कथात्मक विस्तार — मृणालिनिक नामक संग बीहनि कथा देल होएब स्त्री रचनात्मक उपस्थितिक संकेत सेहो अछि।
१९०४. (A) गजल — सूचीमे ‘आशीष अनचिन्हारक गजल’ स्पष्ट रूपेँ देल अछि।
१९०५. (A) लघु गद्य आ लयात्मक पद्य, दुनू संक्षिप्त प्रभावक विधा संग-संग चलैत अछि — बीहनि कथा आ गजल दुनू कम शब्दमे प्रभावी अनुभूति देबाक क्षमता रखैत अछि।
१९०६. (A) गजल-विधाक सतत उपस्थिति — २७७, २७८, २७९, २८० — एहि क्रममे आशीष वा गजल-संबंधित सामग्री बारंबार देखाइत अछि।
१९०७. (A) एकाधिक लघु-कथात्मक अनुभवक संग्रह — शीर्षक बतबैत अछि जे एकटा नहि, कई छोट कथा एक संग देल गेल अछि।
१९०८. (A) लघु-रूपक रचनात्मकता — बीहनि कथा आ गजल — मृणालिनिक बीहनि कथा आ आशीषक गजल, दुनू लघु रूपमे रचनात्मक गहनता अनैत अछि।
१९०९. (A) दुनू संक्षेपमे अर्थक तीव्रता पैदा करैत अछि — बीहनि कथा कथ्यक तीक्ष्णता सँ, गजल भाव-लय सँ, कम शब्दमे असर पैदा करैत अछि।
१९१०. (A) नव-पुरान विधा आ भिन्न रचनाकारक संक्षिप्त किन्तु प्रभावी उपस्थिति — २७९मे बीहनि कथा, गजल आ सांस्कृतिक काव्य-आधारक सामग्री एक संग अछि।
१९११. (A) श्रीरामचरितमानस — सामग्री-सूचीमे नागेश कुमार प्रेषित आशुतोषक नामक संग ‘श्रीरामचरितमानस’ देल अछि।
१९१२. (A) भक्ति, आख्यान आ सांस्कृतिक पाठ-परम्परा — श्रीरामचरितमानस भक्ति-आख्यान आ सांस्कृतिक स्मृतिक महत्वपूर्ण ग्रंथ-संकेत अछि।
१९१३. (A) आधुनिक लघु-रचना आ परम्परागत भक्ति-आख्यानक सहअस्तित्व — २७९क सूची आधुनिक लघु विधा आ दीर्घ सांस्कृतिक परम्पराकें संग पढ़बाक अवसर दैत अछि।
१९१४. (A) भाषा-प्रदेशक भक्ति-संस्कार आ तुलनात्मक साहित्य-बोध बढ़बैत अछि — एहन सामग्री लोक-भक्ति, सांस्कृतिक स्मृति आ साहित्यिक पाठक सम्बन्ध बुझएबामे सहायक अछि।
१९१५. (A) लघुकथा, गजल, भक्ति-आख्यान — मृणालिनिक बीहनि कथा, आशीषक गजल आ श्रीरामचरितमानस — तीनू मिलि विधागत त्रयी बनबैत अछि।
१९१६. (A) परम्पराक नवी पाठकीय पुनर्स्थापना — पत्रिका परम्परागत ग्रंथकें नवी संदर्भमे पढ़बाक अवसर दैत अछि।
१९१७. (A) एक परम्परागत महाकाव्यात्मक/भक्ति आख्यान दिस, दोसर आधुनिक लघु-कथा दिस संकेत करैत अछि — ई अंक विधागत विस्तार देखबैत अछि — संक्षिप्त कथा सँ भक्ति-ग्रंथ धरि।
१९१८. (A) विस्तृत परम्परा आ आधुनिक प्रयोग एक संग रहि सकैत अछि — मैथिली साहित्यिक मंच पर परम्परा आ प्रयोगक संगति विदेहक बहुलताकें देखबैत अछि।
१९१९. (A) धार्मिक-सांस्कृतिक आख्यानक साहित्यिक पाठ — श्रीरामचरितमानस शीर्षक भक्ति, कथा, मर्यादा आ सांस्कृतिक पाठक विमर्शक संकेत दैत अछि।
१९२०. (A) अंक लघु-कथा, गजल आ भक्ति-संस्कृति मार्फत विविध साहित्यिक रस दैत अछि — २७९मे अलग-अलग विधा आ परम्परा एके अंकमे पाठक सामने रखल गेल अछि।
१९२१. (A) दू टा गजल — अंक २८०क सूचीमे प्रदीप पुष्पक — ‘दू टा गजल’ देल अछि।
१९२२. (A) मैथिली साहित्य-रचनाक क्षेत्रमे जगदीश प्रसाद मण्डलक आगमन — सामग्री-सूचीमे उमेश मण्डलक लेख जगदीश प्रसाद मण्डलक साहित्यिक आगमन पर केन्द्रित अछि।
१९२३. (A) आलोचनात्मक/साहित्येतिहासिक लेख — ई शीर्षक रचनाकारक साहित्यिक प्रवेश आ योगदान पर विचार करबाक आलोचनात्मक संकेत दैत अछि।
१९२४. (A) एकटा गजल — सूचीमे ‘आशीष अनचिन्हारक एकटा गजल’ देल अछि।
१९२५. (A) गजल-विधाक बहु-रचनाकार उपस्थिति — अंक २८०मे दू रचनाकारक गजल रहबाक कारण गजल-विधाक जीवंतता देखाइत अछि।

१९२६. (A) क्योंकि एहि क्रममे हुनकर कथा-शीर्षकसभ सेहो उपस्थित छथि — २७६मे ‘दिवालीक दीप’ आ २८०मे ‘पाइक इज्जत’ संग हुनकर रचनात्मक उपस्थिति देखाइत अछि।
१९२७. (A) पाठक रचनाकारक कृति आ ओकर साहित्यिक परिप्रेक्ष्य दुनू बुझि सकैत अछि — अंक २८०मे जगदीश प्रसाद मण्डल पर आलोचनात्मक लेख आ हुनकर लघुकथा दुनू दिस संकेत अछि।
१९२८. (A) पूर्व अंकोंमे चलि रहल गजल-विमर्श आ रचनात्मक प्रयोग — २७७सँ २८० धरि गजल निरन्तर अलग-अलग रूपमे उपस्थित अछि।
१९२९. (A) रचनाकारक साहित्यिक प्रवेश आ प्रभावक चर्चा — आगमन शब्द एहि सन्दर्भमे साहित्यिक क्षेत्रमे प्रवेश, पहचान आ योगदानक विवेचनक संकेत अछि।
१९३०. (A) गजल, आलोचना, गजल आ लघुकथा — रचना आ विमर्श दुनू — २८०क सूचीमे गजल-रचना, आलोचना आ लघुकथा सभ साथे मौजूद अछि।
१९३१. (A) पाइक इज्जत — सामग्री-सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा ‘पाइक इज्जत’ देल अछि।
१९३२. (A) धन, प्रतिष्ठा आ मानवीय मूल्यक सम्बन्ध — शीर्षक धन आ इज्जतक सम्बन्धक सामाजिक-नैतिक प्रश्न उठबैत अछि।
१९३३. (A) छोट कथा-रूपमे सामाजिक व्यंग्य वा मूल्य-संघर्षक संकेत दैत अछि — लघुकथा शीर्षक समाजमे धनक प्रभाव आ प्रतिष्ठाक विडम्बना पर तीक्ष्ण संकेत दऽ सकैत अछि।
१९३४. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक सामाजिक-लोकजीवनक कथा-संसार — दुनू शीर्षक जगदीश प्रसाद मण्डलक नामसँ जुड़ल सामाजिक-संवेदनात्मक कथा-उपस्थिति देखबैत अछि।
१९३५. (A) २७७, २७८, २७९ आ २८०मे गजल अथवा बहर-विमर्श बारंबार आवैत अछि — एहि पाँच अंकोंमे आशीष अनचिन्हार, प्रदीप पुष्पक, रामदेव प्रसाद मण्डल आदिक गजल-संबन्धित उपस्थिति देखाइत अछि।
१९३६. (A) इतिहास, समाज आ रचनाकार-केन्द्रित आलोचनाक दिशा — एक लेख मिथिलाक ऐतिहासिक कृषि-जीवन दिस, दोसर रचनाकारक साहित्यिक आगमन दिस ध्यान दैत अछि।
१९३७. (A) सत्ता, धन आ प्रतिष्ठाक आलोचनात्मक प्रतीक — कुर्सी पद-सत्ता दिस, पाइक इज्जत धन-प्रतिष्ठा दिस संकेत करैत अछि; दुनू सामाजिक मूल्य पर प्रश्न उठा सकैत अछि।
१९३८. (A) भक्ति, वाणी आ परम्परागत धार्मिक-सांस्कृतिक स्मृति — दुनू शीर्षक भारतीय-मिथिला सांस्कृतिक परम्परा आ भक्तिपरक स्मृतिक संकेत करैत अछि।
१९३९. (A) कथा, लघुकथा, गजल, आलोचना, संस्मरण, संस्कृति आ अभिलेखक बहुविध रूप — एहि पाँच अंकमे अनेक विधा आ विषय एक साथ उपस्थित अछि।
१९४०. (A) विदेह लोकजीवन, विधा-विमर्श, सांस्कृतिक स्मृति आ साहित्यिक आलोचना केँ एक सतत मंच दैत अछि — एहि क्रममे रचना, समीक्षा, गजल-विमर्श, भक्ति-संस्कृति आ अभिलेखीय स्मृति एक संग चलैत अछि।
१९४१. (A) दू टा गजल — अंक २८१क आरम्भिक सूचीमे प्रदीप पुष्पकक ‘दू टा गजल’ देल अछि।
१९४२. (A) एकटा गजल — सूचीमे आशीष अनचिन्हारक नामक संग ‘एकटा गजल’ लिखल अछि।
१९४३. (A) गजल-विधाक निरन्तर आ बहु-स्वर उपस्थिति — दू रचनाकारक गजल एके अंकमे देल होएब गजल-विधाक सक्रियता देखबैत अछि।
१९४४. (A) पूर्व अंकोंमे चलि रहल गजल-संसारकेँ आगू बढ़बैत अछि — एहि शृंखलामे गजल बारंबार आबि रहल अछि; अंक २८१ ओहि क्रमकेँ जारी रखैत अछि।
१९४५. (A) लय, संवेदना आ समकालीन स्वरक साहित्यिक स्थान — गजल छोट आकारमे भाव, लय आ सामाजिक अनुभव व्यक्त करबाक सामर्थ्य रखैत अछि।
१९४६. (A) एके रचनाकारक एकसँ अधिक गजल उपलब्ध अछि — शीर्षक स्पष्ट करैत अछि जे प्रदीप पुष्पकक दू गजल पाठक लेल देल गेल अछि।
१९४७. (A) एहि क्रममे हुनकर गजल-लेखनक उपस्थिति — पूर्व अंकोंमे सेहो हुनकर गजल आवैत रहल; एतय ओ क्रम फेर उपस्थित अछि।
१९४८. (A) पद्य आ आलोचनात्मक/कथात्मक सामग्रीक संतुलन — सामग्री-सूची गजल, आलोचनात्मक लेख आ लघुकथा सभकेँ एकत्र रखैत अछि।
१९४९. (A) ई आधुनिक मैथिली पद्यक विविध प्रयोगकेँ जगह दैत अछि — गजल मैथिलीमे आधुनिक भाव-अभिव्यक्तिक एक सक्रिय विधा बनल अछि।
१९५०. (A) समकालीन मैथिली गजलकेँ निरन्तर स्थान — प्रदीप पुष्पक आ आशीष अनचिन्हारक गजल मिलि एहि संकेतकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१९५१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'भकमोड़'मे परिवर्तनक स्वर — सामग्री-सूचीमे उमेश मण्डलक नामक संग 'जगदीश प्रसाद मण्डलजीक 'भकमोड़'मे परिवर्तनक स्वर' देल अछि।
१९५२. (A) रचनाक भीतर सामाजिक बदलाव आ चेतनाक विवेचन — शीर्षकमे परिवर्तनक स्वर रचनाक सामाजिक-साहित्यिक अर्थ पर आलोचनात्मक ध्यान देबाक संकेत अछि।
१९५३. (A) सुखिमानी जिनगी — आरम्भिक सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा 'सुखिमानी जिनगी' देल देखाइत अछि।
१९५४. (A) जिनगी, सुख-बोध आ मानवीय स्थिति पर सोच — शीर्षक जिनगी आ सुखक अर्थ पर कथा-आधारित संकेत दैत अछि।
१९५५. (A) रचनाकारक कृति आ ओकर आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य साथे बुझाईत अछि — एक ओर 'भकमोड़' पर लेख अछि, दोसर ओर जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा; दुनू मिलि परिप्रेक्ष्य दैत अछि।
१९५६. (A) समाज, मनोवृत्ति वा मूल्य-परिवर्तनक पहचान — परिवर्तनक स्वर रचनामे बदलावक चिन्ता आ ओकर अर्थ-खोजकें सूचित करैत अछि।
१९५७. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक — लेख 'भकमोड़' पर अछि आ लघुकथा सेहो जगदीश प्रसाद मण्डलक अछि।
१९५८. (A) मानवीय जीवन-अनुभव — जिनगी शब्द कथा-पाठकें मनुखक जीवन-अनुभवक ओर मोड़ैत अछि।
१९५९. (A) रचना आ रचना-सम्बद्ध आलोचना एक साथ देबाक प्रवृत्ति — एहि अंकमे एक रचनाकारक कृति पर चर्चा आ हुनकर लघुकथा दुनू उपलब्ध अछि।
१९६०. (A) गजल, आलोचना आ लघुकथा मिलि बहुविध साहित्यिक अंक बनबैत अछि — सामग्री-सूची प्रदीप पुष्पक, उमेश मण्डल, आशीष अनचिन्हार आ जगदीश प्रसाद मण्डलक विविध सामग्री देखबैत अछि।
१९६१. (A) दू टा गजल — अंक २८२क सूचीमे प्रदीप पुष्पकक 'दू टा गजल' उपस्थित अछि।
१९६२. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक औपन्यासिक कृति — सूचीमे उमेश मण्डलक नामक संग 'जगदीश प्रसाद मण्डलक औपन्यासिक कृति' देल अछि।
१९६३. (A) उपन्यास/कादम्बरीक आलोचनात्मक अध्ययन — औपन्यासिक कृति कहब उपन्यास-धर्मी रचना आ ओकर विवेचनक ओर संकेत करैत अछि।
१९६४. (A) एकटा गजल — सामग्री-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक नामक संग 'एकटा गजल' देल अछि।
१९६५. (A) पद्य आ दीर्घ गद्य-विधा दुनूक संवाद — २८२मे गजल-सामग्रीक संग औपन्यासिक कृतिपर आलोचनात्मक लेख अछि।
१९६६. (A) रचनाकारक दीर्घ गद्य-संसारकें आलोचनात्मक ढंगसँ देखबाक रुचि — लेखक कृति पर विचार करबाक सामग्री प्रकाशित कएल गेल अछि, जे आलोचनात्मक रुचि देखबैत अछि।
१९६७. (A) एकजना दू गजल आ दोसर एकटा गजलसँ उपस्थित छथि — सूचीमे प्रदीप पुष्पकक दू गजल आ आशीष अनचिन्हारक एकटा गजल देल अछि।
१९६८. (A) कथानक, पात्र, समाज आ रचनात्मक संरचना पर विचार — उपन्यासक आलोचना रचना-संरचना आ सामाजिक अर्थक विवेचन करैत अछि।
१९६९. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक — लेख हुनकर औपन्यासिक कृति पर अछि आ एहि अंक हुनकर लघुकथा सेहो देल अछि।
१९७०. (A) गजल-विधा आ जगदीश प्रसाद मण्डल केन्द्रित गद्य-विश्लेषण — सामग्री-सूचीमे गजल आ औपन्यासिक कृति पर लेख मुख्य रूपेँ देखाइत अछि।
१९७१. (A) बाबाकबाग-बगिया — अंक २८२क सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा 'बाबाकबाग-बगिया' देखाइत अछि।
१९७२. (A) बाग-बगिया, परिवार-स्मृति आ लोक-जीवन — बाग-बगिया शब्द ग्रामीण-परिवारिक स्मृति आ जीवनक हरियर परिवेशकें संकेत करैत अछि।
१९७३. (A) छोट कथामे स्मृति, संबंध आ जीवन-मूल्यक संकेत — लघुकथा छोट आकारमे तीक्ष्ण सामाजिक वा भावात्मक अर्थ प्रस्तुत करैत अछि।
१९७४. (A) पीढ़ी, परम्परा आ पारिवारिक स्मृति — बाबा शब्द वृद्ध पीढ़ी, संस्कार आ घर-परिवारक स्मृतिक ओर लऽ जाइत अछि।
१९७५. (A) ई लोक-संस्कृति, जमीन आ स्मृति संग जुड़ल अछि — मैथिली लोकजीवनमे बाग-बगिया, गाछ आ आँगन सामाजिक अनुभवक अंग रहल अछि।
१९७६. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक दीर्घ आ लघु गद्य-दुनू पर ध्यान — एक ओर औपन्यासिक कृति पर लेख अछि, दोसर ओर हुनकर लघुकथा देल अछि।
१९७७. (A) पालन, स्मृति, हरियाली आ मानवीय अपनत्व — बगिया जीवनक पोषण, सौंदर्य आ संबंधक प्रतीक बनि सकैत अछि।
१९७८. (A) लघुकथा आ औपन्यासिक कृति-दुनूकें स्थान देल गेल अछि — सूचीमे उपन्यास-केन्द्रित लेख आ लघुकथा दुनू सम्मिलित अछि।
१९७९. (A) परम्परा आ आजुक जीवनमे सम्बन्ध कतय बदलैत अछि — शीर्षक पीढ़ी, स्मृति आ बदलैत परिवेश पर सोचयबाक अवसर दैत अछि।
१९८०. (A) गजल, उपन्यास-विमर्श आ लघुकथा मिलि विविध साहित्यिक अंक बनबैत अछि — २८२क सूचीमे गजल, आलोचना आ लघुकथा सभ उपस्थित अछि।
१९८१. (A) दू टा गजल — अंक २८३क सूचीमे प्रदीप पुष्पकक 'दू टा गजल' फेर उपस्थित अछि।

१९८२. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक जीवन-संघर्ष — सूचीमे उमेश मण्डल — ‘जगदीश प्रसाद मण्डलक जीवन-संघर्ष’ देल अछि।
१९८३. (A) रचनाकारक जीवन, संघर्ष आ साहित्यिक व्यक्तित्वक अध्ययन — जीवन-संघर्ष शीर्षक जीवनीपरक आ आलोचनात्मक विवेचनक संकेत दैत अछि।
१९८४. (A) एकटा गजल — सामग्री-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक ‘एकटा गजल’ देखाइत अछि।
१९८५. (A) प्रदीप पुष्पक आ आशीष अनचिन्हारक गजल-उपस्थिति जारी अछि — २८१, २८२ आ २८३ तीनू अंकमे गजल उपस्थिति लगातार देखाइत अछि।
१९८६. (A) रचनाकारक कृति बुझबाक मानवीय आ सामाजिक संदर्भ — जीवन-संघर्षक चर्चा रचनाकारक साहित्यिक संसारक पीछे रहनिहार अनुभव बुझबैत अछि।
१९८७. (A) रचनाकारक जीवन-संदर्भ आ कथा-कला साथे देखल जा सकैत अछि — अंक २८३मे उमेश मण्डलक लेख आ जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा दुनू देल अछि।
१९८८. (A) जीवनक कठिनाई, समाजक दबाव आ रचनात्मक जिजीविषा — संघर्ष साहित्यिक जीवनक अनुभव, आत्म-संघर्ष आ समाजसँ टकरावकेँ देखबैत अछि।
१९८९. (A) गजल, जीवनीपरक आलोचना आ लघुकथा — सूची गजल, जीवन-संघर्षक लेख आ लघुकथा सभकेँ एकत्र रखैत अछि।
१९९०. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक रचनाकार-छवि आ गजल-परम्परा दुनू पर ध्यान — एहि अंकमे गजल आ जगदीश प्रसाद मण्डल-केन्द्रित लेख/लघुकथा उपस्थित अछि।
१९९१. (A) चौरस खेतक चौरस उपज — सामग्री-सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा ‘चौरस खेतक चौरस उपज’ देल अछि।
१९९२. (A) खेती, जमीन आ उपजक ग्रामीण संसार — खेत आ उपजक बिम्ब कृषिजीवनसँ सीधा जुड़ल अछि।
१९९३. (A) रूपकात्मक संतुलन आ व्यंग्यात्मक तीक्ष्णता — चौरस शब्द खेत आ उपज दुनू पर लागल अछि, जे अर्थक समानान्तरता बनबैत अछि।
१९९४. (A) मिथिलाक ग्राम्य जीवन आ जीविका-संस्कृति खेतीसँ गहराइले जुड़ल अछि — मैथिली लोक-संस्कृतिमे खेत, उपज आ किसान अनुभवक मूल हिस्सा रहल अछि।
१९९५. (A) मेहनत, परिणाम आ सामाजिक न्यायक प्रश्न — उपज खेतक फल होएबाक संग श्रम आ फलाफलक प्रतीक सेहो बनैत अछि।
१९९६. (A) रचनाकारक जीवन-संघर्ष आ किसान/ग्रामीण संघर्षक बिम्ब — जीवन-संघर्षक लेख आ खेती-बिम्बक लघुकथा सामाजिक यथार्थक साझा धरातल बनबैत अछि।
१९९७. (A) छोट कथामे श्रम, विडम्बना आ सामाजिक बोध संक्षेपमे देब — लघुकथा कम शब्दमे गाम-घरक गूढ़ विडम्बना देखबा सकैत अछि।
१९९८. (A) व्यवस्था, मेहनत आ फलाफलक न्याय-अन्यायक प्रश्न — खेत-उपजक रूपक सामाजिक व्यवस्था आ श्रमक परिणाम पर प्रश्न उठा सकैत अछि।
१९९९. (A) खेत आ उपज गामक जीवनक प्रत्यक्ष अनुभवसँ जुड़ल शब्द अछि — ग्राम्य समाजमे खेती जीवन, अर्थ आ सम्बन्धक प्रमुख आधार रहल अछि।
२०००. (A) कृषि-बिम्बक माध्यमे सामाजिक आ नैतिक अर्थक खोज — ‘चौरस खेतक चौरस उपज’ शीर्षक कृषिजीवनकेँ कथ्यक केन्द्र बनबैत अछि।
२००१. (A) दू टा गजल — अंक २८४क सूचीमे प्रदीप पुष्पकक ‘दू टा गजल’ देल अछि।
२००२. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक नाट्य कृतिक संक्षिप्त परिचय — सामग्री-सूचीमे उमेश मण्डल — ‘जगदीश प्रसाद मण्डलक नाट्य कृतिक संक्षिप्त परिचय’ स्पष्ट अछि।
२००३. (A) नाटक/रंग-साहित्य पर परिचयात्मक विवेचन — नाट्य कृति पर संक्षिप्त परिचय नाटक-विधा आ रचनाकारक रंग-संसारकेँ चिन्हबैत अछि।
२००४. (A) एकटा गजल — सूचीमे आशीष अनचिन्हारक ‘एकटा गजल’ देल गेल अछि।
२००५. (A) पद्य आ रंग-गद्य/नाटक-विमर्शक सह-अस्तित्व — २८४मे गजल-सामग्रीक संग नाटक-विधा पर लेख देल अछि।
२००६. (A) रचनाकारक कथा मात्र नहि, नाट्य-लेखनकेँ सेहो देखबाक चेष्टा — एहि लेखसँ हुनकर नाट्य-कृतिसभ पर ध्यान देल गेल अछि।
२००७. (A) विस्तृत अध्ययनसँ पहिने कृतिक मूल स्वरूप बुझयबा लेल — संक्षिप्त परिचय पाठककेँ रचना-क्षेत्रक प्राथमिक समझ दैत अछि।
२००८. (A) नाट्य कृति पर अलग ध्यान — पूर्व अंकमे कथा/उपन्यास/जीवन-संघर्ष पर चर्चा छल; २८४मे नाट्य कृति पर ध्यान अछि।
२००९. (A) प्रदीप पुष्पक आ आशीष अनचिन्हार — सूचीमे प्रदीप पुष्पकक दू गजल आ आशीष अनचिन्हारक एकटा गजल अछि।
२०१०. (A) नाटक-विमर्श आ गजल-विधा एक संग उपस्थित — सामग्री-सूची नाट्य कृतिक परिचय आ गजल-सामग्रीक संतुलन देखबैत अछि।
२०११. (A) सिसकियोनेता — अंक २८४क सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा ‘सिसकियोनेता’ देल अछि।

२०१२. (A) नेतृत्व, लोकजीवन आ सामाजिक विडम्बना — शीर्षकमे नेता शब्द सामाजिक-राजनीतिक व्यवहारक ओर ध्यान देबैत अछि।
२०१३. (A) ई छोट कथामे नेतृत्वक विडम्बना वा व्यंग्य संकेत करैत अछि — लघुकथा अक्सर छोट आकारमे सामाजिक व्यंग्यक तीक्ष्ण चोट दैत अछि।
२०१४. (A) पीड़ा आ सार्वजनिक नेतृत्वक विरोधाभास — शीर्षकमे पीड़ाक ध्वनि आ नेतृत्वक संकेत एक संग आबि व्यंग्यात्मक अर्थ बना सकैत अछि।
२०१५. (A) रंग-विधा आ सामाजिक लघुकथा-दुनू पर ध्यान — एक ओर नाट्य कृति पर लेख अछि, दोसर ओर सामाजिक संकेतवाली लघुकथा।
२०१६. (A) जनता, सत्ता, वादा आ व्यवहारक प्रश्न — नेता शब्द सार्वजनिक जीवन आ सामाजिक उत्तरदायित्वक प्रश्नक ओर संकेत करैत अछि।
२०१७. (A) छोट रूपमे संकेत, चोट आ खुला अर्थ देबाक कारण — लघुकथा कम शब्दमे तीक्ष्ण सामाजिक अर्थ पाठक धरि पहुँचा सकैत अछि।
२०१८. (A) एहि ठाम सामाजिक-राजनीतिक बिम्ब अग्रभूमिमे अछि — २८३क शीर्षक खेत-उपज पर छल, २८४क शीर्षक नेतृत्वक विडम्बना दिस संकेत करैत अछि।
२०१९. (A) विदेहक एहि क्रममे हुनकर लघुकथा-संसार नियमित रूपेँ उपस्थित अछि — २८१सँ २८५ धरि हुनकर लघुकथा लगातार सूचीमे देखाइत अछि।
२०२०. (A) सामाजिक नेतृत्व आ विडम्बनाक कथा-संकेत — ‘सिसकियोनेता’ शीर्षक नेतृत्व-संबन्धी सामाजिक व्यंग्यक सम्भावना बनबैत अछि।
२०२१. (A) दू टा गजल — अंक २८५क सूचीमे प्रदीप पुष्पकक ‘दू टा गजल’ देल अछि।
२०२२. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक ‘गीतांजलि’ — सूचीमे उमेश मण्डल — ‘जगदीश प्रसाद मण्डलक ‘गीतांजलि’’ देल अछि।
२०२३. (A) गीत, अर्पण, भाव-संवेदना आ काव्यात्मकता — गीतांजलि शब्द गीतात्मक अर्पण आ भाव-समर्पणक संकेत दैत अछि।
२०२४. (A) एकटा गजल — सामग्री-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक ‘एकटा गजल’ देल अछि।
२०२५. (A) गीतात्मकता आ गजल-लयक साझा भाव-संसार — दुनू शीर्षक लय, भाव आ काव्य-संवेदनाक धरातल बनबैत अछि।
२०२६. (A) दू टा गजल — एहि पाँच अंकोंक सूचीमे प्रदीप पुष्पकक दू टा गजल बारंबार देल गेल अछि।
२०२७. (A) गीतात्मक/काव्यात्मक पक्ष — गीतांजलि शीर्षक रचनाकारक गीतधर्मी वा भावात्मक साहित्यिक क्षेत्र दिस ध्यान दैत अछि।
२०२८. (A) गजल विदेहक एहि अंकीय क्रमक स्थायी साहित्यिक घटक बनल अछि — २८१-२८५क हर अंकमे प्रदीप पुष्पक आ आशीष अनचिन्हारक गजल-सामग्री देखाइत अछि।
२०२९. (A) गीत/भावकेँ समर्पण रूपमे रखबाक काव्यात्मक मुद्रा — गीतांजलि शब्द परम्परागत रूपेँ गीतात्मक अर्पणक भाव खोलैत अछि।
२०३०. (A) गजल आ गीतात्मक कृति-विमर्शक संगति — सामग्री-सूचीमे गजल आ ‘गीतांजलि’ पर लेखक संयोजन प्रमुख अछि।
२०३१. (A) समयसँ पहिने चेत किसान — अंक २८५क सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा ‘समयसँ पहिने चेत किसान’ देखाइत अछि।
२०३२. (A) किसान जीवनमे समय, सजगता आ सावधानीक प्रश्न — शीर्षक किसानकेँ समयपूर्व सजग हेबाक आग्रह दैत प्रतीत होइत अछि।
२०३३. (A) कृषि, किसान आ ग्रामीण समाजक प्रश्न — दुनू शीर्षक खेती-किसानीक जीवन-संसारसँ जुड़ल अछि।
२०३४. (A) अनुभवसँ उपजल सावधानी आ जागरूकता — चेत शब्द किसान लेल सजगता आ सावधानीक संदेश बनबैत अछि।
२०३५. (A) जिनगी, बगिया, खेत, नेता आ किसान — सामाजिक जीवनक अनेक पक्ष खोलैत अछि — एहि क्रममे सुखिमानी जिनगी, बाबाकबाग-बगिया, चौरस खेतक चौरस उपज, सिसकियोनेता आ समयसँ पहिने चेत किसान देखाइत अछि।
२०३६. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक — उमेश मण्डलक लेखसभ एहि क्रममे जगदीश प्रसाद मण्डलक कृति, जीवन-संघर्ष, नाट्य कृति आ गीतांजलि पर केन्द्रित छथि।
२०३७. (A) हर अंकमे प्रदीप पुष्पकक दू गजल आ आशीष अनचिन्हारक एक गजल उपस्थित अछि — आरम्भिक सूचीनुसार एहि पाँचो अंकोंमे ई गजल-संयोजन दोहराइत अछि।
२०३८. (A) ई संकट आबयसँ पहिने जागरूकता आ निर्णयक बात करैत अछि — शीर्षक किसानक समय-बोध आ सजगता पर स्पष्ट बल दैत अछि।
२०३९. (A) गजल, आलोचना, जीवनी/कृति-विमर्श आ लघुकथा सभक मिश्रित क्रम — एहि पाँच अंकोंमे गजल, उमेश मण्डलक आलोचना-लेख आ जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा नियमित अछि।
२०४०. (A) विदेह गजल-विधा, जगदीश प्रसाद मण्डल-केंद्रित समीक्षा आ सामाजिक लघुकथा केँ साथे आगू बढ़बैत अछि — सामग्री-सूची एहि पाँच अंकोंमे विधागत निरन्तरता आ रचनाकार-केन्द्रित साहित्यिक फलक स्पष्ट करैत अछि।
२०४१. (A) दू टा गजल — अंक २८६क आरम्भिक सामग्री-सूचीमे प्रदीप पुष्पकक नामक संग ‘दू टा गजल’ देल अछि।

२०४२. (A) श्री जगदीश प्रसाद मण्डलक २५ गोटे पोथीमे संकलित पात्रक सूची — सूचीमे उमेश मण्डलक नामक संग श्री जगदीश प्रसाद मण्डलक २५ गोटे पोथीमे संकलित पात्रक सूची/Index देल अछि।
२०४३. (A) रचनासभक पात्र-संसारकें सूचीकृत करबाक काज — Index प्रकृतिक लेख पात्र, पोथी आ रचनात्मक स्रोतकें व्यवस्थित करबाक प्रयास संकेत करैत अछि।
२०४४. (A) ई रचनाकारक कृति-संसारक पात्र-विन्यास बुझबैत अछि — पात्र-सूची पाठककें कतेक पोथीमे कोन-कोन पात्र अछि, से पकड़बाक आधार दैत अछि।
२०४५. (A) रचनात्मक पद्य आ शोधोपयोगी सूची-दुनूक संगति — एहि अंकमे प्रदीप पुष्पकक गजल अछि आ उमेश मण्डलक पात्र-सूची सेहो अछि।
२०४६. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक — शीर्षक स्पष्ट करैत अछि जे पात्र-सूची श्री जगदीश प्रसाद मण्डलक पोथीसभसँ सम्बन्धित अछि।
२०४७. (A) विभिन्न पोथीमे बिखरल पात्रकें एकठाम देखबाक सुविधा — Index-सूची बिखरल सामग्रीकें एक क्रममे देखएबाक औजार बनैत अछि।
२०४८. (A) गजल-रचना आ साहित्य-सूची/अनुसंधान — सामग्री-सूचीमे गजल आ पात्र-सूची दुनू प्रमुख अछि।
२०४९. (A) पात्र, पोथी आ रचनात्मक संसारक तुलनात्मक पठन — संकलित सूची पात्रक फैलाव आ सम्बन्ध बुझबाक आधार बनबैत अछि।
२०५०. (A) गजल-विधा संग जगदीश प्रसाद मण्डलक कृतित्वक पात्र-सूची — प्रदीप पुष्पकक गजल आ उमेश मण्डलक पात्र-सूची मिलि एहि खण्डक मुख्य स्वर बनबैत अछि।
२०५१. (A) एकटा गजल — अंक २८६क सूचीमे आशीष अनचिन्हारक ‘एकटा गजल’ देल अछि।
२०५२. (A) काजक मेहन — आरम्भिक सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा ‘काजक मेहन’ देल अछि।
२०५३. (A) परिश्रम, काम आ श्रमक गरिमा — काज आ मेहन दुनू शब्द श्रम-आधारित जीवन-मूल्यकें केन्द्रमे अनैत अछि।
२०५४. (A) भावात्मक पद्य आ श्रम-संबंधी कथा-दृष्टि साथे उपस्थित अछि — अंक २८६मे आशीष अनचिन्हारक गजल आ जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा दुनू देल अछि।
२०५५. (A) कामक संघर्ष आ मेहनक नैतिक अर्थ — शीर्षक काम-मेहनक जीवन-सत्यकें कथा-विषय बनयबाक संकेत दैत अछि।
२०५६. (A) गजल-विधा — प्रदीप पुष्पकक दू गजल आ आशीष अनचिन्हारक एक गजल एहि अंकमे छपल अछि।
२०५७. (A) कथा जीवनक वास्तविक परिश्रम आ मानवीय संघर्षकें पकड़ि सकैत अछि — लघुकथा छोट आकारमे श्रमक सामाजिक अर्थ तीक्ष्ण रूपेँ देखबा सकैत अछि।
२०५८. (A) लघुकथा — सूचीमे ‘जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा — काजक मेहन’ स्पष्ट अछि।
२०५९. (A) गजल, पात्र-सूची आ श्रमक लघुकथा — २८६मे गजल, पात्र-सूची आ ‘काजक मेहन’ लघुकथा एक साथ भेटैत अछि।
२०६०. (A) गजल-विधा संग श्रम-केन्द्रित लघुकथाक उपस्थिति — आशीष अनचिन्हारक गजल आ ‘काजक मेहन’ लघुकथा एहि खण्डक आधार अछि।
२०६१. (A) दू टा गजल — अंक २८७क सामग्री-सूचीमे प्रदीप पुष्पकक ‘दू टा गजल’ देल अछि।
२०६२. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक ‘रहसा चोरी’ — सूचीमे उमेश मण्डलक नामक संग ‘जगदीश प्रसाद मण्डलक ‘रहसा चोरी’ देल अछि।
२०६३. (A) रहस्य, चोरी आ सामाजिक घटना-केंद्रित पाठ — शीर्षकमे रहसा/रहस्य आ चोरीक संकेत अछि, जे घटना आ सामाजिक विडम्बनाक ओर लऽ जाइत अछि।
२०६४. (A) एकटा गजल — आरम्भिक सूचीमे आशीष अनचिन्हारक ‘एकटा गजल’ देल अछि।
२०६५. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक — शीर्षक सीधेसँ जगदीश प्रसाद मण्डलक ‘रहसा चोरी’क उल्लेख करैत अछि।
२०६६. (A) पद्य-संवेदना आ गद्य-कृति-विमर्शक संतुलन — २८७मे गजल-सामग्रीक संग एक गद्य-कृति पर लेख अछि।
२०६७. (A) अपराध, नैतिकता आ समाजक छिपल पक्ष — चोरीक प्रसंग सामाजिक नैतिकता आ व्यवहारक प्रश्न खोलि सकैत अछि।
२०६८. (A) सूचीकरणसँ विशिष्ट कृति-पाठ दिस — २८६मे पात्र-सूची अछि, २८७मे एक विशिष्ट कृति ‘रहसा चोरी’ पर लेख अछि।
२०६९. (A) प्रदीप पुष्पकक दू गजल आ आशीष अनचिन्हारक एक गजल — दू रचनाकारक गजल-सामग्री २८७मे पुनः उपस्थित अछि।
२०७०. (A) गजल आ ‘रहसा चोरी’ पर कृति-विमर्श — एहि खण्डमे प्रदीप पुष्पकक गजल, आशीष अनचिन्हारक गजल आ ‘रहसा चोरी’ पर लेख आधार अछि।
२०७१. (A) भोक — अंक २८७क सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा ‘भोक’ देल अछि।

२०७२. (A) भूख, अभाव आ जीवन-संघर्ष — भोक शब्द जीवनक आधारभूत जरूरत आ अभावक अनुभवकें तीक्ष्ण बनबैत अछि।
२०७३. (A) छोट आकारमे तीव्र सामाजिक पीड़ा कहबाक कारण — लघुकथा कम शब्दमे गहिर सामाजिक संकेत देबाक क्षमता रखैत अछि।
२०७४. (A) श्रम, अभाव आ जीवन-संघर्ष — २८६क 'काजक मेहन' आ २८७क 'भोक' दुनू जीवनक कठोर यथार्थ दिस संकेत करैत अछि।
२०७५. (A) खाद्य-अभाव आ गरिमामय जीवनक प्रश्न — भोक शीर्षक समाजमे अभाव आ मनुष्यक स्थिति पर प्रश्न उठबैत अछि।
२०७६. (A) एक शब्द गहिर संकेत आ अनुभूति व्यक्त करैत अछि — संक्षिप्त शीर्षक पाठककें तुरन्त मूल पीड़ा दिस लऽ जाइत अछि।
२०७७. (A) भाव-संवेदना आ सामाजिक यथार्थ दुनू — गजल भावक लय दैत अछि, 'भोक' लघुकथा सामाजिक यथार्थ खोलैत अछि।
२०७८. (A) अन्न, श्रम आ अभावक रोजमर्रा — भूखक प्रसंग लोकजीवनमे अन्न आ श्रमक वास्तविकता सँ जुड़ल होइत अछि।
२०७९. (A) लघुकथा — सूचीमे स्पष्ट रूपेँ 'जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा — भोक' देल अछि।
२०८०. (A) 'भोक' शीर्षक मार्फत मानवीय अभाव आ सामाजिक चेतना — अंक २८७क लघुकथा 'भोक' एहि खण्डक मुख्य पाठ-बिन्दु अछि।
२०८१. (A) दू टा गजल — अंक २८८क सूचीमे प्रदीप पुष्पकक 'दू टा गजल' देल अछि।
२०८२. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'गामक जिनगी' — सूचीमे उमेश मण्डलक नामक संग 'जगदीश प्रसाद मण्डलक 'गामक जिनगी'' देल अछि।
२०८३. (A) ग्रामीण जीवन, लोक-संस्कार आ सामाजिक सम्बन्ध — गामक जिनगी शीर्षक गाँवक जीवन-रूप आ संबंधक अर्थ दिस संकेत करैत अछि।
२०८४. (A) एकटा गजल — सामग्री-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक 'एकटा गजल' देल अछि।
२०८५. (A) भावात्मक पद्य आ ग्रामीण गद्य-दृष्टिक संगति — अंकमे गजल-सामग्रीक संग गाँव-जीवन पर केन्द्रित कृति-विमर्श अछि।
२०८६. (A) गाम, लोकजीवन आ सामुदायिक अनुभव — मैथिली साहित्यक अनेक स्रोत गामक जीवन आ लोक-सम्बन्धसँ जुड़ल अछि।
२०८७. (A) घटना-केंद्रित पाठसँ ग्राम्य जीवनक व्यापक चित्र दिस — एक अंकमे 'रहसा चोरी'क विमर्श अछि, अगिला अंकमे 'गामक जिनगी'क।
२०८८. (A) गामक सामाजिक संरचना, श्रम आ सम्बन्ध कोना चित्रित भेल अछि — शीर्षक स्वयं ग्रामीण जीवनक संरचना आ अनुभव पर सोचबाक निमंत्रण दैत अछि।
२०८९. (A) प्रदीप पुष्पक आ आशीष अनचिन्हार — सूचीमे प्रदीप पुष्पकक दू गजल आ आशीष अनचिन्हारक एक गजल अछि।
२०९०. (A) गजल-विधा संग 'गामक जिनगी'क ग्राम्य जीवन-विमर्श — अंक २८८क आधार गजल आ 'गामक जिनगी' पर लेख अछि।
२०९१. (A) मनतरूपधार — अंक २८८क सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा 'मनतरूपधार' देल अछि।
२०९२. (A) मन, रूप आ धारण/परिवर्तनक प्रश्न — शीर्षकमे मन आ रूपक संकेत अछि, जे आन्तरिक अवस्था आ बाह्य रूप-दुनू पर सोचबाक अवसर दैत अछि।
२०९३. (A) ई मनक रूप, भेष वा परिवर्तनक सम्भावना देखबैत अछि — मनतरूपधार शब्द आन्तरिक रूपान्तरण वा मनःस्थिति पर बल दैत अछि।
२०९४. (A) ग्रामीण जीवन-विमर्श संग व्यक्ति-मनक कथा-संकेत — अंक २८८मे गामक जीवनक लेख आ मन/रूपक लघुकथा दुनू उपलब्ध अछि।
२०९५. (A) भीतर-बाहरक अन्तर आ चरित्रक रूप-बदलाव — शीर्षक चरित्रक भीतरक मन आ बाहरक रूपक सम्बन्ध पर संकेत करैत अछि।
२०९६. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक — सामग्री-सूचीमे 'जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा — मनतरूपधार' लिखल अछि।
२०९७. (A) मेहनत, भोक आ मन-रूपक अलग-अलग अनुभव — काजक मेहन, भोक आ मनतरूपधार तीन अलग जीवन-क्षेत्र खोलैत अछि।
२०९८. (A) व्यक्ति कोना अपन मन वा रूप बदलैत/छिपबैत अछि, से प्रश्न उठा सकैत अछि — रूप-धारणक संकेत सामाजिक व्यवहार आ आत्म-छवि दुनू पर लागू भऽ सकैत अछि।
२०९९. (A) लघुकथा — चौथा अंश जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा रूपमे देल अछि।
२१००. (A) 'मनतरूपधार' मार्फत मन, रूप आ पहचानक लघुकथा-संकेत — एहि खण्डमे अंक २८८क लघुकथा 'मनतरूपधार' मुख्य अछि।
२१०१. (A) दू टा गजल — अंक २८९क सूचीमे प्रदीप पुष्पकक 'दू टा गजल' देल अछि।
२१०२. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक विचारोत्तेजक गद्यांश — सूचीमे उमेश मण्डल — 'जगदीश प्रसाद मण्डलक विचारोत्तेजक गद्यांश' देल अछि।
२१०३. (A) सोच, तर्क आ आलोचनात्मक मनन — विचारोत्तेजक शब्द पाठककें विचार करबाक लेल उकसाबैत अछि।
२१०४. (A) एकटा गजल — सामग्री-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक 'एकटा गजल' देल अछि।

२१०५. (A) लयात्मक संवेदना आ चिन्तनशील गद्य दुनू — अंकमे गजल-सामग्रीक संग चिन्तन-प्रधान गद्यांश अछि।
२१०६. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक — शीर्षकमे जगदीश प्रसाद मण्डलक नाम स्पष्ट देल अछि।
२१०७. (A) अब रचनाकारक विचार-स्वरक चयन पर बल अछि — पूर्व अंकोमे विशिष्ट कृति पर लेख छल; २८९मे विचारोत्तेजक गद्यांश देल अछि।
२१०८. (A) पढ़ि विचार, प्रश्न आ विमर्श करब — ई शब्द पाठककें सक्रिय चिन्तनक ओर धकेलैत अछि।
२१०९. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक रचना-संसार — पात्र-सूची, ‘रहसा चोरी’, ‘गामक जिनगी’ आ विचारोत्तेजक गद्यांश — सभ जगदीश प्रसाद मण्डलसँ जुड़ल अछि।
२११०. (A) गजल-विधा संग विचारोत्तेजक गद्यांशक चिन्तन-स्वर — अंक २८९क पहिल भाग गजल आ विचार-प्रधान गद्यांश पर केन्द्रित अछि।
२१११. (A) गामक आशाढुढि टोल — अंक २८९क सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा ‘गामक आशाढुढि टोल’ रूपेँ देखाइत अछि।
२११२. (A) गाम आ टोल — शीर्षक गाम आ टोलक स्थानीय सामाजिक संरचनाक संकेत दैत अछि।
२११३. (A) टोल ग्रामीण समाजक छोट सामुदायिक इकाई अछि — मिथिलाक ग्रामीण जीवनमे टोल सामाजिक पहचान आ सम्बन्धक महत्वपूर्ण स्थल अछि।
२११४. (A) ग्राम्य जीवन आ स्थानीय समुदाय — २८८मे गामक जिनगी पर लेख छल, २८९मे गाम-टोलक लघुकथा शीर्षक अछि।
२११५. (A) ऋतु, बरखा/आषाढ़ आ ग्राम्य अनुभवक भावभूमि — आषाढ़-सम्बद्ध ध्वनि बरखा, ऋतु आ गामक जीवनक संदर्भ जगा सकैत अछि।
२११६. (A) छोट समुदायमे सम्बन्ध, संघर्ष आ लोक-व्यवहार — टोलक भीतर सामुदायिक सम्बन्ध, निकटता आ तनाव कथाक आधार बनि सकैत अछि।
२११७. (A) एक ओर विचारोत्तेजक गद्य, दोसर ओर ग्राम्य लघुकथा — एहि अंकमे विचार-प्रधान गद्यांश आ ग्राम्य शीर्षकवाली लघुकथा दुनू देखाइत अछि।
२११८. (A) स्थानीय गाम-समाजक परिवेश — गाम आ टोलक संकेत कथाक स्थानीय ग्रामीण परिवेश बनबैत अछि।
२११९. (A) लघुकथा — सामग्री-सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा देल अछि।
२१२०. (A) गाम-टोलक स्थानीय जीवन पर केन्द्रित लघुकथा-संकेत — अंक २८९क ‘गामक आशाढुढि टोल’ शीर्षक ग्राम्य समाजक पठन खोलैत अछि।
२१२१. (A) दू टा गजल — अंक २९०क सूचीमे प्रदीप पुष्पकक ‘दू टा गजल’ देल अछि।
२१२२. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक विचारोत्तेजक गद्यांश-२ — सामग्री-सूचीमे ‘जगदीश प्रसाद मण्डलक विचारोत्तेजक गद्यांश-२’ देल अछि।
२१२३. (A) पूर्व अंकक विचारोत्तेजक गद्यांशक अगिला भाग — ‘-२’ संकेत करैत अछि जे विचारोत्तेजक गद्यांशक क्रम आगू बढ़ल अछि।
२१२४. (A) एकटा गजल — सूचीमे आशीष अनचिन्हारक ‘एकटा गजल’ देल अछि।
२१२५. (A) दुनू विचारोत्तेजक गद्यांशक क्रमसँ जुड़ल अछि — २८९मे विचारोत्तेजक गद्यांश अछि, २९०मे ओकर भाग-२ अछि।
२१२६. (A) क्रमिक चिन्तनक अगिला हिस्साक पठन — भाग-२ पाठककें पहिले भागक चिन्तन-परम्परा आगू पढ़बाक आग्रह करैत अछि।
२१२७. (A) हर अंकमे प्रदीप पुष्पकक दू गजल आ आशीष अनचिन्हारक एक गजल — एहि पाँचो अंकक आरम्भिक सूचीनमे ई गजल-संयोजन बारंबार देखाइत अछि।
२१२८. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक चिन्तनशील गद्य-स्वर — दुनू गद्यांश जगदीश प्रसाद मण्डलक नामसँ जुड़ल अछि।
२१२९. (A) गजल-लय आ गद्य-चिन्तन — प्रदीप पुष्पक आ आशीष अनचिन्हारक गजल संग उमेश मण्डलक गद्यांश-विषय देल अछि।
२१३०. (A) विचारोत्तेजक गद्यांशक भाग-२ आ गजल-विधाक निरन्तरता — अंक २९० विचारोत्तेजक गद्यांश-२क संग गजल-क्रम सेहो जारी रखैत अछि।
२१३१. (A) आब इज्जत नइ बँचत — अंक २९०क सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा ‘आब इज्जत नइ बँचत’ देल अछि।
२१३२. (A) गरिमा, मान-प्रतिष्ठा आ सामाजिक संकट — इज्जत नइ बँचत कहब सामाजिक मान, लाज आ प्रतिष्ठाक संकटकें तीक्ष्ण बनबैत अछि।
२१३३. (A) मेहनत, भोक, मन-रूप, गाम-टोल आ इज्जत — काजक मेहनत, भोक, मनतरूपधार, गामक आशाढुढि टोल आ आब इज्जत नइ बँचत विविध सामाजिक क्षेत्र खोलैत अछि।
२१३४. (A) इज्जत बचयबाक असमर्थता वा सामाजिक विडम्बना — शीर्षकमे ‘नइ बँचत’ तनाव, संकट आ असहायता व्यक्त करैत अछि।
२१३५. (A) पात्र-सूची, कृति-विमर्श, ग्राम्य जीवन आ विचारोत्तेजक गद्यांश — एहि पाँच अंकोमे उमेश मण्डल जगदीश प्रसाद मण्डलक कृतित्वक अलग-अलग पक्ष लैत छथि।
२१३६. (A) दू टा गजल — एहि पाँचो अंकमे प्रदीप पुष्पकक ‘दू टा गजल’ देखाइत अछि।
२१३७. (A) एकटा गजल — हर अंकक सूचीमे आशीष अनचिन्हारक ‘एकटा गजल’ देल अछि।

२१३८. (A) ई मान-प्रतिष्ठा आ समाजक नैतिक दबाव पर प्रश्न उठबैत अछि — इज्जत सामाजिक सम्बन्ध, लोकमत आ मनुष्यक गरिमासँ जुड़ल प्रश्न अछि।
२१३९. (A) गजल, जगदीश प्रसाद मण्डल-केंद्रित आलोचनात्मक/सूची सामग्री आ लघुकथा — सामग्री-सूचीनुसार गजल, उमेश मण्डलक लेख/सूची, आ जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा नियमित अछि।
२१४०. (A) विदेह गजल-विधा, जगदीश प्रसाद मण्डलक कृतित्व-विमर्श आ सामाजिक लघुकथा केँ साथे आगू बढ़बैत अछि — २८६-२९०क पाँचो अंक मिलि गजल-निरन्तरता, कृति-विमर्श आ सामाजिक शीर्षकवाली लघुकथाक क्रम बनबैत अछि।
२१४१. (A) दू टा गजल — अंकक सामग्री-सूचीमे प्रदीप पुष्पकक ‘दू टा गजल’ देल अछि।
२१४२. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक दर्जन भरि कथाक सामान्य परिचय — सामग्री-सूचीमे उमेश मण्डल — ‘जगदीश प्रसाद मण्डलक दर्जन भरि कथाक सामान्य परिचय’ देल अछि।
२१४३. (A) हिनक कथा लेखनक संसार बेस व्यापक अछि — लेखक आरम्भमे कहैत छथि जे जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा लेखनक संसार व्यापक अछि।
२१४४. (A) एकहि परिवारक पितियौत भैया — परिचयमे ‘डीहक बटबारा’क श्रीकान्त आ मुकुन्दकेँ एकहि परिवारक पितियौत भैया कहल गेल अछि।
२१४५. (A) पढ़ि-लिखि इंजीनियर बनल आ गामसँ बाहर रहल — परिचय अनुसार दुनू पढ़ि-लिखि इंजीनियर बनि गामसँ बाहर रहल छलाह, पछाति गाम दिस आकर्षित भेलाह।
२१४६. (A) गामक ज्ञान निर्यात भऽ जाइत अछि आ कला-संस्कृति टुटि जाइत अछि — गुरुकाका गाम छोड़बाक आलोचना करैत कहैत छथि जे ज्ञान बाहर चलि जाइत अछि आ गामक बेवहार-कला-संस्कृति टुटैत अछि।
२१४७. (A) गामसँ पानिक छुआ-छूत मेटेनाइ — वैदिकजीक प्रसंगमे कहल गेल जे हुनक बुझाबए पर पानिक छुआ-छूत गामसँ मेटा गेल।
२१४८. (A) गामक जड़ि काटि शहरमे बसबाक परिणाम नीक नहि होइत अछि — उद्धृत आलोचनामे शहरी चकाचौधसँ सावधान करैत गामक जड़ि न काटबाक बात अछि।
२१४९. (A) मातृ-सखी आ बहिनापनक गंगा-जमुनी प्रेम — ‘बहिन’ कथाक परिचयमे माइयक मुसलमान सखी रातिमे बहिनाकेँ देखय अबैत अछि, जकरा आपसी प्रेमक प्रवाह कहल गेल अछि।
२१५०. (A) अंक २९१ गजल-सामग्रीक संग जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा-संसारक परिचय खोलैत अछि — एहि खण्डमे गजल आ उमेश मण्डलक परिचयात्मक आलोचना मिलि जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा-क्षेत्रक व्यापकता देखबैत अछि।
२१५१. (A) पसेनाक मोल — अंक २९१क सामग्री-सूचीमे लघुकथा ‘पसेनाक मोल’ देल अछि।
२१५२. (A) कातिक मास आ गोबरधन पूजा-दिन — कथारम्भमे ‘कातिकमास’ आ ‘गोबरधनपूजा-दिन’क संकेत अछि।
२१५३. (A) उम्मस आ टहटहौआ कातिकक रौद — कथामे अढ़ाई बजे कातिकक रौद, उम्मस आ टहटहौआ वातावरणक वर्णन अछि।
२१५४. (A) गाए-महींसिक संग सुगरक हुरियाहा — कथावाचक कहैत छथि जे हुनका गाममे मनुष्यक नहि, गाए-महींसिक संग सुगरक हुरियाहा होइत अछि।
२१५५. (A) नीलकण्ठ काका — कथामे कहल अछि जे नीलकण्ठ काकाक मृत्युक बाद गामक हुरियाहा बन्द भऽ गेल।
२१५६. (A) माथपर घासक भारी बोझ लऽ कऽ — कथामे अल्लापुरवाली भौजी घासक बोझ माथपर नेने अबैत देखाइत छथि।
२१५७. (A) मेहनत, श्रम आ ओकर मान — कथावाचकक सोझाँ भौजीक देहक पसेना आ पसेनाक मोल नाचि उठैत अछि; ई श्रमक मानक संकेत अछि।
२१५८. (A) मेहनतकेँ अभ्याससँ अङ्गोजल जाइत अछि तँ जीवनक भार फुलकुमारी जकाँ उठैत अछि — कथामे श्रम-अभ्यासकेँ जीवनक भार सहज बनयबाक शक्ति रूपेँ देखाओल गेल अछि।
२१५९. (A) पावनि, पशुधन, घास-बोझ आ श्रमशील स्त्रीक संसार — कथामे गोबरधन पूजा, हुरियाहा, घासक बोझ आ भौजीक श्रमसँ ग्राम्य श्रम-संस्कृति उभरैत अछि।
२१६०. (A) लघुकथा श्रमक पसीना आ ओकर मानकेँ ग्राम्य प्रसंगमे पढ़बैत अछि — ‘पसेनाक मोल’ श्रमशील देह, पसीना आ लोकजीवनक महत्त्व पर केन्द्रित अछि।
२१६१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक ‘बजन्ता-बुझन्ता’ — सामग्री-सूचीमे उमेश मण्डल — ‘जगदीश प्रसाद मण्डलक बजन्ता-बुझन्ता’ देल अछि।
२१६२. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक — लेखमे ‘बजन्ता-बुझन्ता’केँ कथाकारक द्वितीय बीहैन कथा-संग्रह कहल गेल अछि।
२१६३. (A) श्रुति प्रकाशन, दिल्ली — लेखक लिखैत छथि जे पहिल संस्करण श्रुति प्रकाशन, दिल्लीसँ २०१३ ई. मे प्रकाशित भेल।
२१६४. (A) ८०म कथा गोष्ठी, निर्मली — लेखमे ३०.११.२०१३ क ८०म कथा गोष्ठी-निर्मलीमे लोकार्पणक उल्लेख अछि।

२१६५. (A) चारिम संस्करण उपलब्ध अछि — लेख अनुसार वर्तमानमे चारिम संस्करण उपलब्ध अछि।
२१६६. (A) ६८ गोट — लेखमे स्पष्ट अछि जे संग्रहमे ६८ गोट बीहैन कथा आएल अछि।
२१६७. (A) व्यक्तिगत आ सामाजिक उथल-पुथलक दस्तावेज — लेखमे कहल गेल अछि जे ई संग्रह व्यक्तिगत ओ सामाजिक स्तरपर भऽ रहल उथल-पुथलक दस्तावेज थिक।
२१६८. (A) मध्यम वर्गक पढ़ाक इच्छा आ जीवन-यापनक बाध्यता — ‘कचोट’मे दिनेशक माध्यमसँ मध्यम वर्गक मजबूरी आ विद्यार्थी जीवनक बाधा देखाओल गेल अछि।
२१६९. (A) सैद्धान्तिक ज्ञान आ प्रायोगिक ज्ञानक अन्तर — लेख अनुसार ‘खिलतोड़’ सैद्धान्तिक आ प्रायोगिक ज्ञानक बीचक अन्तर बुझबैत अछि।
२१७०. (A) अंक २९२ बीहैन कथा-संग्रह ‘बजन्ता-बुझन्ता’क सामाजिक उथल-पुथल आ कथा-विस्तार देखबैत अछि — एहि खण्डमे ‘बजन्ता-बुझन्ता’क प्रकाशन, कथा-संख्या आ सामाजिक विषयक विवेचन मुख्य अछि।
२१७१. (A) बुढ़ापा — अंक २९२क सामग्री-सूचीमे लघुकथा ‘बुढ़ापा’ देल अछि।
२१७२. (A) जिनगीक एक अवस्था — कथारम्भमे ‘बुढ़ापा जिनगीक एक अवस्था छी’ कहल गेल अछि।
२१७३. (A) जन्म आ मृत्यु अकाट गति-विधि अछि — कथामे जन्म आ मृत्युक अकाट क्रमक चर्चा अछि।
२१७४. (A) उचितलाल बाबा — कथामे उचितपुर गामक अस्सी बर्ष टपल उचितलाल बाबा प्रमुख वृद्ध पात्र छथि।
२१७५. (A) देह ढील भऽ गेल मुदा मनक कामना-प्रवाह अखनो सक्रिय अछि — कथामे देहक वृद्धता संग मनक कामना-प्रवाहक टिकाउपन देखाओल गेल अछि।
२१७६. (A) घरक बुढ़-पुरानकेँ दोखी बनाबय बला चालिक विषयमे — विलास बाबा कहैत छथि जे चालि लोक अपने बिगाड़ि लेलक आ दोखी घरक बुढ़-पुरानकेँ बनबैत अछि।
२१७७. (A) दुनू तीन पीढ़ीक परिवारमे रहैत छथि — कथामे दुनू वृद्धक तीन पीढ़ीक परिवारक उल्लेख अछि।
२१७८. (A) परिवारमे वृद्धक स्थान, दोषारोपण आ सम्बन्धक विचारधारा — कथामे वृद्धक प्रति परिवारक व्यवहार, दोषारोपण आ सम्बन्धक टूटन-विचार मुख्य अछि।
२१७९. (A) उचितलाल बाबा कान ठाढ़ कऽ आ हाथ लगा कऽ विलासक बात सुनय चाहैत छथि — विलास बाबाक अड़िहैट स्पष्ट करबाक लेल उचितलाल बाबा कान ठाढ़ करैत छथि।
२१८०. (A) ‘बुढ़ापा’ वृद्धावस्था, परिवार आ सामाजिक दोषारोपणक कथा बनैत अछि — एहि लघुकथामे वृद्ध जीवनक देह-मन, परिवार आ सामाजिक व्यवहार पर विचार अछि।
२१८१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक ‘अकास गंगा’ — अंक २९३मे उमेश मण्डलक लेख ‘जगदीश प्रसाद मण्डलक अकास गंगा’ पर अछि।
२१८२. (A) पद्य रचना — लेखमे ‘अकास गंगा’केँ जगदीश प्रसाद मण्डलक पद्य-रचना-संग्रहक टटका कृति कहल गेल अछि।
२१८३. (A) ३९ गोट — लेख अनुसार ‘अकास गंगा’मे कुल ३९ गोट रचना संग्रहित अछि।
२१८४. (A) नजैर-नजैरमे तफरका भैया — लेखमे कहल अछि जे संग्रहक आरम्भ ‘नजैर-नजैरमे तफरका भैया’ सँ भेल अछि।
२१८५. (A) सुफल काज — लेख अनुसार संग्रह ‘सुफल काज’ नामक रचनाक संग अन्त पबैत अछि।
२१८६. (A) मैथिली साहित्य लेल अनुपम नव दृष्टिकोण — लेखमे विद्वत्जनक विचारक आधार पर हिनक नव दृष्टिकोणकेँ मैथिली साहित्य लेल अनुपम कहल गेल अछि।
२१८७. (A) नजरि बदललाक संग अर्थ बदलैत अछि — लेखक ई रचना नजरि-नजरिक फरक आ दृष्टिकोणक परिवर्तनक रूपमे पढ़ैत छथि।
२१८८. (A) जे समाजक हितमे काज करत, ओकरहि समाज पूजा कऽ सकैत अछि — लेखमे समाजक हितमे कार्य करब आ समाजद्वारा मान पाबयबाक सूत्र उभरैत अछि।
२१८९. (A) समाजक बीच समाज आ नव बास बनबाक प्रक्रिया — लेखमे ‘नवका बास’क सन्दर्भ समाजक बीच समाज आ बास-विचारसँ जुड़ल अछि।
२१९०. (A) ‘अकास गंगा’ पद्यक माध्यमे दृष्टिकोण, समाज आ परिवर्तनक स्वर खोलैत अछि — एहि खण्डमे ‘अकास गंगा’क रचना-संख्या, आरम्भ-अन्त आ दृष्टिकोणक विवेचन मुख्य अछि।
२१९१. (A) कृषियोग — अंक २९३क सामग्री-सूचीमे लघुकथा ‘कृषियोग’ देल अछि।

२१९२. (A) खेती-बाड़ी आ कृषक जीवन — शीर्षक स्वयं खेती, कृषक जीवन आ कृषि-दृष्टिक ओर संकेत करैत अछि।
२१९३. (A) दू टा गजल — सामग्री-सूचीमे प्रदीप पुष्पकक ‘दू टा गजल’ देल अछि।
२१९४. (A) एकटा गजल — अंक २९३मे आशीष अनचिन्हारक ‘एकटा गजल’ अछि।
२१९५. (A) पद्य-दृष्टि आ कृषक-जीवनक कथा-दृष्टि — एक दिस पद्य-संग्रहक विमर्श अछि, दोसर दिस कृषि-संकेत वाली लघुकथा अछि।
२१९६. (A) गाम, खेत, श्रम आ जीवन-निर्वाह — कृषि-योगक संकेत खेत, श्रम, गाम आ जीवन-निर्वाहक संसार खोलैत अछि।
२१९७. (A) श्रम आ ग्राम्य जीवनक महत्त्व — दुनू शीर्षक श्रम, खेत-गाम आ जीवनक धरातलसँ जुड़ल अछि।
२१९८. (A) कृषि संग जीवनक साधना वा जोड़ — ‘कृषियोग’ खेतीकें जीवन-साधना आ सम्बन्धक रूपमे पढ़बाक संकेत दैत अछि।
२१९९. (A) गजल, पद्य-विमर्श आ कृषि-संवेदना — अंकमे प्रदीप पुष्पकक गजल, ‘अकास गंगा’ पद्य-विमर्श, आ ‘कृषियोग’ लघुकथा संग-संग अछि।
२२००. (A) ‘कृषियोग’ शीर्षक कृषि, श्रम आ ग्राम्य जीवनक कथा-प्रवेश बनैत अछि — एहि खण्डमे ‘कृषियोग’कें कृषि-जीवनक संवेदनात्मक लघुकथा-संकेत रूपेँ पढ़ल गेल अछि।
२२०१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलजीक ‘सुभिमानी जिनगी’ — सामग्री-सूचीमे उमेश मण्डल — ‘जगदीश प्रसाद मण्डलजीक सुभिमानी जिनगी’ देल अछि।
२२०२. (A) आठ गोठ — लेखमे स्पष्ट अछि जे एहि पोथीमे कुल आठ गोठ कथा संकलित अछि।
२२०३. (A) मनुष्यक जीवनमे होइत निरन्तर परिवर्तन आ ओकर यथार्थ — लेखमे कथा सभकें जीवनमे होइत निरन्तर परिवर्तन आ यथार्थ समेटय बला कहल गेल अछि।
२२०४. (A) केकरा-ले केलौं — लेखमे संग्रहक पहिल कथा ‘केकरा-ले केलौं’ बताओल गेल अछि।
२२०५. (A) आशापर पानि फेर गेल — लेखमे प्रथम कथा सँ अन्तिम कथा ‘आशापर पानि फेर गेल’ धरिक क्रमक उल्लेख अछि।
२२०६. (A) २३ जनवरी २०१८ सँ ९ मार्च २०१८ धरिक — लेखमे पोथीक लेखन २३ जनवरी २०१८ सँ ९ मार्च २०१८ धरि बताओल गेल अछि।
२२०७. (A) २७६७ शब्द — सूचीमे ‘स्वाभिमानी जिनगी’क शब्दसंख्या २७६७ देल अछि।
२२०८. (A) ३०८९ शब्द — लेखकक सूचीमे ‘बाबाक बाग-बगिया’क शब्दसंख्या ३०८९ अछि।
२२०९. (A) ३१०७ शब्द — ‘हेराएल जिनगी’क शब्दसंख्या सूचीमे ३१०७ अछि।
२२१०. (A) ‘सुभिमानी जिनगी’ जीवन-परिवर्तन, यथार्थ आ स्वाभिमानक आठ कथाक संग्रह अछि — एहि खण्डमे ‘सुभिमानी जिनगी’क आठ कथाक क्रम, लेखन-अवधि आ स्वाभिमानी जीवनक भाव मुख्य अछि।
२२११. (A) काजकरोप — अंक २९४क सामग्री-सूचीमे लघुकथा ‘काजकरोप’ देल अछि।
२२१२. (A) तीन हिस्सामे दू हिस्सा बीत गेल — कथारम्भमे कहल अछि जे जिनगीक तीनहीस उमेरमे दूहीस बीत चुकल तखन होश आएल।
२२१३. (A) बस पुलपर चढ़ल आ पुल टूटि गेल — कथामे बाबाक मृत्यु बस-यात्रा, धारक पुल टूटल आ बस धारमे खसबाक दुर्घटनासँ जोड़ल अछि।
२२१४. (A) स्कूली शिक्षा कम रहितो व्यवहारिक जिनगीमे सम्पन्न छलाह — कथामे बाबाकें कम स्कूली शिक्षा मुदा सम्पन्न व्यवहारिक जिनगीक रूपमे मोन कएल गेल अछि।
२२१५. (A) चारिम — कथामे कहल अछि जे बी.ए. पास करनिहार गाममे पहिल तीन गोठ छलाह, चारिम कथावाचक भेल।
२२१६. (A) शहर-बजार दिस — कथामे शिक्षक नहिं बनि पाबयबाक निराशाक बाद शहर-बजार दिस भागबाक विचार उठैत अछि।
२२१७. (A) खेती बिनु पढ़ल-लिखल लोकक काज बुझल जाइत अछि — कथामे समाजक ओहन धारणा पर चोट अछि जे खेती बिनु पढ़ल-लिखल लोकक काज छी।
२२१८. (A) संयुक्त, स्नेहपूर्ण आ क्रियाशील पारिवारिक जीवन — कथामे ज्ञानचन काकाक परिवार संयुक्त, स्नेहपूर्ण आ क्रियाशील जीवनक नमूना रूपमे देखल गेल अछि।
२२१९. (A) परिवार, उपार्जन आ सदुपयोग पर पुनर्विचार — बेटाक फीस-प्रसंग कथावाचककें अपन जीवन, परिवार आ जिम्मेदारी पर गम्भीर सोच दिस धकेलैत अछि।
२२२०. (A) ‘काजकरोप’ शिक्षा, बेरोजगारी, किसान, परिवार आ आत्मबोधक कथा अछि — लघुकथा व्यक्तिगत आत्मालोचनासँ परिवार, श्रम आ समाजक प्रश्न उठबैत अछि।
२२२१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक ‘अर्द्धांगिनी’ कथा-संग्रह — अंक २९५मे उमेश मण्डलक लेख ‘जगदीश प्रसाद मण्डलक अर्द्धांगिनी कथा संग्रह’ पर अछि।

२२२२. (A) बीस गोट — लेखमे 'अर्द्धांगिनी'केँ बीस गोट कथाक संकलन कहल गेल अछि।
२२२३. (A) श्रुति प्रकाशन, नई दिल्ली — लेख अनुसार पहिल संस्करण २०१३ ई. मे श्रुति प्रकाशन, नई दिल्लीसँ प्रकाशित भेल।
२२२४. (A) प्रसिद्ध कथाकार दुर्गानन्द मण्डलजी — लेखमे दुर्गानन्द मण्डलजी द्वारा लोकार्पणक उल्लेख अछि।
२२२५. (A) डॉ. योगानन्द झा — लेखमे 'अर्द्धांगिनी'क आमुखकार डॉ. योगानन्द झा कहल गेल छथि।
२२२६. (A) आधुनिक कथाकार लोकनिक अग्रिम पंक्तिमे — आमुखकारक विचारमे लोकजीवनक संवेदनात्मक अभिव्यक्ति मण्डलजीकेँ आधुनिक कथाकारक अग्रिम पंक्तिमे ठाढ़ करैत अछि।
२२२७. (A) पल्लवी प्रकाशन, निर्मली — लेखमे वर्तमानमे चारिम संस्करण पल्लवी प्रकाशन, निर्मलीसँ उपलब्ध कहल गेल अछि।
२२२८. (A) तेसर पोथी — लेखमे कहल अछि जे 'गामक जिनगी'क बाद कथाविधामे ई तेसर पोथी छियनि।
२२२९. (A) अवकाश प्राप्त प्रोफेसर गुलाब — लेखमे 'दोहरी मारि'मे अवकाश प्राप्त प्रोफेसर गुलाबक मनोविश्लेषण कहल गेल अछि।
२२३०. (A) 'अर्द्धांगिनी' लोकजीवन, परिवार, कृषि, पावनि आ सामाजिक समस्याक कथा-संग्रह अछि — लेख संग्रहमे नोकरीहारा जीवन, कृषक उल्लास, पावनि-अन्धविश्वास, जातीय व्यवसाय, सम्बन्ध आ सामाजिक समस्याक विश्लेषण देखैत अछि।
२२३१. (A) हारल चेहरा जीतल रूप — अंक २९५क सामग्री-सूचीमे लघुकथा 'हारल चेहरा जीतल रूप' देल अछि।
२२३२. (A) छलानन्द सँ — कथारम्भमे विचारदेवकेँ तीस सालक बाद छलानन्दसँ भेंट होइत अछि।
२२३३. (A) झंझारपुर कोर्ट परिसरमे — कथामे विचारदेव झंझारपुर कोर्टमे रजिष्ट्री ऑफिसक काजसँ आएल छथि, ओतहि भेंट होइत अछि।
२२३४. (A) जमीनक सनाक बनबैबाक/रजिष्ट्री ऑफिसक काजसँ — कथामे विचारदेव एक गोरेक जमीनक सनाक बनैक खियालसँ रजिष्ट्री ऑफिस आएल छलाह।
२२३५. (A) तीस बर्ख बाद चेहरा बदलि गेल छल — तीस बर्खक अन्तरमे चेहराक रंग-रूप बदलल रहै, तँ विचारदेव तुरन्त ठामसँ नहि चीन्हि पबैत छथि।
२२३६. (A) कारी केस उज्जर भऽ गेल आ आगाँक दाँत टूटल — कथामे केस उज्जर होएब आ आगाँक दाँत टूटलासँ मुँहक रूप बदलबाक उल्लेख अछि।
२२३७. (A) शब्द-शैलीसँ — चेहरा सँ शंका रहितो छलानन्दक वएह शब्द आ शैली सुनि विचारदेवक मन निश्चित होइत अछि।
२२३८. (A) दस्तावेज, नक्सा, रजिष्ट्री ऑफिस आ पान-दोकानक व्यवहार — देवन मुंशी, दस्तावेजमे नक्सा छुटनाइ आ रजिष्ट्री ऑफिसक प्रसंग कथाकेँ कोर्ट-कचहरीक वातावरण दैत अछि।
२२३९. (A) चेहराक हारल चिन्ह आ सम्बन्ध/शैलीक जीतल पहचान — चेहरा बदलि गेल, मुदा आवाज-शैली आ पुरान सम्बन्धक पहचान जीवित रहल — ई शीर्षकक मूल द्वन्द्व अछि।
२२४०. (A) लघुकथा तीस वर्षक दूरी, बदलल चेहरा आ जीवित पहचानक कथा अछि — 'हारल चेहरा जीतल रूप' बदलल रूप, पुरान सम्बन्ध, शब्द-शैली आ पहचानक पुनर्भेट पर केन्द्रित अछि।
२२४१. (A) १५ अप्रैल २०२० — अंक २९६क शीर्षकमे १५ अप्रैल २०२० लिखल अछि।
२२४२. (A) दू टा गजल — सामग्री-सूचीमे प्रदीप पुष्पकक 'दू टा गजल' देल अछि।
२२४३. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'मुड़ियायल घर' — सूचीमे उमेश मण्डल — जगदीश प्रसाद मण्डलक 'मुड़ियायल घर' देल अछि।
२२४४. (A) एकटा गजल — सामग्री-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक 'एकटा गजल'क उल्लेख अछि।
२२४५. (A) अग्नि-परिछा, रहोनिन परिवार, परिवार बनिरलज आदि — सामग्री-सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डलक अनेक लघुकथा-शीर्षक एकसंग देल अछि।
२२४६. (A) आँख, चान, इज्जति, कानसँ जुड़ल व्यंग्यात्मक अनुभव — गजलमे आँख, चान, इज्जति, कान आ समाजक व्यवहारिक छविसँ व्यंग्य-वेदना बनैत अछि।
२२४७. (A) समय, उजास आ सामाजिक चेतनाक रूपक — दोसर गजलमे साँझ, सुरुज, समाज आ नव बनबाक आकांक्षा मिलि चेतनाक रूपक बनैत अछि।
२२४८. (A) गजल, आलोचना आ लघुकथा सभक मिश्रण — एहि अंकमे गजल, उमेश मण्डलक आलोचनात्मक लेख आ लघुकथा-समूह एकसंग अछि।
२२४९. (A) उमेश मण्डल — अंक २९६मे 'मुड़ियायल घर' सम्बन्धी लेख उमेश मण्डलक नामसँ अछि।
२२५०. (A) अंक २९६ गजल, कथा-विमर्श आ लघुकथा-सूत्रसँ रचनात्मक-आलोचनात्मक संसार खोलैत अछि — एहि खण्डमे अंक २९६क मुख्य साहित्यिक घटक — गजल, 'मुड़ियायल घर' पर लेख, आ लघुकथा — समेटल अछि।
२२५१. (A) कथासंग्रह — लेखमे 'मुड़ियायल घर'केँ जगदीश प्रसाद मण्डलक कथासंग्रह रूपमे परिचित कराओल गेल अछि।

२२५२. (A) २०१६ — लेखमे 'मुड़ियायल घर'क पहिल संस्करण २०१६ ई.मे प्रकाशित भेल कहल गेल अछि।
२२५३. (A) बागदल गाम — लेखमे संकलित कथासूची आरम्भ 'बागदल गाम'सँ होइत अछि।
२२५४. (A) एगारह — सूचीमे एगारह कथाक शीर्षक, शब्द-संख्या आ तिथि देल अछि।
२२५५. (A) रुढ़िवादी सोच आ अन्धविश्वाससँ जकड़ल ग्रामीण समाज — लेखक 'बागदल गाम'केँ रुढ़िवादी सोच आ अन्धविश्वासक जकड़बन्दीमे रहल समाजक चित्र कहैत छथि।
२२५६. (A) घुरनक देह-चेहरा आदि अकनल जा सकैत अछि — लेखमे कहल अछि जे कथाक पात्र घुरनकेँ देखि ओकर स्वभाव आ स्थिति अकनल जा सकैत अछि।
२२५७. (A) खेती-किसानीक विरुद्ध सामाजिक वातावरण आ गाम छोड़ि देबाक प्रवृत्ति — लेख खेती-किसानीक सामाजिक वातावरण, किसानक जिनगी आ गाम-घरक सम्बन्ध पर चिन्ता करैत अछि।
२२५८. (A) गाम, खेती, परम्परा, मान्यता आ सामाजिक बदलावक विश्लेषण — लेखमे ग्राम्य समाज, खेती-बाड़ी, रुढ़ि, बदलाव आ मानवीय व्यवहार पर बल अछि।
२२५९. (A) कथा-लेखनक क्रम आ संरचनाकेँ व्यवस्थित देखेनाइ — कथासूचीमे शीर्षक, शब्द-संख्या आ तिथि दऽ कऽ रचना-क्रमक व्यवस्थित परिचय देल गेल अछि।
२२६०. (A) 'मुड़ियायल घर' ग्राम्य जीवन, रुढ़ि, खेती-किसानी आ परिवर्तनक कथा-संग्रह रूपमे उभरैत अछि — एहि खण्डमे 'मुड़ियायल घर'क प्रकाशन, कथासूची आ ग्राम्य-सामाजिक विषयक परिचय देल अछि।
२२६१. (A) अज्ञान, अधूरा ज्ञान आ ओकरा सँ उपजल भटकाव — लेखमे 'बतोसोझना'केँ अज्ञान-अनर्थ आ अधूरा ज्ञानसँ जुड़ल मानसिक अवस्था रूपमे पढ़ल गेल अछि।
२२६२. (A) ज्ञान-अज्ञानक अनुपात पर व्यंग्यात्मक बहस — यात्री आ खेबैया बीचक संवाद ज्ञान, अज्ञान आ व्यवहारिक समझ पर व्यंग्य रचैत अछि।
२२६३. (A) तीन गोटा पात्रक चर्चा — लेखमे 'कचहरिया रोग'क चर्चा आरम्भमे तीन गोटा पात्रक उल्लेखसँ होइत अछि।
२२६४. (A) जमीन, कागज, मुकदमा आ कचहरीक चक्कर — गौरी, जमीनक कागज, मुकदमा आ कचहरीक प्रसंग सामाजिक-आर्थिक फँसाव देखबैत अछि।
२२६५. (A) कचहरी-मुकदमा मे फँसि जीवन बिगड़बाक सामाजिक बीमारी — लेख कचहरीक दौड़-भागकेँ समाजक रोग जकाँ देखैत अछि।
२२६६. (A) जागेश्वर काका आ रमणी काकी — शीर्षक-कथाक विवेचनमे उदयपुर गामक जागेश्वर काका आ रमणी काकीक प्रसंग अछि।
२२६७. (A) भक्ति, देखाइ-पूजा आ भीतरक दर्शनक भेद — कथा भक्ति, दर्शन, बाहरी रूप आ भीतरक भावक अन्तरकेँ सामने आनैत अछि।
२२६८. (A) सामान्य पाठ योग्य कथा — लेखक शीर्षक-कथाकेँ व्यापक, सामान्य पाठ योग्य कहैत छथि।
२२६९. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक — सामग्री-सूचीमे 'अग्नि-परिष्ठा' आदि जगदीश प्रसाद मण्डलक लघुकथा रूपमे देल अछि।
२२७०. (A) अंक २९६मे कथा-विवेचन अज्ञान, कचहरी, जमीन, भक्ति आ ग्रामीण जीवनक अनेक गाँठ खोलैत अछि — 'बतोसोझना', 'कचहरिया रोग' आ शीर्षक-कथा समाजक व्यवहारिक-बौद्धिक समस्या सभकेँ कथा-विषय बनबैत अछि।
२२७१. (A) ०१ मई २०२० — अंक २९७क शीर्षकमे ०१ मई २०२० देल अछि।
२२७२. (A) दू टा गजल — सामग्री-सूचीमे प्रदीप पुष्पकक 'दू टा गजल' देल अछि।
२२७३. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'रहै जोकर परिवार'मे परिवर्तनक स्वर — सूची आ लेख-शीर्षकमे 'रहै जोकर परिवार'मे परिवर्तनक स्वर देल अछि।
२२७४. (A) एकटा गजल — सामग्री-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक 'एकटा गजल' देल अछि।
२२७५. (A) २०२० — लेखमे 'रहै जोकर परिवार'क प्रकाशन २०२० ई.मे बताओल गेल अछि।
२२७६. (A) आठ — लेखमे आठ कथाक शीर्षक, शब्द-संख्या आ तिथि सहित सूची अछि।
२२७७. (A) दाहिबरी — कथासूचीमे पहिल शीर्षक 'दाहिबरी' अछि।
२२७८. (A) अन्तिम/आठम शीर्षक रूपमे — सूचीमे 'परिश्रम निरलज' आठम शीर्षक रूपमे देल गेल अछि।
२२७९. (A) टूटल प्रेम, मनक नोरे-नोर आ ऋतु-रूपक — गजलमे टूटल प्रेम, नोर, रितुराज आ मनोदशाक बिम्ब मिलैत अछि।
२२८०. (A) अंक २९७ गजल आ कथा-संग्रह 'रहै जोकर परिवार'क परिवर्तन-विमर्शकेँ जोड़ैत अछि — एहि खण्डमे गजल-सामग्री आ 'रहै जोकर परिवार'मे परिवर्तनक स्वर दुनू मुख्य अछि।

२२८१. (A) परम्परा, रूढ़ि आ वैज्ञानिक दृष्टि-विहीन सोच — लेख 'दाहिबरी'मे पुरान अविकसित सोच आ वैज्ञानिक दृष्टिक कमी पर प्रश्न उठबैत अछि।
२२८२. (A) वैज्ञानिक दृष्टि आ बैस-नेबास भोजनतक परिवर्तन — विवेचनमे आधुनिक समयमे विज्ञान-सापेक्ष दृष्टि अपनएबाक बात अछि।
२२८३. (A) साधारण अवस्थासँ विशिष्ट अवस्थादिस बढ़बाक प्रक्रिया — लेख 'सयन बन'मे मनुष्यक विकासक सम्भावना आ साधारणसँ विशिष्ट बनबाक प्रक्रिया देखैत अछि।
२२८४. (A) वैज्ञानिक दृष्टिकोणसँ लिखल — लेखमे 'हँसैत लोक'केँ वैज्ञानिक दृष्टिकोणसँ लिखल कथा कहल गेल अछि।
२२८५. (A) रूढ़िवादी विचार परिवारक संग समाजकेँ हानि पहुँचा सकैत अछि — विवेचन अनुसार रूढ़िवादी विचार परिवार आ समाज दुनूकेँ नुकसान पहुँचा सकैत अछि।
२२८६. (A) आर्थिक-सामाजिक-बैचारिक अभाव आ गरीबीक असर — 'हुरि गेलो'मे जीवनक अभाव, गरीबी आ समय-परिस्थितिक दबाबक चर्चा अछि।
२२८७. (A) दिल्ली — लेखमे गरीबीक कारण जागेश्वर दिल्ली गेलाह, मुदा पछाति गाम लौटबाक सोच करैत छथि।
२२८८. (A) सत्य आ झूठक सामाजिक टकराव — 'झूठक झारी'मे नारद, कालिदास, मण्डन मिश्र आ तुलसीदासक आधार पर सत्य-झूठक विचार उपस्थित अछि।
२२८९. (A) परिवार, समाज आ बदलैत मूल्यक व्यंग्यात्मक विवेचना — शीर्षक आ लेख दुनू परिवारक बदलबैत स्वर, सामाजिक मूल्य आ व्यंग्यात्मक दृष्टि पर केन्द्रित अछि।
२२९०. (A) 'परिवर्तनक स्वर' कथासभकेँ रूढ़ि, विज्ञान, गरीबी, सत्य-झूठ आ सामाजिक बदलावक दृष्टिसँ पढ़ैत अछि — एहि खण्डमे उमेश मण्डलक विवेचनक आधार पर कथासभमे परिवर्तनक बहुस्तरीय स्वर देखाओल गेल अछि।
२२९१. (A) १५ मई २०२० — अंक २९८क शीर्षकमे १५ मई २०२० देल अछि।
२२९२. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा लेखन-क्रम — सामग्री-सूचीमे उमेश मण्डल — जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा लेखन-क्रम देल अछि।
२२९३. (A) दू टा गजल — सामग्रीमे प्रदीप पुष्पकक 'दू टा गजल' अछि।
२२९४. (A) प्रेम, दाग, स्मृति आ मनक चोट — गजलमे तोहर देल दाग, प्रेम-दाग, आँखिमे झाँपि जे — सन बिम्ब भावनात्मक स्मृति बनबैत अछि।
२२९५. (A) घाट, भूख, भटकाव आ संग-साथक बिम्ब — गजलमे घाट, बाट, भूख, भोजन आ संग-साथक बिम्ब जीवनक यात्रा-भाव बनबैत अछि।
२२९६. (A) कथासभक शीर्षक, शब्द-संख्या आ उपलब्ध लेखन-तिथि — लेखमे उपलब्ध कथासभक शीर्षक, शब्द-संख्या आ लेखन-तिथि क्रमसँ देल अछि।
२२९७. (A) उपलब्ध कराओल लेखन-तिथि आ शब्द-संख्या — 'कथा लेखन-क्रम' शीर्षक स्वयं रचनाक क्रम, तिथि आ आकार-सूचनाकेँ केन्द्र बनबैत अछि।
२२९८. (A) हैटकालावा, पिसांठ, पीयरकफड़, अनेरेआँबाट आदि — सूची आरम्भमे हैटकालावा, पिसांठ, पीयरकफड़, अनेरेआँबाट, हटाएपाई आदि शीर्षक देल अछि।
२२९९. (A) कथाकारक सृजन-यात्रा, विषय-विस्तार आ रचनात्मक अनुशासन बुझब — एहि क्रमसँ कथाकारक लेखन-यात्रा आ कथा-विस्तारक विकास देखल जा सकैत अछि।
२३००. (A) अंक २९८ गजल आ कथा-लेखनक व्यवस्थित क्रम दुनूकेँ सामने आनैत अछि — एहि खण्डमे प्रदीप पुष्पकक गजल आ उमेश मण्डलक कथा-लेखन-क्रम मुख्य आधार अछि।
२३०१. (A) कथाक आकार आ लेखकीय परिश्रमक तुलनात्मक संकेत भेटैत अछि — शब्द-संख्या कथाक आकार, विस्तार आ लेखकीय श्रमक संकेत दैत अछि।
२३०२. (A) विषयक बहुत भिन्नता आ कथा-संसारक फैलाव — विविध शीर्षक कथाकारक विषय-विस्तार आ सामाजिक-मानवीय सरोकारक फैलाव देखबैत अछि।
२३०३. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा-लेखन क्रम — 'बहीन' कथा-लेखन-क्रममे संकलित शीर्षकसभमे सँ एक अछि।
२३०४. (A) घरेलू, नैतिक, सामाजिक आ पेशागत प्रसंगक विविधता — एहन शीर्षक समाज, घर, नैतिकता, पेशा आ व्यक्ति-संबंधक अनेक प्रसंग दिस इशारा करैत अछि।
२३०५. (A) छोट कथा/बीहैन कथा जकाँ सघन कथात्मक प्रयोग — कम शब्द-संख्या बला शीर्षक कथात्मक सघनता आ बीहैन/लघु रूपक संभावना देखबैत अछि।
२३०६. (A) कथाकारक लम्बा सामाजिक-कथात्मक विस्तार — बड़ी शब्द-संख्या कथाविस्तार, प्रसंग-समृद्धि आ सामाजिक विश्लेषणक गुंजाइश देखबैत अछि।

- २३०७. (A) कथाकारक विचारक विकास आ विषय-परिवर्तन देखबाक लेल** — तिथि-क्रमसँ कुन समयमे कोन कथा-विषय आयल, से देखल जा सकैत अछि।
- २३०८. (A) लेखक-सूची, पाठ-संरचना आ शोधयोग्य क्रमबद्धता** — एहि तरहक सूची साहित्य-अध्ययनकें क्रमबद्ध आ शोधयोग्य बनबैत अछि।
- २३०९. (A) एकहि अंकमे पद्य-भावना आ कथात्मक अनुशासन दुनू अछि** — अंक २९८मे गजल आ कथा-लेखन-क्रम संग-संग देल अछि, तँ विधागत विविधता स्पष्ट अछि।
- २३१०. (A) कथा-क्रम शीर्षक, तिथि आ शब्द-संख्या द्वारा जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा-संसारकें अध्ययनयोग्य बनबैत अछि** — एहि खण्डक बल कथा-सूचीकें शोध, पाठक्रम आ साहित्यिक विकास बुझबाक साधन रूपमे देखब पर अछि।
- २३११. (A) ०१ जून २०२०** — अंक २९९क शीर्षकमे ०१ जून २०२० देल अछि।
- २३१२. (A) दू टा गजल** — सूचीमे प्रदीप पुष्पकक ‘दू टा गजल’ देल अछि।
- २३१३. (A) किछु निबन्ध** — अंक २९९क सामग्री-सूचीमे रवीन्द्र नारायण मिश्र — ‘किछु निबन्ध’ अछि।
- २३१४. (A) नकारात्मक-अनुभव, सवाल आ स्मृति-लयक पुनरावृत्ति** — गजलमे ‘ई’क पुनरावृत्ति अनुभूतिक दबाव, सवाल आ लयात्मक तीव्रता बनबैत अछि।
- २३१५. (A) समाज-व्यवस्था, नैतिकता आ जन-अधिकारक चेतना** — गजलमे व्यवस्था, नीति, अधिकार आ जनताक संघर्षक संकेत सामाजिक-राजनीतिक चेतना बनबैत अछि।
- २३१६. (A) निबन्ध-साहित्य** — रवीन्द्र नारायण मिश्रक सामग्री ‘किछु निबन्ध’ शीर्षकसँ निबन्ध-विधाकें संकेत करैत अछि।
- २३१७. (A) भावात्मक पद्य आ विचारात्मक गद्यक संतुलन** — गजल भाव-लय दैत अछि, निबन्ध विचार-विस्तार; दुनू मिलि अंकमे विधागत संतुलन बनबैत अछि।
- २३१८. (A) निबन्धकारक साहित्यिक पृष्ठभूमि बतबेनाइ** — निबन्धांशमे लेखक-परिचय आ प्रकाशित कृतिसूत्र साहित्यिक परिप्रेक्ष्य बनबैत अछि।
- २३१९. (A) कम सामग्री, मुदा गजल आ निबन्धक स्पष्ट दोहर विधा-संयोजन** — अंक २९९क सूचीमे मुख्यतः प्रदीप पुष्पकक गजल आ रवीन्द्र नारायण मिश्रक निबन्ध देखाइत अछि।
- २३२०. (A) अंक २९९ गजल-संवेदना आ निबन्ध-विचारक संयुक्त मंच अछि** — एहि खण्डमे गजल आ ‘किछु निबन्ध’क माध्यमसँ पद्य-गद्यक संयुक्त रूप रेखांकित अछि।
- २३२१. (A) १५ जून २०२०** — अंक ३००क शीर्षकमे १५ जून २०२० देल अछि।
- २३२२. (A) गद्य आ पद्य** — सामग्री-सूचीमे ‘२. गद्य’ आ ‘३. पद्य’ शीर्षक स्पष्ट देखाइत अछि।
- २३२३. (A) लाल लंगोटी केर पहचान करैत कविता (आलोचना)** — अंक ३००मे आशीष अनचिन्हार — ‘लाल लंगोटी केर पहचान करैत कविता (आलोचना)’ देल अछि।
- २३२४. (A) ‘हिन्द’ (मैथिली लघुकथा)** — सूचीमे जगदीश प्रसाद मण्डल आ प्रणव कुमार झा — ‘हिन्द’ (मैथिली लघुकथा) देल अछि।
- २३२५. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलजीक व्यक्तित्व ओ कृतित्वक अनुशीलन** — सूचीमे उमेश मण्डल — जगदीश प्रसाद मण्डलजीक व्यक्तित्व ओ कृतित्वक अनुशीलन देल अछि।
- २३२६. (A) बीहन कथा पर मानवीकरण ओ तुलनात्मक पक्ष तथा किछु बीहन कथा** — सूचीमे मुन्ना जीक बीहन कथा-संबंधी आलोचनात्मक शीर्षक आ ‘किछु बीहन कथा’ अछि।
- २३२७. (A) गजल** — पद्य सूचीमे आशीष अनचिन्हार — गजल देल अछि।
- २३२८. (A) ६ टा कविता** — सूचीमे सन्तोष राय ‘बटोही’क ‘६ टा कविता’ देल अछि।
- २३२९. (A) दूटा गजल** — पद्य-सूचीमे प्रदीप पुष्प — दूटा गजल देल अछि।
- २३३०. (A) अंक ३०० गद्य-आलोचना, लघुकथा, व्यक्तित्व-अध्ययन, बीहन कथा आ पद्यक बहुविध संयोजन अछि** — अंक ३००मे गद्य आ पद्यक कई विधा एकसंग सूचीबद्ध अछि, जे विशेष संयोजन बनबैत अछि।
- २३३१. (A) आलोचनात्मक दृष्टि** — शीर्षकक अन्तमे ‘आलोचना’ लिखल अछि, तँ ई कविता पर आलोचनात्मक पाठ अछि।
- २३३२. (A) मैथिली लघुकथा** — सूचीमे ‘हिन्द’क बाद ‘मैथिली लघुकथा’ स्पष्ट लिखल अछि।
- २३३३. (A) लेखक-केंद्रित अनुशीलन** — व्यक्तित्व ओ कृतित्वक अनुशीलन लेखकक जीवन, रचना आ साहित्यिक योगदान बुझबाक लेख अछि।

- २३३४. (A) चरित्र, रूपक आ तुलना द्वारा सूक्ष्म कथा-पाठ** — मानवीकरण आ तुलनात्मक पक्ष बीहन कथाक अर्थ-निर्माण आ तुलना-आधारित विश्लेषणक संकेत दैत अछि।
- २३३५. (A) अत्यल्प आकारक सघन कथात्मक अभिव्यक्ति** — बीहन कथा छोट आकारक सघन कथा होइत अछि; सूचीमे ओकर स्वतंत्र उपस्थिति अछि।
- २३३६. (A) विचारात्मक पाठक बाद भावात्मक-पद्यात्मक पाठक संतुलन** — गद्य-खंड आलोचना/लघुकथा दैत अछि, पद्य-खंड गजल-कविता दैत अछि; एहि सँ संतुलन बनैत अछि।
- २३३७. (A) ६ टा कविता** — सूचीमे सन्तोष राय 'बटोही' — '६ टा कविता' देल अछि।
- २३३८. (A) बीहन कथा आ गजल** — गद्य-सूचीमे मुन्ना जीक बीहन कथा-संबंधी सामग्री अछि आ पद्य-सूचीमे मुन्ना जी — गजल देल अछि।
- २३३९. (A) एहि अंकमे आलोचना, लघुकथा, लेखक-अध्ययन, बीहन कथा, गजल आ कविता सभ एकत्र अछि** — विभिन्न विधाक संग-साथ उपस्थिति अंक ३००कें बहुविध साहित्यिक अंक बनबैत अछि।
- २३४०. (A) अंक ३०० आलोचनात्मक गद्य आ संवेदनात्मक पद्यक बीच मैथिली साहित्यक बहुस्तरीय रूप सामने आनैत अछि** — एहि खण्डमे अंक ३००क आलोचना, लघुकथा, बीहन कथा, गजल आ कविता सभक साहित्यिक संयोजन पर बल अछि।
- २३४१. (A) संघ लोक सेवा आयोग/बिहार लोक सेवा आयोगक परीक्षा लेल मैथिली ऐच्छिक विषय सामग्री** — अंकक आरम्भमे मैथिली ऐच्छिक विषय हेतु परीक्षा-सामग्रीक उल्लेख अछि, जे विद्यार्थी-केंद्रित उपयोगी सामग्री बनैत अछि।
- २३४२. (A) लजकोटर** — गद्य-सूचीमे रबीन्द्र नारायण मिश्रक धारावाहिक उपन्यास 'लजकोटर' देल अछि।
- २३४३. (A) प्रवासीक जीवन** — शीर्षकक संग 'प्रवासीक जीवनपर आधारित' संकेत भेटैत अछि, तँ उपन्यासक मूल धरातल प्रवास आ विस्थापन अछि।
- २३४४. (A) श्रीपुर** — आरम्भिक अंशमे 'हमर गाम अछि श्रीपुर' कहि कथाभूमि स्थापित कएल गेल अछि।
- २३४५. (A) खेतीबारी आ माल-जालक पैकारी** — उपन्यासक प्रारम्भमे खेतीबारीसँ माल-जालक पैकारी धरि श्रीपुरक सम्पन्नता रेखांकित अछि।
- २३४६. (A) रौदी, रोजगार-संकट आ गामसँ लोकक पलायन** — रौदी, साधन लुप्त हेबाक स्थिति आ दिल्ली-पंजाब-गुजरात-मुम्बई दिस पलायन उपन्यासक संकट-भूमि बनबैत अछि।
- २३४७. (A) बूढ़ आ बच्चा** — आरम्भिक अंशमे कहल अछि जे बूढ़ आ बच्चा छोड़ि कियो कतहु नहि देखाइत, जे विस्थापनक तीव्र चित्र अछि।
- २३४८. (A) विदेहमे अध्ययन-सहायता आ रचनात्मक साहित्य दुनू एकत्र अछि** — एहि अंकमे प्रतियोगी परीक्षा-सामग्री आ उपन्यास-दुनू उपस्थित रहि ज्ञान आ साहित्यक संयोजन करैत अछि।
- २३४९. (A) ग्राम्य समृद्धिसँ विघटन आ प्रवास धरि पहुँचबाक वेदना** — श्रीपुरक पुरान स्थिति, रौदी, बंद दुकान, पलायन आ घरक हालत मिलि ग्राम्य-वेदना बनबैत अछि।
- २३५०. (A) अंक ३०१ परीक्षा-सामग्री आ प्रवासी जीवनपर आधारित 'लजकोटर'क आरम्भसँ अध्ययन आ कथा-दुनू खोलैत अछि** — खण्ड ७६१ अंक ३०१क विद्यार्थी-केंद्रित सामग्री आ प्रवास-विस्थापन-केन्द्रित उपन्यासक आरम्भक संयुक्त रूप पकड़ैत अछि।
- २३५१. (A) बीहनि कथा/लघुकथा** — गद्य-सूचीमे अरुण लाल दासक नामक संग बीहनि कथा/लघुकथा देल गेल अछि।
- २३५२. (A) लघु आकारक तीक्ष्ण कथा-स्थिति** — 'लहास' बीहनि कथा शीर्षकक रूपमे आयल अछि, जे संक्षिप्त कथा-दशक विधा दिस संकेत करैत अछि।
- २३५३. (A) ५ टा बीहनि कथा** — सामग्री-सूचीमे आभा झा — '५ टा बीहनि कथा' स्पष्ट अछि।
- २३५४. (A) बीहनि कथा** — 'साम्राज्य' आभा झाक पाँच बीहनि कथा-अंशक आरम्भिक शीर्षक रूपमे भेटैत अछि।
- २३५५. (A) मिथिला-मैथिलीक प्रारंभिक ऐप्स** — गद्य-सूचीमे 'मिथिला-मैथिलीक प्रारंभिक ऐप्स' शीर्षक डिजिटल मैथिली पर केन्द्रित अछि।
- २३५६. (A) एप्लिकेशनक छोट रूप** — लेखमे ऐप शब्द एप्लिकेशनक छोट रूप कहल गेल अछि, जे सॉफ्टवेयर/डिजिटल उपयोगिता दिस लै जाइत अछि।
- २३५७. (A) गजल** — पद्य-सूचीमे जयंती कुमारी — गजल देल अछि।
- २३५८. (A) मातृत्व, प्रतीक्षा आ मनक व्यथा** — 'अम्मा' शीर्षक आ आरम्भिक बिम्ब मातृ-संवेदना, प्रतीक्षा आ भीतरक वेदना सँ जुड़ैत अछि।
- २३५९. (A) सामाजिक दूरी आ संक्रमण-सावधानी** — 'कोरोना'मे सामाजिक दूरी बनाउ आ संक्रमणसँ बचावक स्वर प्रमुख अछि।
- २३६०. (A) अंक ३०१ बीहनि कथा, डिजिटल ऐप्स चर्चा आ मातृत्व-कोरोना-श्रमक पद्य-संवेदनकेँ जोड़ैत अछि** — एहि खण्डमे अरुण लाल दास, आभा झा, आशीष अनचिन्हार आ पद्य-रचनाकार सभक माध्यमे कथा, तकनीक आ सामाजिक भावना एकत्र अछि।
- २३६१. (A) दोसर खेप** — गद्य-सूचीमे 'लजकोटर (दोसर खेप)' स्पष्ट रूपेँ देल अछि।

२३६२. (A) पुलिसिया चक्रव्यूह आ चिन्ता — अंशमे किशुनक चिन्ता आ पुलिसिया चक्रव्यूहसँ बचबाक प्रश्न कथा-संघर्ष बनबैत अछि।
२३६३. (A) स्वार्थक रंग — गद्य-सूचीमे आभा झा — ‘स्वार्थक रंग’ देल अछि।
२३६४. (A) सफल जीवनक बाद वृद्धावस्थामे एकाकीपन — कथांशमे आनंद बाबू उच्च शिक्षा-नौकरी आ प्रतिष्ठा पाछाँ वृद्धावस्थाक अकेलापन भोगैत छथि।
२३६५. (A) परिवारिक दूरी आ वृद्धाश्रमक विवशता — पत्नी बीचमे छोड़ि देलनि आ पुत्र विदेशमे रहबाक कारण आनंद बाबू वृद्धाश्रममे जीवन काटैत छथि।
२३६६. (A) सोशल मीडिया आ मैथिली — गद्य-सूचीमे ‘सोशल मीडिया आ मैथिली’ शीर्षक अछि।
२३६७. (A) गामक चंडालचौकड़ी — लेखक सोशल मीडियाकेँ गामक चंडालचौकड़ीक रूपक द्वारा सरल करैत छथि।
२३६८. (A) लोक, निश्चित जगह आ अपबाक प्रेरक — चंडालचौकड़ीक रूपकमे लोक, जगह आ अपबाक प्रेरक तत्त्व आधुनिक इंटरनेट-जगहमे बदलैत अछि।
२३६९. (A) फेसबुक, ट्विटर, लिंकडइन — लेख सोशल नेटवर्क श्रेणीमे फेसबुक, ट्विटर, लिंकडइन आदि उदाहरण दैत अछि।
२३७०. (A) अंक ३०२ प्रवासी कथा, वृद्धावस्था-कथा आ सोशल मीडिया द्वारा मैथिलीक आधुनिक सार्वजनिकता देखबैत अछि — ‘लजकोटर’, ‘स्वार्थक रंग’ आ सोशल मीडिया लेख समाज, परिवार आ डिजिटल युगक अलग-अलग पक्ष सामने आनैत अछि।
२३७१. (A) २ टा गजल — पद्य-सूचीमे बाबा बैद्यनाथ — ‘२ टा गजल’ देल अछि।
२३७२. (A) साओन — पद्य-सूचीमे कल्पना झा — ‘साओन’ स्पष्ट रूपेँ अछि।
२३७३. (A) बरखा, हरियाली आ मासक सोहाओन अनुभूति — कविता ‘साओन आयल सोहावन मास’ बिम्बसँ बरखा-ऋतु आ हरियालीक वातावरण बनबैत अछि।
२३७४. (A) मतिविशेष — पद्य-सूचीमे आभा झा — ‘मतिविशेष’ देल अछि।
२३७५. (A) लेखिका कथा आ कविता दुनू विधामे उपस्थित छथि — गद्य-खंडमे ‘स्वार्थक रंग’ आ पद्य-खंडमे ‘मतिविशेष’ द्वारा आभा झाक द्विविध उपस्थिति अछि।
२३७६. (A) मैथिली गजल परंपरा — गजल विधाक दू प्रस्तुति अंकक पद्य-स्वरमे मैथिली गजलक उपस्थिति बढ़बैत अछि।
२३७७. (A) प्रकृति-संवेदना आ मन-बुद्धिक भावलोक — एक ओर साओनक ऋतु-बिम्ब अछि, दोसर ओर मतिविशेष शीर्षक मानसिक/भावनात्मक संकेत दैत अछि।
२३७८. (A) उपन्यास, सामाजिक कथा, डिजिटल विमर्श आ पद्यक मिश्रित अंक — लजकोटर, स्वार्थक रंग, सोशल मीडिया, गजल, साओन आ मतिविशेष मिलि बहुविध साहित्यिक अंक बनबैत अछि।
२३७९. (A) आधुनिक डिजिटल विमर्शक संग भाव-काव्यक संतुलन — डिजिटल लेख पाठककेँ आधुनिक सार्वजनिकता दिस लैत अछि, पद्य-रचना संवेदनात्मक धरातल दैत अछि।
२३८०. (A) अंक ३०२ गजल, साओनक ऋतु-बोध आ मतिविशेषक भाव-संकेतसँ पद्य-विविधता रचैत अछि — एहि खण्डमे अंक ३०२क पद्य-भागक तीन मुख्य प्रस्तुति — गजल, साओन, मतिविशेष — समेटल अछि।
२३८१. (A) तेसर खेप — गद्य-सूचीमे ‘लजकोटर (तेसर खेप)’ देल अछि।
२३८२. (A) गाम — गद्य-सूचीमे संतोष राय — ‘गाम’ देल गेल अछि।
२३८३. (A) ग्रामीण जीवन आ लोक-परिस्थिति — शीर्षक ‘गाम’ आ अंशमे लॉकडाउन/चौक/दोकानक प्रसंग ग्रामीण-सामाजिक जीवनक चित्र बनबैत अछि।
२३८४. (A) एहनो होइत छै — गद्य-सूचीमे नबोनारायण मिश्र — ‘एहनो होइत छै’ देल अछि।
२३८५. (A) यूट्यूब आ मैथिली — गद्य-सूचीमे ‘यूट्यूब आ मैथिली’ शीर्षक अछि।
२३८६. (A) भीडियो माध्यम द्वारा विचार, गीत, समाज आ साहित्य पहुँचाबय वाला मंच — लेखमे यूट्यूबपर भीडियो अपलोड कऽ बात सभ धरि पहुँचाबय आ विविध क्षेत्रक सामग्रीक उपयोग पर बल अछि।
२३८७. (A) गीत, चैनल, समाचार, संस्कृति आ डिजिटल विस्तार — लेखमे प्रारम्भिक चैनल, मैथिली गीत, JHM News आदि उदाहरण सँ डिजिटल प्रसारक रेखा बनैत अछि।
२३८८. (A) उपन्यास, ग्रामीण गद्य, सामाजिक कथा आ डिजिटल माध्यमक मिश्रण — लजकोटर, गाम, एहनो होइत छै आ यूट्यूब आ मैथिली मिलि गद्य-खंडक विविधता बनबैत अछि।

- २३८९. (A) ग्रामीण जीवन आ डिजिटल आधुनिकताक संग-साथ उपस्थिति** — एक ओर गामक लोक-यथार्थ अछि, दोसर ओर यूट्यूब द्वारा मैथिलीक डिजिटल विस्तारक विमर्श अछि।
- २३९०. (A) अंक ३०३ प्रवास-उपन्यास, गामक सामाजिक अनुभूति आ यूट्यूबक डिजिटल मैथिली इतिहासकें जोड़ैत अछि** — एहि खण्डमे ‘लजकोटर’क तेसर खेप, ‘गाम’, ‘एहनो होइत छै’ आ ‘यूट्यूब आ मैथिली’क आधार पर कथात्मक आ डिजिटल दुनू पक्ष समेटल अछि।
- २३९१. (A) नींद आबि जाइत अछि** — पद्य-सूचीमे आनन्द दास — ‘नींद आबि जाइत अछि’ देल अछि।
- २३९२. (A) थकान, मनोदशा आ निद्रा-संवेदना** — शीर्षक निद्रा आ मनक थकावट/आरामक संवेदना दिस संकेत दैत अछि।
- २३९३. (A) गजल** — पद्य-सूचीमे बाबा वैद्यनाथ — गजल देल अछि।
- २३९४. (A) आनन्द दासक कविता आ बाबा वैद्यनाथक गजल** — पद्य-सूचीमे एहि दू रचनाकारक दू विधागत प्रस्तुति अछि।
- २३९५. (A) माध्यम-परिवर्तन आ साहित्यिक अभिव्यक्ति दुनूकें एक अंकमे राखल गेल अछि** — अंक ३०३मे डिजिटल माध्यमक लेख आ पारम्परिक/आधुनिक पद्य एकसंग अछि।
- २३९६. (A) मैथिली गजल प्रकाशनक निरन्तरता** — पिछला अंकसभ जकाँ गजल विधाक सतत उपस्थिति मैथिली पद्यक एक धारा देखबैत अछि।
- २३९७. (A) व्यक्तिगत मनःस्थिति आ लयात्मक अभिव्यक्ति** — एक कविता निद्रा/मनक भाव आ दोसर गजल लयात्मक भाव-संरचना दैत अछि।
- २३९८. (A) प्रवासी कथा आ गामसँ डिजिटल यूट्यूब आ पद्य धरि** — गद्यक बहुविध विषय आ पद्यक संग अंक ३०३ ग्रामीण, डिजिटल आ भावात्मक स्तर जोड़ैत अछि।
- २३९९. (A) दू विधा-स्वर—कविता आ गजल—स्पष्ट अछि** — सूचीमे कम नाम अछि, मुदा कविता आ गजल दुनू पद्य-विधा उपस्थित अछि।
- २४००. (A) अंक ३०३क पद्य भाग निद्रा-संवेदना आ गजल-लय सँ भावात्मक पूरकता बनबैत अछि** — एहि खण्डमे आनन्द दासक कविता आ बाबा वैद्यनाथक गजलद्वारा पद्यक संक्षिप्त मुदा स्पष्ट उपस्थिति समेटल अछि।
- २४०१. (A) चारिम खेप** — गद्य-सूचीमे ‘लजकोटर (चारिम खेप)’ देल अछि।
- २४०२. (A) दूटा बीहनि कथा** — गद्य-सूचीमे प्रियंवदा तारा झा — दूटा बीहनि कथा देल अछि।
- २४०३. (A) मुक्ति** — गद्य-सूचीमे कंचन कंठ — ‘मुक्ति’ देल अछि।
- २४०४. (A) बंधनसँ छुटकारा, आत्मबोध वा सामाजिक मुक्ति** — शीर्षक ‘मुक्ति’ स्वाधीनता/छुटकारा/अन्तरद्वंद्वक कथा-संकेत दैत अछि।
- २४०५. (A) २ टा बीहनि कथा** — गद्य-सूचीमे प्रभाष अर्किचन — २ टा बीहनि कथा देल अछि।
- २४०६. (A) २ टा बीहनि कथा** — गद्य-सूचीमे विन्देश्वर ठाकुर — २ टा बीहनि कथा देल अछि।
- २४०७. (A) बीहनि कथा** — गद्य-सूचीमे मुन्ना जी — बीहनि कथा देल अछि।
- २४०८. (A) आशीष अनचिन्हारक प्रस्तुति रूपमे दोसर खेप** — सामग्री-सूचीमे नबोनारायण मिश्रजीक रचना — प्रस्तुति आशीष अनचिन्हार (दोसर खेप) देल अछि।
- २४०९. (A) धारावाहिक उपन्यासक संग अनेक बीहनि कथा-सामग्री** — लजकोटर, प्रियंवदा, प्रभाष, विन्देश्वर, मुन्ना जी आदि सँ गद्य-भागमे बीहनि कथा-केंद्रित विस्तार अछि।
- २४१०. (A) अंक ३०४ लजकोटरक निरन्तरता, ‘मुक्ति’ आ अनेक बीहनि कथा द्वारा गद्य-विविधता सामने आनैत अछि** — एहि खण्डमे अंक ३०४क गद्यक मुख्य धुरी — उपन्यास, बीहनि कथा, मुक्ति, आ प्रस्तुत रचनासूत्र — समेटल अछि।
- २४११. (A) मोन होइछ** — पद्य-सूचीमे प्रियंवदा तारा झा — ‘मोन होइछ’ देल अछि।
- २४१२. (A) अजगुत बुचिया** — पद्य-सूचीमे कंचन कंठ — ‘अजगुत बुचिया’ देल अछि।
- २४१३. (A) दूटा कविता** — पद्य-सूचीमे प्रभाष अर्किचन — दूटा कविता देल अछि।
- २४१४. (A) आउट इनकम** — पद्य-सूचीमे संतोष कुमार राय ‘बटोही’ — ‘आउट इनकम’ देल अछि।
- २४१५. (A) २ टा गजल** — पद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हार — २ टा गजल देल अछि।
- २४१६. (A) कृष्ण केर माहात्म्य** — पद्य-सूचीमे आभा झा — ‘कृष्ण केर माहात्म्य’ देल अछि।
- २४१७. (A) भीतरक मनोभाव आ लोक-बाल-संवेदनाक द्वंद्व/रंग** — एक शीर्षक मनक आकांक्षा दैत अछि, दोसर लोक-बोली/बुचिया बिम्बसँ विशेष भाव बनबैत अछि।

२४१८. (A) रचनाकार कथा-संवेदना आ पद्य-संवेदना दुनू क्षेत्रमे छथि — गद्य-खंडमे ‘मुक्ति’ आ पद्य-खंडमे ‘अजगुत बुचिया’ कंचन कंठक द्विविध उपस्थिति देखबैत अछि।
२४१९. (A) कविता, गजल, सामाजिक शीर्षक आ भक्तिपरक संकेत सभ एकठाम अछि — मोन होइछ, अजगुत बुचिया, आउट इनकम, गजल आ कृष्ण केर माहात्म्य विविध पद्य-स्वर बनबैत अछि।
२४२०. (A) अंक ३०४क पद्य भाग मन, लोक-भाव, सामाजिक व्यंग्य, गजल आ कृष्ण-भक्ति/माहात्म्यक विविध संसार अछि — एहि खण्डमे अंक ३०४क पद्य-सूचीमे निहित विविध विधा आ विषय-संकेत समेटल अछि।
२४२१. (A) पाँचम खेप — गद्य-सूचीमे ‘लजकोटर (५ म खेप)’ देल अछि।
२४२२. (A) दूटा बीहनि कथा — गद्य-सूचीमे प्रियंवदा तारा झा — दूटा बीहनि कथा देल अछि।
२४२३. (A) डी.एन.बी. आ जिला अस्पताल कार्यक्रमक लाभ — गद्य-सूचीमे प्रणव झाक लेख डी.एन.बी. आ ‘डी.एन.बी. इन डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल प्रोग्राम’क लाभपर अछि।
२४२४. (A) चिकित्सा-शिक्षा आ जन-जागरूकता लेल — लेखमे कहल अछि जे सूचना-समयमे चिकित्सा शिक्षासँ सम्बन्धित जनतब लोकसभक लेल जरूरी अछि।
२४२५. (A) विशेषज्ञ चिकित्सकक क्षेत्रीय पूल तैयार करब — जिला अस्पताल कार्यक्रमक उद्देश्य क्षेत्रीय स्तरपर विशेषज्ञ चिकित्सकक प्रशिक्षण आ पूल बनबेनाइ अछि।
२४२६. (A) २०० बेडसँ बेसी बिस्तरबला टर्सरी केयर अस्पताल — लेखमे २०० बेडसँ बेसी बिस्तरबला सरकारी/स्थानीय टर्सरी केयर अस्पतालमे पाठ्यक्रमक बात अछि।
२४२७. (A) मैथिलीमे इंटरनेट — गद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हार — ‘मैथिलीमे इंटरनेट’ देल अछि।
२४२८. (A) इंटरनेट मैथिली भाषामे कहिया आ कोना आएल — लेखमे लेखक स्पष्ट करैत छथि जे मैथिलीमे इंटरनेटसँ मतलब अछि इंटरनेट मैथिली भाषामे कहिया-कोना आएल।
२४२९. (A) भालसरिक गाछ — लेखमे भालसरिक गाछकेँ याहूसिटीज/ब्लागरक आरम्भिक मैथिली उपस्थिति रूपमे चिन्हल गेल अछि।
२४३०. (A) अंक ३०५ उपन्यास, बीहनि कथा, चिकित्सा-शिक्षा आ मैथिली इंटरनेट इतिहासक चारि अलग धारा जोड़ैत अछि — ‘लजकोटर’, बीहनि कथा, डी.एन.बी. लेख आ ‘मैथिलीमे इंटरनेट’ अंक ३०५क गद्यक मुख्य विस्तार अछि।
२४३१. (A) व्यूह — पद्य-सूचीमे प्रियंवदा तारा झा — ‘व्यूह’ देल अछि।
२४३२. (A) मोनक ओझराहट आ मनोव्यूह — कविताक आरम्भ ‘मोनक व्यूह’क बिम्बसँ भीतरक उलझन आ भाव-धेराव बनबैत अछि।
२४३३. (A) बिडम्बना — पद्य-सूचीमे नबोनारायण मिश्रजीक कविता ‘बिडम्बना’ देल अछि।
२४३४. (A) घर-घाटक बीच अस्थिरता, संघर्ष आ विडम्बना — कवितामे ‘घर के नै घाट के’ सन बिम्ब जीवनक अस्थिरता आ विडम्बनाक भाव दैत अछि।
२४३५. (A) व्यथा — पद्य-सूचीमे आभा झा — ‘व्यथा’ देल अछि।
२४३६. (A) गौर वर्ण, कृष्ण वर्ण आ उपेक्षित व्यथाक प्रश्न — कविता गौर वर्ण आ कृष्ण वर्णक काव्य-छविसँ उपेक्षित व्यथाक आवाज उठबैत अछि।
२४३७. (A) मनक उलझन, जीवनक विडम्बना आ उपेक्षित व्यथा — व्यूह, बिडम्बना, व्यथा — तीनू शीर्षक आ विषय-संकेत जीवनक आन्तरिक-सामाजिक पीड़ा जोड़ैत अछि।
२४३८. (A) इतिहास/तकनीकक दस्तावेजीकरण आ मानवीय पीड़ाक काव्यात्मक अभिव्यक्ति — एक ओर डिजिटल इतिहासक लेख अछि, दोसर ओर कवितासभमे आन्तरिक-सामाजिक अनुभूति अछि।
२४३९. (A) ज्ञानात्मक लेख, कथा आ भावप्रधान कविता सभ एकठाम अछि — डी.एन.बी. आ इंटरनेट लेख, लजकोटर-बीहनि कथा, आ व्यूह-बिडम्बना-व्यथा मिलि बहुविध संयोजन बनबैत अछि।
२४४०. (A) अंक ३०५क पद्य भाग मन, विडम्बना आ उपेक्षित व्यथा मार्फत गहन मानवीय संवेदना रचैत अछि — एहि खण्डमे प्रियंवदा तारा झा, नबोनारायण मिश्रजी आ आभा झाक पद्यद्वारा अंक ३०५क संवेदनात्मक पक्ष समेटल अछि।
२४४१. (A) छठम खेप — सामग्री-सूचीमे रबीन्द्र नारायण मिश्रक धारावाहिक उपन्यास ‘लजकोटर’क ६ म खेप देल अछि।
२४४२. (A) तीन टा बीहनि कथा — सूचीमे ज्ञानवर्द्धन कंठक नामक संग ‘३ टा बीहनि कथा’ स्पष्ट अछि, तँ गद्य-भागमे लघु कथा-रूप प्रमुख अछि।
२४४३. (A) फेसबुकक दू टा फीचर आ दू टा भ्रम — गद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक लेख ‘फेसबुकक दू टा फीचर आ दू टा भ्रम’ नामसँ देल अछि।

- २४४४. (A) डिजिटल सुविधा आ ओकर गलत बुझाई दुनू पर चर्चा** — शीर्षक स्वयं बतबैत अछि जे लेख फेसबुकक उपयोगी पक्ष आ ओकर भ्रम-दुनूकें समझाबय चाहैत अछि।
- २४४५. (A) प्रवासी कथा आ डिजिटल सार्वजनिकता एक अंकमे जुटैत अछि** — उपन्यास प्रवास-जीवनक कथा लैत अछि, आ फेसबुक लेख आधुनिक डिजिटल व्यवहारक प्रश्न उठबैत अछि।
- २४४६. (A) संक्षिप्त, संकेतप्रधान कथा-विधाकें मजबूत करैत अछि** — बीहनि कथा लघु आकारमे कथा-दंश आ सामाजिक संकेत देबयवला विधा अछि, जे अंकक गद्य-विविधताकें बढ़बैत अछि।
- २४४७. (A) धारावाहिक उपन्यास, बीहनि कथा, डिजिटल लेख** — गद्य-सूचीमे ‘लजकोटर’, तीन बीहनि कथा, आ फेसबुक-विमर्श — ई तीन मुख्य धारा देखाइत अछि।
- २४४८. (A) पूर्व अंकसभसँ चलैत प्रवासी जीवनक कथा आगू बढ़ैत अछि** — धारावाहिक उपन्यासक छठम खेप पूर्व प्रकाशित खेपसभक कथा-प्रवाहक अगिला कड़ी अछि।
- २४४९. (A) समाजक कथा, संक्षिप्त कथा-रूप आ डिजिटल सावधानी तीनू भेटैत अछि** — एहि अंकमे उपन्यास, बीहनि कथा आ फेसबुकक फीचर/भ्रमपर लेख मिलि साहित्य आ आधुनिक व्यवहारक संगम बनबैत अछि।
- २४५०. (A) अंक ३०६ गद्य-भागमे ‘लजकोटर’क छठम खेप, ज्ञानवर्द्धन कंठक बीहनि कथा आ फेसबुक-विमर्शकें जोड़ैत अछि** — खण्ड ७७१ अंक ३०६क गद्य-केन्द्रित रूपरेखा पकड़ैत अछि, जाहिमे धारावाहिक कथा, लघुकथा आ डिजिटल जागरूकता अछि।
- २४५१. (A) हम गाम छी** — पद्य-सूचीमे प्रियंवदा तारा झा — ‘हम गाम छी’ देल अछि।
- २४५२. (A) गामकें जीवित सामुदायिक अस्तित्वक रूपमे देखब** — शीर्षक ‘हम गाम छी’ गामकें निर्जीव स्थान नहि, बल्कि बोलैत-सांस लैत समुदायक रूपमे उपस्थित करैत अछि।
- २४५३. (A) रहमत आजु उपासल, बिरजू पियासल हे...** — पद्य-सूचीमे ज्ञानवर्द्धन कंठक रचना ‘रहमत आजु उपासल, बिरजू पियासल हे...’ आरम्भ-संकेतसँ देल अछि।
- २४५४. (A) भूख-प्यास आ जनजीवनक अभाव** — उपासल आ पियासल शब्द लोकजीवनक अभाव, पीड़ा आ असमानताकें सामने अनैत अछि।
- २४५५. (A) कोना कहू? भारत एक कृषि प्रधान देश अछि।** — पद्य-सूचीमे आशुतोषक कविता ‘कोना कहू? भारत एक कृषि प्रधान देश अछि।’ शीर्षकसँ देल अछि।
- २४५६. (A) घोषित कृषि-प्रधानता आ किसानक वास्तविक दशाक बीच तनाव** — शीर्षकमे ‘कोना कहू?’ प्रश्न देशक कृषि-छवि आ धरातलक कठिनाई बीचक विडम्बना उजागर करैत अछि।
- २४५७. (A) गाम, भूख-प्यास आ कृषि-जीवन** — ‘हम गाम छी’, ‘रहमत...बिरजू...’ आ कृषि-प्रधान भारत शीर्षक मिलि ग्राम्य-सामाजिक धरातल बनबैत अछि।
- २४५८. (A) डिजिटल आधुनिकता आ जमीनसँ जुड़ल लोक-जीवन दुनू** — अंकमे एक ओर फेसबुक-विमर्श अछि, दोसर ओर गाम, भूख-प्यास आ कृषि-संवेदना, तँ आधुनिक आ लोक-धरातल साथ अछि।
- २४५९. (A) कविता-संवेदनाक माध्यमे** — पद्य शीर्षकसभ संकेत दैत अछि जे सामाजिक प्रश्न कविता, गीत आ व्यंग्यात्मक प्रश्नक रूपमे व्यक्त अछि।
- २४६०. (A) अंक ३०६क पद्य-भाग गाम, अभाव आ कृषि-यथार्थक मार्मिक त्रयी बनबैत अछि** — प्रियंवदा तारा झा, ज्ञानवर्द्धन कंठ आ आशुतोषक पद्य-संकेत गाम आ किसान-जीवनक गहिर सामाजिक स्वर रचैत अछि।
- २४६१. (A) सातम खेप** — सामग्री-सूचीमे ‘लजकोटर (७ म खेप)’ देल अछि, जे धारावाहिक प्रवाहक अगिला कड़ी अछि।
- २४६२. (A) दूटा बीहनि कथा** — गद्य-सूचीमे प्रियंवदा तारा झा — ‘दूटा बीहनि कथा’ देल अछि।
- २४६३. (A) दुष्यंत कुमारक गजलक मिजाज सन गजल मैथिलीमे कहिया लीखल जेतै** — गद्य-सूचीमे आशीष अनचिन्हारक लेख दुष्यंत कुमारक गजलक मिजाज आ मैथिली गजलपर केन्द्रित अछि।
- २४६४. (A) मैथिली गजलमे जनवादी, तीक्ष्ण आ समकालीन स्वरक सम्भावना** — दुष्यंत कुमारक नाम आधुनिक जन-संवेदनशील गजल-स्वरक संकेत दैत अछि, जकर मैथिलीमे सम्भावना पर लेख केन्द्रित अछि।
- २४६५. (A) तिरहुता लिपिक उद्भव आ विकास** — भाग १ — गद्य-सूचीमे ‘तिरहुता लिपिक उद्भव आ विकास — भाग-१’ देल अछि।
- २४६६. (A) मैथिलीक लिपि-इतिहास आ सांस्कृतिक अस्मिता** — तिरहुता मैथिली-सांस्कृतिक ऐतिहासिक लिपि अछि; ओकर उद्भव-विकासक लेख भाषा-अस्मितासँ जुड़ैत अछि।

२४६७. (A) वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री' — सूचीमे 'वैद्यनाथ मिश्र "यात्री"क साहित्य यात्रा' शीर्षक डा. सुभाष चन्द्र झाक नामसँ देल अछि।
२४६८. (A) धारावाहिक उपन्यास, बीहनि कथा, गजल-विमर्श, लिपि-इतिहास — 'लजकोटर', बीहनि कथा, दुष्यंत-गजल विमर्श आ तिरहुता लेख मिलि गद्यक बहुविधता बनबैत अछि।
२४६९. (A) व्यक्तित्व आ कृतित्वक साहित्यिक अनुशीलन — साहित्य-यात्रा शीर्षक लेखकक रचनात्मक विकास, कृतित्व आ साहित्यिक योगदानक अध्ययनक संकेत दैत अछि।
२४७०. (A) अंक ३०७क आरम्भिक गद्य भाग प्रवासी उपन्यास, बीहनि कथा, गजल-विमर्श, तिरहुता आ यात्री-अध्ययनकेँ जोड़ैत अछि — एहि खण्डमे अंक ३०७क गद्य-सूचीमे आयल मुख्य साहित्यिक, भाषिक आ सांस्कृतिक बिंदु समेटल गेल अछि।
२४७१. (A) मैथिली बीहनि कथा संग्रह — सूचीमे 'मुन्ना जी — मोकाम दिस (मैथिली बीहनि कथा संग्रह)' देल अछि।
२४७२. (A) चारि पत्र — गद्य-सूचीमे विष्णु कान्त मिश्र — 'चारि पत्र' देल अछि।
२४७३. (A) पत्रात्मक अभिव्यक्ति — चारि पत्र शीर्षक पत्र/चिट्ठी-रूपक गद्य विधा दिस संकेत करैत अछि।
२४७४. (A) मिथिलाक नामकरण एवं प्रादुर्भाव — सूचीमे डॉ. चित्रलेखा — 'मिथिलाक नामकरण एवं प्रादुर्भाव' देल अछि।
२४७५. (A) मिथिलाक उत्पत्ति, नाम आ सांस्कृतिक पहचान — शीर्षक मिथिला नामक उत्पत्ति आ ऐतिहासिक-सांस्कृतिक उद्भवक चर्चा करबाक संकेत दैत अछि।
२४७६. (A) पुष्कर काण्डक विशेषता — गद्य-सूचीमे डॉ. अर्पणा — 'पुष्कर काण्डक विशेषता' देल अछि।
२४७७. (A) रमेश्वर चरित मिथिला रामायणमे 'कौशल्या' — सूचीमे 'रमेश्वर चरित मिथिला रामायणमे "कौशल्या"' शीर्षक स्पष्ट अछि।
२४७८. (A) बीछल गद्य-पद्य रचनाक संग्रह — सूचीमे 'एडिटर्स चोइस सीरीज (बीछल गद्य-पद्य रचनाक संग्रह)' कहि चयनित रचना-संग्रहक संकेत अछि।
२४७९. (A) क्षेत्रीय इतिहास आ धार्मिक-साहित्यिक परंपरा दुनूकेँ एकसाथ पढ़बैत अछि — मिथिलाक नामकरण, पुष्कर काण्ड आ कौशल्या सम्बन्धी लेख क्षेत्रीय आ रामायण-परंपराक संयुक्त अध्ययन बनबैत अछि।
२४८०. (A) अंक ३०७क उत्तरार्द्ध गद्य बीहनि कथा-संग्रह, पत्रात्मकता, मिथिला-इतिहास, रामायण-विमर्श आ चयनित रचनाकेँ समेटैत अछि — मोकाम दिस, चारि पत्र, मिथिलाक नामकरण, पुष्कर काण्ड, कौशल्या आ एडिटर्स चोइस मिलि अंकक अध्ययन-विस्तार देखबैत अछि।
२४८१. (A) दू टा गजल — पद्य-सूचीमे जगदीश चन्द्र ठाकुर 'अनिल' — २ टा गजल देल अछि।
२४८२. (A) पथराइत डीह — सूचीमे मुन्ना जीक कविता 'पथराइत डीह' देल अछि।
२४८३. (A) गाम-घरक स्मृति, सूखलपन आ कठोर होइत धरती — डीह शब्द गाम-बसावट/माटिक स्मृतिसँ जुड़ल अछि; पथराइत बिम्ब कठोरता आ क्षरणक भाव जगबैत अछि।
२४८४. (A) तीनटा कविता आ दू टा गजल — पद्य-सूचीमे अमरेश कुमार लाभ — तीनटा कविता आ दू टा गजल देल अछि।
२४८५. (A) अपन घेर — सूचीमे डॉ. आभा झा — 'अपन घेर' देल अछि।
२४८६. (A) अपन सीमा, निज संसार आ आत्म-परिसरक प्रश्न — शीर्षक अपना चारूकातक घेर, निजता आ सामाजिक सीमा सभपर सोचय लेल प्रेरित करैत अछि।
२४८७. (A) हम स्त्री छी — पद्य-सूचीमे इरा मल्लिक — 'हम स्त्री छी' देल अछि।
२४८८. (A) स्त्री-अस्मिता आ आत्म-स्वर — शीर्षक स्वयं स्त्रीक पहिचान, आत्मवक्ता आ सामाजिक स्थानक घोषणाक रूपमे उभरैत अछि।
२४८९. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक आगमनक बाद मैथिली साहित्यक दृश्य — सूचीमे A Parallel History... after the arrival of Jagdish Prasad Mandal शीर्षक मैथिली साहित्यक काल-परिवर्तनपर केन्द्रित अछि।
२४९०. (A) अंक ३०७क पद्य-भाग गजल, गामक डीह, आत्म-घेर, स्त्री-स्वर आ साहित्य-इतिहासक व्यापकता जोड़ैत अछि — पद्य-सूचीमे अनिल, मुन्ना जी, अमरेश, आभा, इरा आ साहित्य-इतिहास सामग्री मिलि बहुविध पद्य-संवेदना बनबैत अछि।
२४९१. (A) दूटा बीहनि कथा — गद्य-सूचीमे इरा मल्लिक — 'दूटा बीहनि कथा' देल अछि।
२४९२. (A) दूटा गीतक चर्चा उच्चारण केर आँगनमे — सूचीमे आशीष अनचिन्हार — 'दूटा गीतक चर्चा उच्चारण केर आँगनमे' देल अछि।
२४९३. (A) गीत-पाठ आ ध्वनि-शुद्धताक प्रश्न — उच्चारणक आँगनमे गीतक चर्चा भाषिक ध्वनि, बोलचाल आ गेयताक सूक्ष्म पक्ष खोलैत अछि।
२४९४. (A) म. म. राजनाथ मिश्र ओ तिथि निर्णय — गद्य-सूचीमे 'म. म. राजनाथ मिश्र ओ तिथि निर्णय : एक अध्ययन' शीर्षक देल अछि।

२४९५. (A) भाग २ — सूचीमे 'तिरहुता लिपिक उद्भव आ विकास — भाग-२' देल अछि, जे पिछला भागक अगिला कड़ी अछि।
२४९६. (A) बांग्ला, असमिया आ ओड़िया — सामग्री-सूचीमे मैथिली आ दोसर पुबरिया भाषा — बांग्ला, असमिया आ ओड़िया — बीचक सम्बन्धक उल्लेख अछि।
२४९७. (A) संस्कार पर समीक्षा — सूचीमे 'पं. तेजनाथ झा ओ संस्कार : एक समीक्षा' शीर्षक देल अछि।
२४९८. (A) महादेवक कूटनीति — गद्य-सूचीमे विष्णु कान्त मिश्र — 'महादेवक कूटनीति' देल अछि।
२४९९. (A) मिथिलामे पावनि-तिहार आ गीत-नादक महत्व — सूचीमे डॉ. चित्रलेखाक 'मिथिलामे पावनि-तिहार' आ 'मिथिलामे गीत नादक महत्व' देल अछि।
२५००. (A) अंक ३०८क आरम्भिक गद्य बीहनि कथा, गीत-उच्चारण, तिथि-निर्णय, तिरहुता, पूर्वी भाषा-संबन्ध आ सांस्कृतिक अध्ययन जोड़ैत अछि — एहि खण्डमे अंक ३०८क गद्य-सूची २.१ सँ २.१० धरि देखबैत प्रमुख भाषिक, साहित्यिक आ सांस्कृतिक रेखा समेटल गेल अछि।